



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-25082025-265674
CG-DL-E-25082025-265674

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 216]

नई दिल्ली, रविवार, अगस्त 17, 2025/ श्रावण 26, 1947

No. 216]

NEW DELHI, SUNDAY, AUGUST 17, 2025/ SHRAVANA 26, 1947

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(व्यापार उपचार महानिदेशालय)
अधिसूचना
नई दिल्ली 16 अगस्त, 2025
अंतिम जांच परिणाम
मामला सं. ए डी-01/2024

विषय: "गैर-मिश्रित धातु और मिश्रित धातु इस्पात प्लेट उत्पादों" के आयात के संबंध में रक्षोपाय जांच में अंतिम जांच परिणाम।

क. मामले की पृष्ठ भूमि

- फा. सं. 22/01/2024-डीजीटीआर. दि इंडियन स्टील एसोसिएशन ("आईएसए" अथवा "आवेदक"), अपने सदस्यों नामतः, क) आर्सेलर मित्तल निप्पोन स्टील इंडिया लिमिटेड और उसकी संबंधित इकाई, एएमएनएस खोपोली लिमिटेड, ख) जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड और इसके तत्कालीन संबंधित संस्थाएं अर्थात्, जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड, और भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड ग) जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड और

घ) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सामूहिक रूप से "आवेदक कंपनियों" के रूप में संदर्भित) की ओर से महानिदेशक (जिन्हें आगे "प्राधिकारी", अथवा "डीजी" अथवा "महानिदेशक" के रूप में कहा गया है) भारत में "गैर-मिश्रित धातु और मिश्रित धातु इस्पात फ्लैट उत्पादों" (जिसे आगे "पीयूसी" तथा विचाराधीन उत्पाद अथवा "संबद्ध वस्तु") के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने की मांग करते हुए सीमा प्रशुल्क (रक्षोपाय कदमों की पहचान और आकलन) नियमावली, 1997 (जिसे आगे "नियमावली" कहा गया है) के साथ पठित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1995 (जिसे आगे "अधिनियम" कहा गया है) की धारा 8ख के अन्तर्गत एक आवेदन दायर किया।

2. आवेदक ने आरोप लगाया है कि आयात की मात्रा में हाल ही में अचानक, तेजी से और अधिक वृद्धि हुई है, जिससे भारत में घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है। आवेदक का आगे यह आरोप है कि आयात इतनी बड़ी हुई मात्रा में और ऐसी परिस्थितियों में हुआ है कि घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है और होने का खतरा है। आवेदक समान उत्पाद या सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पादों के उत्पादन में लगे घरेलू उद्योग को विचाराधीन उत्पाद के आयात से होने वाली ऐसी गंभीर क्षति और उसके खतरे से बचाने के लिए रक्षोपाय शुल्क लगाने की मांग करता है।
3. प्राधिकारी ने 19 दिसंबर 2024 के नोटिस के संदर्भ में आवेदन में दिए गए साक्ष्य की सटीकता और पर्याप्तता की जांच करने के बाद इस नियमावली के नियम 5(3) के अन्तर्गत वर्तमान रक्षोपाय जांच शुरू की और अपने आप को संतुष्ट किया कि क) आयातों में हाल ही में, अचानक, तीव्र और अधिक वृद्धि, ख) घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति और गंभीर क्षति का खतरा, और ग) बढ़े हुए आयात और गंभीर क्षति के बीच कारणात्मक संबंध और उसके संबंध में पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं।
4. 18 मार्च, 2025 को, प्राधिकारी ने एक प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किया जिसमें 200 दिनों की अवधि के लिए 12% का अनंतिम सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की गई थी, जो प्रारंभिक जांच परिणाम के पैराग्राफ 342 में उल्लिखित मूल्य बेंचमार्क के अधीन था। 21 अप्रैल, 2025 की अधिसूचना संख्या 01/2025-सीमा शुल्क (एसजी) के तहत, केंद्र सरकार ने प्राधिकारी द्वारा अनुशंसित 200 दिनों की अवधि के लिए अनंतिम रक्षोपाय शुल्क लगाया। उक्त अनंतिम शुल्क 7 नवंबर, 2025 तक लागू है।

ख. प्रक्रिया

5. प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

- क. प्राधिकारी ने सीजी-डीएल-ई 202122024-259547 के माध्यम से 19 दिसंबर 2024 के भारत के राजपत्र असाधारण भाग I संख्या 337 में प्रकाशित दिनांक 19 दिसंबर 2024 की जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना सं. 22/01/2024-डीजीटीआर के संदर्भ में वर्तमान जांच शुरू की।
- ख. नियम 6(2) और 6(4) के अनुसार, जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना और आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण (एनसीवी) की प्रतियां निर्यातक देशों के दूतावासों, ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और संबद्ध वस्तुओं के प्रयोक्ताओं और संबंधित एसोसिएशनों को अग्रेषित की गई थी।
- ग. निर्यातक देशों के दूतावासों, उत्पादकों, निर्यातकों, आयातकों और प्रयोक्ताओं सहित हितबद्ध पक्षकारों को अपने उत्तर दायर करने के लिए शुरू में 15 दिन का समय दिया गया था। इसके बाद, प्राधिकारी ने अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों पर विचार किया और उनके उत्तर दायर करने के लिए 22 जनवरी, 2025 तक समय विस्तार प्रदान किया।
- घ. प्राधिकारी ने इस नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार निर्यातक देशों में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी:

1. रिझाओ
2. बेटाई आयरन एंड स्टील
3. बाओटौ आयरन एंड स्टील ग्रुप
4. जिआंगसू शगांग ग्रुप कंपनी लिमिटेड

5. टोंगहुआ आयरन स्टील ग्रुप कॉर्पोरेशन
6. अंगांग स्टील कंपनी
7. नानजिंग आयरन एंड स्टील
8. तांगशांग आयरन एंड स्टील
9. वुहान आयरन एंड स्टील
10. तियानजिन आयरन एंड स्टील ग्रुप कंपनी लिमिटेड
11. शंघाई कलर स्टील कंपनी लिमिटेड
12. बाओस्टील ग्रुप कॉर्पोरेशन
13. एओसेन स्टील
14. निप्पोन सुमितोमो
15. जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन
16. कोबे
17. निशिन स्टील कंपनी लिमिटेड
18. पोस्को
19. हुंडई स्टील कंपनी लिमिटेड
20. डोंगकुग स्टील मिल कोल लिमिटेड
21. सेवरस्टल
22. ईवीआरएजेड
23. मैग्रीटोगोर्स्क आयरन एंड स्टील
24. क्राकाटाऊ स्टील
25. ग्रोथ स्टील
26. पीटी. गुनावान डियानजया स्टील, टीबीके
27. आर्सेलर मित्तल, यूक्रेन
28. पीजेएससी "निकोपोल फेरोएलॉय प्लांट"
29. आर्सेलर मित्तल जर्मनी होलंडिंग जीएमबीएच
30. आर्सेलर मित्तल इटालिया
31. स्टील कोट यूरोप एल्यूर (आर्सेलर मित्तल)
32. थिसेनक्रुप स्टील यूरोप एजी
33. एसएसएबी
34. मेटल ट्रेड कोमैक्स
35. वोएस्टलपाइन एजी
36. हटनवेर्के क्रुप मैनेसमैन
37. साल्जगिटर ग्रुप

ड. निम्नलिखित पक्षकारों ने या तो जांच में अपनी रुचि दर्ज की और/अथवा अनुरोध दायर किए:

क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम	क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम
1.	ताइवान दूतावास	2.	केएडी एंड कंपनी (एजेंसी) प्राइवेट लिमिटेड
3.	कोरिया दूतावास	4.	शंकर मर्केटाइल प्राइवेट लिमिटेड एसएमपीएल
5.	इंडोनेशिया दूतावास	6.	जयस्प्रिंग्स
7.	ब्रिटिश उच्चायोग	8.	वेलस्पन कॉर्प लिमिटेड
9.	रूस दूतावास	10.	लियोमेट अलॉयज
11.	मलेशिया उच्चायोग	12.	डीएमसी ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड
13.	सऊदी अरब दूतावास	14.	डेसांन्ग इंडिया ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड
15.	जापान दूतावास	16.	डेचांग सीट ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड
17.	वियतनाम उद्योग और व्यापार मंत्रालय	18.	केएसएच ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड
19.	स्पेन दूतावास	20.	जीनुक्स प्राइवेट लिमिटेड
21.	तुर्की दूतावास	22.	आर्या ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड
23.	यूएई दूतावास	24.	फाइन कंपोनेंट्स एंड टूल्स प्राइवेट लिमिटेड
25.	यूरोपीय संघ दूतावास	26.	टैडपोल इंजीनियरिंग कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड
27.	ब्राजील दूतावास	28.	सुंगवू स्टैम्पिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
29.	मेक्सिको दूतावास	30.	प्युंग ह्वा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पीएचआई
31.	वाणिज्य मंत्रालय, थाईलैंड	32.	वेस्टास विंड टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
33.	स्वीडन दूतावास	34.	पेन्नार इंडस्ट्रीज लिमिटेड
35.	डिलिंगर हुटेनवर्के की एक्टिवन-गेसेलशाफ्ट	36.	वी डब्ल्यू इम्पैक्स
37.	वीना वन स्टील मैनुफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन	38.	व्योमा एक्सिम प्राइवेट लिमिटेड
39.	ताय नाम स्टील मैनुफैक्चरिंग एंड ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड	40.	जी जी स्टील्स
41.	निप्पॉन स्टील ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन	42.	वाईएसआई ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड
43.	निप्पॉन स्टील कॉर्पोरेशन	44.	एसआरके इंटरनेशनल
45.	जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन	46.	गेस्टैम्प ऑटोमोटिव चन्नई प्राइवेट लिमिटेड
47.	कोबे स्टील लिमिटेड	48.	यूई प्रेस टूल्स प्राइवेट लिमिटेड

क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम	क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम
49.	टोयोटा त्सुशो कॉर्पोरेशन	50.	सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (सियाम)
51.	जेएफई शोजी कॉर्पोरेशन	52.	सातोशोजी-इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
53.	टोयोटा त्सुशो कॉर्पोरेशन	54.	एसकेएच एम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
55.	कोरिया गणराज्य का व्यापार, उद्योग और ऊर्जा मंत्रालय	56.	कृष्का स्ट्रैपिंग सॉल्यूशंस लिमिटेड
57.	जेएफई शोजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	58.	पीओएस-हुंडई स्टील मैनुफैक्चरिंग (आई) प्राइवेट लिमिटेड
59.	निप्पाॉन स्टील पाइप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	60.	टीटी स्टील सर्विस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
61.	राजस्थान प्राइम स्टील प्रोसेसिंग सेंटर प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड	62.	स्टील एंड बियरिंग कॉर्पोरेशन
63.	निसान ट्रेडिंग कंपनी, लिमिटेड	64.	कलरशाइन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
65.	रेनॉल्ट निसान ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	66.	चिराली एंटरप्राइजेज"
67.	होंडा ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	68.	मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड
69.	निप्पाॉन स्टील ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन	70.	1. पीसीए ऑटोमोबाइल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड 2. ग्रुपो कॉसमॉस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड 3. पेन्नार इंडस्ट्रीज लिमिटेड
71.	जापान आयरन एंड स्टील फेडरेशन	72.	नआरबी बियरिंग लिमिटेड
73.	जीएस ग्लोबल कॉर्प	74.	कारिसन प्रोफाइल प्राइवेट लिमिटेड
75.	हुंडई कॉर्पोरेशन	76.	सुंगवू हाई-टेक एपी प्राइवेट लिमिटेड
77.	हुंडई स्टील कंपनी	78.	डेचांग इंडिया सीट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
79.	हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड	80.	ह्वाशिन ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
81.	होआ सेन ग्रुप	82.	जेबीएम ओगिहारा ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
83.	सैमसंग सीएंडटी कॉर्पोरेशन	84.	टाटा मोटर्स ग्रुप
85.	ह्योसुंग टीएनसी कॉर्पोरेशन	86.	पुरोहित स्टील इंडिया लिमिटेड
87.	जियांगयिन जिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कंपनी, लिमिटेड	88.	ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव
89.	आंगंग स्टील कंपनी, लिमिटेड	90.	एचएल मंडो आनंद इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,
91.	बेंगंग स्टील प्लेट्स कंपनी, लिमिटेड	92.	महिंद्रा एंड महिंद्रा

क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम	क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम
93.	1. चेंगडे चेंगस्टील वैनेडियम और टाइटेनियम कोल्ड रोलिंग 2. थिन प्लेट कं, लिमिटेड.", 3. एचबीआईएस कंपनी लिमिटेड हान्डान शाखा", 4. एचबीआईएस लाओटिंग आयरन एंड स्टील कं, लिमिटेड." 5. वुयांग आयरन एंड स्टील कं, लिमिटेड.",	94.	महिंद्रा डिफेंस सिस्टम्स लिमिटेड
95.	जियांगयिन जिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं, लिमिटेड	96.	एनएलएमके इंडिया सर्विस सेंटर प्राइवेट लिमिटेड
97.	शौगांग कियान'आन आयरन और शौगांग जिंगटांग यूनाइटेड	98.	हेला इंडिया ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड
99.	1. हुंडई स्टील कंपनी, कोरिया गणराज्य 2. हुंडई स्टील पाइप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड 3. हुंडई स्टील अनंतपुर प्राइवेट लिमिटेड 4. हुंडई स्टील इंडिया प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड	100.	संसेरा इंजीनियरिंग लिमिटेड,
101.	जिंदल इंडिया प्राइवेट	102.	अशोक लीलैंड डिफेंस सिस्टम्स लिमिटेड
103.	किआ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	104.	अशोक लीलैंड लिमिटेड
105.	मैन इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड	106.	आईबीएफ ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड
107.	रत्नमणि मेटल्स एंड ट्यूब्स लिमिटेड	108.	सिन्सरिटी इनोवेशन टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
109.	वेलस्पन कॉर्प लिमिटेड	110.	टैलब्रोस ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स लिमिटेड
111.	जिंदल इंडिया लिमिटेड	112.	ऋद्धि सिद्धि स्पेशल स्टील प्राइवेट लिमिटेड
113.	मेगा पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड	114.	हरिओम पाइप इंडस्ट्रीज लिमिटेड
115.	रत्नमणि मेटल्स एंड ट्यूब्स लिमिटेड	116.	वेलमुरुगन हेवी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड,
117.	हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड	118.	फेडरल मोगुल टीजन.गण. इंडिया लिमिटेड
119.	चीन आयरन एंड स्टील एसोसिएशन	120.	पॉलीहोज सातो शोजी मेटल वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड
121.	वियतनाम स्टील एसोसिएशन	122.	इंडिया मेटल वन स्टील प्लेट प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड
123.	इंडियन पाइप मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन	124.	कीर्ति प्रेसिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
125.	स्टील यूजर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसयूएफआई)	126.	जेबीएम ऑटो लिमिटेड

क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम	क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम
127.	एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	128.	फेरम एक्सट्रीम इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड
129.	मेटल वन कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ("एमओसीआईपीएल")	130.	मचानी रमेश इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड
131.	शिवालिक बायमेटल कंट्रोलस लिमिटेड	132.	पीएचए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
133.	गोदरेज एंड बॉयस मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड	134.	कात्सुशिरो मेटेक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,
135.	किर्को स्टील एलएलपी	136.	टाटा स्टील डाउनस्ट्रीम प्रोडक्ट्स लिमिटेड
137.	मेटल वन कॉर्पोरेशन	138.	तेहवा एंटरप्राइजेज (आई) प्राइवेट लिमिटेड
139.	पोस्को महाराष्ट्र स्टील प्राइवेट लिमिटेड	140.	पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
141.	पोस्को इंडिया पुणे प्रोसेसिंग सेंटर प्राइवेट लिमिटेड	142.	पुष्पांजलि ड्रम्स प्राइवेट लिमिटेड
143.	पोस्को इंडिया प्रोसेसिंग सेंटर प्राइवेट लिमिटेड	144.	के एम सीट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
145.	पोस्को	146.	रिकुन मैनुफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड
147.	पोस्को स्टीलियन	148.	कुमकांग मशीनरी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
149.	हुंडई कॉर्पोरेशन	150.	लियोमेट अलॉयज
151.	डोंगकु कौटेड मेटल कंपनी लिमिटेड	152.	क्वांगसंग ब्रेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,
153.	डोंगकु स्टील इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	154.	कोमोस ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
155.	सेवरस्टल	156.	एक्शन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट लिमिटेड एसीई
157.	ह्योसुंग टीएनसी कॉर्पोरेशन	158.	एल.जी.बालकृष्णन एंड ब्रदर्स लिमिटेड,
159.	एनएएम किम स्टील ज्वाइंट स्टॉक कंपनी	160.	अहमदाबाद स्ट्रिप्स पीडब्लू लिमिटेड
161.	एनएलएमके वेरोना एस.पी.ए.	162.	स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल्स एनर्जी लिमिटेड
163.	एनएलएमके क्लैबेक एस.ए.	164.	एम एंड बी इंजीनियरिंग लिमिटेड
165.	एनएलएमके प्लेट सेल्स एस.ए.	166.	डाली एंड समीर इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड,
167.	जेएफई शोजी स्टील मलेशिया एसडीएन बीएचडी	168.	गेस्टैम्प ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
169.	सीएससी स्टील एसडीएन बीएचडी	170.	फिएट इंडिया ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड
171.	फॉर्मोसा हा तिन्ह स्टील कॉर्पोरेशन (एफएचएस)	172.	सीआईई ऑटोमोटिव इंडिया लिमिटेड
173.	टीवीपी स्टील ट्रेडिंग ज्वाइंट स्टॉक कंपनी	174.	एमटेक टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट

क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम	क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम
			लिमिटेड
175.	पोस्को इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, कोरिया आरपी	176.	गार्टेक इक्विपमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
177.	केजी डोंगबू स्टील कंपनी लिमिटेड	178.	गर्ग्स इंजीनियर्स
179.	मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड	180.	डेमलर इंडिया कमर्शियल व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड
181.	स्टेनलेस स्टील मर्चेण्ट्स एसोसिएशन	182.	चेसिस ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
183.	फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ महाराष्ट्र	184.	तरुण इंटरनेशनल लिमिटेड
185.	दि जापान आयरन एंड स्टील फेडरेशन	186.	आर्केज बिल्डिंग इंडिया एलएलपी
187.	ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसीएमए)	188.	बीजी इंडस्ट्रियल एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड
189.	इंडियन पाइप मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए)	190.	मैक्सग्लोबल टेक्रो सिस्टम्स (पी) लिमिटेड
191.	कोरिया आयरन एंड स्टील एसोसिएशन (कोसा)	192.	स्टिच ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड
193.	फेडरेशन ऑफ कच्छ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एफओकेआईए)	194.	सीएससीआई स्टील कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
195.	ताइवान स्टील एंड आयरन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (टीएसआईआईए)	196.	एसकेएच शीट मेटल्स कंपोनेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
197.	मेटल एंड स्टेनलेस स्टील मर्चेण्ट्स एसोसिएशन	198.	डब्ल्यूकेएम ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
199.	कंस्ट्रक्शन फेडरेशन ऑफ इंडिया	200.	एविजा टेक्नोलॉजीज,
201.	एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड	202.	जेआर एंड कंपनी पूरी स्टील सर्विस
203.	मानकसिया स्टील्स लिमिटेड	204.	ऑल इंडिया मेटल कॉर्प
205.	एसएसएमएस स्टील्स इंडिया एलएलपी	206.	एमआई इलेक्ट्रिकल स्टील प्रोसेसिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
207.	अरुण अग्रवाल (माइक्रो एमएसएमई)	208.	जीडिया इंडिया ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
209.	ब्लूपिन एनर्जी	210.	एआईएसआईएन ऑटोमोटिव हरियाणा प्राइवेट लिमिटेड
211.	तुराखिया इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड	212.	सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
213.	विनोद कुक्वेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	214.	पोस्को इंटरनेशनल कॉर्प इंडिया प्राइवेट

क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम	क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम
			लिमिटेड
215.	इसगेक हैवी इंजीनियरिंग लिमिटेड	216.	स्टेकोल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड
217.	इसगेक हिताची जोसेन लिमिटेड	218.	नीमराना स्टील सर्विस सेंटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
219.	लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड	220.	क्वांगजिन इंडिया ऑटोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड
221.	सीयू-ब्यूट इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड	222.	एसएल ल्यूमैक्स लिमिटेड
223.	मेसर्स जय भारत मारुति लिमिटेड और मेसर्स मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड	224.	बूयंग ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड,
225.	एनटेक ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड	226.	हुंडई ट्रांसिस लीयर ऑटोमोटिव इंड प्राइवेट लिमिटेड
227.	टीआई फ्लूइड सिस्टम	228.	एनवीएच इंडिया ऑटो पार्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
229.	सीएससीआई स्टील कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	230.	एचएसआई ऑटोमोटिव्स प्राइवेट लिमिटेड
231.	शारदा मोटर इंडस्ट्रीज लिमिटेड	232.	यूनो मिंडा लिमिटेड
233.	संकेई गिकेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	234.	जीआरआई टावर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
235.	जेबीएम ग्रुप	236.	सेनवियन विंड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
237.	एक्सेडी इंडिया लिमिटेड	238.	ह्योसुंग कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
239.	सनोह इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	240.	कोमात्सु इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
241.	एसआरके स्टील	242.	ताइइन स्टील फैब एंड इफ्रा प्राइवेट लिमिटेड
243.	शेफलर इंडिया लिमिटेड	244.	श्री बालाजी साई स्टील्स
245.	शेफलर इंडिया लिमिटेड	246.	जैन ब्रदर्स टोयोटा बोशोकू डिवाइस इंडिया प्रा. लिमिटेड
247.	डेबू ऑटोमोटिव सीट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	248.	रत्नदीप स्टील ट्रेडर्स आयरन एंड स्टील मर्चेण्ट्स एसएसएबी स्वीडिश स्टील इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
249.	एसएसएबी स्वीडिश स्टील इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	250.	रांका स्टील्स
251.	विंडर रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	252.	महक इस्पात प्राइवेट लिमिटेड
253.	दुर्गा इस्पात उद्योग	254.	गीता उद्योग आयरन एंड स्टील मर्चेण्ट
255.	एसके अग्रवाल एंड कंपनी	256.	मर्करी स्टील एजेंसी

क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम	क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम
257.	हाइड इंडस्ट्रीज	258.	मीनाक्षी स्टील कॉर्पोरेशन
259.	जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड	260.	मर्करी स्टील प्राइवेट लिमिटेड
261.	हीना स्टील एलएलपी	262.	मेटल ट्रेडिंग कंपनी
263.	नर्मदा आयरन एंड एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड	264.	मित्तल एजेंसियां
265.	भरतकुमार इंड्रसेन ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड	266.	बजाज इंडस्ट्रियल अलॉयज प्राइवेट लिमिटेड
267.	राजम स्टील ट्रेडर्स	268.	मैंडोट स्टील
269.	असम रूफिंग लिमिटेड	270.	श्री अरुमुगा स्टील ट्रेडर्स
271.	वैश्विक व्यापार अनुसंधान पहल	272.	हिंदुस्तान हार्डवेयर्स

- च. जांच की शुरुआत के बाद, प्राधिकारी ने संगत अवधि के लिए डीजीसीआईएस आंकड़े प्राप्त किए और इस अंतिम जांच परिणाम में उस पर विचार किए। घरेलू उद्योग के संबंध में क्षति और अन्य सूचना याचिकाकर्ताओं के कंपनी-विशिष्ट आंकड़ों पर आधारित है।
- छ. प्राधिकारी ने आवेदक कंपनियों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का प्रारंभिक सत्यापन जहां तक आवश्यक समझा जाए। इसने आवेदन में दी गई जानकारी को प्रत्येक आवेदक कंपनी द्वारा रखे गए वित्तीय रिकॉर्ड से क्रॉस-चेक किया।
- ज. यह देखते हुए कि जांच अवधि पर्याप्त रूप से लंबी और समय में पर्याप्त रूप से हाल ही की होनी चाहिए ताकि विभिन्न प्रासंगिक कारकों जैसे घरेलू बाजार की स्थिति, डीआई का प्रदर्शन आदि के आधार पर उचित निष्कर्ष निकाले जा सकें, प्राधिकारी ने उचित किया। तदनुसार, प्राधिकारी ने इस जांच के प्रयोजनों के लिए 1 अक्टूबर 2023 से 30 सितंबर 2024 को सबसे हालिया अवधि या जांच की अवधि (पीओआई) के रूप में और वित्त वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24 और पीओआई को क्षति जांच अवधि या क्षति विश्लेषण अवधि के रूप में लिया है।
- झ. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा परस्पर आधार पर प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतरण व्यापार सूचना संख्या 10/2018 दिनांक 7 सितंबर 2018 के माध्यम से निर्धारित तरीके से उपलब्ध कराया। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना/अनुरोधों के ऐसे गोपनीयता दावों की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के बारे में संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने ऐसी जानकारी/अनुरोध को गोपनीय माना है। गोपनीयता के दावों को स्वीकार न करने की स्थिति में, हितबद्ध पक्षकारों को उसी का अगोपनीय रूपांतर प्रस्तुत करने और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों परिचालित करने का निदेश दिया गया था।
- ञ. प्राधिकारी ने 18 मार्च, 2025 को प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किया। पक्षकारों को इस पर अपनी टिप्पणियाँ दाखिल करने के लिए 30 दिनों का समय दिया गया।
- ट. प्राधिकारी ने 5 और 6 जुलाई, 2025 को मौखिक सुनवाई की। पक्षकारों को मौखिक सुनवाई की तिथि से 7 दिनों तक अपने लिखित अनुरोध दायर करने और लिखित अनुरोध दायर करने की तिथि से 10 दिनों तक अपने प्रत्युत्तर दायर करने का समय दिया गया।
- ठ. इस दस्तावेज में '****' किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना और इस नियमावली के नियम 7 के अंतर्गत ऐसी मानी गई सूचना का प्रतिनिधिक है।

- ड. प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए सभी तर्कों और उपलब्ध कराई गई सूचना पर इस सीमा तक विचार किया है कि वे साक्ष्यों द्वारा समर्थित हैं और वर्तमान जांच के लिए संगत माने गए हैं।
- ढ. कोरिया गणराज्य सरकार और जापान सरकार ने प्राधिकारी से परामर्श करने का अनुरोध किया। प्राधिकारी ने उनके अनुरोध पर विचार किया और 24.01.2025 को कोरिया सरकार के प्रतिनिधियों और 29.01.2025 को जापान सरकार के ई-प्रतिनिधियों के साथ परामर्श किया। परामर्श के दौरान उठाए गए मुद्दों को इन अंतिम जांच परिणामों में उचित रूप से संबोधित किया गया है।
- ण. प्राधिकारी अंतिम दिए गए तर्कों की आगे जांच करेंगे, जो अंतिम जांच परिणामों के समय उसके जांच परिणामों का आधार बनेगा।
- त. पीओआई के लिए विनिमय दर 1 US\$=83.09 रु. थी।

ग. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

- 6. जाँच के दौरान कई हितबद्ध पक्षकारों ने विभिन्न अनुरोध किए। पक्षकारों ने पीयूसी के दायरे के संबंध में भी अनुरोध किए। पीयूसी के दायरे के संबंध में प्राप्त सभी अनुरोध और टिप्पणियाँ इन अंतिम जांच परिणामों के "विचाराधीन उत्पाद" शीर्षक वाले भाग में दर्ज हैं। अन्य मुद्दों के संबंध में पक्षकारों के अनुरोध इसी खंड में दर्ज हैं।

I. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

- 7. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :
 - i. आवेदक कम्पनियों को आवेदन दायर करने का अधिकार है, क्योंकि भारत में समान वस्तु या प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तु का उनका सामूहिक उत्पादन, भारत में उक्त वस्तु के कुल उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है।
 - ii. ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ("जीटीआरआई") को सुरक्षा नियमों के नियम 2(बी) के अनुसार "हितधारक" नहीं माना जा सकता। इसलिए, जीटीआरआई द्वारा प्रस्तुत प्रस्तुतियों को नज़रअंदाज़ किया जाना चाहिए।
 - iii. न तो सीमा शुल्क अधिनियम और न ही सुरक्षा नियम प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करने से पहले सार्वजनिक सुनवाई आयोजित करने का आदेश देते हैं।
 - iv. प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करने के बाद सभी हितबद्ध पक्षकारों को टिप्पणियाँ दाखिल करने का अवसर दिया है, जिन पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा।
 - v. मद्रास उच्च न्यायालय ने माना है कि प्राधिकारी को प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करने से पहले सुनवाई का अवसर प्रदान करने का कोई अधिकार नहीं है।
 - vi. मौखिक सुनवाई 5 और 6 जून 2025 को आयोजित की गई। सुनवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकारों को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया।
 - vii. मौखिक सुनवाई के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत अनुरोध को लिखित अनुरोध के रूप में सभी हितबद्ध पक्षकारों को वितरित किया गया।
 - viii. तुलनीय समय अवधि में कोई भी अंतर, वरिष्ठ महानिदेशक को वित्तीय वर्षों, कैलेंडर वर्षों और जांच अवधि के बीच संबंधित पिछले वर्षों के साथ उचित और समग्र तुलना करने में सहायता करने के लिए है।
 - ix. घरेलू उद्योग ने पाँच श्रेणियों के अनुसार अलग-अलग उत्पादन और लागत विवरण प्रदान किए हैं। कुछ श्रेणियों के पीयूसी का उत्पादन घरेलू उद्योग के कुछ ही घटक पक्षकारों द्वारा किया जाता है, सभी द्वारा नहीं। प्रत्येक उत्पाद श्रेणी के वास्तविक समग्र आंकड़ों का खुलासा करने से अनजाने में व्यक्तिगत उत्पादकों के बारे में संवेदनशील जानकारी उजागर हो सकती है, जिससे डेटा को संबंधित पक्ष स्तर पर पहचाना जा सकता है।
 - x. न तो सुरक्षा समझौते, न ही अधिनियम और न ही नियमों में इस बारे में कोई मार्गदर्शन दिया गया है कि पीयूसी को किस प्रकार परिभाषित किया जाना चाहिए।
 - xi. डोमिनिकन गणराज्य - सुरक्षा उपाय और यूरोपीय संघ - स्टील सुरक्षा (तुर्की) में, पैनल ने माना कि विभिन्न प्रकार

के उत्पाद जो परस्पर प्रतिस्थापन योग्य नहीं हैं, उन्हें पीयूसी के दायरे में शामिल किया जा सकता है।

- xii. यूरोपीय संघ ने "कुछ इस्पात उत्पादों" से संबंधित अपनी सुरक्षा जाँच में 26 विभिन्न उत्पाद श्रेणियों को शामिल किया था। पैनल ने माना कि यह प्रदर्शित करने की कोई आवश्यकता नहीं है कि प्रत्येक उत्पाद श्रेणी अन्य श्रेणियों के समान है या उनसे सीधे प्रतिस्पर्धी है।
- xiii. पीयूसी गैर-मिश्र धातु और मिश्र धातु इस्पात प्लेट उत्पाद हैं, अर्थात् ए) हॉट रोल्ड ("एचआर") कॉइल, शीट और प्लेट, बी) एचआर प्लेट मिल प्लेट, सी) कोल्ड रोल्ड ("सीआर") कॉइल और शीट, डी) धातु लेपित स्टील कॉइल और शीट, चाहे प्रोफाइल किए गए हों या नहीं, गैल्वेनियल सहित, ज़िंक या एल्यूमीनियम-ज़िंक या ज़िंक-एल्यूमीनियम-मैग्नीशियम के साथ लेपित, और ई) रंग लेपित कॉइल और शीट, चाहे प्रोफाइल किए गए हों या नहीं।
- xiv. कुछ हितवद्ध पक्षकारों ने कुछ श्रेणियों को विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) के दायरे से बाहर करने का अनुरोध किया है। हालाँकि, कुछ बहिष्करण अनुरोध अस्पष्ट और व्यापक हैं, जिनमें उत्पादों की एक विस्तृत श्रेणी शामिल है।
- xv. डी.आई. ने "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तुओं" की बिक्री को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न चालान प्रस्तुत किए हैं।
- xvi. डी.आई. को यह प्रदर्शित करने की आवश्यकता नहीं है कि वह समान तकनीकी विशिष्टताओं वाले उत्पाद बनाती है।
- xvii. जो उत्पाद आयातित वस्तुओं के समान नहीं हैं, उन्हें भी पीयूसी की परिभाषा के अंतर्गत शामिल किया जा सकता है, यदि वे "सीधे प्रतिस्पर्धी" हों।
- xviii. "समानता" के परीक्षण में आम तौर पर उत्पाद की विशेषताओं जैसे भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, अंतिम उपयोग, उपभोक्ता वरीयताओं आदि का मूल्यांकन शामिल होता है।
- xix. प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी उत्पाद एक दूसरे के साथ प्रतिस्थापनीय या विनिमेय होते हैं और "किसी विशेष आवश्यकता या रुचि को संतुष्ट करने के वैकल्पिक तरीके प्रदान करते हैं"।
- xx. घरेलू स्तर पर उत्पादित उत्पादों और आयातित उत्पादों को "समान वस्तु" माना जा सकता है, भले ही दोनों में समान भौतिक विशेषताएं न हों या वे एक दूसरे के पूर्ण विकल्प न हों, जब तक कि आयातित उत्पाद में किसी प्रकार के प्रतिस्पर्धी प्रभाव के माध्यम से घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति पहुंचाने की क्षमता हो।
- xxi. यह मूल्यांकन करते समय कि क्या घरेलू स्तर पर उत्पादित वस्तुएं आयातित वस्तुओं के साथ सीधे प्रतिस्पर्धी हैं, परीक्षण सामान्य स्तर पर किया जाना चाहिए, तथा प्रत्येक उत्पादक की आवश्यकताएं और प्राथमिकताएं प्रासंगिक नहीं हैं।
- xxii. भले ही घरेलू स्तर पर उत्पादित वस्तुएं पहचानी गई वस्तुओं के सटीक और सटीक तकनीकी विनिर्देशों से मेल नहीं खाती हों, फिर भी महानिदेशक को यह जांच करनी चाहिए कि क्या घरेलू स्तर पर उत्पादित वस्तुओं में "प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता" है या "किसी विशेष आवश्यकता या रुचि को संतुष्ट करने के वैकल्पिक तरीके प्रदान करते हैं"।
- xxiii. केवल इसलिए कि कुछ उपभोक्ता कुछ विशिष्टताओं के साथ आयातित ग्रेड का उपयोग करना चुनते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि उन आयातित ग्रेड और घरेलू स्तर पर उत्पादित ग्रेड के बीच कोई प्रतिस्पर्धात्मक संबंध नहीं है।
- xxiv. यह साबित करने का भार उस पक्ष पर है जो उत्पाद बहिष्करण का अनुरोध करता है कि घरेलू उद्योग समान या सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद का निर्माण नहीं करता है।
- xxv. प्रत्येक ग्रेड के संबंध में, जिसके लिए अपवर्जन की मांग की गई है, साक्ष्य का भार स्वयं वहन किया जाना चाहिए। पक्षकार केवल ग्रेड का नाम बताकर यह सामान्य दावा नहीं कर सकते कि घरेलू उद्योग समान या सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद का निर्माण करने में असमर्थ है।
- xxvi. निप्पॉन स्टील कॉर्पोरेशन, जेएफई, कोबे स्टील लिमिटेड, निप्पॉन स्टील पाइप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, होंडा ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, राजस्थान प्राइम स्टील प्रोसेसिंग सेंटर प्राइवेट लिमिटेड, रेनॉल्ट निसान ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और जेएफई शोजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन, निप्पॉन स्टील कॉर्पोरेशन ने 309 ग्रेड के स्टील को बाहर करने का अनुरोध किया है, लेकिन 309 ग्रेडों

में से किसी के लिए भी कोई सबूत दिए बिना केवल अस्पष्ट दावे किए हैं कि घरेलू उद्योग समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तुओं का निर्माण नहीं करता है।

- xxvii. एलजी और गोदरेज ने एएमएनएस, टाटा स्टील और जेएसडब्ल्यू से प्राप्त ईमेल उपलब्ध कराए हैं, जिनमें ग्रेड की आपूर्ति में असमर्थता के बारे में बताया गया है। हालाँकि, उन्होंने यह साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया है कि अन्य घरेलू उत्पादक उक्त ग्रेड की आपूर्ति करने में असमर्थ हैं। इसके अलावा, टाटा स्टील आवेदक नहीं है।
- xxviii. मनकसिया स्टील ने जिन समान या सीधे प्रतिस्पर्धी ग्रेडों के लिए बहिष्कार की मांग की है, उनकी आपूर्ति घरेलू उद्योग द्वारा की गई है। इस संबंध में चालान उपलब्ध करा दिए गए हैं।
- xxix. पोस्को कोरिया, पोस्को स्टीलऑन और पोस्को महाराष्ट्र स्टील प्राइवेट लिमिटेड ने यह दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया है कि जिन ग्रेडों के लिए वे बहिष्कार की मांग कर रहे हैं, उनमें से किसी का भी विनिर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जा सकता।
- xxx. विद्युतीय स्टील बनाने के लिए आवश्यक मानव संसाधन को बाहर करने के लिए सीएससीआई का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि डीआई समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु का उत्पादन करता है।
- xxxi. पिछली सुरक्षा जांचों में, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की सम्पूर्ण घरेलू मांग को पूरा करने में असमर्थता के बावजूद शुल्क लगाने की सिफारिश की थी।
- xxxii. न्यायाधिकरण ने माना है कि गुणवत्ता में अंतर उत्पाद को बाहर करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है।
- xxxiii. यह तर्क कि जापान और कोरिया ने उच्च कीमत पर बेहतर गुणवत्ता वाले ग्रेड का निर्यात किया है, सत्य नहीं है, क्योंकि इन देशों से आयात की कीमतें और मात्रा चीन से आयात की कीमतों और औसत आयात कीमतों के साथ तुलनीय हैं।
- xxxiv. इस्पात ग्रेड की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इस्पात उत्पादों के लिए विभिन्न क्यूसीओ जारी किए गए हैं।
- xxxv. यदि बीआईएस मानक अपर्याप्त हैं, तो हितबद्ध पक्ष बीआईएस तकनीकी समिति के समक्ष उक्त मानक में संशोधन की मांग कर सकते हैं।
- xxxvi. डी.आई. को उनके द्वारा आपूर्ति किये गए ग्रेडों की गुणवत्ता के संबंध में अनुमोदन और मान्यता प्रदान की गई है।
- xxxvii. एएमएनएस द्वारा आयात किए जाने से उसे घरेलू उद्योग का हिस्सा माने जाने से वंचित नहीं किया जा सकता।
- xxxviii. सुरक्षा नियम घरेलू उद्योग से आयात करने वाले आवेदकों को बाहर नहीं रखते हैं।
- xxxix. कुल उत्पादन की तुलना में एएमएनएस द्वारा आयात नगण्य है।
- xl. एएमएनएस द्वारा दायर उपयोगकर्ता प्रश्नावली से उसकी स्थिति प्रभावित नहीं होती, क्योंकि उसने पत्र दायर कर कहा है कि वह अन्य आवेदक कंपनियों के साथ संरेखित है।
- xli. सौर सुरक्षा जांच में प्राधिकारी ने केवल उन संस्थाओं को बाहर रखा जो पूरी तरह से सौर सेल का आयात करती थीं, लेकिन उनका निर्माण नहीं करती थीं।
- xlii. आइसोप्रोपिल अल्कोहल से संबंधित सुरक्षा जांच में, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग से आवेदक को अयोग्य नहीं ठहराया, इस तथ्य के बावजूद कि आवेदक द्वारा आयात उसकी कुल उत्पादन क्षमता का एक महत्वपूर्ण प्रतिशत था।
- xliii. समग्र रूप से पीयूसी के आयात में हाल ही में अचानक, तीव्र और उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, साथ ही याचिका में आवेदक द्वारा प्रस्तुत तीन कार्यप्रणालियों में से प्रत्येक में पांच उत्पाद श्रेणियों में से प्रत्येक में भी वृद्धि हुई है।
- xliv. यूरोपीय संघ - इस्पात सुरक्षा (तुर्की) में, पैनल ने कहा कि एकमात्र आवश्यकता समग्र रूप से पीयूसी के आयात में वृद्धि को प्रदर्शित करना है, जिसे उत्पाद-श्रेणी स्तर पर पूरा किया जा सकता है।
- xlv. यूरोपीय संघ की जाँच में, यूरोपीय आयोग ने विचाराधीन उत्पाद को "कुछ स्टील उत्पाद" के रूप में परिभाषित किया, जिसमें 26 विभिन्न "उत्पाद श्रेणियाँ" शामिल थीं। विश्लेषण के लिए, यूरोपीय आयोग ने 26 विभिन्न "उत्पाद श्रेणियों" को तीन "उत्पाद श्रेणियों" में वर्गीकृत किया, अर्थात् "चपटे उत्पाद", "लंबे उत्पाद" और "ट्यूब"। आयात प्रवृत्तियों की अपनी जाँच में, यूरोपीय आयोग ने पाया कि चार उत्पाद श्रेणियों में हाल की अवधि के

दौरान आयात में गिरावट देखी गई और 15 उत्पाद श्रेणियों में हाल की अवधि के दौरान आयात में 10% से कम वृद्धि देखी गई। इसके अलावा, दो अन्य उत्पाद श्रेणियों में हाल की अवधि के दौरान आयात में गिरावट देखी गई। फिर भी, पैनल को यूरोपीय संघ की जाँच में कोई विसंगति नहीं मिली।

- xlvi. सुरक्षा समझौते के तहत विकासशील देशों को छोड़कर किसी भी देश-विशिष्ट छूट की अनुमति नहीं है।
- xlvi. भारत-कोरिया मुक्त व्यापार समझौते के तहत, भारत कोरिया को सुरक्षा उपायों से तभी बाहर रख सकता है जब कोरिया गंभीर क्षति या उसके खतरे का कोई ठोस कारण न हो। हालाँकि, जाँच अवधि के दौरान कोरिया से आयात की मात्रा सबसे अधिक होती है और कीमतें भी कम होती हैं।
- xlvi. अधिनियम या नियमों के तहत प्राधिकारी के लिए यह जाँच करना आवश्यक नहीं है कि आयात में वृद्धि "अप्रत्याशित घटनाक्रम" के परिणामस्वरूप हुई है या नहीं।
- xlvi. "अप्रत्याशित" शब्द का अर्थ "अप्रत्याशित" माना गया है, न कि "अप्रत्याशित"। यह जाँच की जानी चाहिए कि क्या जीएटीडी दायित्वों को निभाते समय घटना "अप्रत्याशित" थी।
 - I. आयात में हाल ही में हुई अचानक, तीव्र और महत्वपूर्ण वृद्धि निम्नलिखित के कारण हुई: क) इस्पात उत्पादों के विरुद्ध व्यापार संरक्षण उपाय; ख) वैश्विक अतिरिक्त क्षमता के साथ-साथ मांग में कमी; और ग) आसियान व्यापार पैटर्न में परिवर्तन।
 - ii. अन्य देशों ने 2019 और 2023 के बीच इस्पात उत्पादों पर कुल 129 व्यापार उपाय लागू किए हैं। विश्व व्यापार संगठन के डेटाबेस के अनुसार, वर्तमान में सभी इस्पात उत्पादों पर 520 पाटनरोधी शुल्क और 89 प्रतिसंतुलनकारी शुल्क लागू हैं।
 - iii. व्यापार सुधार उपायों के अतिरिक्त, अमेरिका, मैक्सिको, कनाडा और ब्राजील सहित कई देशों ने इस्पात उत्पादों पर टैरिफ लगाया है।
 - iiii. यूरोपीय संघ - स्टील सुरक्षा (तुर्की) में, पैनल ने नोट किया कि व्यापार उपचार उपायों में वृद्धि को अप्रत्याशित घटनाक्रम माना जा सकता है।
 - liv. चीन, कोरिया और जापान की क्षमता उनकी मांग से कहीं ज़्यादा है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) का अनुमान है कि अतिरिक्त क्षमता में और वृद्धि होगी।
 - lv. यूरोपीय संघ - स्टील सुरक्षा (तुर्की) में, पैनल ने नोट किया कि अतिरिक्त क्षमता में वृद्धि अप्रत्याशित घटनाक्रम का कारण बन सकती है।
 - lvi. अमेरिकी धारा 232 के उपायों के लागू होने के बाद से, अमेरिका में स्टील फ्लैट उत्पादों के आयात में गिरावट आई है। इसके अलावा, यूरोपीय संघ ने भी व्यापार सुधार उपायों के लागू होने के बाद स्टील उत्पादों के आयात में गिरावट दर्ज की है।
 - lvii. चीन ने आसियान क्षेत्र में इस्पात उत्पादन सुविधाओं में अपना निवेश बढ़ा दिया है।
 - lviii. ओईसीडी और विश्व इस्पात संघ ने तैयार इस्पात में पर्याप्त अतिरिक्त क्षमता की सूचना दी है, जो कि फ्लैट स्टील या पीयूसी में अतिरिक्त क्षमता का एक अच्छा संकेतक है।
 - lix. चीन की तीन लाल रेखाओं वाली नीति और स्टील फ्लैट उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि के बीच स्पष्ट संबंध है।
 - ix. आयात में वृद्धि, जीएटीडी के अंतर्गत भारत द्वारा वहन किए गए दायित्वों के प्रभाव के परिणामस्वरूप हुई है, जिसमें टैरिफ रियायतें, तथा जीएटीडी अनुच्छेद I, XI और XVI के अंतर्गत दायित्व शामिल हैं।
 - lxi. मई 2025 में एचआर कॉइल्स का वैश्विक निर्यात मूल्य 450 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन था, जो मई 1995, यानी 30 साल पहले, के प्रचलित मूल्य से कम था। लागू सीमा शुल्क और 12% के अनंतिम सुरक्षा शुल्क को जोड़ने पर, एचआर कॉइल्स का पहुँच मूल्य अभी भी घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य से कम रहेगा।
 - lxii. वर्ल्ड स्टील डायनेमिक्स (डब्ल्यूएसडी) का कहना है कि चीनी मिलें 450 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन की दर से निर्यात कर रही हैं, जबकि उनकी परिचालन लागत 527 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन है, यानी उन्हें 87 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन का परिचालन घाटा हो रहा है।

- lxiii. घरेलू उद्योग लाभप्रदता में गिरावट तथा कुछ मामलों में घाटे से ग्रस्त है।
- lxiv. मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उद्योग का उत्पादन और क्षमता बढ़ा दी गई है। इसके अलावा, ब्लास्ट फर्नेस को निरंतर संचालित होना चाहिए और इन्हें बंद करने के लिए डिज़ाइन नहीं किया गया है। इसलिए, कम कीमत वाले आयातों से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए, घरेलू उद्योग को भारी नुकसान उठाना पड़ा।
- lxv. वैश्विक स्तर पर अत्यधिक क्षमता अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ गई है, जिससे घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति का खतरा पैदा हो गया है।
- lxvi. बिक्री की लागत में वृद्धि के बावजूद, मूल्य में उल्लेखनीय कमी आई है।
- lxvii. केवल इसलिए कि घरेलू उद्योग ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान लाभ अर्जित किया है, इसका मतलब यह नहीं है कि ऐसा लाभ 'असामान्य' था।
- lxviii. स्टील की कीमतों में गिरावट आने से चीन को गंभीर नुकसान का खतरा है, चीनी ब्लास्ट फर्नेस 90% क्षमता पर काम कर रहे हैं, 2018 से स्टील का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश में गिरावट के कारण घरेलू मांग में गिरावट आई है।
- lxix. जनवरी और अप्रैल 2025 के बीच, चीन में घरेलू मांग में 6 एमएमटी की गिरावट आई और वर्ष के अंत तक 30 एमएमटी की गिरावट आने की उम्मीद है।
- lxx. अकेले कैलेंडर वर्ष 2024 में, चीन ने 110.7 मिलियन मीट्रिक टन स्टील का निर्यात किया। कैलेंडर वर्ष 2025 के पहले तीन महीनों में, चीन ने 27.4 मिलियन मीट्रिक टन स्टील का निर्यात किया। 2023 की तुलना में 2024 में चीन के फ्लैट स्टील उत्पादों के निर्यात में 25% की वृद्धि हुई।
- lxxi. अकेले 2025 में, चीन पर 19 व्यापार सुधार पहल/उपाय लागू किये गये हैं।
- lxxii. अमेरिका ने धारा 232 के तहत शुल्क की दर 25% से बढ़ाकर 50% कर दी है और पहले दी गई सभी छूटें रद्द कर दी हैं। इसके अलावा, अमेरिका ने भी पारस्परिक शुल्क लगाए हैं। इसलिए, अमेरिका से भारत की ओर इस्पात उत्पादों के व्यापार में बदलाव का खतरा है।
- lxxiii. शुल्क लगाना जनहित में होगा, क्योंकि राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 में 2030 तक कुल इस्पात उत्पादन 300 एमएमटी करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए 2030 तक प्रति वर्ष 2,00,000 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होगी।
- lxxiv. इस्पात की आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है।
- lxxv. थैलिक एनहाइड्राइड की सुरक्षा जांच में प्राधिकारी ने पाया कि प्रारंभिक जांच परिणामों में शुल्क की दर को उचित ठहराना आवश्यक नहीं है।
- lxxvi. घरेलू उद्योग ने एक विस्तृत समायोजन योजना प्रस्तुत की है। न तो सुरक्षा समझौते में, और न ही घरेलू कानूनी ढाँचे में समायोजन योजना प्रदान करने का प्रारूप निर्धारित है।
- lxxvii. यद्यपि सुरक्षा उपायों पर समझौते में कहा गया है कि घरेलू उद्योग को बड़े हुए आयातों के अनुरूप समायोजित करने के लिए सुरक्षा उपाय लागू किया जाना चाहिए, लेकिन इसमें इस बारे में कोई मार्गदर्शन नहीं दिया गया है कि ऐसा समायोजन किस प्रकार प्राप्त किया जाना चाहिए।
- lxxviii. अन्य हितबद्ध पक्ष यह प्रदर्शित करने में विफल रहे हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई समायोजन योजना पर्याप्त क्यों नहीं है।
- lxxix. किसी भी मामले में, अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जिन पिछली जांचों पर भरोसा किया गया था, उनमें समायोजन योजना का अभाव जांच को समाप्त करने का एकमात्र कारण नहीं था।
- lxxx. यह दावा कि घरेलू उत्पादक एकाधिकार कर लेंगे, मान्य नहीं है क्योंकि आवेदक कंपनियाँ सूचीबद्ध कंपनियाँ हैं और कई नियमों के अधीन हैं। इसके अलावा, प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग उपयुक्त मंच है।
- lxxxi. किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है कि शुल्कों से डाउनस्ट्रीम उत्पादों की कीमत में

वृद्धि होगी।

- lxxxii. यह पाया गया कि अमेरिकी धारा 232 के टैरिफ से मुद्रास्फीति नहीं बढ़ी तथा समग्र मूल्य स्तरों पर इसका केवल अस्थायी प्रभाव पड़ा।
- lxxxiii. पिछली रक्षोपाय जाँचों में, प्राधिकारी ने 10% से 35% तक की दर से शुल्क लगाया था। गंभीर क्षति के खतरे को देखते हुए, 12% अंतिम शुल्क को बढ़ाया जाना आवश्यक है।

II. जापान सरकार

8. जापान सरकार ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. अंतिम उपायों में कानूनी आधार का अभाव है और इन्हें तत्काल वापस लिया जाना चाहिए।
- ख. पहचाने गए अप्रत्याशित घटनाक्रम, अनेक व्यापार प्रतिबंधात्मक उपाय, अतिरिक्त क्षमता, घटती मांग, समर्थनकारी आंकड़ों का अभाव है तथा इसमें तथ्यात्मक त्रुटियां तथा पुराने तथ्य भी शामिल हैं।
- ग. लगाया गया अतिरिक्त 12% शुल्क भारत की प्रासंगिक रियायत से अधिक नहीं है या किसी अन्य दायित्व को निलंबित नहीं करता है, और यह वैध नहीं है।
- घ. जापानी इस्पात उत्पाद अपनी गुणवत्ता, मूल्य सीमा आदि के मामले में भारतीय उत्पादों से भिन्न हैं। इनसे भारतीय उद्योग को कोई नुकसान नहीं होता।
- ङ. जापान से अधिकांश आयात निप्पॉन स्टील कॉर्पोरेशन से एएमएनएस तक होता है। इन उत्पादों का स्थान भारतीय इस्पात उत्पादों द्वारा नहीं लिया जा सकता। एएमएनएस हजीरा में अपनी ब्लास्ट फर्नेस का निर्माण कर रही है और एक बार यह चालू हो जाने पर, आयात की कोई आवश्यकता नहीं होगी।
- च. अन्य जापानी आयात विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए हैं।
- छ. जापान ने तकनीकी सहयोग और निवेश के माध्यम से मेक इन इंडिया में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

III. इंडोनेशिया सरकार

9. इंडोनेशिया सरकार ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. इंडोनेशिया से पीयूसी का आयात नगण्य है।
- ख. जाँच की जा रही पाँचों इस्पात श्रेणियों में से किसी का भी आयात 3% से अधिक नहीं है। इसलिए, इंडोनेशिया को सुरक्षा समझौते के अनुच्छेद 9.1 के अनुसार शुल्कों से छूट दी जानी आवश्यक है।

IV. रूस सरकार

10. रूस सरकार ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. आयात में कोई हालिया, अचानक, तीव्र और उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है।
- ख. 2015 में उल्लेखनीय वृद्धि के बाद भारत को पीयूसी की आपूर्ति का समग्र रुझान औसतन 6,000,000 मीट्रिक टन तक पहुंच गया। कोविड प्रतिबंधों के कारण, आयात 2019 में 5,693,233 से 40% घटकर 2020 में 3,408,569 मीट्रिक टन हो गया।
- ग. आयात का वर्तमान स्तर महामारी-पूर्व स्तर पर पहुंचने का परिणाम है।
- घ. चूंकि सुरक्षा जांच अनुचित व्यापार प्रथाओं को दूर करने के लिए नहीं होती, इसलिए गंभीर क्षति की सीमा बहुत अधिक होती है।
- ङ. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा 2021-22 की तुलना में जांच अवधि के दौरान वृद्धि दर्शाती है। विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) की बिक्री मात्रा में 33% की वृद्धि हुई।
- च. जांच अवधि के दौरान उत्पादन में 15% की वृद्धि हुई। उत्पादन क्षमता में 17% की वृद्धि हुई।

- छ. पीबीटी में 76% की कमी आई, लेकिन यह अन्य कारकों के कारण है।
- ज. इस्पात निर्यात पर निर्यात शुल्क के कारण वित्त वर्ष 2023 में ओपी जिंदल समूह के निर्यात में 60% की गिरावट आई।
- झ. 9,00,000 मीट्रिक टन वार्षिक इस्पात उत्पादन क्षमता वाले एक नए संयंत्र की स्थापना पर 5 बिलियन रुपये निवेश करने की योजना बनाई है।
- ञ. एएमएनएस की 4.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर की लागत वाली स्टील प्लांट परियोजना, जिसका वार्षिक उत्पादन 7 मिलियन मीट्रिक टन है।
- ट. 2018-2020 में तीसरे देशों के रक्षोपाय लागू किए गए थे। प्रारंभिक जांच परिणामों में 2011-2016 में स्टील से संबंधित जाँचों का उल्लेख है। इन्हें अप्रत्याशित नहीं माना जा सकता।
- ठ. वैश्विक अतिरिक्त क्षमता को अप्रत्याशित नहीं कहा जा सकता, क्योंकि इस समस्या पर बहुपक्षीय स्तर पर 15 वर्षों से अधिक समय से चर्चा हो रही है।

V. यूरोपीय संघ

11. यूरोपीय संघ ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. उत्पाद का दायरा बड़ा है और इसमें कुछ ऐसे उत्पाद भी शामिल हैं जो भारत में घरेलू स्तर पर उत्पादित नहीं होते। इन उत्पादों को इससे बाहर रखा जाना चाहिए।
- ख. डीआई की बिक्री में 33% की वृद्धि हुई, क्षमता में 17% की वृद्धि हुई तथा उत्पादन में 15% की वृद्धि हुई।
- ग. सभी उत्पाद श्रेणियों में प्रति कर्मचारी प्रतिदिन रोजगार और उत्पादकता में वृद्धि हुई।
- घ. डीआई की बाजार हिस्सेदारी में 5% की कमी आई जबकि खपत में 108% की वृद्धि हुई।
- ङ. डीआई ने मुनाफे में तीव्र गिरावट का अनुभव किया, लेकिन विश्लेषण की गई अवधि के दौरान यह लाभदायक बना रहा।
- च. क्षमता विस्तार से जुड़ी बढ़ती लागत जैसे अन्य कारक घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के लिए जिम्मेदार हैं।
- छ. क्षमता बढ़ाना विवेकपूर्ण व्यावसायिक व्यवहार के साथ असंगत प्रतीत होता है। किसी भी ऐसे विस्तार को, जो बाज़ार में तनाव बढ़ाता है, सुरक्षा उपायों से पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए।
- ज. भारत को चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के विरुद्ध लक्षित व्यापार सुधार उपायों पर विचार करना चाहिए, क्योंकि इन तीनों देशों से आयात में काफी वृद्धि हुई है।
- झ. 12% का शुल्क अत्यधिक दंडात्मक है, जबकि टीआरक्यू अधिक उपयुक्त होगा।

VI. कोरिया आयरन एंड स्टील एसोसिएशन (केओएसए)

12. हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. प्राधिकारी पीयूसी की अधिक विस्तृत और तकनीकी रूप से सटीक परिभाषा प्रदान कर सकता है। पीयूसी की वर्तमान परिभाषा अत्यधिक व्यापक है।
- ख. कोरियाई इस्पात उत्पादकों और केओएसए द्वारा विभिन्न श्रेणियों को बाहर करने के अनुरोध पर विचार नहीं किया गया है। हालाँकि इलेक्ट्रो-गैल्वेनाइज्ड आयरन (ईजीआई) को बाहर रखा गया है, लेकिन इसके डाउनस्ट्रीम उत्पाद, जैसे लैमिनेटेड विनाइल कोटेड मेटल (वीसीएम), अभी भी इस दायरे में हैं।
- ग. कोसा ने 100 ग्रेडों की सूची प्रदान की है, जो डीआई द्वारा निर्मित नहीं हैं - उन्हें बाहर रखा जाना आवश्यक है।
- घ. पॉस्को द्वारा अपनी सहायक कंपनी, पॉस्को महाराष्ट्र को आपूर्ति किया जाने वाला हॉट-रोलड स्टील, जिसे पूरी तरह से घरेलू स्तर पर प्राप्त नहीं किया जा सकता। हुंडई स्टील द्वारा प्रदान किया गया ऑटोमोटिव-ग्रेड

कोल्ड-रोल्ड और कोटेड स्टील, जो कड़े गुणवत्ता मानकों को पूरा करता है। हॉट डिप एल्युमिनियम ज़िंक अलॉय मेटैलिक कोटेड स्टील स्ट्रिप, जिसका उत्पादन स्थानीय मिलों द्वारा नहीं, बल्कि डोंगकुक् सीएम द्वारा किया जाता है। गोदाम निर्माण में उपयोग की जाने वाली उच्च-विशिष्टता वाली रंगीन कोटेड शीट, वर्तमान में अपर्याप्त स्थानीय आपूर्ति के कारण के जी डोंगबू स्टील द्वारा आपूर्ति की जाती हैं। विशिष्ट रूप से डिज़ाइन किए गए रंगीन कोटेड उत्पाद, भारतीय ग्राहकों और डीसीएम, अजू स्टील, और एसईएच सीएम जैसे कोरियाई आपूर्तिकर्ताओं के बीच दीर्घकालिक तकनीकी सहयोग के माध्यम से विकसित किए गए हैं।

- ड. कोरियाई इस्पात भारतीय इस्पात के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा नहीं करता है, न ही यह भारतीय उद्योग के लिए क्षति का कोई बड़ा कारण है; बल्कि, वे भारतीय आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण अंतराल को भरते हैं और भारतीय उद्योग के लिए एक पूरक इनपुट के रूप में कार्य करते हैं।

VII. पोस्को, कोरिया आरपी, पोस्को महाराष्ट्र स्टील प्रा. लिमिटेड, भारत, पॉस्को स्टीलियन, कोरिया आरपी।

13. हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- i. एएमएनएस और एएमएनएस खोपोली, जो दोनों ही पीयूसी के प्रमुख आयातक हैं, ने उपयोगकर्ता प्रभावली के उत्तर दाखिल किए हैं। इनमें घरेलू स्तर पर उत्पादित इस्पात की खराब गुणवत्ता, आपूर्ति की कमी और अन्य समस्याओं पर प्रकाश डाला गया है।
- ii. एएमएनएस और एएमएनएस खोपोली को घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं माना जा सकता। एएमएनएस ने 13 ग्रेडों को बाहर करने का अनुरोध किया है। एएमएनएस के हित मूलतः घरेलू उद्योग के सामूहिक हितों से मेल नहीं खाते।
- iii. प्राधिकारी को एएमएनएस और एएमएनएस खोपोली को बाहर करना होगा, तथा घरेलू उद्योग की स्थिति और क्षति का पुनः निर्धारण करना होगा।
- iv. सौर सेल से संबंधित सुरक्षा जांच में, जिन घरेलू उत्पादकों ने पीयूसी का आयात किया था, उन्हें घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं माना गया।
- v. पीयूसी का वर्तमान दायरा त्रुटिपूर्ण है। पीयूसी में केवल वे वस्तुएँ शामिल हो सकती हैं जो आयातित उत्पादों के समान या सीधे प्रतिस्पर्धी हों।
- vi. कम राख वाले धातुकर्म कोक से संबंधित सुरक्षा जाँच में, प्राधिकारी द्वारा अपनाया गया कानूनी मानक यह था कि क्या घरेलू उद्योग वाणिज्यिक मात्रा में प्रतिस्पर्धी ग्रेड का निर्माण करता है या नहीं। जिन प्रतिस्पर्धी ग्रेडों का वाणिज्यिक मात्रा में उत्पादन नहीं होता, उन्हें इससे बाहर रखा गया।
- vii. एकल मोड ऑप्टिकल फाइबर से संबंधित सुरक्षा जांच में, प्राधिकारी ने माना कि यह प्रदर्शित करने के लिए साक्ष्य की आवश्यकता है कि घरेलू उद्योग द्वारा समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तुओं का विनिर्माण नहीं किया जाता है।
- viii. प्राधिकारी को विस्तृत ग्रेड-वार उत्पाद परीक्षण करना आवश्यक है।
- ix. प्राधिकारी का यह अवलोकन कि गुणवत्ता संबंधी चिंताएं, विक्रेता प्रमाणन और क्षमता संबंधी बाधाएं उत्पाद बहिष्करण के लिए प्रासंगिक नहीं हैं, कानूनी रूप से मान्य नहीं है।
- x. यदि तकनीकी, वाणिज्यिक और उत्पादन-आधारित स्पष्ट अंतर, गुणवत्ता में अंतर, विक्रेता प्रमाणन बाधाएं और उत्पादन सीमाएं हैं, तो यह नहीं कहा जा सकता कि घरेलू स्तर पर उत्पादित ग्रेड और आयातित ग्रेड "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी" हैं।
- xi. कम राख वाले धातुकर्म कोक, पीवीसी सस्पेंशन रेजिन और सिंगल मोड ऑप्टिकल फाइबर से संबंधित सुरक्षा जांच में, डीजी ने उत्पाद बहिष्करण अनुरोध को स्वीकार किया या विस्तार से जांच की - और जहां डीआई ने विनिर्माण की क्षमता प्रदर्शित नहीं की, वहां उक्त उत्पाद को बाहर रखा गया।
- xii. पिछली जाँचों की तरह इसमें कोई ग्रेड-वार या अनुप्रयोग-विशिष्ट विश्लेषण नहीं है। ऐसी जाँच न करने से आयातकों और उपयोगकर्ताओं पर यह ज़िम्मेदारी आ जाती है कि वे बताएँ कि उनके उत्पादों को क्यों बाहर रखा जाना चाहिए।

- xiii. सुरक्षा कानून के तहत "समानता" के लिए पूर्ण प्रतिस्थापन की आवश्यकता नहीं होती - आयातित और घरेलू उत्पादों के बीच एक प्रतिस्पर्धी संबंध होना आवश्यक है। घरेलू स्तर पर उत्पादित उत्पाद आयातित ग्रेड की कई श्रेणियों के साथ सार्थक प्रतिस्पर्धा प्रदान नहीं करते हैं।
- xiv. डीआई को प्रत्येक उत्पाद ग्रेड के लिए ऐसे दावे के समर्थन में स्पष्ट, विशिष्ट और सत्यापन योग्य साक्ष्य उपलब्ध कराना होगा।
- xv. यह साबित करने का दायित्व घरेलू उद्योग पर है कि वह समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तुओं का विनिर्माण करता है।
- xvi. हालाँकि "प्रतिस्पर्धी" शब्द का तात्पर्य है कि जिस चीज़ की जाँच की जानी चाहिए वह प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता है, दोनों उत्पादों के बीच एक "प्रत्यक्ष" प्रतिस्पर्धी संबंध होना चाहिए। "प्रतिस्पर्धी" का अर्थ है समान उपभोक्ता माँग को पूरा करने की क्षमता।
- xvii. पीयूसी का दायरा अत्यधिक व्यापक है और इसमें कई उत्पाद श्रेणियाँ शामिल हैं।
- xviii. पीयूसी में विशेष ग्रेड, उन्नत तकनीकी संस्करण और अनुप्रयोग-विशिष्ट उत्पाद शामिल हैं जो विशिष्ट औद्योगिक उपयोगों के लिए उपयुक्त हैं और जिनकी कीमत भी अधिक होती है। भारतीय उत्पादक इन उत्पादों की बिल्कुल भी पेशकश नहीं करते हैं। इसलिए, इन्हें इससे बाहर रखा जाना चाहिए।
- xix. गैर-प्रतिस्पर्धी उत्पादों को शामिल करने की स्थिति में, आयात की मात्रा और क्षति विश्लेषण को कृत्रिम रूप से बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाएगा, जिससे वृद्धि और गंभीर क्षति का आकलन गलत हो जाएगा।
- xx. घरेलू उद्योग यह साबित करने में विफल रहा है कि आयात में वृद्धि अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण हुई है। आयात में वृद्धि और अप्रत्याशित परिस्थितियों के बीच कोई संबंध अवश्य है।
- xxi. डीआई द्वारा पहचानी गई सभी अप्रत्याशित परिस्थितियाँ सामान्य रूप से 'इस्पात' से संबंधित हैं और केवल पीयूसी तक सीमित नहीं हैं। इस्पात एक विशाल और विविध श्रेणी है जिसमें अनेक उपश्रेणियाँ और ग्रेड शामिल हैं।
- xxii. व्यापार उपचार उपायों को जाँच की अवधि से बहुत पहले ही लागू कर दिया गया था। जारी व्यापार उपचारों और कोरिया से भारत की ओर निर्यात के कथित विचलन के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।
- xxiii. ऐसा कोई अनुभवजन्य या मात्रात्मक साक्ष्य नहीं है जो यह प्रदर्शित करता हो कि इन उपायों के परिणामस्वरूप कोरियाई निर्यात विशेष रूप से भारतीय बाजारों की ओर पुनः निर्देशित हुआ है।
- xxiv. निर्यात प्रवृत्तियों, पुनर्निर्देशन पैटर्न जैसे कोई मात्रात्मक साक्ष्य या आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, जो स्पष्ट रूप से यह दर्शाते हैं कि समाप्त हो चुके उपायों को भारत में आयात में वृद्धि से जोड़ा जा सके।
- xxv. याचिकाकर्ताओं द्वारा उद्धृत अप्रत्याशित घटनाक्रम कोरिया से निर्धारित पीयूसी से विशेष रूप से जुड़े नहीं हैं। इसके अलावा, कई व्यापार रक्षोपाय पीओआई से पहले ही समाप्त हो चुके थे।
- xxvi. प्रारंभिक जाँच परिणामों में दर्शाई गई अतिरिक्त क्षमता की जानकारी केवल कच्चे इस्पात से संबंधित है, न कि पीयूसी से। इस्पात क्षेत्र में अतिरिक्त क्षमता कोई नई या अप्रत्याशित घटना नहीं है। यह पिछले 10-15 वर्षों में घटित हुआ है और इस पर आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार निकायों जैसे कई मंचों पर चर्चा हो चुकी है।
- xxvii. भारत में इस्पात की माँग लगातार बढ़ रही है।
- xxviii. चीन की नीतियों में बदलाव कोरिया से संबंधित नहीं हैं। ये आंतरिक आर्थिक घटनाक्रम हैं जो अप्रत्याशित नहीं हैं। ऐसे मात्रात्मक आँकड़े होने चाहिए जो यह दर्शाएँ कि इन घटनाक्रमों के परिणामस्वरूप भारत में आयात में प्रत्यक्ष रूप से वृद्धि हुई है।
- xxix. आसियान में चीनी निवेश का स्पष्ट अनुमान लगाया जा सकता था, क्योंकि इसका दस्तावेजीकरण कई वर्षों से किया जा रहा था।
- xxx. चीन या आसियान द्वारा अपनाई गई अनुचित व्यापार प्रथाओं को सुरक्षा जाँच के बजाय सीएआरओटीएआर नियमों के माध्यम से संबोधित किया जा सकता है।

- xxxi. घरेलू उद्योग ने समायोजन योजना के विवरण पर अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। समायोजन योजना अस्पष्ट और अत्यधिक गोपनीय है। याचिका में उल्लिखित प्रस्तावित समायोजन 2016 में किए गए समायोजनों के समान हैं।
- xxxii. विभिन्न विगत जांचों में प्राधिकारी ने शुल्कों की सिफारिश करने से इस आधार पर इंकार कर दिया था कि कोई स्पष्ट समायोजन योजना उपलब्ध नहीं कराई गई थी।
- xxxiii. सुरक्षा शुल्क लगाना सार्वजनिक हित के विरुद्ध होगा।
- xxxiv. जनहित की जाँच विभिन्न पक्षकारों के दृष्टिकोण से की जानी चाहिए – केवल विकास संस्थान के दृष्टिकोण से नहीं। यह अनुचित बाज़ार प्रथाओं में लिप्त है – एएमएनएस ने विकास संस्थान का हिस्सा होने के बावजूद एक उपयोगकर्ता उद्योग प्रभावली का जवाब दाखिल किया है और 13 ग्रेडों को बाहर करने की माँग की है।
- xxxv. पीयूसी के विशिष्ट ग्रेड या तो घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं किए जाते हैं या फिर डाउनस्ट्रीम उपभोक्ताओं द्वारा उपयोग के लिए स्वीकृत नहीं होते हैं। यदि इन ग्रेडों तक पहुँच बाधित होती है, तो इसका भारत के विभिन्न क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ेगा।
- xxxvi. अमेरिका के सेक्शन 232 टैरिफ प्रभावी नहीं रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप अन्य देशों ने जवाबी कार्रवाई की है।
- xxxvii. उचित कार्रवाई चीन और वियतनाम के विरुद्ध पाटनरोधी जांच या सीवीडी है।
- xxxviii. सुरक्षा शुल्क लगाने को उचित ठहराने के लिए वैश्विक स्तर पर उद्दाल की आवश्यकता है। वर्तमान मामले में यह उद्दाल मुख्यतः कुछ ही देशों में हो रहा है और यह कोई वैश्विक घटना नहीं है।
- xxxix. मूल्य क्षति का कोई प्रमाण नहीं है - चाहे वह मूल्यह्रास, दमन या अवनति के रूप में हो। कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आई है, जिसके परिणामस्वरूप पीयूसी की घरेलू कीमतों में गिरावट आई है।
- xl. यदि घरेलू विक्रय मूल्य में विक्री लागत से अधिक गिरावट आई है, तो यह संभवतः आंतरिक बाज़ार गतिशीलता, जैसे प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण या बाह्य कारकों, जैसे वैश्विक वस्तु प्रवृत्तियों का परिणाम है।
- xli. क्षति विश्लेषण त्रुटिपूर्ण है क्योंकि पीओआई में वित्तीय वर्ष 2023-24 की दूसरी और चौथी तिमाही दोनों शामिल हैं, जिससे डेटासेट में ओवरलैप हो रहा है। इसलिए, डेटा का वार्षिकीकरण उचित नहीं है।
- xlii. कोरिया से आयात में कोई हालिया, अचानक, तीव्र या उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है।
- xliii. डीआई की विक्री, उत्पादन और उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है।
- xliv. लाभप्रदता में बड़ी गिरावट ब्याज लागत और मूल्यह्रास में वृद्धि के कारण है।
- xlvi. घरेलू उद्योग को क्षति केवल चीन जनवादी गणराज्य और आसियान से आयात के कारण ही हुई है।
- xlvi. भारत में पीयूसी की कीमतों में गिरावट लौह अयस्क की कीमतों में गिरावट के कारण है।
- xlvi. भारत-कोरिया सीडीपीए के अनुच्छेद 2.27 के अनुसार, भारत को उपायों के अनुप्रयोग से कोरिया को बाहर रखने पर विचार करना चाहिए।
- VIII. निप्पॉन स्टील कॉर्पोरेशन, निप्पॉन स्टील पाइप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन, जेएफई शोजी कॉर्पोरेशन, जेएफई शोजी इंडिया कोबे स्टील लिमिटेड, टोयोटा त्सुशो कॉर्पोरेशन, होंडा ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन, होंडा ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, राजस्थान प्राइम स्टील प्रोसेसिंग सेंटर प्राइवेट लिमिटेड, निसान ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, रेनॉल्ट निसान ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
14. हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- प्रारंभिक जांच परिणामों सहित वर्तमान कार्यवाही कानूनी अधिकारविहीन है। याचिका में कई खामियाँ हैं और आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत करने में भी विफल रही है।
 - एनएससी और एएमएनएस ने एएमएनएस को बेचे गए विशिष्ट ग्रेडों को बाहर रखने के संबंध में वित्त मंत्रालय और इस्पात मंत्रालय के साथ कई बैठकों में भाग लिया।

- iii. आवेदकों ने तथ्यात्मक या कानूनी आधार, ठोस साक्ष्य या विस्तृत तर्क के बिना बहिष्कार अनुरोधों के संबंध में सामान्य खंडन किया है।
- iv. प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करने से पहले पीयूसी के दायरे का निर्धारण करने के लिए सीमित सार्वजनिक सुनवाई नहीं की।
- v. प्राधिकारी की यह निरंतर प्रथा रही है कि उन उत्पादों को जांच के दायरे से बाहर रखा जाता है जो प्रतिस्पर्धी नहीं हैं या सीधे प्रतिस्पर्धी नहीं हैं।
- vi. एचआर कॉयल, शीट और स्ट्रिप्स से संबंधित सुरक्षा जांच में, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित न किए गए उत्पादों को पीयूसी के दायरे से बाहर रखा।
- vii. सुरक्षा नियमों के नियम 2(ई) और सुरक्षा समझौते के अनुसार सुरक्षा उपाय केवल "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी" वस्तुओं पर ही लागू किए जा सकते हैं।
- viii. समानता का निर्धारण विभिन्न मापदंडों द्वारा किया जाता है, जैसे भौतिक और रासायनिक विशेषता, उत्पाद विनिर्देश, मूल्य निर्धारण, कार्य और अंतिम उपयोग, अंतिम उपयोगकर्ता की आवश्यकताएं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, वितरण और विपणन, टैरिफ वर्गीकरण, तकनीकी और वाणिज्यिक प्रतिस्थापना, आदि।
- ix. प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धात्मकता का आकलन इस आधार पर किया जाता है कि उत्पाद कब एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किये जा सकते हैं या किसी विशेष आवश्यकता या रुचि को संतुष्ट करने के वैकल्पिक तरीके प्रस्तुत करते हैं।
- x. यूएस - कॉटन यार्न मामले में अपीलिय निकाय ने माना कि सुरक्षा कार्रवाई ऐसे घरेलू उद्योग की सुरक्षा तक विस्तारित नहीं होगी जो भिन्न उत्पादों का उत्पादन करता है, जिनका आयातित उत्पाद के साथ केवल एक दूरस्थ या कमजोर प्रतिस्पर्धी संबंध होता है।
- xi. ऑक्सो अल्कोहल से संबंधित सुरक्षा जांच में, यह नोट किया गया है कि भले ही अंतिम उत्पाद प्रतिस्थापन योग्य हों, लेकिन यह प्रतिस्थापनीयता दूरस्थ नहीं होनी चाहिए।
- xii. हॉट रोल्ड कॉइल्स/शीट्स/स्ट्रिप्स से संबंधित सुरक्षा जांच में, प्राधिकारी ने स्टील के उन ग्रेडों को बाहर रखा है जिनका निर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया गया था। इसलिए, यदि घरेलू उद्योग किसी ग्रेड का निर्माण करने में असमर्थ है, तो उक्त ग्रेड को पीयूसी से बाहर रखा जाना चाहिए।
- xiii. घरेलू उद्योग को यह साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा कि वह पीयूसी के आयातित ग्रेड के समान या प्रतिस्पर्धी वस्तु का विनिर्माण करता है।
- xiv. कुछ आयातित ग्रेड घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं किए जाते हैं और वे व्यावसायिक और तकनीकी रूप से प्रतिस्थापन योग्य नहीं हैं।
- xv. प्राधिकारी यह स्पष्ट कर सकता है कि क्या "टिनप्लेट" और "कोटेड इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्टील" को पीयूसी से बाहर रखा गया है।
- xvi. कुछ ग्रेडों को बाहर करने के लिए घरेलू उद्योग की स्वीकृति की सावधानीपूर्वक जांच की जानी चाहिए।
- xvii. याचिकाकर्ता यह प्रमाणित करने में विफल रहा है कि उसके उत्पाद तकनीकी और व्यावसायिक रूप से आयातित ग्रेडों के साथ कैसे प्रतिस्थापनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत चालान इस बात की पुष्टि नहीं करते कि कैसे प्रस्तुत चालान यह प्रदर्शित करते हैं कि कोई विशेष ग्रेड उन ग्रेडों के साथ प्रतिस्थापनीय है जिनके लिए एनएससी ने बहिष्कार की मांग की है।
- xviii. अंतिम उपयोग की शर्तों के आधार पर उत्पादों को बाहर करना अनुचित और बोझिल है।
- xix. प्राधिकारी यह विचार करने के लिए बाध्य है कि क्या जिन ग्रेडों को बाहर रखा गया है, वे सभी घरेलू स्तर पर उत्पादित ग्रेडों के समान या सीधे प्रतिस्पर्धी हैं। इस मुद्दे की जांच करने से पूरी तरह इनकार करना स्पष्ट रूप से मनमाना, अवैध और त्रुटिपूर्ण है।
- xx. प्राधिकारी ने ग्राहक अनुमोदन की कमी और गुणवत्ता में अंतर को बहिष्कार के आधार के रूप में स्पष्ट रूप से

खारिज कर दिया है, बिना यह समझे कि खराब गुणवत्ता वाले उत्पादों के परिणामस्वरूप अंतिम उत्पाद अव्यवहार्य हो जाएगा।

- xxi. ग्राहक अनुमोदन से यह पता चलेगा कि कोई उत्पाद अंतिम उपयोगकर्ताओं द्वारा अपेक्षित वाणिज्यिक मानकों को पूरा करता है या नहीं।
- xxii. एक ओर प्राधिकारी का मानना है कि यह जांचने की कोई आवश्यकता नहीं है कि क्या प्रत्येक उत्पाद घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किया गया है, वहीं दूसरी ओर प्राधिकारी ने चुनिंदा रूप से यह नोट किया है कि घरेलू उद्योग ने कुछ ग्रेडों की बिक्री दिखाने के लिए चालान उपलब्ध कराए हैं।
- xxiii. एनएससी ने अपने बहिष्करण अनुरोध को प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त तकनीकी साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं।
- xxiv. एएमएनएस ने पाया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित ग्रेड, गुणवत्ता, ग्रेड और आकार मिश्रण के संदर्भ में एनएससी के उत्पादों की तुलना में उप-इष्टतम हैं।
- xxv. एनएससी ने एएमएनएस के लिए अनुकूलित ग्रेड विकसित किए हैं, जिनका उपयोग पेटेंट उत्पादों के उत्पादन के लिए किया जाता है।
- xxvi. भले ही एएमएनएस घरेलू उद्योग बने रहने के लिए प्रतिबद्ध हो, फिर भी प्राधिकारी को एनएससी और एएमएनएस द्वारा कुछ ग्रेडों को बाहर करने के लिए रिकॉर्ड में रखे गए कारणों और साक्ष्यों की जांच करना आवश्यक है।
- xxvii. एनएससी मेक इन इंडिया में योगदान देने में सक्रिय भूमिका निभा रही है। एनएससी ने उत्तम गैल्वे स्टील्स लिमिटेड, एस्सार स्टील इंडिया लिमिटेड का अधिग्रहण किया है और एएमएनएस की स्थापना की है, जो नए संयंत्रों का निर्माण कर रही है।
- xxviii. एनएससी 2022 से एएमएनएस को उच्च गुणवत्ता वाले एचआर स्टील की आपूर्ति करता है। 2025 में इस आवश्यकता में वृद्धि होने की उम्मीद है। एनएससी के एचआर स्टील के अधिकांश निर्यात एएमएनएस को उसके डाउनस्ट्रीम उत्पादों के सबस्ट्रेट के रूप में आपूर्ति किए जाते हैं।
- xxix. एएमएनएस नई परियोजनाओं और मौजूदा सुविधाओं के विस्तार में निवेश कर रहा है।
- xxx. टिन-मुक्त स्टील और प्लास्टिक लैमिनेटेड स्टील टिनप्लेट की श्रेणी में आते हैं। इसलिए, ऐसे उत्पादों को पीयूसी के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
- xxxi. जांच, आयात में वृद्धि, गंभीर क्षति या खतरे, कारणात्मक संबंध और समायोजन प्रयासों के किसी भी साक्ष्य के बिना शुरू की गई है।
- xxxii. घरेलू उद्योग जांच की अवधि से पहले 12 महीने की अवधि के लिए क्षति संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराने में विफल रहा है, जिससे यह निर्धारित किया जा सके कि क्या बढ़े हुए आयातों से वास्तव में घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है।
- xxxiii. सभी उत्पाद श्रेणियों में आयात में कोई तीव्र वृद्धि नहीं हुई है।
- xxxiv. गंभीर क्षति और कारणात्मक संबंध का कोई साक्ष्य नहीं है।
- xxxv. सुरक्षा नियमों के नियम 6(4) के तहत निर्धारित प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए न्यूनतम 30 दिन का समय प्रदान नहीं किया है।
- xxxvi. प्राधिकारी द्वारा प्रश्नावली प्रारूप विलम्ब से प्रकाशित किये गये।
- xxxvii. आवेदकों ने अपने आवेदन में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है, जिससे हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी को दी गई सूचना की सटीकता और पर्याप्तता की जांच करने से रोका जा सके।
- xxxviii. आवेदक द्वारा प्रस्तुत लेन-देन-वार आयात आँकड़े विश्वसनीय नहीं हैं। प्राधिकारी ने डीजीसीआईएस/डीजी सिस्टम के आँकड़ों के आधार पर जाँच शुरू नहीं की है।
- xxxix. प्राधिकारी को प्रश्नावली के उत्तर मांगने से पहले उत्पाद के दायरे को अंतिम रूप देना होगा तथा पी.सी.एन. पर निर्णय लेना होगा।

- xi. याचिका में पीयूसी का दायरा व्यापक है। कुछ उत्पाद श्रेणियों को पीयूसी के दायरे में अनुचित रूप से शामिल किया गया है, जबकि उन श्रेणियों के आयात में कोई तीव्र वृद्धि नहीं हुई है।
- xli. शुल्क के कारणात्मक संबंध और परिमाणीकरण को प्रदर्शित करने के लिए पाटन और क्षति मार्जिन का विश्लेषण आवश्यक हो सकता है।
- xlii. सुरक्षा नियमों के नियम 2 के अनुसार, घरेलू उद्योग को केवल "समान या प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी" वस्तुओं के उत्पादकों के रूप में परिभाषित किया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित न किए गए उत्पादों को पीयूसी के दायरे से बाहर रखा जाना आवश्यक है।
- xliii. आवेदक ने यह प्रदर्शित नहीं किया है कि वह प्रत्येक विशिष्ट उत्पाद श्रेणी का "बड़ा हिस्सा" बनाता है। सभी उत्पादक सभी उत्पाद श्रेणियों का निर्माण नहीं करते, इसलिए, वे सभी उत्पाद श्रेणियों के लिए घरेलू उद्योग नहीं बन सकते।
- xliv. जांच अवधि के दौरान सीआर कॉइल्स के आयात में ठीक पिछले वर्ष की तुलना में मामूली वृद्धि हुई है। एचआर कॉइल्स के आयात में क्षति अवधि के दौरान धीरे-धीरे वृद्धि हुई है, जो आयात में अचानक, तीव्र और उल्लेखनीय वृद्धि को नहीं दर्शाता है।
- xlvi. जांच अवधि के दौरान लेपित शीटों के आयात में तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में गिरावट आई है।
- xlvii. भले ही घरेलू कानूनी ढांचे में अप्रत्याशित विकास की आवश्यकता का उल्लेख नहीं किया गया हो, फिर भी प्राधिकारी को जीएटीटी के अनुच्छेद XIX के तहत इसकी जांच करना आवश्यक है।
- xlviii. व्यापार सुधार उपाय अप्रत्याशित घटनाएँ नहीं हैं क्योंकि इन्हें राष्ट्रों द्वारा नियमित रूप से लागू किया जाता है। इसके अलावा, ये विश्व व्यापार संगठन के समझौतों के तहत वैध कार्रवाईयाँ हैं। विश्व व्यापार संगठन के आंकड़ों के अनुसार, 2010 से 2017 के बीच, इस्पात उत्पादों के विरुद्ध 367 पाटनरोधी और प्रतिसंतुलनकारी शुल्क कार्रवाईयाँ की गई हैं।
- xlix. कई देशों को अमेरिकी धारा 232 टैरिफ से छूट दी गई है।
- l. अतिरिक्त क्षमता का मुद्दा विभिन्न वैश्विक बाजारों में एक पुरानी और सुप्रलेखित चुनौती रही है, जिस पर एक दशक से भी ज़्यादा समय से कई उद्योग रिपोर्टों, विश्व व्यापार संगठन के मंचों और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार चर्चाओं में चर्चा होती रही है। यह मुद्दा अप्रत्याशित नहीं है।
 - i. चीन की तीन लाल रेखाओं वाली नीति अप्रत्याशित नहीं है। चीन द्वारा अन्य देशों में इस्पात निर्माण क्षमता में किया गया निवेश कई वर्षों से जारी है।
 - ii. विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में घरेलू बिक्री, उत्पादन और क्षमता में वृद्धि हुई है।
 - iii. समग्र रूप से घरेलू उद्योग को कोई गंभीर क्षति नहीं हो रही है। टाटा स्टील (जो आईएसए का सदस्य भी है) जैसे अन्य घरेलू उत्पादकों का एबिटा 10% बढ़कर 22% के एबिटा मार्जिन पर 31,057 करोड़ रुपये हो गया है। वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान एएमएनएस और सेल का एबिटा उल्लेखनीय है। टाटा स्टील के एबिटा में गिरावट घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कमी से कम है।
 - liii. बढ़े हुए आयात और घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। हालाँकि रंगीन लेपित कॉइल और शीट के आयात में कमी आई है, लेकिन प्रति इकाई पीबीआईटी में भी गिरावट आई है।
 - liv. आयात में कथित वृद्धि के बावजूद, जांच अवधि के दौरान प्लेट मिल प्लेटों की प्रति इकाई पीबीआईटी में सुधार हुआ है।
 - lv. लेपित कॉइल और शीट में सुधार दिखा।
 - lvi. एचआर कॉइल्स के मामले में, जब 2022-23 से 2023-24 तक आयात में वृद्धि हुई, तो पीबीआईटी में भी सुधार हुआ।
 - lvii. भारत में इस्पात उत्पादन की लागत दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में काफी ज़्यादा है। कोकिंग कोल की कीमतें बढ़कर लगभग 670 डॉलर प्रति मीट्रिक टन हो गई हैं। यही वजह है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता

में गिरावट आई है।

- lviii. घरेलू उद्योग की परिचालन लागत अधिक है - मूल्यहास लागत, ब्याज लागत में वृद्धि हुई है।
- lix. घरेलू उद्योग के ज्यादातर आरोप चीन की अतिरिक्त क्षमता और घटती घरेलू माँग पर केंद्रित हैं। इसलिए, आयात में वृद्धि अप्रत्याशित घटनाओं के कारण नहीं है।
- lx. समायोजन योजना को गोपनीय बताया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समायोजन योजनाएँ अस्पष्ट और सामान्यीकृत हैं। घरेलू उद्योग ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि 25% शुल्क लगाने से उनके प्रयासों को किस प्रकार सहायता मिलेगी या समर्थन मिलेगा।
- lxi. 25% शुल्क दर का अनुरोध किसी भी साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं है। हर साल 1% का उदारीकरण उद्योग की समायोजन योजनाओं के साथ कोई स्पष्ट संबंध नहीं दर्शाता है।
- lxii. भारत में इस्पात उत्पादों के आयात से संबंधित चिंताओं को दूर करने के लिए व्यापार सुधारात्मक उपायों का एक लंबा इतिहास रहा है।
- lxiii. पीयूसी पर बीआईएस विनियम और गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जैसी विभिन्न गैर-टैरिफ बाधाएँ हैं।
- lxiv. कुछ शिपमेंट के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र प्रक्रिया मौजूद है जहाँ विशिष्ट ग्रेड का स्टील घरेलू स्तर पर उत्पादित नहीं होता है। हालाँकि, इस प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किए जाने की उम्मीद है।
- lxv. विभिन्न चीनी आपूर्तिकर्ताओं के लाइसेंस 2023 में समाप्त हो गए हैं - आज तक चीन से केवल 8 लाइसेंस ही वैध हैं।
- lxvi. इस्पात आयात निगरानी प्रणाली ("एसआईएमएस") इस्पात आयात की निगरानी और विनियमन के लिए एक तंत्र के रूप में कार्य करती है।
- lxvii. ऐसी कोई गंभीर परिस्थिति नहीं है जिसके लिए सुरक्षा उपाय आवश्यक हों।
- lxviii. घरेलू उद्योग का यह दावा कि जापान, कोरिया, आसियान और चीन में कम कीमत वाले आयात और अतिरिक्त क्षमता है, किसी भी साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं है।
- lxix. घरेलू उद्योग द्वारा भरोसा किए गए सभी साक्ष्य केवल एचआरसी से संबंधित हैं, न कि समग्र पीयूसी से।
- lxx. सुरक्षा शुल्क समग्र रूप से जनहित में नहीं होगा।
- lxxi. इससे देश भर में इस्पात उद्योग को अपूरणीय क्षति होगी।
- lxxii. सुरक्षा शुल्क से "मेक इन इंडिया" पहल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- lxxiii. भारत-जापान सीईपीए व्यापार और निवेश के उदारीकरण और सुविधा के माध्यम से दोनों देशों के बीच साझेदारी और सहयोग का निर्माण करता है।
- lxxiv. प्रारंभिक जांच परिणाम प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं और स्थापित कानूनी सिद्धांतों से विचलित हैं।
- lxxv. प्राधिकारी को पक्षकारों द्वारा दायर सभी अनुरोधों पर विचार करना होगा - यहां तक कि 22 जनवरी, 2025 के बाद दायर किए गए अनुरोधों पर भी।
- lxxvi. उत्पादों को पीयूसी के दायरे में तभी शामिल किया जा सकता है जब "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी" वस्तु घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित की गई हो। घरेलू उद्योग यह प्रदर्शित करने के लिए विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहा है कि समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तुएँ निर्मित की गई हैं।
- lxxvii. घरेलू उद्योग के उत्पाद और जापानी मिलों के उत्पादों को एक ही भारतीय मानक के अंतर्गत वर्गीकृत करना "समान या प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी" वस्तु परीक्षण निर्धारित करने के लिए वैध मानदंड नहीं है।
- lxxviii. सुरक्षा नियमों के नियम 2(ई) और सुरक्षा समझौते के अनुसार सुरक्षा उपाय केवल "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी" वस्तुओं पर ही लागू किए जा सकते हैं।
- lxxix. समानता का निर्धारण विभिन्न मापदंडों द्वारा किया जाता है, जैसे भौतिक और रासायनिक विशेषता,

उत्पाद विनिर्देश, मूल्य निर्धारण, कार्य और अंतिम उपयोग, अंतिम उपयोगकर्ता की आवश्यकताएं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, वितरण और विपणन, टैरिफ वर्गीकरण, तकनीकी और वाणिज्यिक प्रतिस्थापना, आदि।

- lxxx. प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता का आकलन इस आधार पर किया जाता है कि उत्पाद कब एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किये जा सकते हैं या किसी विशेष आवश्यकता या रुचि को संतुष्ट करने के वैकल्पिक तरीके प्रस्तुत करते हैं।
- lxxxi. यूएस - कॉटन यार्न मामले में अपीलीय निकाय ने माना कि सुरक्षा कार्रवाई ऐसे घरेलू उद्योग की सुरक्षा तक विस्तारित नहीं होगी जो भिन्न उत्पादों का उत्पादन करता है, जिनका आयातित उत्पाद के साथ केवल एक दूरस्थ या कमजोर प्रतिस्पर्धी संबंध होता है।
- lxxxii. ऑक्सो अल्कोहल से संबंधित सुरक्षा जांच में यह पाया गया है कि भले ही अंतिम उत्पाद प्रतिस्थापन योग्य हों, लेकिन यह प्रतिस्थापनीयता दूरस्थ नहीं होनी चाहिए।
- lxxxiii. हॉट रोल्ड कॉइल्स/शीट्स/स्ट्रिप्स से संबंधित सुरक्षा जांच में, प्राधिकारी ने स्टील के उन ग्रेडों को बाहर रखा है जिनका निर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया गया था। इसलिए, यदि घरेलू उद्योग किसी ग्रेड का निर्माण करने में असमर्थ है, तो उक्त ग्रेड को पीयूसी से बाहर रखा जाना चाहिए।
- lxxxiv. घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए जेपीसी डेटा में पीयूसी का हिस्सा बनने वाली 5 उत्पाद श्रेणियों में से प्रत्येक के लिए अलग-अलग जानकारी नहीं दी गई है। घरेलू उद्योग ने यह नहीं दर्शाया है कि वह इन 5 उत्पाद श्रेणियों में से प्रत्येक का पर्याप्त मात्रा में विनिर्माण करता है।
- lxxxv. एएमएनएस द्वारा किए गए आयात को सुरक्षा शुल्क के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
- lxxxvi. "समान वस्तुएँ" वे हैं जो सभी प्रकार से एक समान या एक जैसे हों। यूएस - वॉशर्स में वर्णित कानूनी मानक लागू नहीं होता क्योंकि वर्तमान मामले में उत्पाद मिश्रण भिन्न है। इस्पात उत्पादों के विविध अनुप्रयोग और विभिन्न विशेषताएँ होती हैं, जो अंतिम उपयोग को प्रभावित करती हैं। इसलिए, इस्पात जाँच में "समान वस्तु" मानक को इस प्रकार लागू किया जाना चाहिए कि यदि घरेलू उद्योग समान या पूर्ण प्रतिस्थापन का निर्माण नहीं करता है, तो उन्हें बाहर रखा जाना चाहिए।
- lxxxvii. प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा स्थापित करने के लिए प्रत्येक ग्राहक की प्राथमिकताएँ प्रासंगिक नहीं हो सकतीं। उपयोगकर्ता घरेलू उद्योग के उत्पादों का उपयोग नहीं कर पाते क्योंकि वे उपयोगकर्ताओं की तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा नहीं करते।
- lxxxviii. अप्रत्याशित परिस्थितियों का कोई सबूत नहीं है। अर्जेंटीना - फुटबियर के अनुसार, वर्णित परिस्थितियाँ अप्रत्याशित होनी चाहिए।
- lxxxix. 2010 और 2017 के बीच, विभिन्न इस्पात उत्पादों के विरुद्ध 367 विभिन्न पाटनरोधी और सीवीडी कार्रवाईयाँ की गईं। व्यापार सुधार उपायों को अप्रत्याशित नहीं माना जा सकता।
- xc. अतिरिक्त क्षमता कोई अप्रत्याशित घटना नहीं है क्योंकि यह बहुत लंबे समय से होता आ रहा है और इस पर विभिन्न व्यापार मंचों, विश्व व्यापार संगठन में चर्चा हो चुकी है और कई रिपोर्टों में इसे उजागर किया गया है। घरेलू उद्योग के लिए बदलते परिदृश्य के अनुकूल ढलने का पर्याप्त अवसर था।
- xci. आर्थिक नीतियों, बाजार की गतिशीलता और वैश्विक निवेश के परस्पर प्रभाव के कारण पिछले कई वर्षों में चीनी निवेश में धीरे-धीरे वृद्धि हुई है।
- xcii. केवल जीएटीटी के अंतर्गत भारत के दायित्वों की पहचान करने से यह प्रदर्शित करने की आवश्यकता पूरी नहीं होती कि आयात अप्रत्याशित घटनाक्रमों के कारण है।
- xciii. गंभीर क्षति के खतरे से संबंधित सभी साक्ष्य केवल चीन से संबंधित हैं। याचिकाकर्ता चीन से आने वाले एचआर स्टील की घटती कीमतों के लिए एचआर उत्पादों के अन्य सभी स्रोतों को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते।
- xciv. विश्व का सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक होने के बावजूद चीन को अमेरिकी बाजार से बाहर रखा गया है - आयात में वृद्धि का यही मुख्य कारण है।

IX. गोदरेज एंड बाँयस मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, इस्जेक हेवी इंजीनियरिंग लिमिटेड, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मेटल वन कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और मेटल वन, शिवालिक बाईमेटल कंट्रोल्स लिमिटेड, मनकसिया

- क. प्रारंभिक जांच परिणामों में "गंभीर क्षति" और "गंभीर क्षति के खतरे" को "गंभीर परिस्थितियों" के साथ मिला दिया गया है। गंभीर परिस्थितियों के अस्तित्व का समर्थन करने वाले कोई संकेतक नहीं हैं क्योंकि घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी में तेज़ी से गिरावट नहीं आई है।
- ख. संदर्भ मूल्य की गणना का आधार न बताकर प्राधिकारी ने प्राकृतिक न्याय का घोर उल्लंघन किया है। अतीत में, प्राधिकारी ने शुल्क की एक विशेष दर निर्धारित करने के लिए एक वैध आधार प्रदान किया है।
- ग. संदर्भ मूल्य पर पहुंचने के लिए एनआईपी की गणना हेतु 22% की उच्च नियोजित पूंजी पर रिटर्न अनुचित है।
- घ. याचिकाकर्ता ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है - याचिका में उत्पादन, उत्पादकता, कुल पीबीआईटी और अन्य संकेतकों जैसे विभिन्न मापदंडों को गोपनीय रखा गया है। इससे प्रतिवादियों की डीआई के दावों का जवाब देने की क्षमता प्रभावित हुई है।
- ङ. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समायोजन योजना अस्पष्ट और सामान्य है। इसमें पर्याप्त माने जाने लायक अपेक्षित जानकारी और विवरण का अभाव है।
- च. अप्रत्याशित घटनाक्रमों के कारण आयात में हाल ही में हुई अचानक और तीव्र वृद्धि के संबंध में पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं, जिसका गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के खतरे से कारणात्मक संबंध है।
- छ. अतिरिक्त क्षमता अप्रत्याशित नहीं थी। भारत को इसकी जानकारी थी और दायित्वों को स्वीकार करते समय इसका पूर्वानुमान लगाया जा सकता था।
- ज. तीन लाल रेखाओं वाली नीति का आयात में वृद्धि के साथ कोई निकट कारण और प्रभाव संबंध नहीं है।
- झ. व्यापार सुधार उपायों का यथोचित पूर्वानुमान लगाया जा सकता था। प्राधिकारी ने स्वयं स्वीकार किया है कि ऐसी स्थिति 2019 से पहले भी मौजूद थी।
- ञ. जब भारत जीएटीटी दायित्वों का निर्वहन कर रहा था, तब व्यापार सुधार उपायों की संख्या बहुत अधिक थी।
- ट. वियतनाम, जापान और दक्षिण कोरिया में अधिक क्षमता अप्रत्याशित नहीं है।
- ठ. रक्षोपाय उपायों के लागू होने से उपकरणों की कीमत में 4% और औद्योगिक उत्पादों की कीमत में 10-15% की वृद्धि होगी।
- ड. आवेदकों ने यह दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि घरेलू उद्योग आयात में वृद्धि के साथ समायोजन करने का प्रयास कर रहा है।
- ढ. बहिष्करण अनुरोधों का जवाब देते समय, आवेदक यह नहीं बताते कि वे किन विशिष्ट ग्रेडों के लिए घरेलू समान वस्तु या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु का उत्पादन करते हैं और किनके लिए नहीं। आवेदक का जवाब अस्पष्ट है।
- ण. आधार वर्ष, यानी वित्त वर्ष 2021-22, असामान्य बाज़ार गतिशीलता की विशेषता वाला था। इसलिए, इस आधार वर्ष के आधार पर क्षति का आकलन एक विकृत विश्लेषण को जन्म देगा।
- त. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयात अप्रत्याशित थे, प्रासंगिक अवधि 2009 है, क्योंकि यही वह वर्ष था जब भारत ने जापान और दक्षिण कोरिया के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए थे।
- थ. आयात में वृद्धि भारत द्वारा जापान, दक्षिण कोरिया और आसियान देशों के साथ हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के कारण है। इसे जीएटीटी के अंतर्गत दायित्व नहीं माना जा सकता।
- द. आवेदकों का मई 2025 की कीमतों पर भरोसा करना अनुचित है क्योंकि पीओआई अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 तक है। जो डेटा इस पीओआई के अंतर्गत नहीं आता, उस पर भरोसा नहीं किया जाना

चाहिए। धारा 232 में अमेरिका द्वारा किए गए बदलाव पीओआई के बाहर हैं।

ध. विकासशील देशों को दी जाने वाली छूट की प्रत्येक उत्पाद श्रेणी के लिए अलग से जाँच की जानी चाहिए। नेपाल को इस उपाय से छूट नहीं दी जानी चाहिए।

X. हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड और हुंडई स्टील कंपनी, जीएस ग्लोबल कॉर्प, द चाइना आयरन एंड स्टील एसोसिएशन (सीआईएसए), होआ सेन ग्रुप, ह्योसंग टीएनसी कॉर्पोरेशन, हुंडई कॉर्पोरेशन, इंडियन पाइप मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन, किआ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सैमसंग सी एंड टी कॉर्पोरेशन, स्टील यूजर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसयूएफआई), वियतनाम स्टील एसोसिएशन

15. हितवद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए:

- i. प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत पीयूसी के बहिष्करण में 22 ग्रेड शामिल हैं, तथापि, डीआई के पत्रों में कहा गया है कि बहिष्करण के लिए 50 लाइन आइटमों पर सहमति हो गई है।
- ii. हुंडई स्टील भारत के ऑटो क्षेत्र के लिए एक सतत और विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता रही है, जो देश के आयातित ऑटोमोटिव स्टील का लगभग 52% हिस्सा है।
- iii. हुंडई भारत की मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप स्थानीयकरण पर काम कर रही है।
- iv. उच्च शक्ति वाले स्टील, बाहरी ग्रेड सीआर/जीए शीट्स के लिए कड़े मानकों की आवश्यकता होती है, जो घरेलू उत्पादकों द्वारा पूरा नहीं किया जाता है।
- v. 2025 तक भारतीय ओईएम में जीए आउटर पैनेल की आपूर्ति में 30% का अंतर है। बीआईएस के विकल्प आवश्यकताओं को पूरा नहीं करते हैं। घरेलू उद्योग के पास अंतिम उपयोगकर्ता अनुमोदन नहीं है।
- vi. एचआर स्टील, एपीआई प्रमाणित प्लेट्स, उच्च कार्बन और क्वेंचड एवं टेम्पर्ड (क्यूटी) स्टील तथा विंड टावर और शिपबिल्डिंग प्लेटों को बाहर रखा जाना आवश्यक है।
- vii. यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि क्या बहिष्कृत उत्पादों को कुल आयात मात्रा की गणना से बाहर रखा गया है।
- viii. पाँचों उत्पाद श्रेणियों में से प्रत्येक की तकनीकी विशेषताएँ, अंतिम उपयोग, बाज़ार की गतिशीलता और मूल्य संरचनाएँ अलग-अलग हैं। ये उत्पाद एक-दूसरे के साथ अदला-बदली योग्य नहीं हैं। इन पाँचों उत्पादों की अलग-अलग जाँच की जानी चाहिए।
- ix. यह स्पष्ट नहीं है कि डीआई ने स्टील की 5 श्रेणियों में डेटा को कैसे अलग किया है और कोई स्पष्टीकरण या स्पष्टीकरण भी नहीं दिया है।
- x. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समायोजन योजना पर्याप्त विस्तृत नहीं है, यह सामान्य और अस्पष्ट है। गोपनीय न होने के कारण, इसमें पर्याप्त जानकारी नहीं दी गई है। प्रत्येक भाग लेने वाली आवेदक कंपनी को एक अलग समायोजन योजना प्रस्तुत करनी होगी।
- xi. थैलिक एनहाइड्राइड, 400 श्रृंखला के स्टेनलेस स्टील के कोल्ड रोलड फ्लैट उत्पाद, अनरॉट एल्युमीनियम के गैर-मिश्र धातु सिलिलियां और लचीले स्लैबस्टॉक पॉलीओल से संबंधित सुरक्षा जांच में, प्राधिकारी ने शुल्क लगाने की सिफारिश नहीं की, जहां समायोजन योजना अपर्याप्त थी।
- xii. पिछली सुरक्षा जाँचों में, प्राधिकारी जाँच शुरू होने के बाद घरेलू उत्पादकों के लिए एक अलग प्रश्नावली जारी करता था। हालाँकि, वर्तमान जाँच में, प्राधिकारी ने केवल "अन्य घरेलू उत्पादकों" के लिए एक प्रश्नावली जारी की है।
- xiii. एएमएनएस इंडिया और एएमएनएस खोपोली ने घरेलू उद्योग के घटक होने के बावजूद उपयोगकर्ता प्रश्नावली के जवाब दाखिल किए हैं, क्योंकि वे कुछ ग्रेड के स्टील के लिए निष्पांन स्टील ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन पर निर्भर हैं, क्योंकि घरेलू उत्पादक उनकी गुणवत्ता और मात्रा की आवश्यकताओं, मूल्य निर्धारण आदि को पूरा करने में असमर्थ हैं।
- xiv. प्राधिकारी को एएमएनएस इंडिया और एएमएनएस खोपोली को बाहर रखना चाहिए और घरेलू उद्योग

- की स्थिति की पुनः जाँच करनी चाहिए। प्राधिकारी को एएमएनएस इंडिया और एएमएनएस खोपोली को क्षति विश्लेषण से बाहर रखना भी आवश्यक है।
- xv. वर्तमान जांच को समाप्त किया जाना चाहिए तथा एएमएनएस इंडिया और एएमएनएस खोपोली को घरेलू उद्योग से बाहर करने के बाद पुनः जांच की जानी चाहिए।
- xvi. आवेदन में दी गई जानकारी ट्रेड नोटिस संख्या 10/2018 के अनुरूप नहीं है क्योंकि विभिन्न डेटा बिंदुओं और सूचनाओं को गोपनीय बताया गया है। चूँकि आवेदक कंपनियाँ कई हैं, इसलिए सभी कंपनियों के आर्थिक आंकड़ों की कुछ श्रेणियों का समग्र आधार पर खुलासा किया जाना चाहिए।
- xvii. प्रारंभिक या अंतिम रक्षोपाय उपाय करने से पहले परामर्श आयोजित करना आवश्यक है।
- xviii. चूँकि याचिकाकर्ता ने विभिन्न उत्पाद श्रेणियों को शामिल न करने पर सहमति जताई है, इसलिए जाँच समाप्त की जानी चाहिए। इसलिए, जाँच शुरू करने का आधार बनने वाले आँकड़े अब प्रासंगिक नहीं हैं, जिससे जाँच की पूरी शुरुआत ही निरर्थक हो जाती है।
- xix. आवेदन में देश-वार आयात सारांश उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- xx. याचिका और प्रारंभिक जांच परिणामों में दिए गए आंकड़ों में बदलाव किया गया है। यदि आंकड़ों में कोई अद्यतन है, तो उसे पक्षकारों को प्रसारित नहीं किया गया है। इसलिए, संबंधित पक्षकारों के प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन किया गया है।
- xxi. हितबद्ध पक्षकारों को घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत अद्यतन आंकड़ों पर टिप्पणी देने के लिए पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया है।
- xxii. घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति नहीं हुई है। "गंभीर" क्षति के लिए कानूनी मानक "भौतिक क्षति" के मानक से ऊँचा है। घरेलू उद्योग के विभिन्न मानकों, जैसे बिक्री, उत्पादन, उत्पादकता, क्षमता उपयोग, लाभ, हानि और रोज़गार, में सुधार देखा गया है।
- xxiii. पीयूसी का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। एचआर स्टील की क्षमता उपयोगिता में वृद्धि हुई है, लेकिन एचआर प्लेट्स, सीआर स्टील, संक्षारण प्रतिरोधी स्टील और रंगीन लेपित स्टील की क्षमता उपयोगिता उच्च बनी हुई है, जो दर्शाता है कि डीआई उच्च स्तर की दक्षता से काम कर रहा है।
- xxiv. प्रारंभिक जांच में प्रत्येक याचिकाकर्ता को व्यक्तिगत रूप से हुई क्षति के संबंध में विस्तृत जानकारी का अभाव है।
- xxv. एएमएनएस इंडिया और जेएसडब्ल्यू स्टील की अपने परिचालन का विस्तार करने और निवेश करने की योजना है। ये घटनाक्रम इस बात को और पुष्टा करते हैं कि याचिकाकर्ता मजबूत स्थिति में हैं।
- xxvi. अनरॉट एल्युमीनियम के गैर-मिश्र धातु पिंडों, 400 श्रृंखला के स्टेनलेस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों और बेयर इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न के मामले में प्राधिकारी ने माना है कि क्षमता उपयोग के उच्च स्तर, रोज़गार में वृद्धि, उत्पादन और बिक्री के आंकड़ों में लगातार वृद्धि के कारण कोई क्षति नहीं हुई है।
- xxvii. सीआर स्टील के मामले में शुल्क से छूट के लिए वर्तमान में स्थापित संदर्भ मूल्य, एचआर से सीआर स्टील में रूपांतरण की लागत-प्लस मार्जिन संरचना के अनुरूप नहीं हैं। एचआर से सीआर स्टील में रूपांतरण लागत को संदर्भ मूल्यों में उचित रूप से शामिल नहीं किया गया है।
- xxviii. शुल्क लगाना जनहित में नहीं है क्योंकि इस्पात का विभिन्न उद्योगों में व्यापक उपयोग होता है। सुरक्षा शुल्क घरेलू इस्पात उत्पादकों की प्रतिस्पर्धा को कम करेगा, लागत और कीमतें बढ़ाएगा, छोटी मिलों का लाभ मार्जिन कम करेगा और निर्माण, ऑटोमोटिव, विनिर्माण और बुनियादी ढाँचे की लागत बढ़ाएगा।
- xxix. ये शुल्क मेक इन इंडिया पहल को प्रभावित करेंगे।
- xxx. सुरक्षा शुल्क का उद्देश्य घरेलू उद्योग को अप्रत्याशित घटनाओं के कारण विदेशी निर्यातकों के अनुचित लाभ से बचाना और घरेलू उत्पादकों के लिए एक स्वस्थ समान अवसर सुनिश्चित करना है। सुरक्षा उपायों का उपयोग घरेलू उत्पादकों को अनुचित लाभ पहुँचाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

- xxx. सीमा शुल्क ईडीआई प्रणाली वर्तमान में संदर्भ मूल्य-संबद्ध सुरक्षा शुल्क मूल्यांकन को समायोजित नहीं करती है।
- xxxii. जनवरी 2025 से कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना है। घरेलू उत्पादकों ने अपनी कीमतें बढ़ानी शुरू कर दी हैं। पॉस्को महाराष्ट्र जैसे आपूर्तिकर्ताओं ने सुरक्षा शुल्क के वित्तीय प्रभाव के लिए उपभोक्ताओं को क्षतिपूर्ति देने की मांग की है।
- xxxiii. आवेदन में दी गई समायोजन योजना अस्पष्ट और अपर्याप्त है। पिछली जाँचों में, जब समायोजन योजना उपयुक्त नहीं थी, तो प्राधिकारी ने उपायों की सिफारिश करने से इनकार कर दिया था।

XI. असम रूफिंग लिमिटेड

16. हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए

- क. विकासशील देशों को बाहर करने के लिए 3% की सीमा की गणना प्रत्येक उत्पाद श्रेणी के लिए अलग-अलग की जानी चाहिए। समग्र रूप से पीयूसी के लिए 3% की सीमा चीन और वियतनाम द्वारा पूरी की जाती है। हालाँकि, नेपाल के HR कॉइल्स का हिस्सा कभी भी 3% से अधिक नहीं हो सकता क्योंकि नेपाल मुख्य रूप से लेपित इस्पात उत्पादों का निर्यात करता है।
- ख. आधार धातु/कच्चे माल के स्तर से जुड़े मूल्य संवर्धन के लिए धात्विक लेपित इस्पात कॉइल्स और शीट्स तथा रंगीन लेपित कॉइल्स और शीट्स के लिए निर्धारित मानक शुल्क सीआर कॉइल्स की तुलना में काफी अधिक होना चाहिए।
- ग. नेपाल को मेटैलिक कोटेड स्टील कॉइल्स और शीट्स तथा कलर कोटेड कॉइल्स और शीट्स पर शुल्क से छूट नहीं मिलनी चाहिए। एल्युमीनियम ज़िंक कोटेड उत्पादों के लिए नेपाल का हिस्सा 50% से अधिक, प्री-पेंटेड/प्लास्टिक कोटेड शीट्स के लिए लगभग 6-7% और गैल्वेनाइज्ड शीट्स के लिए 85% है।
- घ. धातु लेपित इस्पात कॉइल्स और शीट्स तथा रंगीन लेपित कॉइल्स और शीट्स पर सुरक्षा शुल्क एचआर और सीआर कॉइल्स के लिए शुल्क से अधिक होना चाहिए।

XII. डोंगकुक सीएम, कोरिया और डोंगकुक स्टील इंडिया प्रा. लिमिटेड

17. हितबद्ध पक्ष ने निम्नलिखित अनुरोध किए

- क. 1.3 मिमी से अधिक मोटाई वाले प्री-पेंटेड एल्युमीनियम ज़िंक अलॉय मेटैलिक कोटेड स्टील को बाहर रखा जा सकता है क्योंकि घरेलू उद्योग अपेक्षित गुणवत्ता के साथ इसका उत्पादन करने में असमर्थ है। जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड एकमात्र घरेलू उत्पादक है जो 1.5 मिमी मोटाई तक के उत्पाद का निर्माण करने में सक्षम है। इस उत्पाद की मांग केवल 6,000 मीट्रिक टन है।
- ख. 1.5 मिमी से अधिक मोटाई वाले हॉट डिप एल्युमिनियम ज़िंक अलॉय मेटैलिक कोटेड स्टील का उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा आवश्यक गुणवत्ता और मात्रा में नहीं किया जा सकता। भारतीय उपभोक्ता कोरियाई निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं। इस उत्पाद की माँग 8,000 मीट्रिक टन है।
- ग. लैमिनेटेड गैल्वेनाइज्ड स्टील का निर्माण डीआई द्वारा नहीं किया जाता है। डीआई पहले ही लैमिनेटेड इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड स्टील को जांच से बाहर रखने पर सहमत हो चुका है; लैमिनेटेड गैल्वेनाइज्ड स्टील को पीयूसी से बाहर न रखने का कोई कारण नहीं है।
- घ. प्री-पेंटेड गैल्वेनाइज्ड स्टील का आयात ग्राहक-विशिष्ट अनुकूलन के आधार पर किया जाता है। डीआई अपेक्षित गुणवत्ता और डिज़ाइन व पैटर्न जैसी विशिष्टताएँ प्रदान करने में असमर्थ है।
- ड. केवल यह तथ्य कि घरेलू उद्योग उन्हीं भारतीय मानकों के अंतर्गत आने वाले उत्पादों को बेचता है, यह प्रदर्शित नहीं करता कि ऐसे माल की गुणवत्ता, संगति या विशिष्टताएँ आयातित ग्रेडों के समान हैं।
- च. चूँकि विशिष्ट उत्पादों की वार्षिक खपत बहुत कम है, इसलिए घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं होगी। यूएस-लैम्ब मामले में, अपीलीय निकाय ने माना कि सुरक्षा उपायों पर समझौते में "गंभीर क्षति" का मानक, एंटी-पाटन समझौते में "भौतिक क्षति" से ऊँचा है।

- छ. जापान - अल्कोहलिक पेय पदार्थों में, पैनल ने नोट किया कि "सीधे प्रतिस्पर्धी या प्रतिस्थापन योग्य" की जांच करते समय, भौतिक विशेषताओं और टैरिफ वर्गीकरण की जांच बाजार के संदर्भ में की जानी चाहिए।
- ज. डी.आई. ने कहा है कि वे 50 लाइन आइटमों को बाहर रखने पर सहमत हैं, लेकिन प्राधिकारी ने केवल 22 उत्पाद श्रेणियों को बाहर रखा है।
- झ. विगत रक्षोपाय जांचों में, प्राधिकारी ने उन स्थानों पर शुल्क लगाने की सिफारिश करने से इंकार कर दिया है जहां घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंडों में सुधार हुआ है।
- ञ. घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री के आंकड़ों में सुधार हुआ है।
- ट. क्षमता उपयोग 83% है, जो अच्छी उत्पादन गतिविधियों को दर्शाता है।
- ठ. रोजगार का स्तर क्षति का एक अच्छा संकेतक है।
- ड. एएमएनएस और जेएसडब्ल्यू क्षमता विस्तार कर रहे हैं जो अनुकूल बाजार वातावरण का संकेत देता है।
- ढ. न्यूनतम निर्यात मूल्य निर्धारित करने का कोई आधार नहीं है; कोल्ड रोल्ड उत्पादों के लिए न्यूनतम निर्यात मूल्य एचआर की तुलना में अत्यधिक उच्च है, तथा लेपित इस्पात उत्पादों की तुलना में कम है।
- ण. कोरिया से कोई क्षति नहीं हुई है, क्योंकि कोरिया से आयात की मात्रा में अन्य देशों की तुलना में मामूली वृद्धि हुई है तथा उसके बाद उसमें गिरावट आई है।

XIII. सीएससीआई कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

18. हितबद्ध पक्षकार ने निम्नलिखित अनुरोध किए

- क. सीआरएनओ के उत्पादन में प्रयुक्त कोल्ड रोल्ड फुल हार्ड सिलिकॉन इलेक्ट्रिकल स्टील को पीयूसी से बाहर रखा जा सकता है। केवल जेएसडब्ल्यू स्टील ने ही सीआरएफएच का निर्माण किया है, हालाँकि, वह लागू बीआईएस मानक के अनुसार सीआरएनओ का उत्पादन करने में सक्षम नहीं है।
- ख. आईएस 18316, 2023 के अनुरूप कोल्ड रोल्ड फुल हार्ड इलेक्ट्रिकल स्ट्रिप्स को जाँच के दायरे से बाहर रखा गया है। सीएससीआई ने इस उत्पाद के आयात के लिए बीआईएस लाइसेंस प्राप्त कर लिया है।
- ग. चीन जन.गण. से कोल्ड रोल्ड नॉन-ओरिएंटेड इलेक्ट्रिकल स्टील के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच में, सीआरएनओ के निर्माण के लिए उपयोग किए जाने वाले सीआरएफएच को पीयूसी से बाहर रखा गया था।
- घ. सीएससीआई द्वारा आयातित सीआरएफएच कोल्ड रोल्ड स्टील का 'समान उत्पाद' नहीं है और घरेलू स्तर पर उत्पादित उत्पाद के साथ विनिमेय या प्रतिस्थापन योग्य नहीं है।
- ङ. जेएसडब्ल्यू ने जेएसडब्ल्यू से सीआरएफएच खरीदा है। हालाँकि, यह उत्पाद बीआईएस 648:2022 के आवश्यक मानकों के अनुरूप नहीं है। जेएसडब्ल्यू द्वारा किए गए कई परीक्षणों में अस्वीकृति दर 4.86% से 100% तक रही है। एएमएनएस के उत्पाद को 100% अस्वीकार कर दिया गया।

XIV. मारुति सुजुकी

19. हितबद्ध पक्षकार ने निम्नलिखित अनुरोध किए

- क. सभी इस्पात श्रेणियों में आयात में तीव्र वृद्धि नहीं देखी गई।
- ख. घरेलू इस्पात की कीमतों में वृद्धि देखी गई है, जबकि अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में गिरावट आई है, जिससे पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने कीमतें बढ़ाने के लिए सुरक्षा शुल्क का लाभ उठाया है, जिससे डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों पर वित्तीय दबाव बढ़ रहा है।
- ग. भारतीय इस्पात मिलों की अनुपलब्धता और क्षमता की कमी के कारण आपूर्ति में कमी आई है, जिससे उत्पादन कार्यक्रम और परिचालन दक्षता प्रभावित हुई है।
- घ. मारुति सुजुकी एक प्रमुख वाहन निर्यातक है और जापान तथा यूरोपीय संघ को अपने वाहन निर्यात करती

है। उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखना आवश्यक है। वैश्विक बाजारों में किसी भी प्रकार की विफलता भारतीय उत्पादों की प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

XV. एनआरबी बियरिंग्स

20. हितबद्ध पक्षकार ने निम्नलिखित अनुरोध किए

- a. आयातित उत्पाद भारत में निर्मित नहीं होते हैं। प्रत्येक खेप के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया गया है।

XVI. एक्टिएन-गेसेलशाफ्ट डेर डिलिंजर हटनवेके

21. हितबद्ध पक्षकार ने निम्नलिखित अनुरोध किए:

- क. आवेदक के तर्क जैसे कि अतिरिक्त इस्पात उत्पादन क्षमता, अन्य देशों द्वारा व्यापार सुधार उपायों का कार्यान्वयन और आसियान में क्षेत्रीय बाजार में बदलाव, "अप्रत्याशित घटनाक्रम" के परिणामस्वरूप "आयात में वृद्धि" के साक्ष्य नहीं हैं।
- ख. गंभीर क्षति का दावा प्रमाणित नहीं है, क्योंकि उत्पादन मात्रा और बिक्री जैसे प्रमुख निष्पादन मापदंडों में सामान्य सकारात्मक प्रवृत्ति है।
- ग. अन्य घरेलू उत्पादकों जैसे टाटा स्टील लिमिटेड ने प्रासंगिक अवधि के दौरान स्थिर या बेहतर प्रदर्शन प्रदर्शित किया है।
- घ. प्राधिकारी द्वारा क्षति के वैकल्पिक कारणों की पर्याप्त जांच या समाधान नहीं किया गया है।
- ङ. प्राधिकारी इस बात का आकलन करने के लिए महत्वपूर्ण कारकों का विस्तृत और वस्तुनिष्ठ विश्लेषण करने में विफल रहा है कि आयातित उत्पाद "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी" हैं या नहीं।
- च. ऑक्सो अल्कोहल से संबंधित सुरक्षा जांच में, प्राधिकारी ने माना कि अंतिम उपयोग का ओवरलैप होना, अपने आप में, यह निर्धारित करने के लिए पर्याप्त मानदंड नहीं है कि उत्पाद "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी" हैं या नहीं।
- छ. आवेदक के लिए यह कानूनी आवश्यकता है कि वह यह प्रदर्शित करे कि वह आयातित उत्पाद के प्रत्येक ग्रेड का विनिर्माण समान विनिर्देशों के साथ करता है तथा उसे सम्पूर्ण घरेलू मांग को पूरा करना होगा।
- ज. आवेदक ने 17 उत्पाद श्रेणियों को बाहर करने पर सहमति व्यक्त की है, भले ही वह ऐसे उत्पादों का निर्माण करता है जो तुलनीय हैं और जिनके अंतिम उपयोग एक दूसरे से ओवरलैप होते हैं।
- झ. एचआर कॉयल/शीट/स्ट्रिप्स से संबंधित सुरक्षा जांच में कुछ उत्पादों को बाहर रखा गया, क्योंकि घरेलू उद्योग संबंधित वस्तुओं के घरेलू उत्पादन का साक्ष्य उपलब्ध कराने में विफल रहा।
- ञ. यद्यपि डीआई ने स्टील के कुछ ग्रेडों की नमूना बिक्री के चालान की आपूर्ति की है, लेकिन निष्कर्ष इस बात पर चुप हैं कि ये ग्रेड डिलिंजर द्वारा आपूर्ति किए गए विशिष्ट उत्पाद ग्रेडों के साथ कैसे "समान" या "सीधे प्रतिस्पर्धी" हैं।
- ट. बासुदेव दत्ता बनाम बंगाल राज्य मामले में, माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि प्रत्येक प्रशासनिक या अर्ध-न्यायिक आदेश में कारण अवश्य शामिल होने चाहिए। हालाँकि, डिलिंजर के बहिष्करण अनुरोध को अस्वीकार करने के कारणों को प्रारंभिक जांच परिणामों में दर्ज नहीं किया गया है।
- ठ. पीयूसी की पाँचों श्रेणियाँ विनिर्माण प्रक्रिया, तकनीकी विशिष्टताओं, अंतिम उपयोग अनुप्रयोगों, बाजार की गतिशीलता और ग्राहक खंडों के संदर्भ में भिन्न हैं। ये न तो तकनीकी रूप से और न ही व्यावसायिक रूप से एक-दूसरे के स्थान पर आ सकती हैं। प्राधिकारी को प्रत्येक उत्पाद श्रेणी के लिए अलग-अलग स्थिति निर्धारित करनी होगी।
- ड. एएमएनएस इंडिया और एएमएनएस खोपोली ने याचिका का विरोध किया है और उत्पाद को बाहर रखने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी को याचिका के प्रति उनके विरोध के आधार पर घरेलू उद्योग की स्थिति का

आकलन करना चाहिए।

- ढ. भारत में इस्पात का प्रमुख उत्पादक, टाटा स्टील लिमिटेड, इस याचिका का हिस्सा नहीं है।
- ण. टैरिफ रियायतें अप्रत्याशित नहीं हैं, क्योंकि भारत सहित विश्व व्यापार संगठन के सदस्यों द्वारा इनके निहितार्थों की पूरी जानकारी के साथ इन पर बातचीत की जाती है और सहमति व्यक्त की जाती है।
- त. वैश्विक अतिक्षमता एक दीर्घकालिक मुद्दा है जिस पर विश्व व्यापार संगठन और आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) जैसे मंचों पर व्यापक रूप से चर्चा की गई है।
- थ. यूरोपीय संघ से आयात में कोई वृद्धि नहीं हुई है।
- द. यूरोपीय संघ से आयात घरेलू उद्योग के लिए क्षति का कारण नहीं है। क्षति का वास्तविक कारण कुछ विशिष्ट देशों से आयात है।
- ध. यूरोपीय संघ को इस उपाय के अनुप्रयोग से बाहर रखा जा सकता है।
- न. डीआई का बिक्री प्रदर्शन मज़बूत वृद्धि दर्शाता है। डीआई की बिक्री में 40% की वृद्धि हुई है।
- त. उत्पादन क्षमता में 13% की वृद्धि हुई, वास्तविक उत्पादन में 17% की वृद्धि हुई तथा क्षमता उपयोग में 90% की वृद्धि हुई।
- प. लाभप्रदता में गिरावट आयात के कारण नहीं है, बल्कि व्याज लागत में वृद्धि के कारण है, विशेष रूप से बीपीएसएल समूह के अधिग्रहण में जेएसडब्ल्यू द्वारा वहन की गई लागत के कारण।
- फ. यूरोपीय संघ की ओर से कीमतों में कोई कटौती नहीं की गई है।
- ब. क्षति व्यापक या वैश्विक नहीं है। क्षति के मुख्य स्रोत चीन और कुछ आसियान देश हैं।
- भ. मूल्यहास और व्याज लागत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हालाँकि, क्षमता विस्तार का कोई प्रमाण नहीं है। इससे स्पष्ट है कि वित्तीय लागत में वृद्धि आंतरिक वित्तीय निर्णयों के कारण है और आयात में किसी कथित वृद्धि से संबंधित नहीं है।

XVII. एनएलएमके ग्रुप और टे नाम स्टील मैनुफैक्चरिंग एंड ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड।

22. हितबद्ध पक्षकार ने निम्नलिखित अनुरोध किए

- i. जांच की अवधि अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 तक है, लेकिन डीआई ने पिछले वर्षों की इसी अवधि के लिए क्षति की जानकारी प्रदान नहीं की है।
- ii. विकास संस्थान ने अलग-अलग समय पर अलग-अलग आँकड़ों का इस्तेमाल किया है। कुछ जगहों पर, विकास संस्थान ने जाँच अवधि के दौरान के आँकड़ों की तुलना पिछले तीन वित्तीय वर्षों के आँकड़ों से की है। कुछ जगहों पर, विकास संस्थान ने पहले छह महीनों के वार्षिकीकृत आँकड़ों की तुलना की है।
- iii. विभिन्न विश्लेषण करने के लिए कोई एक समान पद्धति नहीं है। क्षति अवधि को 2021-22, 2022-23, 2023-24 और जांच अवधि के रूप में परिभाषित किया गया है। डीआई को सभी अवधियों के लिए एक समान रूप से क्षति विश्लेषण प्रदान करना होगा।
- iv. मौखिक सुनवाई में प्रत्येक वक्ता के लिए आवंटित 3 से 7 मिनट का समय अपर्याप्त है तथा प्राकृतिक न्याय का उल्लंघन है।
- v. डी.आई. ने मौखिक सुनवाई के दौरान एक प्रस्तुति दी, जिसे सुनवाई के समय या उससे पहले प्रसारित नहीं किया गया, जिससे प्रतिवादियों के प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन हुआ।
- vi. प्राधिकारी द्वारा जारी व्यापार नोटिस के अनुसार, मौखिक सुनवाई के दौरान प्रस्तुत की जाने वाली सभी जानकारी सभी पक्षकारों को पहले ही प्रसारित कर दी जानी चाहिए।
- vii. प्राधिकारी ने तथ्यों और लागू कानूनी मानक के माध्यम से शुल्क लगाने के लिए महत्वपूर्ण परिस्थितियों के अस्तित्व को स्थापित नहीं किया है।

- viii. रक्षोपाय उपाय लागू करने के लिए, अप्रत्याशित परिस्थितियों की जाँच करना आवश्यक है। भारत ने जीएटीटी के तहत अपने दायित्वों के अनुरूप, पिछले सुरक्षा जाँचों में लगातार इस परीक्षण को लागू किया है।
- ix. अन्य क्षेत्राधिकारों द्वारा उठाए गए संरक्षणवादी उपायों पर ओईसीडी मंचों, जी20 विज्ञप्तियों और डब्ल्यूटीओ व्यापार नीति समीक्षाओं में व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया गया है। 2000 के दशक की शुरुआत से ही इस्पात व्यापार संरक्षण उपायों का लक्ष्य रहा है।
- x. एक दशक से अधिक समय से इस्पात निर्माण की अतिरिक्त क्षमता एक स्थायी और संरचनात्मक विशेषता रही है, जिस पर बहुपक्षीय मंचों पर चर्चा की गई है।
- xi. चीन की तीन लाल रेखाओं वाली नीति कोई अप्रत्याशित व्यापार घटना नहीं है, बल्कि नीतिगत पुनर्संतुलन है, जिसकी गतिशील वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपेक्षा की जानी चाहिए।
- xii. आसियान में चीनी निवेश में वृद्धि सर्वविदित है।
- xiii. अप्रत्याशित घटनाक्रम और आयात में वृद्धि के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। आयात में वृद्धि को उल्लिखित घटनाक्रमों का प्रत्यक्ष और निकटवर्ती परिणाम ही दर्शाया जाना चाहिए, न कि केवल उनसे सहसंबद्ध।
- xiv. इसमें कोई विस्तृत व्यापार प्रवाह विश्लेषण नहीं किया गया है, डीआई के मूल्य में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति अंतराल या लागत प्रतिस्पर्धात्मकता की जांच नहीं की गई है।
- xv. भारत में इस्पात की मांग मजबूत है और बढ़ रही है, जिससे पता चलता है कि आयात में वृद्धि मांग से प्रेरित हो सकती है, न कि आपूर्ति से।
- xvi. भारत ने इस्पात उत्पादों के विरुद्ध अनेक व्यापार उपाय किये हैं।
- xvii. प्राधिकारी ने यह प्रदर्शित नहीं किया है कि आयात में वृद्धि जीएटीटी के अंतर्गत दायित्वों का प्रभाव है। यह भी प्रदर्शित नहीं किया गया है कि भारत द्वारा लिए गए दायित्व, जैसे कि बाध्य टैरिफ कटौती, आयात में वृद्धि के लिए किस प्रकार उत्तरदायी हैं।
- xviii. विश्व व्यापार संगठन और भारतीय कानून के तहत विषम उत्पाद समूह पर आधारित क्षति विश्लेषण अस्वीकार्य है।
- xix. पीयूसी की प्रत्येक श्रेणी अलग-अलग है और एक-दूसरे के समान या सीधे प्रतिस्पर्धी नहीं हैं। अर्जेटीना - फुटवियर मामले में, अपीलीय निकाय ने माना कि जब उत्पाद के दायरे में विविध और असमान उत्पाद शामिल हों, तो क्षति विश्लेषण का तर्क और स्पष्टीकरण दिया जाना चाहिए।
- xx. आवेदक ने उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, मालसूची, लाभप्रदता और बाज़ार हिस्सेदारी जैसे विभिन्न मानकों के लिए अलग-अलग आँकड़े उपलब्ध कराए हैं, जिनमें से प्रत्येक अलग-अलग संदर्भ अवधियों को कवर करता है। यह असंगत दृष्टिकोण सुरक्षा नियमों के नियम 5 और सुरक्षा समझौते के अनुच्छेद 4.2(ए) का उल्लंघन है।
- xxi. याचिका में दी गई विभिन्न सूचनाओं को गोपनीय बताया गया है, जो व्यापार नोटिस संख्या 10/2018 के विपरीत है और याचिका पर टिप्पणी करने की अन्य हितबद्ध पक्षकारों की क्षमता को प्रभावित करता है।
- xxii. इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है कि कुछ सूचनाओं को गोपनीय क्यों बताया गया है।
- xxiii. रिलायंस बनाम नामित प्राधिकारी मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि उचित गोपनीयता का दावा किए बिना प्राधिकारी को सूचना रोकने का अधिकार नहीं है।
- xxiv. गैर-गोपनीय सारांशों को नियम 7(5) और व्यापार नोटिस 10/2018 की आवश्यकताओं का अनुपालन करना होगा, अन्यथा प्राधिकारी को ऐसी जानकारी को अनदेखा करना होगा।
- xxv. बहिष्करण अनुरोधों को अस्वीकार करना मनमाना है और वैध नहीं है। प्रारंभिक जांच परिणामों में बहिष्करण अनुरोधों को अस्वीकार करने के कारणों का विश्लेषण या स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है।

- xxvi. प्राधिकारी का यह दावा कि आवेदक को समान ग्रेड का उत्पादन या सार्थक मात्रा में आपूर्ति करने की क्षमता प्रदर्शित करने की आवश्यकता नहीं है, स्थापित डब्ल्यूटीओ न्यायशास्त्र के विपरीत है।
- xxvii. पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.1 के अनुसार सभी जांच परिणामों को कारणों से समर्थित होना आवश्यक है।
- xxviii. घरेलू उद्योग ने क्षमता और सामर्थ्य के बारे में व्यापक और निराधार दावे किए हैं। प्रतिवादियों द्वारा दी गई विस्तृत तकनीकी जानकारी, जिसमें घरेलू आपूर्ति की उत्पाद-विशिष्ट अनुपयुक्तता प्रदर्शित की गई है, को नज़रअंदाज़ कर दिया गया है।
- xxix. सभी पांच श्रेणियों के उत्पादों पर एक समान शुल्क लागू करने से व्यापार विकृत हो जाएगा तथा विशिष्ट, उच्च मूल्य या गैर-प्रतिस्थापनीय आयातों पर दंड लगेगा।
- xxx. प्राधिकारी के विश्लेषण को मूल्य बैंड, अंतर्राष्ट्रीय एचएस कोड, उद्योग मानकों और अंतिम उपयोगकर्ता खंडों को ध्यान में रखते हुए अधिक विस्तृत उत्पाद श्रेणियों में विभाजित किया जाना चाहिए।
- xxxi. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समायोजन योजना अत्यधिक सामान्य है, इसमें विशिष्टता का अभाव है तथा यह कोई विश्वसनीय या ठोस रोडमैप प्रस्तुत करने में विफल है।
- xxxii. यह समायोजन योजना, जेएसडब्ल्यू और सेल द्वारा पूर्व में की गई सुरक्षा जाँचों में प्रस्तुत योजनाओं का ही एक प्रतिरूप है। इससे पता चलता है कि घरेलू उद्योग को आयातों के साथ तालमेल बिठाने में सक्षम बनाने के लिए कोई नए प्रयास नहीं किए जा रहे हैं।
- xxxiii. प्रारंभिक जांच परिणाम डीएस 518 में विश्व व्यापार संगठन पैनल की टिप्पणियों की अनदेखी करते हैं। अप्रत्याशित घटनाक्रमों के संबंध में कोई विशिष्ट साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं; कोई गैर-आरोपण विश्लेषण नहीं है; बहिष्करण अनुरोधों को अस्वीकार करने के लिए कोई विस्तृत कारण नहीं दिए गए हैं; आयात में वृद्धि का पारदर्शी विश्लेषण नहीं किया गया है ; कई बहिष्करण अनुरोधों को सामान्य आधार पर अस्वीकार कर दिया गया है।
- xxxiv. अप्रत्याशित घटनाक्रमों से संबंधित जानकारी केवल पीयूसी तक ही सीमित होनी चाहिए तथा केवल कच्चे इस्पात तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए।
- xxxv. अप्रत्याशित घटनाक्रमों के समय तथा उनके कारण घरेलू उद्योग को हाल ही में हुई कथित गंभीर क्षति के बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है।
- xxxvi. घरेलू उद्योग ने इस बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है कि आयात में वृद्धि किस प्रकार कोविड के बाद की रिकवरी का परिणाम हो सकती है।
- xxxvii. भविष्य की संभावनाओं को अप्रत्याशित घटनाक्रम नहीं कहा जा सकता।
- xxxviii. आयात में वृद्धि अचानक नहीं हुई है, बल्कि धीरे-धीरे और लगातार हो रही है।
- xxxix. सभी श्रेणियों के पीयूसी के आयात में वृद्धि नहीं देखी गई है। सीआर कॉइल्स और शीट्स तथा कलर कोटेड स्टील के आयात में वृद्धि न्यूनतम है।
- xl. ऐसी कोई गंभीर परिस्थिति का साक्ष्य नहीं है जो 12% शुल्क को उचित ठहरा सके।
- xli. जीटीआरआई के प्रस्तुतीकरण को अयोग्य ठहराने की आवेदक की याचिका को सरसरी तौर पर खारिज कर दिया जाना चाहिए, क्योंकि सभी पक्षकारों को अपने हितों का प्रतिनिधित्व करने का समान अवसर दिया जाना चाहिए।
- xlii. प्राधिकारी को उत्पादों की समानता और प्रतिस्पर्धात्मकता की वस्तुनिष्ठ और पारदर्शी जांच करनी होगी।
- xliii. सभी उत्तरदाताओं द्वारा दायर प्रत्येक बहिष्करण अनुरोध का मूल्यांकन स्वतंत्र रूप से किया जाना चाहिए, जो वस्तुनिष्ठ तकनीकी साक्ष्य और वाणिज्यिक संदर्भ में वास्तविक प्रतिस्थापना पर आधारित हो, न कि मनमाने चालान संदर्भों या असमर्थित पर आधारित हो।
- xliv. विभिन्न आवेदक कंपनियाँ एक समान या सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद आधार तैयार नहीं करतीं। इसलिए,

क्षति विश्लेषण के लिए उनके आंकड़ों को एक साथ मिलाना कानूनी रूप से अस्वीकार्य है।

- xlv. यदि बहिष्करण अनुरोधों को अस्वीकार किया जाना है, तो उत्पादों की आर्थिक और तकनीकी तुलना प्रदर्शित की जानी चाहिए।
- xlvi. क्षति के आकलन के उद्देश्य से सामान्य ग्रेड एचआर कॉइल और ऑटोमोटिव ग्रेड-सीआर कॉइल को एक साथ नहीं रखा जा सकता।
- xlvi. एएमएनएस और एएमएनएस खोपली के हितों के टकराव के कारण, प्राधिकारी यह मान सकता है कि ये पक्ष डीआई का गठन नहीं करते हैं।

XVIII. भारतीय ऑटोमोबाइल निर्माता सोसायटी

23. हितबद्ध पक्षकार ने निम्नलिखित अनुरोध किए:

- क. उद्योग द्वारा प्रयुक्त 80% इस्पात स्थानीय स्तर पर उत्पादित होता है और उद्योग स्थानीयकरण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।
- ख. रक्षोपाय शुल्क से घरेलू इस्पात की कीमतें बढ़ गई हैं, जबकि इस्पात की वैश्विक कीमतें बढ़ गई हैं।
- ग. कीमतों में वृद्धि से वाहन निर्माताओं के लिए लागत बढ़ेगी, जिससे मूल्य निर्धारण, उत्पादन योजना और दीर्घकालिक निवेश निर्णय प्रभावित होंगे।
- घ. घरेलू इस्पात उद्योग आपूर्ति संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहा है। विनिर्माण में कोई व्यवधान न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए इस्पात की उपलब्धता आवश्यक है।

XIX. जापान आयरन एंड स्टील फेडरेशन

24. हितबद्ध पक्षकार ने निम्नलिखित अनुरोध किए:

- क. जापान से आयातित कुछ ग्रेडों को बाहर रखा जाना आवश्यक है।
- ख. ऑटोमोबाइल उद्योग को अपना परिचालन जारी रखने में गंभीर क्षति और कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। इससे आपूर्ति श्रृंखला बाधित होगी और डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं के सुदृढ़ और सुचारू संचालन को नुकसान पहुँचेगा, जिन्हें जापान से उच्च गुणवत्ता वाला स्टील चाहिए।
- ग. इस कदम से मेक इन इंडिया पहल पर असर पड़ेगा। जापान भारत में बड़ी मात्रा में पूंजी, तकनीक और संसाधन निवेश कर रहा है, जो मेक इन इंडिया नीति में योगदान देता है।
- घ. इस उपाय के लागू होने से भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय संबंध प्रभावित होंगे।

XX. महाराष्ट्र फेडरेशन एसोसिएशन

25. हितबद्ध पक्षकार ने निम्नलिखित अनुरोध किए:

- क. पीयूसी में कच्चे माल, उत्पादन प्रक्रिया, आपूर्ति-मांग गतिशीलता और अंतिम उपयोग के संदर्भ में 5 विभिन्न उत्पाद श्रेणियां शामिल हैं। इन उत्पादों के मिश्र धातु और गैर-मिश्र धातु भी अलग-अलग हैं।
- ख. पांचों उत्पाद श्रेणियों में से प्रत्येक के लिए अलग-अलग सुरक्षा शुल्क की आवश्यकता है।
- ग. मिश्र धातु इस्पात और गैर-मिश्र धातु इस्पात के लिए अलग-अलग पीसीएन की आवश्यकता होती है।
- घ. याचिका में आयात के आंकड़ों का स्रोत उजागर नहीं किया गया है। विभिन्न स्रोतों द्वारा बताई गई मात्राओं में भारी अंतर है।
- ङ. आधार वर्ष 2021-22 कोविड से प्रभावित रहा। मार्च 2022 तक लॉकडाउन लागू रहे। जांच अवधि के दौरान आयात में वृद्धि कोविड के बाद की स्थिति में सुधार का परिणाम है।
- च. कोविड के दौरान मांग में असामान्यता को ध्यान में रखते हुए आयात में कोई निश्चितता नहीं है।

- छ. मूल्य वर्धित उत्पादों (एचआरसी के अलावा) की 2023-24 के अलावा कुल आयात में हिस्सेदारी 5% से कम है।
- ज. आयातित मात्रा में बड़ी मात्रा में प्लेटें (एपीआई प्लेटें) शामिल हैं, जिन्हें डीएफआईए योजना के तहत आयात किया जाता है। बेहतर गुणवत्ता और कीमत के कारण, एलएसएडब्ल्यू पाइपों के निर्यात हेतु एपीआई प्लेटों का आयात अग्रिम लाइसेंस के आधार पर किया जाता है। एलएसएडब्ल्यू पाइप निर्माताओं ने वित्त वर्ष 23-24 में लगभग 165,712 मीट्रिक टन और वित्त वर्ष 24-25 में लगभग 210,426 मीट्रिक टन प्लेटों का आयात किया। लगभग सभी एपीआई प्लेटें पाइपों के निर्यात के लिए हैं।
- झ. 2022-23, 2023-24 और 2024-25 (पहली छमाही) के दौरान आयात में वृद्धि वियतनाम से आयातित मात्रा में वृद्धि और एएमएनएस द्वारा आयात के कारण हुई है। वियतनाम के खिलाफ पहले से ही एक वाणिज्यिक व्यापार जांच चल रही है। एएमएनएस ने 2023-24 में 244,725 मीट्रिक टन एचआरसी और 2024-25 के पहले 9 महीनों में 681,016 मीट्रिक टन एचआरसी का आयात किया।
- ञ. भारत सरकार ने लगभग सभी चीनी इस्पात मिलों के लिए बीआईएस पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है।
- ट. सीआर कॉइल का प्रमुख आयात दक्षिण कोरिया से होता है।
- ठ. आवेदक कंपनियों और टाटा स्टील लिमिटेड का ईबीआईडीटीए बहुत अधिक है, जो उच्च लाभ का संकेत है। आवेदक कंपनियों और टाटा का संयुक्त ईबीआईडीटीए तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक है।
- ड. भारतीय मिलों की उच्च लाभप्रदता का मुख्य कारण लौह अयस्क के मूल्य निर्धारण के संदर्भ में भारत सरकार से प्राप्त अंतर्निहित सब्सिडी है।
- ढ. इंडोनेशिया जैसे 3% से कम आयात हिस्सेदारी वाले विकासशील देशों को इससे बाहर रखा जा सकता है।
- ण. सुरक्षा शुल्क लगाने से उद्योग और अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ेगा। इन उत्पादों का विनियमन क्यूसीओ, एसआईएमएस और एनओसी प्रक्रिया के माध्यम से होता है, जिससे आयात में पहले से ही अनिश्चितता बनी रहती है।
- त. पीयूसी का उपयोग विभिन्न उद्योगों में किया जाता है। शुल्कों से घरेलू प्रतिस्पर्धा कम होगी।
- थ. इस्पात पर सुरक्षा शुल्क लगाने से कीमतें बढ़ जाएंगी, जिसके परिणामस्वरूप निर्माण लागत बढ़ जाएगी और मुद्रास्फीति सहित व्यापक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा।
- द. जल जीवन मिशन और हर घर जल जैसी विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में देरी हो सकती है।
- ध. वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी इस्पात कीमतों के बिना मेक इन इंडिया सफल नहीं हो सकता।

XXI. कच्छ उद्योग संघों का महासंघ

26. हितबद्ध पक्ष ने निम्नलिखित अनुरोध किए:

- क. एसोसिएशन ने अपने क्षेत्र से गुजरात में निवेश को बढ़ावा देने के लिए पीए चैंबर, पेंसिल्वेनिया, अमेरिका के साथ एक समझौता किया है।
- ख. बुनियादी ढांचे के लिए 11 लाख करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन है।
- ग. अन्य प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत में प्रति व्यक्ति इस्पात खपत बहुत कम है। उद्योग ने अपनी क्षमता बढ़ाकर लगभग 170 एमएमटी कर ली है।
- घ. रक्षोपाय उपायों का भारत के सभी पाइप निर्माताओं पर प्रभाव पड़ेगा। डाउनस्ट्रीम उद्योगों के हितों और प्रतिस्पर्धात्मकता में संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है।
- ङ. उच्च इनपुट लागत से बुनियादी ढांचे के विकास और औद्योगिक विकास की गति धीमी हो सकती है।
- च. फ्लैट स्टील का आयात घरेलू खपत का एक नगण्य हिस्सा है (5% से भी कम)। फ्लैट स्टील उत्पाद के कुल आयात के मुकाबले एपीआई ग्रेड स्टील का आयात नगण्य है।
- छ. विश्वव्यापी मांग में कमी के कारण भारतीय इस्पात उद्योग को नुकसान हो रहा है।

- ज. जापान और कोरिया जैसे एफटीए देश गुणवत्तापूर्ण इस्पात की आपूर्ति करते हैं।
- झ. घरेलू उद्योग उचित समयावधि में पर्याप्त मात्रा में एपीआई ग्रेड स्टील की आपूर्ति करने में सक्षम नहीं रहा है।
- ञ. एएमएनएस, बाओ, पोस्को और हुंडई इस्पात के बड़े आयातक हैं।
- ट. मूल सीमा शुल्क के साथ 25% सुरक्षा शुल्क लगाने से कुल देय शुल्क बढ़कर 32.5% हो जाएगा, जबकि पाइप पर 10% सीमा शुल्क लगता है।
- ठ. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा बीआईएस, डीएमआईएंडएसपी तथा स्थानीय सामग्री नीति पहले से ही आयात को हतोत्साहित करती है।

XXII. धातु एवं स्टेनलेस स्टील व्यापारी संघ

27. हितबद्ध पक्षकार ने निम्नलिखित अनुरोध किए:

- क. कोविड के दौरान और उसके बाद मांग में असामान्य उतार-चढ़ाव को देखते हुए उचित निष्कर्ष निकालने के लिए जांच अवधि बहुत छोटी है।
- ख. भारत 2023-24 को छोड़कर पिछले चार वर्षों से इस्पात का शुद्ध निर्यातक रहा है।
- ग. भारत में इस्पात की मज़बूत माँग को पूरा करने में भारत के इस्पात आयात की मात्रा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नीति में अचानक बदलाव देश में इस्पात की मज़बूत माँग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।
- घ. बीआईएस प्रमाणित निर्माताओं की सीमित संख्या के कारण स्टील की कीमतों में वृद्धि को भी जांच में ध्यान में रखा जाना चाहिए, क्योंकि इस योजना के कारण वस्तुओं की कीमतें बढ़ गई हैं।
- ङ. फ्लैट स्टील उत्पाद भारत की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत के 60% उत्पादन पर सिर्फ पांच कंपनियों का नियंत्रण है, जबकि कई छोटे व्यवसाय प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए किफायती फ्लैट स्टील पर निर्भर हैं।
- च. चीन ने अप्रैल 2021 से स्टील पर 13% की छूट वापस ले ली है।
- छ. एफटीए के तहत जापान से बड़ी मात्रा में इस्पात का शुल्क मुक्त आयात किया जा रहा है।
- ज. भारत सरकार पहले ही 7.5% से 12.5% तक टैरिफ जैसे उपायों के ज़रिए भारतीय कंपनियों की रक्षा कर चुकी है। स्टेनलेस स्टील पाइपों पर 15% का उच्च शुल्क लगाने से आयात हतोत्साहित होगा, लेकिन इससे उपयोगकर्ताओं के लिए लागत भी बढ़ेगी।
- झ. सस्ते आयात का मुकाबला करने के लिए भारत ने वियतनाम और थाईलैंड से आयातित स्टेनलेस स्टील पाइपों पर 246 से 307 अमेरिकी डॉलर तक एंटी-पाटन शुल्क लगाया है।
- ञ. एसआईएमएस आयातक पंजीकरण को अनिवार्य बनाता है, हालांकि, प्रक्रियागत देरी के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होती है।
- ट. विशेष उत्पादों को जांच से बाहर रखा जाना चाहिए।

XXIII. ताइवान स्टील और आयरन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन

28. हितबद्ध पक्षकार ने निम्नलिखित अनुरोध किए:

- क. ताइवान को इस उपाय से बाहर रखा जा सकता है, क्योंकि भारत में पीयूसी के कुल आयात में उसकी हिस्सेदारी 3% से कम रही है।
- ख. ताइवान को एक विकासशील देश माना जा सकता है क्योंकि 2002 से यह विश्व व्यापार संगठन में एक विकासशील देश के रूप में शामिल है। ताइवान एशियाई विकासशील देशों के समूह का सदस्य है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाओं की 2023 और 2024 की रिपोर्टों में ताइवान को लगातार एक विकासशील देश के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

- ग. दक्षिण कोरिया, चीन और जापान से होने वाला आयात वृद्धि का प्रमुख कारण है, जो भारत में होने वाले कुल आयात का 80% है।
- घ. भारत शुल्क के स्थान पर एक प्रभावी उपाय के रूप में देश-विशिष्ट टैरिफ कोटा अपना सकता है।

XXIV. हुंडई ट्रांसिस लीयर, ह्वाशिन ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एचआईएस ऑटोमोटिव्स प्राइवेट लिमिटेड, एचएल मंडो आनंद इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, डेसेऑंग इंडिया ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड,

29. हितवद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए:

- क. शुल्क लगाने से कच्चे माल की लागत में काफी वृद्धि होगी, जिससे वे तैयार उत्पादों की तुलना में अप्रतिस्पर्धी और कम व्यवहार्य हो जाएंगे।
- ख. डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा।
- ग. यदि रक्षोपाय शुल्क लगाया जाता है तो कारखाने के बंद होने का खतरा है, क्योंकि डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं का संचालन अव्यवहार्य हो सकता है।
- घ. इस उपाय से नौकरियाँ खत्म हो सकती हैं।

XXV. भारतीय निर्माण संघ

30. हितवद्ध पक्ष ने निम्नलिखित अनुरोध किए:

- क. घरेलू उद्योग की सुरक्षा और बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं की महत्वपूर्ण ज़रूरतों को पूरा करने के बीच संतुलन बनाना होगा। एक टिकाऊ और पारदर्शी आपूर्ति श्रृंखला की आवश्यकता है।
- ख. कच्चे माल की लागत में गिरावट के बावजूद घरेलू इस्पात की कीमतें अंतर्राष्ट्रीय मानकों से काफी अधिक बनी हुई हैं।
- ग. मार्च 2022 से जुलाई 2024 तक कच्चे माल (लौह अयस्क और कोकिंग कोल) की लागत में 30,146 रुपये प्रति मीट्रिक टन की गिरावट आई, फिर भी घरेलू इस्पात की कीमतों में केवल 18,000 रुपये की गिरावट आई।
- घ. इस्पात आपूर्ति में प्रतिस्पर्धा सीमित है, क्योंकि भारत का 60-70% इस्पात उत्पादन 5 से 6 निर्माताओं के बीच केंद्रित है, जिससे प्रतिस्पर्धा सीमित हो जाती है और आपूर्ति में बाधा उत्पन्न होती है।
- ङ. सरकारी निविदाएँ स्टील की कीमतों में उतार-चढ़ाव को थोक मूल्य सूचकांक से जोड़ती हैं, जो धीरे-धीरे बदलता है। निर्माण कंपनियों को प्रति मीट्रिक टन 4,000 से 8,000 रुपये का नुकसान होता है, जो सालाना 30,000 से 60,000 करोड़ रुपये का नुकसान है।
- च. रक्षोपाय शुल्क से कीमतें बढ़ेंगी, जिससे निर्माण लागत प्रभावित होगी। पिछले सुरक्षा उपायों के कारण इस्पात निर्माताओं को अच्छा-खासा लाभ हुआ था।
- छ. इस्पात आयात पर कई टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएँ हैं, जो बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं, जैसे कि क्यूसीओ, एसआईएमएस, उच्च टैरिफ, सीमित विकल्प और निर्यात-उन्मुख निर्माताओं को प्रभावित करती हैं। इनसे लागत बढ़ती है और आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होती है, जिसके परिणामस्वरूप परियोजना लागत बढ़ सकती है और शहरी एवं ग्रामीण बुनियादी ढाँचे में देरी हो सकती है।
- ज. भारत में प्रति व्यक्ति इस्पात की खपत 83 किलोग्राम है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। 2030 तक प्रति व्यक्ति इस्पात की खपत 160 किलोग्राम करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए इस्पात की उपलब्धता बढ़ानी होगी।
- झ. घरेलू उद्योग का उत्पादन 2030 तक 230 एमएमटी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है।
- ञ. सरकार को गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना होगा, प्रमाणन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना होगा, मूल्य परिवर्तन तंत्र को संशोधित करना होगा, इस्पात मूल्य स्थिरीकरण कोष की स्थापना करनी होगी, इस्पात आपूर्तिकर्ताओं और बुनियादी ढाँचा डेवलपर्स के बीच दीर्घकालिक अनुबंधों को प्रोत्साहित करना होगा,

इस्पात आपूर्ति में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना होगा, आयात निगरानी प्रणाली को सुव्यवस्थित करना होगा, घरेलू उत्पादन में निवेश करना होगा, सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देना होगा, संतुलित विकास और अनुसंधान एवं विकास तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुविधाजनक बनाना होगा।

ट. एमओडब्ल्यूआर योजना में अग्रिम प्राधिकारी कार्यक्रम के समान क्यूसीओ को छूट प्रदान की जानी चाहिए।

घ. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

31. नियमावली के नियम 4(2) के अन्तर्गत, प्राधिकारी को रक्षोपाय कदम के लिए उत्तरदायी वस्तु की पहचान करना आवश्यक है। जांच¹ की शुरुआत संबंधी नोटिस के पैराग्राफ 3 के अनुसार जांच के तहत वस्तु "गैर-मिश्रित धातु और मिश्रित धातु स्टील फ्लैट उत्पाद" (जिसे इसके बाद "विचाराधीन उत्पाद" या 'पीयूसी' कहा गया है) है, जिसमें पांच उत्पाद श्रेणियां शामिल हैं, नामतः, (क) हॉट रोल्ड ("एचआर") कॉइल, शीट और प्लेट, (ख) एचआर प्लेट मिल प्लेट, (ग) कोल्ड रोल्ड ("सीआर") कॉइल और शीट, (घ) धातु लेपित स्टील कॉइल और शीट, चाहे प्रोफाइल किए गए हों या नहीं, गैल्वेनियल सहित, जिंक या एल्यूमीनियम-जिंक या जिंक-एल्यूमीनियम-मैग्नीशियम के साथ लेपित, और (ड.) कलर कोटेड कॉइल और शीट, चाहे प्रोफाइल किए गए हों या नहीं। विचाराधीन उत्पाद को सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 72 के अंतर्गत प्रशुल्क शीर्ष 7208, 7209, 7210, 7211, 7212, 7225 और 7226 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जा सकता है। प्रशुल्क शीर्ष केवल सांकेतिक हैं तथा विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं हैं।^s
32. जांच की शुरुआत संबंधी नोटिस के पैराग्राफ 4 के अनुसार, निम्नलिखित उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा गया है:
 - (i) कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएण्टेड इलेक्ट्रिकल स्टील (सीआरजीओ)
 - (ii) कोल्ड रोल्ड नॉन-ओरिएण्टेड इलेक्ट्रिकल स्टील (सीआरएनओ) कॉइल और शीट
 - (iii) कोटेड - इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड स्टील
 - (iv) टिनप्लेट
 - (v) स्टेनलेस स्टील
33. आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद की प्रत्येक श्रेणी का संक्षिप्त संकेतात्मक और गैर-संपूर्ण विवरण प्रदान किया है, जिसे नीचे पुनः प्रस्तुत किया जाता है:
 - क). एचआर कॉइल, शीट और प्लेट में वे उत्पाद शामिल हैं जो हॉट-रोल्ड से आगे तैयार नहीं किए जाते हैं और जो प्राथमिक और गैर-प्राथमिक स्थिति में मिश्रित धातु या गैर-मिश्रित धातु स्टील के फ्लैट उत्पाद हैं, जिनमें 'एज-रोल्ड' किनारा या 'ट्रिम्ड' किनारा या 'स्लिट' किनारा या 'मिल्ड' किनारा या 'शियर्ड' किनारा या 'लेजर-कट' किनारा या 'गैस-कट' किनारा या किसी अन्य प्रकार का किनारा है। ये उत्पाद पिकल्ड या नॉन-पिकल्ड (स्किन-पास के साथ या उसके बिना), स्लिट या नॉन-स्लिट, सामान्यीकृत या गैर-सामान्यीकृत, अल्ट्रा-सोनिक रूप से परीक्षित या अपरीक्षित, तेलयुक्त या गैर-तेलयुक्त आदि हो सकते हैं। ये उत्पाद 'एज-रोल्ड' या 'थर्मो-मैकेनिकल रूप से रोल्ड' या 'थर्मो-मैकेनिकल रूप से नियंत्रित रोल्ड' या 'नियंत्रित रोल्ड' या 'सामान्यीकृत रोल्ड' अथवा 'सामान्यीकृत' या किसी अन्य समान प्रक्रियाओं के अधीन हो सकते हैं। इन उत्पादों को विभिन्न प्रसंस्करण चरणों जैसे पिकलिंग, ऑइलिंग, रीवाइंडिंग, रीकॉइलिंग, टेम्पर रोलिंग, हीट ट्रीटमेंट आदि के अधीन किया जा सकता है। इन उत्पादों को सैंड ब्लास्ट या शॉट ब्लास्ट किया जा सकता है या समान सतह उपचार प्रक्रियाओं के अधीन किया जा सकता है। एचआर कॉइल, शीट और प्लेट्स को हॉट स्ट्रिप मिल (एचएसएम) रूट या थिन स्लैब कास्टिंग रूट के माध्यम से उत्पादित किया जा सकता है।

¹ प्रारंभिक सूचना संख्या 22/01/2024-DGTR दिनांक 19 दिसंबर 2024

- ख). एचआर प्लेट मिल प्लेट मिल का उत्पादन प्लेट मिल रूट के माध्यम से किया जाता है और उसमें वे उत्पाद शामिल हैं जिन्हें होट-रोल्ड के अलावा किसी अन्य धातु से आगे तैयार नहीं किया जाता है और जो प्राथमिक और गैर-प्राथमिक स्थिति में मिश्रित धातु या गैर-मिश्रित धातु स्टील के फ्लैट उत्पाद हैं, जिनमें 'एज-रोल्ड' किनारा या 'ट्रिम्ड' किनारा या 'स्लिट' किनारा या 'मिल्ड' किनारा या 'शियर्ड' किनारा या 'लेजर-कट' किनारा या 'गैस-कट' किनारा या किसी अन्य प्रकार का किनारा है। ये उत्पाद पिकल्ड या नॉन-पिकल्ड (स्किन-पास के साथ या उसके बिना), स्लिट या नॉन-स्लिट, सामान्यीकृत या गैर-सामान्यीकृत, अल्ट्रा-सोनिक रूप से परीक्षित या अपरीक्षित, तेलयुक्त या गैर-तेलयुक्त आदि हो सकते हैं। ये उत्पाद 'एज-रोल्ड' या 'थर्मो-मैकेनिकल रूप से रोल्ड' या 'थर्मो-मैकेनिकल रूप से नियंत्रित रोल्ड' या 'नियंत्रित रोल्ड' या 'सामान्यीकृत रोल्ड' अथवा 'सामान्यीकृत' या किसी अन्य समान प्रक्रियाओं के अधीन हो सकते हैं। इन उत्पादों को विभिन्न प्रसंस्करण चरणों जैसे पिकलिंग, ऑइलिंग, रीवाइंडिंग, रीकोइलिंग, टेम्पर रोलिंग, हीट ट्रीटमेंट आदि के अधीन किया जा सकता है। इन उत्पादों को सैंड ब्लास्ट या शॉट ब्लास्ट किया जा सकता है या समान सतह उपचार प्रक्रियाओं के अधीन किया जा सकता है।
- ग). एचआर कॉइल, शीट्स, प्लेट्स और प्लेट मिल प्लेट्स का पारंपरिक रूप से ऑटोमोटिव, तेल और गैस लाइन पाइप/अन्वेषण, कोल्ड रोल्ड स्टील उत्पाद, पवन चक्कियां, जहाज निर्माण, पाइप विनिर्माण, सामान्य इंजीनियरिंग और फेब्रिकेशन, निर्माण, पूंजीगत सामान, सीमेंट, उर्वरक, रिफाइनरियों, अर्थ-मूविंग, बाँयलर, प्रेशर वेसल, अवसंरचना परियोजनाओं और विभिन्न क्षेत्रों और उद्योगों में कई अन्य अंतिम-उपयोग अनुप्रयोगों के लिए प्रक्रिया उपकरण में उपयोग किया जाता है।
- घ). सीआर कॉइल और शीट में सभी चौड़ाई और मोटाई के लोहे या गैर-मिश्रित धातु स्टील या अन्य मिश्रित धातु स्टील के कोल्ड रोल्ड / कोल्ड रिड्यूस्ड / फ्लैट स्टील उत्पाद शामिल हैं। विचाराधीन उत्पाद में कॉइल में या कॉइल में नहीं कोल्ड रोल्ड / कोल्ड रिड्यूस्ड फ्लैट स्टील उत्पाद शामिल हैं, जिसमें स्लिट कॉइल या शीट, ब्लैंक शामिल हैं, चाहे एनील्ड हो या बॉक्स एनील्ड या बैच एनील्ड या लगातार एनील्ड या कोई अन्य एनीलिंग प्रक्रिया या पूरी तरह से कठोर या आंशिक रूप से कठोर हों अथवा नहीं। इन उत्पादों में तेल का उपयोग किया जा सकता है अथवा बिना तेल के आपूर्ति की जा सकती है। ये उत्पाद इस्पात के विभिन्न गुणवत्ताओं के अनुरूप हो सकते हैं, जिनमें पूर्ण कठोर, आंशिक रूप से कठोर, वाणिज्यिक गुणवत्ता, ड्राइंग, डीप ड्राइंग, एक्स्ट्रा डीप ड्राइंग, इंटरस्टिशियल फ्री स्टील, उच्च शक्ति वाले कम मिश्रित धातु वाले स्टील, एडवांस हाई स्ट्रेंथ स्टील, अल्ट्रा-हाई स्ट्रेंथ स्टील, मिश्र धातु वाले स्टील, माइक्रो-मिश्रित धातु वाले स्टील और विभिन्न अन्य गुणवत्ताओं तक सीमित ना हों, चाहे वे वैक्यूम डिगैस्ड अथवा किस अन्य प्रक्रियाओं से तैयार किए गए हों अथवा नहीं। इन स्टील्स का उत्पादन और आपूर्ति स्किन पास/टेम्पर रोलिंग के साथ या उसके बिना की जा सकती है, चाहे एल्युमिनियम किल्ड/नॉन-एजिंग क्वालिटी हो या न हो और चाहे उसमें माइक्रो-अलॉयिंग तत्व हों या न हों। इन उत्पादों का उपयोग विभिन्न अंतिम-उपयोगों में किया जाता है, जिसमें ऑटोमोटिव उद्योग, ट्रैक्टर, साइकिल, उपकरण, फर्नीचर, इलेक्ट्रिकल पैनल, पैकेजिंग, ड्रम, बैरल, सामान्य इंजीनियरिंग, कोटिंग के लिए सबस्ट्रेट, कलर कोलिंग गैल्वनाइजिंग, मेटल-कोलिंग/प्लेटिंग, टिन प्लेट, पाइप और ट्यूब निर्माण, सामान्य इंजीनियरिंग और विभिन्न क्षेत्रों और उद्योगों में कई अन्य अंतिम-उपयोग अनुप्रयोग शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।
- ङ). मैटेलिक कोटेड स्टील कॉइल और शीट, चाहे प्रोफाइल किए गए हों या नहीं, में गैल्वेनियल, जिंक के साथ कोटेड, एल्युमिनियम-जिंक या जिंक-एल्युमिनियम-मैग्नीशियम शामिल हैं। कोटेड स्टील मिश्रित धातु या गैर-मिश्रित धातु स्टील, प्राथमिक या गैर-प्राथमिक गुणवत्ता वाले हो सकते हैं। कोटेड स्टील को लैमिनेटेड या बिना लैमिनेशन के, लैक्वर्ड या नॉन-लैक्वर्ड, विभिन्न प्रकार के स्पेंगल के साथ स्किन-पास के रूप में भी आपूर्ति की जा सकती है, जिसमें दोनों तरफ अलग-अलग कोटिंग्स सहित विभिन्न संरचना और वजन की कोटिंग्स होती हैं। कोटेड स्टील का उपयोग मुख्य रूप से जंग से सुरक्षा के लिए किया जाता है। कोटेड स्टील का उपयोग छत के अनुप्रयोग, उपकरणों, नवीकरणीय ऊर्जा, ऑटोमोटिव, सामान्य इंजीनियरिंग और कई अन्य अनेक उपयोग अनुप्रयोगों में किया जाता है।

- च). कलर-कोटेड काँइल और शीट में कोटेड उत्पाद शामिल हैं जो कलरकोटिंग प्रक्रिया से गुजरते हैं। ये उत्पाद या तो मिश्रित धातु अथवा गैर-मिश्रित धातु स्टील के होते हैं, चाहे प्राथमिक या गैर-प्राथमिक गुणवत्ता के हों, एक तरफ या दोनों तरफ कोटेड होते हैं, या तो काँइल या सादे शीट या प्रोफाइल शीट के रूप में होते हैं जिनमें ट्रेपोजॉइडल, साइनसॉइडल, नालीदार या किसी अन्य प्रकार के प्रोफाइल शामिल हैं लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं। ये उत्पाद विभिन्न पेंट गुणवत्ता और कई प्रकार के पेंट रंगों में उपलब्ध हैं, चाहे प्राइमर या किसी अन्य उपयुक्त सामग्री के साथ प्रीकोटेड हों या नहीं। इन उत्पादों को या तो स्टील शीट की ऊपरी सतह पर या नीचे की सतह पर या ऊपर और नीचे दोनों सतहों पर पेंट किया जा सकता है। यह उत्पाद गार्ड फिल्म/लेमिनेशन के साथ या उसके बिना आपूर्ति किया जा सकता है। ये उत्पाद अवरोध संरक्षण के साथ जंग को रोकते हैं और इसलिए, कई अनुप्रयोगों और क्षेत्रों में उपयोग किए जाते हैं जिनमें निर्माण, रूफिंग, वालिंग, पैनिलिंग, क्लेडिंग और डेकिंग, ऑटोमोटिव, व्हाइट गुड्स और उपकरणों, फर्नीचर और कई अन्य अंतिम उपयोग अनुप्रयोग शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।
34. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीयूसी 'गैर-मिश्र धातु और मिश्र धातु इस्पात फ्लैट उत्पाद' में पांच अलग-अलग श्रेणियां शामिल हैं। किसी भी हितबद्ध पक्ष ने एकल उत्पाद श्रेणी के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, कई हितबद्ध पक्षकारों ने उत्पादों की पांच श्रेणियों पर अलग-अलग टिप्पणियां की हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने कहा कि पीयूसी की परिभाषा अत्यधिक व्यापक है क्योंकि इसमें उत्पादों की पांच विभिन्न श्रेणियां शामिल हैं जो परस्पर प्रतिस्थापनीय नहीं हैं, जिसका अर्थ है कि वे न तो एक दूसरे के समान हैं और न ही सीधे प्रतिस्पर्धी हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने आगे कहा कि इन पांच विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में से प्रत्येक आयात मात्रा और घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के संदर्भ में अलग-अलग रुझान प्रदर्शित करती है, इसलिए, पांचों उत्पाद श्रेणियों की अलग से जांच की जानी चाहिए।
35. घरेलू उद्योग ने कहा कि न तो सुरक्षा उपायों पर समझौता, और न ही घरेलू कानून "विचाराधीन उत्पाद" शब्द को परिभाषित करते हैं। घरेलू उद्योग *डोमिनिकन गणराज्य की डब्ल्यूटीओ पैनल रिपोर्ट - सुरक्षा उपायों पर भरोसा करते हुए तर्क देता है कि सुरक्षा उपायों पर समझौता पीयूसी² के चयन, विवरण, विश्लेषण और निर्धारण को नियंत्रित नहीं करता है घरेलू उद्योग यह प्रस्तुत करने के लिए यूरोपीय संघ - स्टील पर सुरक्षा उपाय (तुर्की)³ पर भी निर्भर करता है कि उसमें अंतर्निहित जांच में, यूरोपीय संघ ने पीयूसी के रूप में 26 विभिन्न "उत्पाद श्रेणियों" का चयन किया था, भले ही वे परस्पर प्रतिस्थापन योग्य न हों। पैनल ने माना कि यूरोपीय संघ द्वारा अपनाई गई पीयूसी की व्यापक परिभाषा में कोई असंगतता नहीं थी।*
36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि *डोमिनिकन गणराज्य - सुरक्षा उपाय*, और *यूरोपीय संघ - स्टील पर सुरक्षा उपाय (तुर्की)* में डब्ल्यूटीओ पैनल की टिप्पणियों को नोट किया। विशेष रूप से, प्राधिकारी यूरोपीय आयोग द्वारा की गई अंतर्निहित जांच पर ध्यान देता है, जहां पीयूसी के दायरे में 26 अलग-अलग उत्पाद श्रेणियां शामिल थीं जो एक दूसरे के साथ प्रतिस्थापन योग्य नहीं थीं। सुरक्षा जांच में इस अच्छी तरह से स्थापित अंतरराष्ट्रीय कानूनी सिद्धांत के अनुरूप, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सुरक्षा जांच में एकल पीयूसी परिभाषा के दायरे में कई अलग-अलग उत्पाद श्रेणियों को शामिल करने पर कोई रोक नहीं है। प्राधिकारी ने आगे कहा कि न तो अधिनियम और न ही सुरक्षा नियमों में यह प्रावधान है कि पीयूसी को इस प्रकार परिभाषित किया जाना चाहिए कि पीयूसी की सभी उत्पाद श्रेणियां एक दूसरे के साथ प्रतिस्थापन योग्य हों।
37. प्राधिकारी यह मानते हैं कि उत्पाद की विभिन्न श्रेणियाँ उत्पादन मूल्य श्रृंखला में उसके विभिन्न रूप हैं और उनकी समग्र जाँच, विचाराधीन उत्पाद के लिए एक प्रभावी व्यापार उपचार समाधान के उद्देश्य के अनुकूल है। अतः, प्राधिकारी ने उत्पाद की समग्र रूप से और साथ ही, आवश्यकतानुसार, पाँचों श्रेणियों में से प्रत्येक की अलग-अलग जाँच करना उचित समझा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इससे विचाराधीन उत्पाद की विभिन्न श्रेणियों द्वारा प्रदर्शित कथित भिन्न प्रवृत्तियों के संबंध में कुछ हितधारक पक्षकारों की चिंताओं का समाधान हो सकेगा।

² पैरा 7.177³ पैरा 7.34

उत्पाद बहिष्करण अनुरोध

38. प्राधिकारी को कई हितबद्ध पक्षकारों से पीयूसी के दायरे से कुछ ग्रेडों को बाहर करने के अनुरोध प्राप्त हुए, जिनका संक्षिप्त सारांश नीचे दिया गया है:
- i. बहिष्करण अनुरोधों पर विचार हेतु उपयुक्त कानूनी मानक के संबंध में, हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि अधिनियम और नियमों के साथ पठित रक्षोपाय उपायों पर समझौता यह निर्धारित करता है कि सुरक्षा उपाय ऐसे उत्पाद के आयात पर लागू किया जा सकता है जो घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के "समान" या "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" हो। यह प्रस्तुत किया गया कि सुरक्षा नियमों के नियम 2(ई) के अनुसार, "समान वस्तुएँ" उन उत्पादों को संदर्भित करती हैं जो सभी मामलों में समान या एक जैसे हों। यह अनुरोध किया गया कि दो उत्पादों के समान वस्तु होने का आकलन करने के लिए उनकी भौतिक या रासायनिक विशेषताओं, उत्पाद विनिर्देशों, मूल्य निर्धारण, कार्यों और अंतिम उपयोगों, उपयोगकर्ता आवश्यकताओं, उपयोगकर्ता धारणा, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, वितरण और विपणन, टैरिफ वर्गीकरण, तकनीकी और वाणिज्यिक प्रतिस्थापन और घरेलू उत्पादन की जाँच आवश्यक है।
 - ii. "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी वस्तुओं" के संबंध में, अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्रस्तुत किया कि घरेलू रूप से उत्पादित उत्पादों और आयातित उत्पादों को प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी माना जा सकता है यदि दोनों किसी विशेष आवश्यकता या रुचि को संतुष्ट करने के वैकल्पिक तरीके प्रदान करते हैं। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने आगे दलील दी कि यूएस-कॉटन यार्न मामले में डब्ल्यूटीओ अपीलीय निकाय ने घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद के साथ केवल कमजोर प्रतिस्पर्धी संबंध होने के कारण उत्पादों के बहिष्कार को मान्यता दी। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने आगे दलील दी कि पिछले सुरक्षा जांचों में, प्राधिकारी ने उन उत्पादों को पीयूसी के दायरे से बाहर रखा था, यदि यह प्रदर्शित किया गया था कि घरेलू उद्योग "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु" का निर्माण नहीं करता है।
 - iii. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने आगे दलील दी कि यह साबित करने का भार आवेदक पर है कि वह आयातित पीयूसी के संदर्भ में समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तुओं का निर्माण करता है। इसके अलावा, हितबद्ध पक्षकारों ने कहा कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत चालान उनके सबूत के भार को पूरा नहीं करते हैं।
39. घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार दलील दी:
- i. यूएस-वॉशर पर सुरक्षा उपायों की डब्ल्यूटीओ पैनल रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू रूप से उत्पादित उत्पाद जो आयातित उत्पादों के पूर्ण विकल्प नहीं हैं, उन्हें तब भी "समान वस्तु" माना जा सकता है, भले ही दोनों में समान विशेषताएं न हों, जब तक कि दोनों उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धी संबंध मौजूद हों।
 - ii. यूएस-कॉटन यार्न मामले में, यह माना गया कि "प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी" का तात्पर्य दो उत्पादों की एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता से है, न कि बाजार में दो उत्पादों के बीच वास्तविक प्रतिस्पर्धा से। घरेलू उद्योग ने आगे दलील दी कि प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा का आकलन अधिक सामान्य और वस्तुनिष्ठ प्रकृति का है, जिसमें प्रत्येक उत्पादक या उपभोक्ता के विशिष्ट कारकों को ध्यान में नहीं रखा जाता।
 - iii. यह साबित करने का दायित्व अन्य हितबद्ध पक्षकारों पर है कि घरेलू उद्योग ने आयातित ग्रेड की समान या प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तु की आपूर्ति नहीं की है। प्रत्येक ग्रेड के संबंध में सबूत का दायित्व पूरा किया जाना चाहिए जिसके लिए उत्पाद बहिष्करण की मांग की गई है।
 - iv. लगभग सभी हितबद्ध पक्षकारों ने, जिन्होंने पीयूसी के दायरे से कुछ ग्रेडों को बाहर करने का अनुरोध किया है, अपने दावों को साबित करने के लिए कोई भी सबूत दिए बिना ऐसा किया है। हितबद्ध पक्षकारों ने केवल पीयूसी के कई ग्रेडों की एक सूची प्रदान की है और सरलीकृत दावे किए हैं कि घरेलू उद्योग समान या प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी उत्पादों का उत्पादन नहीं करता है और आयातित ग्रेडों की तकनीकी विशिष्टताओं से मेल नहीं खा सकता है।

- v. यदि कोई पक्ष यह दावा करता है कि किसी ग्रेड का निर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है या घरेलू स्तर पर उत्पादित वस्तुओं की तकनीकी विशिष्टताएँ या गुणवत्ता अपर्याप्त है, तो इन दावों को विश्वसनीय और प्रमाणित दस्तावेजी साक्ष्य के साथ स्थापित करने का भार उस पक्ष पर है। घरेलू उद्योग के अनुसार, प्रमाण का यह भार प्रत्येक ग्रेड के संबंध में पूरा किया जाना चाहिए जिसके लिए अपवर्जन की मांग की गई है। हितबद्ध पक्ष के लिए केवल किसी विशेष ग्रेड का नाम प्रदान करना और घरेलू उद्योग की समान या सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद के निर्माण की क्षमता के बारे में निराधार दावे करना पर्याप्त नहीं है। हितबद्ध पक्षकारों को प्रत्येक ग्रेड के लिए ऐसे दावे को विश्वसनीय और विश्वसनीय साक्ष्य के साथ प्रमाणित करना होगा।
- vi. हितबद्ध पक्षकारों ने व्यक्तिगत ग्रेड-स्तर पर यह प्रदर्शित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रदान नहीं किया है कि समान और सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं किए जाते हैं।
40. रक्षोपाय संबंधी करार "विचाराधीन उत्पाद" शब्द को परिभाषित नहीं करता है। न ही यह "जाँच के तहत उत्पाद के विकल्प को अपने आप में अनुशासित करता है।"⁴ रक्षोपाय संबंधी करार केवल यह बताता है कि उत्पादों के आयात पर रक्षोपाय शुल्क लगाया जा सकता है जो "घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुंचाते हैं अथवा जहां गंभीर क्षति होने का जोखिम उत्पन्न करते हैं जो समान या सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पादों का उत्पादन करते हैं" (जोर दिया गया)। उल्लेखनीय रूप से, सुरक्षा समझौते में जांचाधीन वस्तु के आयात पर सुरक्षा उपाय लागू करने की संभावना को स्वीकार किया गया है, जिसके लिए घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान या सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद मौजूद हैं।
41. पाटनरोधी करार में, "सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद" वाक्यांश नहीं है। "समान उत्पाद" को "एक उत्पाद के रूप में परिभाषित किया गया है जो समान है, यानी विचाराधीन उत्पाद के सभी मामलों में समान है, या ऐसे उत्पाद के न होने पर, एक अन्य उत्पाद जो, हालांकि सभी मामलों में समान नहीं है, लेकिन विचाराधीन उत्पाद के समान विशेषताएं रखता है।" पाटनरोधी करार में "समानता" का परीक्षण वह है जो उत्पाद विशेषताओं पर केंद्रित है। हालांकि, सुरक्षा संबंधी करार न केवल "समान उत्पाद", बल्कि "सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पादों" को भी शामिल करता है।
42. यूएस-वांशरों पर रक्षोपायों शुल्क संबंधी पैनल में, "समानता" और "प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता" की अवधारणा के बीच अंतर किया और स्पष्ट किया कि रक्षोपाय संबंधी करार यह यह अधिकार नहीं देता है कि विचाराधीन उत्पाद में केवल "समान उत्पाद" शामिल हों, बल्कि इसमें "प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी उत्पाद" भी शामिल हो सकते हैं:
- 7.58. इस संबंध में हम नोट करते हैं कि अनुच्छेद 4.1 घरेलू उद्योग को "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी" उत्पादों के उत्पादकों के रूप में परिभाषित करता है। इस वाक्यांश में संयोजन "अथवा" के अभिप्राय से ये पक्षकार सहमत नहीं हैं। हमारे विचार से, यह संभव है कि अनुच्छेद 4.1(ग) में संयोजन "अथवा" का उपयोग यह दर्शाता है कि समानता की अवधारणा प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा की अवधारणा से अलग है, जैसा कि संयुक्त राज्य कहता है। हालांकि, यह शब्द यह भी संकेत दे सकता है, जैसा कि कोरिया तर्क देता है, कि एक जाँच प्राधिकारी को उत्पादों को शामिल करने की अनुमति है (घरेलू उद्योग को परिभाषित करने के उद्देश्य से) जो, भले ही वे आयातित उत्पादों की तरह न हों (क्योंकि उदाहरण के लिए उनके पास अलग-अलग भौतिक विशेषताएँ हैं), फिर भी आयातित उत्पादों के साथ सीधे प्रतिस्पर्धी हैं। ..."
- ...
- 7.65. जैसा कि कहा गया है, हम मानते हैं कि बाज़ार में प्रतिस्पर्धा कई तरह से प्रकट हो सकती है। वास्तव में, प्रतिस्पर्धा केवल उन स्थितियों तक सीमित नहीं है जहाँ आयातित और घरेलू उत्पाद लगभग पूर्णतः प्रतिस्थापनीय हों। इस प्रकार, जहाँ तक कोरिया का यह विचार है कि अनुच्छेद 4.1(ग) के अंतर्गत

⁴ पैनल रिपोर्ट, यूरोपीय यूनियन - कुछ इस्पात उत्पादों पर रक्षोपाय कदम, डब्ल्यूटी/डीएस595/आर और 31 मई, 2022 को अंगीकृत एडीडी1, को जोड़े, 7.34.

"समानता" के लिए आयातित और घरेलू उत्पादों के बीच लगभग पूर्णतः प्रतिस्थापनीयता आवश्यक है, हम इससे असहमत हैं। हमें इस दृष्टिकोण का कोई शाब्दिक आधार नहीं दिखता। जहाँ तक कोई आयातित उत्पाद, जो घरेलू स्तर पर उत्पादित वस्तु के साथ पूर्णतः प्रतिस्थापनीय नहीं है, किसी प्रकार के प्रतिस्पर्धी प्रभाव के माध्यम से उस वस्तु को गंभीर क्षति पहुँचाने की क्षमता रखता है, हमें अनुच्छेद 4.1(ग) में "समानता" की व्याख्या करके ऐसी वस्तुओं को बाहर करने का कोई आधार नहीं दिखता। इसके बजाय, एक जाँच प्राधिकारी अपने कारण निर्धारण के भाग के रूप में यह जाँच करने का हकदार है कि क्या उस आयातित उत्पाद ने उस प्रतिस्पर्धी प्रभाव के माध्यम से घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाई थी। हमारा मानना नहीं है कि सुरक्षा समझौते के प्रारूपकारों का इरादा घरेलू उद्योग को इस तरह परिभाषित करने का रहा होगा जिससे जाँच प्राधिकारी को ऐसा कारण निर्धारण करने से रोका जा सके। हालांकि, हम यह मानते हैं कि प्रतिस्पर्धा विभिन्न तरीकों से प्रकट हो सकती है, लेकिन हम यह नहीं मानते कि अनुच्छेद 4.1(सी) के तहत "समान" की व्याख्या, अनुच्छेद 4 के संदर्भ में और अनुच्छेद 2.1 के संदर्भ में की गई है, जिसमें उन उत्पादों को शामिल किया गया है जिनका आयातित उत्पादों के साथ कोई प्रतिस्पर्धात्मक संबंध नहीं पाया गया है।..."

43. पैनल ने उसी रिपोर्ट में यह स्वीकार किया कि भले ही आयातित सामान घरेलू रूप से उत्पादित उत्पादों के "समान" न हों, फिर भी आयातित उत्पाद रक्षोपाय शुल्क के अध्वधीन हो सकते हैं, यदि वे घरेलू रूप से उत्पादित उत्पादों के साथ सीधे प्रतिस्पर्धी हों। पैनल ने आगे "समानता" और "सीधे प्रतिस्पर्धात्मकता" के कानूनी मानक के बीच अंतर की व्याख्या निम्नानुसार की है:

"7.59. रक्षोपाय संबंधी करार में "समान" शब्द को परिभाषित नहीं किया गया है। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी "समान" को "किसी अन्य वस्तु के समान अथवा सदृश्य बनावट, आकार, , रंग, विशेषता; कुछ अन्य व्यक्ति अथवा वस्तु जैसी अथवा उससे तुलनीय विशेषताओं अथवा गुणों; उसके सन्निकट ; सदृश्य" के रूप में "समान" को परिभाषित करता है। संयुक्त राज्य "समान", जो "वही अथवा उसके करीब (प्रकृति, दिखावट अथवा मात्रा में हो)" की वेबस्टर शब्दकोश की परिभाषा को भी संदर्भित करता है। हम यह भी नोट करते हैं कि पाटनरोधी करार और एससीएम करार, जिसके तहत पाटनरोधी और प्रतिस्थानापन्न शुल्क जांचों में जांच अधिकारियों को समान उत्पादों के उत्पादकों के आधार पर घरेलू उद्योग को परिभाषित करने की आवश्यकता होती है, समान उत्पाद को ऐसे उत्पाद के रूप में परिभाषित करता है (क) जो समान है, यानी विचाराधीन उत्पाद के सभी मामलों में समान है; या (ख) ऐसे उत्पाद के न होने पर एक अन्य उत्पाद जो, हालांकि सभी मामलों में समान नहीं है, लेकिन विचाराधीन उत्पाद के समान विशेषताएं रखता है। ये परिभाषाएं इस मुद्दे को हल नहीं करती हैं कि क्या, और यदि हां तो कैसे और किस हद तक, आयातित और घरेलू उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धी संबंधों को समानता निर्धारण के हिस्से के रूप में माना जाना चाहिए। हालांकि, जब हम संपूर्ण रूप से रक्षोपाय संबंधी करार के अनुच्छेद 4 के संदर्भ में अनुच्छेद 4.1 (ग) की व्याख्या करते हैं, और विशेष रूप से अनुच्छेद 4.2 (क) और 4.2 (ख), अनुच्छेद 4.1 (ग) में समानता का अर्थ स्पष्ट हो जाता है।"

44. पैनल की टिप्पणियों को संक्षेप में प्रस्तुत करने के लिए, पाटनरोधी करार और एससीएम करार के अन्तर्गत "समानता" का विश्लेषण उत्पाद विशेषताओं पर केंद्रित है, न कि उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धी संबंधों पर। दूसरी ओर, रक्षोपाय संबंधी करार का दायरा व्यापक है जिसमें उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धी संबंध शामिल हैं।

45. यूएस - वाँशर पर रक्षोपाय उपायों में, पैनल ने नोट किया कि रक्षोपाय संबंधी करार के अंतर्गत आयातित और घरेलू रूप से उत्पादित उत्पादों के बीच सटीक "मिलान" होने की कोई आवश्यकता नहीं है, जब तक कि आयातित उत्पाद सीधे घरेलू रूप से उत्पादित उत्पाद के साथ प्रतिस्पर्धी और प्रतिस्थापनीय हो:

"7.51. ... न तो अनुच्छेद 4.1 (ग) और न ही सुरक्षा संबंधी करार का कोई अन्य प्रावधान (जांच के बाद के संचालन को नियंत्रित करने वाले प्रावधानों सहित, जैसे कि अनुच्छेद 4.2 (ख) और 4.2 (ग)), कोरिया द्वारा विचाराधीन उत्पाद और घरेलू रूप से उत्पादित सामान के बीच "बेमेल" के

रूप में वर्णित किसी भी अतिरिक्त आवश्यकता को लागू करता है। अनुच्छेद 4.1(ग) में यह अपेक्षित है कि घरेलू उद्योग को उन वस्तुओं के उत्पादकों के आधार पर परिभाषित किया जाना चाहिए जो विचाराधीन उत्पाद के समान या सीधे प्रतिस्पर्धी हैं। जहां तक घरेलू उद्योग को समान या सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पादों के उत्पादकों के आधार पर परिभाषित किया जाता है, अनुच्छेद 4.1(ग) के अन्तर्गत विचाराधीन उत्पाद और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु के बीच "मिलान" के लिए कोई अतिरिक्त आवश्यकता नहीं है। वास्तव में, कोरिया की स्थिति को स्वीकार करने का मतलब होगा कि जांच अधिकारी को समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तुओं के उत्पादक को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर करना होगा क्योंकि घरेलू उत्पाद, समान या सीधे प्रतिस्पर्धी होते हुए भी, अनिवार्य रूप से विचाराधीन उत्पाद में शामिल वस्तुओं के समान नहीं है (या कोरिया के शब्दों का उपयोग करें तो, "मिलान" नहीं करता है)। यह अनुच्छेद 4.1(ग) के पाठ के विपरीत है। हमारा मानना है कि यदि अनुच्छेद 4.1(ग) का उद्देश्य जांच अधिकारियों को उन वस्तुओं के आधार पर घरेलू उद्योग को परिभाषित करने से रोकना था जो समान या सीधे प्रतिस्पर्धी हैं लेकिन "मिलान" नहीं हैं, तो प्रावधान को अलग तरीके से तैयार किया गया होता।"

46. प्राधिकारी इस बात के प्रति सचेत है कि विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर उत्पाद को बाहर करने के अनुरोधों की जांच करते समय, कानूनी मानक जिसे भी लागू किया जाना चाहिए वह यह है कि क्या आयातित उत्पाद घरेलू रूप से उत्पादित उत्पाद के समान है या सीधे प्रतिस्पर्धी है। इससे पहले, सौर कोशिकाओं से संबंधित सुरक्षा जांच में, चाहे वे मॉड्यूल या पैनल में इकट्ठे हों या नहीं, प्राधिकारी ने नोट किया कि उत्पादों का "सामान्य और ओवरलैपिंग अनुप्रयोग" उनके प्रतिस्पर्धी संबंध को निर्धारित कर सकता है। इस मामले में, आयातित उत्पाद जिनके स्थानीय रूप से उत्पादित उत्पादों के साथ ओवरलैपिंग अनुप्रयोग थे, सीधे प्रतिस्पर्धी पाए गए और उन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल माना गया:

"22. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग के पास थिन-फिल्म तकनीक और "पीईआरसी" (पैसिवेटेड एमिटर रियर सेल) आधारित तकनीक, और बाय-फेशियल एन-टाइप सौर सेल नहीं हैं मैंने इस पहलू की सावधानीपूर्वक जांच की है और पाया है कि विभिन्न प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पादित विभिन्न प्रकार के सौर सेल दक्षता, मूल्य, भौतिक विशेषताओं, जैसे आकार और वजन आदि के संदर्भ में भिन्न होते हैं। हालांकि ये भिन्नताएं मूल्य और दक्षता में समझौता करती हैं, लेकिन विचाराधीन उत्पाद का अंतिम उपयोग केवल बिजली उत्पादन के लिए होता है।

23. रक्षोपाय शुल्क (सीमा प्रशुल्क रक्षोपाय शुल्क की पहचान एवं आकलन) नियमावली, 1997-अधिसूचना संख्या 35/97-एनटी-सीमा प्रशुल्क दिनांक 29.07.1997 (इसके आगे रक्षोपाय नियमावली कहा गया है) घरेलू उत्पादक को "भारत में समान वस्तु या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु का उत्पादक या व्यापार या व्यवसाय एसोसिएशन, जिसके अधिकांश सदस्य भारत में समान वस्तु या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु का उत्पादन या व्यापार करते हैं" के रूप में मानते हैं और "समान वस्तु" को "समान वस्तु" के रूप में परिभाषित किया गया है जिसका अर्थ है ऐसी वस्तु जो जांच के तहत वस्तु के सभी मामलों में समान या एक जैसी है। पीयूसी के सामान्य और अतिव्यापी अनुप्रयोग यह स्थापित करते हैं कि आयातित और घरेलू स्तर पर उत्पादित संबद्ध वस्तुएं सीधे प्रतिस्पर्धी हैं। इसलिए यह विचाराधीन उत्पाद के दायरे से किसी भी वस्तु को बाहर रखना आवश्यक नहीं बनाता है जैसा कि जांच संबंधी अधिसूचना में उल्लेख किया गया है। अतः मैं दिनांक 5.01.2018 के अंतिम जांच परिणाम के पैरा 5.1 में यथा-विचारित और उल्लिखित विचाराधीन उत्पाद के दायरे को सही मानता हूं और उसकी पुष्टि करता हूं।

47. सबूत के भार के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने एटीएमए बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में यह टिप्पणी की है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी व्यापार उपचार कार्यवाहियों में अर्ध-न्यायिक कार्य करता है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि यह कानून का एक सुस्थापित सिद्धांत है कि अर्ध-न्यायिक निकाय के समक्ष, किसी तथ्य को साबित करने का भार उस पक्षकार पर होता है जो उस तथ्य का दावा करता है। पश्चिम बंगाल राज्य बनाम अतुल कृष्ण शॉ⁵ के मामले में, माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि "अर्ध-न्यायिक

⁵ 1991 अनुपूरक (1) एससीसी 414.

जाँच में, जो पक्षकार अपने पक्ष में तथ्यों की कुछ निश्चित स्थिति पर निर्भर करता है, उसे उसके प्रमाण में साक्ष्य प्रस्तुत करना होता है।⁶

48. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह निर्धारित करने का परीक्षण कि किस पक्षकार पर सबूत का भार है, यह है कि यदि कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया जाता है तो कौन सा पक्ष असफल होगा। वर्तमान मामले में, यदि अन्य हितबद्ध पक्षकार दावा करते हैं कि घरेलू उद्योग समान या सीधे प्रतिस्पर्धी ग्रेड का निर्माण नहीं करता है, तो यदि अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया जाता है तो उक्त दावा असफल हो जाएगा। इसलिए, अपने दावों को साबित करने के लिए दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने का भार दूसरे हितबद्ध पक्ष पर है। यह कानूनी मानक प्राधिकारी द्वारा की गई पिछली सुरक्षा जांचों में लागू किया गया है, सबसे प्रासंगिक रूप से, सिंगल मोड ऑप्टिकल फाइबर से संबंधित सुरक्षा जांच में, जहां प्राधिकारी ने अपर्याप्त साक्ष्य का हवाला देते हुए पीयूसी के कुछ ग्रेड को बाहर करने के लिए एक जापानी निर्यातक द्वारा किए गए अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था:

27. हितबद्ध पक्षकारों में से एक, एसईआई लिमिटेड, जापान ने दावा किया है कि एसईआई द्वारा निर्मित और बेचे गए ग्रेड जी652, जी655 और जी 657 भौतिक विशेषताओं, ग्राहक वरीयता, गुणवत्ता आदि में अंतर के कारण घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित ग्रेड से भिन्न हैं। इस संबंध में, यह ध्यान दिया जाता है कि एसएमओएफ के ग्रेड अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू-टी) द्वारा परिभाषित किए गए हैं, जो सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किए जाते हैं। इसके अलावा, घरेलू उद्योग द्वारा यह प्रस्तुत किया गया है कि उनके सामान न केवल घरेलू बाजार में बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी एसईआई लिमिटेड द्वारा निर्मित वस्तुओं के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं। संबंधित निर्यातक का यह भी मामला नहीं है कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित ग्रेड आईटीयू-टी द्वारा प्रदान की गई तकनीकी विशिष्टताओं के अनुरूप नहीं हैं, या ऐसी विशिष्टताएँ अस्पष्ट या गलत हैं। इस प्रकार, एसईआई लिमिटेड के इस दावे को प्रमाणित करने के लिए किसी विश्वसनीय साक्ष्य के अभाव में कि उनके द्वारा निर्मित वस्तुओं के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित वस्तुओं की तुलना में कोई अंतर है या ग्राहक वरीयता का कोई उदाहरण है, इन ग्रेडों को बाहर करने के उनके तर्क को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

49. इसलिए प्राधिकारी नोट करते हैं कि सबूत का भार उस हितबद्ध पक्षकार पर है जो अपने दावे को स्थापित करने के लिए किसी निश्चित ग्रेड को बाहर करने का अनुरोध करता है।
50. आवेदक ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर बहिष्करण अनुरोधों के संबंध में अपनी टिप्पणियाँ दायर कीं। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त बहिष्करण अनुरोधों और घरेलू उद्योग के प्रस्तुतियों की जाँच की है। बहिष्करण अनुरोधों के संबंध में दावों और प्रतिदावों का मूल्यांकन करते समय, प्राधिकारी ने निम्नलिखित कानूनी मानक को उपयुक्त माना।
51. ऊपर उल्लिखित विधिक मानकों पर विचार करते हुए, प्राधिकारी ने जांच के लिए उनके आवेदन के लिए सिद्धांत तैयार किए हैं तथा हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों की जांच की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ आयातकों, प्रयोक्ताओं तथा निर्यातकों ने जांच से विशिष्ट उत्पाद ग्रेड/प्रकारों को बाहर रखने के लिए घरेलू उद्योग की कुछ उत्पाद श्रेणियों के विनिर्माण की क्षमता की कमी, पर्याप्त घरेलू उत्पादन मात्रा की कमी, गुणवत्ता संबंधी मुद्दे या खरीदार/प्रयोक्ता घरेलू उद्योग द्वारा बनाए गए उत्पाद के प्रमाणन की कमी जैसे आधारों का हवाला दिया है। प्राधिकारी ने इन चिंताओं की जांच की है। घरेलू विनिर्माण क्षमता की कमी के संदर्भ में, घरेलू उद्योग ने कुछ ऐसे उत्पादों को बाहर रखने की स्वीकृति के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिन्हें वह अपने आवेदन में शामिल नहीं करना चाहता है, क्योंकि ये घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहे हैं। अन्य उत्पादों के संदर्भ में, जिनके उत्पादन की क्षमता उसके पास है, घरेलू उद्योग ने समान या सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पादों की आपूर्ति के लिए साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। पर्याप्त घरेलू उत्पादन मात्रा की कमी के मुद्दे पर, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून में यह विचार नहीं किया गया है कि रक्षोपाय शुल्क तभी लागू किया जा सकता है, जब घरेलू उद्योग संपूर्ण घरेलू मांग को पूरा कर सकता है। यहां पर जांच करने योग्य प्रमुख प्रश्न यह होगा कि भले ही मांग-आपूर्ति में अंतर हो, क्या आयात में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उत्पादन में गिरावट आ रही है, जिससे इसकी मौजूदा और उपलब्ध क्षमता बेकार हो रही है और इस प्रकार घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है।

⁶ आईडी., पैरा 4.

52. गुणवत्ता के मुद्दों या खरीदार/प्रयोक्ता द्वारा प्रमाणन की कमी के संदर्भ में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि खरीदार/प्रयोक्ता की संतुष्टि के अनुसार गुणवत्ता साबित करने की कोई कानूनी आवश्यकता नहीं है। यदि ऐसा मानक अपनाया जाता है, तो क्रेता/प्रयोक्ता गुणवत्ता से संबंधित आधारों का हवाला देते हुए घरेलू स्तर पर उत्पादित उत्पादों को अस्वीकार करने के लिए स्वतंत्र होगा, जिससे घरेलू उद्योग बिना किसी उपाय के रह जाएगा। प्राधिकारी ने आगे नोट करते हैं कि कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह दलील दी है कि आयातित ग्रेड उच्च गुणवत्ता के हैं और घरेलू उद्योग ऐसे ग्रेड के समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तुओं का निर्माण नहीं करता है। घरेलू उद्योग ने दलील दी है कि उनके द्वारा उत्पादित और बेची जाने वाली वस्तुएँ प्रासंगिक बीआईएस मानकों के अनुरूप हैं। घरेलू उद्योग ने आगे दलील दी है कि यदि हितबद्ध पक्षकारों का मानना है कि बीआईएस मानक उपयुक्त नहीं हैं, तो उक्त पक्ष बीआईएस तकनीकी समिति के समक्ष ऐसी शिकायत उठा सकता है। प्राधिकारी दोहराता है कि गुणवत्ता संबंधी चिंताएँ किसी उत्पाद को पीयूसी के दायरे से बाहर करने का वैध आधार नहीं हैं। प्राधिकारी का मानना है कि गुणवत्ता के दावों के आधार पर किसी उत्पाद ग्रेड को बाहर करने से व्यापार उपचार कार्रवाई का उद्देश्य कमजोर होगा।
53. प्राधिकारी ने निम्नलिखित पैराग्राफों में प्रत्येक उत्पाद को बाहर करने के अनुरोध की अलग-अलग जांच की है। प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि इस तथ्य की जांच करना पर्याप्त होगा कि क्या घरेलू उद्योग "समान अथवा सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तुओं" का उत्पादन कर रहे हैं। समानता तब स्थापित की जा सकती है जब घरेलू उद्योग उसी भारतीय मानकों अथवा उसी नामकरण के अंतर्गत आने वाली वस्तुओं की बिक्री कर रहा हो, और प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता समान और अतिव्यापी अंतिम उपयोग के आधार पर या समान उद्योग में समान ग्राहक/ग्राहकों या ग्राहकों को बिक्री के आधार पर स्थापित की जा सकती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच के दौरान किसी भी पक्षकार को आगे टिप्पणी देने से रोका नहीं गया है।
54. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर उत्पाद को बाहर करने के अनुरोधों के प्रत्युत्तर में, आवेदक घरेलू उद्योग, अपने आवेदन में जो शामिल नहीं है उसके अतिरिक्त, निम्नलिखित ग्रेडों/श्रेणियों को बाहर रखने के अनुरोध पर सहमत है: निकल कोटेड/निकल प्लेटेड कोल्ड रोलड स्टील; रबर कोटेड स्टील; इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड (ईजी) - जिंक निकल कोटेड स्टील; बाई-मेटल स्टील/बाई-मेटल सैंडविच स्टील; ब्रास कोटेड स्टील वायर (वायर लंबे स्टील उत्पादों का हिस्सा है, जो कि जांच प्रारंभ की सूचना में भी शामिल नहीं हैं); कूटोनाइट; इनकोनेल; स्टेनलेस स्टील आइटम (जो आरंभ की सूचना में भी शामिल नहीं हैं); एल्युमिनियम कोटेड स्टील; एल्युमिनियम सिलिकॉन कोटेड / हॉट डिप्ड एल्युमिनाइज्ड सिलिकॉन कोटेड स्टील; हॉट रोलड क्लैड स्टील प्लेट; निकेल प्लेटेड स्टील / निकेल प्लेटेड स्ट्रिप; कॉपर प्लेटेड स्टील; लैमिनेटेड इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड (ईजीआई); कोबाल्ट प्लेटेड स्टील; सिल्वर प्लेटेड स्टील; टाइटेनियम क्लैड प्लेट्स। इसलिए, प्राधिकारी उपर्युक्त ग्रेड को बाहर रखने के अनुरोधों को स्वीकार करते हैं।
- क) हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल)**
55. एचएमआईएल ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे से स्टील के 196 उत्पाद ग्रेड/प्रकारों को बाहर करने का अनुरोध किया है। बाहर करने के अनुरोधों को तीन व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया गया है - (क) वे उत्पाद जिनके लिए घरेलू उद्योग के पास क्षमता नहीं है (38 ग्रेड); (ख) वे उत्पाद जिनके लिए क्षमता की कमी है (141 ग्रेड), और (ग) वे उत्पाद जिनके लिए घरेलू उद्योग एचएमआईएल को पर्याप्त मात्रा में आबंटन नहीं कर रहा है (17 ग्रेड)।
56. यह नोट किया जाता है कि एचएमआईएल ने पांच भारतीय मानकों की पहचान की है जिनके तहत ये 196 ग्रेड शामिल हैं - भारत मानक (आईएस) 1079, आईएस 18385, आईएस 513 भाग 1, आईएस 513 भाग 2, और आईएस 5986। एचएमआईएल के अनुरोधों और वर्गीकरण में यह नहीं बताया गया है कि क्या घरेलू उद्योग "सीधे प्रतिस्पर्धी" वस्तुओं के निर्माण में लगा हुआ है या नहीं। फिर भी, यह माना जाता है कि एक ऑटोमोबाइल निर्माता के रूप में, जिन उत्पादों के लिए बाहर करने की मांग की गई है, उनका उपयोग ऑटोमोटिव अनुप्रयोगों में किया जाता है।
57. जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, प्राधिकारी के लिए या आवेदक के लिए कानून के तहत यह साबित करने की कोई आवश्यकता नहीं है कि वह इन 196 ग्रेडों में से प्रत्येक को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करता है। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता (जैसे एचएमआईएल) की संपूर्ण मांग को स्वतंत्र आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा,

एचएमआईएल ने कहा है कि कुछ ग्रेडों के लिए, घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई वस्तुओं की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर विचाराधीन उत्पाद के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने का आधार नहीं हो सकता है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक प्रमाणन की कमी भी विचाराधीन उत्पाद के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने का वैध आधार नहीं है क्योंकि इसका दुरुपयोग होने की संभावना है क्योंकि संबंधित ग्राहक घरेलू उद्योग के उत्पादों के प्रमाणन से इनकार कर सकता है जिससे यह सुनिश्चित हो कि ऐसे उत्पादों पर व्यापार उपचार उपाय लागू नहीं होते हैं।

58. प्राधिकारी यह मानते हैं कि यह जांच करना पर्याप्त होगा कि क्या घरेलू उद्योग "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तुओं" का उत्पादन कर रहा है।
59. जैसा कि पहले कहा गया है, प्राधिकारी ने (क) एल्युमीनियम कोटेड स्टील; (ख) एल्युमीनियम सिलिकॉन कोटेड / हॉट डिप्ड एल्युमीनियमाइज्ड सिलिकॉन कोटेड स्टील; और (ग) और निकल कोटेड / निकल प्लेटेड स्टील को बाहर करने के अनुरोधों को स्वीकार कर लिया है।
60. आवेदक ने अपने अनुरोध में आईएस 513, आईएस 1079, आईएस 18385 और आईएस 5986 के अंतर्गत आने वाले उत्पादों के लिए विभिन्न चालान प्रस्तुत किए हैं। इसके अलावा, आवेदक ने ऑटोमोटिव सॉलिड्स जैसे स्टील कंपनियों [***] आदि को एचआर, सीआर और मेटालिक कंपनी की विस्तृत श्रृंखला को कवर करने वाले विभिन्न चालान प्रदान किए हैं। इसलिए, प्राधिकरण घरेलू उद्योग द्वारा स्वीकार किए गए ग्रेड के अलावा अन्य ग्रेड से संबंधित एचएमआईएल के बहिष्करण अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ है।

ख) हुंडई स्टील कॉर्पोरेशन (एचएससी)

61. हितबद्ध पक्षकार ने कुल 104 उत्पाद प्रकार/ग्रेड के उत्पादों को बाहर करने का अनुरोध किया है, जिसके लिए उन्होंने (क) घरेलू उद्योग की क्षमता संबंधी बाधाओं (14 ग्रेड); (ख) परिवहन में कठिनाई और लीड टाइम (6 ग्रेड); (ग) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित न किए गए उत्पाद या उत्पादन के स्थानीयकरण में देरी (55 ग्रेड); (घ) गुणवत्ता संबंधी मुद्दे (26 ग्रेड); और परियोजना मालिकों द्वारा नामित आपूर्तिकर्ताओं का हवाला दिया है।
62. एचएससी ने आगे तर्क दिया है कि अन्य अधिकार क्षेत्रों ने फ्लैट स्टील उत्पादों से संबंधित पाटनरोधी जांच में ऑटोमोटिव स्टील को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा है। जैसा कि ऊपर बताया गया है, पाटनरोधी करार के विपरीत, जहां विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र "समान वस्तुओं" तक सीमित है, रक्षोपाय कानून के तहत विचाराधीन उत्पाद के दायरे के लिए कानूनी मानक में "सीधे प्रतिस्पर्धी" वस्तुएं शामिल हैं। आगे व्यापार उपाय जांच किसी विशेष समय पर देश की घरेलू स्थिति को ध्यान में रखती है। अन्य अधिकार क्षेत्रों के जांच परिणामों को स्वचालित रूप से नहीं अपनाया जा सकता है। इसलिए, एचएससी द्वारा अन्य अधिकार क्षेत्रों के पाटनरोधी निर्धारणों पर भरोसा करना तर्कसंगत नहीं है।
63. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एचएससी ने उन ग्रेडों के विशिष्ट भारतीय मानक की पहचान नहीं की है, जिनके लिए उसने बाहर करने की मांग की है। एचएससी के अनुरोध और वर्गीकरण से यह पता नहीं चलता कि घरेलू उद्योग "सीधे प्रतिस्पर्धी" वस्तुओं के विनिर्माण में लगा हुआ है या नहीं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिन 104 प्रकार/ग्रेडों के उत्पादों को बाहर करने की मांग की गई है, उनमें से 87 के ऑटोमोटिव अनुप्रयोग हैं, जबकि 17 प्रकार/ग्रेड अन्य क्षेत्रों में उपयोग किए जाते हैं।
64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए या आवेदक के लिए यह साबित करने की कोई आवश्यकता नहीं है कि वह इन 104 ग्रेडों में से प्रत्येक को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करता है। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक देश और प्रत्येक व्यक्तिगत प्रयोक्ता (जैसे एचएससी) की संपूर्ण मांग को एकल आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए।
65. एचएससी का दावा है कि घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए कुछ ग्रेडों की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से किसी उत्पाद को बाहर करने का आधार नहीं हो सकता। इसके अतिरिक्त, ग्राहक अनुमोदन की कमी (जहां आपूर्तिकर्ताओं को परियोजना मालिकों द्वारा नामित किया जाता है) भी विचाराधीन उत्पाद के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने के लिए एक वैध आधार नहीं है क्योंकि यह दुरुपयोग के लिए अतिसंवेदनशील है क्योंकि संबंधित ग्राहक के

पास घरेलू उद्योग के उत्पादों को अनुमोदन से इनकार करने की क्षमता होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ऐसे उत्पादों पर व्यापार उपचार उपाय लागू नहीं होते हैं। इसके अतिरिक्त, परिवहन में कठिनाई एक उत्पाद को बाहर करने की मांग करने के लिए एक उचित आधार नहीं है क्योंकि यह न तो उत्पाद की प्रतिस्थापनीय वस्तु बनाने की क्षमता को।

66. स्टील के 87 ऑटोमोटिव ग्रेडों में से, एचएससी का अनुरोध जीआई/जीए, एल्यूमीनियम-सिलिका कोटेड, हाई स्ट्रेंथ और अल्ट्रा-हाई स्ट्रेंथ स्टील, और अल्ट्रा डीप ड्राइंग स्टील को कवर करता है। जैसा कि पूर्व में कहा गया है, प्राधिकारी (क) एल्युमिनियम कोटेड स्टील; (ख) एल्युमिनियम सिलिकान कोटेड/हॉट डिप्ड एल्युमिनाइज्ड सिलिकॉन कोटेड स्टील को बाहर करने संबंधी अनुरोधों को स्वीकार किया है।
67. ऑटोमोटिव अनुप्रयोग वाले शेष उत्पाद प्रकारों/ग्रेडों के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है कि एचएससी ने उन ग्रेडों के लिए संबंधित भारतीय मानक प्रदान नहीं किया है जिनके लिए वह बहिष्करण चाहता है। आवेदक ने ऑटोमोटिव कंपनियों जैसे [***] को बेचे गए एचआर, सीआर और मेटालिक कोटेड स्टील की विस्तृत रेंज को कवर करने वाले विभिन्न चालान प्रदान किए हैं। ऐसे उत्पाद जिनका उन उत्पादों के साथ सामान्य और अतिव्यापी उपयोग है जिनके लिए एचएससी ने बहिष्करण की मांग की है। इसलिए ये उत्पाद सीधे प्रतिस्पर्धी हैं। इसलिए, प्राधिकरण घरेलू उद्योग द्वारा स्वीकार किए गए ग्रेड के अलावा एचएससी द्वारा दायर बहिष्करण अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ है।
68. अन्य अनुप्रयोगों से संबंधित 17 ग्रेड/प्रकारों के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि इन 17 ग्रेडों/प्रकारों में हाई स्ट्रेंथ स्पेशल स्टील, हाई कार्बन हॉट-रोल्ड स्टील, एपीआई प्रमाणित हॉट रोल्ड स्टील, भारी प्लेटें आदि शामिल हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन ग्रेडों/प्रकारों के लिए एचएससी द्वारा पहचाने गए अंतिम उपयोग में प्रेशर वेल्ड्स, पाइप निर्माण, पवन चक्कियां, जहाज निर्माण आदि शामिल हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने हाई स्ट्रेंथ, हाई कार्बन स्टील और भारी प्लेटों तथा एपीआई प्रमाणित स्टील कई के विभिन्न ग्रेडों की बिक्री को कवर करते हुए विभिन्न बीजक दायर किए हैं, जिनका स्टील के उन 17 ग्रेडों/प्रकारों के साथ समान और अतिव्यापी उपयोग है जिनके लिए एचएससी ने बाहर करने की मांग की है। इसलिए, प्राधिकारी गैर-ऑटोमोटिव अनुप्रयोगों में उपयोग किए जाने वाले ग्रेडों से संबंधित एचएससी द्वारा दायर बाहर करने के अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ है।

ग) कोरिया सरकार (जीओके) और कोरिया आयरन एंड स्टील एसोसिएशन (कोसा)

69. कोरिया सरकार (जीओके) और कोरिया आयरन एंड स्टील एसोसिएशन (कोसा) ने स्टील के 52 ग्रेडों/प्रकारों को बाहर करने के लिए समान अनुरोध किए हैं।
70. जीओके ने (क) ग्राहक अनुमोदन की कमी; (ख) घरेलू उद्योग द्वारा अपर्याप्त आपूर्ति; (ग) गुणवत्ता संबंधी मुद्दों का हवाला देते हुए 52 ग्रेडों/प्रकारों को बाहर करने का अनुरोध करते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी के लिए या आवेदक के लिए यह साबित करने के लिए कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि वह इन 52 ग्रेडों में से प्रत्येक को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करता है। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को एकल आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। प्राधिकारी निर्धारित करते हैं कि, यह जांचना पर्याप्त होगा कि क्या घरेलू उद्योग "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु" का उत्पादन कर रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से किसी उत्पाद को बाहर करने का आधार नहीं हो सकता है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक अनुमोदन की कमी (जहां आपूर्तिकर्ताओं को परियोजना मालिकों द्वारा नामित किया जाता है) भी विचाराधीन उत्पाद के दायरे से उत्पाद को बाहर करने की मांग करने के लिए एक वैध आधार नहीं है क्योंकि यह दुरुपयोग के लिए अतिसंवेदनशील है क्योंकि संबंधित ग्राहक के पास घरेलू उद्योग के उत्पादों को मंजूरी देने से इनकार करने की क्षमता होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ऐसे उत्पाद पर व्यापार उपचार लागू नहीं होते हैं। इसी तरह, परिवहन में कठिनाई उत्पाद को बाहर करने की मांग करने के लिए एक वैध आधार नहीं हो सकती है क्योंकि प्राधिकारी को केवल यह जांचने की आवश्यकता है कि क्या घरेलू उद्योग "समान" या "सीधे प्रतिस्पर्धी" वस्तुओं के विनिर्माण में लगा हुआ है।

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जीओके और कोसा ने 27 प्रकार/ग्रेड की पहचान की है जिनका उपयोग ऑटोमोटिव अनुप्रयोगों में किया जाता है। आवेदक ने ऑटोमोटिव उद्योग को आपूर्ति किए गए विविध ग्रेड के स्टील के विभिन्न बिक्री बीजक प्रस्तुत किए हैं। इसलिए, प्राधिकारी ऑटोमोटिव अनुप्रयोग में उपयोग किए जाने वाले ग्रेडों से संबंधित इन हित हितबद्ध पक्षकारों द्वारा बाहर किए जाने के अनुरोधों को स्वीकार करने में सक्षम नहीं हैं।
72. कोरिया की सरकार और कोसा ने आगे इन उत्पादों की पहचान की है जिनका उपयोग निर्माण (4); गृह उपकरणों (16); सालर पावर संयंत्रों (3); वैद्युतीय स्टील (1); मोल्ड और टूल्स (1) में होता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने मोल्ड और टूल्स में उपयोग किए जाने वाले ग्रेडों/प्रकारों के भारतीय मानक उपलब्ध नहीं कराए हैं। इस कारण से, बाहर किए जाने संबंधी ऐसे अनुरोधों पर उन विवरणों के अभाव में इस चरण में विचार नहीं किया जा सकता है जिसका उपयोग समान और सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तुओं की कानूनी जांच लागू करने के लिए किया जा सकता है।
73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उपकरणों में उपयोग किए जाने वाले उत्पादों के संबंध में, घरेलू उद्योग ने विभिन्न बिक्री बीजक उपलब्ध कराए हैं, जिनमें प्री-पेटेड गैल्वेनाइज्ड स्टील और गैल्वेनीलड स्टील शामिल हैं, जिनका उपयोग उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों जैसे *** आदि को बेचे जाने वाले घरेलू उपकरणों में किया जाता है। इसलिए, प्राधिकारी घरेलू उपकरणों में उपयोग किए जाने वाले 16 ग्रेडों/प्रकारों को बाहर करने के अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ हैं।
74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया सरकार और कोसा द्वारा पहचाने गए 52 प्रकारों/ग्रेडों में से 2 “सभी विद्युत स्टील उत्पाद हैं जिन्हें पोस्को महाराष्ट्र सीमा शुल्क चुकाता है” और “सभी हॉट-रोलड कॉइल जिन्हें पोस्को महाराष्ट्र सीमा शुल्क चुकाता है”। किसी कानूनी आधार के अभाव के कारण, प्राधिकारी व्यापक कंपनी-विशिष्ट जेनेरिक को बाहर करने के लिए ऐसे अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ हैं।

घ) निष्पान स्टील कॉर्पोरेशन (एनएससी)

75. निष्पान स्टील कॉर्पोरेशन (एनएससी) ने 312 ग्रेडों/प्रकारों के उत्पादों को बाहर करने के अनुरोध दायर किए हैं। बाहर करने के अनुरोधों को चार व्यापक श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है: (क) उत्पादों का भारत में निर्माण नहीं किया जा सकता है; (ख) भारत में निर्मित उत्पाद स्टील-प्रयोक्ताओं की मांग, उच्च तकनीकी विनिर्देशों और गुणवत्ता, सटीक वितरण को पूरा नहीं करते हैं; (ग) एएम/एनएस इंडिया की रोलिंग और कोटिंग लाइनों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए ग्रेड (घ) घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई वस्तुओं की गुणवत्ता में ग्राहक प्रमाणन का अभाव है।
76. घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया कि एनएससी ने केवल उन ग्रेडों के नाम प्रदान किए हैं जिनके लिए उसने बहिष्कार की मांग की है। घरेलू उद्योग ने आगे अनुरोध किया कि एनएससी ने दावा किया है कि ग्रेड घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं हैं और अपर्याप्त गुणवत्ता के कारण कोई ग्राहक अनुमोदन नहीं है। घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया कि प्रत्येक ग्रेड के संबंध में उक्त दावों को प्रदर्शित करने के लिए सबूत का भार एनएससी पर है, जिसके लिए एनएससी ने बहिष्कार की मांग की है।
77. घरेलू उद्योग ने आगे अनुरोध किया कि उसने कम से कम [***] हॉट रोलड कॉइल्स के बिक्री लेनदेन, [***] एचआर प्लेट मिल प्लेट्स के लेनदेन, [***] हॉट डिप्ड गैल्वेनाइज्ड शीट्स के लेनदेन, [***] कोल्ड रोलड कॉइल्स के लेनदेन और [***] जिंक-एल्यूमीनियम-मैग्नीशियम के लेनदेन वाले चालान दायर किए हैं, जो उन वस्तुओं के समान या सीधे प्रतिस्पर्धी हैं जिनके लिए एनएससी ने बहिष्कार की मांग की है।
78. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी या आवेदक के लिए कानून के तहत यह जांचने की कोई आवश्यकता नहीं है कि वह इन 312 ग्रेडों में से प्रत्येक को समान विनिर्देशों के साथ बनाता है। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक देश और प्रत्येक व्यक्तिगत प्रयोक्ता की संपूर्ण मांग को एकल आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए।

79. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर विचाराधीन उत्पाद के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने का आधार नहीं हो सकता। इसके अतिरिक्त, ग्राहक की मंजूरी का अभाव भी विचाराधीन उत्पाद के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने का वैध आधार नहीं है क्योंकि इसका दुरुपयोग होने की आशंका है चूंकि संबंधित ग्राहक के पास घरेलू उद्योग के उत्पादों को मंजूरी देने से इनकार करने की क्षमता होगी जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ऐसे उत्पाद व्यापार उपचार उपायों को आकर्षित नहीं करते हैं। इसके अलावा, उत्पाद की डिलीवरी में कठिनाई किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने का उचित आधार नहीं है क्योंकि यह न तो किसी उत्पाद की प्रतिस्थापनीयता को गलत साबित करता है और न ही ऐसे उत्पादों का विनिर्माण करने के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता को गलत साबित करता है।
80. जैसा कि पहले बताया गया है, प्राधिकारी ने (क) एल्युमीनियम कोटेड स्टील; (ख) एल्युमीनियम सिलिकॉन कोटेड/हॉट डिप्ड एल्युमीनियमाइज्ड सिलिकॉन कोटेड स्टील; और (ग) निकल कोटेड/निकल प्लेटेड स्टील को बाहर करने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि एनएससी ने जिन 312 ग्रेड के इस्पात को बाहर करने की मांग की है, उनमें से 8 ग्रेड पीयूसी की बहिष्कृत श्रेणियों में आते हैं।
81. **हॉट रोल्ड कॉइल्स** - एनएससी ने हॉट रोल्ड कॉइल्स के अंतर्गत 44 ग्रेड/प्रकारों को बाहर करने का अनुरोध किया, जिनमें से 31 ग्रेड/प्रकारों का उपयोग ऑटोमोटिव क्षेत्र में होता है। आवेदक ने हॉट रोल्ड उत्पादों से संबंधित कई बीजक प्रस्तुत किए हैं, जिन्हें [***] जैसी ऑटोमोटिव कंपनियों को बेचा गया था, जिससे यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने ऐसी वस्तुएं आपूर्ति की हैं जिनका उपयोग उन उत्पादों के समान और अतिव्यापी है जिनके लिए निष्पांन स्टील कॉर्पोरेशन ने बहिष्करण की मांग की है।
82. एनएससी ने उन 13 ग्रेडों/प्रकारों के लिए बाहर करने की मांग भी की है जिन्हें इसने कैप्टिव उपयोग के लिए एएमएनएस इंडिया को आपूर्ति की। एएमएनएस इंडिया लिमिटेड ने कहा है कि वे एक आवेदक/घरेलू उद्योग होने के लिए प्रतिबद्ध हैं और यह कि वे विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए बाहर करने के अनुरोधों और उत्पाद के दायरे के संबंध में आवेदक के विचारों से पूरी तरह सहमत हैं। इस कारण से, प्राधिकारी इन 13 ग्रेडों के बाहर किए जाने संबंधी अनुरोधों को स्वीकार करने में सक्षम नहीं हैं।
83. **हॉट रोल्ड प्लेट्स** - एनएससी ने हॉट रोल्ड प्लेट्स के तहत बाहर करने के लिए 122 ग्रेडों/प्रकारों का अनुरोध किया, जिनका उपयोग भवन निर्माण, बॉयलर, प्रेशर वेसल्स निर्माण मशीनरी, कोयला-ईंधन वाले बॉयलरों के साथ उपयोग किए जाने वाले फ्लू-गैस उपचार उपकरण, अपशिष्ट भस्मीकरण संयंत्र, पाइपलाइन के लिए उपयोग किए जाने वाले विनिर्माण पाइप, पेनस्टॉक और घरेलू उपकरणों में होता है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान किए गए अनेक बीजकों की जांच की, जो दर्शाता है कि घरेलू उद्योग ने ऐसी वस्तुएं आपूर्ति की हैं जिनका उपरोक्त के साथ सामान्य और अतिव्यापी उपयोग है।
84. **हॉट डिप गैल्वेनाइज्ड और कोल्ड रोल्ड कॉइल्स** - एनएससी ने ऑटोमोटिव उद्योग में उपयोग किए जाने वाले हॉट डिप गैल्वेनाइज्ड के अंतर्गत 32 ग्रेड/प्रकार और कोल्ड रोल्ड कॉइल्स श्रेणी के अंतर्गत 22 ग्रेड/प्रकारों को बहिष्कृत करने का अनुरोध किया है। प्राधिकरण ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग ने ऑटोमोटिव कंपनियों, जैसे [***] को बेचे गए गैल्वेनाइज्ड और कोल्ड रोल्ड कॉइल्स के कई चालान उपलब्ध कराए हैं, जिनका आमतौर पर उपयोग किया जाता है, आदि, उन ग्रेड/प्रकारों के साथ जिनके लिए निष्पांन स्टील ने बहिष्करण की मांग की है।
85. **जिंक-एल्युमीनियम-मैग्नीशियम के साथ कोटिड** - एनएससी ने सोलर पावर जेनरेशन पैनल, ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरिंग और घरेलू उपकरणों में उपयोग वाले जिंक-एल्युमीनियम-मैग्नीशियम कोटिड स्टील श्रेणी के तहत 92 ग्रेडों/प्रकारों को बाहर करने का अनुरोध किया है। घरेलू उद्योग ने जिंक-एल्युमीनियम-मैग्नीशियम शीट को शामिल करते हुए अनेक बीजक उपलब्ध कराए हैं, जिनका उन उत्पादों के साथ सामान्य और अतिव्यापी उपयोग होता है, जिनके लिए निष्पांन स्टील कारपोरेशन ने बाहर करने की मांग की है।
86. इसलिए, प्राधिकारी, घरेलू उद्योग द्वारा स्वीकार किए गए अनुरोधों के अलावा निष्पांन स्टील कॉर्पोरेशन द्वारा दायर बाहर करने के अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ हैं।

ड.) जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन ("जेएफई")

87. कोटेड स्टील - जेएफई ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे से कोटेड स्टील के 37 विभिन्न ग्रेडों को बाहर करने की मांग की थी। बाहर करने के अनुरोधों को दो व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया गया है - (क) वे उत्पाद/ग्रेड जिन्हें घरेलू उद्योग उत्पादित नहीं करता है (13 ग्रेड), (ख) वे उत्पाद जिनके लिए घरेलू उद्योग में विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता नहीं है और साथ ही ग्राहक अनुमोदन भी नहीं है (24 ग्रेड)। कोटेड स्टील के सभी ग्रेडों का अंतिम उपयोग "ऑटोमोबाइल" के प्रयोजनों के लिए किया जाता है।
88. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि जेएफई ने केवल उन ग्रेडों के नाम प्रदान किए हैं जिनके लिए उसने बहिष्कार की मांग की है। घरेलू उद्योग ने आगे अनुरोध किया कि जेएफई ने दावा किया है कि ग्रेड घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं हैं और अपर्याप्त गुणवत्ता के कारण कोई ग्राहक अनुमोदन नहीं है। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि प्रत्येक ग्रेड के संबंध में उक्त दावों को प्रदर्शित करने के लिए सबूत का भार जेएफई पर है जिसके लिए जेएफई ने बहिष्कार की मांग की है।
89. घरेलू उद्योग ने आगे अनुरोध किया कि उसने कम से कम [***] हॉट रोलड कॉइल्स के बिक्री लेनदेन, [***] एचआर प्लेट मिल प्लेट्स के लेनदेन, [***] हॉट डिप्ड गैल्वेनाइज्ड शीट्स के लेनदेन, [***] कोल्ड रोलड कॉइल्स के लेनदेन और [***] जिंक-एल्यूमीनियम-मैग्नीशियम के लेनदेन वाले चालान दायर किए हैं, जो उन वस्तुओं के समान या सीधे प्रतिस्पर्धी हैं जिनके लिए जेएफई ने बहिष्कार की मांग की है।
90. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जेएफई ने विभिन्न जापानी मानक उपलब्ध कराए हैं जिनके अंतर्गत 37 ग्रेड के लिए बहिष्करण का अनुरोध किया गया है। किसी भी कोटेड स्टील के लिए कोई संगत भारतीय मानक ग्रेड को उपलब्ध नहीं कराया गया है। जेएफई के अनुरोधों और वर्गीकरण से यह पता नहीं चलता है कि घरेलू उद्योग "सीधे प्रतिस्पर्धी" वस्तुओं के निर्माण में लगा हुआ है या नहीं।
91. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी या आवेदक के लिए यह जांचना आवश्यक नहीं है कि वह इन 37 ग्रेडों में से प्रत्येक को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करता है। इसी तरह, कानून के तहत यह भी आवश्यक नहीं है कि आवेदक देश और प्रत्येक व्यक्तिगत प्रयोक्ता की संपूर्ण मांग को एकल आधार पर पूरा करने में सक्षम हो।
92. इसके अतिरिक्त, जेएफई ने कहा है कि कुछ ग्रेडों के लिए, घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए सामान विशिष्ट आवश्यकताओं से मेल नहीं खाते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से किसी उत्पाद को बाहर करने का आधार नहीं हो सकता है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक की स्वीकृति का अभाव भी विचाराधीन उत्पाद क्षेत्र से किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने का वैध आधार नहीं है क्योंकि इसका दुरुपयोग होने की संभावना है चूंकि संबंधित ग्राहक के पास व्यापार उपचार उपायों के दौरान बाहर करने के आधार के रूप में इसके अभाव का दावा करने के लिए घरेलू उद्योग के उत्पादों को स्वीकृति देने से इनकार करने की क्षमता होगी।
93. प्राधिकारी ने यह भी जाँच की है कि क्या घरेलू उद्योग "समान या प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तुएँ" उत्पादित कर रहा है। प्राधिकारी ने पाया कि आवेदक ने कुछ जापानी ग्रेडों के अनुरूप विभिन्न चालान उपलब्ध कराए हैं। इसके अतिरिक्त, आवेदक ने कोटेड स्टील से संबंधित विभिन्न चालान भी उपलब्ध कराए हैं, जो [***] आदि जैसी ऑटोमोटिव कंपनियों को बेचे गए थे। इसलिए, प्राधिकारी जेएफई द्वारा दायर अनुरोधों को खारिज करने को स्वीकार करने में असमर्थ हैं।
94. कोल्ड रोलड कॉइल्स - जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे से कोल्ड रोलड कॉइल्स के 25 विभिन्न ग्रेडों को बाहर करने का अनुरोध किया था। बाहर करने के अनुरोधों को तीन व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया गया है - (क) वे उत्पाद / ग्रेड जिन्हें घरेलू उद्योग नहीं बनाता है (2 ग्रेड), (ख) वे उत्पाद जिनके लिए घरेलू उद्योग के पास ग्राहक अनुमोदन नहीं है (21 ग्रेड), और (ग) वे उत्पाद जिनके लिए जापानी निर्यातकों से बेहतर गुणवत्ता और स्थिर आपूर्ति है। कोल्ड रोलड स्टील के सभी ग्रेडों को "ऑटोमोबाइल" के प्रयोजनों के लिए अंतिम उपयोग के लिए कहा गया है।

95. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ये सभी ग्रेड आईएस 513-भाग 1 और आईएस 513-भाग 2 के अंतर्गत आते हैं। जेएफई के अनुरोधों और वर्गीकरण में यह नहीं बताया गया है कि घरेलू उद्योग "सीधे प्रतिस्पर्धी" वस्तुओं के विनिर्माण में लगा हुआ है या नहीं।
96. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए या आवेदक के लिए यह साबित करने की कोई आवश्यकता नहीं है कि वह इन 25 ग्रेडों में से प्रत्येक का विनिर्माण समान विनिर्देशों के साथ करता है।
97. इसके अतिरिक्त, जेएफई ने कहा है कि कुछ ग्रेडों के लिए, घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए सामान जापानी निर्यातकों द्वारा आपूर्ति की गई गुणवत्ता से मेल नहीं खाते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर विचाराधीन उत्पाद के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने का आधार नहीं हो सकता है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि कानून के तहत ऐसी कोई आवश्यकता नहीं है कि घरेलू उद्योग देश और प्रत्येक व्यक्तिगत प्रयोक्ता की संपूर्ण मांग को एकल आधार पर पूरा करने में सक्षम हो। इसके अतिरिक्त, ग्राहक की मंजूरी का अभाव भी विचाराधीन उत्पाद के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने के लिए एक वैध आधार नहीं है क्योंकि इसका दुरुपयोग होने की आशंका है चूंकि संबंधित ग्राहक के पास व्यापार उपचार उपायों के दौरान बाहर करने की मांग करने के लिए घरेलू उद्योग के उत्पादों को मंजूरी देने से इनकार करने की क्षमता होगी।
98. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच करना पर्याप्त होगा कि क्या घरेलू उद्योग "समान या प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तुएँ" उत्पादित कर रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने आईएस 513 के अंतर्गत आने वाले स्टील के विभिन्न चालान उपलब्ध कराए हैं। इसके अतिरिक्त, आवेदक ने ऑटोमोटिव कंपनियों जैसे [***] आदि को कोल्ड रोल्ड स्टील से संबंधित कई चालान उपलब्ध कराए हैं। इसलिए, प्राधिकारी जेएफई द्वारा दायर अनुरोधों को खारिज करने को स्वीकार करने में असमर्थ है।
99. **हॉट रोल्ड कॉइल्स** - जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे से हॉट रोल्ड कॉइल्स के 9 विभिन्न ग्रेडों को बाहर करने का अनुरोध किया था। बाहर करने के अनुरोधों को दो व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया गया है - (क) वे उत्पाद/ग्रेड जिन्हें घरेलू उद्योग उत्पादित नहीं करता (1 ग्रेड), (ख) वे उत्पाद जिनके लिए घरेलू उद्योग के पास ग्राहक अनुमोदन नहीं है (8 ग्रेड)। हॉट रोल्ड स्टील के सभी ग्रेडों का अंतिम उपयोग "ऑटोमोबाइल" के प्रयोजनों के लिए किया जाता है।
100. यह नोट किया जाता है कि ये सभी ग्रेड आईएस-5986 और आईएस-2062 के अंतर्गत आते हैं। जेएफई के अनुरोध और वर्गीकरण में यह नहीं बताया गया है कि घरेलू उद्योग "सीधे प्रतिस्पर्धी" वस्तुओं के विनिर्माण में लगा हुआ है या नहीं।
101. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी या आवेदक के लिए कानून के तहत यह जांचने की कोई आवश्यकता नहीं है कि वह इन 9 ग्रेडों में से प्रत्येक को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करता है।
102. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ग्राहक अनुमोदन का अभाव विचाराधीन उत्पाद के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने के लिए वैध आधार नहीं है क्योंकि इसका दुरुपयोग होने की संभावना है चूंकि संबंधित ग्राहक के पास घरेलू उद्योग के उत्पादों को अनुमोदन देने से इनकार करने की क्षमता होगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसे उत्पादों को व्यापार उपचार उपायों के दौरान बाहर रखा जाए।
103. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच करना पर्याप्त होगा कि क्या घरेलू उद्योग "समान अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी वस्तुओं" का उत्पादन कर रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने आईएस 5986 और आईएस 2062 के तहत कवर किए गए स्टील के विभिन्न इन्वॉइस प्रदान किए हैं। इसके अलावा, आवेदक ने हॉट रोल्ड स्टील, जिन्हें ऑटोमोटिव कंपनियों को बेचा गया था, के इन्वॉइस भी प्रदान किए हैं। इसलिए, प्राधिकारी, हितवद्ध पक्षकार के अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।
104. **प्लेट मिल प्लेट्स** - जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन ने प्लेट मिल प्लेट्स के विभिन्न ग्रेड को पीयूसी के दायरे से बाहर करने के लिए कहा था। अपवर्जन अनुरोधों को तीन व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया गया है - (क) वे उत्पाद / ग्रेड जिनका उत्पादन डीआई द्वारा नहीं किए जाते हैं, (ख) डीआई के कम गुणवत्ता वाले उत्पाद, (ग) डीआई की क्षमता संबंधी बाधाएं। प्लेट मिल प्लेट्स के सभी ग्रेड को "विनिर्माण मशीन" और "पाइप" के प्रयोजनों के लिए अंतिम उपयोग के लिए कहा जाता है।

105. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी को जांच करने या आवेदक को यह सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड का विनिर्माण समान विनिर्देशों के साथ करता है।
106. जेएफई ने कहा है कि कुछ ग्रेड के लिए, घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई वस्तुएं जापानी निर्यातकों द्वारा आपूर्ति की गई वस्तुओं की गुणवत्ता से मेल नहीं खाते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर पीयूसी के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने का आधार नहीं हो सकता है।
107. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच करना पर्याप्त होगा कि क्या घरेलू उद्योग "समान अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी वस्तुओं" का उत्पादन कर रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने जेएफई द्वारा प्रदान की गई समान और ओवरलैपिंग उपयोग वाले हॉट रोलड प्लेटों की विभिन्न ग्रेड की बिक्री के साक्ष्य के रूप में विभिन्न इन्वॉइस प्रदान किए हैं। इसलिए, प्राधिकारी, हितबद्ध पक्षकार के अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।
108. **क्लैड स्टील प्लेट:** जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन ने क्लैड स्टील प्लेट के विभिन्न ग्रेड को पीयूसी के दायरे से बाहर करने के लिए कहा था। अपवर्जन अनुरोध दो आधारों पर प्रस्तुत किए गए हैं: (क) भारतीय मिलें समान/समान उत्पाद का उत्पादन नहीं कर सकती हैं, और (ख) भारतीय मिलों के पास रोल बॉन्डेड क्लैड प्लेट के लिए महत्वपूर्ण उद्योग अंतिम उपयोगकर्ताओं की स्वीकृति नहीं है। क्लैड स्टील प्लेट के सभी ग्रेड को तेल, गैस, उर्वरक, पेट्रोकेमिकल या हाइड्रोइलेक्ट्रिक के प्रयोजनों के लिए अंतिम उपयोग किया जाता है।
109. जैसा कि पहले व्यक्त किया गया है, प्राधिकारी ने क्लैड स्टील प्लेटों के लिए अपवर्जन अनुरोधों को स्वीकार कर लिया है। इसलिए प्राधिकारी क्लैड स्टील प्लेट्स को पीयूसी के दायरे से बाहर रखने के लिए सहमत है। जेएफई ने जिन सभी ग्रेड जो क्लैड स्टील प्लेट्स की श्रेणी में आते हैं, के लिए अपवर्जन की मांग की है, परिणामस्वरूप उन्हें पीयूसी के दायरे से बाहर रखा गया है।

च) निप्पॉन स्टील पाइप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, होंडा ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, राजस्थान प्राइम स्टील प्रोसेसिंग सेंटर प्राइवेट लिमिटेड, रेनॉल्ट निसान ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और जेएफई शोजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

110. इन हितबद्ध पक्षकारों ने जेएफई और निप्पॉन स्टील कॉर्पोरेशन द्वारा किए गए अपवर्जन अनुरोधों को दोहराया है। चूंकि प्राधिकारी ने जेएफई और निप्पॉन स्टील कॉर्पोरेशन द्वारा दायर किए गए अपवर्जन अनुरोधों की जांच की है, इसलिए उनकी पुनः जांच करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

छ) भारतीय ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स सोसायटी ("सियाम")

111. सोसायटी फॉर इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स ("एसआईएम") ने ऑटोमोटिव अनुप्रयोगों वाले 218 ग्रेड/प्रकारों को बाहर करने की मांग की है। सियाम का दावा है कि घरेलू उद्योग अपने सदस्यों द्वारा अपेक्षित सटीक तकनीकी विनिर्देशों के साथ ग्रेड का विनिर्माण नहीं करता है। सियाम की प्रस्तुतिकरण में यह नहीं बताया गया है कि घरेलू उद्योग "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" वस्तुओं के विनिर्माण में लगा हुआ है अथवा नहीं।
112. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह इन 218 ग्रेडों में से प्रत्येक को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। प्राधिकारी ने 218 ग्रेड/प्रकारों को बाहर करने के लिए एसआईएम के अनुरोध की जांच की है। प्राधिकारी नोट करते हैं 218 प्रकार/ग्रेडों में से, इलेक्ट्रोगैल्वेनाइज्ड स्टील जैसे कुछ उत्पादों को पहले ही आरंभ अधिसूचना के पैरा 4 के अनुसार पीयूसी के दायरे से बाहर रखा गया है। जैसा कि पहले कहा गया है, प्राधिकारी ने निकल कोटेड स्टील, ईजी ज़िंक-निकल कोटेड स्टील, बाई मेटल शीट, एल्यूमिनियम कोटेड स्टील, एल्यूमिनियम-सिलिकॉन कोटेड स्टील, हॉट डिप्ड एल्यूमिनियम सिलिकॉन कोटेड स्टील आदि के लिए अपवर्जन अनुरोधों को स्वीकार कर लिया है। इन श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले विशिष्ट ग्रेड जिनके लिए सियाम ने अपवर्जन की मांग की है, उन्हें पीयूसी के दायरे से बाहर रखा गया है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि SIAM द्वारा जिन 218 ग्रेड के स्टील के लिए बहिष्करण अनुरोध किया गया है, उनमें से निम्नलिखित

32 ग्रेड घरेलू उद्योग द्वारा बहिष्करण हेतु स्वीकृत ग्रेड के अंतर्गत आते हैं। निम्नलिखित ग्रेड को जाँच के दायरे से बाहर रखा गया है।

अल्कोस्टा

एसए1डी

एसए1ई

एआई-एसआई कोटेड स्टील

पीएचएस950Y1300टी

पीक्यूएस340Y410टी

एसएबीसी1470

"EN 10327 DX56D (अल्कोस्टा- गर्म-डुबकी एल्यूमीनियम सिलिकॉन कोटेड स्टील)"

इलेक्ट्रो निकेल कोटेड कोल्ड रोलड स्टील शीट इन कॉइल "नी टॉप"

इलेक्ट्रोलाइटिकली निकल प्लेटेड कोल्ड रोलड स्टील (हिलुमिन)

टीएस-4525

डर्ज़िकलाइट/NSNC270G

जेएफई-सीजीएक्स-ईजेडएन*जीटी; जेएफई-सीई-ईजेडएन* एम/जीटी

ईएफटीएसएन

एचईएस-जेएनसी270ई

जेएफई-सीई-ईजेडएनएम/जीटी-0-0/20 (ईजेडएनपीईएन)

जेएनसी270डीएन

जेएनसी270डीएनजेड

जेएनसी270एफएनजेड

एसआरएनसीईएन-डी

एसआरएनसीईएन-एफ

एसआरएनआरसी390ई-एफ

वेलकोट (डब्ल्यू जैड एल ई एन)

वाईजेएनसी270डी

वाईएनसी270डी

वाईएनसी270एफ

जैड एन – एनआई कोटेड स्टील

एसईसीसी

एसईसीसी-एस

एसपीसीईएन-सीएफ-टाइप-डी

एल्यूमीनियम मिश्र धातु और आधार धातु स्टील

सैंडविच स्टील (एमपीएम)

113. अन्य ग्रेडों के संबंध में, आवेदक ने एचआर, सीआर और मेटालिक कोटेड स्टील की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करने वाले चालान प्रदान किए हैं, जो ऑटोमोटिव कंपनियों जैसे [***], आदि को बेचे गए थे, जो उन वस्तुओं की बिक्री को दर्शाते हैं जो एसआईएएम द्वारा पहचाने गए आयातित उत्पादों के साथ "सीधे प्रतिस्पर्धी" हैं।
114. सियाम ने टेन्साइल क्षमता के आधार पर उत्पादों को बाहर करने के लिए भी विशेष रूप से अनुरोध किया है। सियाम अल्ट्रा-हाई टेन्साइल स्टील उत्पादों को हटाने के लिए अनुरोध करता है। आवेदक ने विविध टेन्साइल क्षमता के साथ स्टील के विभिन्न बिक्री इन्वॉइस प्रदान किए हैं। इसलिए, प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा स्वीकार किए गए ग्रेड के अलावा ऑटोमोटिव अनुप्रयोग में उपयोग किए जाने वाले ग्रेड से संबंधित इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर किए गए अपवर्जन अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ है।
115. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि विशिष्ट ग्रेड/प्रकारों को बाहर रखने के अपने अनुरोध के साथ-साथ, सियाम ने "बेस एचआर (पोस्को)" को बाहर रखने के लिए एक व्यापक और सामान्य अनुरोध भी किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पोस्को द्वारा आयातित एचआर स्टील का ऐसा व्यापक अनुरोध न केवल अनुचित है, बल्कि कानूनी रूप से भी अस्वीकार्य है। यह सुव्यवस्थित है कि प्राधिकारी कंपनी-विशिष्ट उत्पाद को बाहर रखने की अनुमति नहीं देते हैं। इसके अतिरिक्त, सियाम यह स्पष्ट नहीं करता है कि "बेस एचआर (पोस्को)" घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित वस्तुओं के साथ प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी क्यों नहीं हैं। इसलिए, प्राधिकारी "बेस एचआर (पोस्को)" को हटाने के लिए एसआईएएम के अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ हैं।

ज) किआ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

116. हितबद्ध पक्षकार ने 34 ग्रेड/प्रकार के उत्पादों को इस आधार पर बाहर रखने का अनुरोध किया है कि (क) घरेलू उद्योग इन उत्पादों का विनिर्माण नहीं करता है (17); (ख) घरेलू उद्योग के पास इन ग्रेडों को पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति करने की अपर्याप्त क्षमता है (12); और (ग) घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए ग्रेडों से गुणवत्ता संबंधी मुद्दे जुड़े हुए हैं (5)।
117. प्राधिकारी नोट करते हैं कि 34 ग्रेड/प्रकार के उत्पादों में से 2 एल्यूमीनियम कोटेड और एल्यूमीनियम-सिलिकॉन कोटेड हैं, जिन्हें पहले बताए अनुसार बाहर रखा गया है। शेष 32 ग्रेड/प्रकार के उत्पादों के संबंध में, जिनके लिए किआ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपवर्जन की मांग की है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन 32 ग्रेड/प्रकार के उत्पादों में से प्रत्येक सियाम द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोध में शामिल हैं, जिसकी प्राधिकारी ने पहले ही जांच कर ली है। इसलिए प्राधिकारी को ऐसे अपवर्जन अनुरोधों की पुनः जांच करने का कोई कारण नहीं स्पष्ट होता।
118. प्राधिकारी नोट करते हैं कि केआईए ने जिन 34 ग्रेड के इस्पात के लिए बहिष्कार की मांग की है, उनमें से 3 ग्रेड घरेलू उद्योग द्वारा बहिष्कार के लिए स्वीकृत ग्रेड से नीचे आते हैं। निम्नलिखित ग्रेड को जाँच के दायरे से बाहर रखा गया है:

एएलसी एसएसीडी

एएलसी एसबीसी 1470-

जेड एन जूनियर एसोसिएट्स 390ई-एफ -

- i) एस आर के स्टील्स, डेएसोंग इंडिया ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड, केएसएच ऑटोमेटिव प्राइवेट लिमिटेड, ह्योसंग टीएनसी कॉर्पोरेशन, प्युंग ह्वा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, अरुण अग्रवाल, डेचांग इंडिया सीट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, पेन्नार इंडस्ट्रीज लिमिटेड, कंस्ट्रक्शन फेडरेशन ऑफ इंडिया, फेरी इंजीनियरिंग एक्सट्रीम लिमिटेड ऑटोमेटिव सीट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, वाईएसआई ऑटोमेटिव प्राइवेट लिमिटेड, एसकेएच एम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, डीएमसी ऑटोमेटिव प्राइवेट लिमिटेड, टैल्ब्रोस ऑटोमेटिव कंपोनेंट्स लिमिटेड, एचएल मंडो आनंद इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, डेचांग सीट ऑटोमेटिव प्राइवेट लिमिटेड, फेडरल मोगुल सीलिंग्स इंडिया प्राइवेट ऑटोमेटिव चेन्नई चेन्नई लिमिटेड, हरिओम पाइप इंडस्ट्रीज लिमिटेड, एचएसआई ऑटोमेटिव प्राइवेट लिमिटेड, ह्वाशिन ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, विंडर रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, हुंडई ट्रांसिस लीयर ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, आईएफबी ऑटोमेटिव प्राइवेट लिमिटेड, जेबीएम ऑटो लिमिटेड, जेबीएम ओगिहारा ऑटोमेटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जेबीएम ऑटो लिमिटेड जया स्प्रिंग्स, केएम सीट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, केएडी एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, कैरिसन प्रोफाइल्स प्राइवेट लिमिटेड, कृष्णा स्ट्रैपिंग सॉल्यूशंस लिमिटेड, मचानी रमेश इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, एनवीएच इंडिया ऑटो पार्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, पीएचए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पुरोहित स्टील इंडिया लिमिटेड, पुष्पांजलि ड्रम्स प्राइवेट लिमिटेड, बंडी सुंग, बंडी सुंग लिमिटेड, इंडिया ब्रेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पीएचए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, रिकुन मैनुफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड, एसआरके स्टील्स, फाइन कंपोनेंट्स एंड टूल्स प्राइवेट लिमिटेड, कोमोस ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, यूई प्रेस टूल्स प्राइवेट लिमिटेड, सिन्सिरिटी इनोवेशन टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सुवा टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, टैडपोल इंजीनियरिंग कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, वेलमुरुगन हेवी इंजी लिमिटेड, कुमकांग मशीनरी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, वीडब्ल्यू इम्पेक्स, फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ महाराष्ट्र (एफएएम), फेडरेशन ऑफ कच्छ इंडस्ट्रीज, ताइन स्टील फैब एंड इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड, केएसएच इंडिया, पीसीए ऑटोमोबाइल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पीओएस-हुंडई स्टील एमएफजी प्राइवेट लिमिटेड, जीआरआई प्राइवेट लिमिटेड इंडिया।
119. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन हितबद्ध पक्षकारों ने उन विशिष्ट ग्रेड/प्रकार के उत्पादों को निर्दिष्ट किए बिना बहिष्करण अनुरोध दायर किए हैं जिनके लिए यह बहिष्करण चाहता है। इनमें से कई हितबद्ध पक्षकारों ने "मिश्र धातु इस्पात और अल्ट्रा हाई-टेंशन स्टील" के व्यापक बहिष्करण की मांग की है, जिसका हवाला देते हुए कि "आयात नीति की शर्तों", विदेशी उत्पादकों के साथ "अच्छे संबंधों" और भारतीय उत्पादकों से ऐसे उत्पादों को खरीदने में "कठिनाई" के कारण आयात आवश्यक है। इन हितबद्ध पक्षकारों ने न तो वैध और न्यायोचित आधारों के साथ अपने बहिष्करण अनुरोधों की पुष्टि की है, न ही उन्होंने स्टील के विशिष्ट ग्रेड/प्रकार प्रदान किए हैं जिनके लिए वे बहिष्करण चाहते हैं। प्राधिकारी ऐसे व्यापक और सामान्य बहिष्करण अनुरोधों पर विचार करने में असमर्थ है। इसके बावजूद, आवेदक ने विविध तन्त्र शक्ति वाले स्टील के विभिन्न चालान प्रदान किए हैं।
- ज) इंडियन पाइप्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए), मैन इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड, मेगा पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड, महाराष्ट्र सीमलेस लिमिटेड, रत्नमणि मेटल्स एंड ट्यूब्स लिमिटेड और वेलस्पन कॉर्प लिमिटेड और जिंदल इंडिया लिमिटेड
120. इन हितबद्ध पक्षकारों ने विभिन्न एपीआई ग्रेडों को बाहर रखने का अनुरोध किया है। इन इच्छुक पक्षों ने स्वीकार किया है कि घरेलू उद्योग एपीआई ग्रेड का निर्माण करता है। घरेलू उद्योग ने एपीआई प्रमाणित इस्पात को कवर करते हुए विभिन्न चालान उपलब्ध कराए हैं। घरेलू उद्योग ने [***] सहित कई कंपनियों को एपीआई ग्रेड इस्पात की बिक्री के चालान भी उपलब्ध कराए हैं।
121. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। यह देखते हुए कि घरेलू उद्योग ने पाइप विनिर्माताओं को एपीआई ग्रेड स्टील की आपूर्ति की है, प्राधिकारी, इन कंपनियों द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ है।

ट) पोस्को, कोरिया गणराज्य

122. हितबद्ध पक्षकार ने कुल 111 प्रकार/ग्रेड के उत्पादों को बाहर रखने का अनुरोध किया है, जिसके लिए निम्नलिखित कारण बताए गए हैं: (क) गुणवत्ता संबंधी चिंताएं, (ख) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित नहीं किए गए उत्पाद, (ग) विक्रेता प्रमाणन, (घ) घरेलू उद्योग की क्षमता संबंधी बाधाएं।
123. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह इन 111 ग्रेडों में से प्रत्येक को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए।
124. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर किसी उत्पाद को पीयूसी के दायरे से बाहर करने का आधार नहीं हो सकता है। इसके अलावा, विक्रेता प्रमाणन का अभाव भी पीयूसी के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने के लिए का वैध आधार नहीं है, क्योंकि इसका दुरुपयोग होने की संभावना है क्योंकि संबंधित विक्रेता के पास घरेलू उद्योग के उत्पादों के प्रमाणन से इनकार करने की क्षमता होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ऐसे उत्पाद व्यापार उपचार उपायों को आकर्षित नहीं करते हैं।
125. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच करना पर्याप्त होगा कि क्या घरेलू उद्योग "समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी वस्तुओं" का उत्पादन कर रहा है। हितबद्ध पक्षकार ने कोल्ड रोल्ड नॉन-ओरिएंटेड इलेक्ट्रिकल स्टील (एचआरएनओ) और कोल्ड रोल्ड फुल हार्ड (सीआरएफएच) के उत्पादन को प्रभावित करने वाली गुणवत्ता संबंधी समस्याओं का हवाला देते हुए हॉट रोल्ड नॉन-ओरिएंटेड इलेक्ट्रिकल स्टील (एचआरएनओ) और कोल्ड रोल्ड फुल हार्ड (सीआरएफएच) को व्यापक रूप से बाहर करने की मांग की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जैसा कि पहले ही ऊपर चर्चा की जा चुकी है, यह अपवर्जन का वैध आधार नहीं है। हितबद्ध पक्षकार ने उस उत्पाद का कोई सटीक विनिर्देश भी नहीं दिया है जिसके लिए वह अपवर्जन चाहता है। इसके अलावा, आवेदक ने औद्योगिक उपयोग के लिए एचआर और सीआरएफएच की बिक्री के साक्ष्य के रूप में इन्वॉइस प्रदान किए हैं। इसलिए, प्राधिकारी, हितबद्ध पक्षकार के अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।
126. हितबद्ध पक्षकार ने गुणवत्ता और विक्रेता अनुमोदन से संबंधित मुद्दों का हवाला देते हुए कार्बन स्टील (या ऑटोमोटिव स्टील) के एचआर सबस्ट्रेट्स को व्यापक रूप से बाहर करने की मांग की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ये अपवर्जन के वैध आधार नहीं हैं जैसा कि पहले ही ऊपर विचार किया जा चुका है। हितबद्ध पक्षकार ने उस उत्पाद का कोई विनिर्देश भी नहीं दिया है जिसके लिए वह अपवर्जन चाहता है। इसके अलावा, आवेदक ने ऑटोमोटिव उद्योग को अपनी बिक्री के साक्ष्य के रूप में कई इन्वॉइस प्रदान किए हैं। इसलिए, प्राधिकारी, हितबद्ध पक्षकार के अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।
127. हितबद्ध पक्षकार ने पीओएससीओ मैग्नीशियम एल्युमीनियम मिश्र धातु कोटिंग उत्पाद के 57 से अधिक ग्रेडों को बाहर करने की मांग की है। हितबद्ध पक्षकार ने गुणवत्ता संबंधी चिंताओं, विक्रेता प्रमाणन और वास्तविक तथा रासायनिक गुणों में कुछ अंतरों का हवाला देते हुए भी अपवर्जन की मांग की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ये अपवर्जन के वैध आधार नहीं हैं जैसा कि पहले ही ऊपर विचार किया जा चुका है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने जिंक-एल्युमीनियम-मैग्नीशियम कोटेड उत्पादों की बिक्री को प्रदर्शित करने वाले इन्वॉइस प्रस्तुत किए हैं और सौर ऊर्जा डेवलपर्स अथवा उपकरण उत्पादकों को आपूर्ति का भी प्रदर्शन किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकार यह सिद्ध करने में विफल रहा है कि संबंधित उत्पाद की विभिन्न मोटाई या विभिन्न रासायनिक और भौतिक गुण प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पाद नहीं हैं और घरेलू समान वस्तुओं के साथ उनका सामान्य और ओवरलैपिंग अंतिम उपयोग नहीं है। प्राधिकारी, हितबद्ध पक्षकार के अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।
128. हितबद्ध पक्षकार ने गुणवत्ता से संबंधित मुद्दों और घरेलू उद्योग द्वारा इसे उपलब्ध कराने में असमर्थता का हवाला देते हुए "सुपर हाई कार्बन और अलॉय हाई कार्बन स्टील" के 18 से अधिक ग्रेडों को बाहर करने की मांग की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि गुणवत्ता का मुद्दा बहिष्कार का वैध आधार नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी के लिए या आवेदक के लिए कानून के तहत यह साबित करने की कोई आवश्यकता नहीं है कि वह इन 18 प्रकारों/ग्रेडों में से प्रत्येक का निर्माण समान विनिर्देशों के साथ करता है। घरेलू उद्योग ने उच्च कार्बन सामग्री

वाले स्टील की बिक्री को प्रदर्शित करने वाले कई चालान प्रदान किए हैं, साथ ही ऐसे चालान भी दिए हैं, जो ऑटोमोटिव, इंजीनियरिंग और मशीनरी निर्माताओं, जैसे [***] को आपूर्ति किए जाते हैं। इसलिए, प्राधिकारी हितवद्ध पक्षकार के बहिष्कार के अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

129. हितवद्ध पक्षकार ने गुणवत्ता से संबंधित मुद्दों और एपीआई उत्पादों की पूरी श्रृंखला उपलब्ध कराने में घरेलू उद्योग की असमर्थता का हवाला देते हुए "अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट ('एपीआई') के तहत हॉट-रोल्ल और प्लेट उत्पादों" के 11 से अधिक ग्रेडों को बाहर रखने की मांग की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि गुणवत्ता संबंधी मुद्दे अपवर्जन के वैध आधार नहीं हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह इन 11 ग्रेडों में से प्रत्येक को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि आवेदक ने हितवद्ध पक्षकार द्वारा प्रदान किए गए एपीआई ग्रेडों की बिक्री को प्रमाणित करने वाले विभिन्न इन्वॉइस प्रदान किए हैं। इसलिए, प्राधिकारी, हितवद्ध पक्षकार के अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।
130. ऑटोमोटिव स्टील की व्यापक श्रेणी के अंतर्गत, हितवद्ध पक्षकार ने (क) आपूर्ति संबंधी बाधाओं के मुद्दों का हवाला देते हुए ऑटोमोटिव उपयोग के लिए गैल्वेनाइज्ड अथवा गैल्वेनील्लड स्टील को बाहर रखने की मांग की है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत ऐसी कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंड अलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम हो, (ख) अल्ट्रा-हाई स्ट्रेंथ स्टील के 2 से अधिक ग्रेड, जिसमें आवेदक उक्त उत्पाद का विनिर्माण करने में असमर्थ है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने विभिन्न टेंसाइल क्षमताओं वाले ऑटोमोबाइल कंपनियों को उत्पादों की बिक्री प्रदर्शित करने वाले इन्वॉइस प्रदान किए हैं, (ग) पीएचटी (पोस्ट हीट ट्रीटमेंट) स्टील ग्रेड के 4 से अधिक ग्रेड, जिसमें आवेदक उक्त उत्पाद का विनिर्माण करने में असमर्थ है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने पीएचटी स्टील ग्रेड की बिक्री प्रदर्शित करने वाले इन्वॉइस प्रदान किए हैं, (घ) एडवांस्ड हाई स्ट्रेंथ स्टील के 6 से अधिक ग्रेड, जिसमें आवेदक सभी ग्रेड का उत्पादन करने में सक्षम नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक के लिए यह साबित करने की कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड का विनिर्माण करता है, (ङ.) अधिक बेक हार्डनिंग स्टील सहित एक्सपोज्ड पाटर्स के लिए ऑटोमोटिव स्टील के 9 से अधिक ग्रेडों के लिए विक्रेता अनुमोदन से संबंधित मुद्दों का हवाला देते हुए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विक्रेता अनुमोदन अपवर्जन का आधार नहीं है, और (च) "जटिल आकार वाले ए-क्लास अनएक्सपोज्ड पाटर्स के लिए माइल्लड स्टील और ऑटोमोटिव चेसिस पाटर्स के लिए पिकल्लड और ऑइलड स्टील" विक्रेता अनुमोदन से संबंधित मुद्दों का हवाला देते हुए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विक्रेता अनुमोदन अपवर्जन का आधार नहीं है।

ठ) पाँस्को महाराष्ट्र स्टील प्रा. लिमिटेड

131. हितवद्ध पक्षकार ने विशेष रूप से अपने लिए कुल 52 स्वामित्व प्रकार/ग्रेड के उत्पादों को बाहर करने का अनुरोध किया है, जिसके लिए उन्होंने निम्नलिखित कारण बताए हैं: (क) गुणवत्ता संबंधी चिंताएं, (ख) विक्रेता प्रमाणन।
132. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह इन 52 ग्रेडों में से प्रत्येक को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए।
133. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर किसी उत्पाद को पीयूसी के दायरे से बाहर करने का आधार नहीं हो सकता। इसके अलावा, विक्रेता प्रमाणन का अभाव भी पीयूसी के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने का वैध आधार नहीं है, क्योंकि इसका दुरुपयोग होने की संभावना है क्योंकि संबंधित विक्रेता के पास घरेलू उद्योग के उत्पादों के प्रमाणन से इनकार करने की क्षमता होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ऐसे उत्पाद व्यापार उपचार उपायों को आकर्षित नहीं करते हैं।
134. हितवद्ध पक्षकार ने गुणवत्ता संबंधी मुद्दों का हवाला देते हुए कोल्ड रोल्ल फुल हार्ड (सीआरएफएच) और हॉट रोल्ल नॉन-ओरिएण्टेड इलेक्ट्रिकल स्टील (एचआरएनओ) के 17 स्वामित्व ग्रेड को बाहर करने की मांग की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि गुणवत्ता संबंधी मुद्दे अपवर्जन का आधार नहीं हैं। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि स्वामित्व नाम कंपनी विशेष के लिए हैं और अन्य उत्पादकों द्वारा उनका उपयोग नहीं किया जा सकता है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने सीआरएफएच की बिक्री को प्रदर्शित करने वाले इन्वॉइस प्रदान किए हैं। इसलिए, प्राधिकारी, हितबद्ध पक्षकार के अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

135. हितबद्ध पक्षकार ने गुणवत्ता संबंधी मुद्दों और विक्रेता की मंजूरी की कमी का हवाला देते हुए "पीओएससीओ एमएच के लिए कार्बन स्टील (या ऑटोमोटिव स्टील) के सबस्ट्रेट" के 35 स्वामित्व ग्रेड को बाहर करने की मांग की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ये अपवर्जन के लिए वैध आधार नहीं हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि स्वामित्व नाम कंपनी विशेष के लिए हैं और अन्य उत्पादकों द्वारा उनका उपयोग नहीं किया जा सकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी-विशिष्ट उत्पाद अपवर्जन प्रदान नहीं किया जा सकता है। इसलिए, प्राधिकारी, हितबद्ध पक्षकार के अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।
136. प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि यह जाँच करना पर्याप्त होगा कि क्या घरेलू उद्योग "समान या प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तुएँ" उत्पादित कर रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने ऑटोमोटिव कंपनियों जैसे [***] आदि को अपनी आपूर्ति के साक्ष्य स्वरूप विभिन्न बीजक प्रस्तुत किए हैं।

ड) पीओएससीओ स्टीलऑन, कोरिया आरओ

137. हितबद्ध पक्षकार ने कुल 4 प्रकार/ग्रेड के उत्पादों अर्थात: (1) एल्युमिनाइज्ड स्टील (ब्रांड नाम: अलकोस्टा), (2) कलर कोटेड इलेक्ट्रो-गैल्वेनाइज्ड स्टील, (3) कोटेड जिंक-एल्युमिनियम-मैग्नीशियम (जैड एन-एआई-एमजी) मिश्र धातु स्टील (ब्रांड नाम: मैकोस्टा), (4) जिंक -एल्युमिनियम (जैड एन-एआई) मिश्र धातु स्टील (ब्रांड नाम: अलज़ास्टा) को बाहर रखने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि एल्युमिनाइज्ड स्टील के लिए बहिष्करण अनुरोध को स्वीकार कर लिया गया है जैसा कि पैराग्राफ संख्या xxx में बताया गया है।
138. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच करना पर्याप्त होगा कि क्या घरेलू उद्योग "समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी वस्तुओं" का उत्पादन कर रहा है। हितबद्ध पक्षकार ने एल्युमिनाइज्ड स्टील (ब्रांड नाम: एलकोस्टा) को बाहर रखने की मांग की है। जैसा कि पहले व्यक्त किया गया है, प्राधिकारी ने एल्युमिनाइज्ड स्टील के लिए अपवर्जन अनुरोध स्वीकार कर लिया है।
139. प्राधिकारी जानते हैं कि धातु कोटेड इलेक्ट्रो-गैल्वेनाइज्ड स्टील अर्थात, " कोटेड - इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड स्टील " को आरंभिक सूचना में अपवर्जन के अंतर्गत कवर किया जाएगा। प्राधिकारी यह भी जानते हैं कि कलर कोटेड इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड स्टील कुछ और नहीं बल्कि कलर कोटेड स्टील है। तदनुसार, प्राधिकारी कलर कोटेड इलेक्ट्रो-गैल्वेनाइज्ड स्टील के संबंध में पीओएससीओ द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।
140. हितबद्ध पक्षकार ने 'कोटेड जिंक-एल्युमिनियम-मैग्नीशियम (Zn-Al-Mg) मिश्र धातु इस्पात (ब्रांड नाम: मैकोस्टा)' को बाहर करने की मांग की है, जिसमें (क) इसके उत्पादों और आवेदक के उत्पाद के बीच गुणवत्ता में अंतर, (ख) विशेष आवेदन और विक्रेता प्रमाणन, और (ग) घरेलू विकल्पों की कमी का हवाला दिया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऊपर की गई चर्चा के अनुसार गुणवत्ता में अंतर और विक्रेता प्रमाणन अपवर्जन के वैध आधार नहीं हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत आवेदक को समान विनिर्देशों वाले ग्रेड के विनिर्माण को सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आवेदक ने कोटेड जिंक-एल्युमिनियम-मैग्नीशियम (Zn-Al-Mg) मिश्र धातु इस्पात की अपनी बिक्री को प्रदर्शित करने वाले इन्वॉइस प्रदान किए हैं। इसलिए प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकार के अपवर्जन अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ है।
141. हितबद्ध पक्षकार ने 'जिंक-एल्युमिनियम (Zn-Al) मिश्र धातु इस्पात (ब्रांड नाम: अलज़ास्टा)' को बाहर करने की मांग की है, जिसमें (क) इसके उत्पादों और आवेदक के उत्पाद के बीच गुणवत्ता में अंतर, (ख) इसके उत्पाद की प्रीमियम कीमत का हवाला दिया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ये अपवर्जन के वैध आधार नहीं हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने जिंक-एल्युमिनियम मिश्र धातु इस्पात की अपनी बिक्री को प्रदर्शित करने वाले इन्वॉइस प्रदान किए हैं। प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकार के अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

ढ). एएमएनएस इंडिया लिमिटेड और एएमएनएस खोपोली

142. एएमएनएस इंडिया और एएमएनएस खोपोली ने निष्पादन स्टील कॉरपोरेशन से आयातित कुछ ग्रेड को बाहर करने का अनुरोध किया। प्राधिकारी ने पहले ही निष्पादन स्टील कॉरपोरेशन द्वारा दायर किए गए अपवर्जन अनुरोध की जांच कर ली है।

ण). एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड

143. एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन और अन्य उपकरणों में उपयोग होने वाले 4 ग्रेड/प्रकारों को बाहर रखने का अनुरोध किया है। एलजी का कहना है कि घरेलू उद्योग ऐसे ग्रेड/प्रकारों का विनिर्माण नहीं करता है और घरेलू उद्योग के पास संबंधित ग्रेडों की वाणिज्यिक बिक्री और वाणिज्यिक आपूर्ति नहीं है। एलजी ने आगे कहा है कि आवेदक ग्राहकों की गुणवत्ता मानकों और मात्रा की आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ हैं। एलजी ने आगे अनुरोध किया है कि प्राधिकारी पीयूसी की परिभाषा में "शामिल करें" शब्द को "अर्थात्" शब्द से बदल दे ताकि यह स्पष्ट रूप से इंगित हो सके कि पीयूसी में केवल पांच उत्पाद श्रेणियां शामिल हैं, न कि वे उत्पाद जो घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं किए जा रहे हैं। प्राधिकारी ने नोट किया कि उत्पाद श्रेणियों का कवरेज स्पष्ट और विशिष्ट होना चाहिए और इसलिए वह 'शामिल करें' से 'अर्थात्' में बदलाव के अनुरोध से सहमत है।
144. घरेलू उद्योग ने दलील दी कि एलजी ने टाटा स्टील और जेएसडब्ल्यू के साथ केवल ईमेल पत्राचार किया है, लेकिन अन्य घरेलू उत्पादकों में से किसी ने भी पीयूसी की आपूर्ति करने में असमर्थता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। घरेलू उद्योग ने दलील दी कि एलजी ने कोई सबूत नहीं दिया है कि कोई भी अन्य आवेदक कंपनी आवश्यक ग्रेड का निर्माण और आपूर्ति करने में असमर्थ थी। घरेलू उद्योग ने आगे दलील दी कि उसने पीपीजीआई और पीपीजीएल स्टील की बिक्री से जुड़े कम से कम [***] लेनदेन वाले चालान दाखिल किए हैं।
145. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर पीयूसी के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने का आधार नहीं हो सकता है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक अनुमोदन की कमी (जहां आपूर्तिकर्ताओं को परियोजना मालिकों द्वारा नामित किया जाता है) भी पीयूसी के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने का वैध आधार नहीं है क्योंकि इसका दुरुपयोग होने की संभावना है क्योंकि संबंधित ग्राहक के पास घरेलू उद्योग के उत्पादों को मंजूरी देने से इनकार करने की क्षमता होगी जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ऐसे उत्पाद व्यापार उपचार उपायों को आकर्षित नहीं करते हैं।
146. जैसा कि पहले व्यक्त किया गया है, प्राधिकारी ने लेमिनेटेड ईजीआई शीट्स को पीयूसी के दायरे से बाहर करने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। अन्य ग्रेड/प्रकारों के संबंध में, घरेलू उद्योग ने प्री-पेंटेट गैल्वनाइज्ड स्टील और प्री-पेंटेट गैल्वेनीज्ड स्टील को कवर करने वाले विभिन्न इन्वॉइस प्रदान किए हैं, जिनका उपयोग घरेलू उपकरणों में किया जाता है। इसके अतिरिक्त, आवेदक द्वारा प्रदान किए गए इन्वॉइस उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों जैसे [***], आदि को बिक्री दर्शाते हैं। इसलिए, पीयूसी के दायरे से उक्त वस्तुओं को बाहर करने का कोई आधार मौजूद नहीं है। एलजी ने यह भी अनुरोध किया है कि प्राधिकारी यह स्पष्ट करे कि "कोटेड-इलेक्ट्रो गैल्वनाइज्ड स्टील" की छूट "कोटेड/लेमिनेटेड/प्रीपेंटेट/पेंटेट ईजीआई सहित सभी प्रकार के ईजीआई" को कवर करती है। आवेदक पीयूसी के दायरे से लेमिनेटेड ईजीआई को बाहर करने के लिए सहमत हो गया है। हालाँकि, प्राधिकारी मुद्रित/चित्रित इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड स्टील के संबंध में एलजी द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

त). गोदरेज एंड बॉयस मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड

147. गोदरेज ने घरेलू उपकरणों (3) और प्रेशर उपकरण प्रभागों (5) में उपयोग होने वाले 8 ग्रेड/प्रकार के उत्पादों को बाहर रखने का अनुरोध किया है। गोदरेज ने आगे अनुरोध किया है कि प्राधिकारी पीयूसी की परिभाषा में "शामिल" शब्द को "अर्थात्" शब्द से प्रतिस्थापित दे ताकि यह स्पष्ट रूप से इंगित हो सके कि पीयूसी केवल पांच

उत्पाद श्रेणियों को कवर करता है न कि उन उत्पादों को जो घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं किए जा रहे हैं। जैसा कि ऊपर दर्शाया गया है, रक्षोपाय संबंधी करार विचाराधीन उत्पाद की पसंद अथवा परिभाषा को अनुशासित नहीं करता है। जहां विशिष्ट दावे किए गए हैं कि घरेलू उद्योग विशेष ग्रेड/प्रकार के इस्पात का विनिर्माण नहीं करता है, प्राधिकारी ने ऐसे दावों का मूल्यांकन रक्षोपाय जांचों के लिए लागू कानूनी मानकों के आधार पर किया है।

148. घरेलू उपकरणों में उपयोग किए जाने वाले 3 ग्रेड/प्रकार के उत्पादों के संबंध में, गोदरेज ने प्रस्तुत किया है कि ऐसे उत्पाद घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं किए जाते हैं। गोदरेज का दावा है कि आवेदक कंपनियों ने स्वीकार किया है कि वे गोदरेज द्वारा अपेक्षित तकनीकी विशिष्टताओं को पूरा करने में असमर्थ हैं।
149. घरेलू उद्योग ने दलील दी कि गोदरेज ने टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू और एएमएनएस के साथ केवल ईमेल पत्राचार किया है, लेकिन अन्य किसी भी घरेलू उत्पादक ने पीयूसी की आपूर्ति करने में अपनी असमर्थता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। घरेलू उद्योग ने दलील दी कि एलजी ने कोई सबूत नहीं दिया है कि कोई भी अन्य आवेदक कंपनी आवश्यक ग्रेड का निर्माण और आपूर्ति करने में असमर्थ थी। घरेलू उद्योग ने आगे दलील दी कि उसने समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तुओं की बिक्री दर्शाने वाले चालान दाखिल किए हैं।
150. प्रेशर उपकरण उपकरणों में उपयोग किए जाने वाले 5 ग्रेड/प्रकारों के संबंध में, गोदरेज ने स्वीकार किया है कि घरेलू उद्योग उक्त ग्रेड/प्रकार के उत्पादों का विनिर्माण और आपूर्ति करता है, हालांकि, उसका तर्क है कि घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले उत्पादों की तकनीकी विशिष्टताएं उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करती हैं। गोदरेज का तर्क है कि तकनीकी विशिष्टताओं में अंतर के कारण, 8 ग्रेड/प्रकार घरेलू रूप से उत्पादित वस्तुओं के समान नहीं हैं।
151. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी करार के विपरीत, जहां पीयूसी का दायरा "समान वस्तुओं" तक सीमित है, रक्षोपाय कानून के तहत पीयूसी के दायरे के लिए कानूनी मानक में "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" वस्तुएं शामिल हैं।
152. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह इन 8 ग्रेडों में से प्रत्येक का विनिर्माण समान विनिर्देशों के साथ करता है। इसी तरह, कानून के तहत यह भी आवश्यक नहीं है कि आवेदक देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता (जैसे गोदरेज) की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम हो। इसके अलावा, गुणवत्ता संबंधी चिंताएं भी किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने का वैध आधार नहीं हैं।
153. घरेलू उद्योग ने प्री-पेंटेड गैल्वनाइज्ड स्टील और गैल्वेनीज्ड स्टील को कवर करने वाले विभिन्न इन्वॉइस प्रदान किए हैं, जिनका उपयोग घरेलू उपकरणों में किया जाता है। इसके अतिरिक्त, आवेदक द्वारा प्रदान किए गए इन्वॉइस उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों जैसे [***], आदि को ऐसे उत्पादों की बिक्री का संकेत देते हैं। इसलिए, गोदरेज द्वारा पहचान किए गए 8 ग्रेड/प्रकारों को पीयूसी के दायरे से बाहर रखने का कोई आधार नहीं है। गोदरेज ने यह भी अनुरोध किया है कि प्राधिकारी यह स्पष्ट करें कि "कोटेड-इलेक्ट्रो गैल्वनाइज्ड स्टील" की छूट में "लेमिनेटेड विनाइल-कोटेड सहित सभी प्रकार के ईजीआई शामिल हैं"। प्राधिकारी समझते हैं कि मेटालिक कोटेड इलेक्ट्रो गैल्वनाइज्ड स्टील को आरंभिक नोटिस में दिए गए बहिष्करण के अंतर्गत कवर किया जाएगा, जिसका नाम है, "कोटेड - इलेक्ट्रो गैल्वनाइज्ड स्टील"। हालांकि, अपर्याप्त विवरणों के मद्देनजर, प्राधिकारी लेमिनेटेड विनाइल कोटेड इलेक्ट्रो गैल्वनाइज्ड स्टील के संबंध में गोदरेज द्वारा दायर बहिष्करण अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

थ). पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

154. पैनासोनिक ने प्री-कोटेड विनाइल कोटेड शीट को बाहर करने का अनुरोध किया है, जिसका उपयोग रेफ्रिजरेटर के दरवाजों में किया जाता है। प्राधिकारी ने पहले ही एलजी और गोदरेज एंड बॉयस के समान अपवर्जन अनुरोधों पर विचार किया है और उनका मूल्यांकन किया है। इसलिए प्राधिकारी पैनासोनिक द्वारा किए गए उसी अपवर्जन अनुरोध की पुनः जांच नहीं कर रहे हैं।

द). एसएसएबी स्वीडिश स्टील इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

155. एसएसएबी ने परिवहन, खनन, सीमेंट, विनिर्माण उपकरण में उपयोग होने वाले 51 स्वामित्व ग्रेड/प्रकार के स्टील को बाहर करने का अनुरोध किया है। एसएसएबी का कहना है कि उनके द्वारा आयातित स्वामित्व ग्रेड/प्रकार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समकक्ष ग्रेड से “बेहतर प्रदर्शन” करते हैं और “अतिरिक्त मूल्य प्रदान करते हैं”।
156. सबसे पहले, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिन 51 ग्रेड/प्रकारों के लिए एसएसएबी ने अपवर्जन की मांग की है, वे किसी कंपनी द्वारा उत्पादित ग्रेड/प्रकार के स्वामित्व नाम हैं। स्वामित्व नाम कंपनी विशेष के होते हैं और अन्य उत्पादकों द्वारा उनका उपयोग नहीं किया जा सकता। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी-विशिष्ट उत्पाद अपवर्जन नहीं दिए जा सकते। इसके अतिरिक्त, एसएसएबी इस बात पर विवाद नहीं करता कि घरेलू उद्योग समतुल्य ग्रेड के स्टील का उत्पादन करता है।
157. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर पीयूसी के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने का आधार नहीं हो सकता है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक अनुमोदन की कमी (जहां आपूर्तिकर्ताओं को परियोजना मालिकों द्वारा नामित किया जाता है) भी पीयूसी के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने का वैध आधार नहीं है क्योंकि इसका दुरुपयोग होने की संभावना है क्योंकि संबंधित ग्राहक के पास घरेलू उद्योग के उत्पादों को मंजूरी देने से इनकार करने की क्षमता होगी जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ऐसे उत्पाद व्यापार उपचार उपायों को आकर्षित नहीं करते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने उच्च क्षमता, उच्च कार्बन स्टील और भारी प्लेटों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करने वाले विभिन्न इन्वॉइस दायर किए हैं, जो कि 51 ग्रेड/प्रकारों के साथ प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी हैं जिनके लिए एसएसएबी ने अपवर्जन की मांग की है। इसलिए, प्राधिकारी, एसएसएबी के अपवर्जन अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ है।

ध). अशोक लेलैंड डिफेंस सिस्टम्स लिमिटेड.

158. अशोक लेलैंड डिफेंस ने 26 ग्रेड/प्रकारों को बाहर करने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन 26 ग्रेड/प्रकारों में से प्रत्येक उत्पाद एसएसएबी द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोध में शामिल हैं, जिसकी प्राधिकारी जांच ने ऊपर कर ली है। इसलिए प्राधिकारी को ऐसे अपवर्जन अनुरोधों की पुनः जांच करने का कोई कारण स्पष्ट नहीं होता।

न). टे नैम स्टील विनिर्माण और ट्रेडिंग कं, लिमिटेड

159. हितबद्ध पक्षकार ने जीआई, जीएल, पीपीजीआई, पीपीजीएल को बाहर रखने का अनुरोध किया है। हितबद्ध पक्षकार ने उत्पादों के सटीक ग्रेड/प्रकार के संबंध में और अधिक जानकारी प्रदान नहीं की है जिसके लिए उसकी बाहर रखने की मांग है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। घरेलू उद्योग ने कलर कोटेड और मैटेलिक कोटेड, जीआई, जीएल और पीपीजीआई स्टील को कवर करते हुए विभिन्न इन्वॉइस दायर किए हैं। इसलिए, प्राधिकारी, टे नैम स्टील द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

प). कोबे स्टील लिमिटेड

160. हितबद्ध पक्षकार ने कोल्ड रोलड कॉइल के 8 ग्रेड को बाहर करने का अनुरोध किया है। कोबे स्टील लिमिटेड प्राधिकारी की पिछली पाटन-रोधी जांच पर विश्वास दर्शाते हुए तर्क देता है कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं किए जाने वाले विशिष्ट ग्रेड को पीयूसी के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। जैसा कि ऊपर बताया गया है, पाटनरोधी समझौते के विपरीत, जहां पीयूसी का दायरा “समान वस्तुओं” तक सीमित है, रक्षोपाय कानून के तहत

पीयूसी के दायरे के लिए कानूनी मानक में "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" वस्तुएं शामिल हैं। इसलिए, कोबे द्वारा पिछले पाटन-रोधी निर्धारणों पर रखा गया निर्भरता, तर्कसंगत नहीं है।

161. घरेलू उद्योग ने दलील दी कि कोबे स्टील ने केवल उन ग्रेडों के नाम दिए हैं जिनके लिए उसने बहिष्कार की मांग की है। घरेलू उद्योग ने आगे दलील दी कि कोबे स्टील ने दावा किया है कि ये ग्रेड घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं हैं और अपर्याप्त गुणवत्ता के कारण ग्राहकों से कोई अनुमोदन नहीं है। घरेलू उद्योग ने दलील दी कि कोबे स्टील ने जिन ग्रेडों के लिए बहिष्कार की मांग की है, उनमें से प्रत्येक के संबंध में उक्त दावों को साबित करने का दायित्व कोबे स्टील का है।
162. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। है। आवेदक ने विभिन्न टेनसाईल क्षमता वाले स्टील के विभिन्न बिक्री इन्वॉइस प्रस्तुत किए हैं। इसलिए, प्राधिकारी, ऑटोमोटिव अनुप्रयोग में उपयोग किए जाने वाले ग्रेड से संबंधित इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ है।

फ). मेटल वन कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और मेटल वन कॉर्पोरेशन

163. हितबद्ध पक्षकारों ने स्टील के 12 ग्रेड/प्रकारों को बाहर रखने का अनुरोध किया है। हितबद्ध पक्षकारों ने प्रस्तुत किया है कि घरेलू उद्योग स्टील के 12 ग्रेड/प्रकार या समान वस्तुओं का उत्पादन नहीं करता है। जिन ग्रेड/प्रकारों के उत्पादों के लिए मेटल वन कॉर्पोरेशन ने अपवर्जन की मांग की है, उनमें घरेलू उद्योग ने स्वीकार किया है कि उसके आवेदन में एल्युमिनियम कोटेड स्टील, एल्युमिनियम सिलिकॉन कोटेड, हॉट डिप्ड एल्युमिनाइज्ड सिलिकॉन कोटेड स्टील, निकल कोटेड स्टील, कॉपर प्लेटेड स्टील, टाइटेनियम क्लैड प्लेट्स, बाईमेटल्स आदि को शामिल करने का दावा नहीं किया गया है। मेटल वन कॉर्पोरेशन द्वारा पहचाने गए स्टील के ग्रेड जो इन श्रेणियों में आते हैं, परिणामस्वरूप पीयूसी के दायरे से बाहर रखे गए हैं। मेटल वन ने आगे अनुरोध किया है कि प्राधिकारी पीयूसी की परिभाषा में "शामिल" शब्द के अर्थान पर "अर्थात्" शब्द प्रतिस्थापित करें ताकि यह स्पष्ट रूप से इंगित हो सके कि पीयूसी केवल पांच उत्पाद श्रेणियों को कवर करता है और उन उत्पादों को नहीं जो घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं किए जा रहे हैं। जैसा कि ऊपर बताया गया है, रक्षोपाय संबंधी करार विचाराधीन उत्पाद की पसंद अथवा परिभाषा को अनुशासित नहीं करता है। जहां विशिष्ट दावे किए गए हैं कि घरेलू उद्योग विशेष ग्रेड/प्रकार के इस्पात का विनिर्माण नहीं करता है, प्राधिकारी ने ऐसे दावों का मूल्यांकन रक्षोपाय जांचों के लिए लागू कानूनी मानकों के आधार पर किया है।
164. हितबद्ध पक्षकारों ने मध्यम से उच्च टेन्साइल वाले हॉट रोलड और कोल्ड रोलड स्टील कॉइल, हॉट रोलड स्टील प्लेट, हॉट रोलड स्टील प्लेट (उच्च टेन्साइल), हॉट रोलड घर्षण प्रतिरोधी स्टील प्लेट, ज़ैम और गैल्वेनलड स्टील कॉइल को बाहर करने का अनुरोध किया है, इस आधार पर कि घरेलू उत्पादक आवश्यक विनिर्देशों का उत्पादन करने में असमर्थ हैं, गुणवत्ता की समस्या है और आवश्यक ग्राहक अनुमोदन की कमी है। हितबद्ध पक्षकार आगे प्रस्तुत करते हैं कि स्टील के ग्रेड उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित किए जाते हैं, जिन्हें घरेलू उद्योग प्रदान करने में असमर्थ है।
165. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकार ने यह प्रदर्शित नहीं किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पादों का सामान्य और ओवरलैपिंग अंतिम उपयोग नहीं है और वे प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी नहीं हैं।
166. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर किसी उत्पाद को पीयूसी के दायरे से बाहर करने का आधार नहीं हो सकता है। इसके अलावा, विक्रेता प्रमाणन का अभाव भी पीयूसी के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने के लिए का वैध आधार नहीं है, क्योंकि इसका दुरुपयोग होने की संभावना है क्योंकि

संबंधित विक्रेता के पास घरेलू उद्योग के उत्पादों के प्रमाणन से इनकार करने की क्षमता होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ऐसे उत्पाद व्यापार उपचार उपायों को आकर्षित नहीं करते हैं।

167. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच करना पर्याप्त होगा कि क्या घरेलू उद्योग "समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी वस्तुओं" का उत्पादन कर रहा है। कुछ निश्चित टेनसाईल क्षमता वाले स्टील को बाहर रखने के मेटल वन कॉर्पोरेशन के अनुरोध के संबंध में, आवेदक ने विविध टेनसाईल क्षमता वाले स्टील के विभिन्न इन्वॉइस प्रदान किए हैं। ऑटोमोबाइल पार्ट्स के लिए ऐसे कोई अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू मानक नहीं हैं जिनमें एक विशिष्ट टेनसाईल क्षमता वाले स्टील के उपयोग की आवश्यकता होती है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने हॉट रोल्ड स्टील प्लेट, हॉट रोल्ड स्टील घर्षण प्रतिरोधी स्टील प्लेट, ज़ेडएएम (जस्ता-एल्यूमीनियम-मैग्नीशियम) और गैल्वेनीज्ड स्टील कॉइल के विभिन्न ग्रेड की बिक्री को प्रदर्शित करने वाले इन्वॉइस भी प्रदान किए हैं। इसलिए, प्राधिकारी कोल्ड रोल्ड स्टील कॉइल, हॉट रोल्ड स्टील कॉइल, हॉट रोल्ड स्टील प्लेट, हॉट रोल्ड स्टील प्लेट्स (उच्च तन्य), हॉट रोल्ड स्टील घर्षण प्रतिरोधी स्टील प्लेट, ज़ेडएएम (जस्ता-एल्यूमीनियम-मैग्नीशियम) और गैल्वेनीज्ड स्टील कॉइल को बाहर रखने के मेटल वन कॉर्पोरेशन के दावे को स्वीकार करने में असमर्थ है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि हितवद्ध पक्षकार ने इकोकोट (टिन-जिंक कोटेड स्टील) के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। हालांकि, हितवद्ध पक्षकार ने, न तो उत्पाद का तकनीकी विशिष्टताएं प्रदान की है और न ही अंतिम उपयोग, ऐसी जानकारी के अभाव में प्राधिकारी यह निर्धारित करने में असमर्थ है कि ऐसा उत्पाद घरेलू स्तर पर उत्पादित उत्पाद के समान है अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी है, इसलिए प्राधिकारी यह पुष्टि करने में असमर्थ है कि इकोकोट पीयूसी के दायरे से बाहर है या नहीं। मेटल वन कॉर्पोरेशन ने यह भी अनुरोध किया है कि प्राधिकारी छूट से "कोटेड" शब्द को हटाकर " कोटेड-इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड स्टील " कर दे। प्राधिकारी जानते हैं कि मेटालिक कोटेड इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड स्टील को आरंभिक सूचना में अपवर्जन के अंतर्गत कवर किया जाएगा, अर्थात्, " कोटेड - इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड स्टील "। हालांकि, प्राधिकारी, इस संबंध में मेटल वन कॉर्पोरेशन द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

168. प्राधिकारी नोट करता है कि मेटल वन कॉर्पोरेशन द्वारा जिन 12 ग्रेड के स्टील के लिए बहिष्कार की मांग की गई है, उनमें से निम्नलिखित 6 ग्रेड घरेलू उद्योग द्वारा स्वीकृत बहिष्कारों के अंतर्गत आते हैं। निम्नलिखित ग्रेड जाँच के दायरे से बाहर रखे गए हैं-

एल्यूमीनियम कोटेड स्टील कॉइल (यूएसआईबीओआर 1500+एएस (आर1500+एएस150)

कॉपर प्लेटेड स्ट्रिप कॉइल (एमएसके-सी-डीबी)

इलेक्ट्रो निकल कोटेड स्टील कॉइल (नी-टॉप);

वेलकोट कॉइल (विशेष उपचार के साथ एक तरफ जेडएन-नी

विद्युत कोटेड मिश्र धातु इस्पात) डब्ल्यूजेडएलईएन

इकोकोट (टिन-जस्ता लेपित इस्पात) टीजेडएसई-30/30 टीजेडएससी-30/30

जिंकलाइट (इलेक्ट्रो जेडएन-नी लेपित इस्पात) जेएनसी 270 डीएन

ब. शिवालिक बायमेटल्स कंट्रोल्स लिमिटेड

169. शिवालिक बाईमेटल्स ने 10 ग्रेड/प्रकारों को बाहर रखने का अनुरोध किया है। शिवालिक बाईमेटल्स का दावा है कि घरेलू उद्योग इन 10 ग्रेड/प्रकारों का विनिर्माण नहीं करता है और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समकक्ष ग्रेड "निम्न गुणवत्ता के हैं और कम लागत प्रभावी हैं"। शिवालिक बायमेटल्स ने आगे अनुरोध किया है कि प्राधिकारी पीयूसी की परिभाषा में "शामिल करें" शब्द को "अर्थात्" शब्द से बदल दे ताकि यह स्पष्ट रूप से इंगित हो सके कि पीयूसी में केवल पांच उत्पाद श्रेणियां शामिल हैं, न कि वे उत्पाद जो घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं किए जा रहे हैं। प्राधिकारी ने नोट किया कि उत्पाद श्रेणियों का कवरेज स्पष्ट और विशिष्ट होना चाहिए और इसलिए वह 'शामिल करें' से 'अर्थात्' में परिवर्तन के अनुरोध से सहमत है।

170. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि शिवालिक बायमेटल्स ने यह सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु भारत में निर्मित नहीं है।
171. प्राधिकारी नोट करते हैं कि शिवालिक बायमेटल्स ने अपने प्रस्तुतीकरण में स्वीकार किया है कि घरेलू उद्योग समकक्ष ग्रेडों के विनिर्माण में लगा हुआ है, यद्यपि उनकी गुणवत्ता निम्नतर है और वे कुछ भौतिक एवं रासायनिक गुणों में भिन्न हैं। यह नोट करना और भी प्रासंगिक है कि हितवद्ध पक्ष ने तर्क दिया है कि जिन विनिर्माताओं के पास विनिर्माण की क्षमता है वे कम मात्रा के कारण इसे किफायती रूप से उत्पादित नहीं कर सकते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि, हितवद्ध पक्ष का यह दावा कि घरेलू उद्योग उन ग्रेडों का कम मात्रा में किफायती रूप से उत्पादन नहीं कर सकता है, उनके सस्ते मूल्यों और घरेलू उद्योग द्वारा संभावित बिक्री के क्षति के कारण आयातों के लिए ग्राहक वरीयता का सुझाव देता है। जैसा कि ऊपर कहा गया है कि प्राधिकारी या आवेदक के लिए कानून के तहत यह साबित करने की कोई आवश्यकता नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करता है। घरेलू उद्योग ने विशेष मिश्रधातुओं को कवर करने वाले विभिन्न चालान प्रस्तुत किए हैं। इसलिए, प्राधिकारी शिवालिक के निवेदनों को स्वीकार करने में असमर्थ है।

भ. मनकसिया स्टील्स लिमिटेड

172. मनकसिया स्टील्स ने 1250 मिमी की चौड़ाई और 2 मिमी से कम मोटाई वाले हॉट रोलड स्टील कॉइल्स को बाहर रखने का अनुरोध किया है। मनकसिया का दावा है कि घरेलू उद्योग 2 मिमी से कम मोटाई और 1250 मिमी से कम चौड़ाई वाले कॉइल्स का विनिर्माण नहीं करता है। हालांकि, मनकसिया ने स्वीकार किया है कि घरेलू उद्योग के पास 2 मिमी से कम मोटाई और 1250 मिमी से कम चौड़ाई वाले कॉइल्स का विनिर्माण करने की क्षमता है, लेकिन वह पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं के पक्ष में ऐसा नहीं करता है। मनकसिया ने आगे अनुरोध किया है कि प्राधिकारी पीयूसी की परिभाषा में "शामिल करें" शब्द को "अर्थात्" शब्द से बदल दे ताकि यह स्पष्ट रूप से इंगित हो सके कि पीयूसी में केवल पांच उत्पाद श्रेणियां शामिल हैं, न कि वे उत्पाद जो घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं किए जा रहे हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पाद श्रेणियों का कवरेज स्पष्ट और विशिष्ट होना चाहिए और इसलिए वह 'शामिल करें' से 'अर्थात्' में परिवर्तन के अनुरोध से सहमत है। जहां विशिष्ट दावे किए गए हैं कि घरेलू उद्योग विशेष ग्रेड/प्रकार के स्टील का निर्माण नहीं करता है, प्राधिकारी ने सुरक्षा जांच के लिए लागू कानूनी मानक के आधार पर ऐसे दावों का मूल्यांकन किया है।
173. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि मनकसिया ने यह सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु भारत में निर्मित नहीं है।
174. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। है। इसके अलावा, मनकसिया ने स्वयं स्वीकार किया है कि घरेलू उद्योग के पास 2 मिमी से कम मोटाई और 1250 मिमी से कम चौड़ाई वाले स्टील के विनिर्माण और आपूर्ति की क्षमता है, लेकिन वह वाणिज्यिक कारणों से ऐसा नहीं करता है। इसलिए, आयात में वृद्धि और इसके कारण गंभीर क्षति के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग द्वारा समकक्ष ग्रेड के लिए उचित मूल्य प्राप्त करने में सक्षम नहीं होने के कारण बिक्री में कमी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।
175. घरेलू उद्योग ने एचआर स्टील की विभिन्न मोटाई और चौड़ाई को कवर करने वाले कई तरह के इनवॉयस तैयार किए हैं। इसलिए, प्राधिकारी इस स्तर पर 2 मिमी से कम मोटाई और 1250 मिमी से कम चौड़ाई वाले स्टील को बाहर रखने को स्वीकार करने में असमर्थ है। इसके अतिरिक्त, पीयूसी की परिभाषा में "शामिल" शब्द को "अर्थात्" शब्द से प्रतिस्थापित करने का बदलने का कोई आधार नहीं है।

म. टाटा मोटर्स

176. टाटा मोटर्स ने स्टील के 6 ग्रेड/प्रकारों को बाहर करने का अनुरोध किया है। टाटा मोटर्स ने अनुरोध किया है कि ये ग्रेड भारत में निर्मित नहीं हैं, घरेलू उद्योग लगातार इन ग्रेडों की पर्याप्त मात्रा की आपूर्ति करने में असमर्थ है और जापान से आयातित ग्रेड बेहतर गुणवत्ता के हैं।

177. जैसा कि पहले बताया गया है, इन ग्रेडों में से एल्युमीनियम कोटेड स्टील, एल्युमीनियम सिलिकॉन कोटेड और हॉट डिप्ड एल्युमिनाइज्ड सिलिकॉन कोटेड स्टील को बाहर करने का अनुरोध स्वीकार कर लिया गया है। इस श्रेणी में आने वाले स्टील के ग्रेड को परिणामस्वरूप पीयूसी के दायरे से बाहर रखा गया है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि स्टेनलेस स्टील को पहले ही आरंभ अधिसूचना के पैराग्राफ 4 के अनुसार पीयूसी के दायरे से बाहर रखा गया है।
178. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर पीयूसी के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने का आधार नहीं हो सकता है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक अनुमोदन की कमी (जहां आपूर्तिकर्ताओं को परियोजना मालिकों द्वारा नामित किया जाता है) भी पीयूसी के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने का वैध आधार नहीं है क्योंकि इसका दुरुपयोग होने की संभावना है क्योंकि संबंधित ग्राहक के पास घरेलू उद्योग के उत्पादों को मंजूरी देने से इनकार करने की क्षमता होगी जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ऐसे उत्पाद व्यापार उपचार उपायों को आकर्षित नहीं करते हैं।
179. ऑटोमोटिव अनुप्रयोग वाले रीमाइनिंग उत्पाद प्रकारों/ग्रेडों के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि टाटा मोटर्स ने उन ग्रेडों के लिए संबंधित भारतीय मानक प्रदान नहीं किया है जिनके लिए वह अपवर्जन चाहता है। आवेदक ने ऑटोमोटिव कंपनियों जैसे [***], आदि को बेचे गए एचआर, सीआर और मेटालिक कोटेड की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करने वाले कई इन्वॉइस प्रदान किए हैं, जो दर्शाता है कि घरेलू उद्योग ने उन वस्तुओं की आपूर्ति की है जिनका उपयोग उन उत्पादों के साथ समान और ओवरलैपिंग है जिनके लिए टाटा मोटर्स ने अपवर्जन की मांग की है। इसलिए ये उत्पाद प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी हैं। इसलिए, प्राधिकारी, टाटा मोटर्स द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि टाटा मोटर्स ने जिन 6 ग्रेड के स्टील के लिए बहिष्कार की मांग की है, उनमें से निम्नलिखित 3 ग्रेड घरेलू उद्योग द्वारा स्वीकृत बहिष्कारों के अंतर्गत आते हैं। निम्नलिखित ग्रेड को जाँच के दायरे से बाहर रखा गया है-
- हॉट डिप एल्युमिनियम सिलिंडर लेपित स्टील - ईधन टैंक
- हॉट डिप एल्युमिनियम सिलिंडर लेपित स्टील - बीएनसीएपी क्रैश
- स्टेनलेस स्टील - निकास आदि
- य. एसीएमए, एनआरबी बेयरिंग, शारदा मोटर्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड, एआईएसआईएन ऑटोमोबाइल्स
180. हितबद्ध पक्षकारों ने गुणवत्ता संबंधी मुद्दों और क्षमता संबंधी बाधाओं का हवाला देते हुए ऑटोमोटिव उद्योग में उपयोग किए जाने वाले 35 ग्रेड/प्रकारों के लिए अपवर्जन का अनुरोध किया है। कुछ ग्रेडों के लिए, हितबद्ध पक्षकारों ने संगत भारतीय मानक प्रदान नहीं किए हैं। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा पहचाने गए रबर कोटेड स्टील के कुछ ग्रेडों के लिए अपवर्जन अनुरोध को पहले ही स्वीकार कर लिया गया है।
181. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस हितबद्ध पक्षकार ने स्वीकार किया है कि वे घरेलू उत्पादकों से कुछ ग्रेड खरीदते हैं। हालांकि, यह दावा किया गया है कि घरेलू उत्पादकों द्वारा उत्पादित ग्रेड की गुणवत्ता और मात्रा आवश्यकता के अनुरूप नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर किसी उत्पाद को पीयूसी के दायरे से बाहर करने का आधार नहीं हो सकता। इसी तरह, कानून के तहत ऐसी कोई आवश्यकता नहीं है कि घरेलू उद्योग देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को अकेले ही पूरा करने में सक्षम हो।
182. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने ऑटोमोटिव कंपनियों जैसे [***], आदि को बेचे गए एचआर, सीआर और मेटालिक कोटेड की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करने वाले कई इन्वॉइस प्रदान किए हैं, जो दर्शाता है कि घरेलू उद्योग ने उन वस्तुओं की आपूर्ति की है जिनका उपयोग उन उत्पादों के साथ समान और ओवरलैपिंग है जिनके

लिए हितबद्ध पार्टियों ने अपवर्जन की मांग की है। इसलिए ये उत्पाद प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी हैं। इसलिए, प्राधिकारी, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ है।

183. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस्पात के 35 ग्रेडों में से निम्नलिखित 3 ग्रेड, जिनके लिए हितबद्ध पक्षकारों ने बहिष्कार की मांग की है, घरेलू उद्योग द्वारा स्वीकृत बहिष्कारों के अंतर्गत आते हैं। निम्नलिखित ग्रेडों को जाँच के दायरे से बाहर रखा गया है।

ईएमएस200 कूटोनाइट

ईएमएस215 इनकोनेल

एसडब्ल्यूआरएच72ए - पीतल लेपित इस्पात तार

कक. मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड.

184. मारुति सुजुकी ने स्टील के 22 ग्रेड/प्रकारों को बाहर करने का अनुरोध किया है। मारुति का तर्क है कि इन ग्रेडों को बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि (क) वे भारत में निर्मित नहीं होते (11); (ख) घरेलू उद्योग में डाउनस्ट्रीम उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता का अभाव है (6) और हाल ही में भारत में ग्रेडों का विकास किया जा रहा है (5)।
185. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए।
186. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर किसी उत्पाद को पीयूसी के दायरे से बाहर करने का आधार नहीं हो सकता। इसके अतिरिक्त, ग्राहक अनुमोदन की कमी (जहां आपूर्तिकर्ताओं को परियोजना मालिकों द्वारा नामित किया जाता है) भी पीयूसी के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने का वैध आधार नहीं है क्योंकि इसका दुरुपयोग होने की संभावना है क्योंकि संबंधित ग्राहक के पास घरेलू उद्योग के उत्पादों को मंजूरी देने से इनकार करने की क्षमता होगी जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ऐसे उत्पाद व्यापार उपचार उपायों को आकर्षित नहीं करते हैं। प्राधिकारी आगे नोट करते कि घरेलू उद्योग ने मारुति सुजुकी को बिक्री स्टील को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न इन्वॉइस प्रदान किए हैं।
187. आवेदक ने ऑटोमोटिव कंपनियों जैसे [***], आदि को बेचे गए एचआर, सीआर और मेटालिक कोटेड की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करने वाले कई इन्वॉइस प्रदान किए हैं, जो दर्शाता है कि घरेलू उद्योग ने उन वस्तुओं की आपूर्ति की है जिनका उपयोग उन उत्पादों के साथ समान और ओवरलैपिंग है जिनके लिए मारुति सुजुकी ने अपवर्जन की मांग की है। इसलिए ये उत्पाद प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी हैं। इसलिए, प्राधिकारी, अपवर्जन अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ है।

खख. जय भारत मारुति लिमिटेड

188. जय भारत मारुति लिमिटेड ("जेबीएम") ने पीयूसी के दायरे से स्टील के 6 ग्रेड/प्रकारों को बाहर करने की मांग की है। जेबीएम का कहना है कि उक्त ग्रेड भारत में उत्पादित नहीं होते हैं। जिन 6 ग्रेडों, जो एल्युमीनियम कोटेड स्टील और निकल कोटेड स्टील की श्रेणी में आते हैं, के लिए जेबीएम ने बाहर करने की मांग की है, उनमें से 4 को बाहर करने की मांग पहले ही स्वीकार कर ली गई है।
189. अन्य दो ग्रेडों के संबंध में, घरेलू उद्योग ने एचआरपीओ कॉइल्स को कवर करने वाले कई इन्वॉइस प्रदान किए हैं जो उन ग्रेडों के साथ प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी हैं जिनके लिए जेबीएम ने अपवर्जन की मांग की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। यह देखते हुए कि घरेलू उद्योग ने एचआरपीओ कॉइल्स के विभिन्न ग्रेडों को कवर करने वाले

चालान प्रस्तुत किए हैं, जिनका उन ग्रेडों के साथ सामान्य और अतिव्यापी उपयोग है जिनके लिए जेबीएम ने जेबीएम द्वारा दायर बहिष्करण अनुरोधों के लिए प्राधिकारी से बहिष्करण की मांग की है।

190. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जय भारती मारुति ने जिन 6 ग्रेडों के लिए बहिष्कार की मांग की है, उनमें से निम्नलिखित 4 ग्रेड घरेलू उद्योग द्वारा स्वीकृत बहिष्कारों के अंतर्गत आते हैं। निम्नलिखित ग्रेडों को जाँच के दायरे से बाहर रखा गया है-

निकास प्रणाली के लिए एल्युमीनियम कोटेड स्टील कॉइल (एसए 1डी 40/40)

निकास प्रणाली के लिए एल्युमीनियम कोटेड स्टील कॉइल (एसए 1ई 30/30)

निकल कोटेड स्टील कॉइल ब्रीदर ट्यूब (एसपीसीसी)

निकल कोटेड स्टील कॉइल ब्रीदर ट्यूब (एसपीसीसी)

गग. कात्सुशिरो मेटेक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

191. कात्सुशिरो ने जेएफई कॉरपोरेशन द्वारा आपूर्ति किए गए इस्पात के 4 ग्रेड/प्रकारों को बाहर करने का अनुरोध इस आधार पर किया है कि आवश्यक आकार स्थानीय स्तर पर उपलब्ध नहीं हैं, स्थानीय आपूर्तिकर्ता तकनीकी विनिर्देशों को पूरा नहीं कर सकते हैं और घरेलू उत्पादकों की न्यूनतम आदेश मात्रा विदेशी आपूर्तिकर्ताओं की तुलना में अधिक है।
192. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कात्सुशिरो ने जेएफई कॉरपोरेशन द्वारा आपूर्ति किए गए स्टील के 4 ग्रेड/प्रकारों के लिए अपवर्जन की मांग की है। चूंकि प्राधिकारी ने पहले ही जेएफई कॉरपोरेशन के अपवर्जन अनुरोध पर विचार कर लिया है, इसलिए ऐसे अपवर्जन अनुरोधों की पुनः जांच करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

घघ. सीएससीआई कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

193. सीएससीआई ने 2023 के आईएस 18316 के अनुरूप कोल्ड रोलड फुल हार्डेन्ड इलेक्ट्रिकल स्ट्रिप्स को पीयूसी के दायरे से बाहर करने का अनुरोध किया है, जो सिलिकॉन इलेक्ट्रिकल स्टील स्ट्रिप्स की परिभाषा के अंतर्गत आता है।
194. घरेलू उद्योग ने दलील दी कि सीआर ग्रेन ओरिएंटेड इलेक्ट्रिकल स्टील और सीआर नॉन-ओरिएंटेड इलेक्ट्रिकल स्टील को पहले ही उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जा चुका है। घरेलू उद्योग इलेक्ट्रिकल स्टील बनाने के लिए आवश्यक एचआर का उत्पादन करता है। इसलिए, घरेलू उद्योग ने कहा कि वह इलेक्ट्रिकल स्टील के उत्पादन के लिए आवश्यक एचआर को बाहर रखने से सहमत नहीं है।
195. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। घरेलू उद्योग ने कोल्ड रोलड फुल हार्डेन्ड स्टील की बिक्री को कवर करने वाले विभिन्न इन्वॉइस प्रदान किए हैं।

डड. सीयू बिल्ट इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड, वेस्टास विंड टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और सेनवियन विंड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड

196. हितवद्ध पक्षकारों ने पवन टर्बाइनों के लिए स्टील प्लेट्स और पवन टर्बाइन टावरों के लिए प्राइम स्टील को बाहर रखने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने पवन टर्बाइनों सहित विभिन्न प्रकार के अनुप्रयोगों के लिए हॉट रोलड प्लेटों की बिक्री को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न

इन्वॉइस प्रदान किए हैं। इसलिए, प्राधिकारी, इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

चच. जर्मनी से एक्टिएन-गेसेलशाफ्ट डेर डिलिंगर हटनवेर्के

197. डिलिंगर ने हॉट रोल्ड प्लेट मिल प्लेट्स के 76 ग्रेडों के लिए अपवर्जन का अनुरोध किया है जो नौ उपश्रेणियों, अर्थात्, उच्च-क्षमता लाइन पाइप प्लेट, सार सर्विस प्रेशर वेसल प्लेट, उच्च-क्षमता लो अलाय प्रेशर वेसल प्लेट, उच्च-क्षमता थर्मोमेकेनिकली-रोल्ल्ड प्रेशर वेसल प्लेट, उच्च तापमान अनुप्रयोग के लिए प्रेशर वेसल प्लेट, कम तापमान अनुप्रयोग के लिए प्रेशर वेसल प्लेट (क्रायोजेनिक), घर्षण प्रतिरोधी स्टील प्लेट, उच्च-क्षमता फाईन ग्रेड संरचनात्मक स्टील प्लेट, ऑफशोर फाईन ग्रेड संरचनात्मक स्टील प्लेट, लाइन पाइप प्लेट के अंतर्गत आते हैं। डिलिंगर ने प्रस्तुत किया है कि जिन प्लेटों को वे बाहर रखना चाहते हैं, उनका उपयोग तेल और गैस पाइपलाइनों के उत्पादन के लिए लाइन पाइप बनाने में, उच्च क्षमता वाले महीन दाने वाले संरचनात्मक स्टील में, पुलों जैसे कठिन संरचनाओं के विनिर्माण में, भारी मशीनरी जैसे कि मिट्टी हटाने वाले और खनन उपकरण और दबाव पोत स्टील के विनिर्माण में, तेल और गैस, रासायनिक या दवा उद्योगों के लिए उपकरणों के विनिर्माण में, जैसे कि रिएक्टर, हीट एक्सचेंजर्स, बॉयलर या दबाव वाले टैंक, जो अक्सर खट्टी गैस प्रतिरोधी होते हैं, के विनिर्माण में किया जाता है।
198. डिलिंगर ने कहा कि घरेलू उद्योग स्टील के उन विशिष्ट ग्रेड का उत्पादन नहीं करता है, जिसके लिए उन्होंने अपवर्जन की मांग की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। घरेलू उद्योग ने हॉट रोल्ड प्लेट मिल प्लेट्स और एपीआई प्रमाणित स्टील को कवर करने वाले विभिन्न इन्वॉइस प्रदान किए हैं जिनका उपयोग विनिर्माण, भारी मशीनरी, दबाव वाहिकाओं आदि जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों में किया जाता है, जो 76 ग्रेड/प्रकारों के साथ प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी हैं जिनके लिए डिलिंगर ने अपवर्जन की मांग की है। इसलिए, प्राधिकारी, एक्टिएन-गेसेलशाफ्ट डेर डिलिंगर हटनवेर्के द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ है।

छछ. इस्जेक हिताची ज़ोसेन लिमिटेड.

199. क्लैड प्लेट के 9 ग्रेडों के लिए अपवर्जन का अनुरोध इस आधार पर किया है कि यह ग्रेड भारत में निर्मित नहीं है और भारतीय उत्पादक इंजीनियरिंग कंपनियों और विदेशी लाइसेंसदाताओं द्वारा निर्धारित विनिर्देशों को पूरा करने में असमर्थ हैं।
200. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। प्राधिकारी आगे नोट करते कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर पीयूसी के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने का आधार नहीं हो सकता है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक अनुमोदन की कमी (जहां आपूर्तिकर्ताओं को परियोजना मालिकों द्वारा नामित किया जाता है) भी पीयूसी के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने का वैध आधार नहीं है क्योंकि इसका दुरुपयोग होने की संभावना है क्योंकि संबंधित ग्राहक के पास घरेलू उद्योग के उत्पादों को मंजूरी देने से इनकार करने की क्षमता होगी जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ऐसे उत्पाद व्यापार उपचार उपायों को आकर्षित नहीं करते हैं।
201. घरेलू उद्योग ने हॉट रोल्ड प्लेट्स की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करने वाले विभिन्न इन्वॉइस प्रदान किए हैं जो इंजीनियरिंग कंपनियों जैसे [***], आदि को बेचे गए थे। इसलिए, प्राधिकारी, इस्जीईसी हिताची द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

जज. अशोक लेलैंड लिमिटेड

202. हितबद्ध पक्षकार ने एल्युमीनियम-सिलिकॉन कोटेड, घिसाव प्रतिरोधी इस्पात और कोल्ड रोलड गैल्वे एनील्ड इस्पात की श्रेणी के अंतर्गत आने वाले 4 ग्रेडों/प्रकारों को इस आधार पर बाहर रखने का अनुरोध किया है कि इन ग्रेडों का उत्पादन भारत में नहीं होता है या घरेलू उद्योग के पास भारत में मांग को पूरा करने की क्षमता नहीं है।
203. जैसा कि पहले दर्शाया गया है कि एल्युमीनियम-सिलिका कोटेड स्टील को पीयूसी के दायरे से बाहर रखा जाना स्वीकार कर लिया गया है। शेष ग्रेड के लिए, प्राधिकारी का विचार है कि कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कि घरेलू उद्योग ने अशोक लेलैंड सहित कई पक्षकारों को बेचे गए वियर-रेसिस्टेंट स्टील और गैल्वेनील्ड स्टील को कवर करने वाले विभिन्न इन्वॉइस प्रदान किए हैं, जिनका उन ग्रेड के साथ सामान्य और ओवरलैपिंग अंतिम उपयोग है जिनके लिए अशोक लेलैंड ने अपवर्जन की मांग की है। इसलिए, प्राधिकारी, हितबद्ध पक्षकार के अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

जज. डेमलर इंडिया कमर्शियल व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड

204. हितबद्ध पक्षकार ने एल्युमिनाइज्ड स्टील या एल्युमिनियम कोटेड स्टील के लिए अपवर्जन का अनुरोध किया है। इसे पहले पैरा में किए गए उल्लेख के अनुसार स्वीकार कर लिया गया है।

जज. एक्सेडी इंडिया लिमिटेड

205. हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू उत्पादकों के पास प्रौद्योगिकी उपलब्ध न होने के कारण ऑटोमोटिव क्षेत्र में उपयोग होने वाले सी70-हाई कार्बन कोल्ड रोलड स्टील और एससीएम 435-हाई कार्बन कोल्ड रोलड स्टील को बाहर रखने का अनुरोध किया है।
206. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने उन वस्तुओं की बिक्री के लिए इन्वॉइस प्रदान किए हैं जो सीधे सी 70 और एससीएम435 ग्रेड के साथ प्रतिस्पर्धी हैं, जिनके लिए एक्सेडी ने अपवर्जन की मांग की है। यह कहा जा सकता है कि घरेलू उद्योग ऐसे उत्पादों की आपूर्ति करता है जिनका ऑटोमोटिव अनुप्रयोग के लिए आयातित उत्पादों के साथ ओवरलैपिंग उपयोग होता है। इसलिए, प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकार के अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

टट. केजी डोंगबू स्टील, एवीज़ा टेक्नोलॉजीज, जेआर एंड कंपनी, मैक्सग्लोबल टेक्नो सिस्टम्स, न्यूकोर ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड, प्रेस्टोमैक फिनिशर्स, ताइन स्टील फैब एंड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड और एम एंड बी इंजीनियरिंग

207. हितबद्ध पक्षकारों ने आईएस 15965, आईएस 14246, आईएस 15961 और आईएस 513 मानकों के अंतर्गत आने वाले प्री-पैटेड स्टील के 2 ग्रेड/प्रकार और गैल्वनाइज्ड स्टील के 3 ग्रेड/प्रकार को बाहर रखने का अनुरोध इस आधार पर किया है कि घरेलू उद्योग के पास इन ग्रेडों को पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति करने की क्षमता का अभाव है।
208. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन हितबद्ध पक्षकारों ने स्वीकार किया है कि घरेलू उत्पादक उन 5 ग्रेड/प्रकार के इस्पात का उत्पादन करने में सक्षम हैं, जिनके लिए उन्होंने अपवर्जन की मांग की है। हितबद्ध पक्षकार की चिंता यह है कि घरेलू उत्पादक ग्रेड/प्रकार की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति करने में सक्षम नहीं हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। प्राधिकारी ने निर्धारित किया है कि यह जांच करना पर्याप्त होगा कि क्या घरेलू उद्योग "समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी वस्तुओं" का उत्पादन कर रहा है।

209. घरेलू उद्योग ने IS 513 और IS 15961 के अंतर्गत आने वाले स्टील के विभिन्न इन्वॉइस उपलब्ध कराए हैं। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने IS 15965 और IS 14246 के अंतर्गत आने वाली प्री-पैटेड गैल्वेनाइज्ड शीट्स और गैल्वेनाइज्ड शीट्स की बिक्री को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न इन्वॉइस उपलब्ध कराए हैं, जो हितबद्ध पक्षकारों द्वारा पहचाने गए 5 ग्रेड/प्रकारों के समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी वस्तुएं हैं। इसलिए, प्राधिकारी केजी डोंगबू स्टील द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

ठठ. डोंगकुक सीएम, कोरिया और डोंगकुक स्टील इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

210. हितबद्ध पक्षकारों ने यह स्पष्टीकरण मांगा है कि क्या 'कोटेड-इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड स्टील' का अपवर्जन 'मेटालिक कोटेड इलेक्ट्रो-गैल्वेनाइज्ड स्टील' और 'कलर कोटेड इलेक्ट्रो-गैल्वेनाइज्ड स्टील' दोनों पर भी लागू होता है।
211. प्राधिकारी जानते हैं कि धातु लेपित इलेक्ट्रो-गैल्वेनाइज्ड स्टील को आरंभिक सूचना में दिए गए अपवर्जन के अंतर्गत कवर किया जाएगा, अर्थात्, " कोटेड - इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड स्टील "। प्राधिकारी यह भी जानते हैं कि कलर कोटेड इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड स्टील और कुछ नहीं बल्कि कलर कोटेड स्टील है। तदनुसार, प्राधिकारी कलर कोटेड इलेक्ट्रो-गैल्वेनाइज्ड स्टील के संबंध में डोंगकुक द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

डड. धातु और स्टेनलेस स्टील व्यापारी संघ

212. हितबद्ध पक्षकार ने कॉपर-प्लेटेड स्टील, कोबाल्ट-प्लेटेड स्टील, सिल्वर-प्लेटेड स्टील, आर्मेड-वेयर-रेसिस्टेंट स्टील, डाई स्टील, एल्युमिनाइज्ड स्टील, निकल-प्लेटेड स्टील, प्लास्टिक मोल्ड स्टील और पावर टूल स्टील को बाहर रखने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी नोट करता है कि निम्नलिखित 7 ग्रेड के स्टील, जिनके लिए हितबद्ध पक्ष ने बहिष्करण की मांग की है, घरेलू उद्योग द्वारा स्वीकृत बहिष्करणों के अंतर्गत आते हैं। निम्नलिखित ग्रेड को जाँच के दायरे से बाहर रखा गया है।

ताम्र-प्लेटेड स्टील

कोबाल्ट-प्लेटेड स्टील

चाँदी-प्लेटेड स्टील

डाई स्टील

एल्युमिनाइज्ड स्टील

निकल-प्लेटेड स्टील

प्लास्टिक मोल्ड स्टील और पावर टूल स्टील

213. जैसा कि ऊपर बताया गया है, कॉपर प्लेटेड, कोबाल्ट प्लेटेड, सिल्वर प्लेटेड, एल्युमीनियम कोटेड और निकेल कोटेड स्टील को पीयूसी के दायरे से बाहर रखने पर सहमति बन गई है। शेष ग्रेड/प्रकारों के संबंध में, हितबद्ध पक्षकार ने स्टील के उस ग्रेड का सटीक ग्रेड या अंतिम उपयोग विनिर्दिष्ट नहीं किया है जिसके लिए उसने अपवर्जन की मांग की है। हितबद्ध पक्षकार ने उन आधारों को भी स्पष्ट नहीं है जिनके लिए वह उक्त ग्रेड को बाहर रखने की मांग कर रहा है। प्राधिकारी ऐसे निराधार अनुरोध पर विचार करने में असमर्थ है।

ढढ. एनएलएमके क्लैबेक और एनएलएमके इंडिया सर्विस सेंटर प्राइवेट लिमिटेड

214. हितबद्ध पक्षकारों ने इस आधार पर इटली से आयातित उच्च उपज और घर्षण प्रतिरोधी स्टील प्लेटों के स्वामित्व ग्रेड को बाहर करने की मांग की है कि इन प्लेटों की कीमत घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई प्लेटों की तुलना में अधिक है।

215. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिन ग्रेड/प्रकारों के लिए हितबद्ध पक्षकारों ने अपवर्जन की मांग की है, वे किसी कंपनी द्वारा उत्पादित ग्रेड/प्रकार के स्वामित्व नाम हैं। स्वामित्व नाम कंपनी-विशिष्ट होते हैं और अन्य उत्पादकों द्वारा उनका उपयोग नहीं किया जा सकता। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी-विशिष्ट उत्पाद अपवर्जन प्रदान नहीं किया जा सकता। इसके अतिरिक्त, हितबद्ध पक्षकारों ने न तो संबंधित भारतीय मानक प्रदान किया है, न ही विशिष्ट उपयोग जिसके आधार पर प्राधिकारी अपवर्जन अनुरोध का मूल्यांकन कर सकता है।
216. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए।
217. घरेलू उद्योग ने घर्षण-प्रतिरोधी और उच्च-उपज प्लेट मिल प्लेटों को कवर करने वाले विभिन्न इन्वॉइस तैयार किए हैं, जो उन ग्रेडों के साथ प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी हैं जिनके लिए एनएलएमके ने अपवर्जन की मांग की है। इसलिए, एनएलएमके के अपवर्जन अनुरोध पर विचार करने का कोई आधार मौजूद नहीं है।

ण. स्टिच ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड

218. स्टिच ने ग्राहक अनुमोदन और गुणवत्ता से संबंधित चिंताओं का हवाला देते हुए मानक विनिर्देश - एएसटीएम ए 792 डीएस/डीक्यू | वाईएस250 | आईएस 15961:2012 के गैल्वेनाइज्ड शीट्स/कॉइल को बाहर करने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर पीयूसी के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने का आधार नहीं हो सकता है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक अनुमोदन की कमी भी पीयूसी के दायरे से किसी उत्पाद को बाहर करने की मांग करने का वैध आधार नहीं है क्योंकि इसका दुरुपयोग होने की संभावना है क्योंकि संबंधित ग्राहक के पास घरेलू उद्योग के उत्पादों को मंजूरी देने से इनकार करने की क्षमता होगी जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ऐसे उत्पाद व्यापार उपचार उपायों को आकर्षित नहीं करते हैं।
219. घरेलू उद्योग ने आईएस 15961 के तहत गैल्वेनाइज्ड गैल्वेनाइज्ड गैल्वेनाइज्ड शीट्स की बिक्री के कई इन्वॉइस उपलब्ध कराए हैं। इसलिए, प्राधिकारी स्टिच ओवरसीज द्वारा दायर अपवर्जन अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

तत. हेला इंडिया ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड

220. हितबद्ध पक्षकार ने ऑटोमोटिव क्षेत्र में हॉर्न उत्पादों में उपयोग होने वाले 'मेटालिक कोटेड स्टील कॉइल और शीट, चाहे वे प्रोफाइल हों या नहीं, गैल्वेनियल सहित, जिंक या एल्युमिनियम-जिंक या जिंक-एल्युमिनियम मैग्नीशियम कोटेड' को बाहर रखने का अनुरोध किया है। पक्षकार ने इस अपवर्जन का अनुरोध किया है क्योंकि घरेलू उद्योग को आवश्यक गुण प्राप्त करने में तकनीकी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।
221. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के तहत प्राधिकारी के लिए जांच करना अथवा आवेदक को सिद्ध करना आवश्यक नहीं है कि वह प्रत्येक ग्रेड को समान विनिर्देशों के साथ निर्मित करते हैं। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को स्टैंडअलोन आधार पर पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर किसी उत्पाद को पीयूसी के दायरे से बाहर करने का आधार नहीं हो सकता। प्राधिकारी ने निर्धारित किया है कि यह जांच करना पर्याप्त होगा कि क्या घरेलू उद्योग "समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी वस्तुओं" का उत्पादन कर रहा है।
222. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जिंक-एल्युमिनियम-मैग्नीशियम कोटेड की बिक्री के लिए बहुत से इनवॉइस उपलब्ध कराए हैं जिनके उत्पादों के साथ सामान्य अतिव्यापी प्रयोग हैं जिनके लिए हितबद्ध पक्षकारों ने बहिष्करण की मांग की है। इसलिए, से उत्पाद सीधे ही प्रतिस्पर्धी हैं। अतः, प्राधिकारी हेला इंडिया ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ है।

थथ. पॉलीहोज़ सातो-शोजी मेटल वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड

223. हितबद्ध पक्षकार ने गुणवत्ता, आपूर्ति और ग्राहक प्रमाणीकरण चिंताओं को स्थापित करते हुए जेएफई स्टील कॉरपोरेशन, जापान से आयात किए जा रहे वियर रेसिस्टेंट स्टील के बहिष्करण के लिए अनुरोध है, यह देखते हुए कि प्राधिकारी ने पहले ही ऊपर जेएफई के बहिष्करण संबंधी अनुरोध का मूल्यांकन किया है, पॉलीहोस सातो द्वारा दायर समान अनुरोध की पुनः जांच किए जाने की कोई जरूरत नहीं है।

दद. एनटीईसीके ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड

224. एनटीईसीके ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड ने अपने अनुरोध के लिए कोई कारण उपलब्ध कराए बिना, 5.90 मिमी और 6.00 मिमी मोटाई वाली शीलट के साथ एस35सी ग्रेड के लिए बहिष्करण का अनुरोध किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी के लिए जांच करने अथवा कानून के तहत यह प्रमाणित करने के लिए आवेदक की कोई जरूरत नहीं है कि वह समान विशिष्टताओं के साथ प्रत्येक ग्रेड का विनिर्माण करता है। इसी प्रकार, कानून के अंतर्गत इसकी जरूरत नहीं है कि आवेदक को पूरे देश की संपूर्ण मांग को और प्रत्येक व्यक्तिगत प्रयोक्ता की अकेले आधार पर मांग को पूरा करने में समर्थ होना चाहिए। आवेदक ने ऐसी वस्तुओं की बिक्रियों को प्रदर्शित करने के लिए इनवायस उपलब्ध कराए हैं जो एस 35 ग्रेड के साथ सीधे प्रतिस्पर्धी है जिसके लिए एनटीईसीके के बहिष्करण की मांग की है। इसलिए, प्राधिकारी एनटीईसीके द्वारा दायर बहिष्करण अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

धध. टोयोटा बोशोकू डिवाइस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

225. हितबद्ध पक्षकार ने हाई टेंसिल स्टील के 3 ग्रेड/प्रकारों के बहिष्करण के लिए यह कहते हुए अनुरोध किया है कि घरेलू उत्पादक विशिष्ट सहनशीलता के साथ स्टील का उत्पादन करने में असमर्थ हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी के लिए कानून के तहत यह जांच करने या आवेदक को यह साबित करने कोई जरूरत नहीं है कि यह समान ग्रेड को समान विशिष्टताओं के प्रत्येक ग्रेड का विनिर्माण करता है। घरेलू उद्योग ने विभिन्न टेंसिल ताकत के साथ कॉयल्स की बिक्रियों का प्रदर्शन करने वाले बहुत से इनवायस उपलब्ध कराई है। इसलिए, प्राधिकारी ऑटोमोटिव आवेदन में प्रयुक्त ग्रेडों से संबंधित टोयोटा द्वारा बहिष्करण अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ हैं।

नन. ऋद्धि सिद्धि स्पेशल स्टील प्राइवेट लिमिटेड

226. हितबद्ध पक्षकार ने आईएस 3748 के तहत शामिल टूल और डाई स्टील के लिए बहिष्कार अनुरोध किया है, जिसका भारतीय उत्पादकों के लिए सीमित उत्पादन और आपूर्ति क्षमता के आधार पर डाई निर्माण, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, ऑटोमोटिव, रक्षा आदि जैसे क्षेत्रों में प्रयोग किया जाता है।
227. हितबद्ध पक्षकार ने विशेष रूप से किसी खास ग्रेड की पहचान नहीं की है जिसके लिए इसने बहिष्करण की मांग की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी के लिए कानून तहत इस बात को साबित करने की कोई आवश्यकता नहीं है कि वह समान विशिष्टताओं के साथ प्रत्येक ग्रेड का विनिर्माण करता है। इसी प्रकार, कानून के तहत इस बात की कोई जरूरत नहीं है कि आवेदक पूरे देश की और स्टैंडअलोन आधार पर प्रत्येक व्यक्तिगत प्रयोक्ता की संपूर्ण मांग को पूरा करने में सक्षम हो सके। घरेलू उद्योग ने घिसाव प्रतिरोधी स्टील को शामिल कर बहुत से इनवायस उपलब्ध कराए हैं कि जिन्होंने स्टील के साथ आवेदनों को आच्छादित कर दिया है जिसके लिए रिद्धी सिद्धी ने बहिष्करण की मांग की है। इसलिए, प्राधिकारी रिद्धी सिद्धी स्पेशल स्टील प्रा. लिमि. द्वारा दायर बहिष्करण अनुरोधों को स्वीकार करने में असमर्थ है।

पप. संसेरा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड

228. हितबद्ध पक्षकार ने भारत में मालिकाना ग्रेड और विशेषज्ञता प्राप्त फोर्जिंग और मशीनिंग संघटकों में प्रयोग करने वाले ग्राहक अनिवार्य स्रोत की अनुपलब्धता को कारण बताते हुए पी.यू.सी के 8 ग्रेडों/प्रकारों के लिए अनुरोध किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ग्रेड जिनके लिए संसेरा ने बहिष्करण की मांग की है, वे एचएस 7228 के अंतर्गत आता है, जो पहले से ही जांच के दायरे से बाहर है। इसलिए, संसेरा के बहिष्करण अनुरोध पर विचार करने की कोई जरूरत नहीं है।

फफ. शेफलर इंडिया लिमिटेड

229. हितबद्ध पक्षकार ने गुणवत्ता और आपूर्ति संबंधी चिंताओं को स्थापित करते हुए ऑटोमोटिव उद्योग में प्रयुक्त होने वाले विचाराधीन उत्पाद के 4 ग्रेडों/प्रकारों के बहिष्करण का अनुरोध किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर विचाराधीन उत्पाद के दायरे से उत्पाद के बहिष्करण का आधार नहीं हो सकता। इसी प्रकार, कानून के तहत इस बात की कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश की संपूर्ण मांग और स्टैंडअलोन आधार पर प्रत्येक व्यक्तिगत प्रयोक्ता की मांग पूरा करने में समर्थ होना चाहिए।
230. प्राधिकारी नोट करते हैं प्राधिकारी के लिए कानून के अंतर्गत यह जांच करने अथवा यह साबित करने की आवेदक को कोई जरूरत नहीं है कि वह समान विशेषताओं के साथ प्रत्येक ग्रेड का विनिर्माण करते हैं। इसी प्रकार, कानून के तहत इसकी कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश की संपूर्ण मांग को पूरा करने और स्टैंडअलोन आधार पर प्रत्येक व्यक्तिगत प्रयोक्ता की मांग को पूरा करने में समर्थ होना चाहिए।
231. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने ग्रेड की आपूर्ति को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न इनवॉयस उपलब्ध कराए हैं जिन्होंने 4 ग्रेडों/प्रकारों के साथ आवेदन को आच्छादित किया है जिसके लिए शेफलर ने बहिष्करण की मांग की है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने ऑटोमोटिव क्षेत्र को बिक्रियों से संबंधित बहुत से इनवॉयस उपलब्ध कराए हैं। यह कहा जा सकता है कि घरेलू उद्योग ऐसे उत्पादों की आपूर्ति करता है जिन्होंने ऑटोमोटिव अनुप्रयोग के लिए आयातित उत्पादों के प्रयोग को आच्छादित किया है। इसलिए, प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकार के बहिष्करण अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ हैं।

बब. तरुण इंटरनेशनल लिमिटेड

232. हितबद्ध पक्षकार ने गुणवत्ता और आपूर्ति संबंधी चिंताओं को प्रस्तुत करते हुए हाई कार्बन हॉट रोल्ड कॉइल के 7 ग्रेड/प्रकारों के लिए बहिष्करण अनुरोध किया है। प्राधिकारी का मत है कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर विचाराधीन उत्पाद के दायरे से किसी उत्पाद के बहिष्करण का आधार नहीं हो सकता। इसी तरह, कानून के तहत इस बात की कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश की संपूर्ण मांग और स्टैंडअलोन आधार पर प्रत्येक व्यक्तिगत प्रयोक्ता की मांग को पूरा करने में सक्षम होना चाहिए।
233. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने विभिन्न क्षेत्रों को बिक्री से संबंधित विभिन्न इनवॉयस उपलब्ध कराए हैं। यह कहा जा सकता है कि घरेलू उद्योग ऐसे उत्पादों की आपूर्ति करता है जिन्होंने ग्रेडों के साथ प्रयोग को आच्छादित कर लिया है, जिसके लिए बहिष्करण की मांग की गई है। इसलिए, प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकार के बहिष्करण अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।
234. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने विभिन्न क्षेत्रों को बिक्री से संबंधित कई बीजक प्रदान किए हैं। यह कहा जा सकता है कि घरेलू उद्योग ऐसे उत्पादों की आपूर्ति करता है जिनका उपयोग उन ग्रेडों के साथ ओवरलैपिंग होता है जिनके लिए बहिष्कार की मांग की गई है। अतः, प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकार के बाहर करने के अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

भभ. टीटी स्टील सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

235. टीटी स्टील सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने "कोल्ड रोल्ड हाई टेंसिल स्टील, हॉट रोल्ड हाई टेंसिल और हॉट डिप गैल्वेनाइज्ड स्टील" के बहिष्करण के लिए अनुरोध किया। टीटी स्टील ने उस उत्पाद की सटीक विशिष्टताएं उपलब्ध नहीं कराई है जिसके लिए इसने बहिष्करण की मांग की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह साबित करने की आवेदक को या प्राधिकारी को यह जांच करने की कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि वह सभी ग्रेडों का समान विशिष्टताओं के साथ विनिर्माण करता है। इसी प्रकार, कानून के तहत इस बात की कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक को देश की संपूर्ण मांग को और स्टैंडअलोन आधार पर प्रत्येक व्यक्तिगत प्रयोक्ता की मांग को पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि विशिष्ट उत्पाद विशेषताएं ग्राहक द्वारा संचालित होती हैं और अलग-अलग लचीली ताकत वाली वस्तुएं एक दूसरे के साथ सीधे प्रतिस्पर्धी होती हैं। आवेदक विभिन्न लचीली शक्ति के साथ स्टील के विभिन्न इनवॉयस का उत्पादन करता है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने गैल्वेनाइज्ड स्टील के लिए विभिन्न इनवॉयस उपलब्ध कराए हैं। इसलिए, प्राधिकारी ऑटोमोटिव अनुप्रयोग में प्रयुक्त ग्रेडों से संबंधित एचएससी द्वारा दायर बहिष्करण अनुरोधों को स्वीकार करने में अक्षम हैं।

मम. टाटा स्टील डाउनस्ट्रीम प्रोडक्ट्स लिमिटेड

236. टाटा स्टील डाउनस्ट्रीम प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने ग्रेड 1ई1839 और 1ई4187 के हॉट रोल्ड स्टील प्लेट्स (हीट ट्रीटेड अब्रेशन रेसिस्टेंट स्टील प्लेट्स) के लिए बहिष्करण के लिए मांग की थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकार ने कोई विशिष्ट ग्रेड, उत्पाद पहचान, तकनीकी विशिष्टता अथवा बहिष्करण के लिए कोई आधार प्रदान नहीं कराया था। इसलिए, प्राधिकारी टाटा स्टील डाउनस्ट्रीम प्रोडक्ट्स लिमिटेड के बहिष्करण अनुरोध का मूल्यांकन करने में असमर्थ है।

यय. ट्यूब इन्वेस्टमेंट ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीआईआई)

237. ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड ने ग्रेड जेएसएच590आरएन-पी की 146+/- 0.5 मिमी X 9 +/- 0.35 मिमी मोटाई वाली स्टील शीटों को बाहर करने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी नोट करता है कि हितबद्ध पक्ष ने कोई तकनीकी विनिर्देश या बहिष्करण के लिए आधार प्रदान नहीं किए हैं। प्राधिकारी नोट करता है कि प्राधिकारी के लिए या आवेदक के लिए यह साबित करने के लिए कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि वह समान विनिर्देशों के साथ प्रत्येक ग्रेड का निर्माण करता है। इसी तरह, कानून के तहत कोई आवश्यकता नहीं है कि आवेदक देश और प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की संपूर्ण मांग को एकल आधार पर पूरा करने में सक्षम हो। घरेलू उद्योग ने ट्यूब्स इन्वेस्टमेंट इंडिया लिमिटेड को बिक्री को प्रदर्शित करने वाले चालान प्रदान किए हैं। इसलिए, प्राधिकारी टीआईआई द्वारा दायर बहिष्करण अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

ककक. वेलमुरुगन हैवी इंजीनियरिंग इंडस. प्रा. लिमिटेड

238. वेलमुरुगन हैवी इंजीनियरिंग इंडस. प्रा. लिमिटेड ने एचआर प्लेट स्टील (एस355जे2, एनएल, जेड25, आदि.) के लिए बहिष्करण का अनुरोध किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकार ने बहिष्करण के लिए कोई तकनीकी विशिष्टता अथवा आधार उपलब्ध नहीं कराया है। प्राधिकारी ने नमूना आधार घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए इनवॉयस की जांच की है और वे संतुष्ट हैं कि घरेलू उद्योग ने ऐसे उत्पादों की आपूर्ति की है जो उक्त ग्रेडों के समान हैं अथवा उनसे सीधे प्रतिस्पर्धी हैं।
239. हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू रूप से उत्पादित वस्तुओं में गुणवत्ता की कमी और ग्राहक प्रमाणीकरण की कमी का कारण बताते हुए विचाराधीन उत्पाद के दायरे से उत्पादों को बाहर करने के लिए भी अनुरोध किए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के अंतर्गत प्राधिकारी को यह जांच करने या आवेदक को यह प्रमाणित करने की कोई आवश्यकता नहीं है कि वह समान विशिष्टताओं के साथ प्रत्येक ग्रेड का विनिर्माण करते हैं। इसी प्रकार कानून के तहत इस बात की कोई जरूरत नहीं है कि आवेदक को देश की संपूर्ण मांग को और स्टैंडअलोन आधार पर प्रत्येक व्यक्तिगत प्रयोक्ता की मांग को पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि उत्पादों की गुणवत्ता में अंतर विचाराधीन उत्पाद के दायरे से किसी उत्पाद के बहिष्करण के लिए आधार नहीं हो सकता। इसके अतिरिक्त, ग्राहक प्रमाणीकरण की कमी भी विचाराधीन उत्पाद के दायरे से किसी उत्पाद के बहिष्करण की मांग करने के लिए कोई वैध आधार नहीं है क्योंकि इसका दुरुपयोग होने की संभावना है क्योंकि संबंधित ग्राहक के पास घरेलू उद्योग के उत्पादों के प्रमाणीकरण को खारिज करने की क्षमता हो सकती है जिसके द्वारा वे यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि ऐसे उत्पाद व्यापार उपचार उपायों को आकर्षित नहीं करते। घरेलू उद्योग ने एचआर प्लेट्स की विस्तृत श्रृंखला को शामिल करते हुए विभिन्न इनवॉयस का उत्पादन किया है जो ऐसे ग्रेडों के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा में हैं जिनके लिए वेलमुरुगन ने बहिष्करण की मांग की है। इसलिए, प्राधिकारी वेलमुरुगन द्वारा दायर बहिष्करण अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ है।

खखख. ऑल इंडिया मेटल

240. ऑल इंडिया मेटल ने अल्यूमीनियम कोटिड और अल्यूमीनियम सिलीकॉन कोटिड स्टील के बहिष्करण के लिए अनुरोध किया है। स्टील के इन ग्रेडों के बहिष्करण को स्वीकार कर लिया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित 2 स्टील ग्रेड के बहिष्करण, जिनके लिए ऑल इंडिया मेटल ने बहिष्करण की मांग की है, घरेलू उद्योग द्वारा स्वीकार किए गए बहिष्करणों के अंतर्गत आते हैं। निम्नलिखित ग्रेड को जाँच के दायरे से बाहर रखा गया है-

एचएसएन 72106900 के अंतर्गत हॉट डिप्ड एल्युमिनाइज्ड स्टील (89%-95% एल्युमीनियम, 5%-11% सिलिकॉन)

एचएस कोड 72269990, 72125090, 72109090 के अंतर्गत निकल प्लेटेड स्टील और कॉपर प्लेटेड स्टील, जिनका उपयोग इलेक्ट्रॉनिक और ईवी बैटरी में किया जाता है।

गगग. महिन्द्रा डिफेंस सिस्टम्स लिमिटेड

241. महिन्द्रा डिफेंस ने एसएसएबी द्वारा आपूर्ति किए गए स्टील के ग्रेडों के बहिष्करण की मांग की है। चूंकि, प्राधिकारी ने ऊपर एसएसएबी द्वारा दायर बहिष्करण अनुरोध का मूल्यांकन किया है, महिन्द्रा डिफेंस सिस्टम्स द्वारा दायर समान अनुरोध की पुनः जांच करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

घघघ. यूनो मिंडा लिमिटेड

242. यूनो मिंडा ने ऑटोमोटिव हॉर्न के लिए दो विशिष्ट ग्रेड के लेपित स्टील को बाहर करने का अनुरोध किया है, जिन पर क्रोमियम, मोलिब्डेनम, निकल, एल्युमीनियम, टाइटेनियम और नियोबियम की कोटिंग होती है। प्राधिकारी ने निकल, एल्युमीनियम के कुछ ग्रेड और टाइटेनियम लेपित स्टील को बाहर करने के निर्णय को स्वीकार कर लिया है। यूनो मिंडा जिन ग्रेड के लिए बाहर करने का दावा करता है और जो इन श्रेणियों में आते हैं, उन्हें बाहर कर दिया गया है।

निष्कर्ष

243. उपरोक्त टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया विचाराधीन उत्पाद का सीमा क्षेत्र निम्नानुसार है:

वर्तमान जांच के लिए विचाराधीन उत्पाद "गैर-मिश्र धातु और मिश्र धातु स्टील फ्लैट उत्पाद", ("पीयूसी") है, अर्थात् (ए) हॉट रोल्ड ("एचआर") कॉइल, शीट और प्लेटें, (बी) एचआर प्लेट मिल प्लेट्स ("पीएमपी"), (सी) कोल्ड रोल्ड ("सीआर") कॉइल और शीट, (डी) धातु लेपित स्टील कॉइल और शीट, चाहे प्रोफाइल किए गए हों या नहीं, गैल्वेनियल सहित, जिंक या एल्युमीनियम-जस्ता या जिंक-एल्युमीनियम-मैग्नीशियम ("लेपित") के साथ लेपित, और (ई) रंग लेपित कॉइल और शीट, चाहे प्रोफाइल किए गए हों या नहीं ("सीसी")। पीयूसी सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 72 के तहत टैरिफ शीर्षक 7208, 7209, 7210, 7211, 7212, 7225 और 7226 के तहत वर्गीकृत है।

विचाराधीन उत्पाद के दायरे में निम्नलिखित उत्पाद शामिल नहीं हैं:

- क). कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड इलेक्ट्रिकल स्टील (सीआरजीओ)
- ख). कोल्ड रोल्ड नॉन-ओरिएंटेड इलेक्ट्रिकल स्टील (सीआरएनओ) कॉइल एंड शीट्स
- ग). कोटिड - इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड स्टील
- घ). टिनप्लेट्स
- ङ). स्टेनलेस स्टील
- च). निकेल कोटिड/निकेल प्लेटिड कोल्ड रोल्ड स्टील;
- छ). रबर कोटिड स्टील;
- ज). इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड (ईजी) - जिंक निकेल कोटिड स्टील;
- झ). बाई-मेटल स्टील / बाई-मेटल सैंडविच स्टील;
- ञ). ब्रास कोटिड स्टील वायर (वायर लंबे स्टील उत्पादों का हिस्सा है, जो जांच शुरुआत के नोटिस में शामिल ही नहीं हैं);
- ट). क्यूटोनाइट;

ठ). इनकोनेल;

ड). स्टेनलेस स्टील मर्दे (जो जांच शुरुआत के नोटिस में शामिल ही नहीं हैं);

ढ). अल्युमिनियम कोटीड स्टील;

ण). अल्युमिनियम सिलिकॉन कोटेड/हॉट डिप्ड अल्युमिनाइज्ड सिलिकॉन कोटीड स्टील;

त). हॉट रोलड क्लैड स्टील प्लेट;

थ). निकल प्लेटेड स्टील / निकल प्लेटेड स्ट्रिप;

द). कॉपर प्लेटेड स्टील;

ध). लैमिनेटेड इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड (ईजीआई);

न). कोबाल्ट प्लेटिड स्टील;

न). सिल्वर प्लेटिड स्टील;

प). टाइटेनियम क्लैड प्लेट्स;

244. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने इस्पात के विभिन्न स्वामित्व ग्रेडों को शामिल करते हुए अपवर्जन अनुरोध दायर किए हैं। जैसा कि प्राधिकारी की उपरोक्त जाँच के प्रासंगिक अंशों में उल्लेख किया गया है, स्वामित्व ग्रेडों से संबंधित अपवर्जन अनुरोध अस्वीकार्य हैं क्योंकि वे एक विशिष्ट कंपनी से संबंधित हैं। इसलिए, उपर्युक्त 22 ग्रेडों के अंतर्गत आने वाले स्वामित्व ग्रेडों के आयातों को रक्षोपाय शुल्क के अनुप्रयोग से छूट प्राप्त होगी।
245. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने प्रस्तुत किया कि घरेलू उद्योग 50 पंक्ति मर्दों के अपवर्जन पर सहमत हुआ था, जबकि प्राधिकारी द्वारा जारी अंतिम जांच परिणामों में केवल 22 ग्रेडों को ही अपवर्जन किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिन 50 पंक्ति प्रविष्टियों के लिए घरेलू उद्योग अपवर्जन पर सहमत हुआ है, उनमें कई पुनरावृत्तियाँ थीं।
246. आयातित वस्तुओं और आवेदक कंपनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। आवेदक कंपनियों द्वारा उत्पादित वस्तुएं और आयातित वस्तुएं प्रत्यक्ष विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य और प्रयोगों, उत्पाद विशिष्टताओं, वितरण और विपणन और टैरिफ वर्गीकरणों के संदर्भ में तुलनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं आयातित उत्पादों के साथ तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से भी प्रतिस्थापनीय हैं। प्राधिकारी निर्णय देते हैं कि आवेदक कंपनियों और आयातित उत्पादों द्वारा विनिर्मित उत्पाद "समान अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी वस्तुएं" हैं।

ड. घरेलू उद्योग और स्थिति

247. सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 8ख की उप धारा (11) के खंड (ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है (इसके बाद इसे "डीआई" के रूप में उल्लेख किया गया है:

(ख) "घरेलू उद्योग" से तात्पर्य ऐसे उत्पादकों से है -

i. भारत में समान वस्तु या प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तु का सम्पूर्ण उत्पादन; अथवा

ii. भारत में समान वस्तु या प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तु का, जिसका सामूहिक उत्पादन भारत में उक्त वस्तु के कुल उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है।

248. याचिका को सात घरेलू उत्पादकों की ओर से आईएसए द्वारा दायर किया गया है अर्थात् क) एएमएनएस खोपोली लिमिटेड; ख) आर्सिलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया लिमिटेड; ग) जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड; घ)

जेएसडब्ल्यू स्टील कोटिड प्रोडक्ट्स लिमिटेड; ड) जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड; च) भूषण स्टील एंड पावर लिमिटेड; और छ) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड। इसके अतिरिक्त, विचाराधीन उत्पाद की सभी पांच श्रेणों अथवा विचाराधीन उत्पाद की पांचों श्रेणियों के एक या अधिक श्रेणियों को उत्पादित करने वाले भारत में विभिन्न अन्य उत्पादक हैं। याचिकाकर्ताओं ने निम्न से संबंधित सूचना के लिए इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) द्वारा प्रकाशित वार्षिक सांख्यिकी प्रस्तुत की है (क) राज्यवार विवरण के साथ भारत में यूनिटों की कुल संख्या जो विचाराधीन उत्पाद की विभिन्न श्रेणियों के उत्पादन में शामिल हैं, (ख) कुल वार्षिक उत्पादन और (ग) भारत में कुल मांग। प्राधिकारी अवलोकन करते हैं कि जेपीसी डेटा एचआर कॉयल्स और शीटें तथा एचआर प्लेट मिल प्लेट्स के लिए पृथक् रूप से आंकड़े उपलब्ध नहीं कराता। यह चार समूहों अर्थात् (क) एचआर फ्लैट उत्पाद जिसमें दोनों एचआर कॉयल्स और शीटें तथा एचआर प्लेट मिल प्लेट्स शामिल हैं; (ख) सीआर कॉयल्स और शीटें (ग) मैटालिक कोटिड स्टील और (घ) कलर कोटिड स्टील के लिए सूचना उपलब्ध कराता है। इसलिए, घरेलू उद्योग की स्थिति का निर्धारण करने तथा कुल मांग और बाजार हिस्से पर विचार करने के लिए सूचना को चार श्रेणियों में बांटा गया है।

249. जेपीसी वार्षिक सांख्यिकी के आधार पर, सात याचिकाकर्ता कंपनियां सामूहिक रूप से एचआर फ्लैट उत्पादों में कुल उत्पाद के ***% सीआर कॉयल्स और शीटों के मामले में ***% , मैटालिक कोटिड स्टील के मामले में ***% और कलर कोटिड स्टील के मामले में ***% के लिए जिम्मेदार है, जैसा कि नीचे दी गई सारणियों से देखा जा सकता है/-

हॉट रोल्ड फ्लैट उत्पाद

विवरण	इकाई	वि.वर्ष 2021-22	वि.वर्ष 2022- 23	वि.वर्ष 2023- 24	जांच की अवधि 1 अक्तूबर 23 से 30 सितंबर 24
उत्पादन-घरेलू उद्योग	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	109	117	115
उत्पादन-अन्य उत्पादक	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	102	113	117
कुल घरेलू उत्पादन (जेपीसीएस के अनुसार)	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	106	116	116
कुल घरेलू उत्पादन में डी.आई का हिस्सा	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	103	102	100

सी.आर.कॉयल्स एवं शीट्स

विवरण	इकाई	वि.वर्ष 2021-22	वि.वर्ष 2022-23	वि.वर्ष 2023-24	जांच की अवधि 1 अक्तूबर 23 से 30 सितंबर 24
उत्पादन-घरेलू उद्योग	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	104	111	114
उत्पादन-अन्य उत्पादक	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	87	106	103

सी.आर.कॉयल्स एवं शीट्स

विवरण	इकाई	वि.वर्ष 2021-22	वि.वर्ष 2022-23	वि.वर्ष 2023-24	जांच की अवधि 1 अक्टूबर 23 से 30 सितंबर 24
कुल घरेलू उत्पादन (जेपीसीएएस के अनुसार)	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	95	109	109
कुल घरेलू उत्पादन में डी.आई का हिस्सा	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	110	102	106

मेटालिक कोटिड स्टील

विवरण	इकाई	वि.वर्ष 2021-22	वि.वर्ष 2022- 23	वि.वर्ष 2023-24	जांच की अवधि 1 अक्टूबर 23 से 30 सितंबर 24
उत्पादन-घरेलू उद्योग	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	105	116	119
उत्पादन-अन्य उत्पादक	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	101	128	119
कुल घरेलू उत्पादन (जेपीसीएएस के अनुसार)	'000 एमटी	8,126	8,474	9,692	9,692
	प्रवृत्ति	100	104	119	119
कुल घरेलू उत्पादन में डी.आई का हिस्सा	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	101	97	100

कलर कोटिड स्टील

विवरण	इकाई	वि.वर्ष 2021-22	वि.वर्ष 2022- 23	वि.वर्ष 2023-24	जांच की अवधि 1 अक्टूबर 23 से 30 सितंबर 24
उत्पादन-घरेलू उद्योग	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	108	117	113
उत्पादन-अन्य उत्पादक	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	92	133	148
कुल घरेलू उत्पादन (जेपीसीएएस के अनुसार)	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	105	121	121

मेटालिक कोटिड स्टील

विवरण	इकाई	वि.वर्ष 2021-22	वि.वर्ष 2022- 23	वि.वर्ष 2023-24	जांच की अवधि 1 अक्तूबर 23 से 30 सितंबर 24
कुल घरेलू उत्पादन में डी.आई का हिस्सा	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	103	97	94

पीयूसी समग्र रूप में

विवरण	इकाई	वि.वर्ष 2021-22	वि.वर्ष 2022- 23	वि.वर्ष 2023-24	जांच की अवधि 1 अक्तूबर 23 से 30 सितंबर 24
उत्पादन-घरेलू उद्योग	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100%	93%	86%	87%
उत्पादन-अन्य उत्पादक	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100%	103%	89%	88%
कुल घरेलू उत्पादन (जेपीसीएस के अनुसार)	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100%	97%	87%	87%
कुल घरेलू उत्पादन में डी.आई का हिस्सा	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100%	95%	98%	98%

250. आवेदक कंपनियों में से एक अर्थात् एएमएनएस इंडिया लिमिटेड ने विचाराधीन उत्पाद का *** मी.ट. आयात किया है जो विचाराधीन उत्पादन का ***% ठहरता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातित मात्रा का कैप्टिव रूप से प्रयोग किया गया है और यह कि वे विचाराधीन उत्पाद के लगातार प्रमुख उत्पादन बने रहेंगे।
251. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने निवेदन किया कि एएमएनएस इंडिया लिमिटेड और एएमएनएस खोपोली को घरेलू उद्योग से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने जांच की अवधि के दौरान विषयगत वस्तुओं का आयात किया है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने एएमएनएस द्वारा दायर उपयोगकर्ता उद्योग प्रश्नावली के उत्तर पर भी प्रकाश डाला है, जिसमें एएमएनएस ने घरेलू उद्योग की उक्त ग्रेडों के विनिर्माण में कथित अक्षमता का हवाला देते हुए, 13 ग्रेड के इस्पात को बाहर रखने का अनुरोध किया था। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी निवेदन किया है कि हितों का टकराव है क्योंकि एएमएनएस, जो कि घरेलू उद्योग है, ने अपने द्वारा आयातित इस्पात के कुछ ग्रेडों को बाहर रखने की मांग की है।
252. एएमएनएस इंडिया लिमिटेड और एएमएनएस खोपोली ने उपयोगकर्ता उद्योग प्रश्नावली के उत्तर दायर किए थे। इसके बाद, एएमएनएस इंडिया लिमिटेड और एएमएनएस खोपोली ने घरेलू उद्योग का हिस्सा बने रहने की अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए पत्र दायर किए। घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से एएमएनएस इंडिया लिमिटेड और एएमएनएस खोपोली द्वारा दायर उक्त पत्रों पर ध्यान देने का अनुरोध किया।

253. घरेलू उद्योग ने आगे कहा कि पाटनरोधी नियमों के विपरीत, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 8ए(11)(बी) में ऐसे प्रावधान नहीं हैं जो यह निर्धारित करते हों कि संबद्ध वस्तुओं का आयात करने वाला उत्पादक सुरक्षा जांच में घरेलू उद्योग के घटक के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिए अपात्र है। घरेलू उद्योग आइसोप्रोपिल अल्कोहल से संबंधित पिछली सुरक्षा जांच पर निर्भर करता है, जहां आवेदक ने पीयूसी के कुल आयात का 41% आयात किया था, जो इसकी उत्पादन क्षमता का 76% था। उक्त जांच में, प्राधिकारी ने आवेदक को घरेलू उद्योग के घटक के रूप में अयोग्य नहीं ठहराया।
254. घरेलू उद्योग ने कहा कि पाटनरोधी नियमों के तहत भी, उच्च न्यायालय ने माना है कि एक आयातक आवेदक को घरेलू उद्योग के घटक के रूप में तभी अयोग्य ठहराया जा सकता है जब उसकी गतिविधियों की प्रकृति एक व्यापारी के रूप में बदल गई हो। घरेलू उद्योग ने आगे कहा कि वर्तमान जांच में, एएमएनएस और एएमएनएस खोपोली द्वारा आयात इन दोनों संस्थाओं के उत्पादन का केवल [***%] और घरेलू बिक्री का [***%] है। घरेलू उद्योग ने कहा कि भारत में पीयूसी के कुल उत्पादन और बिक्री के संबंध में दोनों संस्थाओं द्वारा आयात की कम मात्रा को देखते हुए, दोनों संस्थाओं की गतिविधियों की प्रकृति पीयूसी के घरेलू उत्पादकों की ही बनी हुई है।
255. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 8(11)(बी) के तहत निम्नलिखित कहा गया है:
- (ख) "घरेलू उद्योग" का अर्थ है उत्पादक -
- i. भारत में समान वस्तु या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु का समग्र रूप से;*
- या*
- ii. भारत में समान वस्तु या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु का जिनका सामूहिक उत्पादन भारत में उक्त वस्तु के कुल उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है।*
256. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपरोक्त प्रावधान किसी आवेदक को घरेलू उद्योग का घटक होने के नाते अयोग्य घोषित नहीं करता है, यदि ऐसे आवेदक ने पीयूसी का आयात किया है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि आइसोप्रोपिल अल्कोहल से संबंधित सुरक्षा जांच में, पीयूसी की बड़ी मात्रा का आयात करने वाले आवेदक को घरेलू उद्योग के रूप में अयोग्य नहीं पाया गया। इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि गुजरात फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड के मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय और सेंचुरी प्लाइवोर्ड के मामले में गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी की थी कि क्या किसी घरेलू उत्पादक, जिसने संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है, को 'घरेलू उद्योग' के दायरे से अयोग्य घोषित किया जा सकता है, इस प्रश्न की जांच उस घरेलू उत्पादक द्वारा किए गए आयातों के संबंध में की जाने वाली गतिविधियों की प्रकृति के आधार पर की जानी चाहिए। गुजरात फर्टिलाइजर्स के मामले में, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने यह निर्णय दिया था कि वह उत्पादक, जिसने संबद्ध वस्तुओं के अपने कुल उत्पादन का 15% आयात किया था, घरेलू उद्योग के रूप में योग्य है क्योंकि ऐसे आयात केवल अपने ग्राहकों की मांगों को पूरा करने के लिए किए गए थे। उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी की थी कि घरेलू उत्पादक आयात का व्यवसाय नहीं कर रहा था। केवल व्यापारिक उद्देश्यों के लिए, और इसलिए इसे 'घरेलू उद्योग' के दायरे से बाहर करने का कोई कारण नहीं था। वर्तमान मामले में, एएमएनएस और एएमएनएस खोपोली के आयात की बहुत कम मात्रा के मद्देनजर, पीयूसी के अपने कुल उत्पादन और बिक्री के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एएमएनएस और एएमएनएस खोपोली की गतिविधियाँ पीयूसी के घरेलू उत्पादक की ही हैं। इसलिए, प्राधिकारी का मानना है कि एएमएनएस और एएमएनएस खोपोली को घरेलू उद्योग के घटक के रूप में अयोग्य घोषित करने का कोई आधार नहीं है।
257. कुछ हितबद्ध पक्षों ने अनुरोध किया कि सात आवेदक कंपनियों में से कुछ पीयूसी की कुछ श्रेणियों का उत्पादन नहीं करती हैं और इसलिए, सभी आवेदक कंपनियां व्यक्तिगत रूप से पीयूसी की प्रत्येक श्रेणी के उत्पादन में "बड़ी हिस्सेदारी" नहीं रखती हैं। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि अधिनियम की धारा 8ए(11) के उप-खंड (ii) के अनुसार, प्राधिकारी को आवेदक कंपनियों के "सामूहिक उत्पादन" की जांच करनी होती है, न कि प्रत्येक कंपनी के व्यक्तिगत उत्पादन की। इसलिए, यह तथ्य कि कुछ आवेदक कंपनियों ने व्यक्तिगत रूप से पीयूसी की कुछ श्रेणियों का उत्पादन नहीं किया है, अप्रासंगिक है, क्योंकि प्राधिकारी को आवेदक कंपनियों के "सामूहिक उत्पादन" की जांच करनी ही होगी।

258. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अधिनियम की धारा 8ए(11)(बी)(ii) घरेलू उद्योग को "उत्पादक... जिनका भारत में समान और प्रत्यक्षतः प्रतिस्पर्धी वस्तु का सामूहिक उत्पादन, भारत में उक्त वस्तु के कुल उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है" के रूप में परिभाषित करती है। "सामूहिक उत्पादन" के संदर्भ से यह स्पष्ट होता है कि आवेदक कंपनियों के उत्पादन की समग्र रूप से जाँच की जानी चाहिए, न कि व्यक्तिगत आधार पर। प्राधिकरण की यह निरंतर प्रथा रही है कि विभिन्न आवेदक कंपनियों से संबंधित जाँचों में, आवेदकों की स्थिति का निर्धारण सभी कंपनियों के सामूहिक उत्पादन के आधार पर किया जाता है, न कि प्रत्येक व्यक्तिगत कंपनी के उत्पादन के आधार पर।
259. कुछ हितबद्ध पक्षों ने प्राधिकारी के समक्ष अनुरोध किया है कि टाटा स्टील लिमिटेड आवेदक नहीं है, तथापि, चूँकि यह भारत में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) का एक प्रमुख उत्पादक है, इसलिए क्षति विश्लेषण के उद्देश्य से उसे प्रासंगिक आँकड़े प्रस्तुत करने होंगे। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि उसने यह प्रदर्शित किया है कि समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पाद के कुल घरेलू उत्पादन में उसका बड़ा हिस्सा है। इसलिए, केवल यह तथ्य कि टाटा स्टील लिमिटेड ने जाँच में भाग नहीं लिया है, आयात में वृद्धि के कारण गंभीर क्षति से जूझ रहे अन्य उत्पादकों द्वारा माँगी गई वास्तविक राहत को अस्वीकार करने का आधार नहीं हो सकता।
260. प्राधिकरण नोट करते हैं कि अधिनियम या नियमों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो पीयूसी के सभी प्रमुख उत्पादकों की भागीदारी को अनिवार्य बनाता हो। धारा 8ए(11)(बी) "घरेलू उद्योग" को "उत्पादकों" के रूप में परिभाषित करती है... जिनका भारत में समान और प्रत्यक्षतः प्रतिस्पर्धी वस्तु का सामूहिक उत्पादन भारत में उक्त वस्तु के कुल उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है। इसके अतिरिक्त, रक्षोपाय नियमों के नियम 5(1) में यह प्रावधान है कि प्राधिकरण "समान या प्रत्यक्षतः प्रतिस्पर्धी वस्तु के घरेलू उत्पादक द्वारा या उसकी ओर से" आवेदन प्राप्त होने पर जाँच शुरू करेगा।
261. हालाँकि, न तो धारा 8ए(11)(बी) और न ही सुरक्षा नियमों का नियम 5, घरेलू उत्पादन के उस हिस्से को निर्धारित करता है जिसका आवेदकों को हिसाब देना होगा। किसी भी स्थिति में, इस मामले में 'प्रमुख हिस्सा' शब्द लागू होगा क्योंकि आवेदक कंपनियाँ भारत में कुल घरेलू उत्पादन के 50% से अधिक के लिए ज़िम्मेदार हैं, और तदनुसार, प्राधिकरण का मानना है कि आवेदन "घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से" किया गया है।
262. समग्र रूप से पीयूसी के लिए, सात याचिकाकर्ता कंपनियों ने सामूहिक रूप से जाँच अवधि के दौरान भारत में कुल उत्पादन का [***]% हिस्सा बनाया। इसलिए, आवेदक कंपनियाँ अधिनियम की धारा 8बी(11)(बी)(ii) के अनुसार "घरेलू उद्योग" की परिभाषा को पूरा करती हैं। इसके अलावा, याचिका घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से सुरक्षा नियमों के नियम 5(1) के अर्थ के अंतर्गत दायर की गई है। पीयूसी के किसी प्रमुख उत्पादक की गैर-भागीदारी मात्र से आवेदक कंपनियों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आता है।

च. गोपनीयता

263. घरेलू उद्योग ने गोपनीय आधार पर अपने आवेदन में कुछ सूचना उपलब्ध कराई है और अनुरोध किया है कि इसे गोपनीय माना जाए। घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन का अगोपनीय पाठ (एनसीवी) भी उपलब्ध कराया है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने इस सूचना की गोपनीयता के दावे के औचित्य को सिद्ध करने के लिए कारण प्रस्तुत किए हैं।
264. कुछ हितबद्ध पक्षकारों का दावा है कि आवेदन में गोपनीय जानकारी का उचित सारांश प्रकट नहीं किया गया है। हितबद्ध पक्षकारों ने प्रस्तुत किया कि व्यापार सूचना संख्या 10/2018 के अनुसार, यदि कई घरेलू उत्पादक शामिल हैं, तो आवेदन के अगोपनीय संस्करण में उत्पादन क्षमता, उत्पादन, बिक्री की मात्रा, कर्मचारियों की कुल संख्या आदि से संबंधित समेकित डेटा का खुलासा किया जाना चाहिए। यह अनुरोध किया गया कि आवेदन का अगोपनीय संस्करण कई मापदंडों (जैसे उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा आदि) के लिए समेकित डेटा का खुलासा करने में विफल रहा है, जैसा कि व्यापार सूचना संख्या 10/2018 के तहत आवश्यक है। यह तर्क दिया गया कि महत्वपूर्ण जानकारी के गैर-प्रकटीकरण के कारण, अन्य हितबद्ध पक्ष घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए दावों और आरोपों का प्रभावी ढंग से जवाब देने की अपनी क्षमता से वंचित रह गए।

265. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि व्यापार सूचना संख्या 10/2018 पाटनरोधी और प्रतिसंतुलनकारी शुल्क जांच से संबंधित है, न कि सुरक्षा जांच से। आवेदक ने आगे कहा कि व्यापार सूचना संख्या 10/2018 में ही यह प्रावधान है कि प्राधिकारी, मामले-दर-मामला आधार पर, उसमें निहित दिशानिर्देशों से विचलन की अनुमति दे सकता है, यदि ऐसा चाहने वाला पक्ष इसके लिए उचित कारण सिद्ध कर सके। घरेलू उद्योग ने आगे कहा कि आवेदन में पाँचों श्रेणियों के पीयूसी के लिए अलग-अलग उत्पादन और लागत विवरण दिए गए हैं। आगे यह भी कहा गया कि पीयूसी की कुछ श्रेणियों का उत्पादन घरेलू उद्योग के कुछ ही घटक पक्षकारों द्वारा किया जाता है, सभी पक्षकारों द्वारा नहीं। परिणामस्वरूप, प्रत्येक उत्पाद श्रेणी के लिए वास्तविक समग्र आँकड़ों का खुलासा करने से अनजाने में व्यक्तिगत उत्पादकों के बारे में संवेदनशील जानकारी उजागर हो सकती है, जिससे आँकड़ों की पहचान पक्ष स्तर पर हो सकती है। इसलिए, आवेदक ने कहा कि जानकारी को प्रवृत्तियों में प्रदान करना आवश्यक था। घरेलू उद्योग ने आगे कहा कि सुरक्षा नियमों के नियम 6 के तहत, मौखिक सुनवाई के दौरान प्रस्तुत की गई जानकारी को लिखित रूप में पुनः प्रस्तुत करने पर विचार किया जाएगा। घरेलू उद्योग ने कहा कि उसने मौखिक सुनवाई के दौरान प्रदर्शित प्रस्तुति को अपने लिखित प्रस्तुतियों में प्रसारित किया था, इसलिए, अन्य हितबद्ध पक्षकारों के पास अपने प्रत्युत्तर में उसका खंडन करने का पर्याप्त अवसर था।
266. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूँकि कुछ उत्पाद श्रेणियों का निर्माण केवल कुछ ही आवेदक कंपनियों द्वारा किया जाता है, इसलिए उत्पाद श्रेणियों के वास्तविक आँकड़ों के प्रकटीकरण से कंपनी-विशिष्ट जानकारी का प्रकटीकरण होगा। इसके अतिरिक्त, सुनवाई के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत प्रस्तुतिकरण को घरेलू उद्योग के लिखित प्रस्तुतिकरण में सभी हितबद्ध पक्षकारों को परिचालित किया गया था। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई है, संतुष्ट होने पर, जहाँ भी जरूरत थी गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया गया है, और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है।

छ. विविध मुद्दे

267. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया कि वर्तमान कार्यवाही विभिन्न कारणों से प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करती है। प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए उपरोक्त तर्कों और नीचे दिए गए प्रत्येक आरोप पर घरेलू उद्योग की प्रतिक्रिया की जाँच करता है:

क. अंतिम निष्कर्ष जारी करने से पहले सीमित सुनवाई।

268. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया कि प्राधिकारी ने अंतिम जांच परिणाम जारी करने से पहले, अन्य बातों के साथ-साथ, विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) के दायरे के संबंध में सीमित सार्वजनिक सुनवाई नहीं की। घरेलू उद्योग ने इन आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि न तो अधिनियम और न ही नियम अंतिम जांच परिणाम जारी करने से पहले सीमित सार्वजनिक सुनवाई का प्रावधान करते हैं; यह भी तर्क दिया गया कि मेसर्स शापूरजी पल्लोनजी इन्फ्रास्ट्रक्चर कैपिटल कंपनी लिमिटेड बनाम भारत संघ डब्ल्यू.पी. संख्या 1156/2018 के मामले में मद्रास उच्च न्यायालय ने माना है कि अंतिम जांच परिणाम जारी करने से पहले सीमित सार्वजनिक सुनवाई आयोजित करने की कोई आवश्यकता नहीं है। यह भी तर्क दिया गया कि हितबद्ध पक्षकारों को अंतिम जांच परिणामों पर टिप्पणियों के रूप में, साथ ही सुनवाई के दौरान और लिखित अनुरोधों और प्रत्युत्तर में अपने विचार प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। घरेलू उद्योग ने आगे दोहराया कि अंतिम जांच परिणामों में कहा गया है कि "यदि अंतिम जांच परिणामों में किसी अन्य उत्पाद को पीयूसी के दायरे से बाहर रखा जाता है, तो प्राधिकारी नोट करते हैं कि सुरक्षा नियमों का नियम 15 आयातकों को ऐसे उत्पादों पर लगाए गए और वसूले गए अनंतिम शुल्क पर धनवापसी का हकदार बनाता है"।
269. प्राधिकारी नोट करते हैं कि शापूरजी पलोनजी इन्फ्रास्ट्रक्चर कैपिटल कंपनी लिमिटेड बनाम भारत संघ डब्ल्यू.पी. संख्या 1156/2018 के मामले में, माननीय मद्रास उच्च न्यायालय ने माना था कि यदि प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम जारी करने से पहले सार्वजनिक सुनवाई नहीं करते हैं, तो किसी भी हितबद्ध पक्षकार को कोई नुकसान नहीं होगा क्योंकि सभी पक्षकारों को अंतिम जांच परिणाम जारी करने से पहले अपने विचार प्रस्तुत करने की अनुमति होगी। अंतिम जांच परिणाम जारी होने के बाद, सभी पक्षकारों को उस पर अपनी टिप्पणियाँ दर्ज करने के लिए 30 दिनों का समय दिया गया था। प्राधिकारी ने 5 और 6 जून 2025 को आगे सुनवाई की, जिसके बाद पक्षकारों को लिखित अनुरोध और प्रत्युत्तर दाखिल करने की अनुमति दी गई। इसलिए, प्राधिकारी नोट करते हैं

कि इन अंतिम जांच परिणामों को जारी करने से पहले सभी पक्षकारों को अपने विचार प्रस्तुत करने का उचित अवसर प्रदान किया गया था।

ख. मौखिक सुनवाई के प्रक्रियात्मक पहलू

270. हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया कि प्राधिकारी ने मौखिक सुनवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकारों को अपने प्रस्तुतियाँ देने के लिए 3 से 7 मिनट का अपर्याप्त समय दिया। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि मौखिक सुनवाई के प्रयोजनों के लिए दी गई समय-सीमा पर्याप्त थी और हितबद्ध पक्षकारों की बड़ी संख्या और जाँच पूरी करने के लिए उपलब्ध सीमित समय को देखते हुए यह आवश्यक थी। यह भी अनुरोध किया गया कि उक्त समय-सीमा केवल अनुशासनात्मक प्रकृति की थी क्योंकि सुनवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकारों पर इसका कड़ाई से पालन नहीं किया गया और वास्तव में, कई हितबद्ध पक्षकारों ने उक्त समय-सीमा पार कर ली। वास्तव में, सुनवाई के दोनों दिनों में पक्षकारों ने 30 मिनट से अधिक समय तक बहस की। इसी कारण से सुनवाई को एक दिन की अपनी निर्धारित अवधि से आगे बढ़ा दिया गया और दो दिनों अर्थात् 5 और 6 जून 2025 को आयोजित किया गया।
271. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में 240 से अधिक हितबद्ध पक्षकारों ने हितबद्ध पक्ष के रूप में पंजीकरण कराया था। इसलिए, निष्पक्षता के हित में, और जांच पूरी करने की समय-सीमा के तथ्य को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी ने 27 मई, 2025 के नोटिस के तहत मौखिक सुनवाई को समय पर और व्यवस्थित रूप से पूरा करना सुनिश्चित करने के लिए कुछ अनुशासन निर्धारित करना उचित समझा। हालांकि, उक्त अनुशासन केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति के थे और उनका कड़ाई से पालन नहीं किया गया था। हितबद्ध पक्षकारों को उनके आवंटित समय से अधिक बहस करने की अनुमति दी गई थी। वास्तव में उन्हीं हितबद्ध पक्षकारों के वकील, जिन्होंने दावा किया था कि 3 से 7 मिनट की समय अवधि अपर्याप्त थी, को मौखिक सुनवाई के दोनों दिनों में 30 मिनट से अधिक बहस करने की अनुमति दी गई थी। इसके अतिरिक्त, सभी हितबद्ध पक्षकारों को लिखित अनुरोध या प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने की अनुमति दी गई थी और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई ऐसी सभी अनुरोधों को सुरक्षा नियमों के नियम 6(6) के अनुसार ध्यान में रखा गया है।

ग. आँकड़ा अवधियों में असंगतता

272. हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया कि प्राधिकारी ने आयातों में वृद्धि और घरेलू उद्योग को हुई गंभीर क्षति की जाँच के लिए असंगत डेटा अवधियों को अपनाया। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि हितबद्ध पक्षकार उस सूचना को निर्दिष्ट करने में विफल रहे हैं जिसके बारे में उनका आरोप है कि वह अलग-अलग समयावधि और बदलते मानदंडों के लिए प्रस्तुत की गई है। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि तुलनीय समयावधियों में कोई भी भिन्नता प्राधिकारी को वित्तीय वर्षों, कैलेंडर वर्षों और जाँच की अवधि के बीच संबंधित पिछले वर्षों के साथ उचित और समग्र तुलना करने में सहायता करने के लिए है।
273. प्राधिकारी नोट करते हैं कि न तो सुरक्षा उपायों पर समझौता, न ही अधिनियम और नियम "जांच की अवधि" के संबंध में कोई मार्गदर्शन निर्धारित करते हैं जिसे अपनाया जा सकता है। इस संबंध में, प्राधिकारी यूएस-लैम्ब में डब्ल्यूटीओ पैनेल रिपोर्ट का संदर्भ देते हैं, जिसमें निम्नलिखित टिप्पणी की गई थी:

7.196. हम नोट करते हैं कि समझौते में इस बारे में कोई आवश्यकता नहीं है कि सुरक्षा उपायों की जाँच में जाँच की अवधि कितनी लंबी होनी चाहिए, न ही विश्लेषण के प्रयोजनों के लिए अवधि को कैसे विभाजित किया जाना चाहिए। इस प्रकार, जाँच की अवधि और उसका विभाजन जाँच अधिकारियों के विवेक पर छोड़ दिया गया है।

...

7.203. हमें याद है कि सुरक्षा उपायों पर समझौते में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो इस बारे में कोई मार्गदर्शन दे कि जाँच अधिकारियों द्वारा विश्लेषण के प्रयोजन के लिए जाँच की अवधि को कैसे विभाजित किया जाना चाहिए। हमारे समक्ष मामले में, आईटीसी द्वारा चुनी गई अवधि उसे यह पता लगाने की अनुमति देती कि आयात में कमी आई है, यदि मामले के तथ्य इस तरह के निष्कर्ष का समर्थन करते हैं। हमारा मानना नहीं है कि आयात में वृद्धि हुई है या नहीं, इसका विश्लेषण करने के उद्देश्य से आईटीसी द्वारा चुनी गई कार्यप्रणाली स्वाभाविक रूप से पक्षपाती थी या जाँच में तथ्यों का उचित मूल्यांकन करने से उसे रोकती। संयुक्त राज्य अमेरिका का दावा है कि आईटीसी ने अपनी पिछली कार्यप्रणाली के अनुसार काम किया, और यह दर्शाता है कि कार्यप्रणाली वस्तुनिष्ठ और

निष्पक्ष थी। हम संयुक्त राज्य अमेरिका से सहमत हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका का जवाब है कि विभिन्न वर्षों की समान अंतरिम अवधियों, इस मामले में जनवरी-जून, की तुलना, मानक आईटीसी कार्यप्रणाली है। संयुक्त राज्य अमेरिका के अनुसार, यह मानक कार्यप्रणाली किसी भी मौसमी या चक्रीय विकृतियों के संभावित प्रभाव को समाप्त करने में मदद करती है जो तुलना को प्रभावित कर सकती हैं। हालाँकि आईटीसी मानता है कि लाइन पाइप एक मौसमी उत्पाद नहीं है, हमारा मानना है कि तुलना में लागू की गई कार्यप्रणाली को आँकड़ों में हेरफेर करने और एक विशेष परिणाम दिखाने के लिए नहीं चुना गया था। न ही आईटीसी के गंभीर क्षति विश्लेषण के साथ कथित असंगति के परिणामस्वरूप हेरफेर या पूर्वाग्रह का कोई सबूत है। यद्यपि आईटीसी ने कुछ टिप्पणियाँ की थीं जिनमें गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के खतरे के निर्धारण में 1998 की दूसरी छमाही को शामिल किया गया था या उसका संदर्भ दिया गया था, हम यह नहीं मानते कि आईटीसी 1999 की पहली छमाही की स्थिति की तुलना 1998 की दूसरी छमाही से कर रही थी। आईटीसी केवल 1998 की दूसरी छमाही और 1999 की पहली छमाही में मौजूद तथ्यात्मक परिस्थितियों का वर्णन कर रही थी। आईटीसी उन अवधियों की तुलना के आधार पर निष्कर्ष नहीं निकाल रही थी।

274. जैसा कि नीचे स्पष्ट किया गया है, प्राधिकारी ने आयातों में हाल की, अचानक, तीव्र और महत्वपूर्ण वृद्धि की समग्र जांच करने के लिए तीन अलग-अलग डेटा अवधियों के लिए आयात में वृद्धि की जांच की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयात प्रवृत्ति की जांच के लिए अपनाई गई तीन पद्धतियाँ विकृतियों या असामान्य व्यापार पैटर्न की संभावना को समाप्त कर देंगी, यदि कोई हो। इसके अलावा, प्राधिकारी ने जांच की अवधि (अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024) के आँकड़ों की तुलना पिछले तीन वित्तीय वर्षों (अर्थात् 2021-22, 2022-23 और 2023-24) से करके क्षति की जांच की है। किसी भी स्थिति में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्ष ने यह प्रदर्शित नहीं किया है कि प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली ने प्राधिकारी द्वारा किए गए विश्लेषण को प्रभावित किया है।

ज. आयातों में वृद्धि

275. नियमावली का नियम 2(ग) बताता है कि "बढ़ी हुई मात्रा" में आयातों में वृद्धि शामिल है चाहे वह कुल रूप में हो या घरेलू उत्पादन के सापेक्ष "या" शब्द का प्रयोग यह इंगित करता है कि वृद्धि, चाहे समग्र रूप में हो अथवा घरेलू उत्पादन को सापेक्ष, नियमों के अंतर्गत पर्याप्त है। फिर भी, प्राधिकारी ने समग्र रूप में और घरेलू उत्पाद के सापेक्ष, दोनों के संबंध में आयातों में वृद्धि की जांच की है। इसके अतिरिक्त, भारत में मांग से संबंधित आयातों में वृद्धि की भी जांच की गई है। भारत में विचाराधीन उत्पाद के आयातों की मात्रा का विश्लेषण कुल रूप में विचाराधीन उत्पाद के लिए निष्पादित किया गया है और पृथक् रूप से उसकी पांच उत्पाद श्रेणियों में से प्रत्येक, जहाँ भी जरूरी था, प्राधिकारी ने ऐसे उत्पाद/ग्रेडों के लिए उत्तरदायी आयात आँकड़ों के प्रति उचित समायोजन किए हैं जिन्हें बहिष्कृत किया गया है।
276. हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि रिकॉर्ड में मौजूद डेटा पीयूसी की सभी पांच श्रेणियों के आयात में हाल ही में, अचानक, तेज और महत्वपूर्ण वृद्धि को प्रदर्शित नहीं करता है। यह प्रस्तुत किया गया था कि पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान कोल्ड रोल्ड कॉइल्स और शीट्स के आयात की मात्रा में गिरावट आई है, जबकि मेटालिक कोटेड शीट्स के आयात की मात्रा पिछले वर्ष की तुलना में मामूली रूप से बढ़ी है। यह भी प्रस्तुत किया गया था कि पीयूसी की सभी श्रेणियों के आयात में वृद्धि पर्याप्त तेज या पर्याप्त महत्वपूर्ण नहीं थी।
277. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि पीयूसी "गैर-मिश्र धातु और मिश्र धातु इस्पात फ्लैट उत्पाद" हैं। घरेलू उद्योग ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यूरोपीय संघ ("ईयू") द्वारा की गई सुरक्षा जांच में, पीयूसी को "कुछ इस्पात उत्पादों"⁷ के रूप में परिभाषित किया गया था, जिसमें 26 'उत्पाद श्रेणियाँ'⁸ शामिल थीं। 15 उत्पाद श्रेणियों⁹ के लिए, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में हाल की अवधि के दौरान आयात में 10% से कम वृद्धि हुई थी। घरेलू

⁷ 31 जनवरी 2019 का कार्यान्वयन आयोग विनियमन (ईयू) 2019/159, कुछ इस्पात उत्पादों के आयात के विरुद्ध निश्चित सुरक्षा उपाय लागू करता है, <https://eur-lex.europa.eu/legal-content/EN/TXT/PDF/?uri=CELEX:32019R0159&from=EN>, अनुलग्नक II श्रेणी 3 देखें।

⁸ श्रेणी 4, 7, 17 और 23।

⁹ श्रेणी 1, 2, 4, 5, 7, 8, 10, 15, 18, 20, 21, 22, 25, 26, 27।

उद्योग ने नोट किया कि यूरोपीय आयोग ने देखा कि समग्र रूप से पीयूसी के आयात की मात्रा में निरपेक्ष और सापेक्ष दोनों रूप से वृद्धि हुई थी¹⁰

278. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि इसके बाद यूरोपीय आयोग ने पीयूसी स्तर पर जांच को 3 "उत्पाद परिवारों"¹¹ के स्तर पर एक अलग विश्लेषण के साथ पूरक किया। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि इसी ने पाया कि 3 उत्पाद परिवारों में से 2 ने पिछले वर्ष (2017)¹² की तुलना में हाल की अवधि के दौरान आयात में गिरावट दिखाई, और इसके बावजूद, यूरोपीय आयोग ने पाया कि "मूल्यांकन के तहत संबंधित उत्पाद के लिए निरपेक्ष और सापेक्ष दोनों रूप से आयात में अचानक, तेज और महत्वपूर्ण वृद्धि हुई थी"¹³
279. घरेलू उद्योग ने आगे अनुरोध किया कि डब्ल्यूटीओ पैनल के समक्ष, तुर्की ने इस चिंता को उजागर किया कि तुर्की ने आगे तर्क दिया कि "कुछ उत्पाद श्रेणियों और उत्पाद परिवारों के लिए आयात 2016 या 2017 में चरम पर था, जिसके बाद इसमें कुछ कमी आई, हालाँकि यह जाँच अवधि की शुरुआत¹⁴ की तुलना में उच्च स्तर पर बना रहा।" घरेलू उद्योग ने तर्क दिया कि पैनल को आयात में वृद्धि¹⁵ के मूल्यांकन में यूरोपीय आयोग के दृष्टिकोण में कोई विसंगति नहीं मिली, क्योंकि समग्र रूप से पीयूसी¹⁶ के लिए आयात में वृद्धि का तथ्य निर्विवाद¹⁷ रहा।
280. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि वर्तमान मामले के तथ्य ऊपर चर्चा किए गए मामले के तथ्यों के समान हैं। वर्तमान मामले में, आयात प्रवृत्ति पर तीन अलग-अलग तुलना विधियों पर विचार किया गया था, अर्थात् (1) जांच की अवधि और तीन पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष; (2) जांच की अवधि और संबंधित तीन 12-माह की अवधि; और (3) जांच की अवधि के अंतिम छह महीने और पिछले कैलेंडर वर्ष के संबंधित छह महीने। तीनों तुलना विधियों में, समग्र रूप से पीयूसी ने या तो निरपेक्ष रूप से या उत्पादन के सापेक्ष आयात में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई। विधि 1 में, समग्र रूप से पीयूसी और पाँचों श्रेणियों में से प्रत्येक ने व्यक्तिगत रूप से आयात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। विधि 2 में, समग्र रूप से पीयूसी और पाँचों श्रेणियों में से प्रत्येक ने व्यक्तिगत रूप से आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान आयात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। एक श्रेणी अर्थात् सीआर कॉइल्स और शीट्स में जांच की अवधि के दौरान तुरंत पूर्ववर्ती 12 महीनों की अवधि की तुलना में मामूली गिरावट आई, लेकिन सीआर कॉइल्स और शीट्स में भी आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान 18% की वृद्धि दर्ज की गई। विधि 3 में, समग्र रूप से पीयूसी और पाँचों श्रेणियों में से प्रत्येक ने पिछले वित्तीय वर्षों की इसी अवधि की तुलना में जांच की अवधि के अंतिम छह महीनों के दौरान आयात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। इस प्रकार, इस तर्क में कोई दम नहीं है कि समग्र रूप से पीयूसी के आयात में या पाँचों उत्पाद श्रेणियों में से किसी में भी हाल ही में अचानक, तेज और उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है।
281. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ईयू - सेफगार्ड (तुर्की) में, पैनल ने पाया कि ईयू द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली सेफगार्ड पर समझौते के साथ असंगत नहीं थी:

7.29. हम नोट करते हैं कि अर्जेटीना - फुटवियर (ईसी) में पैनल को यह आकलन करने के लिए कहा गया था कि क्या प्राधिकारी ने समान या सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पादों के लिए बाजार के प्रत्येक खंड के लिए प्रत्येक क्षति कारक की जांच न करके गलती की थी। घरेलू उद्योग से आँकड़े एकत्र करते समय, अर्जेटीना ने पाँच उत्पाद खंडों में विभाजन का अनुरोध किया था, लेकिन उसने पाँचों उत्पाद खंडों में से प्रत्येक के लिए प्रत्येक क्षति कारक की अलग-अलग जाँच नहीं की थी, और यूरोपीय संघ ने तर्क दिया कि ऐसा न करके, अर्जेटीना ने सुरक्षा समझौते के अनुच्छेद 2 और 4 के साथ असंगत व्यवहार किया है। पैनल ने यूरोपीय संघ के इस तर्क को खारिज कर दिया। पैनल ने तर्क

¹⁰ श्रेणी गायन (33)

¹¹ श्रेणी गायन (34)

¹² श्रेणी तालिका 3 देखें

¹³ श्रेणी गायन (47)

¹⁴ पैनल रिपोर्ट - ईयू स्टील सेफगार्ड (तुर्की), पैरा 7.177.

¹⁵ आई.डी., पैरा 7.190.

¹⁶ आई.डी., पैरा 7.180.

¹⁷ आई.डी., पैरा 7.179.

दिया कि, चूँकि समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों (स्की बूट को छोड़कर सभी जूते) की परिभाषा विवादित नहीं थी, इसलिए यह परिभाषा निर्णायक थी। इसलिए, अर्जेटीना को "कम से कम सभी जूतों के संबंध में प्रत्येक क्षति कारक पर विचार करना आवश्यक था" और समान या प्रतिस्पर्धी उत्पादों के प्रत्येक खंड के लिए प्रत्येक क्षति कारक पर अलग-अलग आधार पर विचार करने की आवश्यकता नहीं थी, हालाँकि वह ऐसा कर सकता था। हम उस पैनल के आकलन से सहमत हैं, क्योंकि एक सदस्य को समग्र रूप से जाँच के अधीन उत्पाद के लिए आवश्यक परिस्थितियों और शर्तों के अस्तित्व को सत्यापित करना आवश्यक है (क्षति निर्धारण में, संबंधित समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों के लिए), और यह आवश्यक नहीं है कि अलग-अलग आधार पर।

[...]

7.69. तुर्की का तर्क है कि यूरोपीय आयोग ने जाँच के दायरे में आने वाले उत्पादों के प्रति असंगत दृष्टिकोण अपनाया क्योंकि उसने पहले 28 अलग-अलग उत्पादों की जाँच की सूचना दी और उत्पादवार जानकारी माँगी, लेकिन फिर कभी सभी उत्पादों की एक साथ, कभी प्रत्येक उत्पाद की अलग-अलग या समूहवार जाँच की, और कभी-कभी इन सभी तरीकों का संयोजन अपनाया। तुर्की आगे कहता है कि यूरोपीय आयोग ने भी पक्षपातपूर्ण तरीके से काम किया क्योंकि उसने पहले प्रत्येक उत्पाद के आयात रद्धानों की समीक्षा की और उन उत्पादों को बाहर रखा जिनके आयात में वृद्धि नहीं हुई थी, और फिर केवल उन्हीं उत्पादों को शामिल करते हुए विश्लेषण जारी रखा जिनके आयात में वृद्धि हुई थी।

[...]

7.72. इन दोनों तर्कों में से पहले के संबंध में, हमने ऊपर पाया है कि यूरोपीय आयोग ने उन 26 उत्पाद श्रेणियों के लिए आवश्यक परिस्थितियों और शर्तों के अस्तित्व की जाँच की, जिन पर उसने चुनौती दी गई निश्चित सुरक्षा लागू की थी, और कुछ स्थितियों के लिए उसने उस विश्लेषण को उत्पाद श्रेणियों और/या उत्पाद परिवारों के स्तर पर विश्लेषण के साथ पूरक किया। यह देखते हुए कि उसने 26 उत्पाद श्रेणियों वाले एक उत्पाद पर निश्चित सुरक्षा लागू की थी, यूरोपीय आयोग से कम से कम उस उत्पाद के लिए आवश्यक परिस्थितियों और शर्तों के अस्तित्व की जाँच करने की अपेक्षा की गई थी। साथ ही, इसने यूरोपीय आयोग को उस उत्पाद की, इसके अतिरिक्त, अधिक विस्तृत स्तर पर, जाँच करने से नहीं रोका। ऐसा होने पर, तुर्की ने यह प्रदर्शित नहीं किया है कि केवल एक वैश्विक विश्लेषण और, कुछ मामलों में, इसके अतिरिक्त एक अधिक विघटित विश्लेषण आयोजित करके, यूरोपीय संघ ने "निष्कर्ष और तर्कसंगत निष्कर्ष" (अनुच्छेद 3.1) प्रकाशित करने, "वस्तुनिष्ठ और मात्रात्मक प्रकृति के सभी प्रासंगिक कारकों का मूल्यांकन" (अनुच्छेद 4.2(ए)), या "एक विस्तृत विश्लेषण" (अनुच्छेद 4.2(सी)) प्रकाशित करने की आवश्यकताओं के साथ असंगत रूप से कार्य किया।

282. उपरोक्त विवाद में, पैनल ने पाया कि जाँच अधिकारियों को कम से कम, समग्र रूप से पीयूसी के आयात में हाल ही में हुई, अचानक, तीव्र और महत्वपूर्ण वृद्धि के अस्तित्व की जाँच करनी चाहिए। इसके बाद प्राधिकारी व्यक्तिगत उत्पाद श्रेणियों की जाँच के साथ समग्र रूप से पीयूसी के अपने विश्लेषण को पूरक कर सकता है।

283. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीयूसी को गैर-मिश्र धातु और मिश्र धातु इस्पात फ्लैट उत्पादों के रूप में परिभाषित किया गया है। प्राधिकारी समग्र रूप से पीयूसी के आयात रद्धानों की जाँच करते हैं और पीयूसी स्तर पर रद्धानों की अपनी जाँच को प्रत्येक व्यक्तिगत उत्पाद श्रेणी के स्तर पर जाँच के साथ और भी बेहतर बनाते हैं। ऊपर चर्चा किए गए सिद्धांतों के आधार पर आयात रद्धानों की जाँच नीचे की गई है।

ii. समग्र अवधि

284. सबसे पहले, यह ध्यान दिया गया कि जाँच अवधि के पहले छह महीने, यानी 23 अक्टूबर से 24 मार्च तक, वित्त वर्ष 2023-24 के साथ ओवरलैप हुए और वित्त वर्ष 2021-22 कोविड-19 महामारी से प्रभावित रहा। इसलिए, जाँच अवधि के दौरान किए गए आयातों की तुलना वित्त वर्ष 2022-23 से की गई ताकि यह पता लगाया जा सके कि आयात में अचानक, तीव्र और उल्लेखनीय वृद्धि हुई है या नहीं।

285. सबसे पहले, जांच अवधि (23 अक्टूबर से 24 सितंबर) और वित्त वर्ष 2022-23 के लिए विश्लेषण किया गया। दूसरे, निष्पक्ष तुलना के लिए जांच अवधि के आंकड़ों की तुलना पिछले वर्ष के संबंधित 12 महीनों, यानी अक्टूबर-सितंबर के आधार पर की गई।

तुलना I – 2022-23 वित्तीय वर्षों के लिए जांच की अवधि के डेटा

286. जब जांच अवधि के आंकड़ों की तुलना वित्त वर्ष 2022-23 के आंकड़ों से की जाती है, तो कुल मिलाकर पीयूसी का आयात 2022-23 के दौरान 3.524 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 6.612 एमएमटी हो गया। संचयी वृद्धि 3.088 एमएमटी या 88% रही। श्रेणी-दर-श्रेणी तुलना करने पर, यह देखा गया है कि इसी अवधि के दौरान सीआर कॉइल्स और शीट्स के आयात में गिरावट आई है, अर्थात् आयात में कोई वृद्धि नहीं हुई है जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दिखाया गया है।

(मात्रा '000 एमटी में)

उत्पाद	2021-22	2022-23	2023-24	जांच की अवधि
वास्तविक				
एचआर कॉयल्स और शीटें	995	1,926	3,081	3,973
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	302	312	619	892
सीआर कॉयल्स और शीटें	473	578	515	541
मेटालिक कोटिड स्टील	381	518	762	803
कलर कोटिड स्टील	142	190	366	404
जोड़	2,293	3,524	5,344	6,612
प्रवृत्ति				
एचआर कॉयल्स और शीटें	100	194	310	399
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	100	103	205	295
सीआर कॉयल्स और शीटें	100	122	109	115
मेटालिक कोटिड स्टील	100	136	200	211
कलर कोटिड स्टील	100	134	259	285
जोड़	100	154	233	288

287. इसके अलावा, एचआर कॉइल्स और शीट्स, एचआर प्लेट मिल प्लेट्स, मेटालिक कोटेड स्टील और कलर कोटेड स्टील का आयात साल दर साल बढ़ता गया, सिवाय सीआर कॉइल्स और शीट्स के, जिनमें गिरावट आई।

तुलना II – अक्तूबर-सितंबर आधार के 12 महीने

288. अक्तूबर 2020 से सितंबर 2021 की अवधि कोविड से प्रभावित रही। इसलिए, इस अवधि को विश्लेषण के लिए नहीं माना गया। यदि आयात संबंधी आंकड़ों की अक्तूबर-सितंबर आधार के 12 महीनों की अवधि पर तुलना की जाती है तो विचाराधीन उत्पाद के आयातों में समग्र रूप में अक्तूबर 23 – सितंबर 24 की तुलना में अक्तूबर, 23 से सितंबर, 24 के दौरान 4.046 एमएमटी अथवा 157% की वृद्धि हुई। विचाराधीन उत्पाद की पांच श्रेणियों में से, चार श्रेणियों में (सीआर कॉयल्स और शीटों के अतिरिक्त) ने वर्ष प्रति वर्ष लगातार वृद्धि दर्ज की। सीआर कॉइल्स और शीट्स का आयात पिछले 12 महीनों की अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान 0.010 एमएमटी की मामूली गिरावट के साथ हुआ, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है:

(मात्रा '000 एमटी में)

उत्पाद	अक्तूबर, 20 सितंबर, 21	अक्तूबर-21 से सितंबर, 22	अक्तूबर, 22 से सितंबर, 23	अक्तूबर, 23 से सितंबर, 24
वास्तविक				
एचआर कॉयल्स और शीटें	1,167	1,158	2,309	3,973
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	375	316	397	892
सीआर कॉयल्स और शीटें	460	502	551	541
मेटालिक कोटिड स्टील	369	427	608	803
कलर कोटिड स्टील	198	163	255	404
जोड़	2,570	2,566	4,119	6,612
प्रवृत्ति				
एचआर कॉयल्स और शीटें	100	99	198	340
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	100	84	106	238
सीआर कॉयल्स और शीटें	100	109	120	118
मेटालिक कोटिड स्टील	100	116	165	218
कलर कोटिड स्टील	100	82	129	204
जोड़	100	100	160	257

iii. सापेक्ष अवधि

289. इस प्रयोजन हेतु, मांग और उत्पादन, दोनों पर (कैप्टिव खपत के निवल) जेपीसी की वार्षिक सांख्यिकी के अनुसार विचार किया गया।
290. विचाराधीन उत्पाद समग्र रूप में: उत्पादन से संबंधित आयातों की मात्रा वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान ***% से बढ़कर जांच की अवधि के दौरान ***% हो गई जो ***% की वृद्धि को दर्शाता है। समान अवधि के दौरान, भारत में मांग के सापेक्ष आयात ***% से बढ़कर ***% हो गए जैसा कि नीचे सारणी में दर्शाया गया है।

विवरण	यूनिट	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24	जांच की अवधि
आयात	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	154	233	288
घरेलू उद्योग की घरेलू विक्रियां	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	122	132	133
कुल मांग (जेपीसी एएस)	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	115	129	139
घरेलू उद्योग उत्पादन (कैप्टिव खपत को छोड़कर)	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	108	119	117
से संबंधित आयात					
... मांग	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	134	180	208
... उत्पादन	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	142	196	247
घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	106	102	95

291. एचआर फ्लैट उत्पाद: उत्पादन के सापेक्ष आयातों की मात्रा वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान ***% से बढ़कर यह जांच की अवधि के दौरान ***% हो गई। समान अवधि के दौरान, मांग के सापेक्ष आयात ***% से बढ़कर ***% हो गए।

विवरण	यूनिट	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24	जांच की अवधि
आयात	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	172	285	375
घरेलू उद्योग की घरेलू विक्रियां	'000 एमटी	***	***	***	***

विवरण	यूनिट	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24	जांच की अवधि
	प्रवृत्ति	100	122	134	132
कुल मांग (जेपीसी एस)	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	129	147	154
घरेलू उद्योग उत्पादन (कैप्टिव खपत को छोड़कर)	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	110	121	118
से संबंधित आयात					
... मांग	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	134	194	244
... उत्पादन	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	157	236	318
घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	94	91	85

292. सीआर कॉयल्स और शीटें: उत्पादन के सापेक्ष आयातों में वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान ***% से वृद्धि होकर ये जांच की अवधि के दौरान ***% हो गए। समान अवधि के दौरान, मांग के सापेक्ष आयात ***% से बढ़कर ***% हो गए।

विवरण	यूनिट	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24	जांच की अवधि
आयात	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	122	109	115
घरेलू उद्योग की घरेलू विक्रियां	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	116	126	127
कुल मांग (जेपीसी एस)	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	85	90	104

घरेलू उद्योग उत्पादन (कैप्टिव खपत को छोड़कर)	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	100	110	111
से संबंधित आयात					
... मांग	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	143	120	110
... उत्पादन	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	122	99	104
घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	135	139	122

293. मेटालिक कोटिड स्टील: उत्पादन से सापेक्ष आयात वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान ***% से बढ़कर जांच की अवधि के दौरान ***% हो गए। समान अवधि के दौरान, मांग के सापेक्ष आयात ***% से बढ़कर ***% हो गए।

विवरण	यूनिट	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24	जांच की अवधि
आयात	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	136	200	211
घरेलू उद्योग की घरेलू विक्रियां	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	130	141	156
कुल मांग (जेपीसी एस)	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	113	132	146
घरेलू उद्योग उत्पादन (कैप्टिव खपत को छोड़कर)	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	105	116	119
से संबंधित आयात					
... मांग	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	121	152	144
... उत्पादन	%	***	***	***	***

	प्रवृत्ति	100	129	173	177
घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	115	107	107

294. कलर कोटिड स्टील: उत्पादन के सापेक्ष आयातों की मात्रा वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान ***% से बढ़ कर जांच की अवधि के दौरान ***% हो गई। समान अवधि के दौरान, मांग के सापेक्ष आयातों की मात्रा ***% से बढ़कर ***% हो गई जैसा नीचे सारणी में दर्शाया गया है।

विवरण	यूनिट	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24	जांच की अवधि
आयात	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	134	259	285
घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियां	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	117	118	117
कुल मांग (जेपीसी एएस)	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	113	127	127
घरेलू उद्योग उत्पादन (कैप्टिव खपत को छोड़कर)	'000 एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	108	117	113
से संबंधित आयात					
... मांग	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	118	204	225
... उत्पादन	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	124	220	252
घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	103	93	92

295. उपर्युक्त विश्लेषण से पता चलता है कि आयात की मात्रा निरपेक्ष रूप से और उत्पादन और मांग के सापेक्ष दोनों में बढ़ी है। क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान आयात मात्रा में 4.319 एमएमटी या 188% की वृद्धि महत्वपूर्ण, अचानक और तेज मानी जाती है। तुरंत पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान 1.521 एमएमटी की वृद्धि इंगित करती है कि यह हाल ही में, अचानक और तेज थी। विभिन्न समय बकेट (जो पर्याप्त रूप से लंबे और हाल ही के हैं) में पीयूसी के आयातों की निरपेक्ष संख्या या सापेक्ष आयात (मांग और उत्पादन के हिस्से

के रूप में) में तुलना स्पष्ट रूप से आयात में वृद्धि दिखाती है। उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी यह मानता है कि समग्र रूप से पीयूसी के आयात की मात्रा में और व्यक्तिगत रूप से पीयूसी की पांच श्रेणियों में वृद्धि हाल ही में, अचानक, तेज और महत्वपूर्ण रही है।

झ. अप्रत्याशित घटनाक्रम और दायित्व का प्रभाव

296. घरेलू उद्योग ने दलील दी कि न तो अधिनियम और न ही नियम यह निर्धारित करते हैं कि अप्रत्याशित घटनाक्रमों का अस्तित्व सुरक्षा उपाय लागू करने के लिए पूर्वापेक्षा है। हालाँकि, घरेलू उद्योग ने दलील दी कि आयात में वृद्धि विभिन्न अप्रत्याशित घटनाक्रमों के एक साथ होने के परिणामस्वरूप हुई, अर्थात्: (क) व्यापार उपचार उपायों में तेजी; (ख) वैश्विक अतिरिक्त क्षमता संकट; और (ग) चीन की नीतियों में बदलाव सहित आसियान व्यापार पैटर्न में बदलाव।
297. हितबद्ध पक्षकारों ने दलील दी कि घरेलू उद्योग द्वारा पहचानी गई घटनाओं को GATT अनुच्छेद XIX के संदर्भ में "अप्रत्याशित घटनाक्रम" नहीं कहा जा सकता। यह दलील दी गई है कि घरेलू उद्योग द्वारा पहचाने गए घटनाक्रम कई वर्षों से हो रहे हैं और इन पर व्यापक रूप से चर्चा और प्रचार किया गया है और ये अप्रत्याशित नहीं हैं।
298. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि गैट अनुच्छेद XIX के अनुसार, प्राधिकारी को यह जांच करने की आवश्यकता नहीं है कि आयातों में वृद्धि 'अप्रत्याशित' थी या नहीं, बल्कि यह जांचने की आवश्यकता है कि आयातों में वृद्धि 'अप्रत्याशित' थी या 'अनपेक्षित' और जिस प्रश्न का उत्तर माननीय महानिदेशक को देना चाहिए वह यह नहीं है कि क्या ये कारक भारत के लिए बिल्कुल भी अप्रत्याशित थे, बल्कि यह है कि क्या गैट के तहत दायित्वों को पूरा करते समय ऐसे कारक अप्रत्याशित थे। घरेलू उद्योग ने आगे अनुरोध किया कि यूएस-स्टील सेफगार्ड मामले में डब्ल्यूटीओ पैनल ने पाया कि "एक अप्रत्याशित घटनाक्रम सुविदित पूर्व तथ्यों से उत्पन्न हो सकता है"।¹⁸ *ईयू-स्टील सेफगार्ड (तुर्की) मामले में, पैनल ने पाया कि "[एक] घटनाक्रम जो किसी दायित्व के अनुबंध के समय अप्रत्याशित था, उस स्थिति से उत्पन्न हो सकता है जो उस समय ज्ञात थी"।*¹⁹
299. अधिनियम और नियम शब्द "अप्रत्याशित घटनाक्रम" का उल्लेख नहीं करते। तथापि, टैरिफ और व्यापार (जीएटीटी) पर सामान्य करार 1994 के अनुच्छेद XIX:1(क) के साथ पठित रक्षोपाय पर करार की व्याख्या अपीलीय निकाय²⁰ द्वारा इस प्रकार की जाती है कि एक जांच अधिकारी को यह मूल्यांकन करना है "यदि अप्रत्याशित घटनाक्रमों और इस करार के तहत किसी संविदाकारी पक्षकार के द्वारा वहन की गई बाध्यताओं के प्रभाव के परिणाम स्वरूप जिसमें टैरिफ रियायत भी शामिल है, यदि कोई उत्पाद ऐसी बढ़ी हुई मात्रा में और ऐसी परिस्थितियों के तहत उस संविदाकारी पक्षकार के सीमा क्षेत्र में आयात किया जा रहा है जो समान अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों की उस सीमा क्षेत्र में घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति उत्पन्न कर सकता है अथवा गंभीर क्षति का खतरा उत्पन्न कर सकता है।" अपीलीय निकाय ने स्पष्ट किया है कि पद "अप्रत्याशित घटनाक्रमों के परिणाम स्वरूप" के साधारण अर्थ के लिए ऐसे घटनाक्रमों की जरूरत है जो किसी उत्पाद को ऐसी बढ़ी हुई मात्राओं और ऐसी स्थितियों के तहत आयात किए जाने का कारण बन सके, "अप्रत्याशित"²¹ होने चाहिए। इसके अतिरिक्त यू.एस.-स्टील सेफगार्ड और कोरिया - डेयरी मामले में पैनल और अपीलीय निकाय ने अवलोकन किया है कि अप्रत्याशित घटनाक्रम ऐसे घटनाक्रम हैं जिन्हें पहले से नहीं देखा गया था अथवा किसी सदस्य द्वारा

¹⁸ पैनल रिपोर्ट, संयुक्त राज्य अमेरिका - कुछ स्टील उत्पादों के आयात पर निश्चित सुरक्षा उपाय, WT/DS248/R और Corr.1 / WT/DS249/R और Corr.1 / WT/DS251/R और Corr.1 / WT/DS252/R और Corr.1 / WT/DS253/R और Corr.1 / WT/DS254/R और Corr.1 / WT/DS258/R और Corr.1 / WT/DS259/R और Corr.1, 10 दिसंबर 2003 को अपनाया गया, पैरा 10.84।

¹⁹ पैनल रिपोर्ट, ईयू - स्टील सेफगार्ड (तुर्की), पैरा 7.101.

²⁰ अपीलेट बॉडी रिपोर्ट, अर्जेन्टीना - सेफ गार्ड मीजर्स ऑन इंपोर्ट्स ऑफ फुटवियर्स (ईसी) पैरा 78-98

<https://docs.wto.org/dol2fe/Pages/SS/directdoc.aspx?filename=Q:/WT/DS/121ABR.pdf&Open=True>; अपीलेट बॉडी कोरिया- डेफीनिटिव सेफ गार्ड मीजर्स ऑन इंपोर्ट आफ सरटेन डेयरी प्रोडक्ट्स, डब्ल्यूटी/डीएस/198

<https://docs.wto.org/dol2fe/Pages/SS/directdoc.aspx?filename=Q:/WT/DS/98ABR.pdf&Open=True> पैरा 76-92.

²¹ अपीलेट बॉडी रिपोर्ट, अर्जेन्टीना - फुटवियर (ई.सी) पैरा 91-96, अपीलेट बॉडी रिपोर्ट, कोरिया - डेयरी पैरा 84,89.

जीएटीटी²² के तहत किसी बाध्यता को वहन करते समय जिसकी संभावना नहीं की गई थी। यह भी धारित किया गया है कि शब्द “अप्रत्याशित घटना क्रम” सुरक्षापायों को लागू करने के लिए कोई अलग शर्त नहीं बल्कि तथ्य के रूप में प्रदर्शित की जाने वाली परिस्थितियों के एक निश्चित समूह को दर्शाता है।²³ यू.एस. स्टील रक्षोपायों में पैनल ने भी यह अवलोकन किया कि अनुच्छेद XIX “अप्रत्याशित घटनाक्रमों” के रूप में अनेक घटनाक्रमों के इकट्ठा होने से जीएटीटी 1994 के अनुच्छेद XIX के प्रयोजन हेतु “अप्रत्याशित घटनाक्रमों” के आधार का निर्माण हो सकता है। प्रत्येक सदस्य को यह प्रदर्शित करना चाहिए कि टैरिफ वार्ता के समापन के समय जिन परिस्थितियों को उसने अप्रत्याशित माना था, उनके संयोग से आयातों में वृद्धि हुई जिससे गंभीर क्षति²⁴ हुई। पैनल और अपीलीय निकाय लगातार यह धारित करते आ रहे हैं कि अप्रत्याशित घटनाक्रमों और आयातों में वृद्धि में एक तार्किक संबंध होना चाहिए। अपीलीय निकाय ने अवलोकन किया है कि “जांचकर्ता अधिकारी को असल में अप्रत्याशित घटनाक्रमों की विद्यमानता और घटनाक्रमों तथा घरेलू उत्पादकों को क्षति पहुंचाने वाले आयातों में वृद्धि के बीच एक तार्किक संबंध को प्रदर्शित करना चाहिए।”²⁵

300. प्राधिकारी आगे यह भी नोट करते हैं कि किसी घटना को दायित्वों के वहन के समय एक अप्रत्याशित घटना के रूप में प्रदर्शित किया जाना चाहिए। परीक्षण यह नहीं है कि क्या घटनाएँ अप्रत्याशित थीं। बल्कि, परीक्षण यह है कि क्या वे दायित्व, अर्थात् विश्व व्यापार संगठन²⁶ में प्रवेश के समय अप्रत्याशित थीं।
301. उपर्युक्त समझ को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी जांच करते हैं कि क्या इस मामले में रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों को यह निर्धारित करना है कि क्या आयातों में जीएटीटी 1947 के अनुच्छेद XIX:1 (क) के अर्थों के भीतर अप्रत्याशित घटनाक्रमों के परिणाम स्वरूप उद्घाल आया है। रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों और प्राधिकारी द्वारा किए गए उनके मूल्यांकन निम्नानुसार हैं:
302. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि कुछ विशेष अप्रत्याशित घटनाक्रमों के परिणाम स्वरूप आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है अर्थात् (क) विभिन्न डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों द्वारा स्टील उत्पादों के विरुद्ध एकाधिकार व्यापार सुरक्षा उपाय (ख) चीन, जापान, कोरिया और एशियान देशों में अत्यधिक क्षमता व धीमी मांग, और (ग) एशियान स्टील क्षेत्र में परिवर्तन। यह निर्धारित करना जरूरी है कि क्या उक्त घटनाक्रम अप्रत्याशित हैं और क्या आयातों में वृद्धि इन अप्रत्याशित घटनाक्रमों के कारण हैं।

क. अनेक व्यापार सुरक्षा उपाय

303. हितबद्ध पक्षकारों ने प्रस्तुत किया कि व्यापार उपचार उपाय नियमित, नियमित और पूर्वानुमानित घटनाएँ हैं जो विश्व व्यापार संगठन समझौतों के तहत अधिकारों का वैध प्रयोग हैं। यह प्रस्तुत किया गया है कि इस्पात उत्पादों के विरुद्ध कई व्यापार उपचार उपाय किए गए हैं।
304. घरेलू उद्योग ने उल्लेख किया कि अमेरिका के 232 उपायों के बाद व्यापार उपचार उपायों की लहर का भारत द्वारा जीएटीटी के तहत दायित्वों को ग्रहण करते समय पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता था। घरेलू उद्योग ने आगे उल्लेख किया कि यूरोपीय संघ - इस्पात सुरक्षा (तुर्की) और अमेरिका - इस्पात सुरक्षा में, विश्व व्यापार संगठन पैनल ने उल्लेख किया है कि व्यापार उपचार उपाय “अप्रत्याशित घटनाक्रम” हो सकते हैं।

²² अपीलेट बॉडी रिपोर्ट, कोरिया - डेयरी, डब्ल्यू टी/डीएस 98, पैरा 89 और पैनल रिपोर्ट, यू.एस.-स्टील सेफगार्ड पैरा 10.41

²³ अपीलेट बॉडी रिपोर्ट, अर्जेंटीना - फुटवियर (ईसी) पैरा. 92, अपीलेट बॉडी रिपोर्ट, कोरिया - डेयरी, पैरा. 85

²⁴ पैनल रिपोर्ट, यूएस-स्टील सेफगार्ड पैरा 10.99

²⁵ अपीलेट बॉडी रिपोर्ट, कोरिया-डेयरी, पैरा 81-82

²⁶ पैनल रिपोर्ट, डोमिनिकन गणराज्य - पॉलीप्रोपाइलीन बैग और ट्यूबलर फ़ैब्रिक के आयात पर सुरक्षा उपाय, WT/DS415/R, WT/DS416/R, WT/DS417/R, WT/DS418/R, और परिशिष्ट 1, 22 फ़रवरी 2012 को अपनाया गया, पैरा 7.133। अपीलीय निकाय रिपोर्ट, अर्जेंटीना - फुटवियर (EC), पैरा 96, और कोरिया - डेयरी, पैरा 89 भी देखें, जिसमें GATT वर्किंग पार्टी रिपोर्ट, अमेरिका - फ़र फ़ैल्ट हैट्स, 22 अक्टूबर 1951 को अपनाया गया, का हवाला दिया गया है।

305. स्टील उत्पादों के विरुद्ध व्यापार सुरक्षा उपायों की वर्तमान लहर संयुक्त राज्य द्वारा आरंभ की गई थी, यू.एस. व्यापार विस्तार अधिनियम, 1962 की धारा 232 के तहत यह निष्कर्ष निकाला गया कि संयुक्त राज्य में स्टील वस्तुओं को ऐसी मात्राओं और ऐसी परिस्थितियों के तहत आयातित किया जा रहा है जो संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को खराब करने के लिए खतरा है और 23 मार्च, 2018 से स्टील उत्पादों (अध्याय 72 और 73) के सभी आयातों पर 25% अतिरिक्त शुल्क लागू किया गया। हालांकि, कुछ विशेष देशों को विशिष्ट रियायतें प्रदान की गई थी, 25% अतिरिक्त शुल्क आज भी जारी हैं। उपर्युक्त के अतिरिक्त, संयुक्त राज्य ने चीन के मूल की विभिन्न वस्तुओं पर धारा 301 के तहत टैरिफ भी आरंभ किया जिसमें 1 अगस्त, 2024 से 25% पर चीनी स्टील शामिल है।
306. दिनांक 23 मार्च, 2018 को यू.एस.ए द्वारा धारा 232 उपायों को लागू किए जाने की प्रतिक्रिया में, विभिन्न देशों में सुरक्षात्मक उपाय लागू किए जिनमें से कुछ नीचे सूचीबद्ध किए गए हैं।
- 15 मई, 2018 को जीसीसी ने एचएसएन शीर्ष 7210 के तहत आने वाले उत्पादों पर शुल्क की विशिष्ट दर के रूप में रक्षोपाय लागू किए। उपाय 14 मई, 2021 को समाप्त हो गए।
 - 18 जुलाई, 2018 को, ईयू ने एचएसएन शीर्ष 7208, 7209, 7210, 7211, 7212, 7225 और 7226 के तहत आने वाले सभी उत्पादों पर 25% के कोटा टैरिफ की तुलना में टीआरक्यू के रूप में रक्षोपाय लागू किया। उपाय अभी भी जारी हैं।
 - 31 दिसंबर, 2018 को, मोरक्को ने एचएसएन शीर्ष 7209, 7210, 7211, 7212, 7225, और 7226 के तहत आने वाले उत्पादों पर 16% के कोटा टैरिफ की तुलना में एक टीआरक्यू के रूप में रक्षोपाय लागू किए। 19 जून, 2020 को मोरक्को ने कुछ विशिष्ट स्टील उत्पादों पर 25%(कोई कोटा नहीं) के रक्षोपाय शुल्क लागू किए। उपाय अभी भी जारी हैं।
 - जीसीसी ने दिनांक 15 मई 2018 को एचएसएन शीर्ष 7210 के तहत एक रक्षोपाय लागू किया जो 14 मई 2021 को समाप्त हो गया।
 - बोर्ड ऑफ यूरेशियन इकॉनामिक कमीशन ने 1 दिसंबर, 2019 को एचएसएन शीर्ष 7208, 7211, 7225, 7226 के तहत कोटा के रूप में रक्षोपाय लागू किया जो एक वर्ष के लिए प्रवृत्त था।
 - कनाडा ने दिनांक 13 मई, 2019 को टैरिफ दर कोटा के रूप में एचएसएन शीर्ष 7306, 7305, 7304, 7227, 7226, 7225, 7223, 7214, 7213, 7212, 7210, 7211, 7208, 7208, 7210, 7211, 7212, 7213, 7214, 7223, 7225, 7226, 7227, 7304, 7305, 7306, 7305, 7208, 7210, 7211, 7212, 7213, 7214, 7223, 7225, 7226, 7227, 7304, 7305, 7306, 7210, 7208, 7306, 7304, 7227, 7226, 7225, 7223, 7214, 7213, 7212, 7211 के तहत एक रक्षोपाय लागू किया। उपाय 2021 में समाप्त हो गया।
 - यू.के. ने एचएसएन शीर्ष 720853, 720853, 720852, 720852, 720840, 720839, 720838, 720837, 720836, 720827, 720826, 720825, 722691, 720810, 720854, 721113, 721114, 721119, 721260, 722519, 722530, 722530, 722530, 722540, 722540, 722619, 722691, 722691, 720854, 720810, 720825, 720826, 720827, 720836, 720837, 720838, 720839, 720840, 720852, 720852, 720853, 720853, 722691, 721113, 721114, 721119, 721260, 722519, 722530, 722530, 722530, 722540, 722540, 722619, 722691, 722691 के तहत टैरिफ दर कोटा के रूप में रक्षोपाय लागू किए। उपाय अभी भी जारी हैं।
307. रक्षोपाय के अतिरिक्त, विभिन्न डब्ल्यूटीओ सदस्यों ने अपने राज्य क्षेत्रों में स्टील उत्पादों के आयातों पर पाटनरोधी अथवा प्रतिकारी शुल्क भी लागू किए। ओईसीडी रिपोर्ट के अनुसार, स्टील उत्पादों के विरुद्ध ईयू, कनाडा, यूके और अन्य देशों द्वारा 129 व्यापार उपचार उपायों को अपनाया गया। व्यापार संरक्षण उपायों की प्रवृत्ति आयातों के उत्प्लावन की प्रतिक्रिया में स्टील के विरुद्ध व्यापार उपचार उपायों को आरंभ करने के लिए डब्ल्यूटीओ सदस्यों की ओर से उत्तरोत्तर बढ़ती प्रवृत्ति को प्रदर्शित करता है। वर्ष 2011-2013 के बीच औसतन 77 स्टील-संबंधित

जांचें आरंभ की गई थीं जो बढ़कर 2015-16²⁷ के दौरान 117 और 2019-23 के बीच 129 हो गई थी। इसके अतिरिक्त, जनवरी से सितंबर, 2024 की अवधि के दौरान, वैश्विक रूप से अधिकतम 67 नई पाटनरोधी जांच आरंभ की गई हैं जो 2015-16²⁸ के अत्यधिक क्षमता संकट के बाद से अवलेकित व्यापार उपचार कार्यवाहियों की उच्चतम संख्या का प्रतिनिधित्व करता है। स्टील फ्लैट उत्पादों के विरुद्ध 2019-23²⁹ के बीच स्टील उत्पादों के विरुद्ध जांचों की 70% से अधिक संख्या को लक्षित किया गया था। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि ओईसीडी की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, अकेले 2024 में देशों (भारत को छोड़कर) द्वारा स्टील के खिलाफ 79 व्यापार उपाय जांच शुरू की गई थी।

308. घरेलू उद्योग ने आगे जानकारी प्रस्तुत की है कि विश्व व्यापार संगठन द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में सभी इस्पात उत्पादों के विरुद्ध 520 एंटी-पाटन उपाय और 89 प्रतिकारी शुल्क लागू हैं।
309. प्राधिकारी का मानना है कि 2019 से पहले स्टील पर उच्च संख्या में व्यापार सुरक्षा उपाय मौजूद होने के बावजूद प्रमुख वैश्विक बाजारों में 2019-2024 के दौरान व्यापार उपाय कार्रवाइयों में देखी गई वृद्धि अप्रत्याशित है और ऐसे उपायों की अभूतपूर्व संख्या अपने आप में अप्रत्याशित है।
310. यद्यपि व्यापार उपचार उपाय सामान्यतः नियमित और चक्रीय होते हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जब भारत ने टैरिफ रियायतों सहित जीएटीटी के अंतर्गत दायित्वों को ग्रहण किया था, तो वह यह पूर्वानुमान नहीं लगा सका था कि संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा अमेरिकी 232 उपायों को लागू करने के परिणामस्वरूप अन्य सभी देशों द्वारा व्यापार उपचार उपायों की अभूतपूर्व लहर उत्पन्न हो गई है।

ख. अत्यधिक क्षमता और मांग में कमी

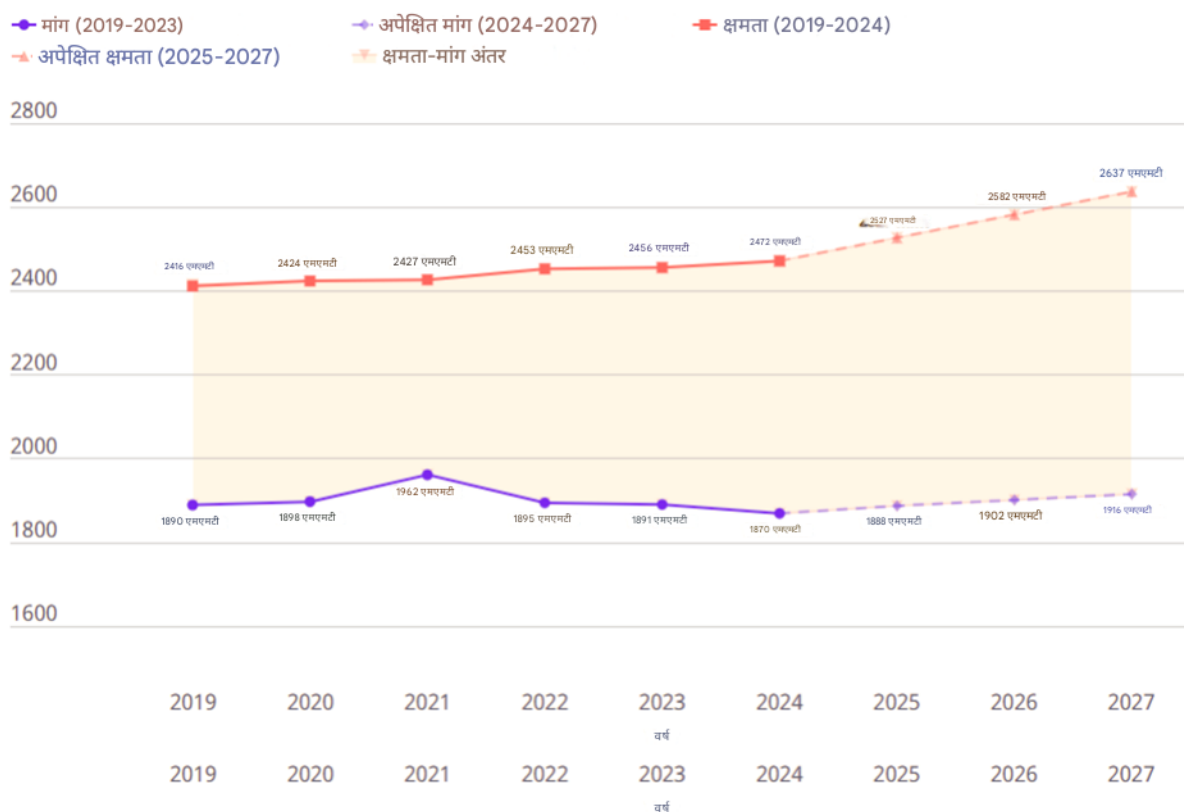
311. यह भी अनुरोध किया गया कि विभिन्न वैश्विक बाजारों में अतिरिक्त क्षमता एक पुरानी और सुप्रलेखित चुनौती रही है। लगातार वैश्विक अतिरिक्त क्षमता की समस्या को कई उद्योग रिपोर्टों और व्यापार विश्लेषणों में उजागर किया गया है। यह भी अनुरोध किया गया कि चीन की "तीन लाल रेखाएँ" नीति 2020 से ही ज्ञात थी। पक्षकारों ने यह भी प्रस्तुत किया कि आसियान क्षेत्र में चीनी निवेश कई वर्षों से हो रहा है और इसकी कोई उम्मीद नहीं है।
312. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि केवल इसलिए कि अतिरिक्त क्षमता के मुद्दे पर वैश्विक मंचों पर काफी समय से चर्चा हो रही है, इसका अर्थ यह नहीं है कि जीएटीटी दायित्वों को पूरा करते समय अतिरिक्त क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि की भविष्यवाणी की गई थी।
313. प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि "स्टील निर्माण क्षमता में अद्यतन विकास"³⁰ पर ओईसीडी रिपोर्ट के अनुसार, 2019-2022 की अवधि में वैश्विक स्टील निर्माण क्षमता ने वृद्धि के चार लगातार वर्ष दर्शाए हैं। अकेले 2022 में ही, वैश्विक स्टील निर्माण क्षमता 32.1 एमएमटी से बढ़कर 2459.1 एमएमटी हो गई जो इतिहास में उच्चतम वैश्विक क्षमता का आंकड़ा है। हाल ही में ओईसीडी की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक इस्पात निर्माण क्षमता 2024 में 2472 एमएमटी तक पहुंच गई और खपत घटकर 1870 एमएमटी हो गई। 2022 में वैश्विक क्षमता में देखी गई वृद्धि कुछ विशाल स्टील उत्पादक अर्थव्यवस्थाओं के क्षमता स्तर की तुलना में अधिक थी (उदाहरण के लिए 2022 में 26 एमएमटी की क्षमता के साथ वियतनाम)।

²⁷ कमीशन इम्प्लीमेंटिंग रेग्युलेशंस (ई.यू.) 2023/104, एल 12/14 पैरा 14

²⁸ ओईसीडी, स्टील समिति का 96वां सत्र, अध्यक्ष द्वारा भाषण

²⁹ ओईसीडी, स्टील व्यापार और व्यापार नीति विकास (जनवरी-जून, 2023)

³⁰ ओईसीडी रिपोर्ट दिनांक 18 जनवरी, 2024



(स्रोत: ओईसीडी)

314. इसके अतिरिक्त, वैश्विक क्षमता और अपरिष्कृत स्टील उत्पादन के बीच अंतर है जो वैश्विक रूप से महत्वपूर्ण अत्यधिक क्षमता को इंगित करता है। अत्यधिक क्षमता 2021 में 512.6 एमएमटी से बढ़कर 2022 में 627.7 एमएमटी हो गया। अत्यधिक स्टील निर्माण क्षमता आंकड़े अपरिष्कृत स्टील निर्माण क्षमता से संबंधित हैं। उत्पादकों को अपरिष्कृत स्टील को बिक्री योग्य स्टील में परिवर्तित करना चाहिए जो तब लम्बे अथवा फ्लैट स्टील उत्पादों में परिवर्तित किया जा सकता है। जहां लम्बे अथवा फ्लैट के लिए विशिष्ट अत्यधिक क्षमता का हिस्सा समान नहीं हो सकता, अत्यधिक अपरिष्कृत स्टील निर्माण क्षमता अप्रयुक्त महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की प्रतिनिधि है जो निर्धारित लागतों में जोड़ी जाती है और पूरे विश्व में स्टील उत्पादकों को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है। अत्यधिक क्षमता में इस प्रकार की वृद्धि स्टील उद्योग की दीर्घावधिक स्थिति और व्यवहार्यता के लिए गहन जोखिम प्रस्तुत करती है।

315. जापान में स्टील खपत इसकी स्टील क्षमता की तुलना में उल्लेखनीय रूप से कम है और जापानी स्टील उद्योग अत्यधिक निर्यातोन्मुखी है। परिष्कृत स्टील क्षमता और जापान में स्टील की खपत निम्नानुसार है:-

विवरण	2021	2022	2023
अपरिष्कृत स्टील क्षमता	122.4	122.4	117.8
अपरिष्कृत स्टील खपत	63.6	60.8	58.7
खपत की तुलना में अत्यधिक क्षमता	58.8	61.6	59.1
खपत के प्रतिशत के रूप में अत्यधिक क्षमता	92%	101%	101%

(स्रोत: विश्व स्टील संघ)

316. इसी प्रकार, दक्षिण कोरिया में स्टील क्षमता इसकी स्टील खपत की तुलना में उल्लेखनीय रूप से अधिक है और दक्षिण कोरिया स्टील उद्योग अत्यधिक निर्यातोन्मुखी है, जैसा कि नीचे दिखाया गया है:

विवरण	2021	2022	2023
अपरिष्कृत स्टील क्षमता	81.6	81.6	81.6
अपरिष्कृत स्टील खपत	58.4	53.4	54.6
खपत की तुलना में अत्यधिक क्षमता	23.2	28.2	27
खपत के प्रतिशत के रूप में अत्यधिक क्षमता	40%	53%	49%

(स्रोत: विश्व स्टील संघ)

317. घरेलू उद्योग ने 2024 के दौरान अतिरिक्त क्षमता के संबंध में निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत की:

विवरण	इकाइयों	चीन	जापान + कोरिया	कुल
इस्पात निर्माण क्षमता ³¹	एमएमटी	1141.5	198.6	1340.1
माँग ³²	एमएमटी	909	106	1015
माँग के संबंध में अतिरिक्त क्षमता	एमएमटी	232.5	92.6	325.1
अतिरिक्त इस्पात निर्माण क्षमता %	%	26%	87%	32%
स्पष्ट स्टील उपयोग (तैयार उत्पाद) ³³	एमएमटी	857	99.2	956
स्पष्ट इस्पात उपयोग (तैयार इस्पात) के संबंध में अतिरिक्त क्षमता	एमएमटी	285	99	384
अतिरिक्त क्षमता % (तैयार स्टील)	%	33%	100%	40%

318. घरेलू उद्योग ने आगे कहा कि रिकॉर्ड में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, जापान और कोरिया की क्षमता, उनके द्वारा खपत किए जाने वाले तैयार इस्पात की मात्रा से दोगुनी है, जबकि चीन की अतिरिक्त क्षमता, उसके तैयार इस्पात की खपत का 40% है। घरेलू उद्योग ने कहा कि तैयार इस्पात में पीयूसी सहित कई उत्पाद श्रेणियां शामिल हैं।

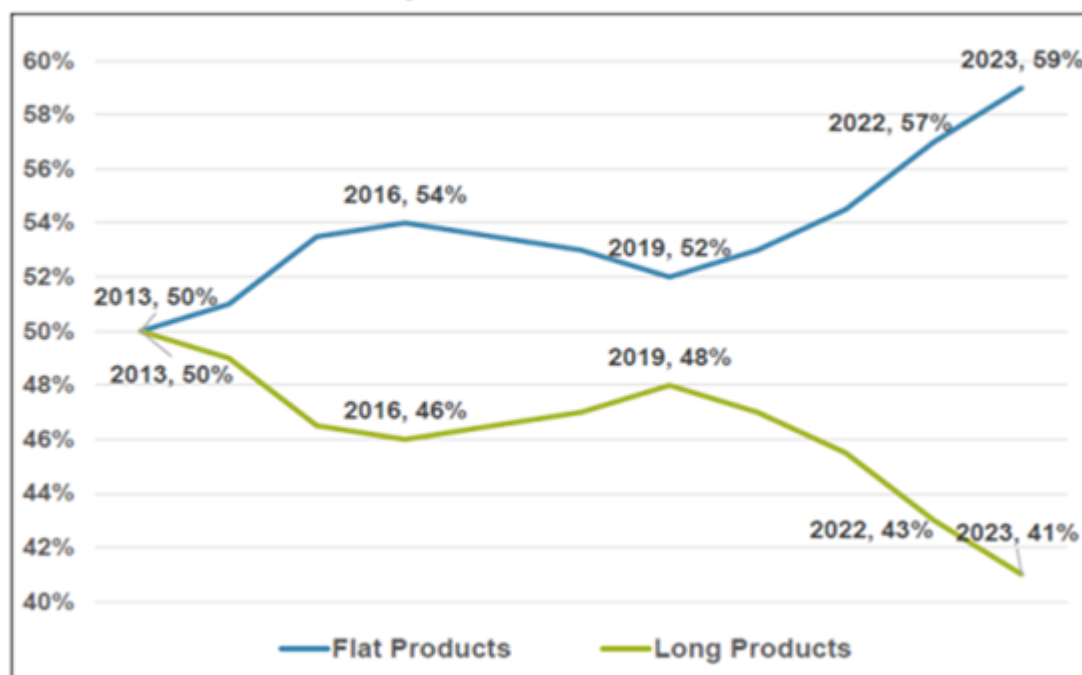
³¹ ओईसीडी (2025), ओईसीडी स्टील आउटलुक 2025, ओईसीडी प्रकाशन, पेरिस, <https://doi.org/10.1787/28b61a5e-en>.

³² पहचान।

³³ <https://worldsteel.org/data/world-steel-in-figures/world-steel-in-figures-2025/#apparent-steel-use-2020-to-2024>

इसलिए, तैयार इस्पात की अतिरिक्त क्षमता, फ्लैट इस्पात या पीयूसी में अतिरिक्त क्षमता का एक अच्छा संकेतक है।

Chart 14: Share of Flat & Long Products in Total Production



Source: WSA, Estimated Contributions

स्रोत: डब्ल्यूएसए, अनुमानित अंशदान

319. वर्ष 2020 में, चीन ने अचल डेवलपर्स के अत्यधिक ऋण लेने को नियंत्रित करने के लिए “थ्री रेड लाइंस” नीति आरंभ की। इस नीति ने ऋण अनुपातों पर सख्त सीमाएं निर्धारित कीं, जिन्हें बहुत से डेवलपर्स पूरा करने में असमर्थ हैं, जिनके कारण ऋण चुकाने में चूक सहित प्रतिबंधित ऋण और वित्तीय तनाव पैदा हुआ।³⁴ परिणामस्वरूप, रियल एस्टेट क्षेत्र में मांग में महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई। परिणाम स्वरूप बहुत सी निर्माण परियोजनाओं में रुकावट या व्यवधान पैदा हुआ। परिणाम स्वरूप चीन के रियल एस्टेट निवेशों में 2021 के बाद से कमी आई और जनवरी से जुलाई, 2024 के दौरान इसमें 10.2% की गिरावट आई। इस कारण चीन में लम्बे उत्पादों की घरेलू स्टील खपत में गिरावट आई। चीन के स्टील उद्योग ने निर्माण क्षेत्र से घरेलू स्टील मांग में गिरावट को दूर करने के लिए एकाधिकार नीतियां अपनाई। एक में, कारखानों ने उत्पादन को लम्बे उत्पादों से बदल कर फ्लैट कर दिया। जैसा कि नीचे ग्राफ से देखा जा सकता है, फ्लैट उत्पादों का उत्पादन हिस्सा 50% से बढ़ कर 59% हो गया है जबकि लम्बे उत्पादों में तदनुरूपी तौर पर कमी आ रही है।

³⁴ यूबीएस “चाइनीज थ्री रेड लाइंस -औपरचुनीटीज ने चाइना रियम एस्टेट”, <https://www.ubs.com/global/en/assetmanagement/insights/thematic-viewpoints/apac-and-emerging/articles/china-three-red-lines.html>

320. पुर्नअर्थाकन के लिए अतिरिक्त कारणों में से एक विदेशी बाजारों को लम्बे उत्पादों की तुलना में फ्लैट उत्पादों का अन्वेषण किया जाना भी है। इस कारण चीन जन.गण. से फ्लैट उत्पादों के निर्यातों में वृद्धि हुई।
321. प्राधिकारी ने अत्यधिक क्षमता की मात्रा को ध्यान में रखते हुए उक्त घटनाक्रमों को अप्रत्याशित धारित किया है। इसी प्रकार लम्बे उत्पादों से फ्लैट उत्पादों में उत्पादन की मात्रा में महत्वपूर्ण परिवर्तन जो चीन में घटित हुआ है, भी अप्रत्याशित है।

ग. एशियन क्षेत्र स्टील क्षेत्र में परिवर्तन

322. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि आसियान क्षेत्र के इस्पात क्षेत्र में चीनी निवेश में वृद्धि हुई है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने कहा कि आसियान में चीनी निवेश में वृद्धि अप्रत्याशित नहीं है क्योंकि इसकी काफी समय से अच्छी तरह से रिपोर्टिंग की जा रही है।
323. प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि 2019 में यह रिपोर्ट की गई थी कि चीनी मिलों से विद्यमान विदेशी क्षमता का लगभग आधा एशियन में स्थित था और वे विभिन्न चीनी मिलें एशियन क्षेत्र में क्षमता स्थापित कर रही हैं। एशियन क्षेत्र द्वारा महत्वपूर्ण रूप से अपरिष्कृत स्टील उत्पादन क्षमता को बढ़ाने की संभावना है। जारी अत्यधिक क्षमता स्वयं महत्वपूर्ण वृद्धि होने के जोखिम पर हैं। अत्यधिक क्षमता में वृद्धि भी भारत में स्टील फ्लैट उत्पादों के आयातों में वृद्धि के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी हैं क्योंकि अत्यधिक क्षमता उत्पादकों को तीसरे देश के बाजारों में निर्यातों के जरिए अत्यधिक क्षमता को बेचने के लिए प्रेरित करती हैं।
324. गिरती हुई स्टील की मांग और एक कमजोर परिदृश्य के बावजूद, तीव्र गति से क्षमता विस्तार जारी है। उदाहरण के लिए, वियतनाम जो अतीत में भारतीय स्टील उद्योग के लिए एक निवल स्टील निर्यात गंतव्य था, अब भारत को एक निवल स्टील निर्यातक है। एशियन देशों में जोड़ी जा रही नई क्षमताएं जैसे वियतनाम, कंबोडिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, थाइलैंड, मलेशिया, फिलीपीन्स मुख्य भूमि के चीनी निवेश हैं।
325. प्राधिकारी आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की एक हालिया रिपोर्ट पर भी ध्यान देता है, जिसमें बताया गया है कि चीन ने इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस और वियतनाम में इस्पात संयंत्रों के निर्माण में 18.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश किया है, जिससे कुल इस्पात निर्माण क्षमता 60.51 मिलियन मीट्रिक³⁵ टन हो जाएगी। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 2018³⁶ में "अमेरिका-चीन व्यापार संघर्ष" के बाद आसियान सदस्य देशों में चीनी³⁷ निवेश में तेज़ी आई है। विदेशी निवेश का उद्देश्य चीन में अत्यधिक उत्पादन क्षमता की समस्या का समाधान करना भी था।
326. प्राधिकारी ने स्टील क्षेत्र में उपर्युक्त परिवर्तनों का सावधानी पूर्वक अवलोकन किया है। यह नोट किया गया है कि ऐसे परिवर्तनों की सीमा को देखते हुए आसियान इस्पात क्षेत्र में हुए परिवर्तन अप्रत्याशित प्रतीत होते हैं। जीएटीटी के तहत बाध्यताओं को अपनाते समय, भारत ने यह आशा नहीं की थी कि चीन में "श्री रेड लाइन्स" जैसे कोई नीति निर्माण क्षेत्र को प्रभावित करेगी और स्टील लम्बे उत्पादों की घरेलू खपत में ऐसी गिरावट का कारण बनेगी कि फ्लैट उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि हो जाएगी। न ही भारत ने यह आशा की थी कि विदेशी बाजारों में स्टील फ्लैट उत्पादों के लिए अनुकूल निर्यात बाजार स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं और यह स्टील उत्पादन की क्षमता में ऐसी गति से वृद्धि हो सकती है कि यह आंतरिक खपत के स्तर को महत्वपूर्ण स्तर तक पार कर जाएगा, इस प्रकार कमजोर मांग के बावजूद अतिरिक्त क्षमता पैदा हुई। न ही भारत ने यह आशा की थी कि यह बदले में, समग्र स्टील उद्योग की स्थिति को देखते हुए जोरदार व्यापार सुरक्षा उपायों का नेतृत्व करेगा। इसके अतिरिक्त, भारत ने रियायतों पर बातचीत करते समय यह भी उम्मीद नहीं की थी कि चीन की अत्यधिक क्षमताएं और निर्यात कोरिया और जापान सहित, एसियान में शामिल देशों तक फैल जाएंगे और अत्यधिक निर्यातोन्मुखी बन जाएंगे। सभी ऊपर उल्लिखित घटनाक्रम और परिस्थितियां क्षमता, उत्पादन अथवा बाजार-स्थिति में परिवर्तनों

³⁵ ओईसीडी (2025), ओईसीडी स्टील आउटलुक 2025, ओईसीडी पब्लिशिंग, पेरिस, <https://doi.org/10.1787/28b61a5e-en>.

³⁶ आईडी., पृष्ठ 30.

³⁷ आईडी.

में मात्र एक परिवर्तन से अधिक के लिए उत्तरदायी हैं। अतः, प्राधिकारी का मत है कि ऊपर वर्णित घटनाक्रमों के एकत्र होने का संचयी प्रभाव स्पष्ट रूप से अप्रत्याशित था।

घ. अप्रत्याशित घटनाक्रमों और बढ़े हुए आयातों के बीच तार्किक संबंध

327. यह भी तर्क दिया गया है कि बढ़े हुए आयात और अप्रत्याशित घटनाक्रमों के बीच कोई तार्किक संबंध नहीं है। यह प्रस्तुत किया गया कि आवेदन में और प्रारंभिक जांच परिणामों में प्रस्तुत अप्रत्याशित घटनाक्रम सामान्य रूप से 'इस्पात उत्पादों' से संबंधित हैं, न कि केवल विचाराधीन उत्पाद (विचाराधीन उत्पाद) से। हितबद्ध पक्षकारों ने प्रस्तुत किया है कि ऐसा कोई अनुभवजन्य साक्ष्य नहीं है जो यह प्रदर्शित करे कि विभिन्न अन्य देशों द्वारा की गई व्यापारिक कार्यवाहियों के परिणामस्वरूप विचाराधीन उत्पाद में व्यापार विचलन हुआ है।
328. घरेलू उद्योग का दावा है कि (क) जांचाधीन वस्तु के आयातों में उछाल व्यापार सुरक्षा उपायों को लागू किए जाने और ऊपर उल्लिखित अन्य घटनाक्रमों का अनुसरण करता है; और (ख) आयातों में वृद्धि विभिन्न अप्रत्याशित घटनाक्रमों के प्रभाव के कारण हो सकती है जैसे स्टील, अत्यधिक क्षमता के विरुद्ध एकाधिक व्यापार सुरक्षा उपायों और चीन, जापान, कोरिया, और एशियन में कम होती मांग और एशियन स्टील क्षेत्र में परिवर्तनों के कारण। सुरक्षावाद और निर्यात-उन्मुखीकरण के इस संगम में भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु की बाढ़ ला दी – जो इस समय एकमात्र बढ़ता हुआ, वृहत स्टील की खपत करने वाला ऐसा बाजार है जिसने कोई सुरक्षा संबंधी उपाय लागू नहीं किए हैं।
329. यूरोपीय संघ - स्टील पर सुरक्षा उपाय (तुर्की) में, पैनल ने नोट किया कि "कुछ अप्रत्याशित घटनाओं और आयात में वृद्धि के बीच समय में संयोग का प्रदर्शन करना, और उनके संबंध को स्पष्ट करना, अनुच्छेद XIX: 1 (ए) के प्रयोजनों के लिए उनके तार्किक संबंध को स्थापित करने के लिए पर्याप्त है।"
330. चीन की तीन लाल रेखाओं वाली नीति से संबंधित तार्किक संबंध के संबंध में, प्राधिकारी ने नोट किया है कि, जैसा कि ऊपर पहले ही जांचा जा चुका है, इस नीति का समय चीन के लंबे उत्पादों के निर्यात में गिरावट और चपटे उत्पादों (जिसमें पीयूसी भी शामिल है) के निर्यात में वृद्धि के साथ पूरी तरह मेल खाता है। घरेलू उद्योग ने आसियान देशों में चपटे इस्पात उत्पादन (जिसमें पीयूसी भी शामिल है) क्षमताओं में चीन के निवेश के बारे में भी जानकारी प्रदान की है।³⁸
331. अतिरिक्त इस्पात निर्माण क्षमता और इस्पात निर्यात में वृद्धि के बीच तार्किक संबंध के संबंध में, घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया कि ओईसीडी की एक रिपोर्ट ने अतिरिक्त इस्पात निर्माण क्षमता और देशों के निर्यात अभिविन्यास के बीच सीधा संबंध स्थापित किया है:

"अतिरिक्त क्षमता और सब्सिडी की निरंतर समस्याओं के कारण इस्पात व्यापार प्रवाह में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। 2020 से चीनी इस्पात निर्यात दोगुने से भी अधिक हो गया है (चित्र 1.5), जो 2024 में रिकॉर्ड-उच्च 118 एमएमटी पर पहुंच गया है, जबकि देश का इस्पात आयात लगभग 80% घटकर 8.7 एमएमटी रह गया है। तेजी से बढ़ती क्षमता वाली कुछ अन्य अर्थव्यवस्थाएं भी तेजी से निर्यात वृद्धि दर्ज कर

रही हैं, हालांकि बहुत निचले स्तर से। चीन के इस्पात निर्यात और आयात से संबंधित ये बदलाव कई ओईसीडी और अन्य बाजार-उन्मुख अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापार-संबंधी चुनौती पेश करते हैं, क्योंकि उनके निर्यात में गिरावट आई है जबकि आयात में वृद्धि हुई है।

अतिरिक्त क्षमता की व्यापार-संबंधी चुनौतियाँ आयातक बाजारों पर प्रत्यक्ष प्रभावों से कहीं आगे जाती हैं – जहाँ अतिरिक्त क्षमता वाले स्रोतों से आयात घरेलू इस्पात उत्पादन को काफ़ी

हद तक विस्थापित कर सकता है और उन देशों के निर्यातकों के लिए अवसर कम कर सकता है जो अतिरिक्त क्षमता के स्रोत नहीं हैं – और कई ओईसीडी देशों पर इसके हानिकारक अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ सकते हैं। उदाहरण के लिए, चीन से निर्यात तीसरे बाजारों में भी बढ़ रहा है, जिनमें से कुछ बढ़ती अतिरिक्त क्षमता से भी जूझ रहे हैं, जैसे उत्तरी अफ्रीका, मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया, जो बदले में अपने निर्यात को बढ़ाते हैं, विशेष रूप से ओईसीडी देशों को, क्योंकि उनके घरेलू बाजार अतिरिक्त इस्पात से संतुप्त हैं।³⁹

332. प्राधिकारी घरेलू उद्योग के इस निवेदन पर भी गौर करता है कि जापान और कोरिया में तैयार इस्पात की खपत के प्रतिशत के रूप में अतिरिक्त क्षमता 100% है, जबकि चीन में तैयार इस्पात की खपत के प्रतिशत के रूप में अतिरिक्त क्षमता 33% है। इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग ने समग्र रूप से तैयार इस्पात से संबंधित अतिरिक्त क्षमता की जानकारी प्रदान की है, जिसमें पीयूसी सहित इस्पात उत्पादों की विभिन्न श्रेणियां शामिल हैं। इसलिए, घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई अतिरिक्त क्षमता की जानकारी पीयूसी की वैश्विक अतिरिक्त क्षमता का एक अच्छा संकेतक है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकॉर्ड में यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त जानकारी है कि तैयार इस्पात उत्पादों (जिसमें पीयूसी शामिल है) में अतिरिक्त वैश्विक इस्पात निर्माण क्षमता के परिणामस्वरूप भारत में आयात में हाल ही में अचानक, तेज और महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।
333. व्यापार उपचार उपायों और व्यापार विचलन के बीच तार्किक संबंध के संबंध में, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि यूएस इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित डेटा इंगित करता है कि अमेरिका में फ्लैट स्टील उत्पादों का आयात 2017 में 12.1 एमएमटी (धारा 232 उपाय लागू होने से पहले) से घटकर 2024 में 10.6 एमएमटी हो गया।⁴⁰ यह इस अवधि के दौरान अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों को दी गई धारा 232 उपायों से छूट के बावजूद था।
334. यह भी अनुरोध किया गया है कि यूरोपीय संघ द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह भी निष्कर्ष निकाला गया है कि यूरोपीय संघ द्वारा लागू किए गए व्यापार सुधार उपायों के परिणामस्वरूप यूरोपीय बाजार में इस उत्पाद के आयात में 82% की गिरावट आई है।⁴¹ केवल इस्पात उत्पादों पर लागू किए गए व्यापार सुधार उपायों के लिए, यूरोपीय संघ की रिपोर्ट में पाया गया कि इन उपायों के लागू होने के बाद आयात मात्रा में 73% की कमी आई है।
335. घरेलू उद्योग ने यह भी कहा कि ओईसीडी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यापार उपायों का प्रभाव व्यापार को अन्य देशों की ओर मोड़ने पर पड़ता है:

“यह वृद्धि, अतिरिक्त क्षमता के स्रोतों के इस्पात के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रवाह पर पड़ने वाले प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभावों को दर्शाती है।

व्यापार उपायों के अधीन इस्पात उत्पादक अक्सर अपने निर्यात को ऐसे बाजारों में स्थानांतरित करके, जहाँ व्यापार उपाय कम या बिना किसी प्रतिबंधात्मक व्यापार उपाय के होते हैं, या उनसे बचने के तरीके खोजकर, इस प्रभाव को कम करने का प्रयास करते हैं। वे ऐसा उन अपस्ट्रीम या डाउनस्ट्रीम उत्पादों को बेचकर करते हैं जो व्यापार उपायों के अधीन

³⁹ ओईसीडी (2025), ओईसीडी स्टील आउटलुक 2025, ओईसीडी प्रकाशन, पेरिस, <https://doi.org/10.1787/28b61a5e-en>

⁴⁰ <https://www.trade.gov/data-visualization/united-states-steel-imports-report>

⁴¹ 12 जनवरी 2023 का आयोग कार्यान्वयन विनियमन (ईयू) 2023/104, कार्यान्वयन विनियमन (ईयू) 2019/159 में संशोधन करता है, जो विश्व व्यापार संगठन के विवाद निपटान निकाय द्वारा अपनाई गई एक रिपोर्ट के बाद कुछ इस्पात उत्पादों के आयात पर एक निश्चित सुरक्षा उपाय लागू करता है, <https://eur-lex.europa.eu/legal-content/EN/TXT/PDF/?uri=CELEX:32023R0104&from=EN>

नहीं हैं, और/या उत्पादों को आगे की प्रक्रिया/परिष्करण के लिए मध्यस्थ देशों में भेजकर और अंततः उन देशों में निर्यात करके करते हैं जहाँ व्यापार उपाय लागू हैं।⁴²

336. प्राधिकारी ने पाया है कि यूएसए में संबंधित उत्पाद (एचएसएन टैरिफ शीर्ष 7208, 7209, 7210, 7211, 7212, 7225 और 7226 के अन्तर्गत आने वाले) के आयातों में 2021 की तुलना में 2023 में 2.183 एमएमटी की गिरावट आई है जैसा कि नीचे सारणी में देखा जा सकता है:

(मात्रा एमटी में)

देश	सीवाई 2021	सीवाई 2022	सीवाई 2023	यूएसए में आयातों में संचयी गिरावट	2021-2023 के बीच भारत में आयातों में वृद्धि
चीन	140,886	209,118	92,010	(48,876)	801,595
जापान	463,837	438,808	351,232	(112,605)	443,030
कोरिया गणराज्य	1,361,971	1,259,274	1,152,649	(209,322)	394,752
वियतनाम	679,022	660,413	249,938	(429,084)	847,437
अन्य	8,131,981	8,102,976	7,062,825	(1,069,156)	35,619
जोड़	1,334,940	11,151,458	9,151,127	(2,183,813)	2,522,433

(स्रोत: व्यापार मैप डेटाबेस)

337. इसी अवधि के दौरान, भारत में संबंधित उत्पाद के आयात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। उदाहरणार्थ, 2021-2023 की अवधि के दौरान जापान से अमेरिका में आयात में 112,605 मीट्रिक टन की गिरावट आई, जबकि जापान से भारत में आयात में 443,030 मीट्रिक टन की वृद्धि हुई। ऐसा लगता है कि जापान से अमेरिका में आयात में गिरावट जापान से भारत में आयात में वृद्धि का एक महत्वपूर्ण कारण प्रतीत होती है। इसी प्रकार, चीन, कोरिया, वियतनाम से अमेरिका में आयात में गिरावट ने भी ऐसे देशों से भारत में आयात में वृद्धि में योगदान दिया है।
338. उपर्युक्त घटनाक्रमों के संचयी प्रभाव के रूप में, चीन जन.गण. से पी.यू.सी. के आयात में 5 गुना से अधिक की वृद्धि हुई। हालाँकि, वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में जांच अवधि में एचआर प्लेट मिल प्लेट्स और सीआर कॉइल्स और शीट्स के आयात में तेजी से गिरावट आई है, अर्थात् कोई वृद्धि नहीं हुई है जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दिखाया गया है:

(एमटी की 000 में मात्रा)

विवरण	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई	संचयी वृद्धि
एचआर कॉइल्स और शीट्स	55	137	573	790	735

विवरण	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई	संचयी वृद्धि
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	31	85	293	416	385
सीआर कॉइल्स और शीट्स	24	21	24	50	26
मैटालिक कोटेड स्टील	44	34	89	72	28
कलर कोटेड स्टील	74	93	244	288	214
कुल	228	370	1,223	1,616	1,388

339. इसी प्रकार, जापान से आयात में संचयी आधार पर उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। हालाँकि, वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में जाँच अवधि में एचआर प्लेट मिल प्लेट्स के आयात में भारी गिरावट आई, अर्थात् कोई वृद्धि नहीं हुई। इसके अलावा, यह भी देखा गया है कि जाँच अवधि के दौरान सीआर कॉइल्स और शीट्स तथा मैटालिक कोटेड स्टील के आयात में 2023-24 की तुलना में कोई वृद्धि नहीं हुई है। विवरण नीचे दी गई तालिका में दिए गए हैं:

(एमटी की 000 में मात्रा)

विवरण	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई	संचयी वृद्धि
एचआर कॉइल्स और शीट्स	73	306	593	1,121	1,048
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	56	59	22	66	10
सीआर कॉइल्स और शीट्स	76	92	113	112	36
मैटालिक कोटेड स्टील	116	94	130	134	18
कलर कोटेड स्टील	7	7	7	9	2
कुल	328	558	865	1,442	1,114

340. कोरिया जन. गण. से आयात में भी संचयी आधार पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई। हालाँकि, रंगीन लेपित इस्पात के आयात में वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में जाँच अवधि में गिरावट आई, अर्थात् कोई वृद्धि नहीं हुई। इसके अलावा, यह भी देखा गया है कि, जैसा कि दिखाया गया है, जाँच अवधि के दौरान सीआर कॉइल्स और शीट्स के आयात में 2023-24 की तुलना में कोई वृद्धि नहीं हुई है। विवरण नीचे दी गई तालिका में दिए गए हैं।

(एमटी की 000 में मात्रा)

विवरण	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई	संचयी वृद्धि
एचआर कॉइल्स और	866	1052	1295	1353	487

विवरण	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई	संचयी वृद्धि
शीट्स					
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	116	104	234	340	224
सीआर कॉइल्स और शीट्स	366	441	344	345	-21
मेटालिक कोटेड स्टील	198	284	385	432	234
कलर कोटेड स्टील	49	59	71	70	21
कुल	1,595	1,940	2,329	2,539	945

341. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में वियतनाम से आयात में भी संचयी वृद्धि हुई है। हालाँकि, एचआर प्लेट मिल प्लेट्स का कोई आयात नहीं हुआ है। यह भी देखा गया है कि सीआर कॉइल्स और शीट्स के आयात में कोई वृद्धि नहीं हुई है। इसके अलावा, यह भी देखा गया है कि 2023-24 की तुलना में जांच अवधि के दौरान मेटालिक कोटेड स्टील के आयात में गिरावट आई है। विवरण नीचे दी गई तालिका में दिए गए हैं।

(वॉल्यूम 000 मीट्रिक टन में)

विवरण	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई	संचयी वृद्धि
एचआर कॉइल्स और शीट्स	-	172	582	697	525
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	-	-	-	-	-
सीआर कॉइल्स और शीट्स	-	-	0.12	0.12	0
धातु लेपित स्टील	25	50	91	89.87	65
रंग लेपित स्टील	4	9	8	5	1
कुल	29	231	681	792	591

342. प्राधिकारी का मानना है कि अप्रत्याशित घटनाक्रमों और आयात में मुख्य रूप से एचआर कॉइल्स और शीट्स में वृद्धि के बीच पर्याप्त कालिक संबंध मौजूद है।

343. प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि 10 फरवरी 2025 को, संयुक्त राज्य अमेरिका ने घोषणा की है कि वह विभिन्न देशों को दी गई छूट और रियायतों को रद्द करके, सभी स्रोतों से संयुक्त राज्य अमेरिका में सभी आयातों पर 12 मार्च 2025 से स्टील उत्पादों पर 25% अतिरिक्त शुल्क लगाएगा। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि छूट और रियायतों को वापस लेने के परिणामस्वरूप, उन देशों से अधिक आयात वापस आने की उम्मीद है और भारत बड़े हुए आयातों के प्रति अधिक संवेदनशील हो गया है। तथापि, इस स्तर पर इस विकास के प्रभाव की कल्पना करना मुश्किल हो सकता है।

अ. जीएटीटी के तहत दायित्वों का प्रभाव

344. जीएटीटी 1947 के अनुच्छेद XIX:1 (क) के अनुसार आयात में वृद्धि 'इस समझौते के तहत अनुबंध करने वाले पक्ष द्वारा उठाए गए दायित्वों के प्रभाव के कारण होगी, जिसमें टैरिफ रियायतें भी शामिल हैं। इस पाठ की व्याख्या करने के लिए पैनल या अपीलीय निकाय की रिपोर्ट से कुछ मार्गदर्शन लिया जा सकता है। सबसे पहले, कोरिया-डेयरी में अपीलीय निकाय ने यह राय दी कि: "यह तथ्य के तौर पर प्रदर्शित किया जाना चाहिए कि आयात करने वाले सदस्य ने जीएटीटी 1994 के तहत टैरिफ रियायतों सहित दायित्वों को उठाया है"।⁴³ दूसरे, भारत में पैनल रिपोर्ट में – लौह और इस्पात उत्पादों के आयात पर कुछ उपाय में⁴⁴, यह इस प्रकार देखा गया है:

"7.87. सुरक्षा उपाय लागू करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को अपनी प्रकाशित रिपोर्ट में निहित तर्कसंगत और पर्याप्त स्पष्टीकरणों के माध्यम से अप्रत्याशित घटनाक्रमों के अस्तित्व और जीएटीटी 1994 दायित्वों के प्रभाव को प्रदर्शित करना चाहिए। इन स्पष्टीकरणों में यह अवश्य दर्शाया जाना चाहिए कि चिन्हित अप्रत्याशित घटनाक्रमों के परिणामस्वरूप आयात में वृद्धि हुई है, जिससे संबंधित घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है या होने का खतरा है, और जीएटीटी 1994 के तहत एक या अधिक दायित्व ऐसे बढ़े हुए आयातों के परिणामस्वरूप होने वाले प्रभाव को रोकने या समायोजित करने की आयात करने वाले सदस्य की क्षमता को सीमित करते हैं।"

7.89. जीएटीटी 1994 के दायित्व के प्रभाव के संबंध में, सक्षम प्राधिकारी की प्रकाशित रिपोर्ट में यह अवश्य दर्शाया जाना चाहिए कि सुरक्षा उपाय लागू करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य जीएटीटी 1994 के अंतर्गत दायित्व (या दायित्वों) के अधीन है और यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि यह दायित्व उसके घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले आयात में वृद्धि पर प्रतिक्रिया करने की उसकी क्षमता को किस प्रकार बाधित करता है।"

345. वास्तव में, भारत ने जीएटीटी 1947 के अनुच्छेद II के अनुसार टैरिफ रियायतें दी हैं। अपनी रियायतों की अनुसूची में, भारत ने जांच के तहत उत्पाद के लिए सीमा शुल्क को 40% पर सीमित किया है। जहां तक यह सवाल है कि दायित्व भारत की अपने घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचाने वाले आयात में वृद्धि पर प्रतिक्रिया करने की क्षमता को कैसे बाधित करते हैं, इसमें यह प्रासंगिक है कि:

- i. भारत एक विकासशील देश है जिसके विकास नीति उद्देश्य वैध हैं। इन उद्देश्यों के साथ, 2017 में घोषित भारत की राष्ट्रीय इस्पात नीति 2030 तक 300 मीट्रिक टन इस्पात निर्माण क्षमता हासिल करने की आकांक्षा रखती है। इससे 2030-31 तक 10 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश होगा। नीति का उद्देश्य इस्पात की खपत बढ़ाना है और इसके प्रमुख क्षेत्र बुनियादी ढांचा, ऑटोमोबाइल और आवास हैं। नई इस्पात नीति का लक्ष्य प्रति व्यक्ति इस्पात खपत को मौजूदा 60 किलोग्राम से बढ़ाकर 2030 तक 160 किलोग्राम करना है।
- ii. यदि आयात वृद्धि से घरेलू इस्पात उद्योग को गंभीर नुकसान पहुंचता है तो ऊपर बताए गए वैध विकास नीतिगत उद्देश्य हासिल नहीं किए जा सकते। जीएटीटी 1947 और अन्य डब्ल्यूटीओ समझौतों के तहत भारत द्वारा किए गए कई दायित्वों ने आयात में वृद्धि पर प्रतिक्रिया करने की भारत की क्षमता को बाधित किया है। जीएटीटी 1947 के तहत निम्नलिखित अनुच्छेदों को उदाहरण के तौर पर उद्धृत किया जा सकता है:

⁴³ अपीलीय निकाय रिपोर्ट, कोरिया - डेयरी, पैरा 84; अपीलीय निकाय रिपोर्ट, अर्जेंटीना - फुटवियर (ईसी), पैरा 91.

⁴⁴ पैनल रिपोर्ट, भारत - लौह और इस्पात उत्पादों के आयात पर विशेष उपाय, पैरा 7.87, 7.89.

- i अनुच्छेद I प्रत्येक डब्ल्यूटीओ सदस्य को सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र का दर्जा देने का दायित्व डालता है, जिससे भारत की उस डब्ल्यूटीओ सदस्य देश, यदि उस देश से आयात की मात्रा में काफी वृद्धि हो जाती है, जिससे गंभीर क्षति होती है, से आयात पर सीमा शुल्क की भिन्न दरें लागू करने की क्षमता सीमित हो जाती है।
- ii अनुच्छेद XI में कोटा, आयात या निर्यात लाइसेंस, या अन्य उपायों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का दायित्व निहित है, जो आयात या निर्यात की मात्रा को प्रतिबंधित करते हैं तथा यह सुनिश्चित करते हैं कि व्यापार प्रवाह यथासंभव अप्रतिबंधित रहे।
- iii अनुच्छेद XVI और एससीएम समझौते में उन सब्सिडी को जारी न रखने का दायित्व निर्धारित किया गया है जो इसमें वर्णित सिद्धांतों के साथ असंगत हैं।

346. प्राधिकारी इन दायित्वों के संदर्भ में निम्नलिखित बातों को नोट करते हैं। सबसे पहले, ऊपर उल्लिखित दायित्वों ने अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्यों के निर्यातकों के लिए भारत के इस्पात बाजार तक पहुंच बढ़ा दी है। दूसरे, ऐसी स्थितियों में जहां अप्रत्याशित परिस्थितियों या ऐसे कारकों के संगम से घरेलू बाजार में आयात में वृद्धि होती है, ये दायित्व अलग-अलग और सामूहिक रूप से भारत की आयात में वृद्धि के लिए जिम्मेदार डब्ल्यूटीओ के अन्य सदस्यों के खिलाफ विशिष्ट और लक्षित उपाय करने की क्षमता को सीमित करते हैं।
347. सुरक्षा उपायों का उद्देश्य ऐसी स्थितियों से निपटना है। रक्षोपाय उपाय निष्पक्ष व्यापार उपाय हैं, जो पाटनरोधी या प्रतिकारी उधार उपायों से भिन्न हैं। इन्हें केवल बड़े हुए, प्रतिकूल और अप्रत्याशित आयातों के समय घरेलू उद्योग को समर्थन देने के उद्देश्य से लिया जाता है, जिससे घरेलू उद्योग को स्थायी नुकसान होता है या होने का खतरा होता है, जिससे उबरना बहुत मुश्किल या असंभव हो जाता है।
348. इन मामलों में, घरेलू उद्योगों को बचाने के लिए विश्व व्यापार संगठन के ढांचे के अंतर्गत दायित्वों को निलंबित कर दिया जाता है, जो कुछ अंतरिम हस्तक्षेपों की मदद से भविष्य में अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और कुशल साबित हो सकते हैं, और अंततः वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाले उद्योगों को संरक्षित करके वैश्विक व्यापार को लाभान्वित कर सकते हैं।
349. यद्यपि यह देखा गया है कि विचाराधीन उत्पाद पर लागू टैरिफ, निर्धारित दर से काफी कम है, प्राधिकारी का मानना है कि सुरक्षा उपाय, जांच के तहत स्थिति से निपटने के लिए अनुशासन के साथ अंतरिम तंत्र के रूप में एक उपयुक्त उपकरण प्रदान करता है, जिसे सामान्य प्रयोजन शुल्क वृद्धि प्रभावी रूप से प्राप्त करने में सक्षम नहीं हो सकती है।
350. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी का मानना है कि अप्रत्याशित घटनाक्रमों और टैरिफ रियायतों सहित जीएटीटी 1947 के तहत किए गए दायित्वों के प्रभाव के परिणामस्वरूप, विचाराधीन उत्पाद को भारत में बढ़ी हुई मात्रा में आयात किया जा रहा है।

ज. गंभीर क्षति और/अथवा गंभीर क्षति का खतरा

351. सुरक्षा नियमों के नियम 8(i) में कहा गया है कि यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयात में वृद्धि से किसी घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है या होने का खतरा है, जांच में महानिदेशक को उस उद्योग की स्थिति पर असर डालने वाले वस्तुनिष्ठ और मात्रात्मक प्रकृति के सभी प्रासंगिक कारकों का विशेष रूप से, संबंधित वस्तु के आयात में वृद्धि की दर और मात्रा निरपेक्ष और सापेक्ष रूप से, बड़े हुए आयात द्वारा घरेलू बाजार में लिया गया हिस्सा, बिक्री, उत्पादन, उत्पादकता, क्षमता उपयोग, लाभ और हानि, और रोजगार के स्तर में परिवर्तन का मूल्यांकन करना चाहिए। तदनुसार, नियमों में निर्दिष्ट क्षति मापदंडों की जांच नीचे की गई है।

i निरपेक्ष और सापेक्ष रूप में आयात में वृद्धि की दर और मात्रा:

352. जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है, (क) आयात की मात्रा में निरपेक्ष और सापेक्ष रूप से उल्लेखनीय वृद्धि हुई, (ख) आयात की मात्रा में निरपेक्ष और प्रतिशत रूप में उल्लेखनीय रूप से उच्च दर से वृद्धि हुई, और (ग) आयात की मात्रा में वृद्धि हाल ही में हुई, अचानक, तीव्र और महत्वपूर्ण थी।

ii घरेलू बाजार में आयात में वृद्धि से हिस्सेदारी बढ़ी

353. जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है, आयात के बाजार हिस्से में परिवर्तन नीचे सारणीबद्ध हैं:

उत्पाद	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
एचआर स्टील फ्लैट प्रोडक्ट्स	%	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	134	194	244
सीआर कॉइल और शीट	%	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	143	120	110
मैटालिक कोटेड स्टील	%	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	121	152	144
कलर कोटेड स्टील	%	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	118	204	225
समग्र पीयूसी के लिए	%	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	134	180	208

354. क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान आयातों ने समग्र पीयूसी के लिए घरेलू उद्योग के हिस्से का ***% हिस्सा अधिकृत कर लिया, जैसा कि ऊपर दी गई तालिका में दिखाया गया है। इसी अवधि के दौरान आयातों का बाजार हिस्सा एचआर स्टील फ्लैट उत्पादों के लिए ***%, सीआर कॉइल और शीट्स के लिए ***%, मैटालिक कोटेड स्टील के लिए ***% और कलर कोटेड स्टील के लिए ***% बढ़ा।

iii बिक्री के स्तर में परिवर्तन

355. क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान समग्र उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में ***% की वृद्धि हुई। जबकि 2022-23 के दौरान इसमें ***% की वृद्धि हुई, और 2023-24 के दौरान और ***% की वृद्धि हुई, लेकिन जांच अवधि के दौरान इसमें मामूली गिरावट आई जैसा कि नीचे दी गई तालिका से देखा जा सकता है।

'000 एम.टी.

विवरण	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
एचआर कॉइल और शीट	***	***	***	***
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	***	***	***	***

'000 एम.टी.

विवरण	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
सीआर कॉइल और शीट	***	***	***	***
मेटालिक कोटेड स्टील	***	***	***	***
कलर कोटेड स्टील	***	***	***	***
समग्र पीयूसी	***	***	***	***
ट्रेंड				
एचआर कॉइल और शीट	100	127	142	140
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	100	106	107	105
सीआर कॉइल और शीट	100	116	126	127
मेटालिक कोटेड स्टील	100	130	141	156
कलर कोटेड स्टील	100	117	118	117
समग्र पीयूसी	100	122	132	133

356. जहां तक पांच श्रेणियों का सवाल है, एचआर कॉइल और शीट की बिक्री में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान **%, एचआर प्लेट मिल प्लेट में **%, और सीआर कॉइल और शीट में **%, मेटालिक कोटेड में **% और कलर कोटेड में **% की वृद्धि हुई। हालांकि, 2023-24 की तुलना में जांच अवधि के दौरान एचआर कॉइल और शीट में **%, एचआर प्लेट मिल प्लेट में **%, कलर कोटेड स्टील में **% की गिरावट आई।

iv क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग में परिवर्तन

357. समग्र पीयूसी: समग्र पीयूसी के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान *** एमएमटी से बढ़कर जांच की अवधि के दौरान *** एमएमटी हो गई, जिसमें *** एमएमटी की वृद्धि दर्ज की गई। इसी अवधि के दौरान उत्पादन में *** एमएमटी की वृद्धि हुई और क्षमता उपयोग में **% की कमी आई। जबकि जांच की अवधि से पहले के दो वित्तीय वर्षों के दौरान उत्पादन में वृद्धि हुई, जांच की अवधि के दौरान उत्पादन में गिरावट आई। वर्ष 2023-24 के दौरान उत्पादन *** एमएमटी था और जांच की अवधि के दौरान यह घटकर *** एमएमटी रह गया। अप्रयुक्त क्षमता, जो वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान *** एमएमटी थी, जांच की अवधि के दौरान बढ़कर *** एमएमटी हो गई। समग्र उत्पाद के लिए जांच की अवधि के अंत में अप्रयुक्त क्षमता जांच की अवधि के दौरान *** एमएमटी की संपूर्ण आयात मात्रा को कवर करने के लिए पर्याप्त से अधिक है।

विवरण	यूनिट	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2023-24	पीओआई
क्षमता	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	114	118	117

विवरण	यूनिट	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2023-24	पीओआई
उत्पादन (पीयूसी+एनपीयूसी)	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	107	116	115
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	94	98	98
अप्रयुक्त क्षमता	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	152	130	127

358. एचआर कॉइल और शीट: वर्ष 2021-22 के दौरान क्षमता *** एमएमटी से बढ़कर जांच की अवधि के दौरान *** एमएमटी हो गई, इस अवधि के दौरान *** एमएमटी की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2021-22 के दौरान उत्पादन *** एमएमटी से बढ़कर जांच की अवधि के दौरान *** एमएमटी हो गया। जबकि जांच की अवधि से पहले के दो वित्तीय वर्षों के दौरान उत्पादन पिछले वर्षों की तुलना में बढ़ा था, जांच की अवधि के दौरान उत्पादन में गिरावट आई थी। इस अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में ***% की वृद्धि हुई तथा अप्रयुक्त क्षमता में *** एमएमटी की कमी आई। हालांकि, *** एमएमटी की अप्रयुक्त क्षमता एचआर कॉइल और शीट के आयात के ***% से अधिक को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। यह भी नोट किया जाता है कि वास्तविक उत्पादन में पीयूसी और गैर-पीयूसी दोनों शामिल थे क्योंकि संयंत्र पीयूसी और गैर-पीयूसी दोनों का उत्पादन करेंगे। हालांकि, गैर-पीयूसी कुल उत्पादन का ***% से कम था और नगण्य था।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
क्षमता	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	115	117	113
उत्पादन (पीयूसी+एनपीयूसी)	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	110	119	117
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	96	102	103
अप्रयुक्त क्षमता	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	149	102	89

359. एचआर प्लेट मिल प्लेट्स: क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान एचआर प्लेट मिल प्लेट्स के उत्पादन के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता में कोई वृद्धि नहीं हुई। वर्ष 2021-22 के दौरान उत्पादन *** एमएमटी से बढ़कर जांच अवधि के दौरान *** एमएमटी हो गया। क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में हर

साल उत्पादन में वृद्धि हुई। क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में ***% की वृद्धि हुई। जांच अवधि के दौरान *** एमएमटी की अप्रयुक्त क्षमता *** एमएमटी के आयात की तुलना में काफी अधिक थी।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
क्षमता	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	100	100	100
उत्पादन	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	103	106	103
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	103	106	103
अप्रयुक्त क्षमता	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	85	75	88

360. सीआर कोइल्स और शीट्स: वर्ष 2021-22 के दौरान क्षमता *** एमएमटी से बढ़कर जांच अवधि के दौरान *** एमएमटी हो गई, जिसमें *** एमएमटी की वृद्धि दर्ज की गई। क्षमता में इस तरह की वृद्धि के मुकाबले, उक्त अवधि के दौरान उत्पादन में केवल *** एमएमटी की वृद्धि हुई। क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में हर साल उत्पादन में वृद्धि हुई। जांच अवधि के दौरान कुल आयात *** एमएमटी के मुकाबले अप्रयुक्त क्षमता *** एमएमटी थी। अप्रयुक्त क्षमता आयात मात्रा से *** गुना अधिक थी, जो क्षमता के अत्यधिक कम उपयोग को दर्शाता है।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
क्षमता	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	119	127	127
उत्पादन	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	104	111	114
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	87	88	90
अप्रयुक्त क्षमता	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	183	190	179

361. मेटालिक कोटेड स्टील: वर्ष 2021-22 के दौरान क्षमता *** एमएमटी से बढ़कर जांच अवधि के दौरान *** एमएमटी हो गई। इसी अवधि के दौरान, जबकि वास्तविक उत्पादन *** एमएमटी से बढ़कर *** एमएमटी हो गया, क्षमता उपयोग में ***% की गिरावट आई। क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में हर साल उत्पादन में वृद्धि हुई। जांच अवधि के दौरान *** एमएमटी की अप्रयुक्त क्षमता आयात की मात्रा से दोगुनी से अधिक थी।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
क्षमता	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	116	120	126
उत्पादन	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	105	116	119
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	91	96	95
अप्रयुक्त क्षमता	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	166	142	157

362. क्लर कोटेड स्टील: वर्ष 2021-22 के दौरान क्षमता *** एमएमटी से बढ़कर जांच अवधि के दौरान *** एमएमटी हो गई। इसी अवधि के दौरान, उत्पादन *** एमएमटी से बढ़कर *** एमएमटी हो गया, और क्षमता उपयोग में ***% से ***% तक की तीव्र गिरावट आई। क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में हर साल उत्पादन में वृद्धि हुई। जांच अवधि के दौरान *** एमएमटी की अप्रयुक्त क्षमता आयात की तुलना में *** गुना थी।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
क्षमता	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	120	132	135
उत्पादन	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	109	117	113
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	90	89	84
अप्रयुक्त क्षमता	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	172	198	231

v सकल उत्पादन, बंदी उपभोग और बंदी उपभोग का शुद्ध उत्पादन

363. क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का सकल उत्पादन बढ़ा, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है:

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
एचआर कॉइल्स, शीट्स और प्लेट्स	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	110	119	117
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	103	106	103
सीआर कॉइल्स और शीट्स	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	104	111	114
मेटालिक कोटेड स्टील	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	105	116	119
कलर कोटेड स्टील	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	109	117	113
कुल	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	107	116	115

364. घरेलू उद्योग द्वारा बंदी उपभोग निम्नानुसार था:

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
एचआर कॉइल्स, शीट्स और प्लेट्स	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	104	105	106
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	128	118	89
सीआर कॉइल्स और शीट्स	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	106	112	116
मेटालिक कोटेड स्टील	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	104	109	106
कलर कोटेड स्टील	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	120	65	41
कुल	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	105	108	109

365. बंदी उपभोग का शुद्ध उत्पादन निम्नानुसार है:

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
एचआर कॉइल्स, शीट्स और प्लेट्स	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	112	126	122
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	103	105	103
सीआर कॉइल्स और शीट्स	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	100	110	111
मेटालिक कोटेड स्टील	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	106	120	127
कलर कोटेड स्टील	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	108	118	114
कुल	'000 एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	108	119	118

366. समग्र रूप से पीयूसी के लिए और व्यक्तिगत रूप से पांच उत्पाद श्रेणियों के लिए, क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान सकल उत्पादन में वृद्धि हुई, लेकिन अप्रयुक्त क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो आयात मात्रा में वृद्धि के लिए घरेलू उद्योग की भेद्यता को दर्शाता है। वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान बंदी उपभोग का शुद्ध उत्पादन बढ़ा, लेकिन जांच अवधि के दौरान *** एमएमटी की गिरावट आई।

vi उत्पादकता

367. समग्र पीयूसी के लिए: वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में जांच अवधि के दौरान एचआर कॉइल्स और शीट्स के उत्पादन की मात्रा में गिरावट के कारण, इसी अवधि के दौरान प्रति दिन उत्पादकता में गिरावट दर्ज की गई, हालांकि प्रति कर्मचारी प्रति दिन उत्पादकता स्थिर रही। क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादकता में वृद्धि हुई, जो यह दर्शाता है कि उत्पादकता घरेलू उद्योग के लिए क्षति का कारण नहीं थी।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
उत्पादकता प्रति दिन	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	107	116	115
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	97	107	108

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
उत्पादकता प्रति दिन प्रति कर्मचारी	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	100	100	100

368. एचआर काइल्स और शीट्स: समग्र पीयूसी के समान, एचआर काइल्स और शीट्स का उत्पादन 2022-23 की तुलना में जांच अवधि के दौरान कम हुआ और इसके परिणामस्वरूप जांच अवधि के दौरान प्रति दिन उत्पादन की मात्रा और प्रति कर्मचारी उत्पादन में गिरावट आई। हालांकि, प्रति कर्मचारी प्रति दिन उत्पादकता प्रभावित नहीं हुई। यह 2023-24 के दौरान बढ़ी और जांच अवधि के दौरान बढ़े हुए स्तर पर बनी रही।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
उत्पादकता प्रति दिन	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	110	119	117
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	101	113	112
उत्पादकता प्रति दिन प्रति कर्मचारी	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	100	113	113

369. एचआर प्लेट मिल प्लेट्स: वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान प्रति दिन उत्पादकता में पिछले वर्षों की तुलना में वृद्धि हुई। हालांकि, 2023-24 की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन में गिरावट आई, इसलिए जांच अवधि के दौरान प्रति दिन उत्पादकता में भी गिरावट आई। वर्ष 2022-23 में प्रति कर्मचारी उत्पादकता में मामूली गिरावट आई, लेकिन 2023-24 और जांच अवधि के दौरान इसमें उल्लेखनीय वृद्धि हुई। क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी प्रति दिन उत्पादकता स्थिर रही।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
उत्पादकता प्रति दिन	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	103	106	103
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	99	113	116
उत्पादकता प्रति दिन प्रति कर्मचारी	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	100	100	100

370. सीआर कॉयल्स और शीट्स: क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान हर साल और जांच अवधि में प्रति दिन उत्पादकता में वृद्धि हुई। वर्ष 2021-22 की तुलना में 2022-23 में प्रति कर्मचारी उत्पादकता में गिरावट आई, लेकिन उसके बाद इसमें वृद्धि हुई। वर्ष 2021-22 के दौरान प्रति कर्मचारी प्रति दिन उत्पादकता *** मीट्रिक टन थी, लेकिन उसके बाद *** मीट्रिक टन पर बनी रही।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
उत्पादकता प्रति दिन	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	104	111	114
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	82	86	87
उत्पादकता प्रति दिन प्रति कर्मचारी	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	87	87	87

371. मेटालिक कोटेड स्टील: संपूर्ण क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान प्रति दिन उत्पादकता में हर वर्ष वृद्धि हुई। वर्ष 2021-22 की तुलना में 2022-23 के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादकता में गिरावट आई, लेकिन उसके बाद इसमें वृद्धि हुई। क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी प्रति दिन उत्पादकता *** मीट्रिक टन रही, सिवाय 2022-23 के जब यह *** मीट्रिक टन थी।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
उत्पादकता प्रति दिन	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	105	116	119
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	90	95	100
उत्पादकता प्रति दिन प्रति कर्मचारी	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	90	100	100

372. कलर कोटेड स्टील: वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान प्रति दिन उत्पादकता में इसी अवधि के दौरान पिछले वर्षों की तुलना में वृद्धि हुई। हालांकि, उत्पादन की मात्रा में गिरावट के कारण जांच अवधि के दौरान इसमें गिरावट आई। जबकि क्षति अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादकता में वृद्धि हुई, प्रति कर्मचारी प्रति दिन उत्पादकता पहले दो वर्षों के दौरान *** मीट्रिक टन और 2023-24 और जांच अवधि के दौरान *** मीट्रिक टन पर रही।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
उत्पादकता प्रति दिन	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	108	117	113
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	108	124	125
उत्पादकता प्रति दिन प्रति कर्मचारी	एमटी	***	***	***	***
	ट्रेंड	100	108	124	125

373. प्राधिकारी का मानना है कि प्रतिदिन उत्पादकता में होने वाले परिवर्तन उत्पादन की मात्रा में होने वाले परिवर्तनों को दर्शाते हैं। चूंकि वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन की मात्रा में गिरावट आई है, इसलिए प्रतिदिन उत्पादकता में भी गिरावट आई है। प्रति कर्मचारी उत्पादकता या प्रति कर्मचारी प्रतिदिन उत्पादकता में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है। इस प्रकार, प्राधिकारी का मानना है कि उत्पादकता में गिरावट से घरेलू उद्योग को कोई गंभीर क्षति नहीं हुई है।

vii माल-सूची स्तरों में परिवर्तन

374. समग्र रूप से पीयूसी: समग्र रूप से पीयूसी की औसत माल-सूची लगभग दोगुनी हो गई क्योंकि यह वर्ष 2021-22 के दौरान *** एमएमटी से बढ़कर पीओआई के दौरान *** एमएमटी हो गई। उत्पादन के दिनों की संख्या के साथ-साथ बिक्री के मामले में भी प्रवृत्ति समान थी।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
औसत माल-सूची	एमएमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	133	180	203
उत्पादन के दिनों की संख्या के अनुसार औसत माल-सूची	दिन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	125	163	188
बिक्री के दिनों की संख्या के अनुसार औसत माल-सूची	दिन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	123	146	169

375. एचआर कॉइल और शीट: एचआर कॉइल और शीट की औसत माल-सूची 2021-22 के दौरान *** एमएमटी से बढ़कर पीओआई के दौरान *** एमएमटी हो गई। इसी अवधि के दौरान, उत्पादन के दिनों की संख्या के रूप में औसत माल-सूची *** दिनों से बढ़कर *** दिन हो गई, और बिक्री के दिनों की संख्या के रूप में, यह *** दिनों से बढ़कर *** दिन हो गई।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
औसत माल-सूची	एमएमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	134	182	195
उत्पादन के दिनों की संख्या के अनुसार औसत माल-सूची	दिन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	122	152	167
बिक्री के दिनों की संख्या के अनुसार औसत माल-सूची	दिन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	120	145	162

376. एचआर प्लेट मिल प्लेट्स: 2021-22 की तुलना में पीओआई के दौरान औसत माल-सूची *** गुना बढ़ गई। उत्पादन के दिनों की संख्या के संदर्भ में, इसमें *** दिनों की वृद्धि हुई, और बिक्री के दिनों की संख्या के संदर्भ में, इसमें *** दिनों की वृद्धि हुई।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
औसत माल-सूची	एमएमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	122	198	262
उत्पादन के दिनों की संख्या के अनुसार औसत माल-सूची	दिन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	118	188	255
बिक्री के दिनों की संख्या के अनुसार औसत माल-सूची	दिन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	121	196	268

377. सीआर कॉइल और शीट: सीआर कॉइल और शीट की औसत माल-सूची 2021-22 के दौरान *** एमएमटी से बढ़कर जांच अवधि के दौरान *** एमएमटी हो गई। इसी अवधि के दौरान, उत्पादन के दिनों की संख्या और बिक्री दोनों के संदर्भ में, इसमें उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
औसत माल-सूची	एमएमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	135	160	158
उत्पादन के दिनों की संख्या के अनुसार औसत माल-सूची	दिन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	130	144	139
बिक्री के दिनों की संख्या के अनुसार औसत माल-सूची	दिन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	135	143	142

378. मेटैलिक कोटेड स्टील: औसत माल-सूची 2021-22 के दौरान *** एमएमटी से बढ़कर जांच अवधि के दौरान *** एमएमटी हो गई। उत्पादन के दिनों की संख्या के संदर्भ में, इसमें *** दिनों की वृद्धि हुई और बिक्री के दिनों की संख्या के संदर्भ में, इसमें *** दिनों की वृद्धि हुई।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
औसत माल-सूची	एमएमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	135	174	204
उत्पादन के दिनों की संख्या के	दिन	***	***	***	***

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
अनुसार औसत माल-सूची	प्रवृत्ति	100	128	150	171
बिक्री के दिनों की संख्या के अनुसार औसत माल-सूची	दिन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	130	145	161

379. कलर कोटेड स्टील: औसत माल-सूची 2021-22 के दौरान *** एमएमटी से बढ़कर जांच अवधि के दौरान *** एमएमटी हो गई। उत्पादन के दिनों की संख्या के संदर्भ में, यह *** दिनों से बढ़कर *** दिन हो गई, और बिक्री के दिनों की संख्या के संदर्भ में, यह क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान *** दिनों से बढ़कर *** दिन हो गई।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
औसत माल-सूची	एमएमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	141	192	238
उत्पादन के दिनों की संख्या के अनुसार औसत माल-सूची	दिन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	130	164	210
बिक्री के दिनों की संख्या के अनुसार औसत माल-सूची	दिन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	136	164	213

380. समग्र रूप से पीयूसी की औसत माल-सूची और इसकी पांच श्रेणियों में से प्रत्येक में क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान काफी वृद्धि हुई है।

viii लाभ और हानि में परिवर्तन

381. समग्र रूप से पीयूसी के लिए: कर पूर्व लाभ ("पीबीटी") 2021-22 के दौरान *** करोड़ रुपये से घटकर 2022-23 के दौरान *** करोड़ रुपये हो गया, जिसमें वर्ष-दर-वर्ष ***% की गिरावट दर्ज की गई। यह वर्ष 2023-24 के दौरान बढ़ा लेकिन पीओआई के दौरान फिर से गिरावट आई। पीओआई के दौरान पीबीटी आधार वर्ष 2021-22 के दौरान प्राप्त पीबीटी का केवल ***% था। पीबीआईटी और नकद लाभ भी इसी तरह की प्रवृत्ति का पालन करते हैं। आधार वर्ष 2021-22 की तुलना में पीओआई के दौरान प्रति एमटी पीबीटी, प्रति एमटी पीबीआईटी और प्रति एमटी नकद लाभ में क्रमशः ***%, ***% और ***% की गिरावट आई।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
वास्तविक					
कर से पहले लाभ	रुपये करोड़ में	***	***	***	***
पीबीआईटी	रुपये करोड़ में	***	***	***	***
नकद लाभ	रुपये करोड़ में	***	***	***	***

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
कर से पहले लाभ	रुपये प्र.मी.ट.	***	***	***	***
पीबीआईटी	रुपये प्र.मी.ट.	***	***	***	***
नकद लाभ	रुपये प्र.मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति					
कर से पहले लाभ	प्रवृत्ति वास्तविक	100	7	35	24
पीबीआईटी	प्रवृत्ति वास्तविक	100	25	50	41
नकद लाभ	प्रवृत्ति वास्तविक	100	20	47	38
कर से पहले लाभ	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	6	27	18
पीबीआईटी	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	21	38	31
नकद लाभ	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	16	35	29

382. एचआर कॉइल और शीट: एचआर कॉइल और शीट पर पीबीटी वर्ष 2021-22 के दौरान *** करोड़ रुपये से घटकर जांच अवधि के दौरान *** करोड़ रुपये रह गया, जिसमें ***% की गिरावट दर्ज की गई। वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 के दौरान पीबीटी में ***% की गिरावट आई। यह वर्ष 2023-24 के दौरान बढ़ा, लेकिन जांच अवधि के दौरान फिर से गिरावट आई। नकद लाभ में भी यही प्रवृत्ति रही। प्रति मीट्रिक टन पीबीटी 2021-22 के दौरान *** रुपये से घटकर जांच अवधि के दौरान *** रुपये रह गया, जिसमें ***% की गिरावट दर्ज की गई।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
वास्तविक					
कर से पहले लाभ	रुपये करोड़ में	***	***	***	***
पीबीआईटी	रुपये करोड़ में	***	***	***	***
नकद लाभ	रुपये करोड़ में	***	***	***	***
कर से पहले लाभ	रुपये प्र.मी.ट.	***	***	***	***
पीबीआईटी	रुपये प्र.मी.ट.	***	***	***	***
नकद लाभ	रुपये प्र.मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति					
कर से पहले लाभ	प्रवृत्ति वास्तविक	100	11	38	22

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
पीबीआईटी	प्रवृत्ति वास्तविक	100	29	54	42
नकद लाभ	प्रवृत्ति वास्तविक	100	25	50	37
कर से पहले लाभ	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	9	26	16
पीबीआईटी	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	23	38	30
नकद लाभ	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	20	35	27

383. एचआर प्लेट मिल प्लेट्स: पीबीटी 2021-22 के दौरान *** करोड़ रुपये से घटकर जांच अवधि के दौरान *** रुपये हो गया, जो ***% की गिरावट है। इसी अवधि के दौरान, पीबीआईटी में ***% और नकद लाभ में ***% की गिरावट आई। प्रति मीट्रिक टन पीबीटी, प्रति मीट्रिक टन पीबीआईटी और प्रति मीट्रिक टन नकद लाभ में भी इसी तरह की प्रवृत्ति देखी गई। प्रति मीट्रिक टन पीबीआईटी 2021-22 के दौरान *** पीएमटी रुपये से घटकर जांच अवधि के दौरान *** पीएमटी हो गया।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
वास्तविक					
कर से पहले लाभ	रुपये करोड़ में	***	***	***	***
पीबीआईटी	रुपये करोड़ में	***	***	***	***
नकद लाभ	रुपये करोड़ में	***	***	***	***
कर से पहले लाभ	रुपये प्र.मी.ट.	***	***	***	***
पीबीआईटी	रुपये प्र.मी.ट.	***	***	***	***
नकद लाभ	रुपये प्र.मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति					
कर से पहले लाभ	प्रवृत्ति वास्तविक	100	25	53	53
पीबीआईटी	प्रवृत्ति वास्तविक	100	37	61	59
नकद लाभ	प्रवृत्ति वास्तविक	100	37	62	63
कर से पहले लाभ	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	24	50	51
पीबीआईटी	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	35	57	56
नकद लाभ	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	35	58	60

384. सीआर कॉइल्स और शीट्स: पीबीटी 2021-22 के दौरान *** करोड़ रुपये से घटकर जांच अवधि के दौरान *** करोड़ रुपये रह गया, जो ***% की भारी गिरावट दर्शाता है। इसी अवधि के दौरान, पीबीआईटी में ***% और नकद लाभ में ***% की गिरावट आई। प्रति मीट्रिक टन पीबीटी, प्रति मीट्रिक टन पीबीआईटी और प्रति मीट्रिक टन नकद लाभ में भी इसी तरह की प्रवृत्ति देखी। प्रति मीट्रिक टन पीबीआईटी 2021-22 के दौरान *** पीएमटी रुपये से घटकर जांच अवधि के दौरान *** पीएमटी रह गया, जो ***% की गिरावट दर्शाता है।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
वास्तविक					
कर से पहले लाभ	रुपये करोड़ में	***	***	***	***
पीबीआईटी	रुपये करोड़ में	***	***	***	***
नकद लाभ	रुपये करोड़ में	***	***	***	***
कर से पहले लाभ	रुपये प्र.मी.ट.	***	***	***	***
पीबीआईटी	रुपये प्र.मी.ट.	***	***	***	***
नकद लाभ	रुपये प्र.मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति					
कर से पहले लाभ	प्रवृत्ति वास्तविक	100	0	15	9
पीबीआईटी	प्रवृत्ति वास्तविक	100	17	30	26
नकद लाभ	प्रवृत्ति वास्तविक	100	12	28	22
कर से पहले लाभ	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	0	12	7
पीबीआईटी	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	14	24	20
नकद लाभ	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	11	22	17

385. मेटालिक कोटेड स्टील: 2021-22 के दौरान पीबीटी *** करोड़ रुपये था। 2022-23 के दौरान यह *** करोड़ रुपये की हानि में बदल गया। 2023-24 के दौरान पीबीटी *** करोड़ रुपये के लाभ पर पहुंचकर ब्रेकईवन स्तर से थोड़ा ऊपर सुधर गया, लेकिन जांच अवधि के दौरान फिर से *** करोड़ रुपये के घाटे में बदल गया। प्रति मीट्रिक टन के आधार पर, पीबीटी 2021-22 के दौरान *** पीएमटी के लाभ से घटकर जांच अवधि के दौरान *** रुपये की हानि में आ गया, जो ***% की गिरावट दर्शाता है।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
वास्तविक					
कर से पहले लाभ	रुपये करोड़ में	***	(***)	***	(***)
पीबीआईटी	रुपये करोड़ में	***	(***)	***	***
नकद लाभ	रुपये करोड़ में	***	(***)	***	***
कर से पहले लाभ	रुपये प्र.मी.ट.	***	(***)	***	(***)
पीबीआईटी	रुपये प्र.मी.ट.	***	(***)	***	***
नकद लाभ	रुपये प्र.मी.ट.	***	(***)	***	***
प्रवृत्ति					
कर से पहले लाभ	प्रवृत्ति वास्तविक	100	(54)	3	(2)
पीबीआईटी	प्रवृत्ति वास्तविक	100	(19)	24	22
नकद लाभ	प्रवृत्ति वास्तविक	100	(40)	14	11
कर से पहले लाभ	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	(41)	2	(1)

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
पीबीआईटी	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	(15)	17	14
नकद लाभ	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	(31)	10	7

386. कलर कोटेड स्टील: पीबीटी 2021-22 के दौरान *** करोड़ रुपये से घटकर जांच अवधि के दौरान *** करोड़ रुपये रह गया, जो ***% की भारी गिरावट दर्शाता है। इसी अवधि के दौरान, पीबीआईटी में ***% और नकद लाभ में ***% की गिरावट आई। प्रति मीट्रिक टन पीबीटी, प्रति मीट्रिक टन पीबीआईटी और प्रति मीट्रिक टन नकद लाभ में भी इसी तरह की प्रवृत्ति देखी गई। प्रति मीट्रिक टन पीबीआईटी 2021-22 के दौरान *** पीएमटी रुपये से घटकर जांच अवधि के दौरान *** पीएमटी रह गया, जो ***% की गिरावट दर्शाता है।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
वास्तविक					
कर से पहले लाभ	रुपये करोड़ में	***	***	***	***
पीबीआईटी	रुपये करोड़ में	***	***	***	***
नकद लाभ	रुपये करोड़ में	***	***	***	***
कर से पहले लाभ	रुपये प्र.मी.ट.	***	***	***	***
पीबीआईटी	रुपये प्र.मी.ट.	***	***	***	***
नकद लाभ	रुपये प्र.मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति					
कर से पहले लाभ	प्रवृत्ति वास्तविक	100	8	49	34
पीबीआईटी	प्रवृत्ति वास्तविक	100	32	61	47
नकद लाभ	प्रवृत्ति वास्तविक	100	15	54	43
कर से पहले लाभ	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	7	41	29
पीबीआईटी	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	27	52	40
नकद लाभ	प्रवृत्ति प्र.मी.ट.	100	13	46	37

387. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता वर्ष 2021-22 की तुलना में 2022-23 के दौरान कम हुई है। वर्ष 2023-24 के दौरान इसमें मामूली वृद्धि हुई लेकिन जांच की अवधि के दौरान फिर से गिरावट आई। आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान लाभप्रदता में काफी कमी आई है। इससे पता चलता है कि घरेलू उद्योग की वित्तीय स्थिति अत्यधिक नाजुक और कमजोर है।

ix रोजगार में परिवर्तन

388. वर्ष 2021-22 के दौरान *** कर्मचारियों के स्तर से, कर्मचारियों की संख्या 2022-23 के दौरान बढ़कर *** हो गई। उद्योग को वर्ष 2022-23 के दौरान काफी हानि हुई। लागत कम करने के उपायों में से एक के रूप में, कर्मचारियों की संख्या 2023-24 में *** और जांच की अवधि के दौरान *** तक कम कर दी गई। हालांकि, जांच की अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या वर्ष 2021-22 की तुलना में ***% अधिक थी।

विवरण	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
वास्तविक				
एचआर कॉइल और शीट	***	***	***	***
एचआर प्लेट मिल प्लेट	***	***	***	***
सीआर कॉइल और शीट	***	***	***	***
मेटैलिक कोटेड स्टील	***	***	***	***
कलर कोटेड स्टील	***	***	***	***
समग्र पीयूसी	***	***	***	***
प्रवृत्ति				
एचआर कॉइल और शीट	100	109	106	105
एचआर प्लेट मिल प्लेट	100	104	93	89
सीआर कॉइल और शीट	100	127	129	131
मेटैलिक कोटेड स्टील	100	117	121	119
कलर कोटेड स्टील	100	100	95	91
समग्र पीयूसी	100	111	108	106

x गंभीर क्षति पर निष्कर्ष

389. संबंधित क्षति मापदंडों के बारे में ऊपर जांच की गई तथ्यात्मक स्थिति को निम्नानुसार संक्षेप में प्रस्तुत किया जा सकता है:
- घरेलू उत्पादन के संबंध में और भारत में पीयूसी की मांग के संबंध में आयात में निरपेक्ष रूप से काफी वृद्धि हुई है।
 - अप्रत्याशित परिस्थितियों के परिणामस्वरूप और जीएटीटी 1947 के तहत किए गए दायित्वों के प्रभाव के रूप में आयात में वृद्धि हुई है।
 - आयात में वृद्धि हाल ही में, अचानक, तेज और महत्वपूर्ण थी।
 - आयात का बाजार हिस्सा 2021-22 के दौरान ***% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान ***% हो गया है। इसी अवधि के दौरान, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में ***% की गिरावट आई।

- ड. क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान पीयूसी के लिए घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में ***% की वृद्धि हुई। जबकि 2022-23 के दौरान इसमें ***% की वृद्धि हुई, और 2023-24 के दौरान और ***% की वृद्धि हुई, लेकिन पीओआई के दौरान इसमें ***% की गिरावट आई, जो कि सबसे हालिया अवधि है।
- च. क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान क्षमता और वास्तविक उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। हालांकि, जांच अवधि के दौरान उत्पादन की मात्रा में *** एमएमटी (***%) की गिरावट आई।
- छ. घरेलू उद्योग की अप्रयुक्त क्षमता जांच अवधि के दौरान बढ़कर *** एमएमटी हो गई, जो क्षमता का ***% थी।
- ज. क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान प्रति दिन उत्पादकता और प्रति कर्मचारी उत्पादकता में वृद्धि हुई। प्रति कर्मचारी प्रति दिन उत्पादकता अप्रभावित रही।
- झ. औसत माल-सूची का स्तर निरपेक्ष रूप से और उत्पादन या बिक्री के दिनों की संख्या के संदर्भ में काफी बढ़ गया।
- ञ. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में काफी गिरावट आई। आधार वर्ष 2021-22 की तुलना में जांच अवधि के दौरान निरपेक्ष रूप से पीबीटी में ***% की गिरावट आई। इसी अवधि के दौरान प्रति मीट्रिक टन पीबीटी में ***% की गिरावट आई। पीबीआईटी और नकद लाभ में भी परिणामी गिरावट देखी गई।
- ट. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 के दौरान घट गई। यह वर्ष 2023-24 के दौरान मामूली रूप से बढ़ी लेकिन जांच अवधि के दौरान फिर से गिरावट आई। आधार वर्ष की तुलना में, जांच अवधि के दौरान लाभप्रदता में काफी गिरावट आई है। इससे पता चलता है कि घरेलू उद्योग की वित्तीय स्थिति अत्यधिक नाजुक और कमजोर है।
- ठ. वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 के दौरान कर्मचारियों की संख्या में ***% की वृद्धि हुई और यह *** पर पहुंच गई। चूंकि घरेलू उद्योग को 2022-23 के दौरान काफी नुकसान उठाना पड़ा, इसलिए लागत कम करने के उपायों में से एक के रूप में, कर्मचारियों की संख्या को 2023-24 में घटाकर *** कर दिया गया और आगे जांच अवधि के दौरान *** कर दिया गया। हालांकि, जांच अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या आधार वर्ष 2021-22 की तुलना में ***% अधिक थी।

ट. बड़े हुए आयात और गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के खतरे के बीच कारणात्मक संबंध :

390. कोरिया-डेयरी¹⁵ पर डब्ल्यूटीओ पैनल ने "कारण" निर्धारित करने के लिए बुनियादी दृष्टिकोण इस प्रकार निर्धारित किया:

"अपने कारणात्मक संबंध मूल्यांकन में, हमारा विचार है कि राष्ट्रीय प्राधिकारी को विश्लेषण करने और यह निर्धारित करने की आवश्यकता है कि उद्योग में विकास, जिसे राष्ट्रीय प्राधिकारी द्वारा गंभीर क्षति प्रदर्शित करने वाला माना जाता है, क्या बड़े हुए आयातों के कारण हुआ है। अपने कारण संबंध मूल्यांकन में, राष्ट्रीय प्राधिकारी उस उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले वस्तुनिष्ठ और मात्रात्मक प्रकृति के सभी प्रासंगिक कारकों का मूल्यांकन करने के लिए बाध्य है। इसके अलावा, यदि राष्ट्रीय प्राधिकारी ने बड़े हुए आयातों के अलावा अन्य कारकों की पहचान की है, जिनके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे कारकों के कारण होने वाली किसी भी क्षति को बड़े हुए आयातों के कारण नहीं माना जाता है। कारण संबंध स्थापित करने के लिए, कोरिया को यह प्रदर्शित करना होगा कि उसके घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति बड़े हुए आयातों के कारण हुई है। दूसरे शब्दों में, कोरिया को यह प्रदर्शित करना होगा कि एसएमपीपी के आयात से दूध पाउडर और कच्चा दूध बनाने वाले घरेलू उद्योग को क्षति होती है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की स्थिति का विश्लेषण करने के बाद, कोरियाई प्राधिकारी का यह दायित्व है कि वह बड़े हुए आयातों को अन्य कारकों के कारण होने वाली किसी भी क्षति के लिए जिम्मेदार न ठहराए।"

391. क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान आयात मात्रा में वृद्धि हुई, जबकि आयात कीमतों में गिरावट आई। आयात की एक महत्वपूर्ण मात्रा ने घरेलू उद्योग की कीमतों को कम कर दिया, जैसा कि नीचे उल्लेख किया गया है।

392. एचआर कॉइल्स और शीट्स: जांच अवधि के दौरान, एचआर कॉइल्स और शीट्स के सभी आयातों का भारित औसत मूल्य *** रुपये प्रति टन था। *** रुपये प्रति टन के घरेलू विक्रय मूल्य की तुलना में, समग्र आधार पर मूल्य कटौती ***% थी।
393. आयातों की भारित औसत आयात कीमतें 2021-22 के दौरान *** पीएमटी से घटकर जांच अवधि के दौरान *** पीएमटी हो गई। इसी अवधि के दौरान घरेलू बिक्री कीमतें *** पीएमटी से घटकर *** पीएमटी हो गई। घरेलू उद्योग की कीमतों को कम करने वाले आयातों की मात्रा 2021-22 के दौरान सिर्फ ***% थी। बाद की अवधि के दौरान यह बढ़कर ***%, ***% और ***% हो गई। जांच अवधि के दौरान, *** एमएमटी के कुल आयात में से ***% से अधिक आयात (*** एमएमटी) ने घरेलू उद्योग की कीमतों को कम किया। जांच अवधि के दौरान कटौती का प्रतिशत ***% था।

विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
आयात मात्रा					
कुल आयात मात्रा	'000 मी.ट.	995	1,926	3,081	3,973
कटौती आयात मात्रा	'000 मी.ट.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	285	595	809
कटौती मात्रा %	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	149	192	203
आयात मूल्य					
कटौती मात्रा की कीमत	रु.करोड़ में	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	253	548	721
कटौती मात्रा का आयात मूल्य	भा.रु. / मी.ट.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	89	92	89
घरेलू विक्रय मूल्य	भा.रु. / मी.ट.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	92	87	84
मूल्य कटौती	भा.रु. / मी.ट.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	110	54	48

विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
मूल्य कटौती %	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	120	60	53

394. एचआर प्लेट मिल प्लेट्स: सभी आयातों को मिलाकर, कोई मूल्य कटौती नहीं हुई। हालांकि, जांच अवधि के दौरान *** एमएमटी की कुल आयात मात्रा में से, ***% से अधिक अर्थात् एचआर प्लेट मिल प्लेट्स के *** एमएमटी ने घरेलू उद्योग की कीमतों में ***% की कटौती की, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दिखाया गया है।

विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
आयात मात्रा					
कुल आयात मात्रा	'000 मी.ट.	302	312	619	892
कटौती आयात मात्रा	'000 मी.ट.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	62	671	682
कटौती मात्रा %	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	60	327	227
आयात मूल्य					
कटौती मात्रा की कीमत	रु.करोड़ में	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	59	663	669
कटौती मात्रा का आयात मूल्य	भा.रु. / मी.ट.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	94	99	99
घरेलू विक्रय मूल्य	भा.रु. / मी.ट.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	101	98	94
मूल्य कटौती	भा.रु. / मी.ट.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	161	89	52
मूल्य कटौती %	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	175	92	50

395. सीआर कॉइल और शीट: सभी आयातों को मिलाकर, कोई कीमत कटौती नहीं हुई थी। जांच की अवधि के दौरान *** एमएमटी के कुल आयातों में से, *** एमएमटी (जो *** % होता है) आयातों में घरेलू उद्योग की कीमतों में *** % तक की कटौती हुई थी, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है:

विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	जांच की अवधि
आयात मात्रा					
कुल आयात मात्रा	'000 मी टन	473	578	515	541
आयातों की मात्रा में कटौती	'000 मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	39	62	77
कटौती की मात्रा का %	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	32	56	66
आयात कीमत					
कटौती की गई मात्रा का मूल्य	करोड़ रु. में	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	36	54	66
कटौती की गई मात्रा की आयात कीमत	रुपए / मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	92	86	86
घरेलू बिक्री कीमत	रुपए / मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	93	86	84
कीमत कटौती	रुपए / मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	101	82	75
कीमत कटौती का %	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	106	94	88

396. मेटेलिक कोटेड स्टील: सभी आयातों को मिलाकर, कोई कीमत कटौती नहीं हुई थी। जांच की अवधि के दौरान *** एमएमटी के कुल आयातों में से, *** एमएमटी (जो *** % होता है) में घरेलू उद्योग की कीमतों में *** % तक की कटौती हुई थी, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है :

विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	जांच की अवधि
आयात मात्रा					
कुल आयात मात्रा	'000 मी टन	381	518	762	803
आयातों की मात्रा में कटौती	'000 मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	69	170	143
कटौती की मात्रा का %	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	50	84	67
आयात कीमत					
कटौती की गई मात्रा का मूल्य	करोड़ रु. में	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	62	154	126
कटौती की गई मात्रा की आयात कीमत	रुपए / मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	89	91	88
घरेलू बिक्री कीमत	रुपए / मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	89	86	82
कीमत कटौती	रुपए / मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	89	62	55
कीमत कटौती का %	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	100	68	64

397. कलर कोटेड स्टील: सभी आयातों को मिलाकर, कोई कीमत कटौती नहीं हुई थी। जांच की अवधि के दौरान 0.404 एमएमटी के कुल आयातों में से, *** एमएमटी (जो *** % होता है) में घरेलू उद्योग की कीमतों में *** % तक की कटौती हुई थी, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है :

विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	जांच की अवधि
आयात मात्रा					
कुल आयात मात्रा	'000 मी टन	142	190	366	404
आयातों की मात्रा में कटौती	'000 मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	157	400	439
कटौती की मात्रा का %	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	116	155	153
आयात कीमत					
कटौती की गई मात्रा का मूल्य	करोड़ रु. में	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	151	368	390
कटौती की गई मात्रा की आयात कीमत	रुपए / मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	97	93	89
घरेलू बिक्री कीमत	रुपए / मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	94	90	87
कीमत कटौती	रुपए / मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	87	85	80
कीमत कटौती का %	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	90	90	90

398. समग्र पीयूसी के लिए, आयातों की कुल मात्रा और उसकी कटौती की मात्रा को नीचे सारणीबद्ध किया गया है :

विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	जांच की अवधि
आयात मात्रा					
कुल आयात मात्रा	'000 मी टन	2,293	3,524	5,344	6,612
आयातों की मात्रा में कटौती	'000 मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	146	335	414
कटौती की मात्रा का %	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	95	143	143

399. घरेलू बिक्री कीमतों की कटौती वाले आयातों की मात्रा वर्ष 2021-22 और 2022-23 के दौरान कुल आयातों की *** % थी। इसमें वर्ष 2023-24 और जांच की अवधि के दौरान महत्वपूर्ण वृद्धि होकर यह *** % हो गई है। घरेलू बिक्री कीमतों की कटौती वाले आयातों की एक बड़ी मात्रा आने की स्थिति में, घरेलू उद्योग को बाजार में बने रहने और कम कीमतों के आयातों में और वृद्धि होने को रोकने के लिए अपनी कीमतों में काफी कमी करनी पड़ी।

क. कीमत दबाव :

400. एचआर कॉइल और शीट के लिए घरेलू बिक्री कीमत ("डीएसपी") में वर्ष 2021-22 की तुलना में जांच की अवधि के दौरान *** % तक की कमी आई है। इसी अवधि के दौरान, एचआर प्लेट मिल प्लेट्स की घरेलू बिक्री कीमत (डीएसपी) में *** %, सीआर कॉइल और शीट में *** %, मेटालिक कोटेड स्टील में *** % और कलर कोटेड स्टील में *** % तक की गिरावट आई है। क्षति विश्लेषण की अवधि के दौरान हर वर्ष पांच श्रेणियों में से प्रत्येक के लिए डीएसपी वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कम रही, सिवाय एक उदाहरण के, जब एचआर प्लेट मिल्स प्लेट की डीएसपी में वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 के दौरान केवल *** % तक की वृद्धि हुई थी। इस प्रकार, कीमत दबाव महत्वपूर्ण था और यह पूरी क्षति विश्लेषण की अवधि के दौरान मौजूद था।

(रुपए प्रति मी टन)

विवरण	2021-22	2022-23	2023-24	जांच की अवधि
वास्तविक				
एचआर कॉइल और शीट	***	***	***	***
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	***	***	***	***
सीआर कॉइल और शीट	***	***	***	***
मेटालिक कोटेड स्टील	***	***	***	***
कलर कोटेड स्टील	***	***	***	***
प्रवृत्ति				
एचआर कॉइल और शीट	100	92	87	84
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	100	101	98	94
सीआर कॉइल और शीट	100	93	86	84
मेटालिक कोटेड स्टील	100	89	86	82
कलर कोटेड स्टील	100	94	90	87

ख. कीमत कमी :

401. एचआर कॉइल और शीट: क्षति विश्लेषण की अवधि के लिए, घरेलू बिक्री कीमतों में रुपए *** पीएमटी तक की गिरावट आई है और बिक्री की लागत में रुपए *** पीएमटी की तक वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप रुपए *** पीएमटी तक की संचयी कीमत में कमी हुई है, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है :

विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	जांच की अवधि	संचयी परिवर्तन
निवल बिक्री वसूली	रुपए / मी टन	***	***	***	***	
	प्रवृत्ति	100	92	87	84	
कीमत में वृद्धि / (कमी)	रुपए / मी टन		(***)	(***)	(***)	(***)
	प्रवृत्ति		100	55	41	
बिक्रियों की लागत	रुपए / मी टन	***	***	***	***	
	प्रवृत्ति	100	117	106	104	
बिक्रियों की लागत वृद्धि / (कमी)	रुपए / मी टन		***	(***)	(***)	***
	प्रवृत्ति		100	-67	-7	
कीमत कमी	रुपए / मी टन		***	(***)	***	***
	प्रवृत्ति		100	-19	12	

402. एचआर प्लेट मिल प्लेट्स: क्षति विश्लेषण की अवधि के दौरान, घरेलू बिक्री कीमतों में रुपये *** पीएमटी तक की गिरावट आई है और बिक्री की लागत में रुपये *** पीएमटी तक की वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप रुपये *** पीएमटी तक की संचयी कीमत में कमी हुई है, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है :

विवरण	यूओएम	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2023-24	जांच की अवधि	संचयी परिवर्तन
निवल बिक्री वसूली	रुपए / मी टन	***	***	***	***	
	प्रवृत्ति	100	101	98	94	
कीमत में वृद्धि / (कमी)	रुपए / मी टन		***	(***)	(***)	(***)
	प्रवृत्ति		100	-213	-312	

बिक्रियों की लागत	रुपए / मी टन	***	***	***	***	
	प्रवृत्ति	100	120	110	104	
बिक्रियों की लागत वृद्धि / (कमी)	रुपए / मी टन		***	(***)	(***)	***
	प्रवृत्ति		100	-51	-29	
कीमत कमी	रुपए / मी टन		***	(***)	(***)	***
	प्रवृत्ति		100	-34	-1	

403. सीआर कॉइल और शीट: क्षति विश्लेषण की अवधि के दौरान, घरेलू बिक्री कीमतों में रुपये *** पीएमटी की गिरावट आई है और बिक्री की लागत में रुपये *** पीएमटी तक की वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप रुपये *** पीएमटी तक की संचयी कीमत में कमी हुई है, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है:

विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	जांच की अवधि	संचयी परिवर्तन
निवल बिक्री वसूली	रुपए / मी टन	***	***	***	***	(***)
	प्रवृत्ति	100	93	86	84	
कीमत में वृद्धि / (कमी)	रुपए / मी टन		(***)	(***)	(***)	
	प्रवृत्ति		100	111	24	
बिक्रियों की लागत	रुपए / मी टन	***	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	118	105	104	
बिक्रियों की लागत वृद्धि / (कमी)	रुपए / मी टन		***	(***)	(***)	***
	प्रवृत्ति		100	-72	-4	
कीमत कमी	रुपए / मी टन		***	(***)	***	***
	प्रवृत्ति		100	-12	5	

404. मेटेलिक कोटेड स्टील: क्षति विश्लेषण की अवधि के दौरान, घरेलू बिक्री कीमतों में रुपये प्रति टन की गिरावट आई है और बिक्री की लागत में रुपये प्रति टन तक की गिरावट आई है, जिसके परिणामस्वरूप रुपये प्रति टन तक की संचयी कीमत में कमी हुई है, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है:

विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	जांच की अवधि	संचयी परिवर्तन
निवल बिक्री वसूली	रुपए / मी टन	***	***	***	***	(***)
	प्रवृत्ति	100	89	86	82	
कीमत में वृद्धि / (कमी)	रुपए / मी टन		(***)	(***)	(***)	
	प्रवृत्ति		100	31	32	
बिक्रियों की लागत	रुपए / मी टन	***	***	***	***	(***)
	प्रवृत्ति	100	111	100	96	
बिक्रियों की लागत वृद्धि / (कमी)	रुपए / मी टन		***	(***)	(***)	(***)
	प्रवृत्ति		100	- 104	-34	
कीमत कमी	रुपए / मी टन		***	(***)	***	***
	प्रवृत्ति		100	-31	2	

405. कलर कोटेड स्टील : क्षति विश्लेषण की अवधि के दौरान, घरेलू बिक्री कीमतों में *** रुपये प्रति टन तक की गिरावट आई है और बिक्री की लागत में *** रुपये प्रति टन की गिरावट आई है, जिसके परिणामस्वरूप *** रुपये प्रति टन तक की संचयी कीमत में कमी हुई है, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है।

विवरण	यूओएम	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2023-24	जांच की अवधि	संचयी परिवर्तन
निवल बिक्री वसूली	रुपए / मी टन	***	***	***	***	(***)
	प्रवृत्ति	100	94	90	87	
कीमत में वृद्धि / (कमी)	रुपए / मी टन		(***)	(***)	(***)	
	प्रवृत्ति		100	58	63	
बिक्रियों की लागत	रुपए / मी टन	***	***	***	***	(***)
	प्रवृत्ति	100	105	97	94	
बिक्रियों की लागत	रुपए / मी टन		***	(***)	(***)	(***)

विवरण	यूओएम	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2023-24	जांच की अवधि	संचयी परिवर्तन
वृद्धि / (कमी)	प्रवृत्ति		100	-158	-51	
कीमत कमी	रुपए / मी टन		***	(***)	***	***
	प्रवृत्ति		100	-37	13	

406. जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, आयातों में वृद्धि होने के कारण महत्वपूर्ण कीमत दबाव और कीमत कमी हुई है। तथ्य यह है कि आयातों की महत्वपूर्ण मात्रा घरेलू बिक्री कीमतों को कटौती कर रही थी, जो आयातों में वृद्धि और कीमत दबाव और कीमत कमी के बीच कारणात्मक संबंध को स्थापित करता है। इसके परिणामस्वरूप, जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर गंभीर रूप से प्रभाव पड़ा है। यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो घरेलू उद्योग को निकट भविष्य में महत्वपूर्ण हानि होने की संभावना है।
407. प्राधिकारी ने प्रत्येक श्रेणी के विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग को हो रही क्षति की मात्रा की जाँच हेतु कम कीमत पर बिक्री विश्लेषण भी किया है। व्यापक कम कीमत पर बिक्री विश्लेषण करने के उद्देश्य से, प्रत्येक श्रेणी के लिए पहुँच मूल्य (LV) की तुलना जाँच अवधि, अक्टूबर 2024 - मार्च 2025 (जाँच अवधि के बाद छह महीने) और मई 2025 (अनंतिम रक्षोपाय शुल्क लागू होने के बाद) के दौरान घरेलू उद्योग के उचित विक्रय मूल्य (FSP) से की गई। कम कीमत पर बिक्री विश्लेषण से पता चलता है कि पहुँच मूल्य, जाँच अवधि में, जाँच अवधि के बाद छह महीने और साथ ही मई 2025 में संचयी आधार पर घरेलू उद्योग के उचित विक्रय मूल्य से काफी अधिक था।
408. यह भी ध्यान दिया गया है कि रंगीन लेपित इस्पात के मामले में सकारात्मक मूल्य-अंडरसेलिंग है। हालाँकि, संबद्ध वस्तुओं के कुल आयात में रंगीन लेपित इस्पात के आयात का हिस्सा नगण्य है। यह भी ध्यान दिया गया है कि अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 की अवधि के दौरान एचआर कॉइल्स और शीट्स में सकारात्मक मूल्य-अंडरसेलिंग है।

उत्पाद प्रकार	पीओआई (अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024)				
	आयतन	एफएसपी	एल.पी.	आईएम	आईएम (%)
एचआर कॉइल्स और शीट्स	3,973	***	***	(***)	(***)
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	892	***	***	(***)	(***)
सीआर कॉइल्स और शीट्स	541	***	***	(***)	(***)
धातु लेपित स्टील	803	***	***	(***)	(***)
रंग लेपित स्टील	404	***	***	***	***
कुल	6,612	***	***	(***)	(***)

उत्पाद प्रकार	अक्टूबर 2024 से मार्च 2025				
	आयतन	एफएसपी	एल.पी.	आईएम	आईएम (%)
एचआर कॉइल्स और शीट्स	1494	***	***	***	***
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	561	***	***	(***)	(***)
सीआर कॉइल्स और शीट्स	220	***	***	(***)	(***)
धातु लेपित स्टील	466	***	***	(***)	(***)
रंग लेपित स्टील	144	***	***	***	***
कुल	2,886	***	***	(***)	(***)

उत्पाद प्रकार	मई 2025				
	आयतन	एफएसपी	एल.पी.	आईएम	आईएम (%)
एचआर कॉइल्स और शीट्स	94	***	***	(***)	(***)
एचआर प्लेट मिल प्लेट्स	39	***	***	(***)	(***)
सीआर कॉइल्स और शीट्स	26	***	***	(***)	(***)
धातु लेपित स्टील	45	***	***	(***)	(***)
रंग लेपित स्टील	25	***	***	***	***
कुल	229	***	***	(***)	(***)

409. घरेलू उद्योग के लिए जांच की अवधि के दौरान आयातों में वृद्धि और गंभीर क्षति होने के कारण और प्रभाव संबंध को निर्धारित करने तथा भविष्य में गंभीर क्षति की आशंका के संबंध में निम्नलिखित कारक भी प्रासंगिक हैं :
- क). घरेलू उत्पादन के संबंध में और भारत में विचाराधीन उत्पाद की मांग के संबंध में आयातों में निरपेक्ष रूप से महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।
- ख). आयातों में वृद्धि हाल ही में, अचानक, तीव्र और महत्वपूर्ण थी।
- ग). आयातों का बाजार अंश वर्ष 2021-22 के दौरान *** % से बढ़कर जांच की अवधि के दौरान *** % हो गया है। इसी अवधि के दौरान, घरेलू उद्योग के बाजार अंश में *** % तक की गिरावट आई है।
- घ). क्षति विश्लेषण की अवधि के दौरान क्षमता और वास्तविक उत्पादन में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। तथापि, जांच की अवधि के दौरान उत्पादन की मात्रा में *** एमएमटी (***) तक की गिरावट आई है।
- ङ). घरेलू उद्योग की अप्रयुक्त क्षमता में जांच की अवधि के दौरान *** एमएमटी तक की वृद्धि हुई है, जो क्षमता का *** % है।

- च). औसत वस्तुसूची स्तर में निरपेक्ष रूप से और उत्पादन या बिक्री के दिनों की संख्या, दोनों के संदर्भ में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।
- छ). घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में काफी गिरावट आई है। आधार वर्ष 2021-22 की तुलना में जांच की अवधि के दौरान निरपेक्ष रूप से पीबीटी में *** % तक की गिरावट आई है। इसी अवधि के दौरान प्रति मीट्रिक टन पीबीटी में *** % तक की गिरावट आई है। पीबीआईटी और नकदी लाभ में भी परिणामी गिरावट देखने में आई।
- ज). वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है। वर्ष 2023-24 के दौरान इसमें मामूली वृद्धि हुई है लेकिन जांच की अवधि के दौरान पुनः गिरावट आई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान लाभप्रदता में काफी गिरावट आई है। यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग की अनिश्चित वित्तीय स्थिति है।
- झ). वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 के दौरान कर्मचारियों की संख्या में *** % तक की वृद्धि हुई है और यह *** तक पहुंच गई है। चूंकि घरेलू उद्योग को वर्ष 2022-23 के दौरान काफी हानि का सामना करना पड़ा है, अतः लागत कम करने के उपायों में से एक उपाय के रूप में, वर्ष 2023-24 में कर्मचारियों की संख्या को कम करके *** कर दिया गया और जांच अवधि के दौरान इसे और कम करके *** कर दिया गया।
410. संक्षेप में, ऊपर दर्शाए गए मापदंडों का व्यापक मूल्यांकन यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हो रही है और भविष्य में भी विचाराधीन उत्पाद के आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि और निरंतर वृद्धि जारी रहने के कारण क्षति के जारी रहने की संभावना है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि इस निष्कर्ष पर पहुंचते हुए, घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति के कारणों का निर्धारण करने पर प्रभाव डालने वाले उद्देश्यपरक और मात्रात्मक प्रकृति के सभी संगत कारकों का मूल्यांकन किया गया है।

ठ. गैर-आरोपण विश्लेषण

411. नियमों के अनुलग्नक के अनुसार, प्राधिकारी को यह निर्धारित करना अपेक्षित है कि क्या बड़े हुए आयात घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति अथवा गंभीर क्षति के खतरे का कारण थे। अतः गैर-आरोपण विश्लेषण के प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले वस्तुनिष्ठ और मात्रात्मक प्रकृति के सभी संगत कारकों की जांच की गई थी। इसके अलावा, यह जांच की गई थी कि क्या बड़े हुए आयात के अलावा अन्य कारक घरेलू उद्योग को नुकसान का कारण थे। हालांकि ऐसा कोई निर्धारित अन्य कारक नहीं है जिसका मूल्यांकन किया जाना आवश्यक हो, फिर भी यह जांच की गई कि क्या प्रौद्योगिकी में परिवर्तन, विनियामक प्रतिबंध और मांग में कमी जैसे कारक घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचाने के प्रमुख कारण थे।
- (i) **प्रौद्योगिकी में बदलाव**
412. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रौद्योगिकी में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हैं। इसलिए, घरेलू उद्योग को हुई क्षति प्रौद्योगिकी में परिवर्तनों के कारण नहीं है।
- (ii) **नियामक प्रतिबंध**
413. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोई नियामक प्रतिबंध नहीं है। अतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति विनियामक प्रतिबंधों के कारण नहीं है।
- (iii) **मांग में संकुचन**
414. जैसा कि ऊपर देखा गया है, समग्र रूप से विचाराधीन उत्पाद की मांग बढ़ रही है। अतः मांग में कमी के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति नहीं है।

(iv) उपभोग का पैटर्न

415. खपत के पैटर्न में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अतः खपत पद्धति में परिवर्तन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

(v) प्रतिस्पर्धा और व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं की शर्तें

416. जांच से पता नहीं चला है कि प्रतिस्पर्धा या व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं की स्थितियां बदल गई हैं। अतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति प्रतिस्पर्धा की स्थितियों और व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं के कारण नहीं है।

(vi) घरेलू उद्योग का निर्यात

417. क्षति विश्लेषण केवल घरेलू प्रदर्शन और विचाराधीन उत्पाद तक ही सीमित है। अतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन नहीं है।

ड. गंभीर क्षति का खतरा

418. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि गंभीर क्षति लगने के अलावा, हाल ही में, अचानक, तेज और आयात में उल्लेखनीय वृद्धि से गंभीर क्षति का खतरा है। प्राधिकारी ने क्षति के खतरे के संदर्भ में निम्नलिखित पहलुओं की जांच की है –

(i) अतिरिक्त क्षमता

419. जैसा कि ऊपर जांच की गई है, 'इस्पात निर्माण क्षमता में नवीनतम विकास' पर ओईसीडी रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक इस्पात निर्माण क्षमता वर्ष 2022 में 32.1 एमएमटी बढ़कर 2459.1 एमएमटी हो गई, जो इतिहास में उच्चतम वैश्विक क्षमता आंकड़ा है। इसके अतिरिक्त, वैश्विक क्षमता और कच्चे इस्पात के उत्पादन के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर है। निष्क्रिय क्षमता बढ़कर 2022 में 627.7 एमएमटी हो गई, जो 2021 में 512.6 एमएमटी थी। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने ऊपर यह भी जांच की है और नोट किया है कि जापान और दक्षिण कोरिया जैसी बड़ी इस्पात उत्पादक अर्थव्यवस्थाओं में इस्पात निर्माण क्षमताओं में हाल की अवधि में काफी वृद्धि हुई है। दक्षिण कोरिया और जापान के मामले में खपत से अधिक क्षमता का प्रतिशत वर्ष 2023 में क्रमशः 101% और 49% था। वैश्विक अतिरिक्त इस्पात निर्माण क्षमता से घरेलू उद्योग को गंभीर नुकसान पहुंचने का खतरा है।

(ii) वैश्विक स्तर पर व्यापार उपाय कार्रवाई

420. जैसा कि ऊपर जांच की गई है, अमेरिकी व्यापार विस्तार अधिनियम, 1962 की धारा 232 के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा इस्पात उत्पादों पर 25% अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने के बाद कई देशों ने विभिन्न इस्पात उत्पादों पर व्यापार उपाय लागू किए हैं। जीसीसी, यूरोपीय संघ, मोरक्को, कनाडा और यूके जैसे देशों ने इस्पात उत्पादों पर रक्षोपाय उपाय लागू किए थे। इसके अतिरिक्त, डब्ल्यूटीओ के कई सदस्यों ने अपने क्षेत्रों में इस्पात उत्पादों के आयात पर पाटनरोधी अथवा प्रतिकारी शुल्क लगाए। ओईसीडी की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस्पात उत्पादों के विरुद्ध यूरोपीय संघ, कनाडा, ब्रिटेन और अन्य देशों द्वारा 129 व्यापार उपाय अपनाए गए थे। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि 10 फरवरी 2025 को, यूएसए ने घोषणा की है कि वह 12 मार्च 2025 से सभी स्रोतों से यूएसए में सभी आयातों पर समान रूप से इस्पात उत्पादों पर 25% अतिरिक्त शुल्क लागू करेगा, यदि कोई हो, तो विभिन्न देशों को दी गई छूट और छूट, यदि कोई हो, को रद्द कर देगा। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि इन उपायों के परिणामस्वरूप उन देशों से अधिक आयात बढ़ने की संभावना है और भारत बड़े हुए आयात के प्रति अधिक संवेदनशील हो गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि विभिन्न देशों द्वारा इस्पात उत्पादों के विरुद्ध किए गए व्यापार उपायों और अन्य सुरक्षात्मक उपायों की लहर से घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति होने का खतरा है।

421. घरेलू उद्योग ने आगे अनुरोध किया कि ओईसीडी द्वारा प्रकाशित एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, केवल 2024 में स्टील उत्पादों पर 81 व्यापार उपाय कार्रवाई हुई हैं। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने आगे प्रस्तुत किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने धारा 232 टैरिफ के तहत दिए गए सभी देश छूट और बहिष्करण वापस ले लिए हैं, जो अमेरिका में स्टील के 21 एमएमटी आयात को प्रभावित करेगा। 4 जून 2025 से प्रभावी अमेरिका ने धारा 232 उपायों को 25% से बढ़ाकर 50% कर दिया है। धारा 232 टैरिफ के अलावा, अमेरिका ने सभी देशों में पारस्परिक टैरिफ की घोषणा की है। घरेलू उद्योग ने आगे अनुरोध किया कि यूरोपीय संघ ने अपने सुरक्षा उपाय में एचआर कॉइल्स पर लागू कोटा कम कर दिया है। घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी का ध्यान स्टील उत्पादों पर अन्य देशों द्वारा किए गए विभिन्न अन्य व्यापार उपाय उपायों की ओर भी दिलाया।
422. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने वैश्विक स्तर पर व्यापार उपचार कार्रवाइयों में वृद्धि के संबंध में पर्याप्त जानकारी प्रदान की है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने केवल यह अनुरोध किया है कि इस्पात उत्पादों पर व्यापार उपचार कार्रवाइयां चक्रीय और नियमित हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि केवल यह तथ्य कि व्यापार कार्रवाइयां चक्रीय हैं, इस चिंता का समाधान नहीं करता कि ऐसी कार्रवाइयों में अभूतपूर्व वृद्धि के कारण भारत में पीयूसी के आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है, जिससे घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति का खतरा पैदा हो रहा है।

(iii) प्रमुख उत्पादकों का निर्यात अभिविन्यास

423. घरेलू उद्योग ने बताया कि चीन से निर्यात 2020 से 2024 के बीच दोगुने से भी ज्यादा बढ़कर 117 एमएमटी हो गया। जनवरी से मई 2025 के दौरान चीनी निर्यात में 7 एमएमटी यानी 15% की वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग ने आगे बताया कि रूस, जो भारत का नियमित निर्यातक नहीं है, ने 460 से 465 डॉलर प्रति मीट्रिक टन की दर से एचआरसी निर्यात बंद किया है।
424. जैसा कि ऊपर जांच की गई है, जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसी बड़ी इस्पात उत्पादक अर्थव्यवस्थाओं में उच्च इस्पात उत्पादन क्षमता है, जो उनकी घरेलू खपत से कहीं अधिक है। अतिरिक्त क्षमता के कारण इन अर्थव्यवस्थाओं में इस्पात उत्पादकों के निर्यात बाजारों की ओर रुख करने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता जिससे घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति का खतरा हो सकता है।

(iv) आयात तीव्रता में वृद्धि और कीमतों में कमी

425. जैसा कि इन जांच परिणामों के पिछले पैराग्राफों में किए गए डेटा विश्लेषण में प्रकाश डाला गया है, मात्रा के साथ-साथ उनके मूल्य दमन और अवसाद प्रभाव दोनों के संदर्भ में आयात की तीव्रता में वृद्धि हुई है। जब इन प्रवृत्तियों को एक्सट्रपलेशन किया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति लगने का एक आसन्न और निकट अवधि का गंभीर खतरा होता है।

ढ. सार्वजनिक हित :

426. हितबद्ध पक्षकारों ने दलील दी है कि शुल्क लगाना जनहित में नहीं होगा क्योंकि इससे निर्माण, ऑटोमोटिव, उपभोक्ता उपकरण आदि जैसे अनुप्रवाह उद्योगों की लागत बढ़ जाएगी, जिससे उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित होगी। दलील दी गई है कि ऐसी लागतें अंतिम उपयोगकर्ताओं पर स्थानांतरित कर दी जाएंगी। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी दलील दी है कि घरेलू उद्योग में विशिष्ट इस्पात उत्पादों की आपूर्ति करने की क्षमता नहीं है।

427. घरेलू उद्योग ने दलील दी है कि इस दावे को पुष्ट करने के लिए कोई आँकड़े या साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराए गए हैं कि शुल्कों के परिणामस्वरूप लागत में वृद्धि होगी। घरेलू उद्योग ने कहा कि कई अध्ययनों से पता चला है कि धारा 232 के उपायों से "मुद्रास्फीति के साथ कोई संबंध स्पष्ट रूप से नहीं दिखता" और समग्र मूल्य स्तरों पर केवल अस्थायी प्रभाव पड़ा। घरेलू उद्योग ने यह भी दलील दी है कि एक एमएसएमई उत्पादक, अर्थात् असम रूफिंग लिमिटेड, ने शुल्क लगाने का समर्थन किया है। आवेदक ने यह भी दलील दी है कि पिछली सुरक्षा जाँचों में, प्राधिकारी ने माँग-आपूर्ति अंतर के बावजूद सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है। घरेलू उद्योग ने आगे कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर ये शुल्क राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं।
428. भारत एक विकासशील देश है जिसकी विकास नीति के उद्देश्यों में जीवन स्तर को ऊपर उठाना, पूर्ण रोजगार और वास्तविक आय तथा प्रभावी मांग की बड़ी और लगातार बढ़ती मात्रा सुनिश्चित करना है।
429. एक जीवंत इस्पात उद्योग ऐतिहासिक रूप से किसी राष्ट्र के तीव्र औद्योगिक विकास की बुनियाद रहा है। तीव्र औद्योगिक विकास होने के कारण, विनियमन से पूर्व वित्त वर्ष 1991-92 में 22 मीट्रिक टन की छोटी क्षमता से, भारत वित्त वर्ष 2015-16 में 90 मीट्रिक टन के उत्पादन और 122 मीट्रिक टन की क्षमता के साथ दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक बन गया। वर्ष 2017 तक, भारतीय इस्पात उद्योग ने देश के सकल घरेलू उत्पाद में करीब 2% का योगदान दिया और इससे करीब 5 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रूप से और करीब 20 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला।
430. इस प्रकार, भारत की राष्ट्रीय इस्पात नीति ("एनएसपी") 2017 में घोषित की गई थी ताकि यह उद्योग अपनी पूरी क्षमता को हासिल करते हुए, उच्च श्रेणी के मूल्य वर्धित इस्पात पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस्पात उत्पादन को बढ़ा सके और साथ ही बुइसे नियादी ढांचे, ऑटोमोबाइल और आवास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। एनएसपी में 2030 तक 300 मीट्रिक टन इस्पात निर्माण क्षमता हासिल करने की आकांक्षा रखी गई है, जो 2030-31 तक 10 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश में परिवर्तित हो जाएगी। एनएसपी का लक्ष्य प्रति व्यक्ति इस्पात की खपत को करीब 60 किलोग्राम के स्तर से बढ़ाकर 2030 तक 160 किलोग्राम के स्तर तक पहुंचाना है।
431. विशेष रूप से, राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी) में इस बात पर ध्यान दिया गया है कि इस्पात की वैश्विक कीमतों में वर्ष 2011 के बाद से गिरावट की शुरुआत हुई, जिसके चलते मांग और आपूर्ति के बीच महत्वपूर्ण संरचनात्मक विषमता उत्पन्न हुई, जिससे बड़ी संख्या में भारतीय कंपनियां प्रभावित हुईं और आयातों में वृद्धि हुई, जिसके फलस्वरूप कम कीमत निर्धारण की स्थितियां, कम लाभप्रदता, कम क्षमता उपयोग और यहां तक कि कुछ मामलों में क्षमताएं बंद हो गईं।
432. अतः भारत की एनएसपी में यह उल्लेख किया गया है कि उद्योग के लिए समुचित नीतिगत समर्थन किया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इस्पात का उत्पादन खपत में वृद्धि की अनुमानित गति से मेल खाता हो।
433. उपरोक्त को देखते हुए, जब आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि होती है, जिससे घरेलू इस्पात उत्पादकों को गंभीर क्षति होने की आशंका होती है, तो घरेलू उत्पादकों को क्षतिकारक आयातों से बचाने के लिए कानून के अनुसार व्यापार उपचार उपायों को लागू करना सार्वजनिक हित में होगा। वास्तव में, यदि आयातों में वृद्धि होने से घरेलू इस्पात उद्योग को गंभीर क्षति होती है और इस वृद्धि को रोकने के लिए उचित कदम नहीं उठाए जाते हैं, तो उपरोक्त नीतिगत उद्देश्यों को प्राप्त नहीं किया जा सकता।

434. आयातों में वृद्धि होने के कारण गंभीर क्षति का सामना कर रहे घरेलू उत्पादकों की सुरक्षा के लिए जनहित में धारा 8ख लागू की गई है। कानून में ऐसे उत्पादकों को सुरक्षा देने की परिकल्पना की गई है, ताकि वे आयातों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अपने व्यवसाय को समायोजित कर सकें।
435. उपरोक्त पर विचार करते हुए, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि इस स्तर पर रक्षोपाय शुल्क लगाना सार्वजनिक हित में होगा।

ण. समायोजन योजना

436. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग के लिए एक स्पष्ट और विस्तृत समायोजन योजना प्रस्तुत करना अनिवार्य है और घरेलू उद्योग द्वारा वर्तमान में प्रस्तुत समायोजन योजना अस्पष्ट और सामान्य है तथा सुरक्षा समझौते, अधिनियम या नियमों की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करती है। यह भी दावा किया गया है कि समायोजन योजना काफी हद तक आवेदकों द्वारा 2016 की सुरक्षा जाँच में प्रस्तुत योजनाओं की ही नकल है। हितबद्ध पक्ष उन पूर्व जाँचों का हवाला देते हैं जहाँ प्राधिकारी ने अपर्याप्त समायोजन योजना के कारण उपाय लागू करने से परहेज किया था।
437. घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया कि उनके द्वारा प्रस्तुत समायोजन योजना एओएस और नियमों के प्रावधानों का पूर्णतः अनुपालन करती है। घरेलू उद्योग ने आगे प्रस्तुत किया कि उसके द्वारा प्रस्तुत समायोजन योजना में लागत अनुकूलन, ऊर्जा दक्षता, पीएलआई लाभ आदि जैसी पहलों के बारे में पर्याप्त जानकारी शामिल है। घरेलू उद्योग अन्य हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का खंडन करता है कि पूर्व जाँच में, प्राधिकारी ने इस आधार पर शुल्कों की सिफारिश करने से इनकार कर दिया था कि समायोजन योजना पर्याप्त रूप से विस्तृत नहीं थी। घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया कि पूर्व जाँच में, न केवल पर्याप्त रूप से विस्तृत समायोजन योजना का अभाव था, बल्कि आयात में वृद्धि या घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति जैसे अन्य कारकों का अभाव भी था, जो प्राधिकारी द्वारा शुल्क लगाने की सिफारिश न करने का कारण थे।
438. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया-डेयरी उत्पादों के मामले में पैनल द्वारा समायोजन योजना से संबंधित आवश्यकता को इस प्रकार समझाया गया है:
- “7.108 हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि हम अनुच्छेद 5.1 की व्याख्या इस रूप में नहीं करते हैं कि प्राधिकारियों द्वारा समायोजन योजना पर विचार करना आवश्यक है, जैसा कि यूरोपीय समुदाय दावा करता है। पैनल को सुरक्षा उपायों पर समझौते के पाठ में ऐसी कोई विशिष्ट आवश्यकता नहीं दिखती है कि समायोजन योजना का अनुरोध किया जाए और उस पर विचार किया जाए। यद्यपि इसके दो प्रावधानों में उद्योग समायोजन का उल्लेख है, सुरक्षा उपायों पर समझौते के पाठ में ऐसा कुछ भी नहीं है जो यह सुझाव दे कि किसी उपाय को अपनाने से पहले किसी विशिष्ट समायोजन योजना पर विचार करना आवश्यक है। बल्कि, हमारा मानना है कि समायोजन का प्रश्न, गंभीर क्षति को रोकने या उसका समाधान करने के प्रश्न के साथ, प्राधिकारियों द्वारा लागू किए जाने वाले उपाय के तर्कसंगत स्पष्टीकरण का एक हिस्सा होना चाहिए। फिर भी, हम नोट करते हैं कि सुरक्षा उपायों के अनुप्रयोग के संदर्भ में समायोजन योजना की जाँच, इस बात का पुख्ता सबूत होगी कि प्राधिकारियों ने इस बात पर विचार किया था कि क्या वह उपाय गंभीर क्षति को रोकने या उसका समाधान करने और समायोजन को सुगम बनाने के उद्देश्य के अनुरूप था।”*
439. प्राधिकारी नोट करते हैं कि न तो सुरक्षा समझौते, न ही अधिनियम या नियम, समायोजन योजना के लिए कोई प्रारूप या विनिर्देश निर्धारित करते हैं। हालाँकि, समायोजन योजना को उपाय की उपयुक्तता और यह तय करने के

लिए आधार के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है कि क्या उपाय गंभीर क्षति को रोकने या उसका समाधान करने के उद्देश्य के अनुरूप था।

त. निष्कर्ष और सिफारिश :

440. उपर्युक्त जांच परिणाम को देखते हुए, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि अप्रत्याशित घटनाक्रमों और जीएटीटी के अंतर्गत दायित्वों के प्रभाव के परिणामस्वरूप संचयी स्तर पर भारत में पीयूसी के आयात में हाल ही में अचानक, तीव्र और महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जिससे पीयूसी/उत्पादकों के घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुंचने का खतरा है।

थ. शुल्क दर और अवधि :

441. कुछ हितबद्ध पक्षों ने दलील दी कि 25% की दर से रक्षोपाय शुल्क लगाने का कोई आधार नहीं है। यह भी दलील दी गई कि उचित शुल्क दर की गणना में नियोजित पूंजी पर 22% आय को अपनाने का कोई आधार नहीं है।

442. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि "क्षतिरहित कीमत" के आधार पर शुल्क की गणना सुरक्षा जाँच में प्रासंगिक नहीं है क्योंकि सुरक्षा नियमों और सुरक्षा समझौते में क्षतिरहित कीमत की गणना का प्रावधान नहीं है। घरेलू उद्योग ने आगे अनुरोध किया कि अमेरिका - वाशर्स पर रक्षोपाय उपाय में, पैनल ने पाया कि अनुच्छेद 5.1 के तहत जाँच प्राधिकारी को कम कीमत पर बिक्री की मात्रा के अनुरूप सुरक्षा उपाय की जाँच करने की आवश्यकता नहीं है। पैनल के अनुसार:

"हम ध्यान देते हैं कि जबकि अनुच्छेद 5.1 यह प्रावधान करता है कि कोई सदस्य गंभीर क्षति को रोकने या उसका उपचार करने के लिए आवश्यक सीमा तक ही सुरक्षा उपाय लागू करेगा, यह कोई नियम प्रदान नहीं करता है जो प्राधिकारी को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता रखता हो कि रक्षोपाय उपाय पाई गई कीमत कम बिक्री की डिग्री से मेल खाती है, जो कि आयातित उत्पादों और घरेलू उत्पादों जैसे विषयों की कीमतों के बीच का अंतर है। यह आवश्यकता इस तथ्य के विपरीत होगी कि रक्षोपाय उपायों पर समझौता (क) विशेष रूप से मूल्य कम बिक्री विश्लेषण की भी आवश्यकता नहीं रखता है और (ख) मात्रात्मक प्रतिबंध लगाने की अनुमति देता है (यह हमारे लिए स्पष्ट नहीं है कि गणितीय मामले के रूप में मात्रात्मक प्रतिबंध को मूल्य कम बिक्री की डिग्री से मेल खाने के लिए कैसे डिज़ाइन किया जा सकता है, और रक्षोपाय उपायों पर समझौता किसी भी मामले में इस मामले पर नियम प्रदान नहीं करता है; इस संबंध में, सुरक्षा उपायों पर समझौते के प्रावधान, उदाहरण के लिए, एंटी-डॉपिंग समझौते के प्रावधानों के विपरीत हैं, जिसके तहत अधिकारियों को यह सुनिश्चित करके अपने उपायों को समायोजित करना आवश्यक है कि पाटनरोधी शुल्क उस समझौते के अनुच्छेद 2 (पाटनरोधी समझौते के अनुच्छेद 9-3 देखें) के तहत निर्धारित डॉपिंग मार्जिन से अधिक न हो। इसलिए, हमें अनुच्छेद 5.1 में ऐसा कोई आधार नहीं मिलता है जिसके तहत जाँच अधिकारियों को कम कीमत पर बिक्री की मात्रा को दर्शाने के लिए अपने सुरक्षा उपायों को समायोजित करने की आवश्यकता हो।

443. घरेलू उद्योग ने आगे अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति के खतरे के मद्देनजर 25% शुल्क लगाना उचित है। घरेलू उद्योग के अनुसार, गंभीर क्षति के खतरे को दर्शाने वाले तथ्य इस प्रकार हैं:

- क) इनपुट की लागत में वृद्धि और बिक्री कीमतों में गिरावट - घरेलू उद्योग का कहना है कि लौह अयस्क की कीमतों में 9% की वृद्धि हुई, जबकि पीयूसी की कीमत में कमी आई।
- ख) वैश्विक इस्पात कीमतों में गिरावट - घरेलू उद्योग ने कहा कि मई 2025 में वैश्विक इस्पात निर्यात मूल्य 450 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन है, जो मई 1995 में प्रचलित 475 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन की कीमत से कम है। घरेलू उद्योग ने आगे कहा कि मार्च 2025 के बाद इस्पात की कीमतों में तेजी से गिरावट आई है।

- ग) वैश्विक अतिरिक्त इस्पात क्षमता है - घरेलू उद्योग ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में, विश्व इस्पात की मांग में 100 एमएमटी की गिरावट आई है। वैश्विक अधिशेष इस्पात क्षमता में 600 एमएमटी की वृद्धि हुई है।
- घ) निर्यात अभिविन्यास - घरेलू उद्योग का कहना है कि 2020 से 2024 के बीच चीन का निर्यात दोगुने से भी अधिक हो गया। घरेलू उद्योग ने आगे अनुरोध किया कि चीन, जापान, कोरिया और वियतनाम वैश्विक इस्पात निर्यात में 60% का योगदान करते हैं।
- ड.) घरेलू उद्योग ने आगे कहा है कि भारत दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक है और इस्पात की मांग सालाना 15-16 एमएमटी की स्वस्थ दर से बढ़ रही है।
- च) घरेलू उद्योग का आगे कहना कि इस्पात उत्पादों के खिलाफ व्यापारिक कार्रवाइयों की संख्या बढ़ रही है।
- छ) घरेलू उद्योग का कहना है कि अमेरिका ने धारा 232 टैरिफ में दी गई सभी छूटों को रद्द कर दिया है, जिससे अमेरिका में 21 एमएमटी इस्पात आयात प्रभावित होगा।
444. प्राधिकारी नोट करते हैं कि 2021-22 से जाँच अवधि (अर्थात अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024) तक संचयी स्तर पर आयात मात्रा में हाल ही में अचानक, तीव्र और उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह ध्यान देने योग्य है कि जाँच अवधि (अर्थात अक्टूबर 2024 से दिसंबर 2024) के तुरंत बाद की तिमाही के आयात रुझान, वार्षिकीकृत आंकड़ों के आधार पर, समान आयात प्रवृत्ति दर्शाते हैं।
445. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं समग्र रूप से विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) के लिए सीआईएफ आयात कीमत वर्ष 2021-22 से जाँच अवधि तक काफी कम हो गया है। हालाँकि, यह घरेलू उद्योग के उचित बिक्री कीमत से अधिक है।
446. इस अवधि के दौरान, सभी पाँच उत्पाद श्रेणियों के लिए घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित पूँजी पर आय में लगातार कमी आई है।
447. राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 में 2030 तक कुल 300 एमएमटी इस्पात उत्पादन की परिकल्पना की गई है, जो आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक होगा। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, भारत को प्रति वर्ष 18 से 20 एमएमटी क्षमता स्थापित करनी होगी, जिसके लिए प्रति वर्ष 2,00,000 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होगी।
448. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि बहुत कम कीमतों पर आयात की बढ़ती मात्रा को देखते हुए, घरेलू उद्योग के आरओआई में भारी गिरावट आई है। घरेलू उद्योग को अपनी क्षमता विस्तार योजनाओं को प्राप्त करने में सक्षम होने के लिए निवेश पर पर्याप्त आय अर्जित करना आवश्यक है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयात घरेलू उद्योग के उचित बिक्री कीमत से अधिक है।
449. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि विभिन्न अन्य देशों ने विभिन्न इस्पात उत्पादों के विरुद्ध व्यापारिक कार्रवाई की है। अन्य देशों द्वारा हाल ही में की गई कुछ व्यापारिक कार्रवाइयाँ नीचे दी गई हैं:

व्यापारिक कार्रवाई	प्रभावित देश	उत्पाद	लक्षित देश	शुल्क	प्रभावी तिथि
<i>विश्व व्यापार संगठन कानून के साथ असंगत कार्रवाइयाँ</i>					
धारा -232	अमेरिका	समस्त इस्पात उत्पाद	समस्त देश	50% तक की वृद्धि	जून, 2025
धारा -301	अमेरिका	इस्पात सहित विभिन्न उत्पाद	चीन	25%	सितंबर, 2024
अतिरिक्त आयात मद	कनाडा	अन्य के साथ-साथ इस्पात और एल्युमिनियम	चीन	25%	अक्टूबर 2024
अतिरिक्त कर	कनाडा	इस्पात मिल उत्पाद	अन्य गैर-एफटीए देश	कोटे से 50% अधिक कर	जुलाई 2025

व्यापारिक कार्रवाई	प्रभावित देश	उत्पाद	लक्षित देश	शुल्क	प्रभावी तिथि
टैरिफ वृद्धि	मेक्सिको	इस्पात उत्पाद		25% से 50%	अगस्त 2023
रक्षोपाय उपाय					
टीआरक्यू - रक्षोपाय	यूरोप	विभिन्न स्टील उत्पाद	समस्त देश	जुलाई 2026 तक 25% टीआरक्यू	जुलाई 2018, 24 जून 2024 तक बढ़ाया गया
रक्षोपाय	ब्राजील	स्टील उत्पाद	समस्त देश	कोटा से 25% अधिक	मई 2025
रक्षोपाय	टर्की	वॉयर रॉड	समस्त देश	अम.डॉ. 175/मी.ट.	जून 2024
पाटनरोधी उपाय					
पाटनरोधी	टर्की	एचआर क्वाइल्स	चीन	15.42% - 43.31%	अक्टूबर, 2024
			जापान	9%	
			भारत	6.1%-9%	
			रूस	6.1%-9%	
पाटनरोधी	वियतनाम	एचआर क्वाइल्स	चीन	23.1% - 27.8%	मार्च, 2025
पाटनरोधी	यूरोप	एचआर क्वाइल एवं शीट	इजिप्ट	12.8%	4 अप्रैल, 2025 को अनंतिम जांच परिणाम जारी किया गया
			जापान	6.9% - 32%	
			वियतनाम	12.1%	
			भारत	शुल्क नहीं	
पाटनरोधी	ब्राजील	सीआर क्वाइल	चीन	अनंतिम जांच परिणाम से पाटन की पुष्टि हुई, लेकिन अभी तक कोई शुल्क नहीं लगाया गया	12 मार्च, 2025 को अनंतिम जांच परिणाम जारी किए गए
पाटनरोधी	ब्राजील	एचआर क्वाइल	चीन और रूस	जांचाधीन	-
पाटनरोधी	ब्राजील	कलर कोटेड	चीन	पाटन स्थापित किया गया, परंतु अभी तक कोई शुल्क नहीं लगाया गया	मार्च, 2025
पाटनरोधी	कोरिया जनवादी गणराज्य	एचआर क्वाइल्स	चीन तथा जापान	28.16% - 33.57%	जुलाई, 2025
पाटनरोधी	कोरिया जनवादी गणराज्य	एच आर प्लेट्स	चीन	38%	फरवरी, 2025

450. घरेलू उद्योग का कहना है कि भारत एकमात्र बड़ी इस्पात विनिर्माण अर्थव्यवस्था है जिसके पास समग्र रूप से इस्पात उत्पादों पर कोई व्यापार उपाय नहीं है। 25% से कम शुल्क दर होने पर भी मूल्य अंतरण की स्थिति उत्पन्न होगी क्योंकि भारत अन्य इस्पात उत्पादक/आयात अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में तुलनात्मक रूप से अधिक आकर्षक निर्यात गंतव्य होगा। इसलिए, 25% से कम शुल्क दर भारत में आयात में वृद्धि को नहीं रोक पाएगी।
451. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975, सीमा शुल्क टैरिफ (रक्षा उपाय) नियम, 1997 और सुरक्षा समझौते में शुल्क की दर निर्धारित करने के संबंध में कोई मार्गदर्शन नहीं दिया गया है। इसके अलावा, सुरक्षा नियमों का नियम 11(2), जो (सुरक्षा समझौते के अनुच्छेद 5.1 के पहले वाक्य के समतुल्य) कहता है कि "महानिदेशक शुल्क की उस राशि के संबंध में भी अपनी सिफारिश देंगे जो, यदि लगाई जाए, तो गंभीर क्षति को रोकने या उसका समाधान करने के लिए पर्याप्त होगी और किसी भी समायोजन के साथ किसी भी सकारात्मक समायोजन को सुगम बनाएगी" इस बारे में अतिरिक्त मार्गदर्शन प्रदान करता है कि शुल्क की ऐसी दर कैसे निर्धारित की जाए।
452. यह भी विचार करना आवश्यक है कि अमेरिका ने पहले ही इस्पात उत्पादों पर 50% शुल्क लगा दिया है, और कई अन्य देशों ने भी इसका अनुसरण किया है, जिसके परिणामस्वरूप सभी प्रमुख इस्पात विनिर्माण देशों में कई निर्माताओं के पास भारी अधिशेष क्षमताएँ हैं। इसलिए, सुरक्षा शुल्क में न केवल जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हुई गंभीर क्षति, बल्कि भविष्य में उत्पन्न होने वाली गंभीर क्षति के खतरे का भी समाधान होना चाहिए।
453. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि कुछ इस्पात उत्पादों के संबंध में यूरोपीय संघ की सुरक्षा जाँच में, यूरोपीय आयोग ने इस आधार पर 25% शुल्क की दर अपनाने का निर्णय लिया कि अमेरिका द्वारा भी यही दर लगाई गई थी। यूरोपीय आयोग ने उक्त निर्णय में क्षति रहित कीमत और क्षति मार्जिन के संबंध में कोई निर्धारण नहीं किया:

"कुछ हितबद्ध पक्षकारों के विचारों के विपरीत, इस पृष्ठभूमि में 25% स्तर का यूनियन ऑफ-कोटा टैरिफ दर मनमाना नहीं है, बल्कि यह पूरी तरह से आनुपातिक उपाय प्रतीत होता है और आयात में वृद्धि के खिलाफ यूनियन इस्पात बाजार की रक्षा करने के उद्देश्य के साथ पूरी तरह से सुसंगत है, जो हाल के समय में व्यापार विचलन में एक बड़े विचलन तक विस्तारित है जो अमेरिकी संरक्षणवादी उपायों के कारण उत्पन्न हो रहा है। वास्तव में, विश्व भर के इस्पात निर्यातक 25% या 50% टैरिफ या अमेरिका में प्रतिबंधात्मक कोटा का सामना कर रहे हैं, वे अपने निर्यात को अपने पारंपरिक बिक्री के स्तर से ऊपर यूनियन में पुनर्निर्देशित कर सकते हैं और यूनियन इस्पात उद्योग को क्षति पहुंचा सकते हैं यदि यूनियन में अपने पारंपरिक स्तर से अधिक पर्याप्त आयात शुरू नहीं होता है।"

"गैर-मिश्र धातु और मिश्र धातु इस्पात फ्लैट उत्पाद", ("पीयूसी"), अर्थात् (क) हॉट रोल्ड ("एचआर") कॉइल, शीट और प्लेट, (ख) एचआर प्लेट मिल प्लेट ("पीएमपी"), (ग) कोल्ड रोल्ड ("सीआर") कॉइल और शीट, (घ) मेटालिक कोटेड स्टील कॉइल और शीट, जिनमें प्रोफाइल शामिल है या गैल्वेनियल नहीं, जिंक या एल्युमिनियम-जिंक या जिंक-एल्युमिनियम-मैग्नीशियम ("कोटेड") से कोटेड, और (ड.) कलर कोटेड कॉइल और शीट, चाहे प्रोफाइल वाले हों या नहीं ("सीसी")।

निम्नलिखित उत्पाद विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर हैं:

क) कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएण्टेड इलेक्ट्रिकल स्टील (सीआरजीओ)

ख) कोल्ड रोल्ड नॉन-ओरिएण्टेड इलेक्ट्रिकल स्टील (सीआरएनओ) कॉइल और शीट

ग) कोटेड - इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड स्टील

घ) टिनप्लेट

ड.) स्टेनलेस स्टील

च) निकल कोटेड / निकल प्लेटेड कोल्ड रोल्ड स्टील;

छ) रबर कोटेड स्टील;

ज) इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड (ईजी) - जिंक-निकल कोटेड स्टील;

झ) बाई-मेटल स्टील / बाई-मेटल सैंडविच स्टील;

ज) ब्रास कोटेड स्टील वायर (तार लंबे स्टील उत्पादों का हिस्सा है, जो प्रारंभिक सूचना में भी शामिल नहीं हैं);

ट) क्यूटोनाइट;

ठ) इनकोनेल;

ड) स्टेनलेस स्टील आइटम (जो प्रारंभिक सूचना में भी शामिल नहीं हैं);

ढ) एल्युमिनियम कोटेड स्टील;

ण) एल्युमिनियम सिलिकॉन कोटेड / हॉट डिप्ड एल्युमिनाइज्ड सिलिकॉन कोटेड स्टील;

त) हॉट रोल्ड क्लैड स्टील प्लेट;

थ) निकल प्लेटेड स्टील / निकल प्लेटेड स्ट्रिप;

द) कॉपर प्लेटेड स्टील;

ध) लैमिनेटेड इलेक्ट्रो गैल्वेनाइज्ड (EGI);

न) कोबाल्ट प्लेटेड स्टील;

प) सिल्वर प्लेटेड स्टील;

फ) टाइटेनियम क्लैड प्लेट्स;

454. शुल्क की अवधि और दर निम्नानुसार होगी:

वर्ष 1	12%
वर्ष 2	11.5%
वर्ष 3	11%

455. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की कई श्रेणियां पीयूसी के दायरे में आती हैं और घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति कम कीमत वाली विषयगत वस्तुओं के आयात से होती है। घरेलू उद्योग को हो रही वर्तमान गंभीर क्षति और विषयगत वस्तुओं के आयात के कारण क्षति के आसन्न खतरे, उचित विक्री मूल्य और सभी हितधारकों के प्रतिस्पर्धी हितों पर विचार करते हुए, प्राधिकारी अनुशंसा करते हैं कि ऊपर अनुशंसित रक्षोपाय शुल्क नीचे दी गई तालिका के कॉलम (2) में दी गई संगत प्रविष्टि में निर्दिष्ट उत्पाद श्रेणियों पर, जब उन्हें भारत में आयात किया जाता है, तो उक्त तालिका के कॉलम (3) में दी गई संगत प्रविष्टि में उल्लिखित सीआईएफ आधार पर आयात मूल्य पर या उससे अधिक पर नहीं लगाया जाना चाहिए, अर्थात्;

क्र.सं. (1)	उत्पाद श्रेणी (2)	सीआईएफ आधार पर निर्यात कीमत (3)	इकाई (4)	मुद्रा (5)
1.	हॉट रोल्ड कॉइल, शीट और प्लेट	675	मी.ट.	अम.डॉ.
2.	हॉट रोल्ड प्लेट मिल प्लेट	695	मी.ट.	अम.डॉ.
3.	कोल्ड रोल्ड कॉइल और शीट	824	मी.ट.	अम.डॉ.
4.	धातु कोटेड स्टील कॉइल और शीट, चाहे प्रोफाइल किए गए हों या नहीं, गैल्वेनियल	861	मी.ट.	अम.डॉ.

क्र.सं. (1)	उत्पाद श्रेणी (2)	सीआईएफ आधार पर निर्यात कीमत (3)	इकाई (4)	मुद्रा (5)
	सहित, जिंक या एल्युमिनियम-जिंक या जिंक-एल्युमिनियम-मैग्नीशियम से कोटेड			
5.	रंगीन कोटेड कॉइल और शीट, चाहे प्रोफाइल किए गए हों या नहीं	964	मी.ट.	अम.डॉ.

द. विकासशील राष्ट्र:

456. सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 8ख(2) के प्रावधान में यह प्रावधान है कि रक्षोपाय शुल्क "किसी विकासशील देश के मूल की किसी वस्तु पर तब तक लागू नहीं होगा जब तक उस देश से उस वस्तु के आयात का हिस्सा तीन प्रतिशत से अधिक न हो या जहाँ वस्तु किसी विकासशील देश के मूल की रही है, वहाँ कुल आयात से अधिक हो, बशर्ते कि तीन प्रतिशत से कम आयात हिस्सेदारी वाले ऐसे प्रत्येक विकासशील देश से कुल आयात भारत में उस वस्तु के कुल आयात के नौ प्रतिशत से अधिक न हो"। इसके अतिरिक्त, इस प्रावधान के प्रयोजनों के लिए अधिसूचना संख्या 19/2016-सीमा शुल्क (एनटी), दिनांक 5 फरवरी, 2016 विकासशील देशों को निर्दिष्ट करती है।
457. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि प्राधिकारी संबंधित उत्पाद की 5 श्रेणियों के लिए आयात के देशवार हिस्से की अलग-अलग गणना कर सकता है ताकि विकासशील देशों से आयात में हिस्सेदारी का निर्धारण किया जा सके। पक्षकारों ने आगे यह भी अनुरोध किया है कि ऐसी कार्यप्रणाली विश्व व्यापार संगठन के अनुरूप है और यूरोपीय संघ जैसे अन्य देशों ने भी यही कार्यप्रणाली अपनाई है।
458. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षों के उक्त अनुरोधों और कुछ इस्पात उत्पादों से संबंधित रक्षोपाय जांच में यूरोपीय आयोग के अंतिम निर्धारण पर विचार किया है, जिसमें यूरोपीय आयोग ने उत्पाद श्रेणी-वार विकासशील देश पर छूट का विश्लेषण किया था। प्राधिकारी समझते हैं कि अधिनियम की धारा 8ख(2) के प्रावधान के अंतर्गत पाँचों उत्पाद श्रेणियों में से प्रत्येक के लिए विकासशील देशों की छूट की अलग-अलग जाँच करना आवश्यक है।
459. इस अंतिम जांच परिणाम के अनुबंध 1 में अलग-अलग देशों के उत्पाद श्रेणी-वार आयात हिस्से दिए गए हैं। आयात में उत्पाद श्रेणी-वार हिस्सेदारी के आधार पर, विकासशील देशों की देश-वार छूट इस प्रकार है:
- क) चीन जन. गण. और वियतनाम के अलावा अधिसूचना संख्या 19/2016-सीमा शुल्क (एनटी) में सूचीबद्ध विकासशील देशों से आयातित हॉट रोलड कॉइल, शीट और प्लेट को सुरक्षा शुल्क के आवेदन से छूट दी जा सकती है।
- ख) चीन जन. गण. के अतिरिक्त अधिसूचना संख्या 19/2016-सीमा शुल्क (एनटी) में सूचीबद्ध विकासशील देशों से आयातित हॉट रोलड प्लेट मिल प्लेट को सुरक्षा शुल्क के आवेदन से छूट दी जा सकती है।
- ख) चीन जन. गण. और नेपाल के अतिरिक्त अधिसूचना संख्या 19/2016-सीमा शुल्क (एनटी) में सूचीबद्ध विकासशील देशों से आयातित कोल्ड रोलड कॉइल और शीट को सुरक्षा शुल्क के आवेदन से छूट दी जा सकती है।
- घ) वियतनाम, चीन जन.गण. और नेपाल के अतिरिक्त अधिसूचना संख्या 19/2016-सीमा शुल्क (एनटी) में सूचीबद्ध विकासशील देशों से आयातित धातु लेपित इस्पात कॉइल और शीट, चाहे प्रोफाइल युक्त हों या नहीं, गैल्वेनियल सहित, जिंक या एल्युमीनियम-जिंक या जिंक-एल्युमीनियम-मैग्नीशियम से लेपित, सुरक्षा शुल्क के अनुरोध से मुक्त हो सकते हैं।

ड) चीन जन.गण. और नेपाल के अलावा अधिसूचना संख्या 19/2016-सीमा शुल्क (एनटी) में सूचीबद्ध विकासशील देशों से आयातित रंगीन लेपित कॉइल और शीट, चाहे प्रोफाइल युक्त हों या नहीं, सुरक्षा शुल्क के आवेदन से मुक्त हो सकते हैं।

460. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने ताइवान और यूरोपीय संघ को शुल्कों के आवेदन से बाहर रखने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी ने अधिसूचना संख्या 19/2016-सीमा शुल्क (एनटी) के अनुसार, विकासशील देशों से आयात को बाहर रखने की सिफारिश की है, बशर्ते उस देश से उस वस्तु के आयात का हिस्सा सभी स्रोतों से कुल आयात के तीन प्रतिशत से अधिक न हो।

ध. आगे की प्रक्रिया

461. इस सिफारिश से उत्पन्न होने वाले केन्द्रीय सरकार के आदेश के विरुद्ध अपील अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

सिद्धार्थ महाजन, महानिदेशक

अनुलग्नक 1

अलग-अलग देशों का उत्पाद श्रेणीवार आयात हिस्सा

देश	जांच अवधि के दौरान आयात का प्रतिशत
<i>हॉट रोल्ड कॉइल, शीट और प्लेट</i>	
कोरिया आरपी	34.10%
जापान	28.20%
चीन पीआर	19.90%
वियतनाम समाज प्रतिनिधि	17.50%
नेपाल	0.20%
स्वीडन	0.10%
बेल्जियम	0.00%
जर्मनी	0.00%
हांगकांग	0.00%
इंडोनेशिया	0.00%
लक्समबर्ग	0.00%
मलेशिया	0.00%
नीदरलैंड	0.00%
रूस	0.00%
सऊदी अरब	0.00%
ताइवान	0.00%
संयुक्त अरब अमीरात	0.00%
यूएसए	0.00%
<i>हॉट रोल्ड प्लेट मिल प्लेट्स</i>	
चीन पीआर	46.60%
कोरिया आरपी	38.10%
जापान	7.40%
फ्रांस	3.60%
इंडोनेशिया	2.60%
स्वीडन	0.70%
जर्मनी	0.50%

देश	जांच अवधि के दौरान आयात का प्रतिशत
बेल्जियम	0.20%
बांग्लादेश पीआर	0.10%
यूएसए	0.10%
ऑस्ट्रेलिया	0.00%
ऑस्ट्रिया	0.00%
बहरीन IS	0.00%
डेनमार्क	0.00%
फिनलैंड	0.00%
इटली	0.00%
मलेशिया	0.00%
नीदरलैंड	0.00%
ओमान	0.00%
पोलैंड	0.00%
रूस	0.00%
सिंगापुर	0.00%
स्लोवेनिया	0.00%
स्विट्ज़रलैंड	0.00%
संयुक्त अरब अमीरात	0.00%
यूके	0.00%
यूक्रेन	0.00%
कोल्ड रोल्ड कॉइल्स और शीट्स	
कोरिया आरपी	63.80%
जापान	20.70%
चीन पीआर	9.30%
नेपाल	4.40%
स्वीडन	0.80%
मलेशिया	0.30%
यूएसए	0.20%
इटली	0.10%

देश	जांच अवधि के दौरान आयात का प्रतिशत
सिंगापुर	0.10%
संयुक्त अरब अमीरात	0.10%
ऑस्ट्रिया	0.00%
बेल्जियम	0.00%
कनाडा	0.00%
फ्रांस	0.00%
जर्मनी	0.00%
नीदरलैंड	0.00%
पोलैंड	0.00%
रूस	0.00%
स्पेन	0.00%
स्विट्ज़रलैंड	0.00%
ताइवान	0.00%
थाईलैंड	0.00%
यूके	0.00%
वियतनाम समाज प्रतिनिधि	0.00%
धातु लेपित इस्पात कुंडल और शीट, चाहे प्रोफाइल युक्त हों या नहीं, गैल्वेनियल सहित, जस्ता या एल्यूमीनियम-जस्ता या जस्ता-एल्यूमीनियम-मैग्नीशियम के साथ लेपित	
कोरिया आरपी	53.75%
जापान	16.64%
वियतनाम समाज प्रतिनिधि	11.19%
चीन पी आरपी	8.95%
नेपाल	7.40%
मलेशिया	0.51%
यूके	0.34%
बेल्जियम	0.23%
थाईलैंड	0.21%
जर्मनी	0.20%
सिंगापुर	0.14%
यूएसए	0.11%

देश	जांच अवधि के दौरान आयात का प्रतिशत
संयुक्त अरब अमीरात	0.10%
बांग्लादेश पीआर	0.07%
फ्रांस	0.05%
नीदरलैंड	0.03%
इटली	0.02%
बहरीन IS	0.02%
पुर्तगाल	0.01%
ऑस्ट्रेलिया	0.01%
स्लोवेनिया	0.01%
श्रीलंका डीएसआर	0.00%
कनाडा	0.00%
ग्रीस	0.00%
हंगरी	0.00%
कुवैट	0.00%
पोलैंड	0.00%
स्पेन	0.00%
स्वीडन	0.00%
ताइवान	0.00%
लक्समबर्ग	0.00%
मेक्सिको	0.00%
एन. मारियाना आई.एस.	0.00%
रंग लेपित कॉइल और शीट, चाहे प्रोफाइल किए गए हों या नहीं	
चीन जन गणराज्य	71.20%
कोरिया आरपी	17.30%
नेपाल	7.40%
जापान	2.10%
वियतनाम समाज प्रतिनिधि	1.20%
बेल्जियम	0.30%
बांग्लादेश जन गणराज्य	0.20%

देश	जांच अवधि के दौरान आयात का प्रतिशत
कनाडा	0.10%
संयुक्त अरब अमीरात	0.10%
जर्मनी	0.00%
इटली	0.00%
नीदरलैंड	0.00%
पुर्तगाल	0.00%
ताइवान	0.00%
यूएसए	0.00%

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department Of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th August, 2025

FINAL FINDINGS

Case No. SG-01/2024

Subject: Safeguard Investigation concerning imports of “Non-Alloy and Alloy Steel Flat Products”.

A. BACKGROUND OF THE CASE

1. **F. No. 22/01/2024-DGTR.**—The Indian Steel Association (“ISA” or the “Applicant”), on behalf of its Members, namely, a) ArcelorMittal Nippon Steel India Limited and its then related entity AMNS Khopoli Limited, b) JSW Steel Limited and its two related entities namely JSW Steel Coated Products Limited, and Bhushan Power & Steel Limited, c) Jindal Steel and Power Limited, and d) Steel Authority of India Limited (collectively referred to as “applicant companies”) filed an application before the Director General (hereinafter referred to as the “Authority”, or “DG” or “Director General”) under Section 8B of Customs Tariff Act, 1975 (hereinafter referred to as “the Act”), read with the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Measures) Rules, 1997 (hereinafter referred to as “the Rules”) seeking imposition of Safeguard Duty on imports of “Non-Alloy and Alloy Steel Flat Products” (hereinafter referred to as “PUC” or “Product Under Consideration” or “subject goods”) into India.
2. The Applicant alleges that there is a recent, sudden, sharp and significant increase in the volume of imports, which has caused serious injury to the domestic industry in India. The Applicant further alleges that imports have taken place in such increased quantities and under such circumstances to cause and threaten to cause serious injury to the domestic industry. The Applicant seeks imposition of safeguard duties to protect the domestic industry engaged in the production of like products or directly competitive products from such serious injury and threat thereof being caused by the imports of PUC.
3. The Authority, vide notice dated 19th December 2024, initiated the present safeguard investigation under Rule 5(3) of the Rules after examining the accuracy and adequacy of the evidence provided in the application and satisfied itself that there is sufficient *prima facie* evidence regarding: a) recent, sudden, sharp and significant increase in imports, b) serious injury and threat of serious injury to the domestic industry, and c) a causal link between the increased imports and serious injury and threat thereof.
4. On March 18, 2025, the Authority issued a preliminary finding recommending imposition of a provisional safeguard duty of 12% for a period of 200 days, subject to a price benchmark, as mentioned in paragraph 342 of the preliminary findings. Vide Notification No. 01/2025-Customs (SG) dated April 21, 2025, the Central Government imposed provisional safeguard duty as recommended by the Authority for a period of 200 days. The said provisional duty is in force till November 7, 2025.

B. PROCEDURE

5. A brief description of the procedure adopted by the Authority is described below:
 - a) The Authority initiated the current investigation vide initiation notification No. 22/01/2024-DGTR dated 19 December 2024, published in the Gazette of India Extraordinary Part I No. 337 dated 19th December 2024 vide CG-DL-E 202122024-259547
 - b) In accordance with Rules 6(2) and 6(4), copies of the initiation notification and the non-confidential version (NCV) of the application were forwarded to the embassies of the exporting countries, the known exporters, importers and users of the subject goods, and the concerned associations.

- c) The interested parties including the embassies of the exporting countries, producers, exporters, importers and users were granted 15 days' time initially to file their responses. Thereafter, the Authority considered the requests of various interested parties and granted an extension of time up to 22nd January, 2025 to file their responses.
- d) The Authority sent questionnaires to the following known producers/exporters in the exporting countries in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
1. Rizhao
 2. Betai Iron & steel
 3. Baotou Iron and Steel Group
 4. Jiangsu Shagang Group Company Limited
 5. Tonghua Iron Steel Group Corporation
 6. Angang Steel Company
 7. Nanjing Iron and Steel
 8. Tangshang Iron & Steel
 9. Wuhan Iron and Steel
 10. Tianjin Iron & Steel Group Co Ltd
 11. Shanghai Color Steel Co. Ltd
 12. Baosteel Group Corporation
 13. Aosen Steel
 14. Nippon Sumitomo
 15. JFE Steel Corporation
 16. Kobe
 17. Nisshin Steel Co., Ltd.
 18. POSCO
 19. Hyundai Steel Co Ltd
 20. Dongkuk Steel Mill Col Ltd.
 21. Severstal
 22. EVRAZ
 23. Magnitogorsk Iron and Steel
 24. Krakatau Steel
 25. Growth Steel
 26. PT. Gunawan Dianjaya Steel, Tbk
 27. ArcelorMittal, Ukraine
 28. PJSC "Nikopol Ferroalloy Plant"
 29. ArcelorMittal Germany Holding GmbH
 30. ArcelorMittal Italia
 31. Steel Coat Europe Alleur (Arcelor Mittal)

32. ThyssenKrupp Steel Europe AG
33. SSAB
34. Metal Trade Comax
35. Voestalpine AG
36. Huttenwerke Krupp Mannesmann
37. Salzgitter Group

e) The following parties either registered their interest in the investigation and/or filed submissions:

S. No.	Name of Interested Party	S. No.	Name of Interested Party
1.	Embassy of Taiwan	2.	KAD & CO. (AGENCY) PVT. LTD.
3.	Embassy of Korea	4.	Shanker Mercantile Pvt Ltd. SMPL
5.	Embassy of Indonesia	6.	JayaSprings
7.	British High Commission	8.	Welspun Corp Limited
9.	Embassy of Russia	10.	Leomet Alloys
11.	High Commission of Malaysia	12.	DMC AUTOMOTIVE PRIVATE LIMITED
13.	Embassy of Saudi Arabia	14.	Daeseong India Automotice Pvt Ltd.
15.	Embassy of Japan	16.	DAECHANG SEAT AUTOMOTIVE PVT LTD
17.	Ministry of Industry and Trade of VietNam	18.	KSH Automotive private Limited
19.	Embassy of Spain	20.	Jeanuvs Pvt Ltd
21.	Embassy of Turkey	22.	Aarya Trading Pvt Ltd
23.	Embassy of UAE	24.	Fine Components and Tools Pvt Ltd.
25.	Embassy of European Union	26.	Tadpole Engineering Consultancy Pvt Ltd
27.	Embassy of Brazil	28.	Sungwoo Stamping India Pvt Ltd.
29.	Embassy of Mexico	30.	Pyung Hwa India Private Limited PHI
31.	Ministry of Commerce, Thailand	32.	Vestas Wind Technology India Pvt Ltd.
33.	Embassy of Sweden	34.	PENNAR INDUSTRIES LIMITED
35.	Aktien-Gesellschaft der Dillinger Hüttenwerke	36.	V W IMPEX
37.	Vina One Steel Manufacturing	38.	VYOMA EXIM PVT LTD

S. No.	Name of Interested Party	S. No.	Name of Interested Party
	Corporation		
39.	Tay Nam Steel manufacturing and Trading Co., Ltd.	40.	G G STEELS
41.	Nippon Steel Trading Corporation	42.	YSI Automotive Pvt Ltd
43.	Nippon Steel Corporation	44.	SRK International
45.	JFE Steel Corporation	46.	Gestamp Automotive Channai Pvt Ltd
47.	Kobe Steel, Ltd	48.	UE PRESS TOOLS PRIVATE LIMITED
49.	Toyota Tsusho Corporation	50.	Society of Indian Automobile Manufacturers (SIAM)
51.	JFE Shoji Corporation	52.	Satoshoji-India Pvt Ltd
53.	Toyota Tsusho Corporation	54.	SKH M India Pvt.Ltd.
55.	Ministry of Trade, Industry and Energy, Republic of Korea	56.	Krishca Strapping Solutions Limited
57.	JFE Shoji India Pvt. Ltd.	58.	POS-Hyundai Steel Mfg. (I) Pvt Ltd.
59.	Nippon Steel Pipe India Private Limited	60.	TT STEEL SERVICE INDIA PRIVATE LIMITED
61.	The Rajasthan Prime Steel Processing Center Pvt. Ltd	62.	STEEL & BEARING CORPORATION
63.	Nissan Trading Co., Ltd	64.	Colorshine India Pvt Ltd
65.	Renault Nissan Automotive India Private Limited	66.	CHIRALI ENTERPRISES"
67.	Honda Trading Corporation India Pvt Ltd.	68.	Maruti Suzuki India Ltd
69.	Nippon Steel Trading Corporation	70.	1. PCA AUTOMOBILES INDIA PRIVATE LIMITED 2. GRUPO COSMOS INDIA PRIVATE LIMITED 3. PENNAR INDUSTRIES LIMITED
71.	The Japan Iron and Steel Federation	72.	NRB Bearing Ltd.
73.	GS Global Corp	74.	Karison Profiles Pvt Ltd.
75.	Hyundai Corporation	76.	Sungwoo Hi-tech AP Pvt Ltd.

S. No.	Name of Interested Party	S. No.	Name of Interested Party
77.	Hyundai Steel Company	78.	Daechang India Seat Co.Pvt.Ltd
79.	Hyundai Motor India Ltd	80.	Hwashin Automotive India Pvt Ltd.
81.	Hoa Sen Group	82.	JBM OGIHARA AUTOMOTIVE INDIA Pvt Ltd
83.	Samsung C&T Corporation	84.	Tata Motors Group
85.	Hyosung TNC Corporation	86.	Purohit Steel India Ltd
87.	JIANGYIN XINGCHENG SPECIAL STEEL WORKS CO., LTD.	88.	Global Trade Research Initiative
89.	ANGANG STEEL CO., LTD	90.	HL Mando Anand India Pvt Ltd,
91.	BENGANG STEEL PLATES CO., LTD	92.	Mahindra & Mahindra
93.	1. Chengde Chengsteel Vanadium & Titanium Cold Rolling Thin Plate Co., Ltd.”, 2. HBIS COMPANY LIMITED HANDAN BRANCH”, 3. HBIS Laoting Iron and Steel Co., Ltd.” 4. Wuyang Iron And Steel Co., Ltd.”,	94.	Mahindra Defence Systems Limited
95.	JIANGYIN XINGCHENG SPECIAL STEEL WORKS CO., LTD	96.	NLMK India Service Center Private Limited
97.	SHOUGANG QIAN'AN IRON and Shougang Jingtang United	98.	Hella India Automotive Pvt. Ltd.
99.	1. HYUNDAI STEEL COMPANY, Korea RP 2. HYUNDAI STEEL PIPE INDIA Pvt. Ltd. 3. HYUNDAI STEEL ANANTAPUR Pvt. Ltd. 4. HYUNDAI STEEL INDIA Pvt. Ltd.	100.	Sansera Engineering Limited,
101.	Jindal India Pvt	102.	Ashok Leyland Defence Systems Ltd
103.	Kia India Private Limited	104.	Ashok Leyland Limited
105.	Man Industries India Ltd	106.	IBF Automotive Pvt Ltd
107.	Ratnamani Metals & Tubes Ltd.	108.	Sincerity Innovation Technology India Pvt Ltd
109.	Welspun Corp Limited	110.	Talbros Automotive Components Ltd

S. No.	Name of Interested Party	S. No.	Name of Interested Party
111.	Jindal India Ltd	112.	Riddhi Siddhi Special Steel Pvt Ltd
113.	Mega Pipes Private Ltd.	114.	Hariom Pipe Industries Limited
115.	Ratnamani Metals & Tubes Limited	116.	Velmurugan Heavy Engg.Inds.Pvt.Ltd.,
117.	Hyundai Motor India Ltd	118.	Federal Mogul TPR India Limited
119.	China Iron & Steel Association	120.	Polyhose Sato shoji metal works Pvt ltd
121.	Vietnam Steel Association	122.	INDIA METAL ONE STEEL PLATE PROCESSING PVT. LTD
123.	Indian Pipe Manufacturers Association	124.	Kirti Pressings Pvt. Ltd.
125.	Steel Users Federation of India (SUFI)	126.	JBM Auto Limited
127.	LG Electronics India Pvt. Ltd.	128.	FERRUM EXTREME ENGINEERING PVT. LTD.
129.	Metal One Corporation India Private Limited (“MOCIPL”)	130.	MACHANI RAMESH ENGINEERING PVT LTD
131.	Shivalik Bimetal Controls Limited	132.	PHA India Pvt Ltd
133.	Godrej and Boyce Mfg Co Ltd	134.	Katsushiro Matex India Pvt. Ltd,
135.	Kirco Steel LLP	136.	Tata Steel Downstream Products Limited
137.	Metal One Corporation	138.	Taehwa Enterprises (I) Pvt. Ltd.
139.	POSCO Maharashtra Steel Private Limited	140.	Panasonic Life Solutions India Pvt. Ltd.
141.	POSCO India Pune Processing Center Private Limited	142.	Pushpanjali Drums Private Limited
143.	POSCO India Processing Centre Private Limited	144.	K M Seat Company Pvt Ltd.
145.	POSCO	146.	RIKUN Manufacturing Private Limited
147.	POSCO STEELEON	148.	Kumkang Machinery India Pvt Ltd
149.	Hyundai Corporation	150.	Leomet Alloys
151.	Dongkuk Coated Metal CO. LTD	152.	Kwangsung Brake India Pvt Ltd.,
153.	Dongkuk Steel India Private Limited	154.	Komos Automotive India Pvt Ltd
155.	Sevarstal	156.	Action Construction Equipment Ltd. ACE

S. No.	Name of Interested Party	S. No.	Name of Interested Party
157.	Hyosung TNC Corporation	158.	L.G.BALAKRISHNAN & BROS.LTD.,
159.	NAM KIM STEEL JOINT STOCK COMPANY	160.	AHMEDABAD STRIPS PW. LTD
161.	NLMK Verona S.p.A	162.	Sterling & Wilson Renewables Energy Ltd
163.	NLMK Clabecq S.A	164.	M & B Engineering Limited
165.	NLMK Plate Sales S.A.	166.	Dali & Samir Engg. pvt. Ltd.,
167.	JFE Shoji Steel Malaysia Sdn Bhd	168.	Gestamp Automotive India Pvt . Ltd.
169.	CSC Steel Sdn Bhd	170.	Fiat India Automobiles Pvt Ltd
171.	Formosa Ha Tinh Steel Corporation (FHS)	172.	CIE Automotive India Ltd.
173.	TVP Steel Trading Joint Stock Company	174.	Emitec Technologies India Private Limited
175.	POSCO International Corporation, Korea RP	176.	Gartech Equipments Pvt. Ltd
177.	KG DONGBU STEEL CO.,LTD	178.	Gargs Engineers
179.	Mitsui & Co., Ltd	180.	Daimler India Commercial Vehicles Pvt. Ltd.
181.	Stainless Steel Merchants' Association	182.	Chasys Automotive Components Pvt. Ltd.
183.	Federation of Associations of Maharashtra	184.	Tarun International Limited
185.	The Japan Iron and Steel Federation	186.	Arcedges Building India LLP
187.	Automotive Component Manufacturers Association of India (ACMA)	188.	Veegee Industrial Enterprises Pvt. Ltd.
189.	Indian Pipe Manufacturers Association (IPMA)	190.	Maxglobal Techno Systems (P) Limited
191.	Korea Iron and Steel Association(KOSA)	192.	Stitch Overseas Private Limited
193.	Federation of Kutch Industries Associations (FOKIA)	194.	CSCI Steel Corporation India Pvt. Ltd.
195.	Taiwan Steel & Iron Industries Association (TSIIA)	196.	SKH SHEET METALS COMPONENTS PVT. LTD
197.	METAL & STAINLESS STEEL MERCHANTS ASSOCIATION	198.	WKM Automotive India Pvt. Ltd.

S. No.	Name of Interested Party	S. No.	Name of Interested Party
199.	Construction Federation of India	200.	AVIZA TECHNOLOGIES,
201.	LG Electronics India Pvt. Ltd	202.	J.R. & CO. complete steel service
203.	MANAKSIA STEELS LTD	204.	All India Metal corp
205.	SSMS STEELS INDIA LLP	206.	MI ELECTRICAL STEEL PROCESSING INDIA PVT LTD
207.	ARUN AGARWAL (Micro MSME)	208.	GEDIA India Automotive Components Pvt Ltd.
209.	Blupine Energy	210.	AISIN Automotive Haryana Pvt. Ltd.
211.	Turakhia International Pvt Ltd	212.	Samsung India Electronics Private Limited
213.	VINOD COOKWARE INDIA PRIVATE LIMITED	214.	POSCO International Corp India Pvt Ltd
215.	Isgec Heavy Engineering Limited	216.	Stecol International Private Limited
217.	Isgec Hitachi Zosen Limited	218.	Neemrana Steel service center India Private Limited
219.	LARSEN & TOUBRO LTD	220.	Kwangjin India Autosystems Pvt Ltd
221.	CU-BUILT ENGINEERS PVT. LTD.	222.	SL Lumax Ltd
223.	M/s. JAY BHARAT MARUTI LTD and M/s. MARUTI SUZUKI INDIA LIMITED	224.	Wooyoung Automotive India Pvt. Ltd.,
225.	NTECK AUTOMOTIVE PVT. LTD.	226.	Hyundai Transys Lear Automotive IND Pvt Ltd.
227.	TI Fluid Systems	228.	NVH India Auto Parts Private Limited
229.	CSCI Steel Corporation India Pvt. Ltd.	230.	HSI Automotives Pvt. Ltd
231.	Sharda Motor Industries Ltd	232.	Uno Minda Limited
233.	Sankei Giken India Pvt Ltd	234.	GRI Towers India Private Limited
235.	JBM Group	236.	Senvion Wind Technologies Pvt Ltd
237.	Exedy India Limited	238.	Hyosung Corporation India Pvt. Ltd
239.	Sanoh India Private Limited	240.	Komatsu India Pvt Ltd
241.	SRK Steel	242.	TAIIN Steel Fab & Infra Pvt.Ltd.

S. No.	Name of Interested Party	S. No.	Name of Interested Party
243.	Schaeffler India Limited	244.	Shri Balaji Sai Steels
245.	Toyota Boshoku device India Pvt. Ltd	246.	Jain Bros.
247.	DAEBU Automotive seat India Pvt Ltd	248.	Ratnadeep Steel Traders Iron & Steel Merchants
249.	SSAB Swedish Steel India Private Limited	250.	Ranka Steels
251.	Windar Renewable Energy Pvt Ltd	252.	Mahek Ispat Private limited
253.	Durga Ispat Udyog	254.	Geeta Udyog Iron & Steel Merchant
255.	SK Aggarwal & Co.	256.	Mercury Steel Agency
257.	Hide Industries	258.	Meenakshi Steel Corporation
259.	Jindal Stainless Limited	260.	Mercury Steel Pvt Ltd
261.	Heena Steel LLP	262.	Metal Trading Company
263.	Narmada Iron & Associates P Ltd	264.	Mittal Agencies
265.	Bharatkumar Indrasen Trading Pvt Ltd.	266.	Bajaj Industrial Alloys Pvt Ltd
267.	Rajam Steel Traders	268.	Mandot Steel
269.	Assam Roofing Limited	270.	Sree Arumuga Steel Traders
271.	Global Trade Research Initiative	272.	Hindustan Hardwares

- f) After initiation of investigation, the Authority obtained DGCIS data for the relevant period and considered the same in these findings. The injury and other information in respect of DI are based on the company specific data of the petitioners.
- g) The Authority conducted a verification of the data submitted by the applicant companies to the extent considered necessary. It cross-checked the information provided in the application with the financial records maintained by each applicant company.
- h) Considering that the investigation period should be adequately long and sufficiently recent in time to allow reasonable conclusions to be drawn on the basis of various relevant factors such as domestic market conditions, performance of DI etc, the Authority considers that the period mentioned in the Initiation Notice to be appropriate. Accordingly, the Authority has taken 1st October 2023 to 30th September 2024 as the most recent period or the period of investigation (POI), and FY 2021-22, 2022-23, 2023-24 and the POI as injury investigation period or injury analysis period for the purposes of this investigation.
- i) The Authority made available the non-confidential version of the evidence presented by various interested parties on mutual basis in the manner prescribed through Trade Notice No. 10/2018 dated 7 September 2018. The information / submissions provided by the interested parties on a confidential basis were examined concerning the sufficiency of such confidentiality claims. On being satisfied as to the sufficiency of the confidentiality claims filed by the interested parties, the Authority has considered such

information/submissions as confidential. In case of non-acceptance of confidentiality claims, the interested parties were directed to submit the non-confidential version of the same and circulate it to the other interested parties.

- j) The Government of Korea RP and the Government of Japan requested the Authority to hold consultations. The Authority considered their request and held consultations with the representatives of the Government of Korea on 24.01.2025 and with the representatives of Government of Japan on 29.01.2025. The issues raised during the consultations have been appropriately addressed in these findings.
- k) The Authority issued a preliminary finding on March 18, 2025. Parties were permitted 30 days-time to file their comments on the same.
- l) The Authority held an oral hearing on 5th and 6th July 2025. Parties were permitted time till of 7 days from the date of the oral hearing to file their written submissions, and 10 days from the date of filing the written submissions to file their rejoinders.
- m) ‘***’ in this document represents information furnished by an interested party on a confidential basis and so considered by the Authority under Rules 7 of Rules.
- n) The Authority has considered all the arguments raised and information provided by all the interested parties to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation.
- o) The exchange rate for the POI was 1 US\$ = Rs. 83.09.

C. SUBMISSIONS OF INTERESTED PARTIES

6. Several interested parties made various submissions during the course of the investigation. Parties also made submissions regarding the scope of the PUC. All submissions and comments received regarding the scope of the PUC is recorded in the portion of these final findings titled “Product Under Consideration”. The submissions of the parties regarding other issues are recorded in this section.

I. Submissions of the Domestic Industry

7. The domestic industry made the following submissions:
 - i. The applicant companies have the standing to file the application as their collective output of the like article or a directly competitive article in India constitutes a major proportion of the total production of the said article in India;
 - ii. Global Trade Research Initiative (“GTRI”) cannot be considered as an “interested party” in terms of Rule 2(b) of the Safeguard Rules. Therefore, the submissions made by GTRI must be disregarded.
 - iii. Neither the Customs Tariff Act, nor the Safeguard Rules mandates the holding of a public hearing prior to the issuance of the preliminary findings.
 - iv. The Authority, after issuing the preliminary findings, has given an opportunity to all interested parties to file comments, which would be considered in the final findings.
 - v. The Madras High Court has held that there is no mandate for the Authority to provide an opportunity for hearing prior to issuance of the preliminary findings.
 - vi. The oral hearing was conducted on 5th and 6th June 2025. Interested parties were provided ample opportunity to speak during the hearing.
 - vii. The presentation displayed by the domestic industry during the oral hearing was circulated to all interested parties in the written submission.
 - viii. Any variance in comparable time periods is to assist the Ld. DG to make a proper and holistic comparison between financial years, calendar years and period of investigation with the respective previous years.
 - ix. The DI has provided production and costing details segregated in terms of the five categories of the

PUC. Certain categories of the PUC are only produced by a few of the constituent parties of the domestic industry, not by all. Disclosing the actual aggregate data for each product category could inadvertently reveal sensitive information about individual producers, making the data identifiable at the party level.

- x. Neither the Agreement on Safeguards, the Act or the Rules provides any guidance as to how the PUC must be defined.
- xi. In Dominican Republic – Safeguard Measures and EU – Steel Safeguard (Turkey), the Panel held that different types of products which are not inter-se substitutable, may be included within the scope of the PUC.
- xii. The EU had included 26 different product categories in its safeguard investigation concerning “certain steel products”. The Panel held that there is no requirement to demonstrate that each product category is like or directly competitive with other category/ies.
- xiii. The PUC is Non-Alloy and Alloy Steel Flat Products, namely a) Hot Rolled (“HR”) coils, sheets and plates, b) HR Plate Mill Plates, c) Cold Rolled (“CR”) coils and sheets, d) Metallic Coated Steel coils and sheets, whether or not profiled, including Galvanneal, Coated with Zinc or Aluminium-Zinc or Zinc-Aluminium-Magnesium, and e) Colour Coated coils and sheets, whether or not profiled.
- xiv. Certain interested parties have requested for exclusion of certain grades from the scope of the PUC. However, some exclusion requests are vague and broad, covering a wide category of products.
- xv. The DI has submitted various invoices demonstrating sales of “like or directly competitive articles”.
- xvi. The DI is not required to demonstrate that it manufactures products with identical technical specifications.
- xvii. Products that are not “like” the imported goods may still be covered within the definition of the PUC if they are “directly competitive”.
- xviii. The test for “likeness” typically involves an evaluation of the product characteristics such as physical and chemical characteristics, end-usage, consumer preferences, etc.
- xix. Directly competitive products are substitutable or interchangeable with one another and “offer alternative ways of satisfying a particular need or taste”.
- xx. Domestically produced products and imported products may be considered as “like articles” even if the two do not share identical physical characteristics or are not perfect substitutes of one another, as long as the imported product has the capacity to cause serious injury to the domestic producers through some form of competitive impact.
- xxi. While evaluating whether the domestically produced goods are directly competitive with the imported goods, the examination must be done on a general level, and the needs and preferences of each and every producer is not relevant.
- xxii. Even if the domestically produced goods do not match the exact and precise technical specifications as that of the identified goods, the DG must examine whether the domestically produced goods have a “capacity to compete” or “offer alternative ways of satisfying a particular need or taste”.
- xxiii. Merely because certain consumers choose to utilize imported grades with certain specifications does not mean that there exists no competitive relationship between those the imported grades and the domestically produced grades.
- xxiv. The burden of proof lies on the party that requests for product exclusion to prove that the domestic industry does not manufacture the like or directly competitive product.
- xxv. The burden of proof must be discharged with respect to each grade for which exclusion is sought.

- Parties cannot simply mention the names of the grade and provide general assertions that the domestic industry is unable to manufacture the like or directly competitive product.
- xxvi. Nippon Steel Corporation, JFE, Kobe Steel Ltd., Nippon Steel Pipe India Pvt. Ltd., Honda Trading Corporation India Pvt. Ltd., Rajasthan Prime Steel Processing Centre Pvt. Ltd., Renault Nissan Automotive India Pvt. Ltd. and JFE Shoji India Pvt. Ltd., JFE Steel Corporation, Nippon Steel Corporation have requested for exclusion of 309 grades of steel, but has made only vague assertions without providing any evidence whatsoever for any of the 309 grades that the domestic industry does not manufacture like or directly competitive articles.
- xxvii. LG and Godrej have provided emails from AMNS, Tata Steel and JSW regarding inability to supply the grades. However, it has not provided any evidence to prove that the other domestic producers are unable to supply the said grades. Further, Tata Steel is not an applicant.
- xxviii. The like or directly competitive grades for which Metal One Corporation, Shivalik Bimetals and Manaksia Steel have sought exclusion have been supplied by the domestic industry. Invoices have been provided in this regard.
- xxix. POSCO Korea, POSCO SteelOn and POSCO Maharashtra Steel Pvt. Ltd. have not provided any evidence to demonstrate that any of the grades for which they seek exclusion cannot be manufactured by the domestic industry.
- xxx. CSCI's request for exclusion of HR required to make electrical steel may not be accepted since the DI produces the like or directly competitive article.
- xxxi. In previous safeguard investigations, the Authority has recommended imposition of the duties despite the DI's inability to meet the entire domestic demand.
- xxxii. The Tribunal has held that quality differences are not sufficient grounds for seeking product exclusions.
- xxxiii. The argument that Japan and Korea have exported superior quality grades at higher price is not true since the import prices and volumes from these countries are comparable with the import prices from China and the average import prices.
- xxxiv. Various QCOs have been issued for steel products to ensure the quality of the steel grades.
- xxxv. If BIS standards are insufficient, the interested parties may seek revision of the said standard before the BIS Technical Committee.
- xxxvi. The DI has been granted approvals and recognitions regarding the quality of the grades supplied by them.
- xxxvii. Imports by AMNS does not disentitle it from being considered as a part of the domestic industry.
- xxxviii. The Safeguard Rules do not exclude importing applicants from the domestic industry.
- xxxix. Imports by AMNS are miniscule in comparison to the total production..
- xl. The user questionnaire filed by AMNS does not affect its position since it has filed letters stating that it aligns itself with the other applicant companies.
- xli. In the solar safeguard investigation, the Authority excluded only those entities that entirely imported solar cells, but did not manufacture the same.
- xl.ii. In the safeguard investigation concerning Isopropyl Alcohol, the Authority did not disqualify an applicant from the domestic industry despite the fact that the imports by the applicant amounted to a significant percentage of its total production capacity..
- xlii.iii. There is a recent, sudden, sharp and significant increase in imports of the PUC as a whole, as well as in each of the five product categories, in each of the three methodologies presented by the

applicant in the petition..

- xliv. In EU – Steel Safeguards (Turkey), the Panel noted that the only requirement is to demonstrate an increase in imports for the PUC as a whole, which may be supplemented at a product-category level.
- xl. In the EU’s investigation, the European Commission defined the product under consideration as “certain steel products”, which comprised of 26 different “product categories”. For the sake of analysis, the EC grouped the 26 different “product categories” into three “product families”, namely, “flat products”, “long products” and “tubes”. In its examination of import trends, the EC found that four product categories showed a decline in imports during the most recent period and 15 product categories showed a less than 10% increase in imports during the most recent period. Further 2 product families showed decline in imports during the most recent period. Yet the panel found no inconsistencies in EU’s investigation.
- xlvi. Under the Agreement on Safeguards, no country-specific exemptions is permissible except for developing countries.
- xlvi. Under the India – Korea FTA, India may exclude Korea from the safeguard measure only if Korea is not a substantial cause of serious injury or threat thereof. However, import volumes from Korea are the highest and prices are also low during the POI.
- xlviii. There is no requirement under the Act or the Rules for the Authority to examine whether the increase in imports is as a result of “unforeseen developments”.
- xlix. The word “unforeseen” has been interpreted to mean “unexpected” and not “unforeseeable”. It must be examined whether the event was “unforeseen” while undertaking GATT obligations.
 - l. The recent, sudden, sharp and significant increase in imports occurred due to the confluence of: a) trade protection measures against steel products; b) the global excess capacity coupled with slowing demand; and c) changes in ASEAN trade patterns.
 - li. Other countries have imposed a total of 129 trade remedy measures between 2019 and 2023 on steel products. As of date, the WTO’s database shows that 520 anti-dumping measures and 89 countervailing duties are currently in force against all steel products.
 - lii. In addition to trade remedy measures, several countries including the US, Mexico, Canada and Brazil have imposed tariffs on steel products.
 - liii. In EU – Steel Safeguards (Turkey), the Panel noted that rise in trade remedy measures can be considered as unforeseen developments.
 - liv. The capacity in China, Korea and Japan far exceeds their demand. OECD predicts a further increase in excess capacity.
 - lv. In EU – Steel Safeguards (Turkey), the Panel noted that the increase in excess capacity can constitute unforeseen developments.
 - lvi. Since the imposition of the US Section 232 measures, there has been a decline in imports of steel flat products into the US. Further, EU has also reported a decline in imports of steel products subsequent to the imposition of trade remedy measures.
 - lvii. China has increased its investments in steel production facilities in ASEAN region.
 - lviii. The OECD and World Steel Association has reported sufficient excess capacity in Finished Steel, which is a good indicator for excess capacity in flat steel or the PUC.
 - lix. There is a clear correlation between China’s three red lines policy and the increase in production of steel flat products.
 - lx. The increase in imports has occurred as a result of the effect of obligations incurred by India under the GATT, including tariff concessions, and obligations under GATT Articles I, XI, and XVI.

- lxi. The global export price of HR Coils in May 2025 was USD 450 per MT, which was lower than the price prevailing in May 1995, i.e., 30 years ago. By adding the applicable customs duty and the provisional safeguard duty of 12%, the landed value of HR Coils will still be lower than the selling prices of the domestic industry.
- lxii. World Steel Dynamics (WSD) states that Chinese mills are exporting at USD 450 per MT as against an operating cost of USD 527 per MT, i.e., at an operating loss of USD 87 per MT.
- lxiii. The domestic industry is suffering from decline in profitability, and in some cases, losses.
- lxiv. The production and capacity of the DI has increased in order to keep up with the demand. Further, blast furnaces must operate continuously and are not designed to be shut down. Therefore, in order to mitigate losses as a result of low priced imports, the domestic industry was constrained to incur significant losses.
- lxv. The global overcapacity has increased to unprecedented levels, which poses a threat of serious injury to the domestic industry.
- lxvi. Despite the increase in cost of sales, there is significant price undercutting.
- lxvii. Merely because the domestic industry has earned profits during F.Y. 2021-22 does not mean that such profits were 'abnormal'.
- lxviii. China poses a threat of serious injury since the Steel prices in China have declined, the Chinese blast furnaces are operating at 90% capacity, production of steel has continued to increase since 2018, there is a decline in domestic demand due to a decline in investments in infrastructure projects.
- lxix. Between January and April 2025, the domestic demand in China fell by 6 MMT and is expected to fall by 30 MMT by the end of the year.
- lxx. In calendar year 2024 alone, China exported 110.7 MMT of steel. In the first three months of the calendar year 2025, China exported 27.4 MMT of steel. China's exports of flat steel products increased by 25% in 2024 compared to 2023.
- lxxi. In 2025 alone, China has been subjected to 19 trade remedy initiations / measures.
- lxxii. The US has increased the rate of the Section 232 duties from 25% to 50% and has revoked all country exemptions previously granted. Further, the US has imposed reciprocal tariffs. Therefore, there is a threat of trade diversion of steel products from the US to India.
- lxxiii. Imposition of the duties would be in public interest since the national steel policy 2017 targets a total steel production of 300 MMT by 2030, which requires investments of INR 2,00,000 Crore per year till 2030.
- lxxiv. Self-sufficiency of steel is also critical for national security.
- lxxv.
- lxxvi. In the safeguard investigation of Phthalic Anhydride, the Authority noted that it is not required to justify the rate of duty in preliminary findings.
- lxxvii. The domestic industry has provided a detailed adjustment plan. Neither the Agreement on Safeguards, nor the domestic legal framework prescribe the format for providing an adjustment plan.
- lxxviii. Although the Agreement on Safeguards states that a Safeguard Measure must be imposed to facilitate adjustment of the domestic industry to the increased imports, it does not provide any guidance as to how such an adjustment must be achieved.
- lxxix. The other interested parties have failed to demonstrate why the adjustment plan provided by the domestic industry is not adequate.

- lxxx. In any case, in the previous investigations relied on by other interested parties, the absence of an adjustment plan was not the sole reason for terminating the investigation.
- lxxxi. The claim that the domestic producers will monopolise is not valid since the applicant companies are listed companies and are subject to several regulations. Further, the Competition Commission of India is the appropriate forum for addressing issues regarding anti-competitive behaviour.
- lxxxii. No evidence has been provided by any interested party that the duties will increase the price of downstream products.
- lxxxiii. The US Section 232 tariffs were not found to have caused inflation and had only a temporary effect on overall price levels.
- lxxxiv. In previous safeguard investigations, the Authority imposed a rate of duty ranging from 10% to 35%. In the light of threat of serious injury, the 12% provisional duty is required to be enhanced.

II. Government of Japan

8. The Government of Japan made the following submissions:

- a. The provisional measures lack legal basis and should be withdrawn immediately.
- b. The identified unforeseen developments, multiple trade restrictive measures, excess capacity, declining demand, lacks supporting data and contains factual errors as well as outdated facts.
- c. The additional 12% duty imposed does not exceed India's relevant concession or suspend any other obligation, and is not legitimate.
- d. Japanese steel products are different from Indian products in their quality, price range, etc. They do not cause injury to the Indian industry.
- e. Majority of imports from Japan are from Nippon Steel Corporation to AMNS. These products cannot be substituted by Indian steel products. AMNS is constructing its blast furnace in Hajira and once it becomes operational, there will be no requirement for imports.
- f. Other Japanese imports are for specific requirements.
- g. Japan has made significant contributions to Make in India through technological cooperation and investments.

III. Government of Indonesia

9. The Government of Indonesia made the following submissions:

- a. Imports of the PUC from Indonesia are negligible.
- b. Imports of none of the five steel categories being investigated exceed 3%. Thus Indonesia is required to be exempt from the duties in terms of Article 9.1 of the Agreement on Safeguards.

IV. Government of Russia

10. The Government of Russia made the following submissions:

- a. There is no recent, sudden, sharp and significant increase in imports.
- b. The overall trend in supply of the PUC to India reached 6,000,000 MT on average after a significant increase in 2015. Due to COVID restrictions, the imports declined by 40% from 5, 693,233 in 2019 to 3,408,569 MT in 2020.
- c. The current level of import is a result of recovery to pre-pandemic levels.
- d. Since safeguard investigations are not for remedying unfair trade practices, the threshold for serious injury is much higher.
- e. Sales volumes of the domestic industry reveals growth during the POI in comparison with 2021-22.

Sales volumes of the PUC increased by 33%.

- f. Production increased during the POI by 15%. Production capacity increased by 17%.
- g. PBT decreased by 76%, but this is on account of other factors.
- h. Export duty on steel exports led to a decline of 60% in exports of OP Jindal Group in FY2023.
- i. JSW plans on investing INR 5 billion on setting up a new plant with an annual steelmaking capacity of 9,00,000 MT.
- j. Project of AMNS of USD 4.68 Billion steel plant with an annual production of 7 millio MT.
- k. Safeguard measures of third countries were imposed in 2018-2020. The preliminary findings mention steel related investigations in 2011-2016. These could not be considered as unforeseen.
- l. The global excess capacity could not be classified as unforeseen since this problem has been discussed at multilateral levels for more than 15 years.

V. European Union

11. The European Union made the following submissions:

- a. The product scope remains large and encompasses certain products that are not domestically produced in India. These products should be excluded.
- b. Sales of the DI increased by 33%, capacity increased by 17% and production increased by 15%.
- c. Employment and productivity per day per employee rose across all product categories.
- d. The market share of the DI decreased by 5% against an increase in consumption of 108%
- e. DI experienced sharp decline in profits but remained profitable throughout the period analysed.
- f. Other factors such as rising costs linked with capacity expansion are attributable to the injury to the domestic industry.
- g. Increasing capacity appears misaligned with prudent business practice. Any expansion that increases market stress should not be rewarded with safeguard measures.
- h. India should consider targeted trade remedy measures against China, Japan and South Korea since imports from these three countries have increased substantially.
- i. The duty of 12% is excessively punitive, whereas a TRQ would be more appropriate.

VI. Korea Iron & Steel Association (KOSA)

12. The interested parties made the following submissions:

- a. The Authority may provide a more granular and technically accurate definition of the PUC. The current definition of the PUC is overly broad.
- b. The request of Korean Steel Producers and KOSA for exclusion of various categories has not been addressed. Although Electro-Galvanized Iron (EGI) has been excluded, its downstream products such as Laminated Vinyl Coated Metal (VCM) remains within the scope.
- c. KOSA provided a list of 100 grades, which are not manufactured by the DI – they are required to be excluded.
- d. Hot-rolled steel supplied by POSCO to its subsidiary, POSCO Maharashtra, which cannot be fully sourced domestically. Automotive-grade cold-rolled and coated steel provided by Hyundai Steel that meets stringent quality standards. Hot Dip Aluminum Zinc Alloy Metallic Coated Steel Strip which is not produced by local mills but is manufactured by Dongkuk CM. High-specification color-coated sheets used in warehouse construction, currently supplied by KG Dongbu Steel due to insufficient local supply. Uniquely engineered color-coated products developed through long-term technical collaboration between

Indian customers and Korean suppliers such as DCM, Aju Steel, and SeAH CM

- e. Korean steel does not directly compete with Indian steel, nor is it a substantial cause of injury to the Indian industry; rather, they fill critical gaps in the Indian supply chain and serves as a complementary input vital to the Indian industry.

VII. POSCO, Korea RP, POSCO Maharashtra Steel Pvt. Ltd., India, POSCO STEELEON, Korea RP.

13. The interested parties made the following submissions:

- i. AMNS and AMNS Khopoli, both of which are major importers of the PUC, have filed user questionnaire responses. They highlight the poor quality, lack of supply and other issues associated with domestically produced steel.
- ii. AMNS and AMNS Khopoli cannot be considered as a part of the domestic industry. AMNS has requested for the exclusion of 13 grades. AMNS' interests are fundamentally misaligned with the collective interest of the domestic industry.
- iii. The Authority must exclude AMNS and AMNS Khopoli, and redetermine the standing and injury to the domestic industry.
- iv. In the safeguard investigation concerning solar cells, the domestic producers that had imported the PUC were not considered to be a part of the domestic industry.
- v. The present scope of the PUC is flawed. The PUC can only include articles that are "like or directly competitive" with the imported products.
- vi. In the safeguard investigation concerning low ash metallurgical coke, the legal standard adopted by the Authority was whether or not the domestic industry manufactures a competing grade in commercial quantities. The competing grades that are not produced in commercial quantities were excluded.
- vii. In the safeguard investigation concerning single mode optical fibre, the Authority held that evidence is required to demonstrate that like or directly competitive goods are not manufactured by the domestic industry.
- viii. The Authority is required to conduct a detailed grade-wise product examination.
- ix. The observation of the Authority that quality concerns, vendor certification and capacity constraints are not relevant for product exclusion is not legally tenable.
- x. If there are clear technical, commercial and production-based distinctions, differences in quality, vendor certification barriers and production limitation, it cannot be said that the domestically produced grades and imported grades or "like or directly competitive".
- xi. In the safeguard investigations concerning Low Ash Metallurgical Coke, PVC Suspension Resins and Single Mode Optical Fibre, the DG granted or examined in detail product exclusion request – and where the DI did not demonstrate the ability to manufacture, the said product was excluded.
- xii. There is no grade-wise or application specific analysis as followed in the previous investigations. The failure to conduct such an inquiry effectively shifts the burden onto importers and users to demonstrate why their products should be excluded.
- xiii. "likeness" under safeguard law does not demand perfect substitutability – there has to be a competitive relationship between the imported and domestic products. The domestically produced products do not offer meaningful competition with several categories of imported grades.
- xiv. The DI must provide clear, specific and verifiable evidence to support such a claim for each product grade.
- xv. The burden of proof lies with the domestic industry to prove that it manufactures like or directly

competitive articles.

- xvi. Although the word “competitive” implies that what must be examined is potential to compete, there must be a “direct” competitive relationship between the two products. “Competitive” means the potential to satisfy the same consumer demand.
- xvii. The scope of the PUC is excessively broad and includes several categories of products.
- xviii. PUC covers speciality grades, advanced technical variants and application-specific products that serve niche industrial uses and are also high priced. Indian producers do not offer these products at all. Therefore, they must be excluded.
- xix. In case of inclusion of non-competing products, the volume of imports and injury analysis will be artificially inflated, thereby skewing the assessment of surge and serious injury.
- xx. The DI has failed to establish that the surge in imports are attributable to unforeseen circumstances. There must be a nexus between surge in imports and unforeseen circumstances.
- xxi. All unforeseen circumstances identified by the DI relate to ‘steel’ in general and are not specific to the PUC. Steel comprises of a vast and diverse basket comprising numerous subcategories and grades.
- xxii. The trade remedy measures were implemented much before the POI. There is no causal link between the continuing trade remedies and the purported diversion of exports from Korea to India.
- xxiii. There is no empirical or quantifiable evidence demonstrating that the measures have resulted in a redirection of Korean exports specifically to the Indian markets.
- xxiv. There is no quantifiable evidence or data such as export trends, redirection patterns to clearly link the expired measures to increased imports into India.
- xxv. The unforeseen developments cited by the Petitioners are not specifically linked to the defined PUC from Korea. Further, several trade protection measures had expired before the POI.
- xxvi. The information regarding excess capacity shown in the preliminary findings pertain to crude steel alone and not the PUC. Overcapacity in the steel sector is not a new or unexpected development. It has occurred over 10-15 years and has been discussed in multiple forums such as OECD and international trade bodies.
- xxvii. India’s steel demand has been steadily growing.
- xxviii. The changes in China’s policies do not pertain to Korea. They are internal economic developments which are not unforeseen developments. There must be quantifiable data demonstrating that these developments have directly resulted in increased imports into India.
- xxix. Chinese investment in ASEAN would have clearly been foreseen since it was documented for several years.
- xxx. The unfair trade practices by China or ASEAN can be addressed through the CAROTAR Rules rather than by invoking safeguard investigations.
- xxxi. The domestic industry has claimed excessive confidentiality on details of adjustment plan. The adjustment plan is vague and excessively confidential. The proposed adjustments referred to in the Petition are identical to the adjustments that were undertaken in 2016.
- xxxii. In various past investigations, the Authority has declined to recommend the duties on the grounds that no clear adjustment plan was provided.
- xxxiii. Imposition of the safeguard duties will be against public interest.
- xxxiv. Public interest must be examined from the perspective of various parties – not just the DI. The has engaged in unfair market practices – AMNS has filed a user industry questionnaire response even

- though it is a part of the DI and has sought exclusion of 13 grades.
- xxxv. Specialized grades of the PUC are either not manufactured by the DI or are not approved for usage by downstream consumers. If there is a disruption of the access to these grades, it would impact various sectors in India.
 - xxxvi. US Section 232 Tariffs have not been effective. It has resulted in retaliation from other countries.
 - xxxvii. The appropriate action is an anti-dumping measure or CVD against China and Vietnam.
 - xxxviii. There needs to be a global surge to justify imposition of safeguard duties. The surge in the present case is predominantly occurring from a few countries only and is not a global phenomenon.
 - xxxix. There is no evidence of price injury – whether in the form of undercutting, suppression, depression. There is a decline in raw material prices, which has resulted in a decline in domestic prices of the PUC.
 - xl. If the domestic selling price has declined more than the cost of sales, it is more likely a result of internal market dynamics, such as competitive pricing or external factors such as global commodity trends.
 - xli. The injury analysis is flawed since the POI includes both quarter 2 and quarter 4 of the financial year 2023-24, thereby leading to an overlap in the dataset. Therefore, annualization of the data is not appropriate.
 - xl.ii. There is no recent, sudden, sharp or significant increase in imports from Korea.
 - xl.iii. There is an increase in sales, production and production capacity of the DI.
 - xl.iv. Major decline in profitability is attributable to the increase in interest cost and depreciation.
 - xl.v. The injury to the domestic industry is only on account of imports from China PR and ASEAN only.
 - xl.vi. The decline in prices of the PUC in India is on account of the decline in iron ore prices.
 - xl.vii. In terms of Article 2.27 of the India-Korea CEPA, India must consider excluding Korea from the application of the measures.

VIII. Nippon Steel Corporation, Nippon Steel Pipe India Private Limited, JFE Steel Corporation, JFE Shoji Corporation, JFE Shoji India Kobe Steel Ltd., Toyota Tsusho Corporation, Honda Trading Corporation, Honda Trading Corporation, India Pvt. Ltd., Rajasthan Prime Steel Processing Centre Pvt. Ltd., Nissan Trading Co., Ltd., Renault Nissan Automotive India Private Limited

14. The interested parties made the following submissions:

- i. The present proceedings, including the preliminary findings are without legal authority. The Petition contains numerous deficiencies and fails to provide essential evidence.
- ii. NSC and AMNS participated in multiple meetings with Ministry of Finance and Ministry of Steel regarding the exclusion of specific grades sold to AMNS.
- iii. The applicants have made general rebuttals concerning the exclusion requests without substantiating them with factual or legal basis, concrete evidence or detailed reasoning.
- iv. The Authority did not conduct a limited public hearing for determining the scope of the PUC prior to issuance of the preliminary findings.
- v. It has been the consistent practice of the Authority to exclude products that are not like or directly competitive from the scope of the investigation.
- vi. In the safeguard investigation concerning HR coils, sheets and strips, the Authority excluded products not manufactured by the domestic industry from the scope of the PUC.
- vii. In terms of Rule 2(e) of the Safeguard Rules and the Agreement on Safeguards postulate that

safeguard measures may be imposed only on “like or directly competitive” articles.

- viii. Likeness is determined by various parameters such as physical and chemical characteristic, product specifications, pricing, functions and end-uses, end-user requirements, manufacturing process and technology, distribution and marketing, tariff classification, technical and commercial substitutability, etc.
- ix. Directly competitiveness is assessed on the basis of when the products are interchangeable or offer alternative ways of satisfying a particular need or taste.
- x. In US – Cotton Yarn, the Appellate Body held that a safeguard action will not extend to protecting a domestic industry that produces unlike products which only have a remote or tenuous competitive relationship with the imported product.
- xi. In the safeguard investigation concerning oxo alcohol, it has noted that even if the end products are substitutable, this substitutability must not be remote.
- xii. In the safeguard investigation concerning Hot Rolled Coils / Sheets / Strips, the Authority excluded grades of steel that were not manufactured by the domestic industry. Therefore, if the domestic industry is unable to manufacture any grade, the said grade must be excluded from the PUC.
- xiii. The domestic industry must provide evidence demonstrating that it manufactures the like or competitive article to the imported grades of the PUC.
- xiv. Certain imported grades are not manufactured by the domestic industry and are not commercially and technically substitutable.
- xv. The Authority may clarify whether “tinplate” and “Coated Electrogalvanized Steel” are excluded from the PUC.
- xvi. The domestic industry’s acceptance for the exclusion of certain grades must be examined carefully.
- xvii. The Petitioner has failed to substantiate how its products are technically and commercially substitutable with the imported grades. The invoices submitted by the domestic industry does not substantiate how the invoices filed demonstrate that a particular grade is substitutable with the grades for which NSC has sought exclusion.
- xviii. The exclusion of products based on end-use conditions is unwarranted and burdensome.
- xix. The Authority is bound to consider if all of the grades for which exclusion is sought are like or directly competitive with the domestically produced grades. A blanket refusal to examine the issue is clearly arbitrary, illegal and erroneous.
- xx. The Authority has outrightly rejected lack of customer approval and differences in quality as a ground for exclusion, without appreciating that the poor-quality products will result in unviability of the end product.
- xxi. Customer approvals will demonstrate whether a product meets the commercial standards required by end users.
- xxii. On the one hand the Authority observes that there is no requirement to examine if each product is produced by the domestic industry, on the other hand the Authority has selectively noted that the domestic industry has provided invoices to show sales of certain grades.
- xxiii. NSC has provided sufficient technical evidence to substantiate its exclusion request.
- xxiv. AMNS has found the grades produced by the domestic industry to be sub-optimal in comparison with NSC’s products in terms of quality, grades and size mix.
- xxv. NSC has developed customized grades for AMNS, which are used to produce patented products.
- xxvi. Even if AMNS is committed to being the domestic industry, the Authority is required to examine

- the reasons and evidence placed on record by NSC and AMNS seeking exclusion of certain grades.
- xxvii. NSC has been playing an active role in contributing to Make in India. NSC has acquired Uttam Galva Steels Limited, Essar Steel India Limited and has established AMNS, which is constructing new plants.
- xxviii. NSC supplies high quality HR steel to AMNS since 2022. This requirement is expected to increase in 2025. Majority of NSC's exports of HR steel are supplied to AMNS as substrates of its downstream products.
- xxix. AMNS has been investing in new projects and expansion of existing facilities.
- xxx. Tin free steel and plastic laminated steel fall under the category of tinplate. Therefore, such products should be excluded from the scope of the PUC.
- xxxi. The investigation has been initiated without any evidence of increased imports, serious injury or threat, causal link and adjustment efforts.
- xxxii. The domestic industry has failed to provide injury data for 12 month period prior to the POI to determine if the increased imports have actually caused serious injury to the domestic industry.
- xxxiii. There is no sharp increase in imports across all product categories.
- xxxiv. There is no evidence of serious injury and causal link
- xxxv. The Authority has not provided the minimum 30 days time to provide the questionnaire response as stipulated under Rule 6(4) of the Safeguard Rules.
- xxxvi. The questionnaire formats were published by the Authority in a belated manner.
- xxxvii. The applicants have claimed excess confidentiality in their application thereby preventing the interested parties from examining the accuracy and adequacy of the information supplied to the Authority.
- xxxviii. The transaction wise import data filed by the applicant is not reliable. The Authority has not initiated the investigation based on DGCIS/DG System data.
- xxxix. The Authority is required to finalise the product scope and decide PCNs before calling for questionnaire responses.
- xl. The scope of the PUC in the Petition is broad. Certain product categories are improperly included within the scope of the PUC despite there being no sharp surge in imports of those categories.
- xli. Analysis of dumping and injury margins may be required to demonstrate causal link and quantification of the duty.
- xl.ii. As per Rule 2 of the safeguard rules, the domestic industry is defined as only producers of "like or directly competitive" articles. The products not manufactured by the domestic industry is required to be excluded from the scope of the PUC.
- xlii. The applicant has not demonstrated that it manufactures a "major share" of each distinct product categories. Not all producers manufacture all product categories, therefore, they cannot constitute the domestic industry for all product categories.
- xliv. There is only a slight increase in imports of CR coils during the POI as compared to the immediately preceding year. Imports of HR coils have increased gradually throughout the injury period, which does not demonstrate sudden, sharp and significant increase in imports.
- xl. There is a decline in imports of Coated sheets during the POI as compared to the immediately preceding year.
- xlvi. Even if the requirement of unforeseen development is not mentioned in the domestic legal

framework, the Authority is required to examine it as required under Article XIX of the GATT.

- xlvi. Trade remedy measures are not unforeseen developments since they are routinely and regularly deployed by nations. Further, they are legitimate actions under the WTO Agreements. As per the WTO data, between 2010 and 2017, there have been 367 anti-dumping and countervailing duty actions against steel products.
- xlvi. Several countries have been exempted from the US Section 232 tariffs.
- xlix. The issue of excess capacity has been a chronic and well documented challenge across various global markets, that has been discussed in numerous industry reports, WTO forums, and international trade discussions for over a decade. This issue is not unforeseen.
 - l. China's three red lines policy is not unforeseen. China's increased investments in steelmaking capacity in other countries have occurred for several years.
 - li. The domestic sales, production and capacity across multiple product categories has grown.
 - lii. Serious injury is not being suffered by the domestic industry as a whole. The EBITA of other domestic producers such as Tata Steel (which is also a Member of the ISA) has grown by 10% to reach INR 31,057 crores at an EBITA margin of 22%. EBITA of AMNS and SAIL during the financial year 2024 is significant. The decline in EBITA of Tata Steel is less than the loss in profitability of the domestic industry.
 - liii. There is no causal link between increased imports and injury to the domestic industry. Although the imports of colour coated coils and sheets declined, the PBIT per unit has also declined.
 - liv. PBIT per unit of plate mill plates has improved during the POI, despite the alleged surge in imports.
 - lv. Coated coils and sheets show an improvement.
 - lvi. In the case of HR coils, when there was a surge in imports from 2022-23 to 2023-24, the PBIT also improved.
 - lvii. Cost of producing steel in India is significantly higher than the rest of the world. Prices of coking coal has risen to around USD 670 per MT. This is the reason for the decline in profitability of the domestic industry.
 - lviii. The domestic industry's operating cost is high – there is an increase in depreciation cost, interest cost.
 - lix. The bulk of the domestic industry's allegation focuses on Chinese excess capacity, declining domestic demand. Therefore, the increase in imports is not on account of unforeseen development.
 - lx. The adjustment plan has been claimed confidential. The adjustment plans provided by the domestic industry are vague and generalized. The domestic industry has not explained how the imposition of the 25% duty will facilitate of support their efforts.
 - lxi. The request for 25% duty rate is not supported by any evidence. The liberalization of 1% each year does not reflect any clear connection with the industry's adjustment plans.
 - lxii. India has a long history of trade remedial measures to address concerns related to imports of steel products.
 - lxiii. There are various non-tariff barriers such as BIS regulations and quality control orders on the PUC.
 - lxiv. A no-objection certificate process exists for certain shipments where specific grades of steel is not domestically produced. However, this process is expected to be phased out.
 - lxv. License of various Chinese suppliers have expired in 2023 – only 8 licenses are valid from China till date.

- lxvi. Steel Import Monitoring System (“SIMS”) acts as a mechanism to monitor and regulate steel imports.
- lxvii. There are no critical circumstances that warrant safeguard measures.
- lxviii. Contention of the domestic industry that there are low priced imports and excess capacity in Japan, Korea, ASEAN and China is not supported by any evidence.
- lxix. All evidence relied on by the domestic industry pertains only to HRC and not the PUC as a whole.
- lxx. Safeguard duty would not be in the public interest at large.
- lxxi. There would be irreversible damage on steel using industry nationwide.
- lxxii. Safeguard duty would negatively impact the “make in India” initiative.
- lxxiii. The India-Japan CEPA creates a partnership through liberalization and facilitation of trade and investment, and cooperation between the two countries.
- lxxiv. The preliminary findings are violative of the principles of natural justice and deviate from the established legal principles.
- lxxv. The Authority must consider all submissions filed by the parties – even those filed after January 22, 2025.
- lxxvi. Products can be included within the scope of the PUC only if the “like or directly competitive” article is manufactured by the domestic industry. The domestic industry has failed to produce credible evidence to demonstrate that like or directly competitive articles are manufactured.
- lxxvii. Categorization of the domestic industry’s product and Japanese mills’ products under the same Indian Standard is not a valid criterion for determining the “like or directly competitive” articles test.
- lxxviii. In terms of Rule 2(e) of the Safeguard Rules and the Agreement on Safeguards postulate that safeguard measures may be imposed only on “like or directly competitive” articles.
- lxxix. Likeness is determined by various parameters such as physical and chemical characteristic, product specifications, pricing, functions and end-uses, end-user requirements, manufacturing process and technology, distribution and marketing, tariff classification, technical and commercial substitutability, etc.
- lxxx. Direct competitiveness is assessed on the basis of when the products are interchangeable or offer alternative ways of satisfying a particular need or taste.
- lxxxi. In US – Cotton Yarn, the Appellate Body held that a safeguard action will not extend to protecting a domestic industry that produces unlike products which only have a remote or tenuous competitive relationship with the imported product.
- lxxxii. In the safeguard investigation concerning oxo alcohol, it has noted that even if the end products are substitutable, this substitutability must not be remote.
- lxxxiii. In the safeguard investigation concerning Hot Rolled Coils / Sheets / Strips, the Authority excluded grades of steel that were not manufactured by the domestic industry. Therefore, if the domestic industry is unable to manufacture any grade, the said grade must be excluded from the PUC.
- lxxxiv. The JPC data provided by the domestic industry does not provide separate information for each of the 5 product categories that form a part of the PUC. The domestic industry has not shown that it manufactures sufficient quantities of each of the 5 product categories.
- lxxxv. Imports by AMNS must be excluded from the application of the safeguard duties.
- lxxxvi. “like articles” are those that are identical or alike in all respect. The legal standard explained in US –

Washers is not applicable since the product mix is different in the present case. Steel products have varied applications and different characteristics, which affect end-usage. Therefore, the “like article” standard in steel investigations must be applied in such a manner that if the domestic industry does not manufacture identical or perfect substitutes, they must be excluded.

- lxxxvii. The preference of each and every customer may not be relevant to establish direct competition. Users are unable to use the domestic industry’s goods since they do not meet the technical requirements of the users.
- lxxxviii. There is no evidence of unforeseen circumstances. As per Argentina – Footwear, the circumstances described must be unexpected.
- lxxxix. Between 2010 and 2017, there have been 367 different anti-dumping and CVD actions against various steel products. Trade remedy measures cannot be considered to be unforeseen.
- xc. Excess capacity is not an unforeseen development since this has been occurring for a very long time and has been discussed in various trade forums, WTO, and highlighted in several reports. There was ample opportunity for the domestic industry to adapt to the changing scenario.
- xc. Increase in Chinese investments has gradually occurred over several years on account of interplay of economic policies, market dynamics and global investment.
- xcii. Merely identifying India’s obligations under the GATT does not satisfy the requirement of demonstrating that imports are on account of unforeseen developments.
- xciii. All evidence regarding threat of serious injury is with regard to China alone. The Petitioners cannot attribute the declining prices of HR steel from China to all other sources of HR products.
- xciv. China being the world’s largest steel producer, has been excluded from the US market – this is the main reason for the surge in imports.

IX. Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd., Isgec Heavy Engineering Limited, LG Electronics India Private Limited, Metal One Corporation India Pvt. Ltd. and Metal One, Shivalik Bimetal Controls Limited, Manaksia

- a. The preliminary findings conflate “serious injury” and threat of serious injury” with “critical circumstances. There are no indicators to support the existence of critical circumstances as the market share of the domestic industry has not fallen sharply.
- b. The Authority, in not providing the basis for calculation of the reference price has committed a grave violation of natural justice. In the past, the Authority has provided a valid basis for arriving at a particular rate of duty.
- c. The high return on capital employed of 22% for calculation of NIP to arrive at the reference price is inappropriate.
- d. The Petitioner has claimed excess confidentiality – various parameters such as details of production, productivity, total PBIT and other indicators have been kept confidential in the Petition. This has affected the ability of the respondents to respond to the claims of the DI.
- e. The adjustment plan presented by the domestic industry is vague and generic. It lacks the requisite information and details to be considered adequate.
- f. There is insufficient evidence regarding recent, sudden and sharp increase in imports caused by unforeseen developments, which has a causal link to a serious injury or threat of serious injury.
- g. The excess capacity was not unforeseen. This was known to India and it was foreseeable at the time of undertaking obligations.
- h. The three red lines policy does not have a proximate cause and effect relationship with the increase in imports.

- i. Trade remedy measures were reasonably foreseeable. The Authority's own admission is that such a situation existed prior to 2019.
- j. There were high number of trade remedy measures while India was undertaking GATT obligations.
- k. Overcapacity in Vietnam, Japan and South Korea are not unforeseen.
- l. The imposition of the safeguard measures would increase the price of Appliances by 4% and industrial products by 10-15%.
- m. The applicants have not provided any evidence to demonstrate that the domestic industry is making efforts to adjust to the increase in imports.
- n. While responding to the exclusion requests, the applicants do not identify for which of the specific grades they produce domestic like article or directly competitive article and for which they do not. The applicant's response is vague.
- o. The base year, i.e., FY 2021-22 was characterized by abnormal market dynamics. Therefore, an assessment of injury on the basis of this base year would lead to a distorted analysis.
- p. The relevant period for determining whether the imports were unforeseen is 2009 since this was the year when India entered into free trade agreements with Japan and South Korea.
- q. The increase in imports is attributable to the FTAs signed by India with Japan, South Korea and ASEAN countries. This cannot be regarded as obligations under the GATT.
- r. The reliance of the applicants on the prices in May 2025 is inappropriate since the POI is October 2023 to September 2024. Data that is not within this POI should not be relied upon. The US changes to the Section 232 are outside the POI.
- s. The developing country exemption must be examined for each product category individually. Nepal should not be exempt from the application of the measure.

X. Hyundai Motor India Limited and Hyundai Steel Company, GS Global Corp, The China Iron and Steel Association (CISA), Hoa Sen Group, Hyosung TNC Corporation, Hyundai Corporation, Indian Pipe Manufacturers Association, Kia India Private Limited, Samsung C&T Corporation, Steel Users Federation of India (SUFI), Vietnam Steel Association

15. The interested parties made the following submissions:

- i. The exclusions to the PUC granted by the Authority cover 22 grades, however, the DI's letters state that 50 line items have been agreed for exclusion.
- ii. Hyundai Steel has been a consistent and reliable supplier to India's auto sector, accounting for approximately 52% of the country's imported automotive steel.
- iii. Hyundai is working on localization in alignment with India's Make in India initiative.
- iv. High strength steel, exterior-grades CR/GA sheets demand stringent standards, which are not met by the domestic producers.
- v. There is a 30% supply gap in GA outer panels across Indian OEMs in 2025. BIS alternatives do not meet the requirements. The domestic industry does not have end user approval.
- vi. HR Steel, API Certified Plates, High-Carbon & Quenched and Tempered (QT) steel and Wind Tower and Shipbuilding plates are required to be excluded.
- vii. It should be clarified whether the excluded products have been excluded from the computation of the total import volumes.
- viii. The 5 product categories each have different technical characteristics, end-uses, market dynamics and pricing structures. These products are not interchangeable with one another. These 5 products

should be investigated in separate investigations.

- ix. It is unclear how the DI has segregated the data across the 5 categories of steel and has provided no explanation or clarification.
- x. The adjustment plan provided by the domestic industry is not sufficiently detailed, it is generic and vague. The non-confidential version does not disclose sufficient information. Each participating applicant company is required to submit a separate adjustment plan.
- xi. In the safeguard investigations concerning Phthalic Anhydride, Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel of 400 Series, Non-Alloyed Ingots of Unwrought Aluminium and Flexible Slabstock Polyol, the Authority did not recommend the imposition of the duties where there was an insufficient adjustment plan.
- xii. In past safeguard investigations, the Authority issues a separate questionnaire for domestic producers after initiation of the investigation. However, in the present investigation, the Authority has only issued a questionnaire for “other domestic producers”.
- xiii. AMNS India and AMNS Khopoli have filed user questionnaire responses despite being constituents of the domestic industry since they rely on Nippon Steel Trading Corporation for certain grades of steel as the domestic producers are unable to meet their quality and quantity requirements, pricing, etc.
- xiv. The Authority should exclude AMNS India and AMNS Khopoli and reexamine the standing of the domestic industry. The Authority is also required to exclude AMNS India and AMNS Khopoli from the injury analysis.
- xv. The present investigation must be terminated and re-examined after AMNS India and AMNS Khopoli are excluded from the domestic industry.
- xvi. The information provided in the application does not conform to Trade Notice No. 10/2018 since various data points and information has been claimed as confidential. As there are multiple applicant companies, certain categories of the economic data must be disclosed on an aggregated basis for all companies.
- xvii. There is a requirement to hold consultations prior to taking a preliminary of final safeguard measure.
- xviii. The investigation must be terminated since the Petitioner has agreed to the exclusion of various product categories. Therefore, the data which formed the basis for initiation of the investigation, is no longer relevant, thereby making the whole initiation of the investigation void.
- xix. Country-wise import summary has not been provided in the application.
- xx. The data in the Petition and the data in the preliminary findings has been changed. If there is an update of the data, the same has not been circulated to the parties. Therefore, the principles of natural justice of the interested parties have been violated.
- xxi. The interested parties have not been provided an adequate opportunity to provide comments on the updated data submitted by the domestic industry.
- xxii. The domestic industry is not suffering from serious injury. The legal standard for “serious” injury is higher than the standard for “material injury”. Various parameters of the domestic industry have shown an improvement, such as sales, production, productivity, capacity utilization, profits, losses and employment.
- xxiii. The production of the PUC has been consistent. The capacity utilization of HR steel increased, but the capacity utilization for HR Plates, CR steel, corrosion resistant steel and colour coated steel remained high, which indicates that the DI is operating at a high level of efficiency.
- xxiv. The Preliminary Finding lacks detailed information regarding the injury suffered by each petitioner

individually.

- xxv. AMNS India and JSW Steel have plans of expanding their operations and making investments. These developments further demonstrate that the petitioners are in a strong position.
- xxvi. In Non-Alloyed Ingots of Unwrought Aluminium, Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel of 400 series and Bare Elastomeric Filament Yarn, the Authority has held that there is no injury on account of high levels of capacity utilization, increased employment, consistent growth in production and sales figures.
- xxvii. The currently established reference prices for exemption from duty in the case of CR Steel does not align with the cost-plus margin structure of conversion from HR to CR steel. The conversion cost from HR to CR steel is not appropriately captured in the reference prices.
- xxviii. The imposition of the duties is not in public interest since steel has wide range of applications across industries. The safeguard duties will reduce competition of the domestic steel producers, increase cost and prices, reduce the profit margin of small mills, increase the cost of construction, automotive, manufacturing and infrastructure.
- xxix. The duties will affect the Make in India initiative.
- xxx. The objective of safeguard duty is to protect the domestic industry from undue advantages of foreign exporters on account of unforeseen developments and to ensure a healthy level playing field for domestic producers. Safeguards should not be used to give undue advantage to domestic producers.
- xxxi. The customs EDI system does not presently accommodate reference price-linked safeguard duty assessment.
- xxxii. There is an upward price movement from January 2025. The domestic producers have begun increasing their prices. Suppliers such as POSCO Maharashtra has communicated a demand to compensate users for the financial impact of the safeguard duty.
- xxxiii. The adjustment plan provided in the application is vague and insufficient. In past investigations, the Authority has declined to recommend the measures when the adjustment plan was not appropriate.

XI. Assam Roofing Ltd.

16. The interested party made the following submissions

- a. The calculation of the 3% threshold for exclusion of developing countries must be done separately for each product category. The 3% threshold for the PUC as a whole is met by China and Vietnam. However, the share of HR Coils of Nepal can never cross 3% since Nepal primarily exports coated steel products.
- b. The benchmark duty determined for Metallic Coated Steel Coils and Sheets and Colour Coated Coils and Sheets must be significantly higher than for CR Coils to account for value additions involved from the base metal/raw material stage.
- c. Nepal should not be exempt from the application of the duty for Metallic Coated Steel Coils and Sheets and Colour Coated Coils and Sheets. Nepal's share is over 50% for Aluminium Zinc Coated Products, around 6-7% for Pre-Painted/Plastic Coated Sheets and 85% for Galvanized Sheets.
- d. Safeguard Duty on Metallic Coated Steel Coils and Sheets and Colour Coated Coils and Sheets must be higher than the duty for HR and CR Coils.

XII. Dongkuk CM, Korea and Dongkuk Steel India Pvt. Ltd.

17. The interested party made the following submissions

- a. Pre-painted aluminium zinc alloy metallic coated steel above 1.3 mm thickness may be excluded

since the DI is unable to produce the same with requisite quality. JSW Steel Limited is the only domestic producer capable of manufacturing the product upto thickness of 1.5mm. The demand for this product is only 6,000 MT.

- b. Hot Dip Aluminium Zinc Alloy Metallic Coated Steel above 1.5 mm thickness cannot be produced by the DI in required quality and quantity. Indian users prefer Korean-made products. The demand for this product is 8,000 MT.
- c. Laminated Galvanized Steel is not manufactured by the DI. The DI has already agreed for the exclusion of Laminated Electrogalvanized Steel from the investigation; there is no reason for not excluding Laminated Galvanized Steel from the PUC.
- d. Pre-Painted Galvanized Steel is imported based on customer specific customizations. The DI is unable to deliver the required quality and specifications such as design and pattern.
- e. The mere fact that the DI sells products covered under the same Indian Standards does not demonstrate that such goods are of the same quality, consistency or specifications as the imported grades.
- f. There would be no injury caused to the DI since the annual consumption of the specialized products is very low. In US – Lamb, the Appellate Body held that the standard of “serious injury” in the Agreement on Safeguards is higher than “material injury” in the Anti-Dumping Agreement.
- g. In Japan – Alcoholic Beverages, the Panel noted that while examining “directly competitive or substitutable”, an examination of the physical characteristics and tariff classification must be done in the marketplace context.
- h. The DI has stated that they agree for the exclusion of 50 line items, but the Authority has excluded only 22 product categories.
- i. In past safeguard investigations, the Authority has declined to recommend duties where the economic parameters of the domestic industry has shown improvement.
- j. The production and sales data of the domestic industry has improved.
- k. The capacity utilization is at 83%, which demonstrates good production activities.
- l. Employment levels are a good indicator for injury.
- m. AMNS and JSW are undertaking capacity expansions which suggests favourable market environment.
- n. There is no basis for fixing the Minimum Export Price; for Cold Rolled Products, the Minimum Export Price is disproportionately high compared to HR, and low compared to coated steel products.
- o. There is no injury from Korea since import volumes from Korea have only modestly increased and then declined compared to other countries.

XIII. CSCI Corporation India Pvt. Ltd.

18. The interested party made the following submissions

- a. Cold Rolled Full Hard Silicon Electrical Steel used in the production of CRNO may be excluded from the PUC. Only JSW Steel has manufactured CRFH, however, the same is not capable of producing CRNO as per the applicable BIS standard.
- b. Cold Rolled Full Hardened Electrical Strips conforming to IS 18316 of 2023 is excluded from the scope of the investigation. CSCI has obtained a BIS license for importing this product.
- c. In the anti-dumping investigation concerning imports of cold rolled non-oriented electrical steel from China PR, CRFH used for manufacturing CRNO was excluded from the PUC.

- d. CRFH imported by CSCI is not a ‘like article’ of Cold Rolled Steel and is not interchangeable or substitutable with the domestically produced product.
- e. JSW has procured CRFH from JSW. However, the goods do not match the necessary standards as per BIS 648:2022. Multiple trial by JSW have rejection rates from 4.86% to 100%. There was 100% rejection of AMNS’ product.

XIV. Maruti Suzuki

19. The interested party made the following submissions

- a. Not all steel categories experienced a sharp increase in imports.
- b. Domestic steel prices have shown an upward trajectory, while international prices have declined, suggesting that the DI has leveraged the safeguard duty to increase prices, causing financial strain on downstream sectors.
- c. Non-availability and capacity constraints of Indian steel mills has created supply shortages, affecting production schedules and operational efficiency.
- d. Maruti Suzuki is a major exporter of vehicles and export the vehicles to Japan and EU. There is a requirement to maintain high quality standards. Any failure in global markets may adversely impact the reputation of Indian products.

XV. NRB Bearings

20. The interested party made the following submissions

- a. Imported products are not manufactured in India. NOC has been issued by the Ministry of Steel for each consignment.

XVI. Aktien-Gesellschaft der Dillinger Huttenwerke

21. The interested party made the following submissions:

- a. The applicant’s arguments such as excess steel producing capacity, implementation of trade remedy measures by other countries and the regional market shifts in ASEAN do not constitute evidence of “surge in imports” resulting from “unforeseen developments”.
- b. The claim of serious injury is not substantiated since there is a general positive trend in key performance metrics such as production volumes and sales.
- c. Other domestic producers such as Tata Steel Ltd. have demonstrated stable or improved performance during the relevant period.
- d. The alternative causes of injury have not been sufficiently examined or addressed by the Authority.
- e. The Authority has failed to conduct a detailed and objective analysis of critical factors for assessing whether the imported products are “like or directly competitive”.
- f. In the safeguard investigation concerning oxo alcohols, the Authority held that overlapping end use is not, by itself, a sufficient criterion to determine whether products are “like or directly competitive”.
- g. There is a legal requirement for the applicant to demonstrate that it manufactures each and every grade of the imported product with identical specifications and must meet the entire domestic demand.
- h. The applicant has agreed to the exclusion of 17 product categories even though it manufactures products that are comparable and with overlapping end-uses.
- i. In the safeguard investigation concerning HR coils/sheets/strips, certain products were excluded since the domestic industry failed to provide evidence of domestic production of the relevant goods.

- j. Although the DI has supplied invoices of sample sales of certain grades of steel, the findings are silent on how these grades are “like” or “directly competitive” with the specific product grades supplied by Dillinger.
- k. In *Basudev Dutta v. State of Bengal*, the Hon’ble Supreme Court held that every administrative or quasi-judicial order must contain reasons. However, the reasons for not granting Dillinger’s exclusion request has not been recorded in the preliminary findings.
- l. The five categories of the PUC each differ in terms of manufacturing process, technical specifications, end-use applications, market dynamics and customer segments. They are neither technically nor commercially interchangeable. The Authority must determine the standing for each product category separately.
- m. AMNS India and AMNS Khopoli have opposed the petition and requested for product exclusion. The Authority should assess the standing of the domestic industry on the basis of their opposition to the petition.
- n. Major producer of steel in India, Tata Steel Limited, is not a part of the petition.
- o. Tariff concessions are not unforeseen since they are negotiated and agreed upon by WTO Members including India, with full knowledge of implications.
- p. Global overcapacity is a longstanding issue that has been discussed widely in forums such as the WTO and OECD.
- q. There is no surge in imports from the EU.
- r. Imports from EU are not a cause of injury to the domestic industry. The true cause of injury is imports from a few specific countries.
- s. The EU may be excluded from the application of the measure.
- t. Sales performance of the DI shows strong growth. The DI’s sales have grown by 40%.
- u. Production capacity increased by 13%, actual production increased by 17% and capacity utilization increased by 90%.
- v. Decline in profitability is not attributable to imports, but is on account of an increase in interest costs, particularly those incurred by JSW in the acquisition of the BPSL group.
- w. There is no price undercutting from the EU.
- x. Injury is not widespread or global. The main sources of injury are China and certain ASEAN countries.
- y. Depreciation and interest cost has increased substantially. However, there is no evidence of capacity expansion. This clearly indicates that the increase in finance cost is due to internal financial decisions and unrelated to any alleged surge in imports.

XVII. NLMK Group and Tay Nam Steel Manufacturing and Trading Co. Ltd.

22. The interested party made the following submissions

- i. The POI is October 2023 to September 2024, but the DI has not provided injury information for the corresponding periods for the previous years.
- ii. The DI has used different sets of data at different junctures. At some places, the DI has compared the data during the POI with the data for the previous three financial years. At other points, the DI has compared the annualized data in the first six months.
- iii. There is no uniform methodology for carrying out different analysis. The injury period has been defined as 2021-22, 2022-23, 2023-24 and the POI. The DI must have provided the injury analysis

- for all periods uniformly.
- iv. The time of 3 to 7 minutes allocated for each speaker in the oral hearing is inadequate and a violation of natural justice.
 - v. The DI made a presentation during the oral hearing, which was not circulated prior to or at the time of the hearing, hence violating the principles of natural justice of the respondents.
 - vi. As per the trade notices issued by the Authority, all information to be presented during the oral hearing must be circulated to all parties in advance.
 - vii. The Authority has not established the existence of critical circumstances for the imposition of the duty through facts and the applicable legal standard.
 - viii. For the imposition of a safeguard measure, there is a requirement to examine unforeseen circumstances. India has consistently applied this test in previous safeguard investigations in line with its obligations under the GATT.
 - ix. Protectionist measures by other jurisdictions have been widely deliberated in OECD forums, G20 communiques, and WTO Trade Policy Reviews. Steel has been a target of trade protection measures since the early 2000s.
 - x. Excess steelmaking capacity has been a persistent and structural feature for over a decade, which has been addressed in multilateral forums.
 - xi. China's three red lines' policy is not an unforeseen trade event, but policy recalibration that should be expected in a dynamic global economy.
 - xii. The increase in Chinese investments in ASEAN is well documented.
 - xiii. There is no causal link between the unforeseen development and the surge in imports. The surge in imports must be shown to be a direct and proximate consequence of the cited developments and not merely correlated with them.
 - xiv. There is no granular trade flow analysis, the DI's price fluctuations, supply gaps or cost competitiveness has not been examined.
 - xv. Steel demand in India is strong and growing, suggesting that import increases may be demand-driven and not supply-push.
 - xvi. India has numerous trade remedy measures against steel products.
 - xvii. The Authority has not demonstrated that the increase in imports is an effect of obligations under the GATT. It has not been demonstrated how the obligations undertaken by India such as bound tariff reductions are responsible for the increase in imports.
 - xviii. Injury analysis based on heterogenous product group is impermissible under WTO and Indian law.
 - xix. Each category of the PUC is distinct and are not like or directly competitive with one another. In Argentina – Footwear, the Appellate Body held that the injury analysis must be reasoned and explained when the product scope includes diverse and dissimilar products.
 - xx. The applicant has provided different data for different parameters such as production, capacity utilization, sales, inventory, profitability and market share, each covering different reference periods. This inconsistent approach is violative of Rule 5 of the Safeguard Rules and Article 4.2(a) of the Agreement on Safeguards.
 - xxi. Various pieces of information provided in the Petition is claimed confidential, which is contrary to trade notice no 10/2018 and impacts the ability of the other interested parties to comment on the Petition.
 - xxii. There is no explanation provided as to why certain pieces of information have been claimed as

confidential.

- xxiii. In Reliance v. Designated Authority, the Hon'ble Supreme Court held that it is not open to the Authority to withhold information without proper confidentiality claim being made.
- xxiv. Non-confidential summaries must comply with the requirements of Rule 7(5) and Trade Notice 10/2018, failing which the Authority must disregard such information.
- xxv. Rejection of exclusion requests is arbitrary and not legitimate. The preliminary findings do not provide an analysis or explanation for the reasons for rejecting the exclusion requests.
- xxvi. The Authority's assertion that the applicant is not required to demonstrate production of like grades or capability to supply meaningful volumes contradicts established WTO jurisprudence.
- xxvii. Article 3.1 of the Anti-Dumping Agreement requires all findings to be supported by reasons.
- xxviii. The domestic industry has made broad and unsubstantiated assertions of capacity and capability. The respondents' detailed technical information demonstrating product-specific inapplicability of domestic supply have been brushed aside.
- xxix. Applying uniform duty for all five categories of products would distort trade and penalize niche, high-value or non-substitutable imports.
- xxx. The analysis of the authority must further be disaggregated into more granular product categories considering price bands, international HS codes, industry standards and end-user segments.
- xxxi. The adjustment plan submitted by the domestic industry is overly generic, lacking in specificity and fails to offer any credible or substantive road map.
- xxxii. The adjustment plan is a reproduction of the plans previously submitted by JSW and SAIL in earlier safeguard investigations. This shows that no new efforts are being made to enable the domestic industry to adjust to imports.
- xxxiii. The preliminary findings ignore the observations of the WTO Panel in DS518. There is no specific evidence regarding unforeseen developments; there is no non-attribution analysis; no detailed reasons are provided for rejection of exclusion requests; the increase in imports is not transparently analyzed; numerous exclusion requests have been rejected on generic grounds.
- xxxiv. The information regarding unforeseen developments must be specific to the PUC and not limited to crude steel alone.
- xxxv. There is no explanation regarding the timing of the unforeseen developments and how they led to the alleged recent serious injury to the domestic industry.
- xxxvi. The domestic industry has not provided an explanation as to how the increase in imports could be a post-COVID recovery.
- xxxvii. Futuristic probabilities cannot be termed as unforeseen developments.
- xxxviii. The increase in imports is not sudden, but rather gradually and consistently.
- xxxix. Not all categories of the PUC have shown an increase in imports. The increase in imports of CR Coils and Sheets and Colour Coated steel are minimal.
- xl. There is no evidence of critical circumstances that justify a 12% duty.
- xli. The applicant's plea to disqualify the submissions of GTRI should be summarily rejected since all parties must be given an equal opportunity to represent their interests.
- xl.ii. The Authority is required to conduct an objective and transparent investigation into the likeness and competitiveness of products.
- xlii. Each exclusion request filed by all respondents must be evaluated independently, based on objective

technical evidence and actual substitutability in commercial terms not based on arbitrary invoice references or unsupported.

- xliv. The different applicant companies do not produce a homogenous or directly competitive product base. Therefore, clubbing their data together for injury analysis is legally untenable.
- xlv. If exclusion requests have to be rejected, economic and technical comparability of the products must be demonstrated.
- xlvi. Common-grade HR coils and automotive grade-CR coils cannot be lumped together for the purpose of injury assessment.
- xlvi. On account of the conflict of interest of AMNS and AMNS Khopoli, the Authority may hold that these parties do not constitute the DI.

XVIII. Society of Indian Automobile Manufacturers

23. The interested party made the following submissions:

- a. 80% of the steel used by the industry is locally produced and the industry is fully committed towards localization.
- b. Safeguard duty has increased the prices of domestic steel, whereas the global prices of steel.
- c. The increase in prices will increase the price for vehicle manufacturers, which would affect pricing, production planning and long-term investment decisions.
- d. The domestic steel industry is facing supply-side challenges. To ensure that there is no disruption in manufacturing, the availability of steel is essential.

XIX. Japan Iron and Steel Federation

24. The interested party made the following submissions:

- a. Certain grades imported from Japan are required to be excluded.
- b. The automobile industry would face critical risks and difficulty in continuing their operation. This would disrupt supply chains and damage sound, and smooth operations of downstream users require high quality steel from Japan.
- c. The measure would impact the Make in India initiative. Japan has been investing large amount of capital, technology and resources in India, which contributes to the Make in India policy.
- d. The bilateral relationship between India and Japan will be affected by the imposition of the measure.

XX. Federation Association of Maharashtra

25. The interested party made the following submissions:

- a. The PUC comprises of 5 different product categories in terms of raw materials, production process, supply-demand dynamics and end use. Alloys and non-alloys of these products are also different.
- b. A separate safeguard duty is needed for each of the 5 product categories.
- c. Separate PCNs is required for alloy steel and non-alloy steels.
- d. The source of the import data in the Petition is not disclosed. There are large variations in the quantities reported by different sources.
- e. The base year of 2021-22 was affected by COVID. The lockdowns were imposed till March 2022. The increase in imports during the POI is a result of post-COVID recovery.
- f. There is no sure in imports after accounting for the abnormality of demand during the COVID years.
- g. The value-added products (other than HRC) have a less than 5% share in total imports other than

2023-24.

- h. Imported quantities include a large quantity of plates (API plates), which are imported under the DFIA scheme. Import of API plates for export of LSAW pipes due to better quality and price is done against advance license. LSAW pipe makers imported about 165,712 MT of plates in FY 23-24 and about 210,426 MT in FY 24-25. Almost all API plates are for export of pipes.
- i. Increase in imports during 2022-23, 2023-24 and 2024-25 (H1) is due to increased imported quantity from Vietnam and imports by AMNS. There is already an AD investigation against Vietnam. AMNS imported 244,725 MT of HRC in 2023-24 and 681,016 MT in the first 9 months of 2024-25.
- j. The Government of India has established mandatory BIS registration for almost all Chinese Steel Mills.
- k. Major imports of CR coils are from South Korea.
- l. The EBIDTA of the applicant companies and Tata Steel Limited is very high, which is suggestive of high profits. the combined EBITDA of the applicant companies and Tata exceeds three lakh crore rupees.
- m. The main reason for high profitability of Indian Mills is the built in subsidy received from the Government of India in terms of pricing of iron ore.
- n. Developing countries with less than 3% import share such as Indonesia may be excluded.
- o. Imposition of safeguard duties will significantly impact the industry and economy. These products are regulated through QCOs, SIMS and NOC process, which already create uncertainty in imports.
- p. The PUC is used in a wide range of industries. The duties will reduce domestic competition.
- q. Imposing safeguard duties against steel will increase the prices, resulting in high construction costs and substantial damages to the broader economy, including inflation.
- r. Various infrastructure projects such as Jal Jeevan Mission and Har Ghar Jal could face delays.
- s. Make in India cannot succeed without globally competitive steel prices.

XXI. Federation of Kutch Industries Associations

26. The interested party made the following submissions:

- a. The association has entered into an agreement with PA Chamber, Pennsylvania, USA for promoting the investment from their region to Gujarat.
- b. 11 lakh crore rupees is the budgetary allocation for infrastructure.
- c. India has a very low per capita steel consumption compared to other global major economies. The industry has ramped up capacity to nearly 170 MMT.
- d. The safeguard measures will affect all pipe manufactures in India. There is a need to balance the interest and competitiveness of downstream industries.
- e. High input costs could slow down the pace of infrastructure development and industrial growth.
- f. Flat steel imports are a negligible part of domestic consumption (less than 5%). Import of API grade steel is negligible against the total import of flat steel product.
- g. The Indian steel industry is suffering injury on account of lower worldwide demand.
- h. FTA countries like Japan and Korea supply quality steel.
- i. The domestic industry has not been able to supply sufficient quantity of API grade steel in a reasonable period of time.

- j. AMNS, Bao, POSCO and Hyundai are large importers of steel.
- k. Safeguard duty of 25% with basic customs duties will increase the total payable duties to 32.5%, whereas the pipe attracts a custom duty of 10%.
- l. BIS, DMI&SP by the Ministry of Petroleum and Natural Gas and local content policy already discourage imports.

XXII. Metal & Stainless-Steel Merchants Association

27. The interested party made the following submissions:

- a. The POI is too short to draw a fair conclusion given the abnormal demand fluctuations during and post-COVID.
- b. India has been a net exporter of steel for the last four years except 2023-24.
- c. India's steel import volumes play a vital role in matching the robust demand for steel in the country. A sudden change in policy could play a vital role in matching the robust demand for steel in the country.
- d. The rise in steel prices due to limited number of BIS certified manufacturers should also be considered in the investigation since this scheme has increased the prices of the goods.
- e. Flat steel products are critical to India's economy. 60% of India's production is controlled by just five firms, whereas numerous small businesses depend on affordable flat steel to remain competitive.
- f. China has withdrawn the 13% rebate on steel since April 2021.
- g. Large amounts of steel are being imported duty free from Japan under the FTA.
- h. The Indian government has already protected Indian firms through measures such as tariffs from 7.5% to 12.5%. Higher duties of 15% on stainless steel pipes to discourage imports but also rise costs for users.
- i. To counter cheaper imports, India imposes anti-dumping duties from USD 246 to 307 on stainless steel pipes from Vietnam and Thailand.
- j. SIMS mandates importer registration, however, due to procedural delays, the supply chains are affected.
- k. Specialized products should be excluded from the investigation.

XXIII. Taiwan Steel & Iron Industries Association

28. The interested party made the following submissions:

- a. Taiwan may be excluded from the measure since its share in the total imports of the PUC into India has been below 3%.
- b. Taiwan may be considered as a developing country since it has acceded to WTO as a developing country since 2002. Taiwan is a member of the Asian Group of Developing Countries. Taiwan has been consistently classified as a developing country by the UN and in the 2023 and 2024 reports of the World Economic Situation and Prospects.
- c. Imports from South Korea, China and Japan are the predominant cause of import surge, accounting for 80% of total imports into India.
- d. India may adopt a country-specific tariff quota as an effective measure instead of a duty.

XXIV. Hyundai Transys Lear, Hwashin Automotive India Pvt. Ltd., HIS Automotives Pvt. Ltd., HL Mando Anand India Pvt. Ltd., Daeseong India Automotive Pvt. Ltd.,

29. The interested parties made the following submissions:

- a. The imposition of the duties will significantly raise the cost of raw materials, making them uncompetitive and less viable when compared to the finished products.
- b. Downstream users will be under additional financial burden.
- c. There is a risk of factory shutdown if the safeguard duty is imposed as the downstream users' operation could become unfeasible.
- d. The measure could cause loss of jobs.

XXV. Construction Federation of India

30. The interested party made the following submissions:

- a. A balance must be struck between protecting the domestic industry and meeting the critical needs of infrastructure projects. There is a need for sustainable and transparent supply chain.
- b. Domestic steel prices remain significantly higher than international benchmarks despite decline in raw material costs.
- c. From March 2022 to July 2024, the cost of raw material (iron ore and coking coal) dropped by INR 30,146 per MT, yet the domestic steel prices declined by only INR 18,000.
- d. There is limited competition in the steel supply since 60-70% of India's steel production is concentrated among 5 to 6 manufacturers, which limits competition and creates supply constraints.
- e. Government tenders link the steel price variations to wholesale price index, which moves slowly. Construction companies lose INR 4,000 to 8,000 per MT, which amounts to a loss of INR 30,000 to 60,000 crores annually.
- f. The safeguard duties will increase the prices, impacting construction costs. Steel manufacturers enjoyed a significant profit margin due to previous protective measures.
- g. There are several tariff and non-tariff barriers to steel imports, which affects infrastructure projects, such as QCOs, SIMS, high tariffs, limited alternatives, export-oriented manufacturers. These lead to higher costs and impact supply chains, which could result in increased project costs and delays in urban and rural infrastructure.
- h. India's per capita steel consumption is 83kg, which is far below global average. The target should be 160 kg per person by 2030. For this, steel availability must increase.
- i. The domestic industry's production is insufficient to meet the rising demand of 230 MMT by 2030.
- j. The government must ease non-tariff barriers, streamline certification process, revise price variation mechanisms, establish a steel price stabilization fund, encourage long-term contracts between steel suppliers and infrastructure developers, promote competition in steel supply, streamline the import monitoring system, invest in domestic production, foster public private partnerships, facilitate balanced growth and research and development and international collaboration.
- k. The MOOWR scheme must provide for an exemption to QCOs similar to the advance authorisation program.

D. THE PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

31. Under Rule 4(2) of the Rules, the Authority is required to identify the article liable for safeguard measure. In terms of

paragraph 3 of the initiation notice¹ the article under investigation is “**Non-Alloy and Alloy Steel Flat Products**” (hereinafter referred to as “Product under consideration” or “PUC”) comprising of five product categories, namely, (a) Hot Rolled (“HR”) coils, sheets and plates, (b) HR Plate Mill Plates, (c) Cold Rolled (“CR”) coils and sheets, (d) Metallic Coated Steel coils and sheets, whether or not profiled, including Galvanneal, Coated with Zinc or Aluminium-Zinc or Zinc-Aluminium-Magnesium, and (e) Colour Coated coils and sheets, whether or not profiled. The PUC is classifiable under Chapter 72 of the Customs Tariff Act, 1975, under tariff heading 7208, 7209, 7210, 7211, 7212, 7225 and 7226. The tariff headings are indicative only and not binding on the scope of the product under consideration.

32. In terms of paragraph 4 of the initiation notice¹, the following products are *excluded* from the scope of the PUC:

- (i) Cold Rolled Grain Oriented Electrical Steel (CRGO)
- (ii) Cold Rolled Non-Oriented Electrical Steel (CRNO) coils and sheets
- (iii) Coated – Electro Galvanized Steel
- (iv) Tinplate
- (v) Stainless steel

33. The applicant provided a brief indicative and non-exhaustive description of each category of the PUC, which is reproduced below:

- a) HR coils, sheets and plates include products that are not further worked than hot-rolled and are flat products of alloy or non-alloy steel, in prime or non-prime condition having ‘as-rolled’ edge or ‘trimmed’ edge or ‘slit’ edge or ‘milled’ edge or ‘sheared’ edge or ‘laser-cut’ edge or ‘gas-cut’ edge or any other type of edges. These products may be pickled or non-pickled (with or without skin-pass), slit or non-slit, normalized or un-normalized, ultra-sonically tested or untested, oiled or non-oiled etc. These products may be ‘as-rolled’ or ‘thermo-mechanically rolled’ or ‘thermo-mechanically controlled rolled’ or ‘controlled rolled’ or ‘normalized rolled’ or ‘normalized’ or subject to any other similar processes. These products may have been subjected to various processing steps like pickling, oiling, rewinding, recoiling, temper rolling, heat treatment, etc. These products may be sand blasted or shot blasted or subjected to similar surface treatment processes. The HR coils, sheets and plates may be produced through the hot strip mill (HSM) route or thin slab casting route.
- b) HR Plate Mill Plates are produced through the plate mill route include products that are not further worked than hot-rolled, and are flat products of alloy or non-alloy steel, in prime or non-prime condition having ‘as-rolled’ edge or ‘trimmed’ edge or ‘slit’ edge or ‘milled’ edge or ‘sheared’ edge or ‘laser-cut’ edge or ‘gas-cut’ edge or any other type of edges. These products may be pickled or non-pickled (with or without skin-pass), normalized or un-normalized, ultra-sonically tested or untested etc. These products may be ‘as-rolled’ or ‘thermo-mechanically rolled’ or ‘thermo-mechanically controlled rolled’ or ‘controlled rolled’ or ‘normalized rolled’ or ‘normalized’ or subject to any other similar processes. These products may have been subjected to various processing steps like pickling, oiling, heat treatment, etc. These products may be sand blasted or shot blasted or subjected to similar surface treatment processes.
- c) HR Coil, Sheets, Plates and Plate Mill Plates are conventionally used in automotive, oil and gas line pipes/exploration, cold rolled steel products, wind mills, ship building, pipe manufacturing, general engineering & fabrication, construction, capital goods, process equipment for cement, fertilizer, refineries, earth-moving, boilers, pressure vessels, infrastructure projects and many more end-use applications across various sectors and industries.
- d) CR coils and sheets include cold rolled / cold reduced /flat steel products of iron or non-alloy steel or other alloy steel of all widths and thicknesses. The PUC includes cold rolled / cold reduced flat steel products in coils or not in coils, including slit coils or sheets, blanks whether or not annealed or box annealed or batch annealed or continuously annealed or any other annealing process or full hard or partially hard. These products may be oiled or supplied without oil. These products may conform to various qualities of steel

¹ Initiation Notice No. 22/01/2024-DGTR dated 19 December 2024

including but not limited to full hard, partially hard, commercial quality, drawing, deep drawing, extra deep drawing, interstitial free steel, high strength low alloy steels, advance high strength steels, ultra-high strength steels, alloy steels, micro-alloyed steel and various other qualities, whether or not vacuum degassed or any other processes. These steels may be produced and supplied with or without skin pass / temper rolling, whether or not aluminium killed / non-ageing quality and whether or not containing micro-alloying elements. These products are used in applications spread across various end-usages including but not limited to the automotive industry, tractors, bicycles, appliances, furniture, electrical panels, packaging, drums, barrels, general engineering, substrate for coating, color coating galvanizing, metal-coating / plating, tin plate, pipe and tube manufacturing, general engineering and many more end-use applications across various sectors and industries.

- e) Metallic Coated Steel coils and sheets, whether or not profiled, include Galvanneal, Coated with Zinc, Aluminium-Zinc, or Zinc-Aluminium-Magnesium. Coated steels can be alloy or non-alloy steels, prime or non-prime quality. Coated steels can also be supplied as laminated or without lamination, lacquered or non-lacquered, skin-passed with a variety of spangles, with coatings of different composition and weight including differential coatings on either side. Coated steels are mainly used for protection against corrosion. Coated steels are used in Roofing application, appliances, renewable energy, automotive, general engineering and many more end use applications.
- f) Colour-coated coils and sheets include coated products that undergo the colour-coating process. These products are either of alloy or non-alloy steel, whether of prime or non-prime quality, coated on one-side or both sides, either in the form of coils or plain sheets or profiled sheets including but not limited to trapezoidal, sinusoidal, corrugated or any other type of profile. These products are available in various paint qualities and a variety of paint colours, whether or not precoated with primer or any other suitable material. These products may either be painted on top surface of the steel sheet or on the bottom surface or on both top and bottom surfaces. This product may be supplied with or without guard film/lamination. These products offer resistance to corrosion along with barrier protection and are, therefore, used in many applications and sectors, including but not limited to construction, roofing, walling, panelling, cladding and decking, automotive, white goods and appliances, furniture, and many more end use applications.

34. The Authority notes that the PUC ‘non-alloy and alloy steel flat products’ comprises of five distinct categories. No interested party has made any comments regarding the single product category. However, several interested parties have made comments on the five categories of products individually. Interested parties submitted that the definition of the PUC is overly broad since it comprises of five different categories of products that are not inter-se substitutable, meaning that they are neither like nor directly competitive with one another. Interested parties further submitted that each of these five different product categories exhibit different trends in terms of import volumes and injury to the domestic industry, therefore, the five product categories must be investigated separately.
35. The domestic industry submitted that neither the Agreement on Safeguards, nor the domestic laws define the term “product under consideration”. The domestic industry relies on the WTO Panel Report of *Dominican Republic – Safeguard Measures* to contend that the Agreement on Safeguards does not govern the selection, description, analysis and determination of the PUC, and that the Agreement on Safeguards does not impose an obligation with respect to the definition or scope of the PUC.² The domestic industry also relies on *EU – Safeguard Measures on Steel (Turkey)*³ to submit that in the underlying investigation therein, the EU had selected 26 different “product categories” as the PUC, even though they are not inter-se substitutable. The Panel held that there were no inconsistencies in the wide definition of the PUC adopted by the EU.
36. The Authority notes the observations of the WTO Panel in *Dominican Republic – Safeguard Measures*, and *EU – Safeguard Measures on Steel (Turkey)*. Particularly, the Authority takes note of the underlying investigation undertaken by the European Commission, where the scope of the PUC comprised of 26 distinct product categories that

² Para 7.177

³ Para 7.34

were not substitutable with one another. Consistent with this well well-established international legal principle in safeguard investigations, the Authority notes that there is no bar in including multiple different product categories within the scope of a single PUC definition in a safeguard investigation. The Authority further notes that neither the Act, nor the Safeguard Rules stipulate that the PUC must be defined in a manner that all product categories of the PUC must be substitutable with one another.

37. The Authority recognizes that the distinct categories of the product are its variants in a production value chain and their holistic examination is compatible with the objective of an effective trade remedy solution for the PUC. Thus, the Authority considered it appropriate to examine the product as a whole as well as each of the five categories individually to the extent considered necessary. The Authority notes that this would address the concerns of certain interested parties regarding the alleged different trends exhibited by different categories of the PUC.

Product exclusion requests

38. The Authority received requests from several interested parties for exclusion of certain grades from the scope of the PUC, a brief summary of which is given below:

- a) Regarding the appropriate legal standard for consideration of exclusion requests, the interested parties submitted that the Agreement on Safeguards, read with the Act and the Rules stipulate that the safeguard measure may be imposed on the imports of a product that is “like” or “directly competitive” with the products manufactured by the domestic industry. It was submitted that in terms of Rule 2(e) of the Safeguard Rules, “like articles” refers to products that are identical or alike in all respects. It was submitted that assessment of whether two products are like articles entails an examination of the physical or chemical characteristics, product specifications, pricing, functions and end-uses, user requirements, user perception, manufacturing process and technology, distribution and marketing, tariff classification, technical and commercial substitutability and domestic production.
- b) Regarding “directly competitive articles”, the other interested parties submitted that domestically produced products and imported products may be regarded as directly competitive if the two offer alternative ways of satisfying a particular need or taste. The other interested parties further submitted that the WTO Appellate Body in *US – Cotton Yarn* recognized the exclusion of products for having only a tenuous competitive relation with the product produced by a domestic industry. The other interested parties further submitted that in past safeguard investigations, the Authority excluded products from the scope of the PUC if it was demonstrated that the domestic industry did not manufacture the “like or directly competitive article”.
- c) The other interested parties further submitted that the burden of proof lies with the applicant to demonstrate that it manufactures like or directly competitive articles with reference to the imported PUC. Further, the interested parties stated that the invoices submitted by the domestic industry do not discharge their burden of proof.

39. The domestic industry submitted as follows:

- a) As per WTO Panel Report of *US – Safeguard Measures on Washers* domestically produced products that are not perfect substitutes for the imported products may still be regarded as “like articles” even if the two do not share identical characteristics, as long as a competitive relationship exists between the two products.
- b) In *US – Cotton Yarn*, it was held that “directly competitive” refers to the capacity of two products to compete with one another, and not the actual competition between the two products in the market. The domestic industry further submitted that the assessment of direct competitiveness is of a more general and objective nature, without taking into account the factors specific to each and every producer or consumer.
- c) The burden of proof lies with the other interested parties to demonstrate that the domestic industry has not supplied a like or directly competitive article of the imported grade. The burden of proof must be satisfied with respect to each grade for which a product exclusion is sought.
- d) Almost all interested parties that have requested for the exclusion of certain grades from the scope of the PUC, have done so without provide any evidence whatsoever to demonstrate their claims. The t interested

parties have merely provided a list of several grades of the PUC and have made simplistic assertions that the domestic industry does not produce like or directly competitive products and cannot match the technical specifications of the imported grades.

- e) If a party claims that any grade is not manufactured by the domestic industry or that the technical specifications or quality of the domestically produced goods are insufficient, the burden of proof lies with that party to establish these claims with credible and substantiated documentary evidence. According to the domestic industry, this burden of proof must be discharged with respect to each grade for which exclusion is sought. It is not enough for the interested party to simply provide the name of a particular grade and make unsubstantiated assertions regarding the domestic industry's ability to manufacture a like or directly competitive product. The interested parties must substantiate such claim for each grade with reliable and credible evidence.
- f) The interested parties have not provided any evidence, at the individual grade-level, to demonstrate that the like and directly competitive products are not manufactured by the domestic industry.

40. The Authority reiterates that Agreement on Safeguard does not define the term "product under consideration". Neither does it "*discipline the choice of the product under investigation, in itself.*"⁴ The Agreement on Safeguard merely states that a safeguard measure may be imposed on imports of products that "*cause or threaten to cause serious injury to the domestic industry that produces like or directly competitive products*". (emphasis supplied). Notably, the Agreement on Safeguard acknowledges the possibility of imposing safeguard measures on imports of the article under investigation for which there are like, or directly competitive products produced by the domestic industry.
41. In the anti-dumping agreement, the phrase "directly competitive products" is absent. "Like product" is defined as "*a product which is identical, i.e. alike in all respects to the product under consideration, or in the absence of such a product, another product which, although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the product under consideration.*" The test of "likeness" in the AD Agreement is one that focuses on product characteristics. However, the Agreement on Safeguard covers not only "like product", but also "directly competitive products".
42. The Panel, in *US – Safeguard Measures on Washers*, drew a distinction between the concept of "likeness" and "direct competitiveness" and explained that the Agreement on Safeguards does not mandate that the product under consideration comprise only of "like products", but may also include "directly competitive products":

"7.58. We note in this regard that Article 4.1 defines the domestic industry as producers of "like or directly competitive" products. The parties disagree on the meaning of the conjunction "or" in this phrase. In our view, it is possible that the use of the conjunction "or" in Article 4.1(c) indicates that the concept of likeness is distinct from the concept of direct competitiveness, as the United States submits. However, that term might also indicate, as Korea argues, that an investigating authority is permitted to include products (for the purpose of defining the domestic industry) that, even though they are not like imported products (because for instance they have different physical characteristics), are nevertheless directly competitive with imported products.

...

7.65. That being said, we recognize that competition in a market can manifest itself in various ways. Indeed, competition is not limited to situations where imported and domestic products are close to perfectly substitutable. Thus, to the extent Korea takes the view that "like" under Article 4.1(c) requires close to perfect substitutability between imported and domestic products, we disagree. We see no textual basis for such a view. To the extent an imported product that is not perfectly substitutable with the domestically produced good has the capacity to cause serious injury to that good through some form of competitive impact, we do not see any basis to interpret "like" in Article 4.1(c) to exclude such goods. Instead, an investigating authority is entitled as

⁴ Panel Report, *European Union – Safeguard Measures on Certain Steel Products*, [WT/DS595/R](#) and Add.1, adopted 31 May 2022, 7.34.

part of its causation determination to examine whether that imported product did cause injury to the domestic industry through that competitive effect. We do not consider that the drafters of the Agreement on Safeguards would have intended the domestic industry to be defined in a way that would preclude the investigating authority from making such a causation determination. However, while we recognize that competition can manifest itself in various ways, we do not consider that "like" under Article 4.1(c), interpreted in the context of Article 4 as a whole and Article 2.1, covers products that have been found not to have any competitive relation with imported products."

43. The Panel, in the same report, acknowledged that even if the imported goods are not "like" the domestically produced products, the imported products may nevertheless be subjected to safeguard measures if they are directly competitive with the domestically produced products. The Panel further went on to explain the differences between the legal standard of "likeness" and "directly competitiveness" as follows:

"7.59. The Agreement on Safeguards does not define the term "like". The Oxford English Dictionary defines "like" as "[o]f similar or identical shape, size, colour, character, etc., to something else; having the same or comparable characteristics or qualities as some other person or thing; similar; resembling; analogous". The United States also refers to the Webster Dictionary definition of "like", which is "the same or nearly the same (as in nature, appearance, or quantity)". We also note that the Anti-Dumping Agreement and the SCM Agreement, which require investigating authorities in anti-dumping and countervailing duty investigations respectively to define the domestic industry based on producers of like products, define like product as a product (a) which is identical, i.e. alike in all respects to the PUC; or (b) in the absence of such a product, another product which, although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the PUC. These definitions do not resolve the issue of whether, and if so how and to what extent, competitive relations between imported and domestic products need to be considered as part of a likeness determination. However, when we interpret Article 4.1(c) in the context of Article 4 of the Agreement on Safeguards as a whole, and specifically Articles 4.2(a) and 4.2(b), the meaning of likeness in Article 4.1(c) becomes clearer."

44. To summarize the observations of the Panel, the analysis of "likeness" under the Anti-Dumping Agreement and the SCM Agreement focuses on the product characteristics and not on the competitive relationship between the products. On the other hand, the Agreement on Safeguards has a broader purview that includes competitive relationship between the products.
45. In *US – Safeguard Measures on Washers*, the Panel noted that there is no requirement under the Agreement on Safeguard for there to be a precise "match" between the imported and the domestically produced products, as long as the imported product is directly competitive and substitutable with the domestically produced product:

"7.51. [...] Neither Article 4.1(c) nor any other provision of the Agreement on Safeguards (including the provisions governing the subsequent conduct of the investigation, such as Articles 4.2(b) and 4.2(c)), impose any additional requirements precluding what Korea describes as a "mismatch" between the PUC and the domestically produced good. Article 4.1(c) requires that the domestic industry be defined on the basis of producers of goods that are "like or directly competitive" with the PUC. To the extent the domestic industry is defined based on the producers of like or directly competitive products, there is no additional requirement under Article 4.1(c) for a "match" between the PUC and the domestically produced good. Indeed, accepting Korea's position would mean that the investigating authority would have to exclude a producer of like or directly competitive goods from the scope of the domestic industry because the domestic product, while like or directly competitive, is essentially not the same as (or to use Korea's words, does not "match") the goods included in the PUC. This is at odds with the text of Article 4.1(c). We consider that if Article 4.1(c) were intended to preclude investigating

authorities from defining the domestic industry on the basis of goods that are like or directly competitive but not a "match", the provision would have been drafted differently."

46. The Authority is mindful that in examining the exclusion requests filed by various interested parties, the legal standard that must also be applied is whether the imported product is either "like" or "directly competitive" with the domestically produced product. Previously, in the Safeguard Investigation concerning *solar cells whether or not assembled in modules or panels*, the Authority noted that "common and overlapping application" of products may determine their competitive relationship. In this case, imported products that had overlapping applications with locally produced products were found to be directly competitive and were held to be covered within the scope of the PUC:

"22. Some interested parties have submitted that DI does not possess Thin-film technology and "PERC" (Passivated Emitter Rear Cell) based technology, & Bi-facial N-type solar cells; High efficiency solar cells using 5 and 6 bus bar production terminology; and Solar modules of mono crystalline technology and therefore PUC should be restricted only to the scope of production capability/ production by the DI. I have carefully examined this aspect and noted that Solar cells of various types produced by different technologies vary in terms of efficiency, price, physical characteristics, like size and weight etc. These variations though lead to trade off in price and efficiency, the final usage of the PUC is only to produce power.

23. The Safeguard duty rules (Custom Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997–Notification No. 35/97-NT-Customs dated 29.07.1997 (hereinafter called as Safeguard Rules) hold a domestic producer as "a producer of the like article or directly competitive article in India or a trade or business association, a majority of members of which produce or trade the like article or directly competitive article in India" and "like article" defined as "like article means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation." The common and overlapping applications of PUC establishes that imported and domestically produced subject goods are directly competitive. This therefore does not warrant any exclusion from the scope of PUC as stated in initiation notification. I therefore uphold and confirm the scope of PUC as considered and mentioned in para 5.1 of the preliminary finding dated 5.01.2018."

47. With respect to the burden of proof, the Authority notes that the Hon'ble Supreme Court of India, in the case of *ATMA v. Designated Authority* has noted that the Designated Authority exercises quasi-judicial functions in trade remedy proceedings. The Authority further notes that it is a well-established principle of law that before a quasi-judicial body, the burden to prove a fact lies with the party that asserts the fact. In the case of *State of W.B. v. Atul Krishna Shaw*,⁵ the Hon'ble Supreme Court held that "*in a quasi-judicial enquiry it is for the party who relies upon certain state of facts in their favour to adduce evidence in proof thereof.*"⁶
48. The Authority notes that the test to determine which party has the burden of proof, is which party would fail if no evidence is led. In the instant case, if the other interested parties claim that the DI does not manufacture the like or directly competitive grade, the said claim will fail if no evidence is led by the other interested party. Therefore, the burden of proof lies with the other interested party to adduce documentary evidence to prove their claims. This legal standard has been applied in previous safeguard investigations undertaken by the Authority, most pertinently, in the safeguard investigation concerning *Single Mode Optical Fibre*, where the Authority rejected the request made by a Japanese exporter to exclude certain grades of the PUC citing insufficient evidence:

27. One of the interested parties, SEI Ltd., Japan has claimed that the grades G652, G655 and G 657 manufactured and sold by SEI are different from those manufactured by Domestic Industry on account of the difference in the physical characteristics, customer preference, quality, etc. In this regard, it is noted that the grades of SMOF are defined by the International Telecommunication Union (ITU-T), which are universally accepted. Further, it has been

⁵ 1991 Supp (1) SCC 414.

⁶ *Id.*, para 4.

submitted by the Domestic Industry that their goods compete with those manufactured by SEI Ltd. not only in domestic market but also in international market. It is also not the case of the concerned exporter that grades manufactured by the Domestic industry do not confirm to the technical specification provided by the ITU-T, or that such specifications are vague or incorrect. Thus, in absence of any credible evidence to substantiate SEI Ltd.'s claim that there is any difference or any instance of customer preference in respect of goods manufactured by them over those manufactured by the domestic industry, their argument for exclusion of these grades cannot be accepted.

49. The Authority therefore notes that the burden of proof lies with the interested party that requests for the exclusion of a certain grade to establish its claim.
50. The applicant filed its comments regarding the exclusion requests filed by various interested parties. The Authority has examined the exclusions requests received from various interested parties and the submissions of the domestic industry. In evaluating the claims and counterclaims regarding exclusion requests, the Authority considered the following legal standard to be appropriate.
51. Considering the legal standards as mentioned above, the Authority has formulated principles for their application to the investigation on hand and examined comments of the interested parties. The Authority notes that some of the importers, users and exporters have cited grounds such as lack of ability of domestic industry to manufacture certain product grades, lack of sufficient domestic production volumes, quality issues or lack of certification of the product made by domestic industry by the buyer/user as grounds for exclusion of specific product grades/types from the investigation. The Authority has examined these concerns. With reference to lack of domestic manufacturing capability, the domestic industry has responded with acceptance of exclusion of some of the products that it does not purport to cover in its application as these are not competing with the products manufactured by the domestic industry. With reference to others for which it has capability to produce, the domestic industry has furnished evidence for supply of the like or directly competing products. On the issue of lack of sufficient domestic production volumes, the Authority notes that the law does not contemplate that the safeguard measure can be imposed only when the domestic industry can fulfil entire domestic demand. The key question to be examined here would be that even if there is a demand supply gap, is the import surge resulting in decline in domestic production, rendering its existing and available capacity idle and thus causing injury to the domestic industry.
52. With reference to the quality issues or lack of certification by the buyer/user, the Authority notes that there is no legal requirement to prove quality as per the satisfaction of the buyer/user. If such a standard is adopted, then buyer/user would be free to reject domestically produced products citing grounds related to quality leaving the domestic industry without any remedy. The Authority further notes that certain interested parties have submitted that the imported grades are of superior quality and that the domestic industry does not manufacture like or directly competitive articles to such grades. The domestic industry submitted that the goods produced and sold by them are compliant with the relevant BIS standards. The domestic industry further submitted that if the interested parties are of the view that the BIS standard is not appropriate, the said party may raise such grievance before the BIS technical committee. The Authority reiterates that quality concerns are not a valid ground excluding a product from the scope of the PUC. The Authority considers that excluding a product grade on the basis of quality claims would undermine the objective of a trade remedy action.
53. The Authority has examined each of the exclusion requests individually in the following paragraphs. The Authority determines that it would be sufficient to examine if the Domestic Industry is producing “like or directly competitive articles”. The likeness can be established if the Domestic Industry is selling articles falling under the same Indian Standards or of the same nomenclature, and the direct competitiveness can be established based on common and overlapping end usage or on the basis of sale to the same customer/s or customers in the same industry. The Authority notes that none of the parties are precluded from offering further comments during the course of the investigation.
54. In response to the exclusion requests filed by various interested parties, the applicant domestic industry agrees, in addition to what is not covered in its application, to the request for exclusion of the following grades / categories: *Nickel Coated / Nickel Plated Cold Rolled Steel; Rubber Coated Steel; Electro Galvanised (EG) – Zinc Nickel Coated*

Steel; Bi-Metal Steel / Bi-Metal Sandwich Steel; Brass Coated Steel Wire (wire is part of long steel products, which are not even covered in the notice of initiation); CRUTONITE; INCONEL; Stainless Steel Items (which are not even covered in the notice of initiation); Aluminium Coated Steel; Aluminium Silicon Coated / Hot Dipped Aluminised Silicon Coated Steel; Hot Rolled Clad Steel Plate; Nickel Plated Steel / Nickel Plated Strip; Copper Plated Steel; Laminated Electro Galvanized (EGI); Cobalt Plated Steel; Silver Plated Steel; Titanium Clad Plates. The Authority, therefore, accepts the exclusion requests for the abovementioned grades.

a) Hyundai Motors India Limited (HMIL)

55. HMIL has requested the exclusion of 196 product grades/types of steel from the scope of the PUC. The exclusion requests have been divided into three broad categories – (a) the products for which the DI does not have capability (38 grades); (b) products for which there are capacity constraints (141 grades), and (c) products for which the domestic industry is not allocating sufficient quantities to HMIL (17 grades).
56. It is noted that HMIL has identified five Indian Standards under which these 196 grades are covered – India Standard (IS) 1079, IS 18385, IS 513 Part 1, IS 513 Part 2, and IS 5986. The submission and categorization of HMIL do not address whether the domestic industry is engaged in manufacturing “directly competitive” articles. Nonetheless, it is assumed that as an automobile manufacturer, the products for which exclusion has been sought are used in automotive applications.
57. As noted above, there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each and every of these 196 grades with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user (such as HMIL) on a standalone basis. Additionally, HMIL has stated that for certain grades, the quality of the goods supplied by the domestic industry is not satisfactory. The Authority notes that differences in the quality of the products cannot be grounds for exclusion of a product from the scope of the PUC. Furthermore, the lack of customer certification is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned customer could deny certification of the domestic industry’s products thereby ensuring that such products do not attract trade remedy measures.
58. The Authority determines that, it would be sufficient to examine if the Domestic Industry is producing “like or directly competitive articles”.
59. As stated earlier, the Authority has accepted the exclusion requests for (a) Aluminium Coated Steel; (b) Aluminium Silicon Coated / Hot Dipped Aluminised Silicon Coated Steel; and (c) and Nickel Coated / Nickel Plated Steel.
60. The applicant, in its submissions, has produced various invoices for products covered under IS 513, IS 1079, IS 18385 and IS 5986. Further, the applicant has provided various invoices covering wide range of HR, CR and Metallic Coated steel sold to automotive companies such as [***], etc. Therefore, the Authority, is unable to accept the exclusion requests of HMIL pertaining to the grades other than the grades that have been accepted by the domestic industry.

b) Hyundai Steel Corporation (HSC)

61. The interested party has requested for the exclusion of a total of 104 product types/grades of products citing reasons of (a) capacity constraints of the domestic industry (14 grades); (b) difficulty in transportation and lead time (6 grades); (c) products not produced by the domestic industry or delay in localization of production (55 grades); (d) quality issues (26 grades); and suppliers designated by project owners.
62. HSC further contends that other jurisdictions have excluded automotive steel from the scope of the PUC in anti-dumping investigations concerning flat steel products. As stated above, unlike the Anti-Dumping Agreement, where the scope of the PUC is limited to “like articles”, the legal standard for the scope of the PUC under the safeguard law includes “directly competitive” articles. Further trade remedy investigations take into account a country’s domestic situation at a particular point in time. The findings of other jurisdictions cannot be automatically adopted. Therefore, the reliance placed by HSC on anti-dumping determinations of other jurisdictions is not tenable.
63. The Authority notes that HSC has not identified the specific Indian standard of the grades for which it has sought exclusion. The submission and categorisation of HSC do not address whether the domestic industry is engaged in

manufacturing “directly competitive” articles. The Authority notes that 87 out of the 104 types/grades of products for which exclusion has been sought have automotive applications, whereas 17 types/grades are used in other sectors.

64. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each and every of these 104 grades with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user (such as HSC) on a standalone basis.
65. HSC claims that the quality of certain grades supplied by the domestic industry is not satisfactory. The Authority notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Additionally, the lack of customer approval (where suppliers are designated by project owners) is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned customer would have the ability to deny approval of the domestic industry’s products thereby ensuring that such products do not attract trade remedy measures. Further, the difficulty in transportation is not a justifiable ground for seeking exclusion of a product since this neither disproves the substitutability of the product, nor the ability of the domestic industry to manufacture like or directly competitive articles.
66. Among the 87 automotive grades of steel, HSC’s request covers GI/GA, Aluminium-Silica coated, High Strength and Ultra-High Strength Steel, and Ultra Deep Drawing Steel. As stated earlier, the Authority has accepted the exclusion requests for (a) Aluminium Coated Steel; (b) Aluminium Silicon Coated / Hot Dipped Aluminised Silicon Coated Steel.
67. With respect to the remaining product types/grades having automotive application, the Authority notes that HSC has not provided the corresponding Indian Standard for the grades for which it seeks exclusion. The applicant has provided various invoices covering wide range of HR, CR and Metallic Coated steel sold to automotive companies such as [***], which demonstrates that the domestic industry has supplied articles that have common and overlapping usage with the products for which HSC has sought an exclusion. These products are therefore directly competitive. Therefore, the Authority, is unable to accept the exclusion requests filed by HSC other than the grades that have been accepted by the domestic industry.
68. With respect to the 17 grades/types which pertain to other application, it is noted that these 17 grades/types include High Strength Special Steel, High Carbon Hot-Rolled Steel, API Certified Hot Rolled Steel, Heavy Plates, etc. The Authority notes that the end usage identified by HSC for these grades/types includes pressure vessels, pipe manufacturing, windmills, shipbuilding, etc. The Authority notes that the domestic industry has filed various invoices, covering sales of several grades of High Strength, High Carbon Steel and Heavy Plates and API Certified Steel, which have common and overlapping usage with the 17 grades/types of steel for which HSC has sought an exclusion. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by HSC pertaining to the grades used in non-automotive applications.

c) The Government of Korea (GOK) and Korea Iron and Steel Association (KOSA)

69. The Government of Korea (GOK) and Korea Iron and Steel Association (KOSA) have made identical requests for the exclusion of 52 grades/types of steel.
70. The GOK requests for the exclusion of the 52 grades/types citing (a) lack of customer approval; (b) insufficient supplies by the domestic industry; (c) quality issues. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each and every of these 52 grades with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The Authority determines, it would be sufficient to examine if the Domestic Industry is producing “like or directly competitive articles”. The Authority notes that the differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Additionally, the lack of customer approval (where suppliers are designated by project owners) is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned customer would have the ability to deny approval of the domestic industry’s products thereby ensuring that such products do not attract trade remedy measures. Similarly, difficulty in transportation cannot be a valid ground for seeking product exclusion because the Authority is only required to examine whether the domestic industry is engaged

in manufacturing “like” or “directly competitive” articles.

71. The Authority notes that the GOK and KOSA have identified 27 types/grades that are used in automotive applications. The applicant has produced various sales invoices of steel with diverse grades supplied to the automotive industry. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by these interested parties pertaining to grades used in automotive application.
72. The Government of Korea and KOSA has further identified products which have usage in construction (4); home appliances (16); solar power plants (3); electrical steel (1); and moulds and tools (1). The Authority notes that the interested parties have not provided Indian standard of the grades/types used in moulds and tools. Therefore, such exclusion requests cannot be considered at this stage for lack of details which could be used to apply the legal test of like and directly competitive articles.
73. The Authority notes that with respect to the products used in home appliances, the domestic industry has provided various sales invoices, covering pre-painted galvanised steel and galvanized steel, which are used in home appliances sold to consumer electronics companies such as [***], etc. Therefore, the Authority, is unable to accept the request to exclude the 16 grades/types used in home appliances.
74. The Authority notes that 2 out of the 52 types/grades which the Government of Korea and KOSA identify are “All electrical steel products which POSCO Maharashtra clears the customs” and “All Hot-rolled coils which POSCO Maharashtra clears the customs”. Due to lack of any legal basis, the Authority is unable to accept such requests for broad company-specific generic exclusions.

d) Nippon Steel Corporation (NSC)

75. Nippon Steel Corporation (NSC) has filed exclusion requests for 312 grades/types of products. The exclusion requests can be categorized under four broad categories: (a) products cannot be manufactured in India; (b) products manufactured in India do not meet steel-users' demand, higher technological specifications and qualities, precise delivery; (c) grades specifically designed to meet the requirements of AM/NS India's rolling and coating lines (d) the quality of the goods supplied by the domestic industry lacks customer certification.
76. The domestic industry submitted that NSC has merely provided the names of the grades for which it has sought exclusion. The domestic industry further submitted that NSC has made assertions that the grades are not manufactured by the domestic industry and that there are no client approvals due to insufficient quality. The domestic industry submitted that the burden of proof lies with NCS to demonstrate the said claims with respect to each of the grades for which NSC has sought exclusion.
77. The domestic industry further submitted that it has filed invoices containing at least [***] sales transactions of Hot Rolled Coils, [***] transactions of HR Plate Mill Plates, [***] transactions of Hot Dipped Galvanized Sheets, [***] transactions of Cold Rolled Coils and [***] transactions of Zinc-Aluminium-Magnesium, which are either like or directly competitive with the articles for which NSC has sought exclusion.
78. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each and every of these 312 grades with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis.
79. The Authority also notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Additionally, the lack of customer approval is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned customer would have the ability to deny approval of the domestic industry's products thereby ensuring that such products do not attract trade remedy measures. Further, difficulty in delivery of product is not a justifiable ground for seeking exclusion of a product since this neither disproves the substitutability of the product, nor the ability of the domestic industry to manufacture such products.
80. As stated earlier, the Authority has accepted the exclusion requests for (a) Aluminium Coated Steel; (b) Aluminium Silicon Coated / Hot Dipped Aluminised Silicon Coated Steel; and (c) and Nickel Coated / Nickel Plated Steel. The

Authority notes that 8 out of the 312 grades of steel for which NSC has sought exclusion falls under the excluded categories of the PUC.

81. **Hot Rolled Coils** - NSC requested 44 grades/types for exclusion under Hot Rolled Coils, out of which 31 grades/types have usage in Automotive sector. The applicant has provided several invoices covering Hot Rolled products, which were sold to automotive companies such as [***], which demonstrates that the domestic industry has supplied articles that have common and overlapping usage with the products for which Nippon Steel Corporation has sought an exclusion.
82. NSC has also claimed exclusion for 13 grades/types which it supplied to AMNS India for captive usage. AMNS India Ltd. has stated that they are committed to being an applicant/domestic industry and that they are fully aligned with the views of the applicant, with regard to the product scope and the exclusion requests made by various interested parties. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests of these 13 grades.
83. **Hot Rolled Plates** - NSC requested 122 grades/types for exclusion under Hot Rolled Plates having usage in building construction, Boilers, Pressure Vessels construction machinery, Flue-gas treatment equipment used with Coal-fired boilers, waste incineration plants, Manufacturing pipes used for pipeline, Penstock and Home appliances. The Authority examined several invoices provided by domestic industry which demonstrates that the domestic industry has supplied articles that have common and overlapping usage with the above.
84. **Hot Dip Galvanized & Cold Rolled Coils** - NSC have requested exclusion for 32 grades/types under Hot Dip Galvanized and 22 grades/types under Cold Rolled Coils category having usage in Automotive industry. The Authority notes that domestic industry has provided several invoices covering galvanized and cold rolled coils sold to automotive companies such as [***], etc., which have common and overlapping usage with the grades/types Nippon Steel have sought exclusion for.
85. **Coated with Zinc-Aluminium-Magnesium** - NSC have requested exclusion for 92 grades/types under Zinc-Aluminium-Magnesium coated steel category having usage in Solar power generation panel, Automobile manufacturing and Home appliances. The domestic industry has provided several invoices covering Zinc-Aluminium-Magnesium sheets, which have common and overlapping usage with the products for which Nippon Steel Corporation has sought exclusion.
86. Therefore, the Authority, is unable to accept the exclusion requests filed by Nippon Steel Corporation other than the ones accepted by the domestic industry.

e) JFE Steel Corporation (“JFE”)

87. **Coated Steel** - JFE had asked for the exclusion of 37 different grades of Coated Steel from the scope of the PUC. The exclusion requests have been divided into two broad categories – (a) the products / grades that the DI does not produce (13 grades), (b) The products for which the DI does not have the capacity to meet the specific requirements and also there is no customer approval (24 grades). All the grades of coated steel are stated to have an end use for the purposes of “automobile”.
88. The domestic industry submitted that JFE has merely provided the names of the grades for which it has sought exclusion. The domestic industry further submitted that JFE has made assertions that the grades are not manufactured by the domestic industry and that there are no client approvals due to insufficient quality. The domestic industry submitted that the burden of proof lies with JFE to demonstrate the said claims with respect to each of the grades for which JFE has sought exclusion.
89. The domestic industry further submitted that it has filed invoices containing at least [***] sales transactions of Hot Rolled Coils, [***] transactions of HR Plate Mill Plates, [***] transactions of Hot Dipped Galvanized Sheets, [***] transactions of Cold Rolled Coils and [***] transactions of Zinc-Aluminium-Magnesium, which are either like or directly competitive with the articles for which JFE has sought exclusion.
90. Authority notes that the JFE has provided various Japanese Standards under which the 37 grades for which exclusion is requested are covered. No corresponding Indian Standard grade for any of the said Coated Steel s have been provided. The submission and categorisation of JFE do not address whether the domestic industry is engaged in

manufacturing “directly competitive” articles.

91. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each and every of these 37 grades with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis.
92. Additionally, JFE has stated that for certain grades, the goods supplied by the domestic industry do not match the specific requirements. The Authority notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Furthermore, the lack of customer approval is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned customer would have the ability to deny approval of the domestic industry’s products in order to claim lack thereof as grounds for exclusion during trade remedy measures.
93. The Authority has also examined if the Domestic Industry is producing “like or directly competitive articles”. The Authority notes that the applicant has provided various invoices corresponding to some of the Japanese grades. Furthermore, the applicant has provided various invoices covering coated steel which were sold to automotive companies such as [***], etc. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion the requests filed by JFE.
94. **Cold Rolled Coils** - JFE Steel Corporation had asked for the exclusion of 25 different grades of Cold Rolled Coils from the scope of the PUC. The exclusion requests have been divided into three broad categories – (a) the products / grades that the DI does not produce (2 grades), (b) the products for which DI does not have customer approval (21 grades), and (c) the products for which there is better quality and stable supply from the Japanese exporters. All the grades of cold rolled steel are stated to have an end use for the purposes of “automobile”.
95. The Authority notes that all these grades are covered under IS 513-Part 1 and IS513-Part 2. The submission and categorisation of JFE do not address whether the domestic industry is engaged in manufacturing “directly competitive” articles.
96. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each and every of these 25 grades with identical specifications.
97. Additionally, JFE has stated that for certain grades, the goods supplied by the domestic industry do not match the quality supplied by Japanese exporters. The Authority notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. The Authority also notes that there is no requirement under the law that the domestic industry must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. Furthermore, the lack of customer approval is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned customer would have the ability to deny approval to the domestic industry’s products to seek exclusion during trade remedy measures.
98. The Authority notes that it would be sufficient to examine if the Domestic Industry is producing “like or directly competitive articles”. The Authority notes that the applicant has provides various invoices of steel covered under IS 513. Furthermore, the applicant has provided several invoices covering cold rolled steel to automotive companies such as [***], etc. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion the requests filed by JFE.
99. **Hot Rolled coils** - JFE Steel Corporation had asked for the exclusion of 9 different grades of hot rolled Coils from the scope of the PUC. The exclusion requests have been divided into two broad categories – (a) the products / grades that the DI does not produce (1 grade), (b) the products for which DI does not have customer approval (8 grades). All the grades of hot rolled steel are stated to have an end use for the purposes of “automobile”.
100. It is noted that all these grades are covered under IS-5986 and IS-2062. The submission and categorisation of JFE do not address whether the domestic industry is engaged in manufacturing “directly competitive” articles.
101. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each and every of these 9 grades with identical specifications.
102. The Authority notes that the lack of customer approval is not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned customer would have the ability to deny

approval of the domestic industry's products to ensure that such products are excluded during trade remedy measures.

103. The Authority notes that it would be sufficient to examine if the Domestic Industry is producing "like or directly competitive articles". The Authority notes that the applicant has provided various invoices of steel covered under IS 5986 and IS 2062. Furthermore, the applicant has provided invoices of hot rolled steel which were sold to automotive companies. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by JFE.
104. **Plate Mill Plates** - JFE Steel Corporation had asked for the exclusion of various grades of plate mill plates from the scope of the PUC. The exclusion requests have been divided into three broad categories – (a) the products / grades that the DI does not produce, (b) lesser quality of the products by DI, (c) capacity constraints of the DI. All the grades of plate mill plates are stated to have an end use for the purposes of "construction machine" and "pipe".
105. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each and every grade with identical specifications.
106. JFE has stated that for certain grades, the goods supplied by the domestic industry do not match the quality supplied by Japanese exporters. The Authority notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC.
107. The Authority notes that it would be sufficient to examine if the Domestic Industry is producing "like or directly competitive articles". The Authority notes that the applicant has provided various invoices evidencing the sale of various grades of hot rolled plates having common and overlapping usage with that provided by JFE. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by JFE.
108. **Clad Steel Plate:** JFE Steel Corporation had asked for the exclusion of various grades of clad steel plate from the scope of the PUC. The exclusion requests have been submitted on two grounds: (a) Indian mills cannot produce alike / identical product, and (b) Indian mills do not have approval of critical industry end users for Roll bonded Clad Plate. All the grades of clad steel plate are stated to have an end use for the purposes of oil, gas, fertilizer, petrochemical or hydroelectric.
109. As stated earlier, the Authority has accepted the exclusion requests for clad steel plates. The Authority therefore agrees for the exclusion of clad steel plates from the scope of the PUC. All the grades for which JFE has sought exclusion that fall under the category of clad steel plates are consequently excluded from the scope of the PUC.
- f) Nippon Steel Pipe India Pvt. Ltd., Honda Trading Corporation India Pvt. Ltd., Rajasthan Prime Steel Processing Centre Pvt. Ltd., Renault Nissan Automotive India Pvt. Ltd. and JFE Shoji India Pvt. Ltd.**
110. These interested parties reiterated the exclusion requests made by JFE and Nippon Steel Corporation. Since the Authority has examined the exclusion requests filed by JFE and Nippon Steel Corporation above, there is no necessity to re-examine the same.
- g) The Society for Indian Automobile Manufacturers ("SIAM")**
111. The Society for Indian Automobile Manufacturers ("SIAM") has sought exclusion of 218 grades/types having automotive applications. SIAM claims that the domestic industry does not manufacture the grades with the precise technical specifications required by its Members. The submissions of SIAM do not address whether the domestic industry is engaged in manufacturing "directly competitive" articles.
112. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each of these 218 grades with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The Authority has examined SIAM's request for exclusion of 218 grades/types. Among the 218 types/grades, the Authority notes that certain products, such as electrogalvanized steel, have already been excluded from the scope of the PUC in terms of paragraph 4 of the Initiation Notification. As stated earlier, the Authority has accepted the exclusion requests for Nickel Coated Steel, EG Zinc-Nickel Coated Steel, Bi Metal Sheet, Aluminium Coated Steel, Aluminium-Silicon Coated Steel, Hot Dipped Aluminium Silicon Coated Steel, etc. The specific grades for which SIAM has sought exclusion that fall under these categories are consequently excluded from the scope of the PUC. The Authority notes that the following 32 out of the 218 grades of steel for which SIAM has sought an exclusion request

fall under the grades accepted for exclusion by the domestic industry. The following grades are excluded from the scope of the investigation.

ALCOSTA

SA1D

SA1E

Al-Si coated steel

PHS950Y1300T

PQS340Y410T

SABC1470

"EN 10327 DX56D (ALCOSTA – Hot-dip aluminum silicon coated steel)"

Electro Nickel Coated Cold Rolled Steel Sheet in Coil "Ni Top"

Electrolytically Nickel Plated Cold Rolled Steel (Hillumin)

TS-4525

Durzinklite/NSNC270G

JFE-CGX-EZN*GT ; JFE-CE-EZN* M/GT

EFTSN

HES-JNC270E

JFE-CE-EZNM/GT-0-0/20 (EZNPEN)

JNC270DN

JNC270DNZ

JNC270FNZ

SRNCEN-D

SRNCEN-F

SRNRC390E-F

Welcote (WZLEN)

YJNC270D

YNC270D

YNC270F

Zn-Ni coated steel

SECC

SECC-S

SPCEN-CF-TYPE-D

Aluminium Alloy and base metal Steel

Sandwich Steel (MPM)

113. With respect to the other grades, the applicant has provided invoices covering a wide range of HR, CR and Metallic Coated steel, that were sold to automotive companies such as [***], etc., demonstrating sales of articles that are “directly competitive” with the imported products identified by SIAM.

114. SIAM has also specifically requested for exclusion of products based on the tensile strengths. SIAM requests for the exclusion of products ultra-high tensile steel. The applicant has provided various sales invoices of with steel with diverse tensile strength. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by these interested parties pertaining to grades used in automotive application other than the grades that have been accepted by the domestic industry.
115. The Authority further notes that among its request for exclusion of specific grades/types, SIAM has also made a broad and generic request for the exclusion of “Base HR (POSCO)”. The Authority notes that such broad request of HR steel imported by POSCO is not only unreasonable, but also legally untenable. It is well established that the Authority does not grant company-specific product exclusions. Additionally, SIAM does not explain why the “Base HR (POSCO)” is not directly competitive with the articles manufactured by the domestic industry. Hence, the Authority is unable to accept SIAM’s request for exclusion of “Base HR (POSCO)”.

h) Kia India Pvt. Ltd.

116. The interested party has requested for the exclusion of 34 grades/types of products on the grounds that (a) the domestic industry does not manufacture the products (17); (b) the domestic industry has insufficient capacity to supply the grades in sufficient quantities (12); and (c) there are quality issues associated with the grades supplied by the domestic industry (5).
117. The Authority notes that 2 of the 34 grades/types of products, are aluminium coated and aluminium-silicon coated, which have been excluded as stated earlier. With respect to the remaining 32 grades/types of products for which Kia India Pvt. Ltd. has sought exclusion, the Authority notes that each of these 32 grades/types of products are covered in the exclusion request filed by SIAM, which the Authority has already examined above. The Authority therefore sees no reason to re-examine such exclusion requests.
118. The Authority-notes that 3 out of the 34 grades of steel for which KIA has sought exclusion fall under the under the grades accepted for exclusion by the domestic industry. The following grades are excluded from the scope of the investigation

ALC SACD

AL-SI SABC1470

ZN-NI SRNRC390E-F

- i) S R K steels, Daeseong India Automotive Private Limited, KSH Automotive Pvt Ltd, HYOSUNG TNC Corporation, PYUNG HWA India Pvt Ltd, Arun Agarwal, Daechang India seat Company Pvt Limited, Pennar Industries Limited, Construction Federation of India, Ferrum Extreme Engineering Pvt Ltd, Daebu Automotive Seat India Pvt Ltd, YSI Automotive Pvt Limited, SKH M India Private Limited, DMC Automotive Pvt Ltd, Talbros Automotive Components Ltd, HL Mando Anand India Pvt Ltd, Daechang Seat Automotive Pvt Ltd, Federal Mogul Sealings India Limited, GESTAMP Automotive Chennai Private Limited, Hariom Pipe Industries Limited, HSI Automotive Private Limited , HWASHIN Automotive India Private limited, Windar Renewable Energy Private limited, Hyundai Transys Lear Automotive India Private limited, IFB Automotive Private Limited, JBM Auto Limited, JBM Ogihara Automotive India Limited, JEANUVS Private India Limited, Jaya Springs, KM Seat Company Private Limited, KAD & Co. Pvt Limited, Karison Profiles Pvt Limited, Krishca Strapping Solutions Limited, MACHANI RAMESH ENGINEERING PVT LTD, NVH India Auto Parts Private Limited, PHA India Pvt Ltd, Purohit Steel India LTD, Pushpanjali Drums Private Limited, Severstal, Bundy India Limited, KWANG Sung Brake India Pvt Ltd, PHA India Pvt Ltd, RIKUN MANUFACTURING PRIVATE LIMITED, SRK STEELS, Fine Components and Tools Pvt Ltd, Komos Automotive India Pvt Ltd, UE PRESS TOOLS PRIVATE LIMITED, Sincerity Innovation Technology India Private Limited, Sungwoo Stamping India Pvt Limited, Tadpole Engineering Consultancy Pvt Ltd, Velmurugan Heavy Engg. Inds. Pvt. Ltd., Wooyoung Automotive india Pvt. Ltd, Kumkang Machinery India Pvt. Ltd., VW Impex, Federation of Associations of Maharashtra (FAM), Federation of Kutch Industries, TAIIN Steel Fab and Infra Pvt Ltd, KSH India, PCA**

AUTOMOBILES INDIA PRIVATE LIMITED, POS-Hyundai Steel MFG Pvt Ltd., GRI Towers India Private Limited.

119. The Authority notes that these interested parties have filed exclusion requests without specifying the specific grades/types of products for which it seeks exclusion. Several of these interested parties have sought for a broad exclusion of “alloy steel and ultra high-tension steel” citing that imports are necessary because of “import policy conditions”, “good relations” with foreign producers, and the “difficulty” in purchasing such products from Indian Producers. These interested parties have neither substantiated their exclusion requests with valid and justifiable grounds, nor have they provided the specific grades/types of steel for which they seek exclusion. The Authority is unable to consider such broad and generic exclusion requests. Notwithstanding this, the applicant has provided various invoices of with steel with diverse tensile strength. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by these interested parties pertaining to grades used in automotive application.

j) Indian Pipes Manufacturers Association (IPMA), Man Industries India Limited, Mega Pipes Pvt. Ltd., Maharashtra Seamless Limited, Ratnamani Metals & Tubes Limited and Welspun Corp Ltd. and Jindal India Limited

120. These interested parties have requested for exclusion of various API Grades. These interested parties have conceded that the domestic industry manufactures API Grades. The domestic industry has provided various invoices, covering API Certified Steel. The domestic industry has also provided invoices for the sales of API grade steel to several companies, including [***].

121. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. Given that the domestic industry has supplied API Grade Steel to pipe manufacturers, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by these companies.

k) POSCO, Korea RP

122. The interested party has requested for the exclusion of a total of 111 types / grades of products citing reasons of: (a) quality concerns, (b) products not produced by the domestic industry, (c) vendor certification, (d) capacity constraints of the domestic industry.

123. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each and every of these 111 types / grades with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis.

124. The Authority notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Furthermore, the lack of vendor certification is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned vendor would have the ability to deny certification of the domestic industry’s products thereby ensuring that such products do not attract trade remedy measures.

125. The Authority notes that it would be sufficient to examine if the Domestic Industry is producing “like or directly competitive articles”. The interested party has sought the broad exclusion of Hot Rolled Non-Oriented Electrical Steel (HRNO) and Cold Rolled Full Hard (CRFH) citing quality issues affecting its production of Cold Rolled Non-Oriented Electrical Steel. The Authority notes that this is not a valid ground of exclusion as already discussed above. The interested party has also not provided any precise specification of the product for which it seeks exclusion. Furthermore, the applicant has provided invoices evidencing sale of HR for industrial application and CRFH. The Authority therefore is unable to accept the exclusion request.

126. The interested party has sought the broad exclusion of HR Substrates of Carbon Steel (or Automotive Steel) citing issues relating to quality and vendor approval. The Authority notes that these are not valid grounds of exclusion as already discussed above. The interested party has also not provided any specification of the product for which it seeks exclusion. Furthermore, the applicant has provided several invoices evidencing its sales of to the automotive industry.

Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion request of the interested party.

127. The interested party has sought the exclusion of more than 57 grades of POSCO Magnesium Aluminium Alloy Coating Product. The interested party has also sought the exclusion citing quality concerns, vendor certification, and certain differences in physical and chemical properties. The Authority notes that these are not valid grounds of exclusion as already discussed above. The Authority notes that the applicant has produced invoices demonstrating its sales of Zinc-Aluminium-Magnesium coated products, and also demonstrated supplies to solar power developers or equipment producers. The Authority notes that the interested party has failed to establish that different thicknesses or the different chemical and physical properties of the concerned product are not directly competitive products and do not have common and overlapping end usage with the domestic like article. The Authority therefore is unable to accept the exclusion request of the interested party.
128. The interested party has sought exclusion of more than 18 grades of “Super High Carbon and Alloy High Carbon Steel” citing issues relating to quality and the domestic industry’s inability to provide the same. The Authority notes that quality issue are not valid grounds of exclusion. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each and every of these 18 types / grades with identical specifications. The domestic industry has provided several invoices demonstrating sale of steel with high carbon content, as also invoices, which are supplied to automotive, engineering and machinery manufacturers, such as [***]. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion request of the interested party.
129. The interested party has sought exclusion of more than 11 grades of “Hot-rolled and Plate products under American Petroleum Institute (‘API’)” citing issues relating to quality and the domestic industry’s inability to provide the complete range of API products. The Authority notes that quality issues are not valid grounds of exclusion. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each and every of these 11 types / grades with identical specifications. The Authority further notes that the applicant has provided various invoices evidencing sales of the API grades as provided by the interested party. Therefore, the Authority, , is unable to accept the exclusion request of the interested party.
130. The interested party, under the broad category of Automotive Steel, has sought the exclusion of (A) Galvanised or Galvannealed steel for Automotive use citing issues of supply constraints, the Authority notes that there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis, (B) more than 2 grades of Ultra-High Strength Steel citing the applicant’s inability to manufacture the said product, the Authority notes that the applicant has provided invoices demonstrating sales of products to automobile companies with diverse tensile strengths, (C) more than 4 grades of PHT (Post Heat Treatment) Steel Grades citing he applicant’s inability to manufacture the said product, the Authority notes that the applicant has provided invoices demonstrating sales of PHT Steel grades, (D) more than 6 grades of Advanced High Strength Steel citing that the applicant is not able to produce all grades, the Authority notes that there is no requirement under law for the applicant to prove that it manufactures each and every grade, (E) more than 9 grades of Automotive Steel for Exposed parts including Bake Hardening Steel citing issues relating to vendor approval, the Authority notes that vendor approval is not a ground for exclusion, and (F) “Mild Steel for A-Class unexposed parts with complex shape & Pickled and Oiled steel for Automotive Chassis parts” citing issues relating to vendor approval, the Authority notes that vendor approval is not a ground for exclusion.

I) POSCO Maharashtra Steel Pvt. Ltd

131. The interested party has requested for the exclusion of a total of 52 proprietary types / grades of products, specifically for itself, citing reasons of: (a) quality concerns, (b) vendor certification.
132. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each and every of these 52 types / grades with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis.
133. The Authority notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Furthermore, the lack of vendor certification is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned vendor would have the ability

to deny certification of the domestic industry's products thereby ensuring that such products do not attract trade remedy measures.

134. The interested party has sought the exclusion of 17 proprietary grades of Cold Rolled Full Hard (CRFH) and Hot Rolled Non-Oriented Electrical Steel (HRNO) citing quality issues. The Authority notes that quality issues are not grounds of exclusion. The Authority further notes that proprietary names are company specific and cannot be used by other producers. The Authority notes that the applicant has provided invoices demonstrating its sales of CRFH. Therefore, the Authority, is unable to accept the exclusion request of the interested party.
135. The interested party has sought the exclusion of 35 proprietary grades of "Substrates of Carbon Steel (or Automotive Steel) for POSCO MH" citing quality issues and lack of vendor approval. The Authority notes that these are not valid grounds for exclusion. The Authority further notes that proprietary names are company specific and cannot be used by other producers. The Authority notes that company-specific product exclusions cannot be granted. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion request of the interested party.
136. The Authority determines that, it would be sufficient to examine if the Domestic Industry is producing "like or directly competitive articles". The Authority notes that the domestic industry has supplied various invoices evidencing its supplies to the automotive companies such as [***], etc.

m) POSCO Steele ON, Korea RO

137. The interested party has requested for the exclusion of a total of 4 types / grades of products namely: (1) Aluminized Steel (Brand Name: ALCOSTA), (2) Colour Coated Electro-Galvanised Steel, (3) Coated Zinc-Aluminium-Magnesium (Zn-Al-Mg) Alloy Steel (Brand Name: Macosta), (4) Zinc-Aluminium (Zn-Al) Alloy steel (Brand Name: ALZASTA). Authority notes that the exclusion request for Aluminized steel has been accepted as stated in paragraph no. xxx
138. The Authority notes that it would be sufficient to examine if the Domestic Industry is producing "like or directly competitive articles". The interested party has sought the exclusion of Aluminized Steel (Brand Name: ALCOSTA). As stated earlier, the Authority has accepted the exclusion requests for Aluminized Steel.
139. The Authority understands that Metallic Coated Electrogalvanized Steel would be covered within the exclusion in the notice of initiation, namely, "*Coated – electro galvanized steel*". The Authority also understands the colour coated electro galvanized steel is nothing, but colour coated steel. Accordingly, the Authority is unable to accept the exclusion request filed by POSCO with respect to colour coated electrogalvanized steel.
140. The interested party has sought the exclusion of 'Coated Zinc-Aluminium-Magnesium (Zn-Al-Mg) Alloy Steel (Brand Name: Macosta)' citing, (a) differences in quality between its products and the applicant's product, (b) specialized application and vendor certification, and (c) lack of domestic alternatives. The Authority notes that quality differences and vendor certifications are not valid grounds of exclusion as discussed above. The Authority notes that the law does not require the applicant to prove the manufacture of the grades with identical specifications. The Authority further notes that the applicant has provided invoices demonstrating its sales of Coated Zinc-Aluminium-Magnesium (Zn-Al-Mg) Alloy Steel. The Authority therefore is unable to accept the exclusion requests of the interested party.
141. The interested party has sought the exclusion of 'Zinc-Aluminium (Zn-Al) Alloy Steel (Brand Name: ALZASTA)' citing, (a) differences in quality between its products and the applicant's product, (b) premium pricing of its product. The Authority notes that these are not valid grounds of exclusion. The Authority notes that the applicant has provided invoices demonstrating its sales of Zinc-Aluminium Alloy Steel. The Authority therefore is unable to accept the exclusion request of the interested party.

n) AMNS India Limited and AMNS Khopoli

142. AMNS India and AMNS Khopoli requested for the exclusion of certain grades imported from Nippon Steel Corporation. The Authority has already examined the exclusion request of these grades while examining submissions of Nippon Steel Corporation above.

o) LG Electronics India Ltd.

143. LG Electronics India Ltd. has requested for the exclusion of 4 grades/types used in refrigerators, washing machines and other appliances. LG states that the domestic industry does not manufacture such grades/types and that the domestic industry does not have commercial sales and commercial supplies of the relevant grades. LG further submits that the applicants are unable to meet the quality standards and the quantity requirements of the customers. LG has further requested that the authority replace the word “include” in the definition of the PUC with the word “namely” to clearly indicate that the PUC only covers the five product categories and not the products that are not being manufactured by the domestic industry. The Authority notes that the coverage of product categories needs to be clear and specific and therefore agrees with the request for change from ‘include’ to ‘namely’.
144. The domestic industry submitted that LG has merely provided email correspondences with Tata Steel and JSW, but none of the other domestic producers regarding their inability to supply the PUC. The domestic industry submitted that LG has not provided any evidence that any of the other applicant companies were unable to manufacture and supply the required grades. The domestic industry further submitted that it has filed invoices containing at least [***] transactions involving sale of PPGI and PPGL steel.
145. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The Authority notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Additionally, the lack of customer approval (where suppliers are designated by project owners) is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned customer would have the ability to deny approval of the domestic industry’s products thereby ensuring that such products do not attract trade remedy measures.
146. As stated earlier, the Authority has accepted the exclusion requests for Laminated EGI sheets in the scope of the PUC. With respect to the other grades/types, the domestic industry has provided various invoices covering pre-painted galvanized steel and pre-painted galvanized steel, which are used in home appliances. Additionally, the invoices provided by the applicant indicate sales to consumer electronic companies such as [***], etc. Therefore, no grounds exist for the exclusion of the said articles from the scope of the PUC. LG has also requested that the Authority clarify that the exemption of “Coated-Electro Galvanized Steel” covers “All types of EGI including coated/laminated/printed/painted EGI”. The applicant has agreed for the exclusion of laminated EGI from the scope of the PUC. The Authority understands that Metallic Coated Electrogalvanized Steel would be covered within the exclusion in the notice of initiation, namely, “Coated – electro galvanized steel”. However, the Authority is unable to accept the exclusion request filed by LG with respect to printed/painted electrogalvanized steel.

p) Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd.

147. Godrej has requested for the exclusion of 8 grades/types of products that are used in home appliances (3) and pressure equipment divisions (5). Godrej has further requested that the authority replace the word “include” in the definition of the PUC with the word “namely” to clearly indicate that the PUC only covers the five product categories and not the products that are not being manufactured by the domestic industry. The Authority notes that the coverage of product categories needs to be clear and specific and therefore agrees with the request for change from ‘include’ to ‘namely’.
148. With respect to the 3 grades/types of products used in home appliances, Godrej has submitted that such products are not manufactured by the domestic industry. Godrej claims that the applicant companies have admitted that they are unable meet the technical specifications required by Godrej.
149. The domestic industry submitted that Godrej has merely provided email correspondences with Tata Steel, JSW and AMNS, but none of the other domestic producers regarding their inability to supply the PUC. The domestic industry submitted that LG has not provided any evidence that any of the other applicant companies were unable to manufacture and supply the required grades. The domestic industry further submitted that it has filed invoices demonstrating sales of like or directly competitive articles.
150. With respect to the 5 grades/types used in pressure equipment devices, Godrej admits that the domestic industry manufactures and supplies the said grades/types of products, however, it contends that the technical specifications of the products supplied by the domestic industry do not meet the users’ requirements. Godrej argues that on account of

the differences in technical specifications, the 8 grades/types are not “like” articles to the domestically produced articles.

151. The Authority notes that unlike the anti-dumping agreement where the scope of the PUC is limited to “like articles”, the legal standard for the scope of the PUC under the safeguard law includes “directly competitive” articles.
152. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each these 8 grades with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user (such as Godrej) on a standalone basis. Furthermore, the quality concerns are also not a valid ground for seeking exclusion of a product.
153. The domestic industry has provided various invoices covering pre-painted galvanized steel and galvanized steel, which are used in home appliances. Additionally, the invoices provided by the applicant indicate sales of such products to consumer electronic companies such as [***], etc. Therefore, no grounds exist for the exclusion of the 8 grades/types identified by Godrej from the scope of the PUC. Godrej has also requested that the Authority clarify that the exemption of “Coated-Electro Galvanized Steel” covers “All types of EGI including laminated vinyl-coated”. The Authority understands that Metallic Coated Electro Galvanized Steel would be covered within the exclusion in the notice of initiation, namely, “Coated – electro galvanized steel”. However, in view of insufficient details, the Authority is unable to accept the exclusion request filed by Godrej with respect to laminated vinyl coated electro galvanized steel.

q) Panasonic Life Solutions India Pvt. Ltd.

154. Panasonic has requested for the exclusion of Pre-coated Vinyl coated sheets which are used in refrigerator doors. The Authority has already considered and evaluated similar exclusion requests of LG and Godrej & Boyce above. The Authority thus is not re-examining the same exclusion request made by Panasonic.

r) SSAB Swedish Steel India Pvt. Ltd.

155. SSAB has requested for the exclusion of 51 proprietary grades/types of steel having application in transportation, mining, cement, construction equipment. SSAB states that the proprietary grades/types imported by them “outperform” the equivalent grade produced by the domestic industry and “offers additional value”.
156. At the outset, the Authority notes that the 51 grades/types for which SSAB has sought exclusion are proprietary name of a grade/type produced by a company. Proprietary names are company specific and cannot be used by other producers. The Authority notes that company-specific product exclusions cannot be granted. Additionally, SSAB does not dispute that the domestic industry produces equivalent grades of steel.
157. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The Authority notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Additionally, the lack of customer approval is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned customer would have the ability to deny approval of the domestic industry’s products thereby ensuring that such products do not attract trade remedy measures. The Authority notes that the domestic industry has filed various invoices covering a wide range of High Strength, High Carbon Steel and Heavy Plates, which is directly competitive with the 51 grades/types for which SSAB has sought exclusion. Therefore, the Authority, is unable to accept the exclusion requests of SSAB.

s) Ashok Leyland Defence Systems Ltd.

158. Ashok Leyland Defence has requested for exclusion of 26 grades/types. The Authority notes that each of these 26 grades/types of products are covered in the exclusion request filed by SSAB, which the Authority has examined above. The Authority therefore sees no reason to re-examine such exclusion requests.

t) Tay Nam Steel manufacturing and Trading Co., Ltd.

159. The interested party has requested for the exclusion of GI, GL, PPGI, PPGL. The interested party has provided no

further information regarding the precise grades/types of products for which it seeks exclusion. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The domestic industry has filed various invoices covering colour coated and metallic coated, GI, GL and PPGI steel. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion request filed by Tay Nam Steel.

u) Kobe Steel Limited

160. The interested party has requested for the exclusion of 8 grades of Cold Rolled Coils. Kobe Steel Limited relies on past anti-dumping investigations of the Authority to argue that specific grades that are not manufactured by the domestic industry must be excluded from the scope of the PUC. As stated above, unlike the anti-dumping agreement where the scope of the PUC is limited to “like articles”, the legal standard for the scope of the PUC under the safeguard law includes “directly competitive” articles. Therefore, the reliance placed by Kobe on past anti-dumping determinations is not tenable.
161. The domestic industry submitted that Kobe Steel has merely provided the names of the grades for which it has sought exclusion. The domestic industry further submitted that Kobe Steel has made assertions that the grades are not manufactured by the domestic industry and that there are no client approvals due to insufficient quality. The domestic industry submitted that the burden of proof lies with Kobe Steel to demonstrate the said claims with respect to each of the grades for which Kobe Steel has sought exclusion.
162. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The applicant has submitted various sales invoices of steel with diverse tensile strength. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by these interested parties pertaining to grades used in automotive application.

v) Metal One Corporation India Pvt. Ltd. and Metal One Corporation

163. The interested parties have requested for the exclusion of 12 grades/types of steel. The interested parties submit that the domestic industry does not product the 12 grades/types of steel or like articles. As stated above, the Authority has accepted the exclusion of Aluminium Coated Steel, Aluminium Silicon Coated, Hot Dipped Aluminised Silicon Coated Steel, Nickel Coated Steel, Copper Plated Steel, Titanium Clad Plates, Bimetals, etc. from the scope of the PUC. The grades of steel identified by Metal One Corporation that fall under these categories are consequently excluded from the scope of the PUC. Metal One has further requested that the authority replace the word “include” in the definition of the PUC with the word “namely” to clearly indicate that the PUC only covers the five product categories and not the products that are not being manufactured by the domestic industry. The Authority notes that the coverage of product categories needs to be clear and specific and therefore agrees with the request for change from ‘include’ to ‘namely’.
164. The interested parties have requested for the exclusion of medium to high tensile hot rolled and cold rolled steel coils, hot rolled steel plates, hot rolled steel plates (high tensile), hot rolled abrasion resistant steel plates, ZAM and galvanized steel coils on the grounds that the domestic producers are unable to produce the required specifications, problems with quality and lack of necessary customer approvals. The interested parties further submit that the grades of steel are customized as per the user requirements, which the domestic industry is unable to provide.
165. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The Authority notes that the interested party has not demonstrated that the products supplied by the domestic industry do not have common and overlapping end usage and are not directly competitive.
166. The Authority notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Additionally, the lack of customer approval is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned customer would have the

ability to deny approval of the domestic industry's products thereby ensuring that such products do not attract trade remedy measures.

167. The Authority notes that it would be sufficient to examine if the Domestic Industry is producing "like or directly competitive articles". With respect to Metal One Corporation's request for exclusion of steel with certain tensile strength, the applicant has provided various invoices of with steel with diverse tensile strength. The Authority further notes that the domestic industry has also provided invoices demonstrating sales of various grades of hot rolled steel plate, hot rolled steel abrasion resistant steel plates, ZAM (Zinc-Aluminium-Magnesium) and Galvannealed Steel Coil. Therefore, the Authority is unable to accept the claim of Metal One Corporation for the exclusion of cold rolled steel coil, hot rolled steel coil, hot rolled steel plate, hot rolled steel plates (high tensile), hot rolled steel abrasion resistant steel plates, ZAM (Zinc-Aluminium-Magnesium) and Galvannealed Steel Coil. The Authority further notes that the interested party has sought clarification with regard to Ecolite (Tin-Zinc Coated Steel). However, the interested party has neither provided technical specification of the product nor the end usage, in the absence of such information the Authority is unable to determine whether such product is like or directly competitive with the domestically produced product therefore the Authority is unable to confirm whether Ecolite falls outside the scope of the PUC. Metal One Corporation has also requested that the Authority remove the word "coated" from the exemption to "*Coated-Electro Galvanized Steel*". The Authority understands that Metallic Coated Electrogalvanized Steel would be covered within the exclusion in the notice of initiation, namely, "*Coated – electro galvanized steel*". However, the Authority is unable to accept the exclusion request filed by Metal One Corporation in this regard.

168. The Authority notes that the following 6 out of the 12 grades of steel for which Metal One Corporation has sought exclusion are covered by the exclusions accepted by the domestic industry. The following grades are excluded from the scope of the investigation

Aluminium Coated Steel Coil (USIBOR1500+AS (R1500+AS150)

Copper Plated Strip Coil (MSK-C-DB)

Electro Nickel Coated Steel Coil (Ni-Top);

Welcote Coil (One Side Zn-Ni Electrical Coated Alloy Steel with Special Treatment) Wzlen

Ecolite (Tin-Zinc Coated Steel) TZSE-30/30 TZSC-30/30

Zinklite (Electro Zn-Ni Coated Steel) JNC270DN

w) Shivalik Bimetals Controls Limited

169. The Shivalik Bimetals has requested for the exclusion of 10 grades/types. Shivalik Bimetals claims that the domestic industry does not manufacture these 10 grades/types and that the equivalent grades produced by the domestic industry "are of inferior quality and less-cost effective". Shivalik Bimetals has further requested that the authority replace the word "include" in the definition of the PUC with the word "namely" to clearly indicate that the PUC only covers the five product categories and not the products that are not being manufactured by the domestic industry. The Authority notes that the coverage of product categories needs to be clear and specific and therefore agrees with the request for change from 'include' to 'namely'.

170. The domestic industry submitted that Shivalik bimetal has not provided any evidence to provide that the like or directly competitive article is not manufactured in India.

171. The Authority notes that Shivalik Bimetals' in its submissions has admitted that the domestic industry is engaged in manufacturing equivalent grades, albeit of lower quality and differing in certain physical and chemical properties. It is further relevant to note that the interested party has contended that the manufacturers who have the capability to manufacture cannot produce it economically due to low volumes. The Authority notes that, the claim by the interested party that the domestic industry cannot produce the grades for which exclusion has been sought economically at low volumes suggests customer preference for imports due to their cheap prices and loss of potential sales by the domestic industry. As stated above there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. The domestic industry has produced various invoices covering special alloys. Therefore, the Authority is unable to accept the submissions of Shivalik.

x) Manaksia Steels Limited

172. Manaksia Steels has requested for the exclusion Hot Rolled Steel Coils in widths of 1250 mm and below thicknesses of 2 mm. Manaksia claims that the domestic industry does not manufacture coils with thickness less than 2mm and width below 1250 mm. However, Manaksia has admitted while the domestic industry does have the capacity to manufacture coils with thicknesses below 2mm and width below 1250 mm, it does not do so due to favouring economies of scale. Manaksia has further requested that the authority replace the word “include” in the definition of the PUC with the word “namely” to clearly indicate that the PUC only covers the five product categories and not the products that are not being manufactured by the domestic industry. The Authority notes that the coverage of product categories needs to be clear and specific and therefore agrees with the request for change from ‘include’ to ‘namely’. Where specific claims have been made that the domestic industry does not manufacture particular grades/types of steel, the Authority has evaluated such claims based on the legal standard applicable to safeguard investigations.
173. The domestic industry submitted that Manaksia has not provided any evidence to provide that the like or directly competitive article is not manufactured in India.
174. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. Furthermore, it is by Makasia’s own admission that while the domestic industry has the capability as well as capacity to manufacture and supply steel with thicknesses below 2mm and width below 1250 mm it does not do so out of commercial considerations. Therefore, the possibility of lack of sales due to the domestic industry not being able to fetch a reasonable price for the equivalent grade as a consequence of surge of imports and serious injury on account of it cannot be ruled out.
175. The domestic industry has produced a wide variety of invoices covering different thicknesses and widths of HR steel. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion of steel with thicknesses below 2mm and width below 1250 mm at this stage.

y) Tata Motors

176. Tata Motors has requested for the exclusion of 6 grades/types of steel. Tata Motors submits that the grades are not manufactured in India, the domestic industry is unable to consistently supply sufficient quantities of the grades and the grades imported from Japan are of superior quality.
177. Among these grades, as stated earlier, the request for exclusion of Aluminium Coated Steel, Aluminium Silicon Coated and Hot Dipped Aluminised Silicon Coated Steel has been accepted. The grades of steel that fall under this category are consequently excluded from the scope of the PUC. The Authority further notes that stainless steel has already been excluded from the scope of the PUC in terms of paragraph 4 of the initiation notification.
178. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The Authority further notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Additionally, the lack of customer approval (where suppliers are designated by project owners) is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned customer would have the ability to deny approval of the domestic industry’s products thereby ensuring that such products do not attract trade remedy measures.
179. With respect to the remaining product types/grades having automotive application, the Authority notes that Tata Motors has not provided the corresponding Indian Standard for the grades for which it seeks exclusion. The applicant has provided several invoices covering a wide range of HR, CR and Metallic Coated sold to automotive companies such as [***], etc., which demonstrates that the domestic industry has supplied articles that have common and overlapping usage with the products for which Tata Motors has sought an exclusion. These products are therefore directly competitive. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by Tata Motors. The Authority notes that the following 3 out of the 6 grades of steel for which Tata Motors has sought exclusion fall under the

exclusions accepted by the domestic industry. The following grades are excluded from the scope of the investigation

Hot Dip Alu Si coated steel - Fuel Tank

Hot Dip AluSi USIBOR Steel – BNCAP CRASH

Stainless Steel – Exhaust etc

z) ACMA, NRB Bearing, Sharda Motors Industries Limited, National Engineering Industries Ltd, AISIN Automobiles

180. The interested parties have requested exclusion for 35 grades/types having usage in Automotive industry citing quality issues and capacity constraints. For some grades, interested parties have not provided relevant Indian standard. The Authority further notes that exclusion request for certain grades of rubber coated steel identified by these interested parties has been accepted as stated earlier.

181. The Authority notes that this interested party has conceded that they procure some of the grades from domestic producers. It has however been claimed that, claim that the quality and quantity of the grades produced by the domestic producers is not up to the requirement. The Authority notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Similarly, there is no requirement under the law that the domestic industry must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis.

182. The Authority notes that the applicant has provided several invoices covering a wide range of HR, CR and Metallic Coated sold to automotive companies such as [***], etc, which demonstrates that the domestic industry has supplied articles that have common and overlapping usage with the products for which interested parties have sought an exclusion. These products are therefore directly competitive. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by interested parties.

183. The Authority notes that the following 3 out of 35 grades of steel for which the interested parties have sought exclusion fall under the exclusions accepted by the domestic industry. The following grades are excluded from the scope of the investigation.

EMS200 CRUTONITE

EMS215 Inconel

SWRH72A – Brass Coated Steel Wire

aa) Maruti Suzuki India Ltd.

184. Maruti Suzuki has requested for the exclusion of 22 grades/types of steel. Maruti contends that the grades should be excluded since (a) they are not manufactured in India (11); (b) the domestic industry lack sufficient capacity to meet the requirements of the downstream industry (6) and the grades are only recently being developed in India (5).

185. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis.

186. The Authority notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Additionally, the lack of customer approval (where suppliers are designated by project owners) is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned customer would have the ability to deny approval of the domestic industry's products thereby ensuring that such products do not attract trade remedy measures. The Authority further notes that the domestic industry has provided various invoices demonstrating the sales steel to Maruti Suzuki.

187. The applicant has provided several invoices covering a wide range of HR, CR and Metallic Coated sold to automotive companies such as [***], etc., which demonstrates that the domestic industry has supplied articles that have common and overlapping usage with the products for which Maruti Suzuki has sought an exclusion. These products are therefore directly competitive. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests.

bb) Jay Bharat Maruti Limited

188. Jay Bharat Maruti Limited (“JBM”) has sought for the exclusion of 6 grades/types of steel from the scope of the PUC. JBM states that the said grades are not produced in India. Exclusion of 4 out of the 6 grades for which JBM has sought exclusion, which fall under the category of Aluminium Coated Steel and Nickel Coated Steel has already been accepted.
189. With respect to the two other grades, the domestic industry has provided several invoices covering HRPO Coils that are directly competitive with the grades for which JBM has sought exclusion. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. Given that the domestic industry has produced invoices covering various grades of HRPO Coils that have common and overlapping usage with the grades for which the JBM has sought exclusion, the Authority, is unable to accept the exclusion requests filed by JBM.
190. The Authority notes that the following 4 out of 6 grades for which the Jay Bharati Maruti has sought exclusion fall under the exclusions accepted by the domestic industry. The following grades are excluded from the scope of the investigation
- Aluminium Coated Steel Coils for Exhaust System (SA1D40/40)
 - Aluminium Coated Steel Coils for Exhaust System (SA1E30/30)
 - Nickel Plated Steel Coils Breather Tube (SPCC)
 - Nickel Plated Steel Coils Breather Tube (SPCC)

cc) Katsushiro Matex India Pvt. Ltd.

191. Katsushiro has requested for the exclusion of 4 grades/types of steel supplied by JFE Corporation on the grounds that the needed sizes are not available locally, the local suppliers cannot meet the technical specifications and the minimum order quantity of the domestic producers are higher than the foreign suppliers’.
192. The Authority notes that Katsushiro has sought exclusion for the 4 grades/types of steel supplied by JFE Corporation. Since the Authority has already addressed the exclusion request of JFE Corporation above, there is no necessity to re-examine such exclusion requests.

dd) CSCI Corporation India Pvt. Ltd.

193. CSCI has requested for the exclusion of Cold Rolled Full Hardened Electrical Strips conforming to IS 18316 of 2023, which falls under the definition of Silicon Electrical Steel Strips from the scope of the PUC.
194. The domestic industry submitted that CR Grain oriented Electrical steel and CR non-oriented Electrical steel already stand excluded from the product scope. The domestic industry produces HR required for making electrical steel. Therefore, the domestic industry stated that it does not agree to the exclusion of HR meant for producing electrical steel.
195. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The domestic industry has provided various invoices covering sales of Cold Rolled Full Hardened Steel.

ee) CU Built Engineers Pvt. Ltd., Vestas Wind Technology India Pvt. Ltd. and Senvion Wind Technology Private Limited

196. The interested parties have requested for exclusion of steel plates for wind turbines and prime steel for wind turbine towers. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The Authority notes that the applicant has provided various invoices demonstrating sale of Hot Rolled Plates,

for a wide variety of application, including wind turbines. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion request filed by these interested parties.

ff) Aktien-Gesellschaft der Dillinger Hüttenwerke from Germany

197. Dillinger has requested exclusion for 76 grades of Hot Rolled Plate Mill Plates that fall under nine subcategories, namely, High-strength line pipe plate, Sour service pressure vessel plate, High-strength low alloy pressure vessel plate, High-strength thermomechanically-rolled pressure vessel plate, Pressure vessel plate for high temperature application, Pressure vessel plate for low temperature application (cryogenic), Abrasion-resistant steel plate, High-strength fine grained structural steel plate, Offshore fine-grained structural steel plate, Line pipe plate. Dillinger submits that the plates for which they seek exclusion are used to manufacture line pipe for the production of oil and gas pipelines, high-strength fine-grained structural steel, in the construction of demanding structures such as bridges, in the manufacture of heavy machinery such as earth-moving and mining equipment and pressure vessel steel, in the manufacture of equipment for oil and gas, chemical or pharmaceutical industries, such as reactors, heat exchangers, boilers or pressurized tanks, often sour-gas resistant' from the scope of investigation.
198. Dillinger submits that the domestic industry does not produce the specific grades of steel for which they have sought exclusion. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The domestic industry has provided various invoices covering Hot Rolled Plate Mill Plates and API Certified Steel that are used in varied applications such as construction, heavy machinery, pressure vessels, etc., which are directly competitive with the 76 grades/types for which Dillinger has sought exclusion. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by Aktien-Gesellschaft der Dillinger Hüttenwerke.

gg) Isgec Hitachi Zosen Ltd.

199. Interested Party has requested exclusion for 9 grades of Alloy and Non-alloy Steel Plates and Clad plate covering various grades on the grounds that the grade is not manufactured in India and the Indian producers are unable to meet the specifications laid out by Engineering companies and overseas licensors.
200. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The Authority further notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Additionally, the lack of approval from overseas licensors or engineering companies is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned person would have the ability to deny approval of the domestic industry's products thereby ensuring that such products do not attract trade remedy measures.
201. The domestic industry has provided various invoices covering a wide range of Hot Rolled Plates that was sold to engineering companies such as [***], etc. Therefore, the Authority, is unable to accept the exclusion request filed by Isgec Hitachi.

hh) Ashok Leyland Limited

202. The interested party has requested for exclusion of 4 grades/types falling under the category of Aluminium-Silicon Coated, wear resistant steel and Cold Rolled Galva annealed steel on the grounds that these grades are not produced in India or the domestic industry does not have the capacity to meet the demand in India.
203. As stated earlier the exclusion of aluminium-silica coated steel from the scope of the PUC has been accepted. For the remaining grades, the Authority is of the view that there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The Authority notes that the domestic industry has provided various invoices covering wear-resistant steel and galvannealed steel sold to several parties, including Ashok Leyland, that have common and overlapping end usage with the grades for which Ashok Leyland has sought exclusion. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion request of the interested party.

ii) Daimler India Commercial Vehicles Private limited

204. Interested party has requested exclusion for Aluminized steel or Aluminium coated steel. This has been accepted as mentioned in earlier paragraphs.

jj) Exedy India limited

205. The interested party has requested exclusion of C70-High Carbon Cold Rolled Steel and SCM435-High Carbon Cold Rolled Steel having usage in Automotive sector due to technology not being available with domestic producers.

206. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The Authority notes that the domestic industry has provided invoices for the sales of articles that are directly competitive with the C70 and SCM435 grades for which Exedy has sought exclusion. It may be stated that the domestic industry supplies products that have overlapping usage with the products imported for automotive application. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion request of the interested party.

kk) KG Dongbu Steel, AVIZA Technologies, JR and Company, Maxglobal Techno systems, NEWCORE GLOBAL PVT LTD, Prestomac Finishers, TAIIN Steel Fab and Infra Pvt Ltd and M&B Engineering

207. Interested parties have requested exclusion of 2 grades/types of pre painted and 3 grades/types galvanized steel that are covered under the standards IS 15965, IS 14246, IS 15961 and IS 513, on the ground that the domestic industry lacks capacity to supply the grades in sufficient quantities.

208. The Authority notes that there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The Authority notes that these interested parties have conceded that the domestic producer are able to produce the 5 grades/types of steel for which they have sought exclusion. The concern of the interested party is that the domestic producers are not able to supply sufficient quantities of the grades/types. The Authority notes that there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The Authority determines that it would be sufficient to examine if the Domestic Industry is producing “like or directly competitive articles”.

209. The domestic industry has provided various invoices of steel covered under IS 513 and IS 15961. Additionally, the domestic industry has provided various invoices demonstrating sales of pre-painted galvanized sheets and galvanized sheets that fall under IS 15965 and IS 14246, that are either like or directly competitive articles to the 5 grades/types identified by the interested parties. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by KG Dongbu Steel.

ll) Dongkuk CM, Korea and Dongkuk Steel India Pvt Ltd

210. The interested parties have sought clarification whether exclusion of ‘Coated - Electro Galvanised steel’ also extends to both ‘metallic coated electro-galvanised steel’ and ‘colour coated electro-galvanised steel’.

211. The Authority understands that Metallic Coated Electrogalvanized Steel would be covered within the exclusion in the notice of initiation, namely, “*Coated – electro galvanized steel*”. The Authority also understands the colour coated electro galvanized steel is nothing but colour coated steel. Accordingly, the Authority is unable to accept the exclusion request filed by Dongkuk with respect to colour coated electrogalvanized steel.

mm) Metal and Stainless-Steel Merchants Association

212. The interested party has requested exclusion of Copper-plated steel, Cobalt-plated steel, Silver-plated steel, Armor-wear-resistant steel, Die steel, Aluminized Steel, Nickel-plated steel, Plastic mould steel and power tool steel. The Authority notes that the following 7 grades of steel for which the interested party has sought exclusion fall under the exclusions accepted by the domestic industry. The following grades are excluded from the scope of the investigation.

Copper-plated Steel

Cobalt-Plated Steel

Silver-Plated Steel

Die Steel

Aluminized Steel

Nickel Plated Steel

Plastic mould steel & amp, power tool steel

213. As stated above, the exclusion of copper plated, cobalt plated, silver plated, aluminium coated and nickel coated steel from the scope of the PUC has been agreed. With respect to the remaining grades/types, the interested party has not specified the precise grade or the end use of the grade of steel for which it has sought exclusion. The interested party has also not provided the grounds for which it seeks exclusion of the said grades. The Authority is unable to consider such an unsubstantiated request.

nn) NLMK Clabecq and NLMK India Service Center Private Limited

214. The interested parties have sought exclusion of proprietary grades of high-yield and abrasion-resistant steel plates imported from Italy on the grounds that the plates are priced higher than the plates supplied by the domestic industry.

215. The Authority notes that the grades/types for which the interested parties have sought exclusion are proprietary name of a grade/type produced by a company. Proprietary names are company specific and cannot be used by other producers. The Authority notes that company-specific product exclusions cannot be granted. Additionally, the interested parties have neither provided the corresponding Indian Standard, nor the specific usage based on which the Authority can evaluate the exclusion request.

216. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis.

217. The domestic industry has produced various invoices covering abrasion-resistant and high-yield plate mill plates, that are directly competitive with the grades for which NLMK has sought exclusion. Therefore, no grounds exist to consider NLMK's exclusion request.

oo) Stitch Overseas Private Limited

218. Stitch has requested exclusion for Galvalume Sheets/Coil of Standard specification - ASTM A 792 DS/DQ | YS250 | IS 15961:2012 citing concerns related to customer approval and quality. The Authority notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Additionally, the lack of customer approval is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned customer would have the ability to deny approval of the domestic industry's products thereby ensuring that such products do not attract trade remedy measures.

219. The domestic industry has provided several invoices of sales of Galvalume sheets under IS 15961. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion request filed by Stitch Overseas.

pp) Hella India Automotive Pvt Limited

220. The interested party has requested exclusion of 'Metallic Coated Steel coils and sheets, whether or not profiled, including Galvanneal, Coated with Zinc or Aluminium-Zinc or Zinc-Aluminium Magnesium' having usage in HORN products in Automotive sector. The party requests this exclusion as domestic industry faces technical constraints in achieving the required properties.

221. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The Authority notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. The Authority determines that it would be sufficient to examine if the Domestic Industry is producing "like or directly competitive articles".

222. The Authority notes that domestic industry has provided several invoices for sales of Zinc-Aluminum-Magnesium Coated that have common and overlapping usage with the products for which interested party has sought an exclusion. These products are therefore directly competitive. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by Hella India Automotive Pvt Limited.

qq) Polyhose Sato-Shoji Metal Works Private Limited

223. The interested party has requested exclusion of Wear Resistant Steel being imported from JFE Steel Corporation, Japan citing quality, supply and customer certification concerns. Given that the Authority has already evaluated the exclusion request of JFE above, there is no necessity to re-examine the same request filed by Polyhose Sato.

rr) NTECK Automotive Pvt Ltd

224. NTECK Automotive Pvt Ltd has requested exclusion for S35C grade with sheet thickness 5.90 mm and 6.00 mm, without providing any reasons for its request. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The applicant has provided invoices demonstrating sales of articles that are directly competitive with the S35C grade for which NTECK has sought exclusion. Therefore, the Authority, is unable to accept the exclusion request filed by NTECK.

ss) Toyota Boshoku Device India Private Limited

225. Interested party requested exclusion of 3 grade/types of high tensile steel stating that the domestic producers are unable to produce steel with the specific tolerances. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. The domestic industry has provided multiple invoices demonstrating sales of coils with varying tensile strength. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by Toyota pertaining to grades used in automotive application.

tt) Riddhi Siddhi Special Steel Pvt Ltd.

226. The interested party has requested exclusion for tool and die steel covered under IS 3748, which is used in sectors like die manufacturing, aerospace, engineering, automotive, defence etc. on ground of limited production and supply capability of Indian producers.

227. The interested party has not precisely identified the precise grades for which it seeks exclusion. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The domestic industry has provided several invoices covering wear-resistant steel that have overlapping applications with the steel for which Riddhi Siddhi has sought an exclusion. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by Riddhi Siddhi Special Steel Pvt Ltd.

uu) Sansera Engineering Private Limited

228. The interested party has requested 8 grades/types of PUC citing unavailability of proprietary grade in India and customer mandated source having usage in specialized forging and machining components. The Authority notes that the grades for which Sansera has sought exclusion falls under the HS 7228, which is already out of the scope of the investigation. Therefore, there is no requirement to consider Sansera's exclusion request.

vv) Schaffler India Limited

229. The interested party has requested exclusion of 4 grades/types of PUC having usage in Automotive industry citing quality and supply concerns. The Authority notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis.

230. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove

that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis.

231. The Authority notes that the domestic industry has provided several invoices demonstrating the supply of grades that have overlapping application with the 4 grades/types for which Schaeffler has sought an exclusion. Additionally, the domestic industry has provided several invoices pertaining sales to automotive sector. It may be stated that the domestic industry supplies products that have overlapping usage with the products imported for automotive application. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion request of the interested party.

ww) Tarun International Limited

232. The interested party has requested exclusion for 7 grades/types of High Carbon Hot Rolled Coils citing quality and supply concerns. The Authority is of the view that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis.
233. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis.
234. The Authority notes that the domestic industry has provided several invoices pertaining to sales to different sectors. It may be stated that the domestic industry supplies products that have overlapping usage with the grades for which exclusion has been sought. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion request of the interested party.

xx) TT Steel Services India Pvt. Ltd.

235. TT Steel Services India Pvt. Ltd. requested for the exclusion of “Cold Rolled high tensile steel, Hot Rolled high tensile & Hot Dip Galvanised Steel”. TT Steel has not provided the precise specification of the product for which it seeks exclusion. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The Authority notes that specific product characteristics are customer driven and articles of varying tensile strength are directly competitive with each other. The applicant has produced various invoices of steel with diverse tensile strength. Further, the domestic industry has provided several invoices for galvanised steel. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion requests filed by HSC pertaining to grades used in automotive application.

yy) TATA Steel Downstream Products Ltd

236. TATA Steel Downstream Products Ltd. requested exclusion for Hot Rolled Steel Plates (heat treated abrasion resistant steel plates) of grades 1E1839 and 1E4187. The Authority notes that interested party did not provide any specific grade, product identification, technical specifications or ground from exclusion. Therefore, the Authority is unable to evaluate the exclusion request of Tata Steel Downstream Products Ltd.

zz) Tube Investments of India Ltd (TII).

237. Tube Investments of India Ltd. has requested exclusion for 146+/- 0.5 mm X 9 +/- 0.35 mm thickness steel sheets of grade JSH590RN-P. The Authority notes that interested party has not provided any technical specifications or grounds for exclusion. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The domestic industry has provided invoices demonstrating of sales to Tubes Investment India Ltd. Therefore, the Authority is unable to accept the exclusion request filed by TII.

aaa) Velmurugan Heavy Engg. Inds. Pvt. Ltd.

238. Velmurugan Heavy Engg. Inds. Pvt. Ltd. has requested exclusion for HR Plate Steel (S355J2, NL, Z25, etc.). The Authority notes that interested party has not provided any technical specifications or grounds for exclusion. The

Authority has examined the invoices provided by the domestic industry on a sample basis and is satisfied that the domestic industry has supplied products that are like or directly competitive with the said grades.

239. Interested party have also made requests for exclusion of products from the scope of the PUC citing reasons of lack of quality in the domestically produced goods and the lack of customer certification. The Authority notes that there is no requirement under the law for the Authority to examine or the applicant to prove that it manufactures each grade with identical specifications. Similarly, there is no requirement under the law that the applicant must be able to fulfil the entire demand for the country and each individual user on a standalone basis. The Authority further notes that differences in quality of the products cannot be a ground for exclusion of a product from the scope of the PUC. Furthermore, the lack of customer certification is also not a valid ground for seeking exclusion of a product from the scope of the PUC since this is susceptible to misuse as the concerned customer would have the ability to deny certification of the domestic industry's products thereby ensuring that such products do not attract trade remedy measures. The domestic industry has produced several invoices covering a wide range of HR Plates that are directly competitive with the grades for which Velmurugan has sought exclusion. Therefore, the Authority, is unable to accept the exclusion request filed by Velmurugan.

bbb) All India Metal

240. All India metal has requested for the exclusion of Aluminium Coated and Aluminium Silicon coated steel. The Authority notes that the following 2 grades of steel for which All India Metal has sought exclusion fall under the exclusions accepted by the domestic industry. The following grades are excluded from the scope of the investigation

Hot Dipped Aluminized Steel under HSN 72106900 (89%-95% Aluminium, 5%-11% Silicon)

Nickel plated steel & copper plated steel under HS Code 72269990, 72125090, 72109090 used in Electronic and EV battery

ccc) Mahindra Defence Systems Limited

241. Mahindra Defence has sought exclusion of grades of steel supplied by SSAB. Since the Authority has evaluated the exclusion request filed by SSAB above, there is no necessity to re-examine the same request filed by Mahindra Defence Systems.

ddd) Uno Minda Limited

242. Uno Minda has requested for the exclusion of two specific grades of coated steel for automotive horn application, which have a coating of chromium, molybdenum, nickel, aluminium, titanium, niobium. The Authority has accepted the exclusion of nickel, certain grades of aluminium and titanium coated steel. The grades for which Uno Minda claims exclusion which fall under these categories are consequently excluded.

Conclusion

243. In view of the above observations, the Authority determines the scope of the PUC is as follows:

The product under consideration for the present investigation is "Non-Alloy and Alloy Steel Flat Products", ("PUC"), namely (a) Hot Rolled ("HR") coils, sheets and plates, (b) HR Plate Mill Plates ("PMP"), (c) Cold Rolled ("CR") coils and sheets, (d) Metallic Coated Steel coils and sheets, whether or not profiled, including Galvanneal, Coated with Zinc or Aluminium-Zinc or Zinc-Aluminium-Magnesium ("Coated"), and (e) Colour Coated coils and sheets, whether or not profiled ("CC"). The PUC is classifiable under Chapter 72 of the Customs Tariff Act, 1975, under tariff heading 7208, 7209, 7210, 7211, 7212, 7225 and 7226. The tariff headings are indicative only and not binding on the scope of the product under consideration.

The following products are excluded from the scope of the PUC:

- a) Cold Rolled Grain Oriented Electrical Steel (CRGO)
- b) Cold Rolled Non-Oriented Electrical Steel (CRNO) coils and sheets
- c) Coated - Electro Galvanized Steel

- d) *Tinplate*
- e) *Stainless steel*
- f) *Nickel Coated / Nickel Plated Cold Rolled Steel;*
- g) *Rubber Coated Steel;*
- h) *Electro Galvanised (EG) – Zinc Nickel Coated Steel;*
- i) *Bi-Metal Steel / Bi-Metal Sandwich Steel;*
- j) *Brass Coated Steel Wire (wire is part of long steel products, which are not even covered in the notice of initiation);*
- k) *CRUTONITE;*
- l) *INCONEL;*
- m) *Stainless Steel Items (which are not even covered in the notice of initiation);*
- n) *Aluminium Coated Steel;*
- o) *Aluminium Silicon Coated / Hot Dipped Aluminised Silicon Coated Steel;*
- p) *Hot Rolled Clad Steel Plate;*
- q) *Nickel Plated Steel / Nickel Plated Strip;*
- r) *Copper Plated Steel;*
- s) *Laminated Electro Galvanized (EGI);*
- t) *Cobalt Plated Steel;*
- u) *Silver Plated Steel;*
- v) *Titanium Clad Plates;*

244. The Authority notes that the interested parties have filed exclusion requests covering various proprietary grades of steel. As noted in the relevant portions of the Authority's examination above, the exclusion requests pertaining to proprietary grades are unacceptable as they pertain to a specific company. Therefore, imports of proprietary grades that fall under the abovementioned 22 grades would consequently be exempt from the application of the safeguard duties.

245. Certain interested parties submitted that the domestic industry had agreed for the exclusion of 50 line items, whereas the Preliminary Findings issued by the Authority excludes only 22 grades. The Authority notes that there were several repetitions within the 50 line entries for which the domestic industry has agreed for exclusion.

246. There are no known differences between the imported goods and the goods produced by the applicant companies. The imported goods and the goods produced by the applicant companies are comparable in terms of physical characteristics, manufacturing process, functions and uses, product specifications, distribution and marketing, and tariff classifications. The goods produced by the domestic industry are also technically and commercially substitutable with the imported products. The Authority holds that the products manufactured by the applicant companies and the imported products are "like or directly competitive articles".

E. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

247. Clause (b) of sub-section (11) of Section 8B of the Customs Tariff Act, 1975 defines Domestic Industry (hereinafter also referred to as the "DI"), as follows:

“(b) “Domestic industry” means the producers -

- i. as a whole of the like article or a directly competitive article in India; or
- ii. whose collective output of the like article or a directly competitive article in India

constitutes a major share of the total production of the said article in India.”

248. The petition has been filed by ISA on behalf of seven domestic producers, namely a) AMNS Khopoli Limited; b) ArcelorMittal Nippon Steel India Limited; c) Jindal Steel and Power Limited; d) JSW Steel Coated Products Limited; e) JSW Steel Limited; f) Bhushan Steel & Power Limited; and g) Steel Authority of India Limited. In addition, there are several other producers in India producing all the five categories of the PUC or one or more of the five categories of the PUC. Petitioners presented the Annual Statistics published by the Joint Plant Committee (JPC) of the Ministry of Steel, Government of India for information relating to (a) total number of units in India with State-wise break-down that are involved in the production of various categories of PUC, (b) total annual production and (c) total demand in India. The Authority observes that the JPC data does not provide data for HR Coils and sheets, and HR Plate Mill Plates separately. It provides information for four groups namely (a) HR Flat products that include both HR Coils and Sheets, (b) CR Coils and Sheets, (c) Metallic Coated Steel, and (d) Colour Coated Steel. Therefore, information has been grouped into four categories for determining the standing of the domestic industry, and for considering total demand and market share.

249. Based on the JPC Annual Statistics, the seven petitioner companies collectively account for [***]% of total production in the case of HR Flat products, [***]% in the case of CR Coils and Sheets, [***]% in the case of Metallic coated steel, and [***]% in the case of Colour coated steel as may be seen from the tables below.

Hot Rolled Flat Products

Particulars	Units	FY 2021-22	FY 2022-23	FY 2023-24	POI 1 Oct 23 to 30 Sep 24
Production- Domestic Industry	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	109	117	115
Production- Other Producers	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	102	113	117
Total Domestic Production (as per JPC AS)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	106	116	116
Share of the DI in Total Domestic Production	%	***	***	***	***
	Trend	100	103	102	100

CR coils and sheets

Particulars	Units	FY 2021-22	FY 2022-23	FY 2023-24	POI 1 Oct 23 to 30 Sep 24
Production- Domestic Industry	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	104	111	114

Hot Rolled Flat Products

Particulars	Units	FY 2021-22	FY 2022-23	FY 2023-24	POI 1 Oct 23 to 30 Sep 24
Production- Other Producers	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	87	106	103
Total Domestic Production (as per JPC AS)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	95	109	109
Share of the DI in Total Domestic Production	%	***	***	***	***
	Trend	100	110	102	106

Metallic Coated Steel

Particulars	Units	FY 2021-22	FY 2022-23	FY 2023-24	POI 1 Oct 23 to 30 Sep 24
Production- Domestic Industry	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	105	116	119
Production- Other Producers	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	101	128	119
Total Domestic Production (as per JPC AS)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	104	119	119
Share of the DI in Total Domestic Production	%	***	***	***	***
	Trend	100	101	97	100

Colour Coated Steel

Particulars	Units	FY 2021-22	FY 2022-23	FY 2023-24	POI 1 Oct 23 to 30 Sep 24
Production- Domestic Industry	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	108	117	113
Production- Other Producers	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	92	133	148

Hot Rolled Flat Products

Particulars	Units	FY 2021-22	FY 2022-23	FY 2023-24	POI 1 Oct 23 to 30 Sep 24
Total Domestic Production (as per JPC AS)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	105	121	121
Share of the DI in Total Domestic Production	%	***	***	***	***
	Trend	100	103	97	94

PUC as a whole

Particulars	Units	FY 2021-22	FY 2022-23	FY 2023-24	POI 1 Oct 23 to 30 Sep 24
Production- Domestic Industry	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100%	93%	86%	87%
Production- Other Producers	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100%	103%	89%	88%
Total Domestic Production (as per JPC AS)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100%	97%	87%	87%
Share of the DI in Total Domestic Production	%	***	***	***	***
	Trend	100%	95%	98%	98%

250. One of the applicant companies, namely AMNS India Ltd. had imported [***] MT of the PUC, constituting [***]% of their total production of the PUC during the POI. The Authority notes that the imported volumes have been captively used and that the entity continues to be a major domestic producer of the PUC.

251. Certain interested parties submitted that AMNS India Ltd. and AMNS Khopoli must be excluded from the domestic industry on account of the fact that it has imported the subject goods during the POI. The other interested parties have also highlighted the user industry questionnaire response filed by AMNS, wherein AMNS had requested for the exclusion of 13 grades of steel, citing the domestic industry's alleged inability to manufacture the said grades. The other interested parties also submit that there a conflict of interest since AMNS, which is the domestic industry has sought the exclusion of certain grades of steel that it imports.

252. AMNS India Ltd. and AMNS Khopoli had filed user industry questionnaire responses. Thereafter, AMNS India Ltd. and AMNS Khopoli filed letters indicating their commitment to be a part of the domestic industry. The domestic industry requested the Authority to take note of the said letters filed by AMNS India Ltd. and AMNS Khopoli.

253. The domestic industry further submitted that unlike the Anti-Dumping Rules, Section 8A(11)(b) of the Customs Tariff Act, does not have provisions that stipulate that a producer that imports the subject goods is ineligible to qualify as a constituent of the domestic industry in safeguard investigations. The domestic industry relies on the previous safeguard investigation concerning isopropyl alcohol, where the applicant therein had imported 41% of the total imports of the PUC, which amounted to 76% of its production capacity. In the said investigation, the Authority did not disqualify the applicant as a constituent of the domestic industry.
254. The domestic industry submitted that even under the Anti-Dumping Rules, the High Court has held that an importing applicant may be disqualified as a constituent of the domestic industry only if the nature of its activities has altered to that of a trader. The domestic industry further submitted that in the present investigation, the imports by AMNS and AMNS Khopoli amount to only [6%] of production and [7%] of the domestic sales of these two entities alone. The domestic industry submitted that given the low volume of imports by the two entities in relation to the total production and sales of the PUC in India, the nature of the activities of the two entities remains that of domestic producers of the PUC.
255. The Authority notes that under Section 8(11)(b) of the Customs Tariff Act states as follows:
- (b) “domestic industry” means the producers –
- i. as a whole of the like article or a directly competitive article in India;
- or
- ii. whose collective output of the like article or a directly competitive article in India constitutes a major proportion of the total production of the said article in India.”
256. The Authority notes that the above provision does not contemplate disqualification of an applicant as being a constituent of the domestic industry if such an applicant has imported the PUC. The Authority further notes that in the safeguard investigation concerning Isopropyl Alcohol, an applicant that had imported large volumes of the PUC was not found to be ineligible to constitute the domestic industry. Further, the Authority notes that the High Court of Calcutta in *Gujarat Fertilizers and Chemicals Ltd.* and the High Court of Guwahati in *Century Plyboard*, observed that the question of whether a domestic producer which has imported the subject goods is disqualified from the scope of ‘domestic industry’ must be examined based on the nature of activities carried out by the domestic producer with respect to the imports made by it. In *Gujarat Fertilizers*, the Calcutta High Court held that the producer therein, which had imported 15% of its total production of the subject goods, qualifies as the domestic industry since such imports were made merely to meet its customers’ demands. The High Court observed that the domestic producer was not carrying on the business of import exclusively for trading purposes, and therefore there was no reason to exclude it from the scope of ‘domestic industry’. In the instant case, in the light of the very low volumes of imports of AMNS and AMNS Khopoli, in relation to its total production and sales of the PUC, the Authority notes that the activities of AMNS and AMNS Khopoli remain that of a domestic producer of the PUC. Therefore, the Authority holds that there are no grounds to disqualify AMNS and AMNS Khopoli as constituents of the domestic industry.
257. Certain interested parties submitted that some of the seven applicant companies do not produce certain categories of the PUC and therefore, not all of the applicant companies account for “major share” of production of each category of the PUC individually. The domestic industry submitted that in terms of sub-clause (ii) of Section 8A(11) of the Act, the Authority is required to examine “collective output” of the applicant companies and not the individual output of each company. Therefore, the fact certain applicant companies individually have not produced certain categories of the PUC is of no relevance, since the Authority must examine the “collective output” of the applicant companies.
258. The Authority notes that Section 8A(11)(b)(ii) of the Act defines domestic industry as “producers ... whose collective output of the like and directly competitive article in India constitutes a major share of the total production of the said article in India”. The reference to “collective output” makes it clear that the

production of the applicant companies must be examined as a whole and not on an individual basis. It has been the consistent practice of the Authority, in investigations concerning multiple applicant companies to determine the standing of the applicants in terms of the collective output of all companies and not the production of each individual company.

259. Certain interested parties have submitted that the Authority that Tata Steel Ltd. is not an applicant, however it must be made to file the relevant data for the purpose of injury analysis since it is a major producer of the PUC in India. The domestic industry submitted that that it has demonstrated that it accounts for a major share of the total domestic production of the like or directly competitive product. Therefore, the mere fact that Tata Steel Ltd. has not participated in the investigation cannot be a ground to deny the genuine relief sought by other producers that are suffering from serious injury on account of a surge in imports.

260. The Authority notes that nothing in the Act or the Rules provide mandate the participation of all major producers of the PUC. Section 8A(11)(b) defines “domestic industry” as “*producers ... whose collective output of the like and directly competitive article in India constitutes a major share of the total production of the said article in India*”. Further, Rule 5(1) of the Safeguard Rules stipulates that the Authority shall initiate an investigation on receipt of an application “*by or on behalf of the domestic producer of the like or directly competitive article*”. dia.

261. However, neither Section 8A(11)(b), nor Rule 5 of the Safeguard Rules prescribe the share of domestic production that the applicants must account for. In any event, the term ‘major share’ would be satisfied in this case as the applicant companies account for more than 50% of the total domestic production in India, and accordingly, the Authority holds that the application has been made “*by or on behalf of the domestic industry*”.

262. For the PUC as a whole, the seven petitioner companies collectively account for [***]% of the total production in India during the POI. Therefore, the applicant companies satisfy the definition of “domestic industry” in terms of Section 8B(11)(b)(ii) of the Act. Further, the petition has been filed by or on behalf of the domestic industry within the meaning of Rule 5(1) of the Safeguard Rules. The mere non-participation of a major producer of the PUC does not alter the standing of the applicant companies.

F. CONFIDENTIALITY

263. The domestic industry has provided some information in its application on confidential basis and has requested that it be treated as confidential. The domestic industry has also provided a non-confidential version (NCV) of its application, as required under the Rules. Further, the domestic industry has submitted reasons justifying their claim of confidentiality of this information.

264. Certain interested parties claim that a reasonable summary of the confidential information has not been disclosed in the application. The interested parties submitted that in terms of Trade Notice No. 10/2018, if multiple domestic producers are involved, the non-confidential version of the application must disclose the aggregated data pertaining to the production capacity, production, sales volumes, total number of employees, etc. It was submitted that the non-confidential version of the application fails to disclose the aggregated data for several parameters (such as production, capacity, capacity utilization, sales volume, etc.) as required under Trade Notice No. 10/2018. It was contended that on account of the non-disclosure of key pieces of information, the other interested parties were deprived of their ability to effectively respond to the claims and allegations raised by the domestic industry.

265. The domestic industry submitted that the Trade Notice No. 10/2018 pertains to anti-dumping and countervailing duty investigations and not safeguard investigations. The applicant further submitted that Trade Notice No. 10/2018 itself provides that the Authority may permit deviation from the guidelines contained therein, on a case to case basis, if the party seeking the same can establish a good cause for the same. The domestic industry further submitted that the application contains production and costing details segregated for each of the five categories of the PUC separately. It was further submitted that certain categories of the PUC are only produced by a few of the constituent parties of the domestic industry, not by all. Consequently, disclosing the actual aggregate data for each product category could inadvertently reveal sensitive information about individual producers, making the data identifiable at the party level.

Therefore, the applicant submits that the information was required to be provided in trends. The domestic industry further submitted under Rule 6 of the Safeguard Rules, information presented during the oral hearing shall be taken into account if it is reproduced in writing. The domestic industry submitted that it had circulated the presentation displayed during the oral hearing in its written submissions, therefore, the other interested parties had ample opportunity to rebut the same in their rejoinder.

266. The Authority notes that given that certain product categories are manufactured by only a few applicant companies, disclosure of the actual data for the product categories would result in the disclosure of company specific information. Further, the presentation displayed by the domestic industry during the hearing was circulated to all interested parties in the domestic industry's written submissions. The information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the confidentiality claims have been accepted, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties.

G. MISCELLANEOUS ISSUES

267. Certain interested parties submitted that the present proceedings suffer from a violation of the principles of natural justice for various reasons. The Authority examines the above arguments raised by the interested parties and the domestic industry's response to each of the allegations below:

a. Limited hearing prior to issuance of the preliminary findings.

268. Certain interested parties submitted that the Authority did not conduct a limited public hearing regarding, *inter alia*, the scope of the PUC prior to issuance of the provisional findings. The domestic industry responded to these allegations stating that neither the Act nor the Rules provide for a limited public hearing prior to the issuance of the preliminary findings; it was further contended that the High Court of Madras in the case of *M/s Shapoorji Pallonji Infrastructure Capital Co. Ltd. v. Union of India W.P. No. 1156 of 2018*, has held that there is no requirement for holding a limited public hearing prior to the issuance of the preliminary findings. It was further contended that interested parties were provided an ample opportunity to present their views on the preliminary findings as comments, as well as during the hearing and in the written submissions and rejoinder. The domestic industry further reiterated that the preliminary findings state that "*should any other product be excluded from the scope of the PUC in the final findings, the Authority notes that Rule 15 of the Safeguard Rules entitles importers to a refund on the provisional duty imposed and collected on such articles*".

269. The Authority notes that in the case of *Shapoorji Pallonji Infrastructure Capital Co. Ltd. v. Union of India W.P. No. 1156 of 2018*, the Hon'ble High Court of Madras held that no prejudice is caused to any interested party if the Authority does not hold a public hearing before issuing a preliminary finding since all parties would be permitted to present their views before issuing the final findings. After the preliminary findings were issued, all parties were provided time of 30 days to file their comments thereon. The Authority further held a hearing on 5th and 6th June 2025, after which parties were permitted to file written submissions and rejoinders. Therefore, the Authority notes that all parties were provided a fair opportunity to present their views prior to the issuance of these final findings.

b. Procedural aspects of the oral hearing

270. Interested parties submitted that the Authority granted insufficient time of 3 to 7 minutes to interested parties to make their submissions during the oral hearing. The domestic industry submitted that the time limit granted for the purposes of the oral hearing was adequate and necessitated in light of the large number of interested parties and the limited time available to complete the investigation. It was further submitted that the said time limit was only recommendatory in nature as it was not strictly enforced upon the interested parties during the hearing and in fact, many interested parties exceeded the said time limit. In fact, parties argued for more than 30 minutes on both the days of the hearing. It is due to this reason that the hearing, was extended beyond its intended duration of one day, and was conducted over two days i.e. 5th and 6th June 2025.

271. The Authority notes that more than 240 interested parties had registered as interested parties in the present investigation. Therefore, in the interest of fairness, and on account of the fact the timeframe for the completion of the investigation, the Authority deemed it appropriate to lay down certain disciplines to ensure the timely and orderly

completion of the oral hearing, vide notice dated May 27, 2025. However, the said disciplines were only in the nature of guidelines and were not strictly enforced. Interested parties were permitted to argue in excess of their allocated time. In fact the counsel for the very interested parties that claimed that the time period of 3 to 7 minutes was insufficient was permitted to argue for more than 30 minutes on both days of the oral hearing. Further, all interested parties were permitted to submit written submissions or rejoinders and all such submissions made by the interested parties have been taken into account in terms of Rule 6(6) of the Safeguard Rules.

c. Inconsistency in data periods

272. Interested parties submitted that the Authority adopted inconsistent data periods for examining the increase in imports and serious injury to the domestic industry. The domestic industry submitted that the interested parties have failed to specify the information which it alleges to have been submitted for varying time period and in shifting metrics. The domestic industry submitted that any variance in comparable time periods is to assist the Authority to make a proper and holistic comparison between financial years, calendar years and period of investigation with the respective previous years.
273. The Authority notes that neither the Agreement on Safeguards, nor the Act and the Rules prescribes any guidance regarding the “period of investigation” that may be adopted. In this regard, the Authority refers to the WTO Panel Report in US – Lamb, wherein it was observed as under:

7.196. We note that the Agreement contains no requirements as to how long the period of investigation in a safeguards investigation should be, nor how the period should be broken down for purposes of analysis. Thus, the period of investigation and its breakdown is left to the discretion of the investigating authorities.

...

7.203. We recall that there are no provisions in the Safeguards Agreement which give any guidance on how the period of investigation should be broken down for purpose of analysis by the investigating authorities. In the case before us the period selected by the ITC would have allowed it to find that there was a decrease in the imports if the facts in the case supported such a finding. We do not believe that the methodology chosen by the ITC for the purposes of analysing whether or not there was an increase in imports was inherently biased or would have precluded it from performing a reasonable evaluation of the facts in the investigation. The United States asserts that the ITC acted according to its past practice, and that this shows that the methodology was objective and unbiased. We agree with the United States. The United States responds that a comparison of matching interim periods, in this case January-June, of different years, is the standard ITC practice. According to the United States this standard practice helps eliminate the possible effect of any seasonal or cyclical distortions which may affect the comparison. Although the ITC concedes that line pipe is not a seasonal product, we are of the view that the methodology applied in the comparison was not chosen in order to manipulate the data and show a particular result. Nor is there any evidence of manipulation or bias resulting from an alleged inconsistency with the ITC's serious injury analysis. Although the ITC did make some observations that include or make reference to the second half of 1998 in its determination on serious injury or threat of serious injury, we do not consider that the ITC was comparing the situation in the first half of 1999 to that in the second half of 1998. The ITC was simply describing factual circumstances that existed in the second half of 1998 and the first half of 1999. The ITC was not drawing conclusions based on a comparison of those periods.

274. As explained below, the Authority has examined the increase in imports for three different data periods to conduct a holistic examination of the recent, sudden, sharp and significant increase in imports. The Authority notes that the three methodologies adopted for examining the import trend would eliminate the possibility of distortions or anomalous trade patterns, if any. Further, the Authority has undertaken the injury examination by comparing the data for the period of investigation (October 2023 to September 2024) with the preceding three financial years (i.e., 2021-22, 2022-23 and 2023-24) In any event, the Authority notes that none of the interested parties have demonstrated that the

methodology adopted by the Authority has impacted the analysis undertaken by the Authority.

H. INCREASE IN IMPORTS

275. Rule 2 (c) of the Rules state that ‘increased quantity’ includes increase in imports whether in absolute terms or relative to domestic production. The use of the word ‘or’ indicates that increase either in absolute terms or relative to domestic production is sufficient under the rules. Still, the Authority has examined the increase in imports both in absolute terms and relative to domestic production. In addition, increase in imports relative demand in India has also been examined. The analysis of volume of imports of the PUC into India is performed for the PUC as a whole, and for each of the five product categories thereof individually. Wherever necessary, the Authority made appropriate adjustments to the import data to account for the products/grades that have been excluded.
276. Interested parties submitted that the data on record does not demonstrate a recent, sudden, sharp and significant increase in imports for all five categories of the PUC. It was submitted that the import volumes of Cold Rolled Coils and Sheets declined during the POI as compared to the previous year, whereas the import volume of Metallic Coated Sheets only marginally increased as compared to the previous year. It was further submitted that the increase in imports for all categories of the PUC was not sharp enough or significant enough.
277. The domestic industry submitted that the PUC is “*non-alloy and alloy steel flat products*”. The domestic industry highlighted that in the safeguard investigation undertaken by the European Union (“EU”), the PUC was defined as “certain steel products”, which comprised of 26 ‘product categories’.⁷ It was submitted that four product categories⁸ showed a decline in imports during the most recent period (July 2017 to June 2018) as compared to the immediately preceding year (2017); for 15 product categories,⁹ there was less than a 10% increase in imports during the most recent period as compared to the immediately preceding year. The domestic industry noted that the European Commission observed that there was an increase in volume of imports of the PUC as a whole in both absolute and relative terms.¹⁰
278. The domestic industry submitted that the European Commission thereafter supplemented the examination at the PUC level with a disaggregated analysis at the level of 3 “product families”.¹¹ The domestic industry submitted that the EC found that 2 out of the 3 product families showed declining imports during the most recent period as compared to the previous year (2017),¹² and despite this, the European Commission found that there was “*a sudden, steep, and significant increase of imports both in absolute and relative terms for the product concerned under assessment*”.¹³
279. The domestic industry further submitted that before the WTO Panel, Turkey highlighted the concern that “*imports of certain individual product categories and product families decreased during the most recent part of the POI*”.¹⁴ Turkey further argued that “*for certain product categories and product families imports peaked either in 2016 or 2017, after which they decreased somewhat, although remaining at a higher level than at the beginning of the POI*”.¹⁵ The domestic industry contended that, the Panel found no inconsistencies in the European Commission’s approach in evaluating the increase in imports,¹⁶ since the fact of increase in imports for the PUC as a whole remained

⁷ COMMISSION IMPLEMENTING REGULATION (EU) 2019/159 of 31 January 2019 imposing definitive safeguard measures against imports of certain steel products, <https://eur-lex.europa.eu/legal-content/EN/TXT/PDF/?uri=CELEX:32019R0159&from=EN>, annex II

⁸ *Id.*, Categories 4, 7, 17 and 23.

⁹ *Id.*, Categories 1, 2, 4, 5, 7, 8, 10, 15, 18, 20, 21, 22, 25, 26, 27.

¹⁰ *Id.*, Recital (33)

¹¹ *Id.*, Recital (34).

¹² *Id.*, See table 3.

¹³ *Id.*, Recital (47).

¹⁴ Panel Report – *EU Steel Safeguard (Turkey)*, para 7.177.

¹⁵ *Id.*, para 7.180.

¹⁶ *Id.*, para 7.190.

unchallenged.¹⁷

280. The domestic industry submitted that the facts of the present case are identical to the facts of the case discussed above. In the present case, import trend was considered on three different comparison methods, namely (1) POI and three preceding Financial Years; (2) POI and the corresponding three 12-month periods; and (3) last six months of POI and the corresponding six months of the previous calendar year. In all the three comparison methods, PUC as a whole showed significant increase in imports either in absolute terms or relative to production. In method 1, PUC as a whole and each of the five categories individually recorded significant increase in imports. In method 2, PUC as a whole and each of the five categories individually recorded significant increase in imports during the POI as compared to the base year. There was a miniscule decline in one category namely CR Coils and sheets during the POI as compared to the immediately preceding 12 months period, but even CR Coils and sheets recorded an 18% increase during POI as compared to the base year. In method 3, PUC as a whole and each of the five categories individually recorded significant increase in imports during the last six months of the POI compared to the corresponding periods of the previous financial years. There is, thus, no merit in the contention that there is no recent, sudden, sharp and significant increase in imports of the PUC as a whole or in any of the five product categories individually.
281. The Authority notes that in EU – Safeguard (Turkey), the Panel observed that the methodology adopted by the EU was not inconsistent with the Agreement on Safeguards:

7.29. We note that the panel in Argentina – Footwear (EC) was called upon to assess whether the authority had erred by not examining each injury factor for each segment of the market for the like or directly competitive products. In that dispute, Argentina had defined the like or directly competitive products as all footwear except ski boots. In collecting data from the domestic industry, Argentina had requested a breakdown into five product segments, but it had not then examined each injury factor for each of the five product segments separately, and the European Union argued that, by not doing so, Argentina had acted inconsistently with Articles 2 and 4 of the Agreement on Safeguards. The panel rejected that argument of the European Union. The panel reasoned that, given that the definition of like or directly competitive products (all footwear except ski boots) was not disputed, that definition was decisive. Therefore, Argentina was "required at a minimum to consider each injury factor with respect to all footwear" and was not required to consider each injury factor for each segment of the like or competitive products on a disaggregated basis, although it could do so. We agree with the assessment of that panel, because a Member is required to verify the existence of the necessary circumstances and conditions for the product under investigation as a whole (in the injury determination, for the corresponding like or directly competitive products as a whole), and not necessarily on a disaggregated basis.

[...]

7.69. Turkey argues that the European Commission took an inconsistent approach to the products under investigation because it first gave notice of an investigation into 28 different products, and sought information by product, but then examined sometimes all products together, sometimes each product individually or by family, and sometimes took a combination of these approaches. Turkey adds that the European Commission also acted in a biased manner, because it first reviewed the import trends for each product and excluded the products whose imports had not increased, and then continued the analysis only including those products whose imports had increased.

[...]

7.72. As regards the first of these two contentions, we have found, above, that the European Commission examined the existence of each of the requisite circumstances and conditions for the 26 product categories to which it applied the challenged definitive safeguard, taken together,

¹⁷

Id., para 7.179.

and that for some conditions it supplemented that analysis with an analysis at the level of product categories and/or product families. Given that it applied the definitive safeguard on a product comprising 26 product categories, taken together, the European Commission was required, at a minimum, to investigate the existence of the necessary circumstances and conditions for that product. At the same time, this did not preclude the European Commission from examining that product, additionally, at a more disaggregated level. This being the case, Turkey has not demonstrated that merely by conducting both a global analysis and, in some instances, conducting in addition a more disaggregated analysis, the European Union acted inconsistently with the requirements to publish "findings and reasoned conclusions" (Article 3.1), to "evaluate all relevant factors of an objective and quantifiable nature" (Article 4.2(a)), or to publish "a detailed analysis" (Article 4.2(c)).

282. In the above dispute, the Panel observed that the investigating authorities must, as the minimum, investigate the existence of a recent, sudden, sharp and significant increase in imports for the PUC as a whole. The Authority may thereafter supplement its analysis of the PUC as a whole with an examination of individual product categories.

283. The Authority notes that the PUC is defined as non-alloy and alloy steel flat products. The Authority examines the import trends for the PUC as a whole, and further supplements its examination of the trends at the PUC level with an examination at the level of each individual product category. The import trends are examined below based on the principles discussed above.

II Absolute Terms

284. At the outset, it has been noted that first six months of the POI i.e., from Oct-23 to Mar-24 overlapped the FY 2023-24 and FY 2021-22 was affected by the Covid-19 pandemic. Therefore, imports made during POI were compared with FY 2022-23 to examine whether there is a sudden, sharp and significant increase in imports or not.

285. First, analysis was carried out for the POI (Oct- 23 to Sep-24) and FY 2022-23. –Secondly, data for the POI was compared to the corresponding 12 months of the previous year's i.e. on an Oct – Sep basis for the sake of fair comparison.

Comparison I - POI data with FY 2022-23

286. When data for the POI is compared with FY 2022-23, imports of the PUC as a whole increased from 3.524 million MT (MMT) during 2022-23 to 6.612 MMT during the POI. The cumulative increase was 3.088 MMT or by 88%. On category-by-category comparison, it has been noted that imports of CR Coils and Sheets declined during the same period i.e., there is no surge in imports as shown in the table below.

287. Further, imports of HR Coils and sheets, HR Plate Mill Plates, Metallic Coated Steel and Colour Coated Steel increased year after year except CR Coils and sheets, which declined.

(Volume in '000s of MTs)

Product	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Actual				
HR Coils and Sheets	995	1,926	3,081	3,973
HR Plate Mill Plates	302	312	619	892
CR Coils and Sheets	473	578	515	541
Metallic Coated Steel	381	518	762	803

Product	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Colour Coated Steel	142	190	366	404
Total	2,293	3,524	5,344	6,612
Trend				
HR Coils and Sheets	100	194	310	399
HR Plate Mill Plates	100	103	205	295
CR Coils and Sheets	100	122	109	115
Metallic Coated Steel	100	136	200	211
Colour Coated Steel	100	134	259	285
Total	100	154	233	288

Comparison II – 12 months of Oct-Sep basis

288. The period of Oct-20 to Sep-21 was impacted by Covid. Accordingly, this period was not considered for analysis. When import data is compared on 12 months period of Oct-Sep basis, imports of the PUC as a whole increased by 4.046 MMT or by 157% during Oct-23 to Sep-24 compared to Oct 2023 to Sep 2024. Of the five categories of PUC, four categories (except CR Coils and sheets) recorded a consistent increase year-after-year. Import of CR coils and sheets declined marginally by 0.010 MMT during the POI as compared to the previous 12 months period as shown in the table below:

(Volume in '000s of MTs)

Product	Oct-20 to Sep-21	Oct-21 to Sep 22	Oct-22 to Sep-23	Oct-23 to Sep-24
Actual				
HR Coils and Sheets	1,167	1,158	2,309	3,973
HR Plate Mill Plates	375	316	397	892
CR Coils and Sheets	460	502	551	541
Metallic Coated Steel	369	427	608	803
Colour Coated Steel	198	163	255	404
Total	2,570	2,566	4,119	6,612
Trend				
HR Coils and Sheets	100	99	198	340
HR Plate Mill Plates	100	84	106	238

CR Coils and Sheets	100	109	120	118
Metallic Coated Steel	100	116	165	218
Colour Coated Steel	100	82	129	204
Total	100	100	160	257

III Relative terms

289. For this purpose, both demand and production (net of captive consumption) as per JPC's Annual Statistics were considered.

290. PUC as a whole: The volume of Imports relative to production increased from [***]% during FY 2021-22 to [***]% during the POI, an increase of [***]%. During the same period, imports relative to demand in India increased from [***]% to [***]% as shown in the table below.

Particulars	Units	FY 2021-22	FY 2022-23	FY 2023-24	POI
Imports	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	154	233	288
Domestic Sales of DI	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	122	132	133
Total Demand (JPC AS)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	115	129	139
DI Production (Excluding Captive Consumption)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	108	119	117
Imports relative to					
... Demand	%	***	***	***	***
	Trend	100	134	180	208
... Production	%	***	***	***	***
	Trend	100	142	196	247
Market Share of DI	%	***	***	***	***
	Trend	100	106	102	95

291. HR Flat products: The volume of imports relative to production increased from [***]% during FY 2021-22 to [***]% during POI. During the same period, imports relative to demand increased from [***]% to [***]%.

Particulars	Units	FY 2021-22	FY 2022-23	FY 2023-24	POI
-------------	-------	------------	------------	------------	-----

Particulars	Units	FY 2021-22	FY 2022-23	FY 2023-24	POI
Imports	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	172	285	375
Domestic Sales of DI	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	122	134	132
Total Demand (JPC AS)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	129	147	154
DI Production (Excluding Captive Consumption)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	110	121	118
Imports relative to					
... Demand	%	***	***	***	***
	Trend	100	134	194	244
... Production	%	***	***	***	***
	Trend	100	157	236	318
Market Share of DI	%	***	***	***	***
	Trend	100	94	91	85

292. CR Coils and sheets: The imports relative to production increased from [***]% during FY 2021-22 to [***]% during the POI. During the same period, imports relative to demand increased from [***]% to [***]%

Particulars	Units	FY 2021-22	FY 2022-23	FY 2023-24	POI
Imports	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	122	109	115
Domestic Sales of DI	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	116	126	127
Total Demand (JPC AS)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	85	90	104
DI Production (Excluding Captive Consumption)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	100	110	111

Particulars	Units	FY 2021-22	FY 2022-23	FY 2023-24	POI
Imports relative to					
... Demand	%	***	***	***	***
	Trend	100	143	120	110
... Production	%	***	***	***	***
	Trend	100	122	99	104
Market Share of DI	%	***	***	***	***
	Trend	100	135	139	122

293. Metallic Coated Steel: Imports relative to production increased from [***]% during FY 2021-22 to [***]% during the POI. During the same period, imports relative to demand increased from [***]% to [***]%.

Particulars	Units	FY 2021-22	FY 2022-23	FY 2023-24	POI
Imports	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	136	200	211
Domestic Sales of DI	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	130	141	156
Total Demand (JPC AS)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	113	132	146
DI Production (Excluding Captive Consumption)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	105	116	119
Imports relative to					
... Demand	%	***	***	***	***
	Trend	100	121	152	144
... Production	%	***	***	***	***
	Trend	100	129	173	177
Market Share of DI	%	***	***	***	***
	Trend	100	115	107	107

294. Colour Coated Steel: The volume of imports relative to production increased from [***]% during FY 2021-22 to

***% during the POI. During the same period, volume of imports relative to demand increased from ***% to ***% as shown in the table below.

Particulars	Units	FY 2021-22	FY 2022-23	FY 2023-24	POI
Imports	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	134	259	285
Domestic Sales of DI	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	117	118	117
Total Demand (JPC AS)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	113	127	127
DI Production (Excluding Captive Consumption)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	108	117	113
Imports relative to					
... Demand	%	***	***	***	***
	Trend	100	118	204	225
... Production	%	***	***	***	***
	Trend	100	124	220	252
Market Share of DI	%	***	***	***	***
	Trend	100	103	93	92

295. The above analysis indicates that the volume of imports increased both in absolute terms, and relative to production and demand. The increase in import volumes by 4.319 MMT or by 188% during the injury analysis period is considered to be significant, sudden and sharp. An increase of 1.521 MMT during the POI compared to the immediately preceding FY indicates that it was recent, sudden and sharp. Comparison of imports of the PUC across different time buckets (which are adequately long and recent) in absolute numbers or relative imports (as a share of demand and production) unequivocally show a surge of imports. In view of the above, the Authority holds that the increase in the volume of imports of the PUC as a whole, and the five categories of PUC individually, has been recent, sudden, sharp and significant.

I. UNFORESEEN DEVELOPMENTS

296. The domestic industry submitted that neither the Act nor the Rules stipulate that the existence of unforeseen developments is a pre-requisite for the imposition of the safeguard measure. The domestic industry however, submitted that the increase in imports occurred as a result of the confluence of various unforeseen developments, namely: (a) the wave in trade remedy measures; (b) the global excess capacity crisis; and (c) the changes in ASEAN trade patterns, including the changes in China's policies.

297. Interested parties submitted that the events identified by the domestic industry cannot be described as "unforeseen developments" in terms of GATT Article XIX. It has been submitted that the developments identified by the domestic

industry have been occurring for several years and have been widely discussed and publicised and are not unforeseen.

298. The domestic industry submitted that as per GATT Article XIX, the Authority is not required to examine whether the increase in imports was 'unforeseeable', but rather whether the increase in imports was 'unforeseen' or 'unexpected' and that the question that the Ld. DG must answer is not whether the factors were unforeseeable to India at all, but rather, whether such factors were unforeseen while undertaking the obligations under the GATT. The domestic industry further submitted that the WTO Panel in *US – Steel Safeguard* observed that "*an unforeseen development may evolve from well-known prior facts*".¹⁸ In *EU – Steel Safeguard (Turkey)*, the Panel observed that "[a] development that was unforeseen at the time of contracting an obligation can evolve from a situation that was known at that time".¹⁹

299. The Act and the Rules do not refer to the term "unforeseen developments". However, the Agreement on Safeguards read with Article XIX:1(a) of the General Agreement on Tariffs and Trade (GATT) 1994 is interpreted by Appellate Body²⁰ to mean that an investigating authority is to assess 'if as a result of unforeseen developments and of the effect of the obligations incurred by a contracting party under this Agreement, including tariff concessions, any product is being imported into the territory of that contracting party in such increased quantities and under such conditions as to cause or threaten to cause serious injury to domestic producers in that territory of like or directly competitive products'. The Appellate Body has explained that the ordinary meaning of the phrase 'as a result of unforeseen developments' requires that developments which led to a product being imported in such increased quantities and under such conditions as to cause or threaten to cause serious injury to domestic producers must have been "unexpected"²¹. Further, the Panel and Appellate Body in *US-Steel Safeguards* and *Korea-Dairy* have observed that unforeseen developments are developments that were not foreseen or expected at the time a Member incurred an obligation under GATT²². It has also been held that the term 'Unforeseen developments' denotes not a separate "condition" for the imposition of safeguard measures, but a certain set of circumstances to be demonstrated as a matter of fact²³. The Panel in *US-Steel Safeguards* has also observed that *Article XIX does not preclude consideration of the confluence of multiple developments as "unforeseen developments".....; that the confluence of developments can form the basis of "unforeseen developments" for the purposes of Article XIX of GATT 1994. It is for each Member to demonstrate that a confluence of circumstances that it considers were unforeseen at the time it concluded its tariff negotiations resulted in increased imports causing serious injury*²⁴. Panels and Appellate Body have consistently held that there must be a logical connection between unforeseen developments and the increase in imports. The Appellate Body has observed that '*Investigating authorities must demonstrate the existence of unforeseen development as a matter of fact and a logical connection between the developments and the increase in imports causing injury to the domestic producers*'²⁵.

300. The Authority further notes that an event must be demonstrated to be an unforeseen development at the time of

¹⁸ Panel Reports, *United States – Definitive Safeguard Measures on Imports of Certain Steel Products*, [WT/DS248/R](#) and Corr.1 / [WT/DS249/R](#) and Corr.1 / [WT/DS251/R](#) and Corr.1 / [WT/DS252/R](#) and Corr.1 / [WT/DS253/R](#) and Corr.1 / [WT/DS254/R](#) and Corr.1 / [WT/DS258/R](#) and Corr.1 / [WT/DS259/R](#) and Corr.1, adopted 10 December 2003, para. 10.84.

¹⁹ Panel Report, *EU – Steel Safeguard (Turkey)*, para 7.101.

²⁰ Appellate Body Report, *Argentina – Safeguard Measures on Imports of Footwear (EC)* paras. 78-98 <https://docs.wto.org/dol2fe/Pages/SS/directdoc.aspx?filename=Q:/WT/DS/121ABR.pdf&Open=True> ; Appellate Body Report, *Korea – Definitive Safeguard Measures on Imports of Certain Dairy Products*, WT/DS/98 <https://docs.wto.org/dol2fe/Pages/SS/directdoc.aspx?filename=Q:/WT/DS/98ABR.pdf&Open=True> paras. 76-92.

²¹ Appellate Body Report, *Argentina – Footwear (EC)* para 91, 96, Appellate Body Report, *Korea – Dairy* para. 84, 89.

²² Appellate Body Report, *Korea – Dairy*, WT/DS98, para 89 and Panel Report, *US-Steel Safeguard*, para 10.41

²³ Appellate Body Report, *Argentina – Footwear (EC)* para. 92, Appellate Body Report, *Korea – Dairy*, para. 85

²⁴ Panel Report, *US-Steel Safeguard* para. 10.99

²⁵ Appellate Body Report, *Korea-Dairy*, paras. 81-82

incurring the obligations. The test is not whether the developments were unforeseeable. Rather, the test is whether the same were unexpected at the time of incurring the obligations, i.e. accession to WTO.²⁶

301. In light of the above understanding, the Authority examines whether the facts on record in this case to determine whether the imports have surged as a result of unforeseen developments within the meaning of Article XIX:1(a) of the GATT 1947. The facts on record and their evaluation by the Authority is as follows:

302. The domestic industry has claimed that the volume of imports increased as a result of certain unforeseen developments, namely, (a) multiple trade protection measures against steel products by various WTO Member countries, (b) excess capacity and slowing demand in China, Japan, Korea and ASEAN countries, and (c) changes in ASEAN steel sector. It is necessary to determine whether the said developments are unforeseen and whether the increase in imports is attributable to these unforeseen developments.

a. Multiple trade protection measures

303. Interested parties submitted that trade remedy measures are routine, regular and foreseeable occurrences that are a legitimate exercise of rights under the WTO Agreements. It has been submitted that there have been several trade remedy measures against steel products.

304. The domestic industry noted that the wave of trade remedy measures following the US 232 measures could not have been foreseen by India at the time of undertaking obligations under the GATT. The domestic industry further noted that in EU – Steel Safeguards (Turkey) and in US – Steel Safeguards, the WTO Panel noted that trade remedy measures can constitute “unforeseen developments”.

305. The current wave of trade protection measures against steel products was started by the United States, under Section 232 of the US Trade Expansion Act 1962 concluded that steel articles were being imported into the United States in such quantities and under such circumstances as to threaten to impair the national security of the United States, and imposed a 25% additional duty on all imports of steel products (Chapter 72 and 73) with effect from 23 March 2018. Though certain relaxations were given to certain countries, the 25% additional duty continues to be in force even today. In addition to the above, the United States has also introduced Section 301 tariffs on various goods originating from China including Chinese Steel at 25% from August 1, 2024.

306. In response to the imposition of Section 232 measures by USA on 23 March 2018, several countries imposed protective measures, some of which are listed below:

- i On 15 May 2018, GCC imposed safeguard measures in the form of a specific rate of duty on products falling under HSN Heading 7210. The measure expired on 14 May 2021.
- ii On 18 July 2018, EU imposed safeguard measures in the form of TRQ with over the quota tariff of 25% on all products falling under HSN headings 7208, 7209, 7210, 7211, 7212, 7225 and 7226. The measure still continues.
- iii On 31 Dec 2018, Morocco imposed Safeguard measures on in the form of a TRQ with an over the quota tariff of 16% on products falling under HSN headings 7209, 7210, 7211, 7212, 7225, and 7226. The measures expired recently on 31 Dec 2024. On 19 June 2020, Morocco imposed safeguard duty of 25% (no quota) on certain steel products. The measure still continues.
- iv GCC imposed a safeguard measure under HSN heading 7210 on 15 May 2018 which expired on 14 May 2021.
- v The Board of Eurasian Economic Commission imposed a safeguard measure in form of quota under HSN headings 7208, 7211, 7225, 7226 on 1 December 2019, which was in force for a year.
- vi Canada imposed a safeguard measure under HSN heading 7306, 7305, 7304, 7227, 7226, 7225,

²⁶ Panel Report, *Dominican Republic – Safeguard Measures on Imports of Polypropylene Bags and Tubular Fabric*, [WT/DS415/R](#), [WT/DS416/R](#), [WT/DS417/R](#), [WT/DS418/R](#), and Add.1, adopted 22 February 2012, para. 7.133. See also Appellate Body Reports, *Argentina – Footwear (EC)*, para. 96, and *Korea – Dairy*, para. 89, citing GATT Working Party Report, *US – Fur Felt Hats*, adopted 22 October 1951.

7223, 7214, 7213, 7212, 7210, 7211, 7208, 7208, 7210, 7211, 7212, 7213, 7214, 7223, 7225, 7226, 7227, 7304, 7305, 7306, 7305, 7208, 7210, 7211, 7212, 7213, 7214, 7223, 7225, 7226, 7227, 7304, 7305, 7306, 7210, 7208, 7306, 7304, 7227, 7226, 7225, 7223, 7214, 7213, 7212, 7211 in form of tariff rate quota on May 13, 2019. The measure expired in May 2021.

- vii UK imposed safeguard measure in form of tariff rate quota under the HSN headings 720853, 720853, 720852, 720852, 720840, 720839, 720838, 720837, 720836, 720827, 720826, 720825, 722691, 720810, 720854, 721113, 721114, 721119, 721260, 722519, 722530, 722530, 722530, 722540, 722540, 722619, 722691, 722691, 720854, 720810, 720825, 720826, 720827, 720836, 720837, 720838, 720839, 720840, 720852, 720852, 720853, 720853, 722691, 721113, 721114, 721119, 721260, 722519, 722530, 722530, 722530, 722540, 722540, 722619, 722691, 722691. The measure still continues.

307. In addition to the safeguard measures, several WTO Members imposed Antidumping or countervailing duties on imports of steel products into their territories. According to an OECD Report, 129 trade remedy measures were adopted by countries such as the EU, Canada, the UK and others against steel products. The trend of trade protection measures displays a progressively growing tendency on the part of WTO Members to initiate trade remedy measures against steel in response to influx of imports. An average of 77 steel-related investigations were initiated between 2011-2013, which increased to 117 during 2015-16²⁷; and 129 between 2019-23. Furthermore, in the period January to September 2024, as many as 67 new anti-dumping investigations have been initiated globally, which represents the highest number of trade remedy actions observed since the excess capacity crisis of 2015-16²⁸. Over 70% of the number of investigations against steel products between 2019-23²⁹ were targeted against steel flat products. The Authority also notes that as a recent report by the OECD, 79 trade remedy investigations against steel were initiated by countries (excluding India) in 2024 alone.

308. The domestic industry further has presented information that as per the data compiled by the WTO, there are currently 520 anti-dumping measures and 89 countervailing duties in force against all steel products.

309. The Authority holds that the surges witnessed in trade remedy actions during 2019 - 2024 in major global markets despite the high number of trade protection measures on steel existing prior to 2019 are unforeseen and that the unprecedented number of such measures is by itself unforeseen.

310. Although trade remedy measures are generally routine and cyclical, the Authority notes that when India undertook the obligations under the GATT, including tariff concessions, it could not have foreseen that the imposition of the US 232 measures by the United States, which has resulted in an unprecedented wave of trade remedy measures by all other countries.

b. Excess capacity and slowing demand

311. It was also submitted that excess capacity has been a chronic and well documented challenge across various global markets. The persistent global overcapacity has been highlighted in numerous industry reports and trade analyses. It was further submitted that China's "three red lines" policy was known since 2020. Parties also submitted that Chinese investments in the ASEAN region have been occurring for several years and are not foreseen.

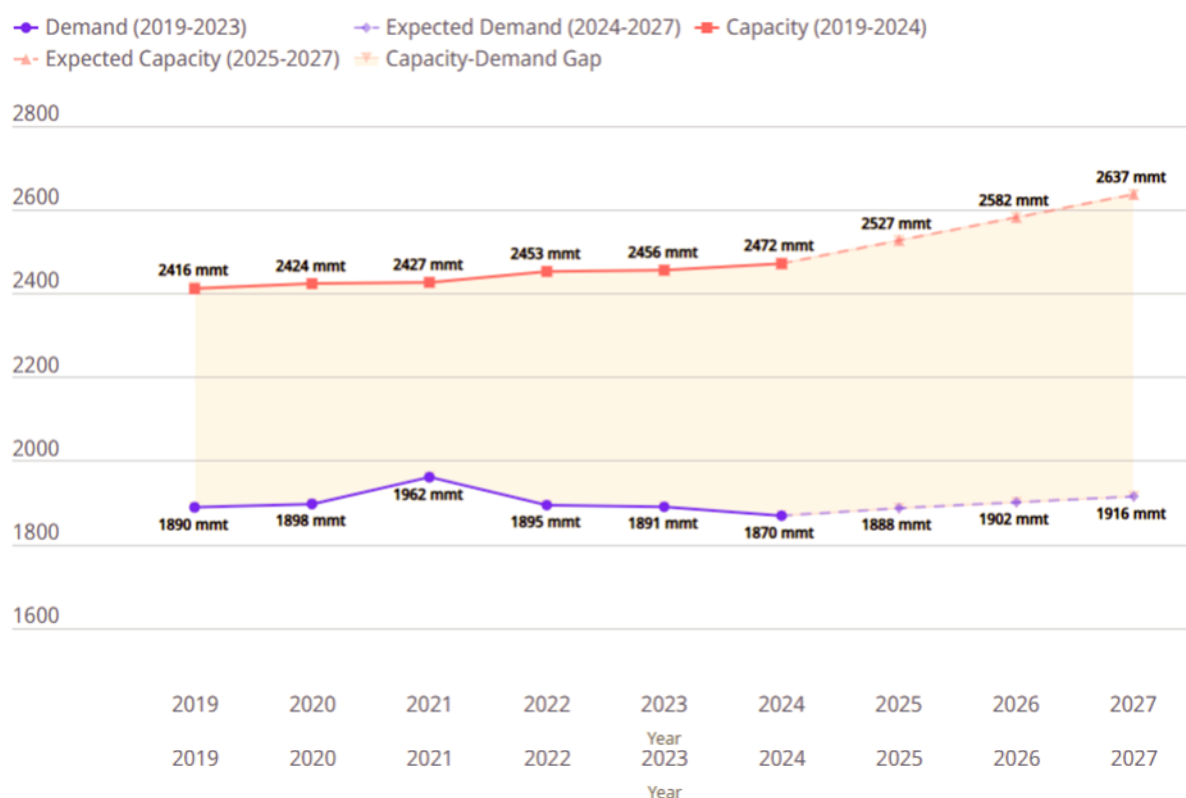
312. The domestic industry submitted that merely because the issue of excess capacity has been discussed in global forums for a considerable period of time does not imply that the unprecedented rise in excess capacity was foreseen at the time of undertaking GATT obligations.

²⁷ Commission Implementing Regulation (EU) 2023/104, L 12/14, Para. 14

²⁸ OECD, 96th Session of the Steel Committee: Statement by the Chair

²⁹ OECD, Steel Trade and Trade Policy Developments (Jan. – Jun. 2023)

313. The Authority notes that according to an OECD report on ‘latest developments in steelmaking capacity’³⁰, global steelmaking capacity posted four consecutive years of growth in the period 2019-2022. In 2022 alone, global steelmaking capacity increased by 32.1 MMT to 2459.1 MMT, the highest global capacity figure in history. The global steelmaking capacity reached 2472MMT in 2024 and the consumption declined to 1870 MMT as per a recent OECD report. The increases seen in global capacity in 2022 was larger than the capacity levels of some large steel-producing economies (for example Vietnam, with a capacity of 26 MMT in 2022).



(Source: OECD)

314. Further, there is a gap between global capacity and crude steel production indicating significant excess capacity globally. The excess capacity surged to 627.7 MMT in 2022 from 512.6 MMT in 2021. Excess steelmaking capacity data relates to crude steelmaking capacity. The producers must convert crude steel into saleable steel, which would then be converted into longs or flat steel products. While the share of excess capacity specific to longs or flats may not be equal, excess crude steelmaking capacity is representative of the unutilised significant assets adding to fixed costs and seriously affecting the steel producers around the globe. Such an increase in excess capacity poses grave risks for the long-term health and viability of the steel industry.

315. The steel consumption in Japan is significantly less compared to its steel capacity and the Japanese steel industry is highly export oriented. Crude steel capacity and consumption of steel in Japan are as follows:

Particulars	2021	2022	2023
-------------	------	------	------

³⁰

OECD Report dated 18 January 2024

Crude Steel Capacity	122.4	122.4	117.8
Crude Steel Consumption	63.6	60.8	58.7
Excess Capacity Compared to Consumption	58.8	61.6	59.1
Excess Capacity as a percentage of consumption	92%	101%	101%

(Source: World Steel Association)

316. Similarly, steel capacity in South Korea is significantly higher than its steel consumption, and the South Korean steel industry is highly export oriented as shown below:

Particulars	2021	2022	2023
Crude Steel Capacity	81.6	81.6	81.6
Crude Steel Consumption	58.4	53.4	54.6
Excess Capacity Compared to Consumption	23.2	28.2	27
Excess Capacity as a percentage of consumption	40%	53%	49%

(Source: World Steel Association)

317. The domestic industry further presented the following information regarding the excess capacity during 2024:

Particulars	Units	China	Japan + Korea	Total
Steelmaking Capacity ³¹	MMT	1141.5	198.6	1340.1
Demand ³²	MMT	909	106	1015
Excess Capacity in relation to Demand	MMT	232.5	92.6	325.1
Excess Steelmaking Capacity %	%	26%	87%	32%
Apparent Steel Use (Finished Products) ³³	MMT	857	99.2	956
Excess Capacity in relation to Apparent Steel Use (Finished Steel)	MMT	285	99	384
Excess Capacity % (Finished Steel)	%	33%	100%	40%

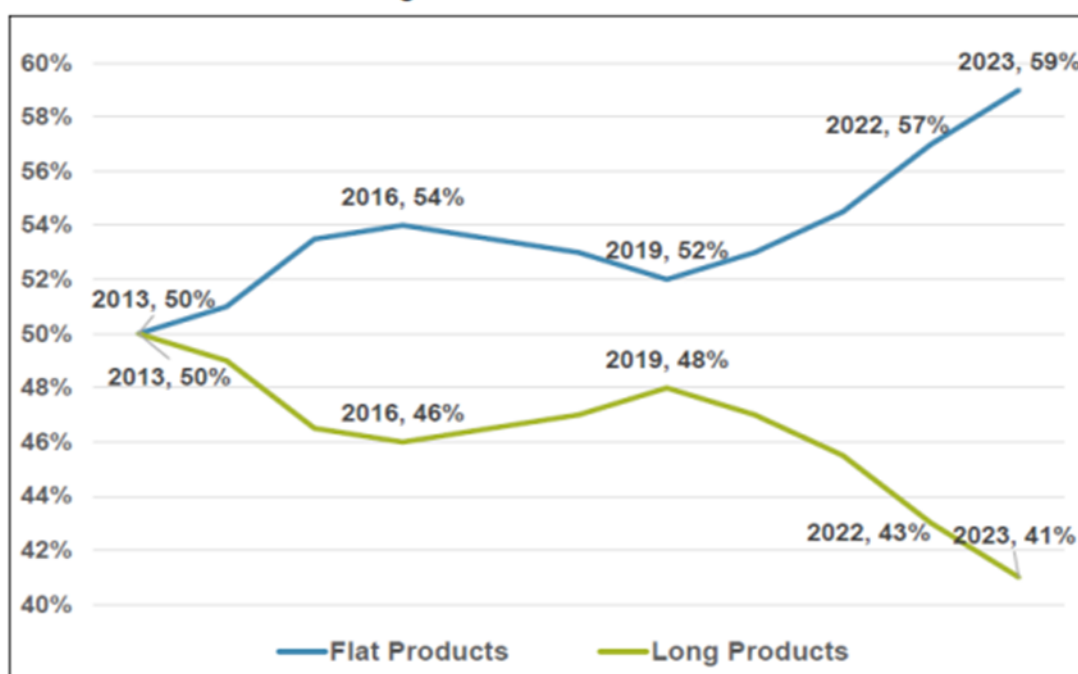
³¹ OECD (2025), OECD Steel Outlook 2025, OECD Publishing, Paris, <https://doi.org/10.1787/28b61a5e-en>.

³² Id.

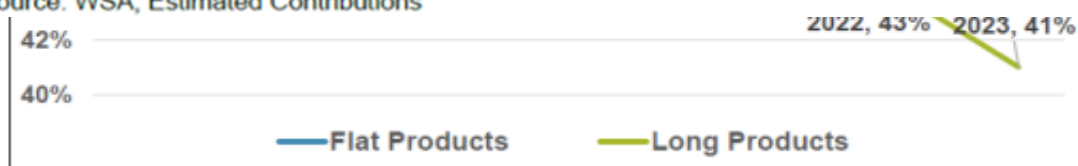
³³ <https://worldsteel.org/data/world-steel-in-figures/world-steel-in-figures-2025/#apparent-steel-use-2020-to-2024>

318. The domestic industry further submitted that as per the data on record, Japan and Korea together have 2 times as much capacity as the amount of finished steel that they consume, while China's excess capacity is 40% of its consumption of finished steel. The domestic industry submitted that finished steel includes several product categories including the PUC. Therefore, finished steel excess capacity is a good indicator of excess capacity in flat steel or PUC.
319. In 2020, China introduced the "Three Red Lines" policy to control the excessive borrowing of property developers. This policy set strict limits on debt ratios, which many developers failed to meet, leading to restricted borrowing and financial strain, including defaults on debt repayments.³⁴ As a result, the real estate sector witnessed a significant decline in demand resulting in stalling or disruption of numerous construction projects. Consequently, China's real-estate investments have slid down 2021 onwards and declined by 10.2% during January to July 2024. This led to a decline in the domestic steel consumption of long products in China. China's steel industry tried multiple strategies to mitigate the fall in domestic steel demand from the construction sector. For one, mills shifted production from longs to flats. As may be seen from the graph below, flat products production share increased from 50% to 59%, while long products went down correspondingly.

Chart 14: Share of Flat & Long Products in Total Production



Source: WSA, Estimated Contributions



Source: WSA, Estimated Contributions

320. One of the additional reasons for the recalibration has also been the exportability of flat products as opposed to long

³⁴ UBS, "China's Three Red Lines: Opportunities in China real estate", <https://www.ubs.com/global/en/assetmanagement/insights/thematic-viewpoints/apac-and-emerging/articles/china-three-red-lines.html>

products, to overseas markets. This led to an increase in exports of flat products from China PR.

321. The Authority holds the above developments taking into account the volume of excess capacity as unforeseen. Similarly, the significant shift in the volume of production from long products to flat products that occurred in China is also unforeseen.

c. Changes in ASEAN region Steel sector

322. The domestic industry submitted that there has been an increase in Chinese investments in the steel sector in the ASEAN region. The other interested parties stated that the development of Chinese investments in ASEAN is not unforeseen since it has been well reported for a considerable period of time.
323. The Authority notes that in 2019, it was reported that almost half of the existing overseas capacity from Chinese Mills were located in ASEAN and that various Chinese mills are setting up capacities in the ASEAN region. ASEAN region is expected to significantly increase crude steel production capacity. The ongoing excess capacity itself is at a risk of significant escalation. The increase in overcapacity is also directly responsible for the increase in imports of steel flat products into India, since overcapacity prompts producers to offload excess capacity through exports in third-country markets.
324. Despite declining steel demand, and a weak outlook, capacity expansion continues at a robust pace. For instance, Vietnam, a net steel export destination for Indian steel industry in the past, is now a net steel exporter to India. New capacities being added in ASEAN countries such as Vietnam, Cambodia, Singapore, Indonesia, Thailand, Malaysia, Philippines are mainland Chinese investments.
325. The Authority further takes note of a recent OECD report that indicates that China has invested more than USD 18.1 Billion in construction of steel plants in Indonesia, Malaysia, Philippines and Viet Nam, which would account for an aggregate steelmaking capacity of 60.51MMT.³⁵ The report further states that Chinese investments in ASEAN Member states intensified subsequent to the “US-China trade conflict” in 2018.³⁶ The foreign investments were also aimed at addressing the significant overcapacity in China.³⁷
326. The Authority has carefully perused the above changes in the Steel sector. It notes that the changes in the ASEAN steel sector considering the extent of such changes appear to be unforeseen. At the time of undertaking obligations under the GATT, India could not have expected that in China, a policy such as the ‘Three Red Lines’ would affect the construction sector and lead to a fall in the domestic consumption of steel long products, such that the production of flat products would rise. Neither could India have foreseen that favorable export market conditions could arise for steel flat products in overseas markets, and that the capacity of steel production could increase at a pace as to substantially exceed the level of internal consumption, thus leading to excess capacities despite weakening demand. Nor could India expect that this would, in turn, lead to vehement trade protection measures in light of the overall steel industry situation. Furthermore, India could also not have expected at the time of negotiating concessions that China’s excess capacities and exports would spill over to countries in the ASEAN, along with Korea and Japan - which would also develop massive excess capacities over their consumption levels, and become heavily export-oriented. All the afore mentioned developments and circumstances account for more than a mere change in capacity, production or changes in market positioning. The Authority thus is of the view that the cumulative effect of the confluence of the developments narrated above was clearly unforeseen.

d. Logical connection between the unforeseen developments and increase imports

327. It has further been contended that there is no logical connection between the increased imports and unforeseen developments. It was submitted that the unforeseen developments presented in the application as well as in the preliminary findings pertain to ‘steel products’ in general and not the PUC alone. Interested parties have submitted that there is no empirical evidence to demonstrate that there has been trade diversion in the PUC as a result of trade

³⁵ OECD (2025), OECD Steel Outlook 2025, OECD Publishing, Paris, <https://doi.org/10.1787/28b61a5e-en>.

³⁶ *Id.*, page 30.

³⁷ *Id.*

actions undertaken by various other countries.

328. The domestic industry claims that (a) the surge in imports of the article under investigation follows the imposition of trade protection measures and the other developments mentioned above; and (b) the increase in imports can be attributed to the confluence of several unforeseen developments such as multiple trade protection measures against steel, excess capacity and slowing demand in China, Japan, Korea and ASEAN, and changes in ASEAN steel sector. This confluence of simultaneous protectionism and export orientation has led to the flooding of the Indian market - the only growing, large steel consuming market that has not imposed any protective measures.
329. In *EU – Safeguard Measures on Steel (Turkey)*, the Panel noted that “demonstrating a coincidence in time between certain unforeseen developments and an increase in imports, and explaining their connection, is sufficient to establish their logical connection for purposes of Article XIX:1(a).”
330. With respect to the logical connection concerning China’s Three Red Lines Policy, the Authority notes that, as already examined above, the timing of policy squarely coincides with the decline in Chinese exports of long products and an increase in exports of flat products (which includes the PUC). The domestic industry has further provided information regarding China’s investments in flat steel production (which includes the PUC) capacities in ASEAN countries.³⁸
331. With respect to the logical connection between the excess steelmaking capacity and increase in steel exports, the domestic industry submitted that a report by the OECD has established the direct connection between excess steelmaking capacity and export orientation of countries:

“The continued problems of excess capacity and subsidisation have led to significant shifts in steel trade flows. Chinese steel exports have more than doubled since 2020 (Figure 1.5), reaching a record-high 118 mmt in 2024, while the country’s steel imports have plunged by almost 80% to 8.7 mmt. Some other economies with rapidly growing capacity are also posting rapid export growth, though from much lower levels. These changes concerning China’s steel exports and imports pose a significant trade-related challenge for many OECD and other market-oriented economies, as their exports declined while imports surged.

The trade-related challenges of excess capacity go beyond the direct effects in importing markets – where imports from sources of excess capacity can significantly displace domestic steel production and reduce opportunities for exporters from countries that are not the source of excess capacity – and can involve harmful indirect effects across many OECD countries. For example, exports from China also surge to third markets, some of which are also grappling with growing excess capacity, such as Northern Africa, the Middle East and Southeast Asia, which in turn increase their exports, particularly to OECD countries, because their domestic markets are saturated with surplus steel.”³⁹

332. The Authority further takes note of the submission of the domestic industry that the excess capacity as a percentage of finished steel consumption Japan and Korea is 100%, whereas China’s excess capacity as a percentage of finished steel consumption is 33%. Further, the Authority notes that the domestic industry has provided excess capacity information related to finished steel as a whole, which comprises of various categories of steel products including the PUC. Therefore, the excess capacity information provided by the domestic industry is a good indicator of the global excess capacity of the PUC. The Authority notes that there is sufficient information on record to conclude that the excess global steelmaking capacity in finished steel products (which includes the PUC) has resulted in a recent, sudden, sharp and significant increase in imports into India.
333. With respect to the logical connection between trade remedy measures and trade diversion, the domestic industry submitted that the data published by the US International Trade Association indicates that imports of flat steel products into the US declined from 12.1 MMT in 2017 (prior to the imposition of the Section 232 measure) to 10.6

³⁸ <https://www.seaisi.org/details/1109?type=news-rooms>, https://www.iseas.edu.sg/wp-content/uploads/2020/03/ISEAS_Perspective_2020_50.pdf

³⁹ OECD (2025), OECD Steel Outlook 2025, OECD Publishing, Paris, <https://doi.org/10.1787/28b61a5e-en>

MMT in 2024.⁴⁰ This was despite the exemptions to the Section 232 measures that the US granted to various countries during this period.

334. It has further been submitted that, a report published by the EU also concluded that trade remedy measures by the EU have resulted in an 82% decline in imports of the given product into the European Market.⁴¹ For trade remedy measures on steel products alone, the EU's report found a 73% reduction in import volumes post the imposition of the measures.

335. The domestic industry also stated that an OECD report notes that trade measures have the effect of diverting trade to other countries:

“This increase in product-specific and broader trade actions reflects the direct and indirect effects that sources of excess capacity are having on international trade flows of steel.

Steel producers subject to trade measures often seek to ease the impact by shifting their exports to other markets with no or less restrictive trade measures or exploring ways to circumvent them. They do so by selling upstream or downstream products not subject to the trade measures in the country imposing the trade measures and/or by shipping products to intermediary countries for further processing/finishing and eventual export to the countries where the trade measures are in force.”⁴²

336. The Authority finds that imports of the product concerned (falling under HSN Tariff Headings 7208, 7209, 7210, 7211, 7212, 7225 and 7226) into the USA declined by 2.183 MMT in 2023 compared to 2021 as may be seen in the table below:

(Quantity in MTs)

County	CY 2021	CY 2022	CY 2023	Cumulative decline in imports into USA	Increase in imports into India between 2021-2023
China	140,886	209,118	92,010	(48,876)	801,595
Japan	463,837	438,808	351,232	(112,605)	443,030
Korea, RP	1,361,971	1,259,274	1,152,649	(209,322)	394,752
Viet Nam	679,022	660,413	249,938	(429,084)	847,437
Others	8,131,981	8,102,976	7,062,825	(1,069,156)	35,619
Total	11,334,940	11,151,458	9,151,127	(2,183,813)	2,522,433

(source: Trade map database)

337. During the corresponding period, imports of the product concerned into India has recorded a significant increase. For instance, Imports from Japan into USA declined by 112,605 MT during the period 2021-2023 whereas imports from

⁴⁰ <https://www.trade.gov/data-visualization/united-states-steel-imports-report>

⁴¹ COMMISSION IMPLEMENTING REGULATION (EU) 2023/104 of 12 January 2023 amending Implementing Regulation (EU) 2019/159 imposing a definitive safeguard measure on imports of certain steel products following a report adopted by the World Trade Organization's Dispute Settlement Body, <https://eur-lex.europa.eu/legal-content/EN/TXT/PDF/?uri=CELEX:32023R0104&from=EN>

⁴² Domestic Industry's Written submissions, Exhibit 2.

Japan to India increased by 443,030 MT. It appears that the decline in imports from Japan to USA appears to be a significant cause of increase in imports into India from Japan. Similarly, decline in imports into USA from China, Korea, Viet Nam, also appears to have contributed to the increase in imports into India from such countries.

338. As a cumulative effect of the developments mentioned above, imports of PUC from China PR increased by more than 5 times. However, imports of HR Plate Mill Plates and CR Coils and Sheets declined sharply in the POI as compared to FY 2023-24 i.e., no surge as shown in the table below:

(Volume in '000s of MTs)

Particulars	2021-22	2022-23	2023-24	POI	Cumulative Increase
HR Coils and Sheets	55	137	573	790	735
HR Plate Mill Plates	31	85	293	416	385
CR Coils and Sheets	24	21	24	50	26
Metallic Coated Steel	44	34	89	72	28
Colour Coated Steel	74	93	244	288	214
Total	228	370	1,223	1,616	1,388

339. Similarly, imports from Japan recorded a significant surge on a cumulative basis. However, imports of HR Plate Mill Plates declined sharply in the POI as compared to FY 2023-24 i.e., no surge. Further, it has been also noted that there is no surge in the imports of CR Coils and Sheets and Metallic Coated Steel during the POI as compared to 2023-24. The details are provided in the table below:

(Volume in '000s of MTs)

Particulars	2021-22	2022-23	2023-24	POI	Cumulative Increase
HR Coils and Sheets	73	306	593	1,121	1,048
HR Plate Mill Plates	56	59	22	66	10
CR Coils and Sheets	76	92	113	112	36
Metallic Coated Steel	116	94	130	134	18
Colour Coated Steel	7	7	7	9	2
Total	328	558	865	1,442	1,114

340. Imports from Korea RP also increased significantly on a cumulative basis. . However, imports of Colour Coated Steel declined in the POI as compared to FY 2023-24 i.e., no surge. Further, it has been also noted that there is no surge in the imports of CR Coils and Sheets during the POI as compared to 2023-24. The details are provided in the below table.

(Volume in '000s of MTs)

Particulars	2021-22	2022-23	2023-24	POI	Cumulative Increase
HR Coils and Sheets	866	1052	1295	1353	487
HR Plate Mill Plates	116	104	234	340	224
CR Coils and Sheets	366	441	344	345	-21
Metallic Coated Steel	198	284	385	432	234
Colour Coated Steel	49	59	71	70	21
Total	1,595	1,940	2,329	2,539	945

341. Imports from Vietnam also increased on a cumulative basis in the POI as compared to the base year. However, there is no imports of HR Plate Mill Plates. It has been also noted that there is no increase in the imports of CR Coils and Sheets. Further, it has been noted that the imports of Metallic Coated Steel declined during the POI as compared to 2023-24. The details are provided in the below table.

(Volume in '000s of MTs)

Particulars	2021-22	2022-23	2023-24	POI	Cumulative Increase
HR Coils and Sheets	-	172	582	697	525
HR Plate Mill Plates	-	-	-	-	-
CR Coils and Sheets	-	-	0.12	0.12	0
Metallic Coated Steel	25	50	91	89.87	65
Colour Coated Steel	4	9	8	5	1
Total	29	231	681	792	591

342. The Authority is of the view that there exists sufficient temporal connection between unforeseen developments and the surge in imports mainly in HR Coils and Sheets.

343. The Authority also notes that on 10 February 2025, the USA has announced that it would apply 25% additional duty on steel products with effect from 12 March 2025 uniformly on all imports into the USA from all sources by revoking relaxations and exemptions granted, if any, to various countries. The domestic industry has claimed that consequent to the withdrawal of relaxations and exemptions, more imports are expected to bounce off from those countries and India has become more vulnerable to increased imports. However, it may be difficult to visualize the impact of this development at this stage.

J. EFFECT OF OBLIGATIONS UNDER GATT

344. In terms of Article XIX:1 (a) of GATT 1947 the increase in imports shall be 'of the effect of the obligations incurred by a contracting party under this Agreement, including tariff concessions'. Some guidance may be taken from the Panel or Appellate Body reports on interpreting this text. Firstly, the Appellate Body in Korea-Dairy opined: *"it must be demonstrated, as a matter of fact, that the importing Member has incurred obligations under the GATT 1994,*

including tariff concessions”.⁴³ Secondly, in the report of the Panel in India – Certain Measures On Imports Of Iron And Steel Products⁴⁴, it has been observed as follows:

“7.87. A WTO Member imposing a safeguard measure must demonstrate the existence of unforeseen developments and the effect of GATT 1994 obligations through reasoned and adequate explanations contained in its published report. These explanations must show that the identified unforeseen developments have resulted in increased imports causing or threatening to cause serious injury to the relevant domestic industry, and that one or more obligations under the GATT 1994 limit the importing Member's ability to prevent or offset the effect resulting from such increased imports.

7.89. With respect to the effect of a GATT 1994 obligation, the competent authority's published report must demonstrate that a WTO Member imposing a safeguard measure is subject to an obligation (or obligations) under the GATT 1994 and explain how that obligation constrains its ability to react to the import surge causing injury to its domestic industry.”

345. As a matter of fact, India has granted tariff concessions pursuant to Article II of GATT 1947. In its schedule of concessions, India has bound the customs duty at 40% for the product under investigation. In so far as the question relating to how the obligations constrain India's ability to react to the import surge causing injury to its domestic industry, the following are relevant:

- a) India is a developing country with legitimate development policy objectives. With these objectives, India's National Steel Policy announced in 2017 aspires to achieve 300 MT of steelmaking capacity by 2030. This would translate into additional investment of Rs. 10 lakh Crore by 2030- 31. The policy seeks to increase consumption of steel and major segments are infrastructure, automobiles and housing. New Steel Policy seeks to increase per capita steel consumption to the level of 160 Kgs by 2030 from existing level of around 60 Kg.
- b) The above stated legitimate developmental policy objectives cannot be achieved if increased imports cause serious injury to the domestic steel industry. Several obligations undertaken by India under GATT 1947 and other WTO Agreements have constrained India's ability to react to import surge. The following Articles under GATT 1947 may be cited as examples:
 - i Article I casts an obligation to grant most favoured nation treatment to every WTO Member restricting India's ability to apply differential rates of customs duty on the imports from a WTO Member if import volume from that country has significantly increased causing serious injury.
 - ii Article XI casts an obligation prohibiting the use of quotas, import or export licenses, or other measures that restrict the quantity of imports or exports and ensures that trade flows remain as unrestricted as possible.
 - iii Article XVI and the SCM Agreement cast obligations to not maintain subsidies that are inconsistent with the principles enumerated therein.

346. The Authority notes the following with reference to these obligations. First, the obligations mentioned above have increased the access to India's steel market for the exporters from other WTO Members. Second, in situations where unforeseen circumstances or a confluence of such factors lead to a surge in imports into the domestic market, these obligations severally as well as collectively limit India's ability to take specific and targeted measures against other members of the WTO responsible for the increased imports.

347. Safeguard measures are intended to address such situations. Safeguard measures are fair-trade measures, unlike Anti-Dumping or Countervailing Measures. They are taken only for the purpose of supporting the domestic industry in

⁴³ Appellate Body Report, *Korea – Dairy*, para. 84; Appellate Body Report, *Argentina – Footwear (EC)*, para. 91.

⁴⁴ Panel Report, *India – Certain Measures On Imports Of Iron And Steel Products*, para 7.87, 7.89.

times of increased, unfavourable and unforeseen imports that cause or threat of serious injury to the domestic industry from which it becomes highly difficult or even impossible to recover.

348. In these instances, obligations within the WTO framework are suspended to protect domestic industries which could prove to be highly competitive and efficient in the future with the help of some interim interventions and ultimately benefit global trade by preserving industries that can compete at the global level.

349. While it is noted that the applied tariff on the product under consideration is significantly less than the bound rate, the Authority holds that safeguard measure provides an appropriate tool as an interim mechanism with concomitant discipline to address the situation under investigation which a general purpose duty enhancement might not be able to achieve as effectively.

350. In view of the above, the Authority holds that as a result of unforeseen developments and of the effects of obligations incurred under GATT 1947, including tariff concessions, the product under consideration is being imported into India in increased quantities

K. SERIOUS INJURY AND/OR THREAT OF SERIOUS INJURY

351. Rule 8(i) of the Safeguard Rules states that in the investigation to determine whether increased imports have caused or are threatening to cause serious injury to a domestic industry, the Director General shall evaluate all relevant factors of an objective and quantifiable nature having a bearing on the situation of that industry, in particular, the rate and amount of the increase in imports of the article concerned in absolute and relative terms, the share of the domestic market taken by increased imports, changes in the level of sales, production, productivity, capacity utilization, profits and losses, and employment. Accordingly, the injury parameters specified in the rules are examined hereinbelow.

i Rate and amount of increase in imports in absolute and relative terms:

352. As already stated, (a) there was a significant increase in the volume of imports in absolute and relative terms, (b) volume of imports increased at a significantly high rate in absolute and percentage terms, and (c) the increase in import volume was recent, sudden, sharp and significant.

ii Share of Domestic market taken by increased imports

353. As already stated, changes in the market share of imports are tabulated below:

Product	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI
HR Steel Flat Products	%	***	***	***	***
	Trend	100	134	194	244
CR Coils and Sheets	%	***	***	***	***
	Trend	100	143	120	110
Metallic Coated Steel	%	***	***	***	***
	Trend	100	121	152	144
Colour Coated Steel	%	***	***	***	***
	Trend	100	118	204	225
For the PUC as a whole	%	***	***	***	***
	Trend	100	134	180	208

354. The imports took away [***]% of the share of domestic industry for the PUC as a whole during the injury analysis period as shown in the table above. Market share of imports increased by [***]% for HR Steel flat products, by [***]% for CR coils and sheets, [***]% for Metallic Coated Steel and [***]% for colour coated steel during the same period.

iii Changes in level of sales

355. The sales volumes of the domestic industry for the product as a whole increased by [***]% during injury analysis period. While it increased by [***]% during 2022-23, and a further [***]% during 2023-24 and [***]% during the POI as may be seen from the table below.

'000s of MT

Particulars	2021-22	2022-23	2023-24	POI
HR Coils and Sheets	***	***	***	***
HR Plate Mill Plates	***	***	***	***
CR Coils and Sheets	***	***	***	***
Metallic Coated Steel	***	***	***	***
Colour Coated Steel	***	***	***	***
PUC as whole	***	***	***	***
Trend				
HR Coils and Sheets	100	127	142	140
HR Plate Mill Plates	100	106	107	105
CR Coils and Sheets	100	116	126	127
Metallic Coated Steel	100	130	141	156
Colour Coated Steel	100	117	118	117
PUC as whole	100	122	132	133

356. In so far as the five categories are concerned, sales of HR Coils and sheets increased by [***]%, HR Plate Mill Plates by [***]%, and CR coils and sheets by [***]%. Metallic Coated by [***]% and colour coated by [***]% during the POI compared to the base year. However, there was a decline of [***]% in HR Coils and Sheets, [***]% in HR Plate Mill Plates, [***]% in Colour Coated Steel during the POI compared to 2023-24

iv Changes in capacity, production and capacity utilisation

357. PUC as a whole: The capacity of the domestic industry for the PUC as a whole increased from [***] MMT during FY 2021-22 to [***] MMT during the POI, recording an increase of [***] MMT. During the same period, production increased by [***] MMT, and capacity utilization came down by [***]%. While production increased during the two financial years preceding the POI, production declined during the POI. The production was [***] MMT during 2023-24, and it declined to [***] MMT during the POI. The unutilized capacity, which was [***] MMT during FY 2021-22 increased to [***] MMT during the POI. The unutilized capacity as at the end of the POI for the product as a whole is more than sufficient to cover the entire import volume of [***] MMT during the POI.

Particulars	Units	FY 2021-22	FY 2022-23	FY 2023-24	POI
Capacity	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	114	118	117
Production (PUC+NPUC)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	107	116	115
Capacity Utilisation	%	***	***	***	***
	Trend	100	94	98	98
Unutilised Capacity	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	152	130	127

358. HR Coils and sheets: The capacity increased from [***] MMT during 2021-22 to [***] MMT during the POI, recording an increase of [***] MMT during the period. Production increased from [***] MMT during 2021-22 to [***] MMT during the POI. While production increased during the two financial years preceding the POI over the corresponding previous years, production declined during the POI. The capacity utilization increased by [***]% and the unutilized capacity declined by [***] MMT during the period. However, the unutilized capacity of [***] MMT is sufficient to meet more than [***]% of imports of HR coils and sheets. It is also noted that actual production included both PUC and non-PUC as the plants would produce both PUC and non-PUC. However, non-PUC accounted for less than [***]% of the total production and was insignificant.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Capacity	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	115	117	113
Production (PUC+NPUC)	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	110	119	117
Capacity Utilisation	%	***	***	***	***
	Trend	100	96	102	103
Unutilised Capacity	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	149	102	89

359. HR Plate Mill Plates: There was no increase in the capacity of the domestic industry for producing HR Plate Mill Plates during the injury analysis period. Production increased from [***] MMT during 2021-22 to [***] MMT during POI. Production increased every year compared to the corresponding previous year during the injury analysis period. The capacity utilization increased by [***]% during the injury analysis period. The unutilized capacity of [1.139] MMT was significantly higher than the import of [0.892] MMT during the POI.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Capacity	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	100	100	100
Production	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	103	106	103
Capacity Utilisation	%	***	***	***	***
	Trend	100	103	106	103
Unutilised Capacity	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	85	75	88

360. CR Coils and Sheets: Capacity increased from [***] MMT during 2021-22 to [***] MMT during the POI, recording an increase of [***] MMT. As against such an increase in capacity, production increased by [***] MMT only during the said period. Production increased every year compared to the corresponding previous year during the injury analysis period. The unutilized capacity was [***] MMT against total import of [***] MMT during the POI. The unutilized capacity was more than [***] times the import volume, indicating significant underutilization of capacity.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Capacity	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	119	127	127
Production	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	104	111	114
Capacity Utilisation	%	***	***	***	***
	Trend	100	87	88	90
Unutilised Capacity	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	183	190	179

361. Metallic Coated Steel: Capacity increased from [***] MMT during 2021-22 to [***] MMT during the POI. During the same period, while actual production increased from [***] MMT to [***] MMT, capacity utilization declined by [***]%. Production increased every year compared to the corresponding previous year during the injury analysis period. The unutilized capacity of [***] MMT was more than twice the volume of imports during the POI.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Capacity	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	116	120	126
Production	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	105	116	119
Capacity Utilisation	%	***	***	***	***
	Trend	100	91	96	95
Unutilised Capacity	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	166	142	157

362. Colour Coated Steel: Capacity increased from [***] MMT during 2021-22 to [***] MMT during the POI. During the same period, production increased from [2.008] MMT to [***] MMT, and the capacity utilization declined steeply from [***]% to [***]%. Production increased every year compared to the corresponding previous year during the injury analysis period. The unutilized capacity of [***] MMT was [***] times that of imports during the POI.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Capacity	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	120	132	135
Production	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	109	117	113
Capacity Utilisation	%	***	***	***	***
	Trend	100	90	89	84
Unutilised Capacity	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	172	198	231

V Gross Production, captive consumption and production net of captive consumption

363. The gross production of the domestic industry increased during the injury analysis period as shown in the table below:

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
HR coils, sheets and plates	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	110	119	117
HR Plate Mill Plates	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	103	106	103
CR coils and sheets	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	104	111	114
Metallic Coated Steel	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	105	116	119
Colour Coated Steel	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	109	117	113
Total	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	107	116	115

364. The captive consumption by the domestic industry was as follows:

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
HR coils, sheets and plates	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	104	105	106
HR Plate Mill Plates	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	128	118	89
CR coils and sheets	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	106	112	116
Metallic Coated Steel	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	104	109	106
Colour Coated Steel	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	120	65	41
Total	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	105	108	109

365. Production net of captive consumption is as follows:

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
HR coils, sheets and plates	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	112	126	122
HR Plate Mill Plates	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	103	105	103
CR coils and sheets	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	100	110	111
Metallic Coated Steel	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	106	120	127
Colour Coated Steel	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	108	118	114
Total	'000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	108	119	118

366. For the PUC as a whole and for the five product categories individually, gross production increased during the injury analysis period, but the unutilized capacity also increased significantly, indicating the vulnerability of the domestic industry to increasing import volumes. The production net of captive consumption increased during 2022-23 and 2023-24 but declined by [***] MMT during the POI.

vi Productivity

367. For the PUC as a whole: Due to a decline in the production volume of HR Coils and sheets during the POI as compared to FY 2023-24, productivity per day recorded a decline during the same period, though productivity per day per employee remained constant. Productivity per employee increased during the injury analysis period indicating that productivity was not a cause of injury to the domestic industry.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Productivity per day	MT	***	***	***	***
	Trend	100	107	116	115
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
	Trend	100	97	107	108
Productivity per day per employee	MT	***	***	***	***
	Trend	100	100	100	100

368. HR Coils and sheets: Similar to the PUC as a whole, production of HR Coils and sheets declined during the POI as compared to 2022-23 and consequently led to a decline in volume of production per day and production per employee during the POI. However, the productivity per day per employee did not suffer. It increased during 2023-24 and remained at the increased level during the POI.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Productivity per day	MT	***	***	***	***
	Trend	100	110	119	117
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
	Trend	100	101	113	112
Productivity per day per employee	MT	***	***	***	***
	Trend	100	100	113	113

369. HR Plate Mill Plates: Productivity per day increased during 2022-23 and 2023-24 compared to the corresponding previous years. However, as the production during POI declined compared to 2023-24, productivity per day also declined during POI. Productivity per employee marginally declined in 2022-23 but increased significantly during 2023-24, and during the POI. Productivity per day per employee remained constant throughout the injury analysis period.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Productivity per day	MT	***	***	***	***
	Trend	100	103	106	103
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
	Trend	100	99	113	116
Productivity per day per employee	MT	***	***	***	***
	Trend	100	100	100	100

370. CR Coils and sheets: Productivity per day increased every year and the POI during the injury analysis period. Productivity per employee declined in 2022-23 compared to 2021-22 but increased thereafter. Productivity per day per employee was [***] MT during 2021-22 but remained at [***] MT thereafter.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Productivity per day	MT	***	***	***	***
	Trend	100	104	111	114
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
	Trend	100	82	86	87
Productivity per day per employee	MT	***	***	***	***
	Trend	100	87	87	87

371. Metallic Coated Steel Productivity per day increased every year during the entire injury analysis period. Productivity per employee declined during 2022-23 compared to 2021-22, but increased thereafter. Productivity per day per employee remained at [***] MT during the injury analysis period except during 2022-23 when it was [***] MT.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Productivity per day	MT	***	***	***	***
	Trend	100	105	116	119
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
	Trend	100	90	95	100
Productivity per day per employee	MT	***	***	***	***
	Trend	100	90	100	100

372. Colour Coated Steel: Productivity per day increased during 2022-23 and 2023-24 compared to the corresponding previous years. However, it declined during the POI due to the decline in the volume of production. While productivity per employee increased through the injury period, productivity per day per employee remained at [***] MT during the first two years and at [***] MT during 2023-24 and the POI.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Productivity per day	MT	***	***	***	***
	Trend	100	108	117	113
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
	Trend	100	108	124	125
Productivity per day per employee	MT	***	***	***	***
	Trend	100	108	124	125

373. The Authority considers that changes in productivity per day is reflective of the changes in the volume of production. As the volume of production declined during the POI as compared to the FY 2023-24, productivity per day also declined. There is no significant change in the productivity per employee or productivity per day per employee. Thus, the Authority holds that decline in productivity did not cause any serious injury to the domestic industry.

vii Changes in inventory levels

374. PUC as a whole: Average inventory of the PUC as a whole almost doubled as it increased from [***] MMT during 2021-22 to [***] MMT during the POI. The trend was similar in terms of number of days of production as well as sales.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Average Inventory	MMT	***	***	***	***
	Trend	100	133	180	203
Average Inventory as no. of days of production	Days	***	***	***	***
	Trend	100	125	163	188
Average Inventory as no. of days of Sales	Days	***	***	***	***
	Trend	100	123	146	169

375. HR Coils and sheets: Average inventory of HR Coils and sheets increased from [***] MMT during 2021-22 to [***] MMT during the POI. During the same period, average inventory as number of days production increased from [***] days to [***] days, and as number of days of sales, it increased from [***] days to [***] days.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Average Inventory	MMT	***	***	***	***
	Trend	100	134	182	195
Average Inventory as no. of days of production	Days	***	***	***	***
	Trend	100	122	152	167
Average Inventory as no. of days of Sales	Days	***	***	***	***
	Trend	100	120	145	162

376. HR Plate Mill Plates: Average inventory increased to [***] times during the POI compared to 2021-22. In terms of no. of days of production, it increased by [***] days, and in terms of no. of days of sales, it increased by [***] days.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Average Inventory	MMT	***	***	***	***
	Trend	100	122	198	262
Average Inventory as no. of days of production	Days	***	***	***	***
	Trend	100	118	188	255

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Average Inventory as no. of days of Sales	Days	***	***	***	***
	Trend	100	121	196	268

377. CR Coils and sheets: Average inventory of CR Coils and sheets increased from [***] MMT during 2021-22 to [***] MMT during the POI. During the same period, both in terms of no. of days of production and sales, it recorded a significant increase.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Average Inventory	MMT	***	***	***	***
	Trend	100	135	160	158
Average Inventory as no. of days of production	Days	***	***	***	***
	Trend	100	130	144	139
Average Inventory as no. of days of Sales	Days	***	***	***	***
	Trend	100	135	143	142

378. Metallic Coated Steel: Average inventory increased from [***] MMT during 2021-22 to [***] MMT during the POI. In terms of no. of days of production, it increased by [***] days and in terms of no. of days of sales, it increased by [***] days.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Average Inventory	MMT	***	***	***	***
	Trend	100	135	174	204
Average Inventory as no. of days of production	Days	***	***	***	***
	Trend	100	128	150	171
Average Inventory as no. of days of Sales	Days	***	***	***	***
	Trend	100	130	145	161

379. Colour Coated Steel: Average inventory increased from [***] MMT during 2021-22 to [***] MMT during the POI. In terms of no. of days of production, it increased from [***] days to [***] days, and in terms of no. of days of sales, it increased from [***] days to [***] days during the injury analysis period.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Average Inventory	MMT	***	***	***	***
	Trend	100	141	192	238
Average Inventory as no. of days of production	Days	***	***	***	***
	Trend	100	130	164	210
Average Inventory as no. of days of Sales	Days	***	***	***	***
	Trend	100	136	164	213

380. Average inventory of the PUC as a whole and each of the five categories thereof have increased significantly during the injury analysis period.

viii Changes in Profits and losses

381. For PUC as a whole: The Profit Before Tax ("PBT") declined from Rs. [***] crores during 2021-22 to Rs. [***] crores during 2022-23, recording a year-on-year decline of [***]%. It increased during 2023-24 but declined again during the POI. PBT during the POI was only [***]% of the PBT achieved during the base year 2021-22. PBIT and cash profit also follow a similar trend. PBT per MT, PBIT per MT and cash profit per MT declined by [***]%, [***]% and [***]% respectively during the POI compared to the base year 2021-22.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Actual					
Profit Before Tax	Rs. In crores	***	***	***	***
PBIT	Rs. In crores	***	***	***	***
Cash Profit	Rs. In crores	***	***	***	***
Profit Before Tax	Rs. PMT	***	***	***	***
PBIT	Rs. PMT	***	***	***	***
Cash Profit	Rs. PMT	***	***	***	***
Trend					
Profit Before Tax	Trend Actual	100	7	35	24
PBIT	Trend Actual	100	25	50	41
Cash Profit	Trend Actual	100	20	47	38
Profit Before Tax	Trend PMT	100	6	27	18
PBIT	Trend PMT	100	21	38	31
Cash Profit	Trend PMT	100	16	35	29

382. HR Coils and sheets: PBT on HR coils and sheets declined from Rs. [***] crores during 2021-22 to Rs. [***] crores during the POI, recording a decline of [***]%. PBT declined during 2022-23 by [***]% compared to 2021-22. It increased during 2023-24, but declined again during the POI. The trend in cash profits was also similar. PBT per MT reduced from Rs. [***] during 2021-22 to Rs. [***] during the POI, a decline of [***]%.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Actual					
Profit Before Tax	Rs. In crores	***	***	***	***
PBIT	Rs. In crores	***	***	***	***
Cash Profit	Rs. In crores	***	***	***	***
Profit Before Tax	Rs. PMT	***	***	***	***
PBIT	Rs. PMT	***	***	***	***
Cash Profit	Rs. PMT	***	***	***	***
Trend					

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Profit Before Tax	Trend Actual	100	11	38	22
PBIT	Trend Actual	100	29	54	42
Cash Profit	Trend Actual	100	25	50	37
Profit Before Tax	Trend PMT	100	9	26	16
PBIT	Trend PMT	100	23	38	30
Cash Profit	Trend PMT	100	20	35	27

383. HR Plate Mill Plates: PBT declined from Rs.[***] crores during 2021-22 to Rs.[***] during the POI, a decline of [***]%. During the same period, PBIT declined by [***]% and cash profits by [***]%. PBT per MT, PBIT per MT and cash profit per MT also showed a similar trend. PBIT per MT declined from Rs.[***] PMT during 2021-22 to Rs.[***] PMT during the POI.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Actual					
Profit Before Tax	Rs. In crores	***	***	***	***
PBIT	Rs. In crores	***	***	***	***
Cash Profit	Rs. In crores	***	***	***	***
Profit Before Tax	Rs. PMT	***	***	***	***
PBIT	Rs. PMT	***	***	***	***
Cash Profit	Rs. PMT	***	***	***	***
Trend					
Profit Before Tax	Trend Actual	100	25	53	53
PBIT	Trend Actual	100	37	61	59
Cash Profit	Trend Actual	100	37	62	63
Profit Before Tax	Trend PMT	100	24	50	51
PBIT	Trend PMT	100	35	57	56
Cash Profit	Trend PMT	100	35	58	60

384. CR Coils and sheets: PBT declined from Rs.[***] crores during 2021-22 to Rs.[***] crores during the POI recording a steep decline of [***]%. During the same period, PBIT declined by [***]% and cash profits by [***]%. PBT per MT, PBIT per MT and cash profit per MT also showed a similar trend. PBIT per MT declined from Rs.[***] PMT during 2021-22 to a paltry Rs.[***] PMT during the POI, showing a decline of [***]%.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Actual					
Profit Before Tax	Rs. In crores	***	***	***	***
PBIT	Rs. In crores	***	***	***	***
Cash Profit	Rs. In crores	***	***	***	***
Profit Before Tax	Rs. PMT	***	***	***	***
PBIT	Rs. PMT	***	***	***	***
Cash Profit	Rs. PMT	***	***	***	***
Trend					
Profit Before Tax	Trend Actual	100	0	15	9
PBIT	Trend Actual	100	17	30	26
Cash Profit	Trend Actual	100	12	28	22
Profit Before Tax	Trend PMT	100	0	12	7
PBIT	Trend PMT	100	14	24	20
Cash Profit	Trend PMT	100	11	22	17

385. Metallic Coated Steel: PBT was Rs.[***] crores during 2021-22. It turned into a loss of Rs.[***] crores during 2022-23. PBT improved to slightly above the breakeven level by reaching a profit of Rs.[***] crores during 2023-24 but turned again into a loss of Rs.[***] crores during the POI. On a per MT basis, PBT declined from a profit of Rs.[***] PMT during 2021-22 to a loss of Rs. [***] during the POI, showing a decline of [***]%.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Actual					
Profit Before Tax	Rs. In crores	***	(***)	***	(***)
PBIT	Rs. In crores	***	(***)	***	***
Cash Profit	Rs. In crores	***	(***)	***	***
Profit Before Tax	Rs. PMT	***	(***)	***	(***)
PBIT	Rs. PMT	***	(***)	***	***
Cash Profit	Rs. PMT	***	(***)	***	***
Trend					

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Profit Before Tax	Trend Actual	100	(54)	3	(2)
PBIT	Trend Actual	100	(19)	24	22
Cash Profit	Trend Actual	100	(40)	14	11
Profit Before Tax	Trend PMT	100	(41)	2	(1)
PBIT	Trend PMT	100	(15)	17	14
Cash Profit	Trend PMT	100	(31)	10	7

386. Colour Coated Steel: PBT declined from Rs. [***] crores during 2021-22 to Rs. [***] crores during the POI recording a steep decline of [***]%. During the same period, PBIT declined by [***]% and cash profits by [***]%. PBT per MT, PBIT per MT and cash profit per MT also showed a similar trend. PBIT per MT declined from Rs. [***] PMT during 2021-22 to Rs. [***] PMT during the POI, showing a decline of [***]%.

Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Actual					
Profit Before Tax	Rs. In crores	***	***	***	***
PBIT	Rs. In crores	***	***	***	***
Cash Profit	Rs. In crores	***	***	***	***
Profit Before Tax	Rs. PMT	***	***	***	***
PBIT	Rs. PMT	***	***	***	***
Cash Profit	Rs. PMT	***	***	***	***
Trend					
Profit Before Tax	Trend Actual	100	8	49	34
PBIT	Trend Actual	100	32	61	47
Cash Profit	Trend Actual	100	15	54	43
Profit Before Tax	Trend PMT	100	7	41	29
PBIT	Trend PMT	100	27	52	40
Cash Profit	Trend PMT	100	13	46	37

387. The profitability of the domestic industry declined during 2022-23 compared to 2021-22. It increased marginally during 2023-24 but declined again during the POI. Compared to the base year, profitability during the POI stands eroded significantly. This shows that the financial position of the domestic industry is highly fragile and vulnerable.

ix Changes in employment

388. From a level of [***] employees during 2021-22, the number of employees increased to [***] during 2022-23. The industry suffered significant losses during 2022-23. As one of the measures to reduce costs, the number of employees was reduced to [***] in 2023-24 and further to [***] during the POI. However, the number of employees during the POI was [***]% higher compared to 2021-22.

Particulars	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Actual				
HR Coils and Sheets	***	***	***	***
HR Plate Mill Plates	***	***	***	***
CR Coils and Sheets	***	***	***	***
Metallic Coated Steel	***	***	***	***
Colour Coated Steel	***	***	***	***
PUC as whole	***	***	***	***
Trend				
HR Coils and Sheets	100	109	106	105
HR Plate Mill Plates	100	104	93	89
CR Coils and Sheets	100	127	129	131
Metallic Coated Steel	100	117	121	119
Colour Coated Steel	100	100	95	91
PUC as whole	100	111	108	106

x Conclusions on serious injury

389. The factual position examined above regarding injury parameters relating to may be summarized as follows:

- Imports have increased significantly in absolute terms, in relation to domestic production, and in relation to demand for the PUC in India.
- The imports have increased as a result of unforeseen circumstances and as the effect of obligations incurred under GATT 1947.
- The increase in imports was recent, sudden, sharp and significant.
- Market share of imports have increased from [***]% during 2021-22 to [***]% during the POI. During the same period, market share of the domestic industry declined by [***]%.
- Sales volumes of the domestic industry for the PUC increased by [***]% during injury analysis period. While it increased by [***]% during 2022-23, and a further [***]% during 2023-24, and [***]% during the POI, which is the most recent period.
- Capacity and actual production increased significantly during the injury analysis period. However, volume of production declined by [***] MMT ([***]%) during POI as compared to 2023 - 24.
- Unutilized capacity of the domestic industry increased to [***] MMT during the POI, which

- accounted for [***]% of the capacity.
- h. Productivity per day and productivity per employee increased during the injury analysis period. Productivity per day per employee remained unaffected.
 - i. Average inventory levels increased significantly both in absolute terms, and in terms of number of days of production or sales.
 - j. Profitability of the domestic industry declined significantly. PBT in absolute terms declined by [***]% during POI compared to the base year 2021-22. PBT per MT declined by [***]% during the same period. Consequential decline in PBIT and Cash Profits was also observed.
 - k. The profitability of the domestic industry declined during 2022-23 compared to 2021-22. It increased marginally during 2023-24 but declined again during the POI. Compared to the base year, profitability during the POI stands eroded significantly. This shows that the financial position of the domestic industry is highly fragile and vulnerable.
 - l. No. of employees increased by [***]% during 2022-23 over 2021-22 and reached [***]. As the domestic industry suffered significant losses during 2022-23, as one of the measures to reduce costs, the number of employees was reduced to [***] in 2023-24 and further to [***] during the POI. However, the number of employees during the POI was [***]% higher compared to the base year 2021-22.

L. CAUSAL LINK BETWEEN INCREASED IMPORT AND SERIOUS INJURY OR THREAT OF SERIOUS INJURY:

390. The WTO Panel on *Korea-Dairy*¹⁵ set forth the basic approach for determining “causation”, as follows:

“In performing its causal link assessment, it is our view that the national authority needs to analyse and determine whether developments in the industry, considered by the national authority to demonstrate serious injury, have been caused by the increased imports. In its causation assessment, the national authority is obliged to evaluate all relevant factors of an objective and quantifiable nature having a bearing on the situation of that industry. In addition, if the national authority has identified factors other than increased imports which have caused injury to the Domestic Industry, it shall ensure that any injury caused by such factors is not considered to have been caused by the increased imports. To establish a causal link, Korea has to demonstrate that the injury to its Domestic Industry results from increased imports. In other words, Korea has to demonstrate that the imports of SMPP cause injury to the Domestic Industry producing milk powder and raw milk. In addition, having analyzed the situation of the Domestic Industry, the Korean authority has the obligation not to attribute to the increased imports any injury caused by other factors.”

391. While the import volume increased, import prices declined during the injury analysis period. A significant volume of imports undercut the prices of the domestic industry as noted below.

392. HR Coils and Sheets: During the POI, the weighted average price of all imports of HR coils and sheets was Rs. [***] PMT. Compared to the domestic selling price of Rs. [***] PMT, price undercutting on an overall basis was [***]%.

393. The weighted average import prices of imports declined from Rs. [***] PMT during 2021-22 to Rs. [***] PMT during the POI. The domestic selling prices declined from Rs. [***] PMT to Rs. [***] PMT during the same period. The volume of imports that undercut the prices of the domestic industry was just [***]% during 2021-22. It increased to [***]%, [***]% and [***]% during the subsequent periods. During the POI, of the total imports of [***] MMT, over [***]% of the imports ([***] MMT) undercut the prices of the domestic industry. The undercutting percentage was [***]% during the POI.

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI
-------------	-----	---------	---------	---------	-----

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Import Volume					
Total imports volume	000' MT	995	1,926	3,081	3,973
Undercutting imports volume	000' MT	***	***	***	***
	Trend	100	285	595	809
Undercutting volume %	%	***	***	***	***
	Trend	100	149	192	203
Import Prices					
Value of undercutting volume	Rs. In crores	***	***	***	***
	Trend	100	253	548	721
Import Price of undercutting volume	INR/MT	***	***	***	***
	Trend	100	89	92	89
Domestic Selling Price	INR/MT	***	***	***	***
	Trend	100	92	87	84
Price Undercutting	INR/MT	***	***	***	***
	Trend	100	110	54	48
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
	Trend	100	120	60	53

394. HR Plate Mill Plates: On all imports taken together, there was no price undercutting. However, of the total imports volume of [***] MMT during the POI, more than [***]% i.e. [***] MMT of HR Plate Mill Plates undercut the prices of the domestic industry by [***]% as shown in the table below.

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Import Volume					
Total imports volume	‘000 MT	302	312	619	892
Undercutting imports volume	‘000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	62	671	682
Undercutting volume %	%	***	***	***	***

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI
	Trend	100	60	327	227
Import Prices					
Value of Undercutting volume	Rs. In crores	***	***	***	***
	Trend	100	59	663	669
Import Price of Undercutting volume	INR/MT	***	***	***	***
	Trend	100	94	99	99
Domestic Selling Price	INR/MT	***	***	***	***
	Trend	100	101	98	94
Price Undercutting	INR/MT	***	***	***	***
	Trend	100	161	89	52
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
	Trend	100	175	92	50

395. CR Coils and sheets: On all imports taken together, there was no price undercutting. Of the total imports of [***] MMT during POI, [***] MMT (accounting for [***]%) undercut the prices of the domestic industry by [***]% as shown in the table below:

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Import Volume					
Total imports volume	‘000 MT	473	578	515	541
Undercutting imports volume	‘000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	39	62	77
Undercutting volume %	%	***	***	***	***
	Trend	100	32	56	66
Import Prices					
Value of Undercutting volume	Rs. In crores	***	***	***	***
	Trend	100	36	54	66
Import Price of Undercutting volume	INR/MT	***	***	***	***

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI
	Trend	100	92	86	86
Domestic Selling Price	INR/MT	***	***	***	***
	Trend	100	93	86	84
Price Undercutting	INR/MT	***	***	***	***
	Trend	100	101	82	75
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
	Trend	100	106	94	88

396. Metallic Coated Steel: On all imports taken together, there was no price undercutting. Of the total imports of [***] MMT during POI, [***] MMT (accounting for [***]%) undercut the prices of the domestic industry by [***]% as shown in the table below:

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Import Volume					
Total imports volume	‘000 MT	381	518	762	803
Undercutting imports volume	‘000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	69	170	143
Undercutting volume %	%	***	***	***	***
	Trend	100	50	84	67
Import Prices					
Value of Undercutting volume	Rs. In crores	***	***	***	***
	Trend	100	62	154	126
Import Price of Undercutting volume	INR/MT	***	***	***	***
	Trend	100	89	91	88
Domestic Selling Price	INR/MT	***	***	***	***
	Trend	100	89	86	82
Price Undercutting	INR/MT	***	***	***	***
	Trend	100	89	62	55
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
	Trend	100	100	68	64

397. Colour Coated Steel: On all imports taken together, there was no price undercutting. Of the total imports of ***MMT during POI, [***] MMT (accounting for [***]%) undercut the prices of the domestic industry by [***]% as shown in the table below:

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Import Volume					
Total imports volume	‘000 MT	142	190	366	404
Undercutting imports volume	‘000 MT	***	***	***	***
	Trend	100	157	400	439
Undercutting volume %	%	***	***	***	***
	Trend	100	116	155	153
Import Prices					
Value of Undercutting volume	Rs. In crores	***	***	***	***
	Trend	100	151	368	390
Import Price of Undercutting volume	INR/MT	***	***	***	***
	Trend	100	97	93	89
Domestic Selling Price	INR/MT	***	***	***	***
	Trend	100	94	90	87
Price Undercutting	INR/MT	***	***	***	***
	Trend	100	87	85	80
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
	Trend	100	90	90	90

398. For the PUC as a whole, total volume of imports and the undercutting volume thereof are tabulated below:

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Import Volume					
Total imports volume	MMT	2,293	3,524	5,344	6,612
Undercutting imports volume	MMT	***	***	***	***
	Trend	100	146	335	414
Undercutting volume %	%	***	***	***	***
	Trend	100	95	143	143

399. The import volumes undercutting the domestic selling prices accounted for [***]% of total imports during 2021-22 and 2022-23. It increased significantly to [***]% during 2023-24 and the POI. In response to the entry of a large volume of imports undercutting the domestic selling prices, the domestic industry had to reduce its prices significantly to remain in the market and to prevent further increase in imports at undercutting prices.

a. Price Depression:

400. The Domestic Selling Price (“DSP”) for HR Coils and sheets was depressed by [***]% during the POI compared to 2021-22. During the same period, DSP of HR Plate Mill Plates was depressed by [***]%, CR Coils and sheets by [***]%, Metallic Coated Steel by [***]% and Colour Coated steel by [***]%. DSP was lower on a year-on-year basis for each of the five categories every year during the injury analysis period except one instance when the DSP of HR Plate Mills Plate increased by just [***]% during 2022-23 over 2021-22. Thus, price depression was significant and was present throughout the injury analysis period.

(INR per MT)

Particulars	2021-22	2022-23	2023-24	POI
Actual				
HR Coils and Sheets	***	***	***	***
HR Plate Mill Plates	***	***	***	***
CR Coils and Sheets	***	***	***	***
Metallic Coated Steel	***	***	***	***
Colour Coated Steel	***	***	***	***
Trend				
HR Coils and Sheets	100	92	87	84
HR Plate Mill Plates	100	101	98	94
CR Coils and Sheets	100	93	86	84
Metallic Coated Steel	100	89	86	82
Colour Coated Steel	100	94	90	87

b. Price Suppression:

401. HR Coils and sheets: For the injury analysis period, domestic selling prices declined by Rs.[***] PMT and the cost of sales increased by Rs.[***] PMT leading to a cumulative price suppression of Rs.[***] PMT as shown in the table below.

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI	Cumulative Change
Domestic Selling Price	INR/MT	***	***	***	***	
	Trend	100	92	87	84	
Increase/(Decrease) in	INR/MT		(***)	(***)	(***)	(***)

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI	Cumulative Change
Price	Trend		100	55	41	
Cost of Sales	INR/MT	***	***	***	***	
	Trend	100	117	106	104	
Increase/(Decrease) in Cost of Sales	INR/MT		***	(***)	(***)	***
	Trend		100	-67	-7	
Price Suppression	INR/MT		***	(***)	***	***
	Trend		100	-19	12	

402. HR Plate Mill Plates: During the injury analysis period, domestic selling prices declined by Rs. [***] PMT and the cost of sales increased by Rs. [***] PMT leading to a cumulative price suppression of Rs. [***] PMT as shown in the table below.

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI	Cumulative Change
Domestic Selling Price	INR/MT	***	***	***	***	
	Trend	100	101	98	94	
Increase/(Decrease) in Price	INR/MT		***	(***)	(***)	(***)
	Trend		100	-213	-312	
Cost of Sales	INR/MT	***	***	***	***	
	Trend	100	120	110	104	
Increase/(Decrease) in Cost of Sales	INR/MT		***	(***)	(***)	***
	Trend		100	-51	-29	
Price Suppression	INR/MT		***	(***)	(***)	***
	Trend		100	-34	-1	

403. CR Coils and Sheets: During the injury analysis period, domestic selling prices declined by Rs. [***] PMT and the cost of sales increased by Rs. [***] PMT leading to a cumulative price suppression of Rs. [***] PMT as shown in the table below.

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI	Cumulative Change
Domestic Selling Price	INR/MT	***	***	***	***	(***)
	Trend	100	93	86	84	
Increase/(Decrease) in Price	INR/MT		(***)	(***)	(***)	
	Trend		100	111	24	
Cost of Sales	INR/MT	***	***	***	***	***
	Trend	100	118	105	104	

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI	Cumulative Change
Increase/(Decrease) in Cost of Sales	INR/MT		***	(***)	(***)	***
	Trend		100	- 72	-4	
Price Suppression	INR/MT		***	(***)	***	***
	Trend		100	-12	5	

404. Metallic Coated Steel: During the injury analysis period, domestic selling prices declined by Rs. [***] PMT and the cost of sales declined by Rs. [***] PMT leading to a cumulative price suppression of Rs. [***] PMT as shown in the table below.

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI	Cumulative Change
Domestic Selling Price	INR/MT	***	***	***	***	(***)
	Trend	100	89	86	82	
Increase/(Decrease) in Price	INR/MT		(***)	(***)	(***)	
	Trend		100	31	32	
Cost of Sales	INR/MT	***	***	***	***	(***)
	Trend	100	111	100	96	
(***) Increase/(Decrease) in Cost of Sales	INR/MT		***	(***)	(***)	(***)
	Trend		100	- 104	-34	
Price Suppression	INR/MT		***	(***)	***	***
	Trend		100	-31	2	

405. Colour Coated Steel: During the injury analysis period, domestic selling prices declined by Rs. [***] PMT and the cost of sales declined by Rs. [***] PMT leading to a cumulative price suppression of Rs. [***] PMT as shown in the table below.

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI	Cumulative Change
Domestic Selling Price	INR/MT	***	***	***	***	(***)
	Trend	100	94	90	87	
Increase/(Decrease) in Price	INR/MT		(***)	(***)	(***)	
	Trend		100	58	63	
Cost of Sales	INR/MT	***	***	***	***	(***)

Particulars	UOM	2021-22	2022-23	2023-24	POI	Cumulative Change
	Trend	100	105	97	94	
Increase/(Decrease) in Cost of Sales	INR/MT		***	(***)	(***)	(***)
	Trend		100	-158	-51	
Price Suppression	INR/MT		***	(***)	***	***
	Trend		100	-37	13	

406. As noted above, there is a significant price depression and price suppression caused by increased imports. The fact that significant volume of imports were undercutting the domestic selling prices establish the causal link between the increased imports and the price depression and price suppression. As a consequence, the profitability of the domestic industry has been severely affected, as noted above. If this trend continues, the domestic industry is likely to suffer significant losses in the near future.

407. The Authority has also undertaken the price underselling analysis to examine the magnitude of injury being suffered by the domestic industry for each category of the PUC. For the purpose of carrying out a comprehensive price underselling analysis, landed value (LV) for each category was compared with the fair selling price (FSP) of the domestic industry during POI, Oct 2024 – Mar 2025 (post POI six months) and May 2025 (post imposition of provisional safeguard duty). The price underselling analysis reveals that the landed value was much higher than the fair selling price of the domestic industry in the POI, post POI six months as well as in May 2025 on a cumulative basis.

408. It has been further noted that there is a positive underselling in the case of Colour Coated Steel. However, the share of the imports of Color Coated Steel in the total imports of subject goods is miniscule. It has been also noted that there is a positive price underselling in HR Coils and Sheets during the period October 2024 to March 2025.

Product Types	POI (October 2023 to September 2024)				
	Volume	FSP	LP	IM	IM (%)
HR Coils and Sheets	3,973	***	***	(***)	(***)
HR Plate Mill Plates	892	***	***	(***)	(***)
CR Coils and Sheets	541	***	***	(***)	(***)
Metallic Coated Steel	803	***	***	(***)	(***)
Colour Coated Steel	404	***	***	***	***
Total	6,612	***	***	(***)	(***)

Product Types	October 2024 to March 2025				
	Volume	FSP	LP	IM	IM (%)
HR Coils and Sheets	1494	***	***	***	***
HR Plate Mill Plates	561	***	***	(***)	(***)
CR Coils and Sheets	220	***	***	(***)	(***)
Metallic Coated Steel	466	***	***	(***)	(***)
Colour Coated Steel	144	***	***	***	***
Total	2,886	***	***	(***)	(***)

Product Types	May 2025				
	Volume	FSP	LP	IM	IM (%)
HR Coils and Sheets	94	***	***	(***)	(***)
HR Plate Mill Plates	39	***	***	(***)	(***)
CR Coils and Sheets	26	***	***	(***)	(***)
Metallic Coated Steel	45	***	***	(***)	(***)
Colour Coated Steel	25	***	***	***	***
Total	229	***	***	(***)	(***)

409. The following factors are also relevant in regard to determining the cause-and-effect relationship of increased imports and the serious injury during the POI and the threat of serious injury in the future, to the DI:

- Imports have increased significantly in absolute terms, in relation to domestic production, and in relation to demand for the PUC in India.
- The increase in imports was recent, sudden, sharp and significant.
- Market share of imports have increased from [***]% during 2021-22 to [***]% during the POI. During the same period, market share of the domestic industry declined by [***]%.
- Capacity and actual production increased significantly during the injury analysis period. However, volume of production declined by [***] MMT ([***]%) during POI.
- Unutilized capacity of the domestic industry increased to [***] MMT during the POI, which accounted for [***]% of the capacity.
- Average inventory levels increased significantly both in absolute terms, and in terms of number of days of production or sales.

- g) Profitability of the domestic industry declined significantly. PBT in absolute terms declined by [***]% during POI compared to the base year 2021-22. PBT per MT declined by [***]% during the same period. Consequential decline in PBIT and Cash Profits was also observed.
- h) The profitability of the domestic industry declined during 2022-23 compared to 2021-22. It increased marginally during 2023-24 but declined again during the POI. Compared to the base year, profitability during the POI stands eroded significantly. This shows that precarious financial position of the domestic industry.
- i) No. of employees increased by [***]% during 2022-23 over 2021-22 and reached [***]. As the domestic industry suffered significant losses during 2022-23, as one of the measures to reduce costs, the number of employees was reduced to [***] in 2023-24 and further to [***] during the POI.

410. To sum up, a comprehensive evaluation of parameters enumerated above demonstrates that serious injury is being caused to the DI and is likely to continue in future by the significantly increased and continually increasing imports of the PUC. It is also relevant to note that while arriving at this conclusion, all relevant factors of an objective and quantifiable nature having a bearing on determining the causation of serious injury to the DI have been evaluated.

M. NON-ATTRIBUTION ANALYSIS

411. As per the Rules, the Authority is required to determine whether increased imports were a cause of the serious injury or threat of serious injury to the domestic industry. Therefore, for the purpose of non-attribution assessment, all relevant factors of an objective and quantifiable nature having a bearing on the situation of the domestic industry were examined. In addition, it was examined whether factors other than increased imports were a cause of injury to the domestic industry. While there are no laid down "other factors" that are required to be evaluated, it was examined whether factors such as changes in technology, regulatory restrictions and contraction in demand, were principal cause of injury to the domestic industry.

(i) Change in Technology

412. The Authority notes that there are no significant changes in technology. Therefore, the injury to the domestic industry is not attributable to Changes in Technology.

(ii) Regulatory Restrictions

413. The Authority notes that the injury to the domestic industry is not attributable to regulatory restrictions.

(iii) Contraction in Demand

414. As seen above, the demand for the product under consideration as a whole is increasing. Therefore, the injury to the domestic industry is not attributable to contraction in demand.

(iv) Pattern of Consumption

415. There have been no changes in the patterns of consumption. Therefore, injury to the domestic industry is not attributable to changes in the pattern of consumption.

(v) Conditions of Competition And Trade Restrictive Practices

416. The investigation has not shown that conditions of competition or trade restrictive practices have changed. Therefore, injury to the domestic industry is not attributable to conditions of competition and trade restrictive practices.

(vi) Export Performance of the Domestic Industry

417. The injury analysis is limited only to domestic performance and for the product under consideration. Therefore, injury to the domestic industry is not attributable to the export performance of the domestic industry.

N. THREAT OF SERIOUS INJURY

418. The Domestic Industry has claimed that in addition to suffering serious injury, the recent, sudden, sharp and

significant increase in imports pose a threat to serious injury. Authority has examined the following aspects with reference to threat of injury: -

(i) Excess Capacity

419. As examined above, as per the OECD report on 'latest developments in steelmaking capacity'¹⁷, global steelmaking capacity increased by 32.1 MMT to 2459.1 MMT in the year 2022, which is the highest global capacity figure in history. Additionally, there is a significant gap between global capacity and crude steel production. The idle capacity surged to 627.7 MMT in 2022 from 512.6 MMT in 2021. Additionally, the Authority has also examined and noted above that the steel making capacities in large steel producing economies such as Japan and South Korea have increased significantly in the recent period. The percentage of capacity that exceeds the consumption in the case of South Korea and Japan was 101% and 49% respectively in the year 2023. The global excess steelmaking capacity poses a threat of serious injury to the domestic industry.

(ii) Trade Remedy Actions Globally

420. As examined above, subsequent to the imposition of 25% additional duty on steel products by the United States under Section 232 of the US Trade Expansion Act, 1962, several countries have imposed trade remedy measures on various steel products. Countries such as the GCC, the EU, Morocco, Canada and the UK had imposed safeguard measures on steel products. Additionally, several WTO Members imposed Antidumping or countervailing duties on imports of steel products into their territories. According to an OECD Report, 129 trade remedy measures were adopted by countries such as the EU, Canada, the UK and others against steel products. The Authority also notes that on 10 February 2025, the USA has announced that it would apply 25% additional duty on steel products with effect from 12 March 2025 uniformly on all imports into the USA from all sources by revoking relaxations and exemptions granted, if any, to various countries. The domestic industry has claimed that consequent to these measures, more imports are expected to bounce off from those countries and India has become more vulnerable to increased imports. The Authority notes that the wave of trade remedy and other protective measures taken against steel products by various countries pose a threat to serious injury to the domestic industry.

421. The domestic industry further submitted that as per a recent report published by the OECD, there have been 81 trade remedy actions on steel products in 2024 alone. Additionally, the domestic industry further submitted that the United States has withdrawn all country exemptions and exclusions granted under the Section 232 Tariffs, which would impact 21MMT of imports of steel into the US. With effect from 4th June 2025, the US has increased the Sec.232 measures from 25% to 50%. In addition to the Section 232 tariffs, the US has announced the reciprocal tariffs across all countries. The domestic industry further submitted that the European Union has reduced the quota applicable HR coils in its safeguard measure. The domestic industry also brought to the attention of the Authority the various other trade remedy measures taken by other countries on steel products.

422. The Authority notes that the domestic industry has provided sufficient information regarding the increase in trade remedy actions globally. The other interested parties have merely submitted that trade remedy actions on steel products are cyclical and routine. The Authority notes that the mere fact that trade actions are cyclical does not address the concern that the unprecedented rise in such actions has led to increase in the volume of imports of PUC into India posing a threat of serious injury to the domestic industry.

(iii) Export Orientation Of Key Producers

423. The domestic industry submitted that exports from China more than doubled between 2020 to 2024 to 117 MMT. Chinese exports increased by 7 MMT, i.e., 15% during January to May 2025. The domestic industry further submitted that Russia, which is not a regular exporter to India has booked HRC exports at USD 460 to 465 per MT.

424. As examined above, large steel producing economies such as Japan, South Korea and China have high steel producing capacities, that far exceed their domestic consumption. On account of the excess capacities, the possibility of steel producers in these economies turning to export markets cannot be ruled out, which poses a threat to serious injury to the domestic industry.

(iv) Increase in import intensity and lowering of prices

425. As highlighted in the data analysis done in previous paragraphs of these findings, there is an increase in intensity of the imports, both in terms of quantum as well as their price suppression and depression impact. These trends when extrapolated hold an imminent and near term serious threat of injury to the domestic industry. The domestic industry further submitted that there has been an increase in cost of inputs and decline in selling prices as reported by publicly available sources. It has further been submitted that in order to achieve the objectives of the national steel policy and AtmaNirbhar Bharat, there is a requirement to invest Rs. 2 lakh crore each year till 2030.

O. PUBLIC INTEREST

426. Interested parties have submitted that imposition of the duties would not be in public interest since it would increase the costs to the downstream industries such as construction, automotive, consumer appliances, etc., which would affect the competitiveness of the industry. It has been submitted that such costs would be transferred to the end-users. The other interested parties further submit that the domestic industry does not have the capacity to supply specialized steel products.

427. The domestic industry submitted that there is no data or evidence provided to substantiate the assertion that the duties will result in an increase in costs. The domestic industry stated that several studies have shown that the Section 232 measures “*clearly show[ed] no correlation with inflation*” and only had a temporary effect on overall price levels. The domestic industry further submitted that one MSME producer, namely Assam Roofing Ltd., has supported the imposition of the duties. The applicant further submitted that in previous safeguard investigations, the Authority has recommended the imposition of safeguard duties despite the existence of a demand-supply gap. The domestic industry further submitted that the duties are necessary for national security in the light of the current geo-political situation.

428. India is a developing country with development policy objectives to raising standards of living, ensuring full employment and a large and steadily growing volume of real income and effective demand.

429. A vibrant Steel industry has historically been the foundation of a nation’s rapid Industrial Development. On account of rapid industrial development, from a small capacity of 22 MT in FY 1991-92 prior to deregulation, India had become the 3rd largest steel producer in the world with a production of 90 MT and a capacity of 122 MT in FY 2015-16. By 2017, the Indian steel industry contributed approximately 2% to the country’s GDP and employed about 5 lakh people directly and about 20 lakh people indirectly.

430. As such, India’s National Steel Policy (“NSP”) was announced in 2017 in an effort to steer the industry to achieve its full potential, enhance steel production with focus on high-end value-added steel while being globally competitive in major segments like infrastructure, automobiles and housing. The NSP aspires to achieve 300 MT of steelmaking capacity by 2030 which would translate into additional investment of Rs. 10 lakh Crore by 2030- 31. The NSP seeks to increase per capita steel consumption to the level of 160 Kgs by 2030 from the level of around 60 Kg.

431. Particularly, the NSP notes that global prices of steel began to decline post 2011, marking the beginning of a downturn in the global steel industry triggered by a slowdown in global demand and over capacities in a number of countries including China. This led to significant structural asymmetry between demand and supply, affecting a large number of Indian companies and leading to surge in imports resulting in weak pricing conditions, low profitability, lower capacity utilization and even closure of capacities in some cases.

432. Therefore, India’s NSP states that the industry has to be given appropriate policy support to ensure that production of steel matches the anticipated pace of growth in consumption.

433. In the light of the above, when imports increase significantly causing and threatening to cause serious injury to the domestic steel producers, it would in public interest to put in place trade remedy measures in accordance with the law, to protect the domestic producers from injurious imports. In fact, the above stated policy objectives cannot be achieved if increased imports cause serious injury to the domestic steel industry and appropriate steps are not taken to arrest the surge.

434. Section 8B has been enacted in the public interest for the protection of domestic producers, suffering serious injury due to a surge in imports. The law envisages giving protection to such producers, so that they can adjust their business to deal effectively with the imports.
435. Considering the above, it is concluded that imposition of safeguard duty would be in public interest.

P. ADJUSTMENT PLAN

436. The interested parties have argued that it is mandatory for the domestic industry to submit a clear and detailed adjustment plan and that the adjustment plan currently presented by the domestic industry is vague and generic and does not meet the requirements of the Agreement on Safeguards, the Act or the Rules. It is further asserted that the adjustment plan largely reproduces the plans submitted by the applicants in the 2016 safeguard investigation. The interested parties point to prior investigations where the Authority refrained from imposing the measure on account of an inadequate adjustment plan.
437. The domestic industry submitted that the adjustment plan provided by them is fully compliant with the provisions of the AoS and the Rules. The domestic industry further submitted that the adjustment plan provided by it contains sufficient information regarding the initiatives that it intends to take such as optimization of costs, energy efficiency, PLI benefits, etc. The domestic industry disputes the contention by other interested parties that in prior investigation, the Authority declined to recommend duties on the ground that the adjustment plan was not sufficiently detailed. The domestic industry submitted that in prior investigations, it was not only the lack of a sufficiently detailed adjustment plan, but also the absence of other factors such as an increase in imports or serious injury to the domestic industry which were the reasons for the Authority not recommending the imposition of the duties.
438. The Authority notes that the requirement in relation to the adjustment plan has been explained by the Panel in *Korea- Dairy Products* as under:

"7.108 We wish to make it clear that we do not interpret Article 5.1 as requiring the consideration of an adjustment plan by the authorities, as the European Communities asserts. The Panel finds no specific requirement that an adjustment plan as such must be requested and considered in the text of the Agreement on Safeguards. Although there are references to industry adjustment in two of its provisions, nothing in the text of the Agreement on Safeguards suggests that consideration of a specific adjustment plan is required before a measure can be adopted. Rather, we believe that the question of adjustment, along with the question of preventing or remedying serious injury, must be a part of the authorities' reasoned explanation of the measure it has chosen to apply. Nonetheless, we note that examination of an adjustment plan, within the context of the application of a safeguard measure, would be strong evidence that the authorities considered whether the measure was commensurate with the objective of preventing or remedying serious injury and facilitating adjustment."

439. The Authority notes that neither the Agreement on Safeguards, nor the Act or the Rules prescribes a format or specifications for an adjustment plan. However, the adjustment plan may be used as a basis for deciding the appropriateness of the measure and whether the measure was commensurate with the objective of preventing or remedying serious injury.

Q. CONCLUSION AND RECOMMENDATION:

440. In view of the findings above, the Authority concludes that there is a recent, sudden, sharp and significant increase in imports of PUC into India at the cumulative level as a result of unforeseen developments and the effect of obligations under GATT, causing and threaten to cause serious injury to the domestic industry / producers of PUC.

R. DUTY RATE AND PERIOD

441. Certain interested parties submitted that there is no basis for imposition of a safeguard duty at the rate of 25%. It was further submitted that there is no basis for adoption of a 22% return on capital employed in computing the

appropriate rate of duty.

442. The domestic industry submitted that the computation of a duty on the basis of a “non-injurious price” is not relevant in safeguard investigations since a provision for computation of the non-injurious price is absent in the safeguard rules and the Agreement on Safeguards. The domestic industry further submitted that in *US – Safeguard Measure on Washers*, the Panel found that Article 5.1 does not require an investigating authority to calibrate the safeguard measure to match the degree of price underselling. According to the Panel:

"We note that while Article 5.1 provides that a Member shall apply safeguard measures only to the extent necessary to prevent or remedy serious injury, it does not provide any rules requiring the authority to ensure that the safeguard remedy matches the degree of price underselling found, which here is the difference between prices of subject imports and domestic like products. Indeed, such a requirement would be at odds with the fact that the Agreement on Safeguards (a) does not even specifically require a price underselling analysis; and (b) permits the imposition of quantitative restrictions (it is unclear to us how exactly as a mathematical matter a quantitative restriction could be designed to match the degree of price underselling, and in any case, the Agreement on Safeguards does not provide rules on this matter). In this regard, the provisions of the Agreement on Safeguards stand in contrast to, for example, the provisions of the Anti-Dumping Agreement, which require authorities to calibrate their remedy by ensuring that the anti-dumping duty not exceed the margin of dumping established under Article 2 of that agreement (see Article 9.3 of the Anti-Dumping Agreement). Therefore, we do not find any basis in Article 5.1 to require investigating authorities to calibrate their safeguard measures to reflect the degree of price underselling."

443. The domestic industry further submitted that imposition of 25% rate of duty is appropriate in the light of the threat of serious injury to the domestic industry. According to the domestic industry, the facts indicating threat of serious injury are:

- a) Increase in cost of inputs and decline in selling prices – the domestic industry submitted that iron ore prices increased by 9%, whereas the price of the PUC declined.
- b) Decline in global steel prices – the domestic industry submitted that the global steel export price is at USD 450 per MT in May 2025, which is below the price of USD 475 per MT that prevailed in May 1995. The domestic industry further submitted that steel prices have declined sharply post March 2025.
- c) There is global excess steel capacity – the domestic industry submitted that in the past three years, the world steel demand has declined by 100 MMT. The global surplus steel capacity has increased by 600MMT.
- d) Export orientation – the domestic industry submitted that China's exports more than doubled between 2020 to 2024. The domestic industry further submitted that China, Japan, Korea and Vietnam contribute to 60% of global steel exports.
- e) The domestic industry further submitted that India is the 2nd largest steel producer with steel demand accelerating at a healthy rate of 15-16 MMT annually.
- f) The domestic industry further submitted that there are increasing number of trade actions against steel products.
- g) The domestic industry submitted that the US revoked all exemptions granted to the Section 232 tariffs, which would affect 21 MMT of steel imports into the US.

444. The Authority notes that there is a recent, sudden, sharp and significant increase in import volumes at the cumulative level from 2021-22 to the Period of Investigation (i.e., October 2023 to September 2024). It may be noted that the import trends of the quarter immediately after the POI (i.e., October 2024 to December 2024) show a similar import trend when the data is annualized.

445. The Authority further notes that the C.I.F import price for the PUC as a whole significantly reduced from 2021-22 to the POI. However, the same is above the fair selling price of the domestic industry.

446. During this period, the Return on Capital Employed by the domestic industry for all five product categories has continuously declined.

447. The National Steel Policy 2017 envisages a total steel production of 300 MMT by 2030, which would be essential in furthering the objectives of Atma Nirbhar Bharat. To achieve this target, India would have to set up 18 to 20 MMT of capacity annually, which would require an investment INR 2,00,000 Crore per year.

448. The domestic industry submitted that, given the rising quantity of imports at very low prices, the ROI of the domestic industry has drastically declined. The domestic industry is required to earn sufficient returns on investment in order to be able to achieve its capacity expansion plans. The Authority notes that the imports are above the fair selling price of the domestic industry.

449. The Authority further notes that various other countries have taken trade actions against various steel products. Some of the most recent trade actions undertaken by other countries are given below:

Trade Action	Imposing Country	Product	Target Country	Duty	Effective Date
Actions inconsistent with WTO Law					
Section-232	US	All steel products	All Countries	Increased to 50%	June 2025
Section-301	US	Various products including Steel	China	25%	September 2024
Additional Import Tariffs	Canada	Steel and Aluminium, among others	China	25%	October 2024
Surtax	Canada	Steel mill products	All non-FTA countries	50% surtax above quota	July 2025
Tariff Increase	Mexico	Steel Products		25% to 50%	August 2023
Safeguard Measures					
TRQ-Safeguard	Europe	Various steel products	All Countries	25% TRQ upto July 2026	July 2018, extended on June 24, 2024
Safeguard	Brazil	Steel Products	All Countries	25% above quota	May 2025
Safeguard	Turkey	Wire Rod	All Countries	US\$175/MT	June 2024
Antidumping Measures					
Antidumping	Turkey	HR Coil	China	15.42% - 43.31%	October 2024
			Japan	9%	
			India	6.1%-9%	
			Russia	6.1%-9%	
Antidumping	Vietnam	HR Coil	China	23.1% - 27.8%	March 2025
Antidumping	Europe	HR Coil and Sheets	Egypt	12.8%	Provisional finding issued on April 4, 2025
			Japan	6.9% - 32%	
			Vietnam	12.1%	
			India	No duty	

Trade Action	Imposing Country	Product	Target Country	Duty	Effective Date
Antidumping	Brazil	CR Coils	China	Provisional findings establish dumping, but no duty imposed yet	Provisional findings issued on March 12, 2025
Antidumping	Brazil	HR Coils	China and Russia	Under investigation	-
Antidumping	Brazil	Colour Coated	China	Provisional findings establish dumping, but no duty imposed yet	March 2025
Antidumping	Korea RP	HR Coils	China and Japan	28.16% - 33.57%	July 2025
Antidumping	Korea RP	HR Plates	China	38%	February 2025

450. The domestic industry submits that India is the only large steel manufacturing economy that does not have a trade measure on steel products as a whole. A rate of duty that is less than 25% would still lead to a price arbitrage as India would comparatively be a more attractive export destination as compared to the other steel producing/importing economies. Therefore, any rate of duty below 25% would not deter the surge in imports into India.

451. The Authority further notes that the Customs Tariff Act, 1975, the Customs Tariff (Safeguard Measures) Rules, 1997 and the Agreement on Safeguards do not provide any guidance as to how the rate of duty must be determined. Further, Rule 11(2) of the Safeguard Rules, which is (*pari materia* with the first sentence of Article 5.1 of the Agreement on Safeguard) states that the “*Director General shall also give its recommendation regarding amount of duty which, if levied, would be adequate to prevent or remedy serious injury and to facilitate positive adjustment*” without any further guidance as to how such rate of duty is to be determined.

452. It is further necessary to consider that US has already imposed 50% duties on Steel products, and several other countries have followed suit, as a result of which huge surplus capacities are lying with several manufacturers in all the major steel manufacturing countries. Therefore, the safeguard duty must address, not only the serious injury suffered by the domestic industry during the POI, but also the threat of serious injury that is likely to arise in the future.

453. The Authority further notes that the EU’s safeguard investigation concerning certain steel products, the European Commission decided to adopt a rate of duty of 25% on the grounds that the same rate of duty was imposed by the US. The European Commission made no determination as to the non-injurious price and the injury margin in the said decision:

“Contrary to the views of a few interested parties, it is against this backdrop that a 25% level Union off-quota tariff rate is not arbitrary but appears to be fully proportionate measure and perfectly consistent with the objective to protect the Union steel market against a surge of imports, which in the recent period originates to a large extent in the trade deviation that the US protectionist measures are producing. In fact, worldwide steel exporters confronted with a 25 % or 50 % tariff or with restrictive quotas in the US could redirect their exports to the Union above the level of their traditional sales and produce injury to the Union steel industry if there is not a sufficiently deterring hurdle in the Union when imports start exceeding their traditional levels.”

“Non-Alloy and Alloy Steel Flat Products”, (“PUC”), namely (a) Hot Rolled (“HR”) coils, sheets and plates, (b) HR Plate Mill Plates (“PMP”), (c) Cold Rolled (“CR”) coils and sheets,

(d) *Metallic Coated Steel coils and sheets, whether or not profiled, including Galvanneal, Coated with Zinc or Aluminium-Zinc or Zinc-Aluminium-Magnesium ("Coated"), and (e) Colour Coated coils and sheets, whether or not profiled ("CC").*

The following products are excluded from the scope of the PUC:

- a) *Cold Rolled Grain Oriented Electrical Steel (CRGO)*
- b) *Cold Rolled Non-Oriented Electrical Steel (CRNO) coils and sheets*
- c) *Coated - Electro Galvanized Steel*
- d) *Tinplate*
- e) *Stainless steel*
- f) *Nickel Coated / Nickel Plated Cold Rolled Steel;*
- g) *Rubber Coated Steel;*
- h) *Electro Galvanised (EG) – Zinc Nickel Coated Steel;*
- i) *Bi-Metal Steel / Bi-Metal Sandwich Steel;*
- j) *Brass Coated Steel Wire (wire is part of long steel products, which are not even covered in the notice of initiation);*
- k) *CRUTONITE;*
- l) *INCONEL;*
- m) *Stainless Steel Items (which are not even covered in the notice of initiation);*
- n) *Aluminium Coated Steel;*
- o) *Aluminium Silicon Coated / Hot Dipped Aluminised Silicon Coated Steel;*
- p) *Hot Rolled Clad Steel Plate;*
- q) *Nickel Plated Steel / Nickel Plated Strip;*
- r) *Copper Plated Steel;*
- s) *Laminated Electro Galvanized (EGI);*
- t) *Cobalt Plated Steel;*
- u) *Silver Plated Steel;*
- v) *Titanium Clad Plates;*

454. The period and rate of duty shall be as under:

Year 1	12%
Year 2	11.5%
Year 3	11%

455. The Authority notes that the several categories of products are covered within the scope of the PUC and injury to the domestic industry stems from the imports of lower priced subject goods. Taking into account the current serious injury to the domestic industry, and the imminent threat of injury due to the imports of subject goods, the

fair selling price and, considering competing interest of all stakeholders, the Authority recommends that the safeguard duty recommended above should not be imposed on the product categories as specified in the corresponding entry in column (2) of the Table below, when imported into India, at or above the import price on CIF basis as mentioned in the corresponding entry in column (3) of the said Table, namely;

Sl. No (1)	Product Category (2)	Import price on CIF basis (3)	Unit (4)	Currency (5)
1.	Hot Rolled coils, sheets and plates	675	MT	USD
2.	Hot Rolled Plate Mill Plates	695	MT	USD
3.	Cold Rolled Coils and Sheets	824	MT	USD
4.	Metallic Coated Steel Coils and Sheets, whether or not profiled, including Galvanneal, Coated with Zinc or Aluminium-Zinc or Zinc-Aluminium-Magnesium	861	MT	USD
5.	Colour Coated coils and sheets, whether or not profiled	964	MT	USD

S. DEVELOPING NATIONS:

456. The proviso to Section 8B(2) of the Customs Tariff Act, 1975 provides that Safeguard Duty shall not be “*applied on an article originating from a developing country so long as the share of imports of that article from that country does not exceed three percent or where the article is originating from more than one developing country, then, so long as the aggregate of the imports from each of such developing countries with less than three percent import share taken together, does not exceed nine percent of the total imports of that article into India*”. Further, Notification No.19/2016-Custom (NT), dated 5th February, 2016 specifies the developing countries for the purposes of this provision.
457. Certain interested parties have submitted that the Authority may calculate the country wise share of imports separately for the 5 categories of product concerned so as to determine the share in imports from developing countries. Parties have further submitted that such a methodology is WTO compliant and other countries such as the EU have adopted the same methodology.
458. The Authority has considered the said submissions of the interested parties and the European Commission’s final determination in the safeguard investigation concerning certain steel products, wherein the EC undertook a product category-wise developing country exemption analysis. The Authority understands that there is a requirement to examine the developing country exemptions under the proviso to Section 8B(2) of the Act for each of the five product categories separately.
459. Annex 1 to these final findings provides the product category-wise import shares of the individual countries. Based on the product category wise share in imports, the country-wise exemption of developing countries is as follows:
- Hot Rolled coils, sheets and plates* imported from developing countries listed in Notification No. 19/2016-Customs (NT) other than China PR and Viet Nam may be exempt from the application of the safeguard duties.
 - Hot Rolled Plate Mill Plates* imported from developing countries listed in Notification No. 19/2016-Customs

(NT) other than China PR may be exempt from the application of the safeguard duties.

- c) *Cold Rolled Coils and Sheets* imported from developing countries listed in Notification No. 19/2016-Customs (NT) other than China PR and Nepal may be exempt from the application of the safeguard duties.
- d) *Metallic Coated Steel Coils and Sheets, whether or not profiled, including Galvanneal, Coated with Zinc or Aluminium-Zinc or Zinc-Aluminium-Magnesium* imported from developing countries listed in Notification No. 19/2016-Customs (NT) other than Viet Nam, China PR and Nepal may be exempt from the application of the safeguard duties
- e) *Colour Coated coils and sheets, whether or not profiled* imported from developing countries listed in Notification No. 19/2016-Customs (NT) other than China PR and Nepal may be exempt from the application of the safeguard duties.

460. Certain interested parties have requested for exclusion of Taiwan and the European Union from the application of the duties. The Authority has recommended exclusion of imports from developing countries, as per notification No.19/2016-Customs (NT) so long as the *share of imports of that article from that country does not exceed three percent of total imports from all sources.*

T. FURTHER PROCESS:

461. An appeal against the order of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

SIDDHARTH MAHAJAN, Director General

Annex 1

Product Category Wise Import Share of Individual Countries

Country	Percentage of imports during the POI
<i>Hot Rolled coils, sheets and plates</i>	
Korea Rp	34.10%
Japan	28.20%
China PR	19.90%
Vietnam Soc Rep	17.50%
Nepal	0.20%
Sweden	0.10%
Belgium	0.00%
Germany	0.00%
Hong Kong	0.00%
Indonesia	0.00%
Luxembourg	0.00%
Malaysia	0.00%

Country	Percentage of imports during the POI
Netherland	0.00%
Russia	0.00%
Saudi Arab	0.00%
Taiwan	0.00%
UAE	0.00%
USA	0.00%
<i>Hot Rolled Plate Mill Plates</i>	
China PR	46.60%
Korea RP	38.10%
Japan	7.40%
France	3.60%
Indonesia	2.60%
Sweden	0.70%
Germany	0.50%
Belgium	0.20%
Bangladesh PR	0.10%
U S A	0.10%
Australia	0.00%
Austria	0.00%
Baharain IS	0.00%
Denmark	0.00%
Finland	0.00%
Italy	0.00%
Malaysia	0.00%
Netherland	0.00%
Oman	0.00%
Poland	0.00%
Russia	0.00%
Singapore	0.00%
Slovenia	0.00%
Switzerland	0.00%

Country	Percentage of imports during the POI
UAE	0.00%
U K	0.00%
Ukraine	0.00%
<i>Cold Rolled Coils and Sheets</i>	
Korea RP	63.80%
Japan	20.70%
China PR	9.30%
Nepal	4.40%
Sweden	0.80%
Malaysia	0.30%
U S A	0.20%
Italy	0.10%
Singapore	0.10%
UAE	0.10%
Austria	0.00%
Belgium	0.00%
Canada	0.00%
France	0.00%
Germany	0.00%
Netherland	0.00%
Poland	0.00%
Russia	0.00%
Spain	0.00%
Switzerland	0.00%
Taiwan	0.00%
Thailand	0.00%
U K	0.00%
Vietnam Soc Rep	0.00%
<i>Metallic Coated Steel Coils and Sheets, whether or not profiled, including Galvanneal, Coated with Zinc or Aluminium-Zinc or Zinc-Aluminium-Magnesium</i>	
Korea Rp	53.75%

Country	Percentage of imports during the POI
Japan	16.64%
Vietnam Soc Rep	11.19%
China P Rp	8.95%
Nepal	7.40%
Malaysia	0.51%
U K	0.34%
Belgium	0.23%
Thailand	0.21%
Germany	0.20%
Singapore	0.14%
U S A	0.11%
UAE	0.10%
Bangladesh PR	0.07%
France	0.05%
Netherland	0.03%
Italy	0.02%
Baharain IS	0.02%
Portugal	0.01%
Australia	0.01%
Slovenia	0.01%
Sri Lanka DSR	0.00%
Canada	0.00%
Greece	0.00%
Hungary	0.00%
Kuwait	0.00%
Poland	0.00%
Spain	0.00%
Sweden	0.00%
Taiwan	0.00%
Luxembourg	0.00%
Mexico	0.00%

Country	Percentage of imports during the POI
N. Mariana IS	0.00%
<i>Colour Coated coils and sheets, whether or not profiled</i>	
China PR	71.20%
Korea RP	17.30%
Nepal	7.40%
Japan	2.10%
Vietnam Soc Rep	1.20%
Belgium	0.30%
Bangladesh Pr	0.20%
Canada	0.10%
U Arab Emts	0.10%
Germany	0.00%
Italy	0.00%
Netherland	0.00%
Portugal	0.00%
Taiwan	0.00%
U S A	0.00%